

II SHREE VITRAAGAAYA NAMAH II



UPPANEIVĀ
VIGAMEIVĀ
DHUVEIVĀ

भगवई सुत्तं
BHAGAVĀI SŪTRA

पंचम गणधर सिरि सुहम्मसामी विरइयं

विवाह पण्णती

भगवई सुत्त

BHAGAVAĪ SŪTRA

मूल पाठ
Prakrit Text

अंग आगम – ५
5th AṄGA ĀGAMA

Bhagwan Mahāvīra's Precepts
Sūtra First Composed By Fifth Gaṇadhara
ŚRĪ SUDHARMĀ SWĀMĪ

Original Compilation Editor
Devarddhigaṇi Kśamaśramana

Published By
GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

विवाह पण्णती
भगवई सुत्त
BHAGAVĀI SŪTRA

Source of Prakrit Text:

GURUPRAN AAGAM BATRISI (Aagam Series)

(Gujarati 2nd Edition, 2009)

Published on the Occasion of 100th Birth Anniversary of

SAURASHTRA KESHARI GURUDEV

PUJYA SHREE PRANLALJI MAHARAJ SAHEB

Searchable Text in “Arial Unicode MS” Font

1st Edition - 2012

Published By:

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

C/o. Pawandham, Mahavir Nagar,

Kandivali (W), Mumbai - 400 067

Tel.: +91 92233 14335, e-mail : info@jainaagam.org

www.jainaagam.org / www.parasdham.org

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

Promoting Compassionate and Nonviolent Living

MISSION:

Global Jain Aagam Mission promotes the eternal truths of Jain *Āgama* (precepts of Lord Mahāvīra) to build a compassionate and nonviolent lifestyle in the world.

GOALS AND OBJECTIVES:

- Translate all Jain *Āgamas* (scriptures) into English and other world languages
- Make *Āgamas* available in all electronic forms
- Promote awareness of *Āgama* throughout the world
- Educate and uphold Jain way of life using expertise of social media
- Promote a compassionate and nonviolent lifestyle throughout the world
- Encourage and promote research on *Āgamas* to develop approaches to the world challenges (ecology & environment, global warming, world peace, psychology, health, scientific principles, etc.)
- Hold periodic conventions to promote exchanges among world's scholars
- Interface with interreligious organizations and other guiding institutions
- Be a resource for information and referral
- Work co-operatively with local, regional, national, and global organizations

TRANSLATION OF JAIN AAGAMAS INTO ENGLISH:

The Global Jain Aagam Mission has embarked on a project to translate and publish all Jain *Āgamas* into English. The English translation of the *Āgama* will help youth of today in India and abroad to learn and understand Lord Mahāvīra's preachings. The goal is to reach every household and every person in the world to impart the wisdom of the *Āgamas*. In a non-sectarian way, this Mission will endeavor to deliver the Lord Mahāvīra's message to hearts of the people. The translated *Āgamas* will be distributed to various libraries, universities and Jain institutions within our country and abroad. In addition, it will be made available on the Internet and in electronic forms of eBooks, etc. Many learned intellectuals from different countries and cultures have supported this project of translating the *Āgamas* into English. The work is being performed in cities of Mumbai, Ahmedabad, Bangalore, Shravanbelgola, Delhi, Jaipur, Chennai, Kolkata, Banaras, Ladnu, Dubai, and USA. In addition, this mission is receiving guidance and blessings from spiritual leaders of various religious traditions.

INVITATION TO PARTICIPATE:

We invite scholars, spiritual aspirants and *shrāvakas* to join us in making this mission a success. Your contribution of knowledge, time, and money will be appreciated.

Please contact by email at info@jainaagam.org or by phone to:

Girish Shah at Tel. +91-92233-14335 or Gunvant Barvalia at Tel. +91-98202-15542

વિષય સૂચી - Table of Content

વિષય સૂચી - Table of Content	1
પદ્મ સત્તં	1
પદ્મો ઉદ્દેશો	1
બીઓ ઉદ્દેસો	9
તદ્ઓ ઉદ્દેસો	14
ચત્ત્થો ઉદ્દેસો	17
પંચમો ઉદ્દેસો	19
છઢ્ઠો ઉદ્દેસો	24
સત્તમો ઉદ્દેસો	27
અઢ્ઢમો ઉદ્દેસો	31
ળવમો ઉદ્દેસો	34
દસમો ઉદ્દેસો	39
બીઅં સત્તં	41
પદ્મો ઉદ્દેસો	41
બીઓ ઉદ્દેસો	52
તદ્ઓ ઉદ્દેસો	52
ચત્ત્થો ઉદ્દેસો	52
પંચમો ઉદ્દેસો	52
છઢ્ઠો ઉદ્દેસો	58
સત્તમો ઉદ્દેસો	58
અઢ્ઢમો ઉદ્દેસો	59
ળવમો ઉદ્દેસો	60
દસમો ઉદ્દેસો	60
તદ્અં સત્તં	63
પદ્મો ઉદ્દેસો	63
બીઓ ઉદ્દેસો	75
તદ્ઓ ઉદ્દેસો	82
ચત્ત્થો ઉદ્દેસો	85
પંચમો ઉદ્દેસો	88
છઢ્ઠો ઉદ્દેસો	90
સત્તમો ઉદ્દેસો	92
અઢ્ઢમો ઉદ્દેસો	96
ળવમો ઉદ્દેસો	97
દસમો ઉદ્દેસો	97
ચત્ત્થં સત્તં	97
પદ્મો, બીઓ, તદ્ઓ, ચત્ત્થો ઉદ્દેસો	97
પંચમો, છઢ્ઠો, સત્તમો, અઢ્ઢમો ઉદ્દેસો	98
ળવમો ઉદ્દેસો	98
દસમો ઉદ્દેસો	98
પંચમં સત્તં	98
પદ્મો ઉદ્દેસો	98
તદ્ઓ ઉદ્દેસો	104
ચત્ત્થો ઉદ્દેસો	105
પંચમો ઉદ્દેસો	111
છઢ્ઠો ઉદ્દેસો	112
સત્તમો ઉદ્દેસો	116
અઢ્ઢમો ઉદ્દેસો	120
છઢ્ઠં સત્તં	126
પદ્મો ઉદ્દેસો	126
બીઓ ઉદ્દેસો	128

तइओ उद्देसो	129
चउत्थो उद्देसो	133
पंचमो उद्देसो	135
छट्ठो उद्देसो	140
सत्तमो उद्देसो	141
अट्ठमो उद्देसो	143
णवमो उद्देसो	145
दसमो उद्देसो	147
संतमं सतं	149
पढमो उद्देसो	149
बीओ उद्देसो	153
तइओ उद्देसो	156
चउत्थो उद्देसो	158
पंचमो उद्देसो	159
छट्ठो उद्देसो	159
सत्तमो उद्देसो	162
अट्ठमो उद्देसो	165
णवमो उद्देसो	166
दसमो उद्देसो	170
अट्ठम सतं	174
पढमो उद्देशो	174
बीओ उद्देशो	185
तइओ उद्देशो	197
चउत्थो उद्देशो	198
पंचमो उद्देशो	198
छट्ठो उद्देशो	201
सत्तमो उद्देशो	204
अट्ठमो उद्देशो	207
णवमो उद्देशो	213
दसमो उद्देशो	225
णवमं सतं	230
पढमो उद्देशो	230
बीओ उद्देशो	230
३-३० उद्देशो	231
एगतीसइमो उद्देशो	231
असोच्चा केवली	231
बत्तीसइमो उद्देशो	239
गांगेय अणगार	239
तेत्तीसइमो उद्देशो	253
उसभदत्त-देवाणंदा	253
चोत्तीसइमो उद्देशो	268
दसमं सतं	270
पढमो उद्देशो	270
बीओ उद्देशो	272
तइओ उद्देशो	273
चउत्थो उद्देशो	275
पंचमो उद्देशो	277
छट्ठो उद्देशो	281
७-३४ उद्देशो	282
एक्कारसं सतं	282
पढमो उद्देशो	282
बीओ उद्देशो	286
तइओ उद्देशो	286
चउत्थो उद्देशो	286
पंचमो उद्देशो	287
छट्ठो उद्देशो	287

सत्तमो उद्देसो	287
अट्ठमो उद्देसो	287
णवमो उद्देसो	287
दसमो उद्देसो	292
एक्कारसमो उद्देसो	296
बारसमो उद्देसो	306
बारसमं सत्तं	309
पढमो उद्देसो	309
बीओ उद्देसो	313
तइओ उद्देसो	316
चउत्थो उद्देसो	316
पंचमो उद्देसो	325
छट्ठो उद्देसो	328
सत्तमो उद्देसो	330
अट्ठमो उद्देसो	332
णवमो उद्देसो	333
दसमो उद्देसो	337
तेरसमं सत्तं	341
पढमो उद्देसो	341
बीओ उद्देसो	346
तइओ उद्देसो	348
चउत्थो उद्देसो	349
पंचमो उद्देसो	357
छट्ठो उद्देसो	357
सत्तमो उद्देसो	361
अट्ठमो उद्देसो	364
दसमो उद्देसो	366
चोद्दसमं सत्तं	366
पढमो उद्देसो	366
बीओ उद्देसो	368
तइओ उद्देसो	370
चउत्थो उद्देसो	371
पंचमो उद्देसो	372
छट्ठो उद्देसो	374
सत्तमो उद्देसो	375
अट्ठमो उद्देसो	378
णवमो उद्देसो	380
दसमो उद्देसो	382
पण्णरसमं सत्तं	383
गोसालस चरित्तं	383
सोलसमं सत्तं	411
पढमो उद्देसो	411
बीओ उद्देसो	413
तइओ उद्देसो	415
चउत्थो उद्देसो	416
पंचमो उद्देसो	417
छट्ठो उद्देसो	420
सत्तमो उद्देसो	423
अट्ठमो उद्देसो	424
णवमो उद्देसो	426
दसमो उद्देसो	426
११-१४ उद्देसा	426
सत्तरसमं सत्तं	427
पढमो उद्देसो	427
बीओ उद्देसो	429
तइओ उद्देसो	431

चउत्थो उद्देसो	433
पंचमो उद्देसो	434
छट्ठो उद्देसो	434
सत्तमो उद्देसो	435
अट्ठमो उद्देसो	435
णवमो उद्देसो	436
दसमो उद्देसो	436
इक्कारसमो उद्देसो	436
बारसमो उद्देसो	437
१३-१७ उद्देसो	437
अट्ठारसमं सत्तं	437
पढमो उद्देसो	437
बीओ उद्देसो	440
तइओ उद्देसो	442
चउत्थो उद्देसो	446
पंचमो उद्देसो	447
छट्ठो उद्देसो	449
सत्तमो उद्देसो	450
अट्ठमो उद्देसो	454
णवमो उद्देसो	456
दसमो उद्देसो	456
एगूणवीसइमं सत्तं	460
पढमो उद्देसो	460
बीओ उद्देसो	460
तइओ उद्देसो	460
चउत्थो उद्देसो	465
पंचमो उद्देसो	466
छट्ठो उद्देसो	467
सत्तमो उद्देसो	467
अट्ठमो उद्देसो	468
णवमो उद्देसो	470
दसमो उद्देसो	471
वीसइमं सत्तं	471
पढमो उद्देसो	471
बीओ उद्देसो	473
तइओ उद्देसो	474
चउत्थो उद्देसो	475
पंचमो उद्देसो	475
छट्ठो उद्देसो	483
सत्तमो उद्देसो	485
अट्ठमो उद्देसो	486
णवमो उद्देसो	488
दसमो उद्देसो	489
एगवीसइमं सत्तं	494
पढमो वग्गो	494
पढमो वग्गो : २-१० उद्देसा	495
बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा	495
तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा	495
चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा	495
पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा	496
छट्ठो वग्गो : १-१० उद्देसा	496
सत्तमो वग्गो : १-१० उद्देसा	496
अट्ठमो वग्गो : १-१० उद्देसा	496
बावीसइमं सत्तं	497
बावीसइमं वग्गो : १-१० उद्देसा	497
बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा	497

तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा	497
चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा	498
पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा	498
छट्ठो वग्गो : १-१० उद्देसा	498
तेवीसइमं सत्तं	498
पढमो वग्गो : १-१० उद्देसा	498
बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा	499
तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा	499
चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा	499
पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा	499
चउवीसइमं सत्तं	500
पढमो उद्देसो	500
बीओ उद्देसो	512
तइओ उद्देसो	515
४-११ उद्देसो	517
दुवालसमो उद्देसो	517
तेरसमो उद्देसो	525
चोदसमो उद्देसो	526
पण्णरसमो उद्देसो	526
सोलसमो उद्देसो	526
सत्तरसमो उद्देसो	526
अट्ठारसमो उद्देसो	527
एगूणवीसमो उद्देसो	527
बीसइमो उद्देसो	527
एगवीसइमो उद्देसो	534
बावीसइमो उद्देसो	538
तेवीसइमो उद्देसो	538
चउवीसइमो उद्देसो	540
पंचवीसइमं सत्तं	543
पढमो उद्देसो	543
बीओ उद्देसो	545
तइओ उद्देसो	546
चउत्थो उद्देसो	553
पंचमो उद्देसो	566
छट्ठो उद्देसो	569
सत्तमो उद्देसो	581
अट्ठमो उद्देसो	594
णवमो उद्देसो	595
दसमो उद्देसो	595
११-१२ उद्देसो	596
छवीसइमं सत्तं	596
पढमो उद्देसो	596
बीओ उद्देसो	599
तइओ उद्देसो	600
४-१० उद्देसो	600
एक्कारसमो उद्देसो	600
सत्तवीसइमं सत्तं	602
१-११ उद्देसो	602
अट्ठावीसइमं सत्तं	602
१-११ उद्देसो	602
एगूणतीसइमं सत्तं	603
१-११ उद्देसो	603
तीसइमं सत्तं	604
पढमो उद्देसो	604
२-११ उद्देसो	608
इक्कतीसइमं सत्तं	609

पढमो उद्देसो.....	609
बीओ उद्देसो.....	610
तइओ उद्देसो	611
चउत्थो उद्देसो.....	611
पंचमो उद्देसो	612
छट्ठो उद्देसो.....	612
७-२८ उद्देसो.....	612
बत्तीसइमं सतं	613
१-२८ उद्देसो.....	613
तेत्तीसइमं सतं.....	613
पढमं अवान्तर सतं	613
पढमो उद्देसो.....	613
बीओ उद्देसो.....	614
३-११ उद्देसो.....	615
बीअं अवान्तर सतं	616
१-११ उद्देसो.....	616
३-१२ अवान्तर सताइं	616
चोत्तीसइमं सतं.....	618
पढमं अवान्तर सतं	618
पढमो उद्देसो.....	618
२-११ उद्देसो.....	625
२-१२ अवान्तर सताइं	626
पण्तीसइमं सतं.....	627
पढमं अवान्तर सतं	627
पढमो उद्देसो.....	627
बीओ उद्देसो.....	630
३-११ उद्देसो.....	630
बीअं अवान्तर सतं	631
१-११ उद्देसो.....	631
३-१२ अवान्तर सताइं	632
छत्तीसइमं सतं.....	632
पढमं अवान्तर सतं	632
१-११ उद्देसो.....	632
सत्ततीसइम सतं.....	633
अट्ठत्तीसइमं सतं.....	634
एगूणगालीसइमं सतं.....	634
चत्तालीसइमं सतं.....	634
पढमं अवान्तर सतं	634
२-७ अवान्तर सताइं	635
८-१४ अवान्तर सताइं	636
१५-२१ अवान्तर सताइं.....	636
एगचत्तालीसइमं सतं	637
पढमो उद्देसो.....	637
२-२८ उद्देसा.....	639
२९-५६ उद्देसा.....	640
५७-८४ उद्देसा.....	641
८५-१४० उद्देसा	641
१४१-१९६ उद्देसा	641
॥ इति भगवई समत्ता ॥	642

पढमं सत्तं

पढमो उद्देशो

- १ णमो अरिहंताणं ।
णमो सिद्धाणं ।
णमो आयरियाणं ।
णमो उवज्झायाणं ।
णमो लोए सव्वसाहूणं ।
[णमो बंभीए लिवीए/ णमो सुयस्स]
- २ रायगिह चलण दुक्खे, कंखपओसे य पगइ पुढवीओ ।
जावंते णेरइए, बाले गुरुए य चलणाओ ॥
- ३ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । तस्स णं रायगिहस्स
णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए गुणसिलए णामं चेइए होत्था । सेणिए राया,
चिल्लणा देवी ।
- ४ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे सयंसंबुद्धे पुरिसुत्तमे
पुरिससीहे पुरिसवरपुंडरीए पुरिसवरगंधहत्थी लोगुत्तमे लोगणाहे लोगहिए लोगपईवे
लोगपज्जोयगरे अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए जीवदए बोहिदए धम्मदए धम्मदेसए
धम्मणायगे धम्मसारहि धम्मवरचाउरंतचक्कवट्ठी अप्पडिहय वरणाण- दंसणधरे वियट्ठउमे
जिणे जावए तिण्णे तारए बुद्धे बोहए मुत्ते मोयए सव्वण्णू-सव्वदरिसी सिव-मयल-मरुय-
मणंत-मक्खय-मव्वाबाह-मप्पुणरावित्थियं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपाविउकामे जाव समोसरणं।
परिसा णिग्गया । धम्मो कहिओ । परिसा पडिगया ।
- ५ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे
गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंस संठाणसंठिए वज्जरिसहणारायसंघयणे
कणयपुलयणिहसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे ओराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी
घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेस्से चोद्धसपुव्वी चउणाणोवगए सव्वक्खर-
सण्णिवाई समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे ज्ञाणकोट्ठोवगए
संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।
- ६ तएणं से भगवं गोयमे जायसइडे जायसंसए जायकोऊहल्ले, उप्पण्णसइडे उप्पण्णसंसए
उप्पण्णकोऊहल्ले, संजायसइडे संजायसंसए संजायकोऊहल्ले समुप्पण्ण- सइडे समुप्पण्णसंसए
समुप्पण्णकोऊहल्ले, उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ,
उवागच्छित्तज समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ करित्ता वंदइ णमंसइ

वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी-

७ से पूणं भंते ! चलमाणे चलिए ? उदीरिज्जमाणे उदीरिए ? वेइज्जमाणे वेइए ? पहिज्जमाणे पहीणे ? छिज्जमाणे छिण्णे ? भिज्जमाणे भिण्णे ? डज्झमाणे दइडे ? मिज्जमाणे मडे ? णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे?

हंता गोयमा ! चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे।

८ एए णं भंते ! णव पया किं एगद्धा णाणाघोसा णाणावंजणा उदाहु णाणद्धा णाणाघोसा णाणावंजणा ?

गोयमा ! चलमाणे चलिए, उदीरिज्जमाणे उदीरिए, वेइज्जमाणे वेइए, पहिज्जमाणे पहीणे, एए णं चत्तारिपया एगद्धा णाणाघोसा णाणावंजणा उप्पण्णपक्खस्स ।

छिज्जमाणे छिण्णे, भिज्जमाणे भिण्णे, डज्झमाणे दइडे, मिज्जमाणे मडे, णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे, एए णं पंच पया णाणद्धा णाणाघोसा णाणावंजणा विगयपक्खस्स ।

९ णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

१० णेरइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा? जहा उस्सासपए ।

११ णेरइया णं भंते ! आहारट्ठी ? जहा पण्णवणाए पढमए आहारुद्धेसए तहा भाणियव्वं ।

ठिई उस्सासाहारे, किं वाहारेति सव्वओ वावि ।

कइभागं सव्वावि व, कीस व भुज्जो परिणमंति ॥

१२ णेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया ? आहारिया आहारिज्ज माणा पोग्गला परिणया ? अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ? अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया?

गोयमा ! णेरइयाणं पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया । आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया, परिणमंति य। अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला णो परिणया, परिणमिस्संति। अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला णो परिणया णो परिणमिस्संति ।

१३ णेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला चिया ? पुच्छ ।

जहा परिणया तहा चिया वि, एवं उवचिया, उदीरिया, वेइया, णिज्जिण्णा।

परिणया चिया य उवचिया, उदीरिया वेइया य णिज्जिण्णा ।

एक्केकम्मि पदम्मि, चउव्विहा पोग्गला होंति ॥

१४ णेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला भिज्जंति ?

गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिक्किच्च दुविहा पोग्गला भिज्जंति, तं जहा- अणू चेव बायरा चेव।

१५ णेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला चिज्जंति ?

गोयमा ! आहार दव्ववग्गणमहिक्किच्च दुविहा पोग्गला चिज्जंति, तं जहा- अणू चेव बायरा चेव । एवं उवचिज्जंति ।

१६ णेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला उदीरेंति ?

गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिक्किच्च दुविहे पोग्गले उदीरेंति, तं जहा- अणू चेव बायरा चेव । सेसा वि एवं चेव भाणियव्वा- वेदेंति णिज्जरेंति ।

उव्वट्ठिंसु उव्वट्ठेंति उव्वट्ठिस्संति । संकामिंसु , संकामेंति संकामिस्संति। णिहत्तिंसु णिहतेंति णिहत्तिस्संति । णिकायिंति णिकायिंसु णिकायिस्संति।

भेदिय चिया उवचिया, उदीरिया वेइया य णिज्जिण्णा ।

उववट्ठण संकामण, णिहत्तण णिकायणे तिविहकालो ॥

१७ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गेण्हंति, ते किं तीयकालसमए गेण्हंति, पडुप्पण्णकालसमए गेण्हंति, अणागयकालसमए गेण्हंति ?

गोयमा ! णो तीयकालसमए गेण्हंति, पडुप्पण्णकालसमए गेण्हंति, णो अणागयकालसमए गेण्हंति ।

१८ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गहिए उदीरेंति, ते किं तीयकाल-समयगहिए पोग्गले उदीरेंति? पडुप्पण्णकालसमयघेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति ? गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति ?

गोयमा ! तीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति, णो पडुप्पण्णकाल-समयघेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति, णो गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति। एवं वेदेंति, णिज्जरेंति ।

१९ णेरइया णं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं बंधंति ? अचलियं कम्मं बंधंति ?

गोयमा ! णो चलियं कम्मं बंधंति, अचलियं कम्मं बंधंति ।

२० णेरइया णं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं उदीरेंति ? अचलियं कम्मं उदीरेंति ?

गोयमा ! णो चलियं कम्मं उदीरेंति, अचलियं कम्मं उदीरेंति । एवं वेदेंति, उवट्ठेंति, संकामेंति, णिहत्तेंति, णिकायिंति । सव्वेसु अचलियं, णो चलियं।

२१ णेरइया णं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं णिज्जरेंति ? अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ?

गोयमा ! चलियं कम्मं णिज्जरेंति, णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति। गाहा-

बंधोदय वेदोयट्ठ, संकमे तह णिहत्तण णिकाये ।

अचलियं कम्मं तु भवे, चलियं जीवाओ णिज्जरए ॥

२२ असुरकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं।

२३ असुरकुमारा णं भंते ! केवइयकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा?

गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कासेणं साइरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा पाणमंति वा।

२४ असुरकुमारा णं भंते ! आहारद्धी ? हंता, आहारद्धी ।

असुरकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारद्धे समुप्पज्जइ ?

गोयमा ! असुरकुमाराणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तं जहा- आभोगणिव्वत्ति ए य अणाभोगणिव्वत्ति ए य । तत्थ णं जे से अणाभोगणिव्वत्ति ए से अणुसमयं अविरहिए आहारद्धे समुप्पज्जइ, तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्ति ए से जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स, उक्कोसेणं साइरेगस्स वाससहस्सस्स आहारद्धे समुप्पज्जइ ।

२५ असुरकुमारा णं भंते ! किं आहारं आहारंति ?

गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं, खित्तकालभाव पण्णवणागमेणं, सेसं जहा णेरइयाणं जाव ।

२६ ते णं तेषिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?

गोयमा! सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए, सुरुवत्ताए, सुवण्णत्ताए, इद्धत्ताए इच्छियत्ताए, भिज्जियत्ताए, उड्ढत्ताए, णो अहत्ताए, सुहत्ताए, णो दुहत्ताए, भुज्जो भुज्जो परिणमंति ।

२७ असुरकुमाराणं पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया ?

असुरकुमाराभिलावे णं जहा णेरइयाणं जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरंति।

२८ णागकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं।

२९ णागकुमारा णं भंते ! केवइयकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा, ऊससंति वा णीससंति वा ?

गोयमा! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ।

३० णागकुमारा णं भंते ! आहारद्धी ? हंता, आहारद्धी ।

णागकुमारा णं भंते ! केवइयकालस्स आहारद्धे समुप्पज्जइ ?

गोयमा ! णागकुमाराणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तं जहा- आभोगणिव्वत्ति ए य, अणाभोगणिव्वत्ति ए य तत्थ णं जे से अणाभोगणिव्वत्ति ए से अणुसमयं अविरहहिए आहारद्धे समुप्पज्जइ। तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्ति ए से जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स, उक्कोसेणं

दिवसपुहुत्तस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ। सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव चलियं कम्मं णिज्जरेंति, णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति । एवं सुवण्णकुमाराणं वि जाव थणियकुमाराणं ति ।

३१ पुढवीकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं।

३२ पुढवीकाइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ? गोयमा ! वेमायाए आणमंति वा ।

३३ पुढवीकाइया णं भंते ! आहारद्वी? हंता, आहारद्वी ।

पुढवीकाइयाणं केवइकालस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! अणुसमयं अविरहिए आहारद्वे समुप्पज्जइ ।

३४ पुढवीकाइया किं आहारं आहारेंति ?

गोयमा ! दव्वओ जहा णेरइयाणं जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउद्दिसिं, सिय पंचदिसिं, वण्णओ काल-णील-पीय-लोहिय- हालिद्ध-सुक्किलाणं, गंधओ सुब्धिगंधाइं २ । रसओ तित्ताइं ५। फासओ कक्खडाइं ८, सेसं तहेव ।

३५ कइभागं आहारेंति, कइभागं फासाइंति ?

गोयमा ! असंखिज्जभागं आहारेंति, अणंतभागं फासाइंति जाव ।

३६ तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?

गोयमा ! फासिंदिय वेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा णेरइयाणं, जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, णवरं ठिई वण्णेयव्वा जा जस्स । उस्सासो वेमायाए ।

३७ बेइंदियाणं ठिई भाणियव्वा, उस्साओ वेमायाए ।

३८ बेइंदियाणं आहारे पुच्छा ?

अणाभोग णिव्वत्तिए तहेव, तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं असंखेज्ज- समइए, अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारद्वे समुप्पज्जइ, सेसं तहेव जाव अणंतभागं आसायंति ।

३९ बेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति, ते किं सव्वे आहारंति, णो सव्वे आहारंति?

गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तं जहा- लोमाहारे पक्खेवाहारे । जे पोग्गले लोमाहारत्ताए गिण्हंति ते सव्वे अपरिसेसिए आहारेंति, जे पक्खेवाहारत्ताए गिण्हंति तेसिं णं पोग्गलाणं संखेज्जइभागं आहारेंति, अणेगाइं च णं भागसहस्साइं अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसं आगच्छंति ।

- ४० एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
- गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणासाइज्जमाणा, अफासाइज्जमाणा अणंत- गुणा ।
- ४१ बेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति, ते णं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?
- गोयमा ! जिब्भंदिय-फासिंदिय वेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ।
- ४२ बेइंदियाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया ? तहेव जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ।
- ४३ तेइंदिय-चउरिंदियाणं तहेव । णाणत्तं ठिईए जाव णेगाइं च णं भागसहस्साइं अणाघाइज्जमाणाइं अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसं आगच्छंति ।
- एएसिं णं भंते ! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं अप्पाबहुं पुच्छा ।
- गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणाघाइज्जमाणा, अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा, अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा ।
- ४४ तेइंदियाणं-घाणिंदिय जिब्भंदिय फासिंदियवेमायाए भुज्जो भुज्जो परि-णमंति । चउरिंदियाणं-चक्खिंदिय घाणिंदिय जिब्भंदिय फासिंदियत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ।
- ४५ पंचिंदिय तिरिक्खजोणियाणं ठिई भणिऊणं उस्सासो वेमायाए । आहारो अणाभोगणिव्वत्तिओ अणुसमयं अविरहिओ । आभोगणिव्वत्तिओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स । सेसं जहा चउरिंदियाणं जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ।
- ४६ एवं मणुस्साणं वि, णवरं आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स, सोइंदिय जाव फासिंदिय वेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा चउरिंदियाणं तहेव जाव णिज्जरेंति ।
- ४७ वाणमंतराणं ठिईए णाणत्तं, अवसेसं जहा णागकुमाराणं । एवं जोइसियाण वि, णवरं उस्सासो जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि मुहुत्तपुहुत्तस्स । आहारो जहण्णेणं दिवस पुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि दिवसपुहुत्तस्स, सेसं तहेव ।
- वेमाणियाणं ठिई भाणियव्वा ओहिया, उस्सासो जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं, आहारो आभोगणिव्वत्तिओ जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं, सेसं तहेव जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ।
- ४८ जीवा णं भंते! किं आयारंभा, परारंभा, तदुभयारंभा, अणारंभा ?

गोयमा ! अत्थेगइया जीवा आयरंभा वि परारंभा वि तदुभयारंभा वि णो अणारंभा ।
अत्थेगइया जीवा णो आयारंभा, णो परारंभा, णो तदुभयारंभा, अणारंभा ।

४९ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइया जीवा आयरंभा वि एवं पडिउच्चायेयव्वं ?

गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संसार समावण्णगा य, असंसारसमावण्णगा य ।
तत्थ णं जे ते असंसार समावण्णगा ते णं सिद्धा । सिद्धाणं णो आयारंभा, णो परारंभा, णो
तदुभयारंभा, अणारंभा य तत्थणं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा- संजया
य असंजया य । तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा- पमत्तसंजया य
अप्पमत्तसंजया य । तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया ते णं णो आयारंभा, णो परारंभा, णो
तदुभयारंभा, अणारंभा। तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया ते सुहं जोगं पडुच्च णो आयारंभा, णो
परारंभा, णो तदुभयारंभा, अणारंभा, असुहं जोगं पडुच्च आयारंभा वि परारंभा वि, तदुभयारंभा
वि, णो अणारंभा । तत्थ णं जे ते असंजया ते अविरइं पडुच्च आयारंभा वि, परारंभा वि,
तदुभयारंभा वि, णो अणारंभा। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइया जीवा जाव
अणारंभा ।

५० णेरइया णं भंते ! किं आयारंभा, परारंभा, तदुभयारंभा, अणारंभा? गोयमा! णेरइया आयारंभा
वि जाव णो अणारंभा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव णो अणारंभा, एवं जाव असुकुमारा वि जाव
पंचिदियतिरिक्खजोणिया ।

मणुस्सा जहा जीवा, णवरं सिद्ध विरहिया भाणियव्वा ।

वाणमंतरा जाव वेमाणिया, जहा णेरइया ।

सलेस्सा जहा ओहिया । कण्हलेसस्स णीललेसस्स काउलेसस्स जहा ओहिया जीवा, णवरं
पमत्त-अप्पमत्ता ण भाणियव्वा । तेउलेसस्स, पम्हलेसस्स, सुक्कलेसस्स, जहा ओहिया
जीवा, णवरं सिद्धा य भाणियव्वा।

५१ इहभविए भंते ! णाणे, परभविए णाणे, तदुभयभविए णाणे ?

गोयमा ! इहभविए वि णाणे, परभविए वि णाणे, तदुभयभविए वि णाणे। दंसणं पि एवमेव ।

५२ इहभविए भंते ! चरित्ते, परभविए चरित्ते, तदुभयभविए चरित्ते ?

गोयमा! इहभविए चरित्ते, णो परभविए चरित्ते, णो तदुभयभविए चरित्ते। एवं तवे, संजमे ।

५३ असंवुडे णं भंते ! अणगारे किं सिज्जइ बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

५४ से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो अंतं करेइ ?

गोयमा ! असंवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्तकम्मपगडीओ सिढिलबंधण बद्धाओ घणियबंधणबद्धाओ पकरेइ, हस्सकालठिइयाओ दीहकालठिइयाओ पकरेइ, मंदाणुभावाओ तिव्वाणुभावाओ पकरेइ, अप्पएसगाओ बहुप्पएसगाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय णो बंधइ, अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं भुज्जो भुज्जो उवचिणइ, अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतरं अणुपरियट्टइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! असंवुडे अणगारे णो सिज्झइ जाव णो अंतं करेइ।

५५

संवुडे णं भंते ! अणगारे सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ?

हंता, सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अंतं करेइ ?

गोयमा ! संवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्तकम्मपगडीओ घणियबंधण- बद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ, दीहकालठिइयाओ हस्सकालठिइयाओ पकरेइ, तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ, बहुप्पएसगाओ अप्पएसगाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं ण बंधइ, असायावेयणिज्जं च णं कम्मं णो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ, अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतरं वीईवयइ। से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- संवुडे अणगारे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।

५६

जीवे णं भंते ! असंजए अविरइए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ?

गोयमा ! अत्थेगइए देवे सिया, अत्थेगइए णो देवे सिया ।

५७

से केणट्ठेणं भंते ! जाव इओ चुए पेच्चा अत्थेगइए देवे सिया, अत्थेगइए णो देवे सिया ?

गोयमा ! जे इमे जीवा गामागर-णगरणिगमरायहाणी-खेडकब्बडमडंब- दोणमुहपट्टणासम- सण्णिवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकामसीतातव-दंसमसग अकामअण्हाणग-सेयजल्लमलपंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिलेस्संति, अप्पाणं परिकिलेस्सित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ।

५८

केरिसा णं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोया पण्णत्ता ?

गोयमा ! से जहाणामए इह मणुस्सलोगम्मि असोगवणे इ वा सत्तवण्णवणे इ वा, चंपयवणे इ वा, चूयवणे इ वा, तिलगवणे इ वा लाउवणे इ वा, णिग्गोहवणे इ वा, छत्तोहवणे इ वा, असणवणे इ वा सणवणे इ वा, अयसिवणे इ वा, कुसुंभवणे इ वा, सिद्धत्थवणे इ वा बंधुजीवगवणे इ वा, णिच्चं कुसुमिय माइय-लवइय-थवइय-गुलुइय-गोच्छिय-जमलिय-जुवलिय- विणमिय-पणमिय सुविभत्तपिंडिमंजरि-वडंसगधरे सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणे उवसोभेमाणे चिद्धइ, एवामेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिइएहिं उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिइएहिं बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तद्देवीहि य आइण्णा विकिण्णा उवत्थडा संथडा फुडा अवगाढगाढा सिरीए अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिद्धंति । एरिसगा णं गोयमा ! तेसिं च वाणमंतराणं देवाणं देवलोया पण्णत्ता । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जीवेणं असंजए जाव देवे सिया ।

सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ।

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ रायगिहे णयरे समोसरणं, परिसा णिग्गया जाव एवं वयासी- जीवे णं भंते ! सयकडं दुक्खं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ, अत्थेगइयं णो वेएइ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइयं वेएइ, अत्थेगइयं णो वेएइ ? गोयमा ! उदिण्णं वेएइ अणुदिण्णं णो वेएइ, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ- अत्थेगइयं वेएइ, अत्थेगइयं णो वेएइ । एवं चउव्वीसदंडएणं जाव वेमाणिए ।

२ जीवा णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेदेंति ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेदेंति, अत्थेगइयं णो वेदेंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा! उदिण्णं वेदेंति णो अणुदिण्णं वेदेंति । से तेणट्ठेणं एवं जाव वेमाणिया।

३ जीवे णं भंते ! सयंकडं आउयं वेएइ ?

गोयमा ! अत्थेगइयं वेदेइ, अत्थेगइयं णो वेएइ । जहा दुक्खेणं दो दंडगा तहा आउएणं वि दो दंडगा एगत्तपुहत्तिया, एगत्तेणं जाव वेमाणिया, पुहुत्तेण वि तहेव ।

४ णेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा, सव्वे समसरीरा, सव्वे समुस्सास-णीसासा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइया णो सव्वे समाहारा, णो सव्वे समसरीरा, णो सव्वे समुस्सास-णीसासा?

गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- महासरीरा य, अप्पसरीरा य। तत्थ णं जे ते महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति, बहुतराए पोग्गले परिणामेंति, बहुतराए पोग्गले उस्ससंति, बहुतराए पोग्गले णीससंति; अभिक्खणं आहारेंति, अभिक्खणं परिणामेंति, अभिक्खणं उस्ससंति, अभिक्खणं णीससंति । तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पोग्गले आहारेंति, अप्पतराए पोग्गले परिणामेंति, अप्पतराए पोग्गले उस्ससंति, अप्पतराए पोग्गले णीससंति; आहच्च आहारेंति, आहच्च परिणामेंति, आहच्च उस्ससंति, आहच्च णीससंति; से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- णेरइया णो सव्वे समाहारा, णो सव्वे समसरीरा, णो सव्वे समुस्सास-णीसासा ।

५ णेरइया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पुव्वोववण्णगा य, पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा जाव णो समकम्मा ।

६ णेरइया णं भंते ! सव्वे समवण्णा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं विसुद्धवण्णतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अविसुद्ध- वण्णतरागा, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ ।

७ णेरइया णं भंते ! सव्वे समलेस्सा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पुव्वोववण्णगा य, पच्छोववण्णगा य; तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं विसुद्धलेस्सतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अविसुद्धलेस्सतरागा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

८ णेरइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सण्णिभूया य, असण्णिभूया य; तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते णं महावेयणा, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं अप्पवेयणतरागा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

९ णेरइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! णेरइया तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- सम्मदिट्ठी, मिच्छदिट्ठी, सम्मामिच्छदिट्ठी; तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी तेसिं णं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ता, तं जहा- आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्चक्खाणकिरिया । तत्थ णं जे ते मिच्छदिट्ठी तेसिं णं पंच किरियाओ कज्जंति, तं जहा- आरंभिया जाव मिच्छादंसवत्तिया । एवं सम्मामिच्छादिट्ठीणं पि । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

१० णेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया, सव्वे समोववण्णगा ? गोयमा ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! णेरइया चउव्विहा पण्णत्ता तं जहा- अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

११ असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, समसरीरा ?

जहा णेरइया तहा भाणियव्वा, णवरं-कम्मवण्णलेस्साओ परिवण्णेयव्वाओ पुव्वोववण्णगा महाकम्मतरागा, अविसुद्धवण्णतरागा, अविसुद्धलेसतरागा । पच्छोववण्णगा पसत्था । सेसं तहेव । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

१२ पुढविकाइयाणं आहार-कम्मवण्ण-लेस्सा जहा णेरइयाणं ।

१३ पुढविकाइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ? हंता, समवेयणा ।

से केणट्ठेणं भंते ! समवेयणा ? गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे असण्णी असण्णिभूयं अणिदाए वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सव्वे समवेयणा।

१४ पुढविकाइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? हंता, समकिरिया।

से केणट्ठेणं भंते ! समकिरिया ?

गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे माई मिच्छादिट्ठी ताणं णेयइयाओ पंचकिरियाओ कज्जंति, तं जहा- आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! समकिरिया। पुढवीकाइयाणं समाउया, समोववण्णगा जहा णेरइया तथा भाणियच्चा।

जहा पुढविकाइया तथा जाव चउरिंदिया ।

१५ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया, णाणत्तं किरियासु ।

पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तिविहा पण्णता तं जहा- सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते दुविहा पण्णता, तं जहा- असंजया य, संजयासंजया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसि णं तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तं जहा- आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया; असंजयाणं चत्तारि, मिच्छादिट्ठीणं पंच, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पंच ।

१६ मणुस्सा जहा णेरइया, णाणत्तं- जे महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति, ते आहच्च आहारेंति । जे अप्पसरीरा ते अप्पतराए पोग्गले आहरेंति, अभिक्खणं आहारेंति । सेसं जहा णेरइयाणं जाव वेयणा ।

१७ मणुस्सा णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं ?

गोयमा ! मणुस्सा तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी; तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- संजया, असंजया, संजयासंजया । तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सरागसंजया य, वीयरागसंजया य । तत्थ णं जे ते वीयरागसंजया ते णं अकिरिया। तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा- पमत्तसंजया य, अप्पमत्तसंजया य । तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया तेसि णं एगा मायावत्तिया किरिया कज्जइ। तत्थणं जे ते पमत्तसंजया तेसि णं दो किरियाओ कज्जंति, तं जहा- आरंभिया य, मायावत्तिया य । तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसि णं आइल्लाओ

तिण्णि किरियाओ कज्जंति- आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, असंजयाण चत्तारि किरियाओ कज्जंति- आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्चक्खाण- पच्चया । मिच्छादिट्ठीणं पंच- आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्चक्खाणपच्चया, मिच्छा-दंसणवत्तिया । सम्मामिच्छादिट्ठीणं पंच ।

१९ वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया जहा असुरकुमारा, णवरं वेयणाए णाणत्तं- मायिमिच्छादिट्ठी उववण्णगा य अप्पवेयणतरा, अमायिसम्मदिट्ठी उववण्णगा य महावेयणतरागा भाणियच्चा जोइसवेमाणिया ।

१९ सलेस्सा णं भंते ! णेरइया सव्वे समाहारगा ?

ओहियाणं, सलेस्साणं, सुक्कलेस्साणं; एएसि णं तिण्हं एक्को गमो । कण्हलेस्साणं, णीललेस्साणं पि एक्को गमो- णवरं वेयणाए मायिमिच्छदिट्ठी उववण्णगा य, अमायिसम्मदिट्ठीउववण्णगा य भाणियच्चा । मणुस्सा किरियासु सराग-वीयराग-पमत्ता-पमत्ता ण भाणियच्चा, काउलेस्साण वि एसेव गमो-णवरं-णेरइए जहा ओहिओ दंडओ तहा भाणियच्चा, तेउलेस्सा, पम्हलेस्सा जस्स अत्थि जहा ओहिओ दंडओ तहा भाणियच्चा । णवरं मणुस्सा सरागा, वीयरागा ण भाणियच्चा ।

दुक्खाउए उदिण्णे, आहारे कम्मवण्णलेस्सा य,
समवेयण समकिरिया, समाउए चेव बोधच्चा ।

२० कइ णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! छ लेस्साओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्णलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा। लेस्साणं बिईओ उद्देसो भाणियच्चो जाव इइढी ।

२१ जीवस्स णं भंते ! तीतद्धाए आदिट्ठस्स कइविहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते ?

गोयमा ! चउव्विहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते, तं जहा- णेरइयसंसार-संचिट्ठणकाले, तिरिक्ख-मणुस्स-देव- संसारसंचिट्ठणकाले य।

२२ णेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- सुण्णकाले, असुण्णकाले, मिस्सकाले।

तिरिक्खजोणियसंसार पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- असुण्णकाले, मिस्सकाले य ।

मणुस्साण य देवाण य जहा णेरइयाणं ।

२३ एयस्स णं भंते ! णेरइयस्स संसारसंचिट्ठणकालस्स सुण्णकालस्स, असुण्ण- कालस्स, मीसकालस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवे असुण्णकाले, मिस्सकाले अणंतगुणे, सुण्णकाले अणंतगुणे । तिरिक्खजोणियाणं सव्वत्थोवे असुण्णकाले, मिस्सकाले अणंतगुणे। मणुस्स देवाण य जहा णेरइयाणं।

२४ एयस्स णं भंते ! णेरइयसंसारसंचिद्वणकालस्स जाव देवसंसार- संचिद्वणकालस्स जाव विसेसाहिए वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवे मणुस्ससंसार संचिद्वणकाले, णेरइयसंसारसंचिद्वणकाले असंखेज्जगुणे, देवसंसारसंचिद्वणकाले असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणियसंसार- संचिद्वणकाले अणंतगुणे।

२५ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ?

गोयमा ! अत्थेगइए करेज्जा, अत्थेगइए णो करेज्जा । अंतकिरियापयं णेयव्वं ।

२६ अह भंते ! असंजयभवियदव्वदेवाणं, अविराहियसंजमाणं, विराहियसंजमाणं, अविराहियसंजमासंजमाणं, विराहियसंजमासंजमाणं, असण्णीणं, तावसाणं, कंदप्पियाणं चरगपरिव्वायगाणं, किव्विसियाणं, तेरिच्छियाणं, आजीवियाणं, आभिओगियाणं सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं, एएसि णं देवलोगेसु उववज्जमाणानं कस्स कहिं उववाए पण्णत्ते ?

गोयमा ! असंजयभवियदव्वदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं उवरिम गेविज्जएसु । अविराहियसंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे, उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे विमाणे । विराहिय संजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सोहम्मं कप्पे। अविराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे, उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे । विराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं जोइसिएसु । असण्णीणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं वाणमंतरेसु । अवसेसा सव्वे जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं वोच्छामि- तावसाणं जोइसिएसु, कंदप्पियाणं सोहम्मं कप्पे, चरगपरिव्वायगाणं बंभलोए कप्पे, किव्विसियाणं लंतगे कप्पे, तेरिच्छियाणं सहस्सारे कप्पे, आजीवियाणं अच्चुए कप्पे, आभिओगियाणं अच्चुए कप्पे, सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं उवरिमगेविज्जएसु ।

२७ कइविहे णं भंते ! असण्णिआउए पण्णत्ते ?

गोयमा ! चउव्विहे असण्णिआउए पण्णत्ते, तं जहा- णेरइयअसण्णि आउए तिरिक्ख-मणुस्स- देवअसण्णिआउए।

२८ असण्णी णं भंते ! जीवे किं णेरइयाउयं पकरेइ, तिरिक्ख-मणु- देवाउयं पकरेइ ?

हंता, गोयमा ! णेरइयाउयं पि पकरेइ, तिरिक्ख-मणुस्स- देवाउयं पि पकरेइ। णेरइयाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ । तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ। मणुस्साउए वि एवं चेव, देवाउयं जहा णेरइयाउए।

२९ एयस्स णं भंते ! णेरइयअसण्णिआउयस्स, तिरिक्ख- मणुस्स- देवअसण्णि आउयस्स कयरे कयरेहितो जाव विसेसाहिए वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवे देवअसण्णिआउए, मणुस्सअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिय असण्णिआउए असंखेज्जगुणे, णेरइय- असण्णिआउए असंखेज्जगुणे ॥सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्ममे कडे ? हंता, कडे ।

से भंते! किं देसेणं देसे कडे, देसेणं सव्वे कडे, सव्वेणं देसे कडे, सव्वेणं सव्वे कडे ?

गोयमा ! णो देसेणं देसे कडे, णो देसेणं सव्वे कडे, णो सव्वेणं देसे कडे, सव्वेणं सव्वे कडे ।

२ णेरइयाणं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्ममे कडे ?

हंता, कडे जाव सव्वेणं सव्वे कडे, एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ भाणियव्वो ।

३ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्ज कम्मं करिंसु ? हंता, करिंसु ।

तं भंते ! किं देसेणं देसं करिंसु पुच्छा ?

एएणं अभिलावेणं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं । एवं करेति, एत्थ वि दंडओ जाव वेमाणियाणं । एवं करिस्संति एत्थ वि दंडओ जाव वेमाणियाणं एवं चिए, चिणिंसु, चिणंति, चिणिस्संति; उवचिए, उवचिणिंसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति; उदीरेंसु, उदीरेंति, उदीरिस्संति; वेदेंसु, वेदेंति, वेदिस्संति; णिज्जरेंसु, णिज्जरेंति, णिज्जरिस्संति। गाहा-

कडचिया उवचिया, उदीरिया वेइया य णिज्जिण्णा ।

आदितिए चउभेदा, तियभेया पच्छिमा तिण्णि ॥

४ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ? हंता गोयमा ! वेदेंति।

५ कहण्णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?

गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं संकिया, कंखिया वितिगिच्छिया, भेदसमावण्णा, कलुससमावण्णा, एवं खलु जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ।

६ से णूणं भंते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ।

हंता गोयमा ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ।

से णूणं भंते ! एवं मणं धारेमाणे एवं पकरेमाणे एवं चिट्ठेमाणे, एवं संवरेमाणे आणाए आराहए भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं मणं धारेमाणे जाव आराहए भवइ ।

७ से णूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ, णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ ? हंता गोयमा ! जाव परिणमइ ।

८ जं णं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ, णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ; तं किं पयोगसा, वीससा ? गोयमा ! पयोगसा वि तं, वीससा वि तं ।

९ जहा ते भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ, तहा ते णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ ? जहा ते णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ, तहा ते अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ?

हंता गोयमा ! जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ, तहा मे णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ । जहा मे णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ, तहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ।

१० से णूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ?

जहा परिणमइ दो आलावगा, तहा गमणिज्जेण वि दो आलावगा भाणियव्वा जाव तहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ।

११ जहा ते भंते ! एत्थं गमणिज्जं, तहा ते इहं गमणिज्जं, जहा ते इहं गमणिज्जं, तहा ते एत्थं गमणिज्जं ?

हंता गोयमा ! जहा मे एत्थं गमणिज्जं जाव तहा मे एत्थं गमणिज्जं ।

१२ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ? हंता गोयमा ! बंधंति ।

कहण्णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ? गोयमा! पमादपच्चया, जोगणिमित्तं च।

से णं भंते ! पमाए किंपवहे ? गोयमा! जोगप्पवहे ।

से णं भंते! जोए किंपवहे ? गोयमा ! वीरियप्पवहे ।

से णं भंते ! वीरिए किंपवहे? गोयमा ! सरीरप्पवहे ।

से णं भंते ! सरीरे किंपवहे ? गोयमा ! जीवप्पवहे । एवं सति अत्थि उट्ठाणेइ वा, कम्मेइ वा, बलेइ वा, वीरिएइ वा, पुरिसक्कारपरिक्कमेइ वा ।

१३ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव उदीरेइ, अप्पणा चेव गरहइ, अप्पणा चेव संवरइ ? हंता गोयमा! अप्पणा चेव उदीरेइ, एवं तं चेव उच्चारयेयव्वं।

१४ जं णं तं भंते ! अप्पणा चेव उदीरेइ, अप्पणा चेव गरहइ, अप्पणा चेव संवरइ तं किं उदिण्णं उदीरेइ, अणुदिण्णं उदीरेइ, अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ?

गोयमा! णो उदिण्णं उदीरेइ, णो अणुदिण्णं उदीरेइ, अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, णो उदयाणंतर पच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ।

१५ जं णं भंते ! अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, तं किं उद्वाणेणं, कम्ममेणं, बलेणं, वीरिएणं, पुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, उदाहु तं अणुद्वाणेणं, अकम्ममेणं, अबलेणं, अवीरिएणं, अपुरिसक्कार- परक्कमेणं अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ?

गोयमा ! तं उद्वाणेण वि, कम्ममेण वि, बलेण वि, वीरिएण वि, पुरिसक्कार परक्कमेण वि अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ । णो तं अणुद्वाणेणं, अकम्ममेणं, अबलेणं, अवीरिएणं, अपुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ । एवं सति अत्थि उद्वाणेइ वा, कम्ममेइ वा, बलेइ वा, वीरिएइ वा पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा ।

१६ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव उवसामेइ, अप्पणा चेव गरहइ, अप्पणा चेव संवरेइ ?

हंता गोयमा ! एत्थ वि तहेव भाणियव्वं । णवरं अणुदिण्णं उवसामेइ; सेसा पडिसेहेयव्वा तिण्णि ।

जं णं भंते ! अणुदिण्णं उवसामेइ, तं किं उद्वाणेणं ? जाव पुरिसक्कार- परक्कमेइ वा ।

१७ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव वेदेइ, अप्पणा चेव गरहइ ?

एत्थ वि सच्चेव परिवाडी, णवरं-उदिण्णं वेएइ, णो अणुदिण्णं वेएइ, एवं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा ?

१८ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव णिज्जरेइ, अप्पणा चेव गरहइ ?

एत्थ वि सच्चेव परिवाडी, णवरं-उदयाणंतर पच्छाकडं कम्मं णिज्जरेइ, एवं जाव पुरिसक्कार परक्कमेइ वा ।

१९ णेरइया णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेति ? जहा ओहिआ जीवा तहा णेरइया जाव थणियकुमारा ।

२० पुढविकाइया णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेति ? हंता, वेदेति ।

कहण्णं भंते ! पुढविकाइया कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेति ?

गोयमा ! तेसि णं जीवाणं णो एवं तक्का इ वा, सण्णा इ वा, पण्णा इ वा, मणे इ वा, वई त्ति वा अम्हे णं कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएमो, वेदेति पुण ते । से णूणं भंते ! तमेव सच्चं, णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ?

सेसं तं चेव जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा; एवं जाव चउरिंदियाणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा ओहिया जीवा ।

२१ अत्थि णं भंते ! समणा वि णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेति? हंता अत्थि ।

कहण्णं भंते ! समणा णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेति ?

गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं-णाणंतरेहिं, दंसणंतरेहिं, चरित्तंतरेहिं, लिंगंत- रेहिं, पवयणंतरेहिं, पावयणंतरेहिं, कप्पंतरेहिं, मग्गंतरेहिं, मयंतरेहिं, भंगंतरेहिं, णयंतरेहिं, णियमंतरेहिं, पमाणंतरेहिं संकिया, कंखिया, वित्तिगिच्छिया, भेयसमा- वण्णा, कलुससमावण्णा; एवं खलु समणा णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदंति ।

से णूणं भंते ! तमेव सच्चं, णिसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ?

हंता, गोयमा ! तमेव सच्चं, णीसंकं, एवं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ तइओ उद्देशो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ । कम्मप्पगडीए पढमो उद्देशो णेयव्वो जाव अणुभागो समत्तो । गाहा-

कइ पयडी कह बंधइ, कइहिं च ठाणेहिं बंधइ पयडी ।

कइ वेदेइ य पयडी, अणुभागो कइविहो कस्स ॥

२ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्ममेणं उदिण्णेणं उवट्ठाएज्जा? हंता, उवट्ठाएज्जा ।

से भंते ! किं वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, णो अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा।

जइ वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, किं बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, पंडिय- वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ?

गोयमा! बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, णो पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, णो बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ।

३ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्ममेणं उदिण्णेणं अवक्कमेज्जा? हंता, अवक्कमेज्जा ।

से भंते ! जाव बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा ?

गोयमा! बालवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा, णो पंडियवीरियत्ताए अवक्क-मेज्जा, सिय बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा ।

४ जहा उदिण्णेणं दो आलावगा तहा उवसंतेण वि दो आलावगा भाणियव्वा; णवरं-उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए, अवक्कमेज्जा, बालपंडियवीरियत्ताए ।

५ से भंते ! किं आयाए अवक्कमइ, अणायाए अवक्कमइ ? गोयमा ! आयाए अवक्कमइ, णो अणायाए अवक्कमइ।

६ मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! पुत्विं से एयं एवं रोयइ, इयाणिं से एयं एवं णो रोयइ; एवं खलु एयं एवं ।

७ से णूणं भंते ! णेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणूसस्स वा देवस्स वा जे कडे पावे कम्ममे, णत्थि तस्स अवेयइत्ता मोक्खो ?

हंता, गोयमा ! णेरइयस्स वा, तिरिक्ख-मणुदेवस्स वा जे कडे पावे कम्ममे, णत्थि तस्स अवेइयत्ता मोक्खो ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइयस्स वा जाव मोक्खो ?

एवं खलु मए गोयमा ! दुविहे कम्ममे पण्णत्ते, तं जहा- पएसकम्ममे य अणुभागकम्ममे य, तत्थ णं जं तं पएसकम्मं तं णियमा वेएइ, तत्थ णं जं तं अणुभागकम्मं तं अत्थेगइयं वेएइ, अत्थेगइयं णो वेएइ ।

णायमेयं अरहया, सुयमेयं अरहया, विण्णायमेयं अरहया- इमं कम्मं अयं जीवे अब्भोवगमियाए वेयणाए वेदेस्सइ, इमं कम्मं अयं जीवे उवक्कमियाए वेयणाए वेइस्सइ । अहाकम्मं, अहाणिगरणं जहा जहा तं भगवया दिट्ठं तहा तहा तं विप्परिणमिस्सईति । से तेणट्ठेणं गोयमा ! णेरइयस्स वा जाव मोक्खो ।

८ एस णं भंते ! पोग्गले अतीतं अणंतं, सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया ?

हंता गोयमा ! एस णं पोग्गले अतीतं अणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया ।

९ एस णं भंते ! पोग्गले पडुप्पणं सासयं समयं भवईति वत्तव्वं सिया?

हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारयव्वं ।

१० एस णं भंते ! पोग्गले अणागयं अणंतं सासयं समयं भविस्सईति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारयव्वं। एवं खंधेण वि तिण्णि आलावगा। एव जीवेण वि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा ।

११ छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से अतीतं अणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं, केवलेणं संवरेणं, केवलेणं बंभचेरवासेणं, केवलाहिं पवयणमाईहिं सिज्झिसु बुज्झिसु जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिंसु ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव अंतं करैसु ?

गोयमा! जे केइ अंतकरा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणं अंतं करैसु वा, करैति वा, करिस्संति वा सव्वे ते उप्पण्णणाण-दंसणघरा, अरहा, जिणा, केवली, भवित्ता, तओ पच्छा सिज्झंति, बुज्झंति, मुच्चंति, परिणिव्वायंति, सव्वदुक्खाणं अंतं करैसु वा, करैति वा, करिस्संति वा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करैसु ।

१२ पडुप्पण्णे वि एवं चेव, णवरं सिज्झंति भाणियव्वं । अणागए वि एवं चेव, णवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं ।

जहा छउमत्थो तहा आहोहिओ वि, तहा परमोहिओ वि; तिण्णि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा।

१३ केवली णं भंते ! मणुसे अतीतं, अणंतं, सासयं समयं जाव अंतं करैसु ?

हंता, सिज्झिस्सु जाव अंतं करैसु, एते तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जहा छउमत्थस्स, णवरं-सिज्झिस्सु सिज्झंति सिज्झिस्संति ।

१४ से णूणं भंते ! अतीतं अणंतं सासयं समयं; पडुप्पण्णं वा सासयं समयं; अणागयं अणंतं वा सासयं समयं जे केइ अंतकरा वा, अंतिमसरीरिया वा, सव्वदुक्खाणं अंतं करैसु वा, करैति वा, करिस्संति वा; सव्वे ते उप्पण्णणाण- दंसणधरा अरहा जिणा केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करिस्संति वा ?

हंता गोयमा ! अतीतं अणंतं सासयं जाव अंतं करिस्संति वा ।

१५ से णूणं भंते ! उप्पण्णणाण-दंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थु त्ति वत्तव्वं सिया ?

हंता गोयमा ! उप्पण्णणाण-दंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थु त्ति वत्तव्वं सिया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रयणप्पभा जाव तमतमा ।

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए कइ णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता?

गोयमा ! तीसं णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ।

तीसा य पण्णवीसा, पण्णरस दसेव य सयसहस्सा ।

तिण्णेगं पंचूणं, पंचेव अणुत्तरा णिरया ॥

२ केवइया णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? एवं-

चउसट्ठी असुराणं, चउरासीई य होइ णागाणं ।

बावत्तरिं सुवण्णाणं, वाउकुमाराण छण्णउई ॥

दीव-दिसा-उदहीणं, विज्जुकुमारिंद थणियमग्गीणं ।

छण्हं पि जुयलयाणं, छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥

३ केवइया णं भंते ! पुढविककाइयावास सयसहस्सा पण्णत्ता ?

गोयमा ! असंखेज्जा पुढविक्काइयावास सयसहस्सा पण्णत्ता जाव असंखिज्जा जोइसियविमाणावास सयसहस्सा पण्णत्ता ।

४ सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावससयसहस्सा पण्णत्ता ? एवं-

बत्तीसद्वावीसा, बारस अट्ठ चउरो सयसहस्सा,
पण्ण चत्तालीसा, छच्च सहस्सा सहस्सारे ।
आणय पाणयकप्पे, चत्तारि समया आरणच्चुए तिण्णि,
सत्त विमाणसयाइं, चउसु वि एएसु कप्पेसु ।
एक्कारसुत्तरं हेद्धिमेसु, सत्तुत्तरं सयं च मज्झिमए,
सयमेगं उवरिमए, पंचेव अणुत्तरविमाणा ।

५ पुढवी द्विइ ओगाहण, सरीर संघयणमेव संठाणे ।
लेस्सा दिट्ठी णाणे, जोगुवओगे य दस द्वाणा ।

६ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि
णेइयाणं केवइया ठिइद्वाणा पण्णत्ता ?

गोयमा! असंखेज्जा ठिइद्वाणा पण्णत्ता, तं जहा- जहण्णिया ठिई, समयाहिया जहण्णिया ठिई,
दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया जहण्णिया ठिई । तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई ।

७ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि
जहण्णियाए ठिईए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता, माणोवउत्ता, मायोवउत्ता, लोभोवउत्ता?
गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा कोहोवउत्ता ॥१॥

अहवा कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ते य । अहवा कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ता य । अहवा
कोहोवउत्ता य मायोवउत्ते य । अहवा कोहोवउत्ता य, मायोवउत्ता य। अहवा कोहोवउत्ता य,
लोभोवउत्ते य । अहवा कोहोवउत्ता य, लोभोवउत्ता ॥६॥

अहवा कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ते य, मायोवउत्ते य । कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ते य,
मायोवउत्ता य । कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ता य, मायोवउत्ते य । कोहोवउत्ता य,
माणोवउत्ता य, मायोवउत्ता य ॥४॥

एवं कोहमाणलोभेण वि चउभंगा ॥८॥ एवं कोहमायालोभेण वि चउभंगा। एवं १२।

पच्छा माणेण, मायाए, लोभेण य कोहो भइयव्वो। ते कोहं अमुंचंता अट्ठ भंगा । एवं
सत्तावीसं भंगा णेयव्वा ।

८ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि
समयाहियाए जहण्णद्विईए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता, माणोवउत्ता, मायोवउत्ता,
लोभोवउत्ता ?

गोयमा ! कोहोवउत्ते य, माणोवउत्ते य, मायोवउत्ते य, लोभोवउत्ते य । कोहोवउत्ता य, माणोवउत्ता य, मायोवउत्ता य, लोभोवउत्ता य ॥८॥

अहवा कोहोवउत्ते य, माणोवउत्ते य । अहवा कोहोवउत्ते य, माणोवउत्ता य। एवं असीइ भंगा णेयव्वा । एवं जाव संखेज्जसमाहियाए ठिईए । असंखेज्ज- समयाहियाए ठिईए, तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा ।

९ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि णेरइयाणं केवइया ओगाहणाठाणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! असंखेज्जा ओगाहणाठाणा पण्णत्ता, तं जहा- जहणिया ओगाहणा, पएसाहिया जहणिया ओगाहणा, दुप्पएसाहिया जहणिया ओगाहणा जाव असंखिज्ज पएसाहिया जहणिया ओगाहणा । तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा।

१० इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि जहणियाए ओगाहणाए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?

गोयमा ! असीइभंगा भाणियव्वा जाव संखिज्जपएसाहिया जहणिया ओगाहणा असंखेज्जपएसाहियाए जहणियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं, तप्पउग्गुक्को- सियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं णेरइयाणं दोसु वि सत्ताविसं भंगा ।

११ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव एगमेगंसि णिरयावासंसि णेरइयाणं कइ सरीरया पण्णत्ता? गोयमा ! तिण्णि सरीरया पण्णत्ता । तं जहा- वेउव्विए, तेयए, कम्मए ।

१२ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता, पुच्छा ? गोयमा ! सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा । एएणं गमेणं तिण्णि सरीरा भाणियव्वा।

१३ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव णेरइयाणं सरीरया किंसंघयणी पण्णत्ता ?

गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी, णेवढ्ढी, णेवच्छिरा, णेव ण्हारूणि। जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुहा अमणुण्णा अमणामा एतेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति ।

१४ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव छण्हं संघयणाणं असंघयणे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?

गोयमा ! सत्तावीसं भंगा ।

१५ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव सरीरया किंसंठिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! दुविहा सरीरा पण्णत्ता, तं जहा- भवधारणिज्जा य, उत्तर- वेउव्विया य । तत्थणं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंड संठाणसंठिया पण्णत्ता । तत्थणं जे ते उत्तरवेउव्विया ते वि हुंडसंठिया पण्णत्ता ।

- १६ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव हुंडसंठाणे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता ?
गोयमा ! सत्तावीसं भंगा ।
- १७ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ता ।
गोयमा ! एगा काउलेस्सा पण्णत्ता ।
- १८ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव काउलेस्साए वट्टमाणा किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?
गोयमा ! सत्तावीसं भंगा ।
- १९ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव किं सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी ?
गोयमा ! तिण्ण वि ।
- २० इमीसे णं भंते ! जाव सम्मदंसणे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?
सत्तावीसं भंगा । एवं मिच्छादंसणे वि । सम्मामिच्छादंसणे असीए भंगा ।
- २१ इमीसे णं भंते ! जाव किं णाणी, अण्णाणी ?
गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि; तिण्णि णाणाइं णियमा, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।
- २२ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव आभिणिबोहियणाणे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?
सत्तावीसं भंगा । एवं तिण्णि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भाणियच्चाइं ।
- २३ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव किं मणजोगी, वइजोगी, कायजोगी? गोयमा !
तिण्णि वि ।
इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव मणजोए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा?
गोयमा ! सत्तावीसं भंगा । एवं वइजोए, एवं कायजोए ।
- २४ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव णेरइया किं सागरोवउत्ता, अणागारोवउत्ता?
गोयमा! सागरोवउत्ता वि, अणागारोवउत्ता वि ।
इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव सागारोवओगे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता पुच्छा ?
सत्तावीसं भंगा । एवं अणागारोवउत्ता वि सत्तावीसं भंगा ।
- २५ एवं सत्त वि पुढवीओ णेयच्चाओ, णाणत्तं लेसासु ।
काऊ य दोसु, तइयाए मीसिया, णीलिया चउत्थीए ।

पंचमीयाए मीसा, कण्हा तत्तो परमकण्हा ॥

२६ चउसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावास सयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारा- वासंसि असुरकुमाराणं केवइया ठिइट्ठाणा पण्णत्ता ?

गोयमा! असंखेज्जा ठिइट्ठाणा पण्णत्ता । जहणिया ठिई, एवं जहा णेरइया तहा, णवरं पडिलोमा भंगा भाणियच्चा । सच्चे वि ताव होज्ज लोभोवउत्ता। अहवा लोभोवउत्ता य, मायोवउत्ते य, अहवा लोभोवउत्ता य, मायोवउत्ता य । एएणं गमेणं णेयच्चं जाव थणियकुमाराणं, णवरं णाणत्तं जाणियच्चं।

२७ असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयाणं केवइया ठिइट्ठाणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! असंखेज्जा ठिइट्ठाणा पण्णत्ता, तं जहा- जहणिया ठिई जाव तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई।

२८ असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविकाइयावास सयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि जहणियाए ठिईए वट्टमाणा पुढविकाइया किं कोहोवउत्ता, माणोवउत्ता, मायोवउत्ता, लोभोवउत्ता?

गोयमा ! कोहोवउत्ता वि, माणोवउत्ता वि, मायोवउत्ता वि, लोभोवउत्ता वि। एवं पुढविकाइयाणं सच्चेसु वि ठाणेसु अभंगयं । णवरं तेउलेस्साए असीइभंगा, एवं आउक्काइया वि । तेउक्काइया, वाउक्काइयाणं सच्चेसु वि ठाणेसु अभंगयं । वणस्सकाइया जहा पुढविकाइया ।

२९ बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइं चेव । णवरं अब्भहिया सम्मत्ते, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे य; एएहिं असीइभंगा । जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं सत्तावीसं भंगा, तेसु ठाणेसु सच्चेसु अभंगयं ।

३० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया तहा भाणियच्चा । णवरं- जेहिं सत्तावीसं भंगा तेहिं अभंगयं कायच्चं । जत्थ असीइ तत्थ असीइं चेव ।

३१ एवं मणुस्साणं वि जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइभंगा भाणियच्चा । जेसु ठाणेसु सत्तावीसा, तेसु अभंगयं । णवरं मणुस्साणं अब्भहियं जहणियठिइए, आहारए य असीति भंगा ।

३२ वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया जहा भवणवासी । णवरं णाणत्तं जाणियच्चं- जं जस्स जाव अणुत्तरा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छडो उद्देसो

- १ जावइयाओ य णं भंते ! उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्व- मागच्छइ, अत्थमंते वि य णं सूरिए तावइयाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ ?
- हंता गोयमा ! जावइयाओ णं उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ अत्थमंते वि सूरिए जाव हव्वमागच्छइ।
- २ जावइया णं भंते ! खित्तं उदयंते सूरिए आयवेणं सव्वओ समंता ओभासइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ; अत्थमंते वि य णं सूरिए तावइयं चेव खित्तं आयवेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ?
- हंता गोयमा ! जावइयं णं खेत्तं जाव पभासेइ ।
- ३ तं भंते ! किं पुढं ओभासेइ, अपुढं ओभासेइ ? जाव छद्दिसिं ओभासेइ । एवं उज्जोवेइ, तवेइ, पभासेइ जाव णियमा छद्दिसिं ।
- ४ से णूणं भंते ! सव्वं ति सव्वावंति फुसमाणकाल समयंसि जावइयं खेत्तं फुसइ, तावइयं 'फुसमाणे पुढे' त्ति वत्तव्वं सिया ?
- हंता गोयमा ! सव्वं ति जाव वत्तव्वं सिया ।
- तं भंते ! किं पुढं फुसइ अपुढं फुसइ ? जाव णियमा छद्दिसिं ।
- ५ लोयंते भंते ! अलोयंतं फुसइ, अलोयंते वि लोयंतं फुसइ ? हंता गोयमा! लोयंते अलोयंतं फुसइ, अलोयंते वि लोयंतं फुसइ ।
- तं भंते ! किं पुढं फुसइ, अपुढं फुसइ ? जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ ।
- ६ दीवंते भंते ! सागरंतं फुसइ, सागरंते वि दीवंतं फुसइ ?
- हंता जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ ।
- एवं एणं अभिलावेणं- उदगंते पोयंतं फुसइ, छिद्धंते दूसंतं, छायंते आयवंतं जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ।
- ७ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाय किरिया कज्जइ ? हंता, अत्थि ।
- सा भंते ! किं पुढा कज्जइ, अपुढा कज्जइ ? जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउदिसिं, सिय पंचदिसिं।
- ८ सा भंते ! किं कडा कज्जइ, अकडा कज्जइ ? गोयमा ! कडा कज्जइ, णो अकडा कज्जइ ।
- सा भंते ! किं अत्तकडा कज्जइ, परकडा कज्जइ, पदुभयकडा कज्जइ ? गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ, णो परकडा कज्जइ, णो तदुभयकडा कज्जइ ।

सा भंते ! किं आणुपुत्विं कडा कज्जइ, अणाणुपुत्विं कडा कज्जइ ?

गोयमा ! आणुपुत्विं कडा कज्जइ, णो अणाणुपुत्विं कडा कज्जइ। जा य कडा, जा य कज्जइ, जा य कज्जिस्सइ, सव्वा सा आणुपुत्त्विकडा, णो अणाणुपुत्त्विकडा त्ति वत्तत्वं सिया ।

९ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइयाकिरिया कज्जइ ? हंता, अत्थि ।

सा भंते ! किं पुढा कज्जइ, अपुढा कज्जइ ? जाव णियमा छद्दिसिं कज्जइ।

१० सा भंते ! किं कडा कज्जइ, अकडा कज्जइ ? तं चेव जाव णो अणाणुपुत्त्विकडा त्ति वत्तत्वं सिया । जहा णेरइया तहा एगिंदियवज्जा भाणियव्वा जाव वेमाणिया । एगिंदिया जहा जीवा तहा भाणियव्वा ।

जहा पाणाइवाए तहा मुसावाए, तहा अदिण्णादाणे, मेहुणे, परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले । एवं एए अद्वारस चउवीसं दंडगा भाणियव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

११ तेणं कालेणं, तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी रोहे णामं अणगारे पगइभदए, पगइमउए, पगइविणीए, पगइउवसंते, पगइपयणुकोह-माण-माया-लोभे, मिउमद्ववसंपण्णे, अलीणे, भदए, विणीए समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणु, अहोसिरे, झाणकोढोवगए संजेमणं, तवसा अप्पाणं भावेमाणे विरहइ। तए णं से रोहे अणगारे जायसइडे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-

१२ पुत्विं भंते ! लोए, पच्छा अलोए; पुत्विं अलोए, पच्छा लोए ?

रोहा ! लोए य अलोए य, पुत्विं पेटे, पच्छा पेटे, दो वि एए सासया भावा, अणाणुपुत्वी एसा रोहा !

१३ पुत्विं भंते ! जीवा, पच्छा अजीवा; पुत्विं अजीवा पच्छा जीवा?

जहेव लोए य, अलोय य; तहेव जीवा य, अजीवा य ।

एवं भवसिद्धिया य, अभवसिद्धिया य; सिद्धि असिद्धि; सिद्धा, असिद्धा ।

१४ पुत्विं भंते ! अंडए, पच्छा कुक्कुडी; पुत्विं कुक्कुडी, पच्छा अंडए ?

रोहा ! से णं अंडए कओ ? भयवं ! कुक्कुडीओ । सा णं कुक्कुडी कओ? भंते ! अंडयाओ ।

एवामेव रोहा ! से य अंडए, सा य कुक्कुडी, पुत्विं पेटे, पच्छा पेटे, दो वि एए सासया भावा, अणाणुपुत्वी एसा रोहा ! ।

१५ पुत्विं भंते ! लोयंते, पच्छा अलोयंते; पुत्विं अलोयंते, पच्छा लोयंते ?

रोहा ! लोयंते य अलोयंते य पुत्विं पेटे, पच्छापेटे, दो वि एए सासयाभावा अणाणुपुत्वी एसा रोहा ! ।

१६ पुत्विं भंते ! लोयंते, पच्छा सत्तमे उवासंतरे ? पुच्छा ।

रोहा ! लोयंते य, सत्तमे उवासंतरे य पुव्विं पेते, पच्छा पेते, दो वि एए सासयाभावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा !

एवं लोयंते य सत्तमे य तणुवाए, एवं घवणाए, घणोदही, सत्तमा पुढवी ।

१७ एवं लोयंते एक्केक्कणं संजोएयव्वे इमेहिं ठाणेहिं, तं जहा-

उवास-वाय-घणउदहि, पुढवी दीवा य सागरा वासा ।

णेइयाई अत्थिय, समया कम्माइं लेस्साओ ॥१॥

दिट्ठी दंसण णाणा, सण्णा सरीरा य जोग उवओगे ।

दव्वपएसा पज्जव, अद्धा किं पुव्विं लोयंते ॥२॥

१८ पुव्विं भंते ! लोयंते, पच्छा अतीतद्धा ?

एवं अतीतद्धा, अणागयद्धा, सव्वद्धा य लोयंतेण सह भाणियव्वा जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा !

जहा लोयंतेणं संजोइया सव्वे ठाणा एते, एवं अलोयंतेण वि संजोएयव्वा सव्वे।

१९ पुव्विं भंते ! सत्तमे उवासंतरे, पच्छा सत्तमे तणुवाए ? एवं सत्तमं उवासंतरं सव्वेहिं समं संजोएयव्वं जाव सव्वद्धाए।

पुव्विं भंते ! सत्तमे तणुवाए, पच्छा सत्तमे घणवाए ? एयं पि तहेव णेयव्वं, जाव सव्वद्धा । एवं उवरिल्लं एक्केक्कं संजोयंतेणं जो जो हिड्डिल्लो, तं तं छड्डंतेणं णेयव्वं जाव अईय-अणागयद्धा, पच्छा सव्वद्धा जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ।

२० भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी-कइविहा णं भंते ! लोयडिई पण्णत्ता ?

गोयमा ! अड्विहा लोयडिई पण्णत्ता । तं जहा- आगासपइठिए वाए । वायपइठिए उदही । उदही पइठिया पुढवी । पुढविपइठिया तसा थावरा पाणा। अजीवा जीवपइठिया। जीवा कम्मपइठिया । अजीवा जीवसंगहिया । जीवा कम्मसंगहिया ।

२१ से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ- अड्विहा लोयठिई पण्णत्ता, तं जहा- आगासपइठिए वाए जाव जीवा कम्मसंगहिया ?

गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ, वत्थिमाडोवेत्ता उप्पिं सितं बंधइ, बंधइत्ता मज्झेणं गंठिं बंधइ बंधइत्ता उवरिल्लं गंठिं मुयइ, मुइत्ता उवरिल्लं देसं वामेइ, उवरिल्लं देसं वामेत्ता; उवरिल्लं देसं आउकायस्स पूरेइ, पूरिता उप्पिंसितं बंधइ, बंधिता मज्झिल्लगंठिं मुयइ ।

से णूणं गोयमा ! से आउकाए तस्स वाउकायस्स उप्पिं उवरिमतले चिड्डइ ? हंता, चिड्डइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव जीवा कम्मसंगहिया।

से जहा वा केइ पुरिसे वत्थिं आडोवेइ, आडोवित्ता कडीए बंधइ, बंधित्ता अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि ओगाहेज्जा । से णूणं गोयमा! से पुरिसे तस्स वाउकायस्स उवरिमतले चिद्धइ ? हंता, चिद्धइ ।

एवामेव गोयमा ! (एवं वा) अट्ठविहा लोयट्ठिई पण्णत्ता जाव जीवा कम्म- संगहिया।

२२ अत्थि णं भंते ! जीवा य पोग्गला य अण्णमण्णबद्धा अण्णमण्णपुट्ठा अण्णमण्णओगाढा अण्णमण्णसिणेहपडिबद्धा अण्णमण्णघडत्ताए चिद्धंति? हंता, अत्थि ।

२३ से केणट्ठेणं भंते ! जाव चिद्धंति ?

गोयमा ! से जहाणामए हरए सिया- पुण्णे, पुण्णप्पमाणे वोलट्ठमाणे वोसट्ठमाणे समभरघडत्ताए चिद्धइ। अहे णं [अहण्णं] केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सयासवं सयच्छिद्धं ओगाहेज्जा । से णूणं गोयमा! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरमाणी, आपूरमाणी पुण्णा, पुण्णप्पमाणा, वोलट्ठमाणा, वोसट्ठमाणा, समभरघडत्ताए चिद्धइ ? हंता, चिद्धइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! अत्थिणं जीवा य पोग्गला य जाव चिद्धंति ।

२४ अत्थि णं भंते ! सया समियं सुहुमे सिणेहकाये पवडइ ? हंता अत्थि ।

से भंते ! किं उड्ढे पवडइ, अहे पवडइ, तिरिए पवडइ ? गोयमा! उड्ढे वि पवडइ, अहे वि पवडइ, तिरिए वि पवडइ।

जहा से भंते ! बायरे आउयाए अण्णमण्णसमाउत्ते चिरं पि, दीहकालं चिद्धइ, तहा णं से वि ? णो इणट्ठे समट्ठे । से णं खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं उववज्जइ, देसेणं सव्वं उववज्जइ, सव्वेणं देसं उववज्जइ, सव्वेणं सव्वं उववज्जइ?

गोयमा ! णो देसेणं देसं उववज्जइ, णो देसेणं सव्वं उववज्जइ; णो सव्वेणं देसं उववज्जइ, सव्वेणं सव्वं उववज्जइ । जहा णेरइए, एवं जाव वेमाणिए ।

२ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ, देसेणं सव्वं आहारेइ, सव्वेणं देसं आहारेइ, सव्वेणं सव्वं आहारेइ ?

गोयमा ! णो देसेणं देसं आहारेइ, णो देसेणं सव्वं आहारेइ, सव्वेणं वा देसं आहारेइ, सव्वेणं वा सव्वं आहारेइ। एवं जाव वेमाणिए।

३ णेरइए णं भंते ! णेरएहिंतो उव्वट्ठमाणे किं देसेणं देसं उव्वट्ठइ, पुच्छा ? जहा उववज्जमाणे तहेव उव्वट्ठमाणे वि दंडगो भाणियव्वो ।

- ४ णेरइए णं भंते ! णेरएहिंतो उव्वट्टमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ पुच्छा ?
तहेव जाव सव्वेणं वा देसं आहारेइ, सव्वेणं वा सव्वं आहारेइ। एवं जाव वेमाणिए ।
- ५ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववण्णे किं देसेणं देसं उववण्णे ?
एसो वि तहेव जाव सव्वेणं सव्वं उववण्णे । जहा उववज्जमाणे उव्वट्टमाणे य चत्तारि दंडगा,
तहा उववण्णेणं, उव्वट्टेण वि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा- सव्वेणं सव्वं उववण्णे, सव्वेणं वा
देसं आहारेइ, सव्वेणं वा सव्वं आहारेइ । एएणं अभिलावेणं उववण्णे वि, उव्वट्टेणं वि णेयव्वं।
- ६ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं अद्धेण अद्धं उववज्जइ, अद्धेणं सव्वं उववज्जइ,
सव्वेणं अद्धं उववज्जइ, सव्वेणं सव्वं उववज्जइ?
जहा पढमिल्लेणं अट्ठ दंडगा तथा अद्धेण वि अट्ठ दंडगा भाणियव्वा। णवरं जहिं देसेणं देसं
उववज्जइ, तहिं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ इति भाणियव्वं । एयं णाणत्तं एते सव्वे वि सोलस
दंडगा भाणियव्वा ।
- ७ जीवे णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णए, अविग्गहगइसमावण्णए ?
गोयमा ! सिय विग्गहगइसमावण्णए, सिय अविग्गहगइसमा-वण्णए । एवं जाव वेमाणिए ।
- ८ जीवा णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णगा, अविग्गहगइसमावण्णगा?
गोयमा ! विग्गहगइसमावण्णगा वि, अविग्गहगइमावण्णगा वि ।
- ९ णेरइया णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णगा, अविग्गहगइसमावण्णगा ?
गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा अविग्गहगइसमावण्णगा । अहवा अविग्गहगइ समावण्णगा
य, विग्गहगइसमावण्णगे य । अहवा अविग्गहगइ समावण्णगा य, विग्गहगइसमावण्णगा य
। एवं जीव एगिंदियवज्जो तियभंगो।
- १० देवे णं भंते ! महिड्ढीए, महज्जुईए, महब्बले महायसे महासोक्खे महानुभावे अविउक्कंतियं
चयमाणे किंचिकालं हिरिवत्तियं, दुगंछावत्तियं, परीसहवत्तियं आहारं णो आहारेइ । अहे णं
(तओ पच्छा) आहारे आहारिज्जमाणे आहारिए, परिणामिज्ज- माणे परिणामिए पहीणे य
आउए भवइ । जत्थ उववज्जइ तं आउयं पडिसंवेदेइ, तं जहा- तिरिक्खजोणियाउयं वा,
मणुस्साउयं वा । [से कहमेयं भंते ! एवं ?
हंता गोयमा! देवे णं महिड्ढीए जाव मणुस्साउयं वा ।
- ११ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं सइंदिए वक्कमइ, अणिंदिए वक्कमइ ?
गोयमा ! सिय सइंदिए वक्कमइ, सिय अणिंदिए वक्कमइ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! दव्विंदियाइं पडुच्च अणिंदिए वक्कमइ, भाविंदियाइं पडुच्च सइंदिए वक्कमइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

१२ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं ससरीरी वक्कमइ, असरीरी वक्कमइ? गोयमा ! सिय ससरीरी वक्कमइ, सिय असरीरी वक्कमइ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! ओरालिय-वेउव्विय-आहारयाइं पडुच्च असरीरी वक्कमइ। तेया-कम्माइं पडुच्च ससरीरी वक्कमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ ।

१३ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे तप्पढमयाए किं आहारं आहारेइ? गोयमा ! माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिद्धं कलुसं किव्विसं तप्पढमयाए आहारं आहारेइ ।

१४ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे किं आहारं आहारेइ ?

गोयमा ! जं से माया णाणाविहाओ रसविगईओ आहारं आहारेइ, तदेक्कदेसेणं ओयं आहारेइ ।

१५ जीवस्स णं भंते ! गब्भगयस्स समाणस्स अत्थि उच्चारे इ वा पासवणे इ वा खेले इ वा सिंघाणे इ वा वंते इ वा पित्ते इ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जं आहारेइ तं चिणाइ, तं जहा- सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए, अट्ठि-अट्ठिमिंजकेसमंसु-रोम-णहत्ताए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जीवस्स णं गब्भगयस्स समाणस्स णत्थि उच्चारे इ वा जाव पित्ते इ वा ?

१६ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ?

गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे सव्वओ आहारेइ, सव्वओ परिणामेइ, सव्वओ उस्ससइ, सव्वओ णिस्ससइ; अभिक्खणं आहारेइ, अभिक्खणं परिणामेइ, अभिक्खणं उस्ससइ, अभिक्खणं णिस्ससइ, आहच्च आहारेइ, आहच्च परिणामेइ, आहच्च उस्ससइ, आहच्च णीससइ ।

माउजीवरसहरणी, पुत्तजीवरसहरणी, माउजीवपडिबद्धा पुत्तजीवंपुडा तम्हा आहारेइ, तम्हा परिणामेइ ।

अवरा वि य णं पुत्तजीवपडिबद्धा माउजीवंपुडा तम्हा चिणाइ, तम्हा उवचिणाइ; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए।

१७ कइ णं भंते ! माइयंगा पण्णत्ता ?

गोयमा ! तओ माइयंगा पण्णत्ता, तं जहा- मंसे, सोणिए, मत्थुलंगे।

१८ कइ णं भंते ! पिइयंगा पण्णत्ता ?

गोयमा ! तओ पिइयंगा पण्णत्ता, तं जहा- अट्ठिं, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोम- णहे ।

१९ अम्मापिइए णं भंते ! सरीए केवइयं कालं संचिइइ ?

गोयमा ! जावइयं से कालं भवधारणिज्जे सरीए अव्वावण्णे भवइ एवइयं कालं संचिइइ ।
अहे णं समए-समए वोक्कसिज्जमाणे-वोक्कसिज्जमाणे चरमकालसमयंसि वोच्छिण्णे भवइ ।

२० जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे णेरइएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! से णं सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए वीरिय- लद्धीए वेउव्वियलद्धीए पराणीयं आगयं सोच्चा णिसम्म पएसे णिच्छुभइ, णिच्छुभित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता चाउरंगिणिं सेण्णं विउव्वइ, चाउरंगिणिं सेण्णं विउव्वित्ता चाउरंगिणीए सेणाए पराणीएणं सद्धिं संगामं संगामेइ ।

से णं जीवे अत्थकामए रज्जकामए भोगकामए कामकामए; अत्थकंखि रज्ज-कंखिए भोगकंखिए कामकंखिए; अत्थपिवासए रज्जपिवासए भोगपिवासए काम- पिवासए; तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पिय करणे तब्भावणाभाविए, एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज णेरइएसु उववज्जइ। से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा।

२१ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे देवलोगेसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! से णं सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म तओ भवइ संवेगजायसइडे, तिव्वधम्माणुरागरत्ते ।

से णं जीवे धम्माकामए पुण्णकामए सग्गकामए मोक्खकामए; धम्मकंखिए पुण्णकंखिए सग्गकंखिए मोक्खकंखिए; धम्मपिवासए पुण्णपिवासए सग्गमोक्ख-पिवासए; तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज देवलोगेसु उवज्जइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा।

२२ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे उत्ताणए वा, पासिल्लए वा, अंबखुज्जए वा; अच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा णिसीएज्ज वा तुयट्ठेज्ज वा; माउए सुयमाणीए सुवइ, जागरमाणीए जागरइ, सुहियाए सुहिए भवइ, दुहियाए दुहिए भवइ ?

हंता गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जाव दुहियाए दुहिए भवइ। अहेणं पसवणकालसमयंसि सीसेण वा, पाएहिं वा आगच्छइ, सम्मं आगच्छइ । तिरियं आगच्छइ, विणिहायं आवज्जइ।

वण्णवज्झाणि य से कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं णिहत्ताइं कडाइं पट्टवियाइं अभिणिविट्ठाइं अभिसमण्णागयाइं उदिण्णाइं णो उवसंताइं भवंति । तओ भवइ दुरूवे दुवण्णे दुग्गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकंते अप्पिएअसुभे अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अप्पियस्सरे असुभस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाए या वि भवइ ।

वण्णवज्झाणि य से कम्माइं णो बद्धाइं पसत्थं णेयव्वं जाव आदेज्जवयणे पच्चायाए या वि भवइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देशो

१ एगंतबाले णं भंते ! मणुस्से किं णेरइयाउयं पकरेइ, तिरिक्खाउयं पकरेइ, मणुस्साउयं पकरेइ, देवाउयं पकरेइ ? णेरइयाउयं किच्चा णेरइएसु उववज्जइ, तिरियाउयं किच्चा तिरिएसु उववज्जइ, मणुस्साउयं किच्चा मणुस्सेसु उववज्जइ, देवाउयं किच्चा देवलोगेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! एगंतबाले णं मणुस्से णेरइयाउयं पि पकरेइ, तिरियाउयं पि पकरेइ, मणुस्साउयं पि पकरेइ, देवाउयं पि पकरेइ । णेरइयाउयं किच्चा णेरइएसु उववज्जइ, तिरियाउयं किच्चा तिरिएसु उववज्जइ, मणुस्साउयं किच्चा मणुस्सेसु उववज्जइ, देवाउयं किच्चा देवलोगेसु उववज्जइ ।

२ एगंतपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवलोएसु उववज्जइ?

गोयमा ! एगंतपंडिए णं मणुस्से आउयं सिय पकरेइ, सिय णो पकरेइ; जइ पकरेइ णो णेरइयाउयं पकरेइ, णो तिरियाउयं पकरेइ, णो मणुस्साउयं पकरेइ, देवाउयं पि पकरेइ । णो णेरइयाउयं किच्चा णेरइएसु उववज्जइ, णो तिरियाउयं किच्चा तिरिएसु उववज्जइ, णो मणुस्साउयं किच्चा मणुस्सेसु उववज्जइ, देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ।

३ से केणट्ठेणं भंते ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! एगंतपंडियस्स णं मणुस्स केवलमेवं दो गईओ पण्णायंति, तं जहा- अंतकिरिया चेव, कप्पोववत्तिया चेव । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ।

४ बालपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ।

५

से केणट्ठेणं भंते ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! बालपंडिए णं मणुस्से तहारूवस्स समणस्स वा, माहणस्स वा अंतिए एगमपि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा, णिसम्म देसं उवरमई, देसं णो उवरमइ; देसं पच्चक्खाइ, देसं णो पच्चक्खाइ । से तेणट्ठेणं देसोवरम- देसपच्चक्खाणेणं णो णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव देवेसु उववज्जइ ।

६

पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा दहंसि वा उदगंसि वा दवियंसि वा वलयंसि वा णूमंसि वा गहणंसि वा गहणविदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयविदुग्गंसि वा वणंसि वा वणविदुग्गंसि वा मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता 'एते मिए' त्ति काउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए कूडपासं उद्दाइ, तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए पण्णत्ते ?

गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे कच्छंसि वा जाव कूडपासं उद्दाइ, तावं च णं से पुरिसे सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

७

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

गोयमा ! जे भविए उद्ववणयाए, णो बंधणयाए, णो मारणयाए, तावं च णं से पुरिसे काइयाए, अहिगरणियाए, पाउसियाए; तिहिं करियाहिं पुट्ठे ।

जे भविए उद्ववणयाए वि, बंधणयाए वि, णो मारणयाए, तावं च णं से पुरिसे काइयाए, अहिगरणियाए, पाउसियाए, पारितावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे ।

जे भविए उद्ववणयाए वि, बंधणयाए वि, मारणयाए वि, तावं च णं से पुरिसे काइयाए, अहिगरणियाए, पाउसियाए जाव पाणाइवायकिरियाए; पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव पंचकिरिए ।

८

पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय ऊसविय अगणिकायं णिसिरइ । तावं च णं से भंते ! पुरिसे कइकिरिए ?

गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

९

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जे भविए उस्सवणयाए तिहिं । उस्सवणयाए वि, णिसिरणयाए वि, णो दहणयाए चउहिं । जे भविए उस्सवणयाए वि, णिसिरणयाए वि, दहणयाए वि, तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव सिय पंच किरिए ।

१०

पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता 'एए मिय' त्ति काउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए उसुं णिसिरइ, तओ णं भंते! से पुरिसे कइकिरिए ?

गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

११ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जे भविए णिसिरणयाए, णो विद्धंसणयाए, णो मारणयाए; तिहिं । जे भविए णिसिरणयाए वि, विद्धंसणयाए वि, णो मारणयाए; चउहिं । जे भविए णिसिरणयाए वि, विद्धंसणयाए वि, मारणयाए वि, तावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

१२ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव अण्णयरस्स मियस्स वहाए आययकण्णाययं उसुं आयामेत्ता चिट्ठेज्जा, अण्णे य से (अण्णयरे) पुरिसे मग्गओ आगम्म सयपाणिणा, असिणा सीसं छिंदेज्जा, से य उसू ताए चेव पुव्वायामणयाए तं मियं विंधेज्जा, से णं भंते ! पुरिसे किं मियवेरेणं पुट्ठे, पुरिसवेरेणं पुट्ठे ?

गोयमा ! जे मियं मारेइ, से मियवेरेणं पुट्ठे; जे पुरिसं मारेइ, से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ।

१३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ?

से णूणं गोयमा ! कज्जमाणे कडे, संधिज्जमाणे संधित्ते, णिवत्तिज्जमाणे णिव्वत्तिए, णिसरिज्जमाणे णिसिट्ठे त्ति वत्तव्वं सिया ? हंता, भगवं ! कज्जमाणं कडे जाव णिसिट्ठे त्ति वत्तव्वं सिया ।

से तेणट्ठेणं गोयमा ! जे मियं मारेइ, से मियवेरेणं पुट्ठे; जे पुरिसं मारेइ, से पुरिसवेरेणं पुट्ठे । अंतो छण्हं मासाणं मरइ, काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे; बाहिं छण्हं मासाणं मरइ, काइयाए जाव पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे ।

१४ पुरिसे णं भंते ! पुरिसं सत्तीए समभिधंसेज्जा, सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदेज्जा, तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?

गोयमा! जावं च णं से पुरिसे तं पुरिसं सत्तीए समभिधंसेइ, सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदइ, तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे; आसण्णवहएण य अणवकंखणवत्तीए णं पुरिसवेरेणं पुट्ठे ।

१५ दो भंते ! पुरिसा सरिसया सरिसत्तया सरिसव्वया सरिसभंड- मत्तोवगरणा अण्णमण्णेणं सद्धिं संगामं संगामेति, तत्थ णं एगे पुरिसे पराइणइ, एगे पुरिसे पराइज्जइ; से कहमेयं भंते ! एवं? गोयमा ! सवीरिए पराइणइ, अवीरिए पराइज्जइ ।

१६ से केणट्ठेणं भंते ! जाव पराइज्जइ ?

गोयमा ! जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं णो बद्धाइं, णो पुट्ठाइं जाव णो अभिसमण्णागयाइं, णो उदिण्णाइं; उवसंताइं भवंति से णं पराइणइ । जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं बद्धाइं जाव

उदिण्णाइं, णो उवसंताइं भवंति; स णं पुरिसे पराइज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-सविरिए पराइणइ, अविरिए पराइज्जइ।

१७ जीवा णं भंते ! किं सवीरिया, अवीरिया ? गोयमा ! सवीरिया वि, अवीरिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संसारसमावण्णगा य, असंसार समावण्णगा य । तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अवीरिया।

तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सेलेसि पडिववण्णगा य, असेलेसिपडिववण्णगा य; तत्थ णं जे ते सेलेसि- पडिववण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया, करणवीरिएणं अवीरिया। तत्थ णं जे ते असेलेसिपडि- वण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया, करणवीरिएणं सविरिया वि अवीरिया वि । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जीवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सवीरिया वि, अवीरिया वि ।

१८ णेरइया णं भंते ! किं सवीरिया, अवीरिया ?

गोयमा ! णेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया, करणवीरिएणं सवीरिया वि, अवीरिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जेसि णं णेरइयाणं अत्थि उट्ठाणे, कम्ममे, बले, वीरिए, पुरिसक्कार- परक्कमे; ते णं णेरइया लद्धिवीरिएण वि सवीरिया, करणवीरिएण वि सवीरिया। जेसि णं णेरइयाणं णत्थि उट्ठाणे जाव णत्थि परक्कमे; ते णं णेरइया लद्धिवीरिए णं सवीरिया, करणवीरिएणं अवीरिया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

१९ जहा णेरइया, एवं जाव पंचदियतिरिक्खजोणिया । मणुसा जहा ओहिया जीवा, णवरं सिद्धवज्जा भाणियच्चा । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा णेरइया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

णवमो उद्देशो

१ कहां णं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति ?

गोयमा ! पाणाइवाएणं मुसावाएणं अदिण्णादाणेणं मेहुणेणं परिग्गहेणं कोह- माण-माया-लोभ-पेज्ज-दोस-कलह-अब्भक्खाण-पेसुण्ण-अरइरइ-परपरिवाय-मायामोस-मिच्छादंसणसल्लेणं; एवं खलु गोयमा ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति।

२ कहां णं भंते ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति ?

गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं, एवं खलु गोयमा! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति।

- ३ एवं संसारं आउलीकरेंति, एवं परित्तीकरेंति, एवं दीहीकरेंति, एवं हस्सीकरेंति, एवं अणुपरियट्ठंति, एवं वीईवीयंति । पसत्था चत्तारि । अप्पसत्था चत्तारि ।
- ४ सत्तमे णं भंते ! उवासंतरे किं गरुए, लहुए, गरुयलहुए, अगरुयलहुए ?
गोयमा ! णो गरुए, णो लहुए, णो गरुयलहुए, अगरुयलहुए ।
- ५ सत्तमे णं भंते ! तणुवाए किं गरुए, लहुए, गरुयलहुए, अगरुयलहुए ?
गोयमा ! णो गरुए, णो लहुए, गरुयलहुए, णो अगरुयलहुए । एव सत्तमे घणवाए, सत्तमे घणोदही, सत्तमा पुढवी, उवासंतराइं सव्वाइं जहा सत्तमे उवासंतरे, जहा तणुवाए, (गरुयलहुए) एवं ओवास वाय घणउदहि, पुढवी दीवा य सायरा वासा।
- ६ णेरइया णं भंते ! किं गरुया जाव अगरुयलहुया ?
गोयमा ! णो गरुया, णो लहुया, गरुयलहुया वि, अगरुयलहुया वि ।
से केणट्ठेणं ? भंते ! एवं वुच्चइ ।
गोयमा ! विउव्विय-तेयाइं पडुच्च णो गरुया, णो लहुया, गरुयलहुया; णो अगरुयलहुया । जीवं च, कम्मं च पडुच्च णो गरुया, णो लहुया, णो गरुयलहुया, अगरुयलहुया । से तेणट्ठेणं । एवं जाव वेमाणिया । णवरं- णाणत्तं जाणियव्वं सरीरेहिं ।
- ७ धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए चउत्थपएणं ।
- ८ पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! किं गरुए, लहुए, गरुयलहुए, अगरुयलहुए ?
गोयमा ! णो गरुए, णो लहुए, गरुयलहुए वि, अगरुयलहुए वि।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?
गोयमा ! गरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च णो गरुए, णो लहुए, गरुय- लहुए, णो अगरुयलहुए । अगरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च णो गरुए, णो लहुए, णो गरुयलहुए, अगरुयलहुए ।
- ९ समया, कम्माणि य चउत्थपएणं ।
- १० कण्हलेस्सा णं भंते ! किं गरुया जाव अगरुयलहुया ?
गोयमा ! णो गरुया, णो लहुया, गरुयलहुया वि, अगरुयलहुया वि।
से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ ?
गोयमा ! दव्वलेस्सं पडुच्च तइयपएणं, भावलेस्सं पडुच्च चउत्थ- पएणं, एवं जाव सुक्कलेस्सा।
- ११ दिट्ठी-दंसण-णाण-अण्णाण-सण्णाओ चउत्थपएणं णेयव्वाओ ।
- १२ हेट्ठिल्ला चत्तारि सरीरा णेयव्वा तइएणं पएणं । कम्मया चउत्थएणं पएणं ।

- १३ मणजोगो, वड़जोगो, चउत्थएणं पएणं, कायजोगो तइएणं पएणं ।
- १४ सागारोवओगो, अणागारोवओगो चउत्थपएणं ।
- १५ सव्वदव्वा सव्वपएसा, सव्वपज्जवा जहा पोगल्लत्थिकाओ ।
- १६ तीयद्धा; अणागयद्धा, सव्वद्धा चउत्थेणं पएणं ।
- १७ से णूणं भंते ! लाघवियं अप्पिच्छा अमुच्छा अगेही अपडिबद्धया समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ?
हंता गोयमा ! लाघवियं जाव पसत्थं ।
- १८ से णूणं भंते ! अकोहत्तं अमाणत्तं अमायत्तं अलोभत्तं समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ?
हंता गोयमा ! अकोहत्तं अमाणत्तं जाव पसत्थं ।
- १९ से णूणं भंते ! कंखपदोसे णं खीणे समणे णिग्गंथे अंतकरे भवइ, अंतिमसरीरिए वा ?
बहुमोहे वि य णं पुव्विं विहरित्ता, अह पच्छा संवुडे कालं करेइ, तओ पच्छा सिज्झइ,
बुज्झइ, मुच्चइ परिणिव्वाइं सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ?
हंता गोयमा ! कंखपदोसे खीणे जाव अंतं करेइ ।
- २० अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति, एवं भासंति, एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति- एवं खलु
एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेइ, तं जहा- इहभवियाउयं च, परभवियाउयं च ।
जं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, तं समयं परभवियाउयं पकरेइ; जं समयं परभवियाउयं पकरेइ,
तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ; इहभवियाउयस्स पकरणयाए परभवियाउयं पकरेइ,
परभवियाउयस्स पकरणयाए इहभवियाउ य पकरेइ; एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो
आउयाइं पकरेइ, तं जहा- इहभवियाउयं च, परभवियाउयं च । से कहमेयं भंते ! एवं ?
गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव परभवियाउयं च । जे ते एवमाहंसु
मिच्छा ते एवमाहिंसु । अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु एगे जीवे
एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेइ, तं जहा- इह-भवियाउयं वा, परभवियाउयं वा ।
जं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, णो तं समयं परभवियाउयं पकरेइ; जं समयं परभवियाउयस्स
पकरेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ; इहभवियाउयस्स पकरणयाए णो परभवियाउयं
पकरेइ, परभवियाउयस्स पकरणयाए णो इहभवियाउयं पकरेइ; एवं खलु एगं जीवे एगेणं
समएणं एगं आउयं पकरेइ, तं जहा इहभवियाउयं वा, परभवियाउयं वा ॥ सेवं भंते ! सेवं
भंते॥
- २१ तेणं काले णं, ते णं समए णं पासावच्चिज्जे कालासवेसियपुत्ते णामं अणगारे जेणेण थेरा
भगवंतो तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता थेरे भगवंते एवं वयासी-

थेरा सामाइयं ण याणंति थेरा सामाइयस्स अट्ठं ण याणंति; थेरा पच्चक्खाणं ण याणंति, थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठं ण याणंति; थेरा संजमं ण याणंति, थेरा संजमस्स अट्ठं ण याणंति; थेरा संवरं ण याणंति, थेरा संवरस्स अट्ठं ण याणंति; थेरा विवेगं ण याणंति, थेरा विवेगस्स अट्ठं ण याणंति; थेरा विउस्सग्गं ण याणंति, थेरा विउस्सग्गस्स अट्ठं ण याणंति !

२२ तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी- जाणामो णं अज्जो ! सामाइयं जाणामो णं अज्जो! सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठं।

२३ तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे ते थेरे भगवंते एवं वयासी- जइ णं अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं, जाणह सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठं । किं भे अज्जो ! सामाइए? किं भे अज्जो! सामाइयस्स अट्ठे ? जाव किं भे अज्जो विउस्सग्गस्स अट्ठे ?

तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी- आया णे अज्जो! सामाइए, आया णे अज्जो ! सामाइयस्सअट्ठे जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे ।

२४ तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी- जइ भे अज्जो ! आया सामाइए, आया सामाइयस्स अट्ठे, एवं जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे, अवहट्ठु कोह-माया-लोभे किमट्ठं अज्जो ! गरहह ?

कालासवेसियापुत्त । संजमट्ठयाइए ।

२५ से भंते ! किं गरहा संजमे ? अगरहा संजमे ?

कालासवेसियपुत्त! गरहा संजमे, णो अगरहा संजमे । गरहा वि य णं सव्वं दोसं पविणेइ, सव्वं बालियं परिण्णाए। एवं खु णे आया संजमे उवहिए भवइ, एवं खु णे आया संजमे उवचिए भवइ, एवं खु णे आया संजमे उवट्ठिए भवइ ।

२६ एत्थ णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे संबुद्धे थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एएसि णं भंते! पयाणं पुत्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहियाए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं अस्सुयाणं अमुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अव्वोच्छिण्णाणं अणिज्जूढाणं अणुवधारियाणं एयमट्ठं णो सद्वहिए, णो पत्तइए, णो रोइए ।

इयाणिं भंते ! एएसिं पयाणं जाणयाए, सवणयाए, बोहीए, अभिगमेणं दिट्ठाणं, सुयाणं, मुयाणं, विण्णायाणं, वोगडाणं, वोच्छिण्णाणं, णिज्जूढाणं, उवधारियाणं, एयमट्ठं सद्वहामि, पत्तियामि, रोएमि । एवमेयं से जहेयं तुब्भे वदह । तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी- सद्वहाहि अज्जो ! पत्तियाहि अज्जो ! रोएहि अज्जो ! से जहेयं अम्हे वदामो ।

२७ तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ।

२८ तए णं से कालसवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ।

२९ तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुंडभावे अण्हाणयं अदंतधुवणयं अछत्तयं अणोवाहणयं भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोओ बंभचेरवासो परघरप्पवेसो लद्धावलद्धी उच्चावया गामकंटगा बावीसं परीसहोवसग्गा अहियासिज्जंति, तं अट्ठं आराहेइ, आराहित्ता चरिमेहिं उस्सासणीसासेहिं सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिणिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे।

३० भंते ! त्ति भगवं गोयमे ! समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- से णूणं भंते ! सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य समं चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ।

हंता गोयमा ! सेट्ठियस्स य जाव समं चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! अविरइं पडुच्च । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- सेट्ठियस्स य, तणुयस्स य जाव कज्जइ ।

३१ आहाकम्मं णं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे किं बंधइ, किं पकरेइ, किं चिणाइ, किं उवचिणाइ ? गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे आउयवज्जाओ सत्त कम्म- पगडीओ सिढिल बंधणबद्धाओ घणियबंधणबद्धाओ पकरेइ जाव अणुपरियट्ठइ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अणुपरियट्ठइ ?

गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आयाए धम्मं अइक्कमइ, आयाए धम्मं अइक्कममाणे पुढविकाइयं णावकंखइ जाव तसकायं णावकंखइ; जेसिं पि य णं जीवाणं सरीराइं आहारं आहारेइ, ते वि जीवे णावकंखइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- आहाकम्मं णं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे आउयवज्जाओ सत्तकम्मपगडीओ जाव अणुपरियट्ठइ ।

३२ फासु-एसणिज्जं भंते ! भुंजमाणे समणे णिग्गंथे किं बंधइ जाव किं उव- चिणाइ ?

गोयमा ! फासु-एसणिज्जं णं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे आउयवज्जाओ सत्तकम्मपयडीओ घणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ, एवं जहा संवुडेणं जाव संसार कंतारं वीईवयइ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव वीईवयइ ?

गोयमा ! फासु-एसणिज्जं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे आयाए धम्मं णो अइक्कमइ, आयाए धम्मं अणइक्कममाणे पुढविकाइयं अवकंखइ जाव तसकायं अवकंखइ; जेसिं पि य णं जीवाणं सरीराइं आहारं आहारेइ, ते वि जीवे अवकंखइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव संसार कंतारं वीईवयइ ।

३३

से णूणं भंते ! अथिरे पलोद्वइ, णो थिरे पलोद्वइ; अथिरे भज्जइ, णो थिरे भज्जइ; सासए बालए, बालियत्तं असासयं; सासए पंडिए, पंडियत्तं असासयं ?

हंता गोयमा ! अथिरे पलोद्वइ जाव पंडियत्तं असासयं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

१

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव एवं परूवेंति- एवं खलु चलमाणे अचलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिण्णे ॥१॥

दो परमाणुपोग्गला एगयओ ण साहणंति । कम्हा, दो परमाणु- पोग्गला एगयओ ण साहणंति? दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं णत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ ण साहणंति ॥२॥

तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । कम्हा तिण्णि परमाणु पोग्गला एगयओ साहणंति ? तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । ते भिज्जमाणा दुहा वि, तिविहा वि कज्जंति । दुहा कज्जमाणा एगयओ दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवइ, एगयओ वि दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवइ । तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति। एवं जाव चत्तारि ॥३॥

पंच परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, साहणित्ता दुक्खत्ताए कज्जंति । दुक्खे वि य णं से सासए सया समियं उवचिज्जइ य, उवचिज्जइ य ॥४॥

पुत्विं भासा भासा, भासिज्जमाणी भासा अभासा, भासासमय- विइक्कंतं च णं भासिया भासा भासा ॥५॥

जा सा पुत्विं भासा भासा, भासिज्जमाणी भासा अभासा, भासासमय विइक्कंतं च णं भासिया भासा भासा; सा किं भासओ भासा, अभासओ भासा? अभासओ णं सा भासा, णो खलु सा भासओ भासा ॥६॥

पुत्विं किरिया दुक्खा, कज्जमाणी किरिया अदुक्खा, किरियासमय विइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा ॥७॥

जा सा पुत्विं किरिया दुक्खा, कज्जमाणी किरिया अदुक्खा, किरियासमयविइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा; सा किं करणओ दुक्खा, अकरणओ दुक्खा ? अकरणओ णं सा दुक्खा, णो खलु सा करणओ दुक्खा; सेवं वत्तव्वं सिया ॥८॥

अकिच्चं दुक्खं, अफुसं दुक्खं, अकज्जमाणकडं दुक्खं; अकट्ठु अकट्ठु पाण-भूय-जीव-सत्ता वेयणं वेएंति; इति वत्तव्वं सिया ॥९॥

से कहमेयं भंते ! एवं ?

२

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदणं वेदेंति त्ति वत्तव्वं सिया । जे ते एवं आहंसु, मिच्छा ते एवं आहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं अलु चलमाणे चल्लिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जण्णे ॥१॥

दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति ? दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । ते भिज्जमाणा दुहा कज्जंति । दुहा कज्जमाणा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ परमाणुपोग्गल भवंति ॥२॥

तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । कम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति? तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । ते भिज्जमाणा दुहा वि तिहा वि कज्जंति दुहा कज्जमाणा एगयओ परमाणु पोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ । तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति । एवं जाव चत्तारि ॥३॥

पंच परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति । एगयओ साहणित्ता खंधत्ताए कज्जंति । खंधे वि य णं से असासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य ॥४॥

पुव्विं भासा अभासा, भासिज्जमाणी भासा भासा, भासासमय- विइक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा ॥५॥

जा सा पुव्विं भासा अभासा, भासिज्जमाणी भासा भासा, भासासमयविइ- क्कंतं च णं भासिया भासा अभासा; सा किं भासओ भासा? अभासओ भासा? भासओ णं भासा । णो खलु सा अभासओ भासा ॥६॥

पुव्विं किरिया अदुक्खा, एवं जहा भासा तहा भाणियव्वा किरिया वि ॥७॥ जाव करणओ णं सा दुक्खा णो खलु सा अकरणओ दुक्खा। सेवं वत्तव्वं सिया ॥८॥

किच्चं दुक्खं, फुसं दुक्खं, कज्जमाणकडं दुक्खं; कट्ठु कट्ठु पाण-भूय-जीव-सत्ता वेयणं वेदेंति, इति वत्तव्वं सिया ॥९॥

३

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ । तं जहा- इरियावहियं च, संपराइयं च । जं समयं इरियावहियं पकरेइ तं समयं संपराइयं पकरेइ, जं समयं संपराइयं पकरेइ, तं समयं इरियावहियं पकरेइ । इरियावहियाए पकरणयाए संपराइयं पकरेइ, संपराइयाए पकरणयाए इरियावहियं पकरेइ। एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ । तं जहा- इरियावहियं च, संपराइयं च । से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति, तं चेव जाव जे ते एवं आहंसु, मिच्छा ते एवं आहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एककं

किरियं पकरेइ एवं अण्णउत्थियवत्तत्वं ससमयवत्तत्त्वयाए णेयत्वं जाव इरियावहियं वा, संपराइयं वा ।

४ णिरयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । एवं वक्कंतीपयं भाणियत्वं णिरवसेसं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ पढमं सत्त उद्देशो समत्तं ॥

बीअं सत्तं

पढमो उद्देशो

१ ऊसास खंदए वि य, समुग्घाय पुढविंदिय अण्णउत्थि भासा य ।
देवा य चमरचंचा, समयक्खित्तत्तत्थिकाय बीयसए ॥

२ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । सामी समोसढे । परिसा णिग्गया । धम्मो कहिओ। परिसा पडिगया।

३ तेणं कालेणं तेणं समएणं जेठ्ठे अंतेवासी जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- जे इमे भंते ! बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचिंदिया जीवा, एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा णीसासं वा जाणामो पासामो । जे इमे पुढविकाइया जाव वणप्फइकाइया एगिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा णीसासं वा ण याणामो ण पासामो । एए णं भंते ! जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा?

हंता गोयमा ! एए वि णं जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीस्ससंति वा ।

४ किण्णं भंते ! एए जीवा आणमंति वा जाव णीससंति वा ?

गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं, खेत्तओ असंखेज्ज-पएसोगाढाइं, कालओ अण्णयर ठिईयाइं, भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं आणमंति वा जाव णीससंति वा ।

५ जाइं भावओ वण्णमंताइं आणमंति वा जाव णीससंति वा ताइं किं एगवण्णाइं जाव किं पंचवण्णाइं आणमंति वा जाव णीससंति वा ?

एवं आहारगमो णेयव्वो जाव पंचदिसिं ।

६ किण्णं भंते ! णेरइया आणमंति वा जाव णिससंति वा ?

ते चेव जाव णियमा छुद्दिसिं आणमंति वा जाव णीससंति वा ।

जीव, एगिंदिया वाघाया य णिव्वाघाया य भाणियच्चा । सेसा णियमा छुद्दिसिं ।

७ वाउकाए णं भंते ! वाउकाए चेव आणमंति वा जाव णीससंति वा?

हंता गोयमा ! वाउकाए णं जाव णीससंति वा ।

८ वाउकाए णं भंते ! वाउकाए चेव अणेगसयसहस्स खुत्तो उद्दाइत्ता, उद्दाइत्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चायाइ ?

हंता गोयमा ! जाव पच्चायाइ?

९ से भंते ! किं पुढे उद्दाइ, अपुढे उद्दाइ ?

गोयमा ! पुढे उद्दाइ, णो अपुढे उद्दाइ ।

१० से भंते ! किं ससरीरी णिक्खमइ, असरीरी णिक्खमइ ?

गोयमा! सिय ससरीरी णिक्खमइ, सिय असरीरी णिक्खमइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सिय ससरीरी णिक्खमइ, सिय असरीरी णिक्खमइ ?

गोयमा ! वाउकायस्स णं चत्तारि सरीरया पण्णत्ता, तं जहा- ओरालिए, वेउव्विए, तेयए, कम्मए । ओरालियवेउव्वियाइं विप्पजहाय तेययकम्मएहिं णिक्खमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- सिय ससरीरी, सिय असरीरी णिक्खमइ ।

११ मडाई णं भंते ! णियंठे णो णिरुद्धभवे, णो णिरुद्धभवपवंचे, णो पहीणसंसारे, णो पहीणसंसारवेयणिज्जे, णो वोच्छिण्णसंसारे, णो वोच्छिण्णसंसारवेयणिज्जे, णो णिद्वियट्ठे णो णिद्वियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्थत्थं हव्वमागच्छइ?

हंता गोयमा ! मडाई णं णियंठे जाव पुणरवि इत्थत्थं हव्वमागच्छइ ।

१२ से णं भंते ! किं ति वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! पाणे त्ति वत्तव्वं सिया । भूए त्ति वत्तव्वं सिया । जीवे त्ति वत्तव्वं सिया । सत्ते त्ति वत्तव्वं सिया । विण्णू त्ति वत्तव्वं सिया । वेए त्ति वत्तव्वं सिया । पाणे भूए जीवे सत्ते विण्णू वेए त्ति वत्तव्वं सिया।

१३ से केणट्ठेणं भंते ! पाणे त्ति वत्तव्वं सिया जाव वेए त्ति वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! जम्हा आणमइ वा, पाणमइ वा, उस्ससइ वा, णीससइ वा तम्हा पाणे त्ति वत्तव्वं सिया । जम्हा भूए, भवइ, भविस्सइ य तम्हा भूए त्ति वत्तव्वं सिया । जम्हा जीवे जीवइ, जीवत्तं आउयं च कम्मं उवजीवइ तम्हा जीवे त्ति वत्तव्वं सिया । जम्हा सत्ते सुभासुभेहिं कम्महेहिं तम्हा सत्ते त्ति वत्तव्वं सिया । जम्हा तित्त-कडु-कसायंबिल-महुरे रसे जाणइ तम्हा

विण्णू त्ति वत्तव्वं सिया । वेदेइ य सुह-दुक्खं तम्हा वेए त्ति वत्तव्वं सिया । से तेण्ठेणं गोयमा ! पाणे त्ति वत्तव्वं सिया जाव वेएत्ति वत्तव्वं सिया ।

१४ मडाई णं भंते ! णियंठे णिरुद्धभवे णिरुद्धभवपवंचे जाव णिड्डियद्वकरणिज्जे णो पुणरवि इत्थत्थं हव्वमागच्छइ ?

हंता गोयमा ! मडाई णं णियंठे जाव णो पुणरवि इत्थत्थं हव्वमागच्छइ ।

१५ से णं भंते ! किं वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! सिद्धे त्ति वत्तव्वं सिया। बुद्धे त्ति वत्तव्वं सिया । मुत्ते त्ति वत्तव्वं सिया । पारगए त्ति वत्तव्वं सिया । परंपरगए त्ति वत्तव्वं सिया । सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिणिव्वुडे अंतकडे सव्वदुक्खप्पहीणे त्ति वत्तव्वं सिया ॥सेवं भंते! सेवं भंते॥

१६ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ णयराओ गुण- सिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ।

१७ तेणं कालेणं तेणं समएणं कयंगला णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तीसे णं कयंगलाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए छत्तपलासए णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तए णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव समोसरणं परिसा णिग्गच्छइ ।

१८ तीसे णं कयंगलाए णयरीए अदूरसामंते सावत्थी णामं णयरी होत्था। वण्णओ । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए गद्धभालस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणसगोत्ते परिव्वायगे परिवसइ । रिउव्वेद-जजुव्वेद-सामवेद अहव्वणवेद इतिहास-पंचमाणं, णिघंटुछद्दाणं; चउण्हं वेदाणं संगोवंग्गाणं सरहस्साणं, सारए वारए धारए पारए सडंगवी सट्ठितंतविसारए संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे णिरुत्ते जोइसामयणे; अण्णेसु य बहूसु बंभणएसु परिव्वायएसु य णयेसु सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था ।

१९ तत्थ णं सावत्थीए णयरीए पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए परिवसए । तए णं से पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए अण्णया कयाइं जेणेव खंदए कच्चायणसगोत्ते तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता खंदगं कच्चायणसगोत्तं इणमक्खेवं पुच्छे- मागहा ! किं सअंते लोए, अणंते लोए ? सअंते जीवे, अणंते जीवे ? सअंता सिद्धि, अणंता सिद्धी? सअंते सिद्धे अणंते सिद्धे ? केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा, हायइ वा ? एतावताव आयक्खाहि। वुच्चमाणे एवं।

२० तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसालिय- सावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए, कंखिए, वित्तिगिच्छिए, भेदसमावण्णे, कलुससमावण्णे णो संचाएइ पिंगलयस्स णियंठस्स, वेसालियसावयस्स किंचि वि पमोक्खमक्खाइउं, तुसिणीए संचिइइ ।

- २१ तए णं से पिंगलाए णियंठे वेसालियसावए, खंदयं कच्चायणसगोत्तं दोच्चं पि तच्चं पि इणमक्खेवं पुच्छे- मागहा ! किं सअंते लोए जाव केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा, हायइ वा ? एतावं ताव आइक्खाहि । वुच्चमाणे एवं ।
- २२ तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसालीसा- वएणं दोच्चं पि तच्चं पि इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुसमावण्णे णो संचाएइ पिंगलस्स णियंठस्स वेसालियसावयस्स किंचि वि पमोक्खमक्खाइउं, तुसिणीए संचिद्धइ ।
- २३ तए णं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया जणसद्धे इ वा, जणवूहे इ वा, जाव परिसा णिग्गच्छइ । तए णं तस्स खंदयस्स कच्चायणसगोत्तस्स बहुजणस्स अंतिए एयमढं सोच्चा णिसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे भगवं महावीरे कयंगलाए णयरीए बहिया छत्तपलासए चेइए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि । सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारित्ता सम्माणित्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासित्ता, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहित्ता जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिदंड च कुंडियं च कंचणियं च करोडियं च भिसियं च केसरियं च छण्णालयं च अंकुसयं च पवित्तयं च गणेत्तियं च छत्तयं च उवाहणाओ य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य गेण्हइ, गेण्हित्ता परिव्वायावसहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता तिदंडकुंडिय- कंचणियकरोडिय-भिसियकेसरियछण्णालय अंकुसय-पवित्तय-गणेत्तिय-हत्थगए, छत्तोवाहणसंजुत्ते, धाउरत्तवत्थपरिहिए सावत्थीए णयरीए मज्झमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव कयंगला णयरी, जेणेव छत्तपलासए चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे, तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।
- २४ गोयमा ! इति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- दच्छिसि णं गोयमा ! पुव्वसंगइयं । कं णं भंते? खंदयं णाम । से काहे वा, कहं वा, केवच्चिरेण वा ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए गद्धभालस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणसगोत्ते परिव्वायए परिवसइ । तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए, तेणेव पहारेत्थ गमणाए । से अदूरागते बहुसंपते अट्ठाणपडिवण्णे अंतरा पहे वट्ठइ । अज्जेव णं दच्छिसि गोयमा !
- भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता, णमंसित्ता एवं वयासी- पहु णं भंते ! खंदए कच्चायणसगोत्ते देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता णं, आगराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? हंता, पभु ।
- २५ जावं य णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमढं परिकहेइ, तावं च णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते तं देसं हव्वं आगए ।

२६ तए णं भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणसगोत्तं अदूरागयं जाणित्ता खिप्पामेव अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठित्ता खिप्पामेव पच्चुवगच्छइ, जेणेव खंदए कच्चायणसगोत्ते तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता खंदयं कच्चायणसगोत्तं एवं वयासी-(अहो णं) हे खंदया! सागयं खंदया! सुसागयं खंदया! अणुरागयं खंदया ! सागयमणुरागयं खंदया। से णूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए णयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेण पुच्छिए-मागहा ! किं सअंते लोए, अणंते लोए ? तं चेव जेणेव इहं, तेणेव हव्वमागए, से णूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे ? हंता, अत्थि ।

तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी- से केस णं गोयमा ! तहारूवे णाणी वा, तवस्सी वा ? जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वं अक्खाए, जओ णं तुमं जाणासि ?

तए णं से भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणसगोत्तं एवं वयासी- एवं खलु खंदया ! मम धम्मयारिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे, अरहा जिणे केवली तीय-पडुप्पण्ण- मणागय-वियाणए सव्वण्णू सव्वदरिसी जेणं मम एस अट्ठे तव ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए, जओ णं अहं जाणामि खंदया! तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी-गच्छामो णं गोयमा ! तव धम्मयारियं धम्मोवएसयं समणं भगवं महावीरं वंदामो, णमंसामो जाव पज्जुवासामो । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तएणं से भगवं गोयमे खंदएणं कच्चायणसगोत्तेण सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।

२७ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे वियट्ठभोई यावि होत्था । तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्ठभोइस्स सरीरयं ओरालं सिंगारं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं अणलंकिय विभूसियं लक्खणवंजण- गुणोववेयं सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणं चिट्ठइ ।

२८ तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्ठभोइस्स सरीरयं ओरालं जाव अईव अईव उवसोभेमाणं पासइ, पासिता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए णंदिए पीडमणे परमसोमणसिए हरिसवस-विसप्पमाणहियए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ जाव पज्जुवासइ ।

२९ खंदया ! त्ति समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणसगोत्तं एवं वयासी- से णूणं तुमं खंदया! सावत्थीए णयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालिय- सावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए- मागहा ! किं सअंते लोए, अणंते लोए ? एवं तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव हव्वं आगए । से णूणं खंदया! अयमट्ठे समट्ठे ? हंता, अत्थि ।

३० जे वि य ते खंदया ! अयमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-किं सअंते लोए अणंते लोए ? तस्स वि य णं अयमट्ठे- एवं खलु मए खंदया ! चउव्विहे लोए पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ । दव्वओ णं एगे लोए सअंते, खेत्तओ णं लोए असंखेज्जाओ जोयण-कोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिकखेवेणं पण्णत्ता, अत्थि पुण से अंते । कालओ णं लोए ण कयाइ ण आसी, ण कयाइ ण भवइ, ण कयाइ ण भविस्सइ, भविंसु य भवइ य भविस्सइ य । धुवे

णियए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, णत्थि पुण से अंते । भावओ णं लोए अणंत वण्णपज्जवा अणंता गंध-रस-फासपज्जवा, अणंता संठाणपज्जवा, अणंता गुरुय-लहुयपज्जवा अणंता अगुरुयलहुयपज्जवा, णत्थि पुण से अंते । से त्तं खंदया ! दव्वाओ लोए सअंते, खेत्तओ लोए सअंते, कालओ लोए अणंते, भावओ लोए अणंते ।

३१

जे वि य ते खंदया ! जाव किं सअंते जीवे, अणंते जीवे ? तस्स वि य णं अयमट्ठे- एवं खलु जाव दव्वओ णं एगे जीवे सअंते । खेत्तओ णं जीवे असंखेज्ज पएसिए, असंखेज्जपएसोगाढे, अत्थि पुण से अंते । कालओ णं जीवे ण कयाइ ण आसी जाव णिच्चे, णत्थि पुण से अंते । भावओ णं जीवे अणंता णाणपज्जवा, अणंता दंसणपज्जवा, अणंता चारित्तपज्जवा, अणंता अगरुलहुयपज्जवा, णत्थि पुण से अंते । से तं खंदया ! दव्वाओ जीवे सअंते, खेत्तओ जीवे सअंते, कालओ जीवे अणंते, भावओ जीवे अणंते ।

३२

जे वि य ते खंदया ! इमेयारूवे चिंतिए जाव किं सअंता सिद्धि, अणंता सिद्धी ? तस्स वि य णं अयमट्ठे- एवं खलु मए खंदया ! चउव्विहा सिद्धी पण्णत्ता । तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ। दव्वओ णं एगा सिद्धी सअंता । खेत्तओ णं सिद्धी पणयालीसं जोयणसय-सहस्साइं आयामविकखंभेणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च जोयणसय- सहस्साइं तीसं च जोयणसहस्साइं दोण्णि य अउणापण्ण जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिकखेवेणं, अत्थि पुण से अंते । कालओ णं सिद्धी ण कयाइ ण आसी जाव णिच्चे अत्थि पुण से अंते । भावओ य जहा लोयस्स तहा भाणियव्वा । से तं खंदया ! दव्वओ सिद्धी सअंता, खेत्तओ सिद्धी सअंता, कालओ सिद्धी अणंता, भावओ सिद्धी अणंता ।

३३

जे वि य ते खंदया ! जाव किं सअंते सिद्धे, अणंते सिद्धे ? तं चेव जाव दव्वओ णं एगे सिद्धे सअंते । खेत्तओ णं सिद्धे असंखेज्जपएसिए, असंखेज्जपएसोगाढे अत्थि पुण से अंते । कालओ णं सिद्धे सादिए अपज्जवसिए, णत्थि पुण से अंते। भावओ णं सिद्धे अणंता णाणपज्जवा, अणंता दंसणपज्जवा, अणंता अगुरुयलहुयपज्जवा, णत्थि पुण से अंते । से तं खंदया ! दव्वओ णं सिद्धे सअंते, खेत्तओ णं सिद्धे सअंते, कालओ णं सिद्धे अणंते, भावओ णं सिद्धे अणंते ।

३४

जे वि य ते खंदया ! इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायइ वा ? तस्स वि य णं अयमट्ठे एवं खलु खंदया ! मए दुविहे मरणे पण्णत्ते, तं जहा- बालमरणे य पंडियमरणे य ।

३५

से किं तं बालमरणे ? बालमरणे दुवालसविहे पण्णत्ते । तं जहा- वलयमरणे, वसट्ठमरणे, अंतोसल्लमरणे, तब्भवमरणे, गिरिपडणे, तरुपडणे, जलप्पवेसे, जलणप्पवेसे, विसभक्खणे, सत्थोवाडणे, वेहाणसे, गिद्धपुट्ठे। इच्चेणं खंदया! दुवालसविहेणं बालमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं णेरइय-भवग्गहणेहिं अप्पाणं संजोएइ, तिरिय-मणुय-देव जाव अणाइयं च णं अणवदग्गं चाउरंतं संसारकंतारं अणुपरियट्ठइ । से त्तं मरमाणे वड्ढइ। से तं बालमरणे ।

३६ से किं तं पंडियमरणे? पंडियमरणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पाओवगमणे य, भत्तपच्चक्खाणे य।

३७ से किं तं पाओवगमणे ? पाओवगमणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णीहारिमे य, अणीहारिमे य । णियमा अप्पडिकम्मे। से तं पाओवगमणे।

३८ से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ? भत्तपच्चक्खाणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णीहारिमे य, अणीहारिमे य । णियमा सपडिकम्मे, से तं भत्तपच्चक्खाणे ।

इच्चेणं खंदया ! दुविहेणं पंडियमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतहिं णेरइयाभवग्गहणेहिं अप्पाणं विसंजोएइ जाव वीईवयइ । से तं मरमाणे हायइ । से तं पंडियमरणे ।

इच्चेणं खंदया ! दुविहेणं मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा, हायइ वा ।

३९ एत्थ णं खंदए कच्चायणसगोत्ते संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुज्झं अंतिए केवलिपण्णत्तं धम्मं णिसामित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं।

४० तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयस्स कच्चायणसगोत्तस्स, तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ । धम्मकहा भाणियच्चा ।

४१ तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म इट्ठतुट्ठे जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- सद्धहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते! णिग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं; एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छिय पडिच्छियमेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वयह त्ति कट्ठु समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कममइ, अवक्कमित्ता तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ, एडित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी-

४२ आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जराए मरणेण य।

से जहाणामए केइ गाहावई अगारंसि झियायमाणंसि, जे से तत्थ भंडे भवइ, अप्पभारे मोल्लगुरुए तं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमइ। एस मे णित्थारिए समाणे पच्छा पुरा य हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ ।

एवामेव देवाणुप्पिया ! मज्झ वि आया एगे भंडे इट्ठे कंते पिए मणुण्णे मणामे थेज्जे वेस्सासिए संमए अणुमए बहुमए भंडकरंडगसमाणे, मा णं सीयं मा णं उण्हं मा णं खुहा मा

णं पिवासा, मा णं चोरा, मा णं वाला, मा णं दंसा, मा णं मसगा, मा णं वाइय- पित्तिय-संभिय (कप्फिय) सण्णिवाइय विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतु त्ति कट्ठु एस मे णित्थारिए समाणे परलोयस्स हियाए सुहाए खमाए णीसेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ। तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सयमेव पच्चावियं, सयमेव मुंडावियं, सयमेव सेहावियं, सयमेव सिक्खावियं सयमेव आयार-गोयरं विणय वेणइय चरण-करण-जाया-मायावत्तियं धम्ममा-इक्खित्तं ।

४३

तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणसगोत्तं सयमेव पच्चावेइ जाव धम्ममाइक्खइ- एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं, एवं चिट्ठियव्वं, एवं णिसीइयव्वं, एवं तुयट्ठियव्वं, एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं, एवं उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वं, अस्सिं च णं अट्ठे णो किंचि वि पमाइयव्वं।

तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ, तमाणाए तह गच्छइ, तह चिट्ठइ, तह णिसीयइ, तह तुयट्ठइ, तह भुंजइ, तह भासइ, तह उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजेमणं संजमेइ, अस्सिं च णं अट्ठे णो पमायइ ।

४४

तए णं से खंदए कच्चायणसगोत्ते, अणगारे जाए, इरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयणभंडमत्त-णिकखेवणासमिए, उच्चार-पासवण-खेल-जल्ल-सिंघाण परिट्ठावणियासमिए, मणसमिए, वयसमिए कायसमिए, मणगुत्ते वयगुत्ते कायगुत्ते, गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तबंभयारी, चाई लज्जू धण्णे खंतिखमे जिइंदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अबहिल्लेसे सुसामण्णरए दंते, इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ ।

४५

तए णं समणं भगवं महावीरे कयंगलाओ णयरीओ छत्त पलासयाओ चेइयाओ पडिणिकखमइ, पडिणिकखमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ।

४६

तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, अहिज्जित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंथं ।

तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे इट्ठे जाव णमंसित्ता मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जिताणं विहरइ।

४७

तए णं से खंदए अणगारे मासियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं काएण फासेइ पालेइ सोहेइ तीरेइ पूरेइ किट्ठेइ अणुपालेइ, आणाए आहाहेइ, सम्मं काएण फासित्ता जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं

अब्भणुण्णाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तं चेव ।

एवं तेमासियं, चाउम्मासियं, पंचमासियं, छम्मासियं, सत्तमासियं, पढमं सत्तराइंदियं, दोच्चं सत्तराइंदियं, तच्चं सत्तराइंदियं, अहोराइंदियं, एगराइयं ।

४८

तए णं से खंदए अणगारे एगराइयं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवरच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए । आहासुहं देवाणुप्पिया । मा पडिबंधं ।

४९

तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे जाव णमंसित्ता गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तं जहा- पढमं मासं चउत्थं चउत्थेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुककुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे, रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेण य । एवं दोच्चं मासं छट्ठं छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिया ठाणुककुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे, रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेण य । एवं तच्चं मासं अट्ठमं अट्ठमेणं, चउत्थं मासं दसमं दसमेणं, पंचमं मासं बारसमं बारसमेणं, छट्ठं मासं चउद्दसमं चउद्दसमेणं, सत्तमं मासं सोलसमं सोलसमेणं, अट्ठमं मासं अट्ठारसमं अट्ठारसमेणं, णवमं मासं वीसइमं- विसइमेणं, दसमं मासं बावीसइमं बावीसइमेणं, एक्कारसमं मासं चउवीसइमं- चउवीसइमेणं, बारसमं मासं छव्वीसइमं छव्वीसइमेणं, तेरसमं मासं अट्ठावीसइमं अट्ठावीसइमेणं, चउद्दसमं मासं तीसइमं तीसइमेणं, पण्णरसमं मासं बत्तीसइमं बत्तीसइमेणं, सोलसं मासं चोत्तीसइमं चोत्तीसइमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुककुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे, रत्तिं वीरासणेणं अवा- उडेणं ।

५०

तए णं से खंदए अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं अहाकप्पं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे, तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता बहूहिं चउत्थ- छट्ठ-अट्ठम-दसम-दुवालसेहिं, मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।

५१

तए णं से खंदए अणगारे तेणं उरालेणं, विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिणं कल्लाणेणं सिवेणं धण्णेणं मंगल्लेणं सस्सिरीएणं उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं उदारेणं महानुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के लुक्खे णिम्मंसे अट्ठि-चम्मावणद्धे किडिकिडिया-भूए किसे धमणिसंतए जाए यावि होत्था । जीवंजीवेण गच्छइ, जीवंजीवेण चिद्धइ, भासं भासित्ता वि गिलाइ, भासं भासमाणे गिलाइ, भां भासिस्सामीति गिलाइ । से जहाणामए कट्ठसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्ततिल- भंडगसगडिया इ वा एरंडकट्ठसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससद्धं गच्छइ, ससद्धं चिद्धइ, एवामेव खंदए वि अणगारे ससद्धं गच्छइ, ससद्धं चिद्धइ, उवचिए तवेणं, अवचिए मंससोणिएणं, हुयासणे विव भासरासिपडिच्छण्णे तवेणं तेणं, तवतेयसिरीए अईव अईव उवसोभेमाणे चिद्धइ ।

५२ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे समोसरणं जाव परिसा पडिगया।

५३ तए णं तस्स खंदयस्स अणगारस्स अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्त- कालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेण ओरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाए, जीवंचीवेण गच्छामि, जीवंचीवेण चिद्धामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहं पि ससद्धं गच्छामि, ससद्धं चिद्धामि, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्ममे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे; तं जावता मे अत्थि उट्ठाणे कम्ममे बले वीरिए पुरिसक्कार- परक्कमे, जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ, तावता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पल- कमलकोमलु- म्मिलियम्मि अहापंडुरे पभाए रत्तासोयप्पगासे किंसुयसुयमुह-गुंजद्धरागसरिसे, कमलागरसंडबोहए उट्ठियम्मि सूरु सहरस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते, समणं भगवं महावीरं वंदित्ता, णमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता, समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवेत्ता, समणा य समणीओ य खामेत्ता, तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं सणियं दुरुहित्ता, मेहघणसण्णिगासं, देवसण्णिवायं पुढवीसिलापट्टयं पडिलेहित्ता, दब्भसंथारगं संथरित्ता, दब्भसंथारोवगयस्स, संलेहणा- झूसणाझूसियस्स, भत्तपाणपडिया-इक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ संपहित्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पज्जुवासइ ।

५४ खंदया ! इ समणे भगवं महावीरे खंदयं अणगारं एवं वयासी- से णूणं तव खंदया ! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं तवेणं ओरालेणं, विउलेणं तं चेव जाव कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेसि, संपेहित्ता कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते जेणेव ममं अंतिए तेणेव हव्वमागए । से णूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ।

५५ तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठुट्ठु जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ जाव णमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ, आरुहित्ता समणा य समणीओ य खामेइ । तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं सणियं दुरुहेइ दुरुहित्ता मेहघणसण्णिगासं देवसण्णिवायं पुढविसिलापट्टयं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता दब्भसंथारगं संथरइ, संथरित्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंक णिसण्णे करयलपरिगगहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासी- णमोत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं । णमोत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए, पासउ मे भगवं तत्थगए इहगयं ति कट्ठु वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-पुव्विं पि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए जावज्जीवाए। इयाणिं पि य णं समणस्स भगवओ महावीरस्स

अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जाव सव्वं मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि जावज्जीवाए । एवं सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहं पि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए; जं पि य इमं सरीरं इड्ढं कंतं पियं जाव फुसंतु त्ति कट्ठु एयं पि णं चरिमेहिं उस्सासणीसासेहिं वोसिरामि त्ति कट्ठु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाण पडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरइ ।

५६ तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाईयामाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता, मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सद्धिं भत्ताए अणसणाए छेदेत्ता आलोइय-पडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ।

५७ तए णं ते थेरा भगवंतो खंदयं अणगारं कालगयं जाणित्ता परिणिच्चाणवत्तियं काउसग्गं करेति, करित्ता पत्त- चीवराणि गिण्हंति, गेण्हित्ता विपुलाओ पव्वयाओ सणियं सणियं पच्चोसक्कंति, पच्चोसक्कित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए णामं अणगारे पगइभद्दए पगइविणीए पगइउवसंते पगइपयणुकोह-माण-माया-लोभे मिउमद्दवसंपण्णे अल्लीणे भद्दए विणीए। से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवित्ता, समणा य समणीओ य खामेत्ता, अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं तं चेव णिरवसेसं जाव आणुपुव्वीए कालगए । इमे य से आयारभंडए ।

५८ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए णामं अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? गोयमा! इ, समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा ! मम अंतेवासी खंदए णामं अणगारे पगइभद्दए जाव से णं मए अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता, तं चेव सव्वं अविसेसियं णेयव्वं जाव आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तस्स णं खंदयस्स वि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

५९ से णं भंते ! खंदए देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्ख-एणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिच्चाहिइ सव्वदुक्खाणं अंतं करेहिइ । [खंदओ सम्मत्तो] ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ कइ णं भंते ! समुग्घाया पण्णत्ता ?

गोयमा ! सत्त समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणा समुग्घाए जाव केवली समुग्घाए । एवं समुग्घायपदं छाउमत्थियसमुग्घायवज्जं णेयव्वं ।

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? जीवाभिगमे णेरइयाणं जो बिइओ उद्दसो सो णेयव्वो जाव किं सव्वे पाणा उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।

॥ तइओ उद्देशो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदिए चक्खिंदिए घाणिंदिए, रसिंदिए, फासिंदिए एवं पढमिल्लो इंदियउद्देसओ णेयव्वो जाव अलोगो ।

॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो उद्देशो

१ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति, तं जहा- एवं खलु णियंठे कालगए समाणे देवब्भूएणं अप्पाणेणं से णं तत्थ णो अण्णे देवे, णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय अभिजुंजिय परियारेइ; णो अप्पणिच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय, अभिजुंजिय परियारेइ; अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय विउव्विय परियारेइ ।

एगे वि य णं जीवे एगेणं समएणं दो वेयं वेएइ, तं जहा- इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च । जं समयं इत्थिवेयं वेएइ तं समयं पुरिसवेयं वेएइ । जं समयं पुरिसवेयं वेएइ तं समयं इत्थिवेयं वेएइ । इत्थिवेयस्स वेयणाए पुरिसवेयं वेएइ, पुरिसवेयस्स वेयाए इत्थिवेयं वेएइ । एवं खलु एगे वि य णं जीवे एगेणं समए णं दो वेदे वेदेइ, तं जहा- इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च । से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च । जे ते एवं आहंसु मिच्छं ते एवं आहंसु। अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि भासामि पण्णवेमि परूवेमि- एवं खलु णियंठे कालगए समाणे अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, महइढीएसु जाव महाणुभागेसु, दूरगइसु चिरट्ठिईएसु । से णं तत्थ देवे भवइ महइढीए जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे जाव पडिरूवे।

से णं तत्थ अण्णे देवे, अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय, अभिजुंजिय णो परियारेइ, अप्पणिच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय अभिजुंजिय परियारेइ; णो अप्पणामेव अप्पाणं विउव्वियं विउव्विय परियारेइ ।

एगे वि य णं जीवे एगेणं समएणं एगं वेयं वेएइ, तं जहा- इत्थिवेयं वा पुरिसवेयं वा । जं समयं इत्थिवेयं वेएइ, णो तं समयं पुरिसवेयं वेएइ । जं समयं पुरिसवेयं वेएइ, णो तं समयं इत्थिवेयं वेएइ । इत्थिवेयस्स उदएणं णो पुरिसवेयं वेएइ, पुरिसवेयस्स उदएणं णो इत्थिवेयं वेएइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं वेयं वेएइ, तं जहा- इत्थिवेयं वा पुरिसवेयं वा ।

इत्थि, इत्थिवेएणं उदिण्णेणं पुरिसं पत्थेइ । पुरिसो, पुरिसवेएणं उदिण्णेणं इत्थि पत्थेइ । दो वि ते अण्णमण्णं पत्थेति, तं जहा- इत्थि वा पुरिसं, पुरिसे वा इत्थिं ।

२ उदगगब्भे णं भंते ! उदगगब्भे त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ।

३ तिरिक्खजोणियगब्भे णं भंते ! तिरिक्खजोणियगब्भे त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अट्ठसंवच्छराइं ।

४ मणुस्सीगब्भे णं भंते ! मणुस्सीगब्भे त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं ।

५ कायभवत्थे णं भंते ! कायभवत्थे त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं चउव्वीसं संवच्छराइं ।

६ मणुस्स-पंचेदियतिरिक्खजोणियबीए णं भंते ! जोणियब्भूए केवइयं कालं संचिद्धइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ।

७ एगजीवे णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइयाणं पुत्तताए हव्वमागच्छइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं इक्कस्स वा दोण्हं वा तिण्हं वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तस्स जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ ।

८ एगजीवस्स णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइया जीवा पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति ?

गोयमा ! जहण्णेणं एकको वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयसहस्सपुहुत्तं जीवा णं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव हव्वमागच्छंति ?

गोयमा ! इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणीए मेहुणवत्तिए णामं संजोए समुप्पज्जइ । ते दुहओ सिणेहं संचिणंति, संचिणित्ता तत्थ णं जहण्णेणं एकको वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयसहस्सपुहुत्तं जीवा णं पुत्तताए हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव हव्वमागच्छंति ।

९ मेहुणेणं भंते ! सेवमाणस्स केरिसिए असंजमे कज्जइ ?

गोयमा ! से जहा णामए केइ पुरिसे रूयणालियं वा बूरणालियं वा तत्तेणं कणएणं समविद्धंसेज्जा, एरिसएणं गोयमा! मेहुणं सेवमाणस्स असंजमे कज्जइ। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

१० तए णं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ णयराओ, गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ।

११ तेणं कालेणं तेणं समएणं तुंगिया णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तीसे णं तुंगियाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागे पुप्फवइए णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तत्थ णं तुंगियाए णयरीए बहवे समणोवासया परिवसंति-अड्ढा दित्ता वित्थिण्णविपुलभवन-सयणासण-जाण-वाहणाइण्णा, बहुधण-बहुजायरुवरयया, आयोगपयोगसंपउत्ता, विच्छइडियविउल-भत्तपाणा, बहुदासीदास-गोमहिसगवेलयप्प- भूया, बहुजणस्स अपरिभूया।

अभिगयजीवाजीवा, उवलद्धपुण्ण-पावा आसव-संवर- णिज्जर-किरियाहि- करण-बंध- मोक्खकुसला, असहेज्ज- देवासुरणाग सुवण्णजक्ख-रक्खस-किण्णर-किंपुरुस-गरुल-गंधव्व-महोरगाईएहिं देवगणेहिं णिग्गंथाओ पावयणाओ अणत्तिकमणिज्जा, णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया णिक्कंखिया णिव्वित्तिगिच्छा, लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेमाणुरागरत्ता; अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंते-उरघरप्पवेसा बहूहिं सीलव्व-यगुणवेरमण-पच्चक्खाणपोसहोववासेहिं, चाउद्वसट्ठ- मुद्धिद्वपुण्ण-मासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा, समणे णिग्गंथे फासु-एसणिज्जेणं असणपाण- खाइम साइमेणं वत्थपडिग्गह-कंबल-पायपुंछणेण पीढ-फलगसेज्जासंथारएणं ओसह भेसज्जेणं पडिलाभेमाणा अहापडिग्गहिएहिं तवो- कम्ममेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।

१२ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुलसंपण्णा बलसंपण्णा रूवसंपण्णा विणयसंपण्णा णाणसंपण्णा दंसणसंपण्णा चरित्तसंपण्णा लज्जासंपण्णा लाघवसंपण्णा ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियमाया जियलोहा जियणिद्धा जिइंदिया जियपरीसहा जीवियसास- मरणभय विप्पमुक्का जाव कुत्तिया- वणभूया, बहुस्सुया बहुपरिवारा, पंचहिं अणगार- सएहिं सद्धिं संपरिवुडा अहाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव तुंगिया णगरी जेणेव पुप्फवइए चेइए तेणेव उवागच्छंति, उवा- गच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ताणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।

१३ तए णं तुंगियाए णयरीए सिंघाडग-तिअ-चउक्क-चच्चर महापहपहेसु, जाव एगदिसाभिमुहा णिज्जायंति।

१४ तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठ-तुट्ठा जाव सद्दावैति, सद्दावित्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया! पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।

तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं थेराणं भगवंताणं णामगोयस्स वि सवणयाए, किमंग पुण अभिगमण-वंदण-णमंसण-पडिपुच्छण-पज्जुवासणयाए जाव गहणयाए ? तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! थेरे भगवंते वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयं णे इहभवे वा परभवे वा जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ त्ति कट्ठु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति । जेणेव सयाइं सयाइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता प्हाया जाव अलंकियसरीरा सएहिंतो सएहिंतो गेहेहिंतो पडिणिक्खमंति, पडिणिक्खमित्ता एगयओ मेलायंति ।

मेलायित्ता पायविहारचारेणं तुंगियाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति, णिग्गच्छित्ता जेणेव पुप्फवईए चेइए तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता थेरे भगवंते पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तं जहा- सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, एगसाडिएणं उत्तरासंग-करणेणं, चक्खुप्फासं अंजलिप्पग्गहेणं, मणसो एगत्तीकरणेणं; जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहिणं करेंति, करित्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति।

१५ तए णं थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महइमहालियाए परिसाए चाउज्जामं धम्मं परिकहंति। जहा केसिसामिस्स जाव समणोवासियत्ताए आणाए आराहए भवंति जाव धम्मो कहिओ ।

१६ तए णं ते समणोवासया थेराणं भगवंताणं अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति, पज्जुवासित्ता एवं वयासी-

संजमे णं भंते ! किं फले ? तवे णं भंते ! किं फले ?

तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वयासी-संजमे णं अज्जो ! अण्हयफले, तवे वोदाणफले।

१७ तए णं ते समणोवासया थेरे भगवंते एवं वयासी- जइ णं भंते ! संजमे अण्हयफले तवे वोदाणफले, किंपत्तियं णं भंते ! देवा देवलोएसु उववज्जंति ?

तत्थ णं कालियपुत्ते णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी- पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति ।

तत्थ णं मेहिले णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी-पुव्वसंजमेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति।

तत्थ णं आणंदरक्खिए णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी- कम्मियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति।

तत्थ णं कासवे णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी- संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति; पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेण कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति । सच्चे णं एस अट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए।

१८ तए णं ते समणोवासया थेरेहिं भगवंतेहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरिया समाणा हट्ठ-तुट्ठा थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता पसिणाइं पुच्छंति, पसिणाइं पुच्छित्ता अट्ठाइं उवादियंति,

उवादिएत्ता उद्वाए उद्धँति, उद्धित्ता थेरे भगवंते तिक्खुत्तो वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता थेराणं भगवंताणं अंतियाओ पुप्फवईयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति, पडिणिक्खमित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ।

तए णं ते थेरा अण्णया कयाइं तुंगियाओ णयरीओ पुप्फवईयाओ चेइयाओ पडिणिग्गच्छंति, बहिया जणवयविहारं विहरंति ।

१९ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे जाव परिसा पडिगया।

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेढे अंतेवासी इंदभूर्इ णामं अणगारे जाव संखित्तविउलतेयलेस्से छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विरहइ।

२० तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारगंगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ, बीयाए पोरिसीए झाणं झियायइ, तइयाए पोरिसीए अतुरियमचवलमसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता भायणाइं वत्थाइं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता भायणाइं पमज्जइ, पमज्जित्ता भायणाइं उग्गहेइ उग्गहित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमण- पारगंगंसि रायगिहे णगरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं।

२१ तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता अतुरियमचवलमसंभंते जुगंतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रियं सोहमाणे सोहमाणे जेणेव रायगिहे णयरे उवागच्छइ, उवागच्छित्ता रायगिहे णयरे उच्च-णीय-मज्झियाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियं अडइ ।

२२ तए णं से भगवं गोयमे रायगिहे णयरे जाव अडमाणे बहुजणसद्धं णिसामेइ एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुंगियाए णयरीए बहिया पुप्फवईए चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया- संजमे णं भंते ! किंफले तवे णं किंफले ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वयासी- संजमे णं अज्जो ! अण्हयफले, तवे वोदाणफले । तं चेव जाव पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति । सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए । से कहमेयं मण्णे एवं ?

२३ तए णं भगवं गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसइडे जाव समुप्पण्ण- कोउहल्ले अहापज्जत्तं समुदाणं गेण्हइ, गेण्हित्ता रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ, अतुरियं जाव सोहमाणे जेणेव गुणसिलएचेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ, एसणमणेसणं आलोएइ, आलोइत्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदंसित्ता समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी-एवं खलु भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे रायगिहे णयरे उच्च-णीय-मज्झिमाणि कुलाणि घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसद्धं णिसामेमि- एवं खलु देवाणुप्पिया! तुंगियाए णयरीए बहिया पुप्फवईए चेइए

पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया- संजमे णं भंते ! किं फले, तवे किं फले ? तं चेव जाव सच्चे णं एसमढ्ढे, णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ।

२३ तं पभू णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, उदाहु अप्पभू ?

समिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए, उदाहु असमिया ?

आउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणो- वासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, उदाहु अणाउज्जिया?

पलिउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, उदाहु अपलिउज्जिया?

पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उवज्जंति । पुव्वसंजमेणं, कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमढ्ढे, णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ।

पभू णं गोयमा ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, णो चेव णं अप्पभू । तह चेव णेयव्वं अविसेसियं जाव सच्चे णं एसमढ्ढे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ।

२५ अहं पि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि- पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति, कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं, पुव्वसंजमेणं, कम्मियाए, संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमढ्ढे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ।

२६ तहारूवं णं भंते ! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किं फला पज्जुवासणा ? गोयमा ! सवणफला ।

२७ से णं भंते ! सवणे किंफले ? णाणफले ।

२८ से णं भंते ! णाणे किंफले ? विण्णाणफले ।

२९ से णं भंते ! विण्णाणे किंफले ? पच्चक्खाणफले ।

३० से णं भंते ! पच्चक्खाणे किंफले ? संजमफले ।

३१ से णं भंते ! संजमे किंफले ? अण्हयफले ।

३२ से णं भंते ! अण्हए किं फले ? तवफले ।

३३ से णं भंते ! तवे किं फले ? वोदाणफले ।

३४ से णं भंते ! वोदाणे किं फले ? अकिरियाफले ।

३५ से णं भंते ! अकिरिया किं फला ? सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा !

सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे ।
अण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिया सिद्धि ॥

३६

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति- एवं खलु रायगिहस्स णयरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अघे पण्णत्ते, अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं, णाणादुमसंडमंडिउद्देसे, सस्सिरीए जाव पडिरूवे । तत्थ णं बहवे उराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासंति, तव्वइरित्ते य णं सया समियं उसिणे उसिणे आउकाए अभिणिस्सवइ । से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवं परूवेंति मिच्छं ते एवमाइक्खंति जाव सव्वं णेयव्वं । अहं पुण गोयमा! एवं आइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि- एवं खलु रायगिहस्स णयरस्स बहिया वेभारपव्वयस्स अदूरसामंते एत्थ णं महातवोवतीरप्पभवे णामं पासवणे पण्णत्ते, पंच धणुसयाइं आयामविक्खंभेणं णाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। तत्थ णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य, पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति, विउक्कमंति, चयंति, उववज्जंति । तव्वइरित्ते वि य णं सया समियं उसिणे उसिणे आउक्काए अभिणिस्सवइ, एस णं गोयमा! महातवोवतीरप्पभवे पासवण, एस णं गोयमा महातवोवतीरप्पभवस्स पासवणस्स अट्ठे पण्णत्ते ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

१ से णूणं भंते! मण्णामि त्ति ओहारिणी भासा ? एवं भासापदं भाणियव्वं।

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा देवा पण्णत्ता, तं जहा- भवणवइ, वाणमंतर, जोइस, वेमाणिया ।

२ कहि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं ठाणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए, एवं जहा ठाणपदे देवाणं वत्तव्वया सा भाणियव्वा- उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे एवं सव्वे भाणियव्वं जाव सिद्धगंडिया समत्ता ।

कप्पाण पइट्ठाणं, बाहल्लुच्चत्तमेव संठाणं ।

जीवाभिगमे जो वेमाणियउद्देशो, सो भाणियव्वो सव्वो ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अड्डमो उद्देशो

१

कहिं णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ?

गोयमा ! जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जदीव-समुद्धे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्धं बायालीसं जोयणसयसहस्साइं ओगाहित्ता, एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमार- रण्णो तिगिच्छकूडे णामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते । सत्तरस एककवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं, चत्तारितीसे जोयणसए कोसं च उव्वहेणं मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं, मज्झे चत्तारि चउवीसे जोयणसए विक्खंभेणं उवरिं सत्ततेवीसे जोयणसए विक्खंभेणं, मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं, दोण्णि य बत्तीसुत्तरे जोयणसए किंचि विसेसूणे परिक्खेवेणं, मज्झे एगं जोयणसहस्सं तिण्णि य इगयाले जोयणसए किंचि विसेसूणे परिक्खेवेणं, उवरिं दोण्णि य जोयणसहस्साइं, दोण्णि य छलसीए जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं; मूले वित्थडे मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले, मज्झे वरवइर-विग्गहिए महामउदसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे। से णं एगाए पउमवरवेइयाए, एगेणं वणसंडेण य सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते। पउमवरवेइयाए, वणसंडस्स य वण्णओ ।

२

तस्स णं तिगिच्छकुडस्स उप्पायपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, वण्णओ । तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पण्णत्ते-अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, पणवीसं जोयणसयाइं विक्खंभेणं । पासायवण्णओ। उल्लोयभूमिवण्णओ । अड्ढजोयणाइं मणिपेढिया, चमरस्स सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं । तस्स णं तिगिच्छकूडस्स दाहिणेणं छक्कोडिसए पणवण्णं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदए समुद्धे तिरियं वीईवइत्ता अहे रयणप्पभाए पुढवीए चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता, एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा णामं रायहाणी पण्णत्ता ।

एगं जोयणसयसहस्सं आयाम-विक्खंभेणं जंबूदीवप्पमाणा । पागारो दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं, मूले पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं, उवरिं अद्धतेरसजोयणाइं विक्खंभेणं । कविसीसगा अद्धजोयणा आयामेणं कोसं विक्खंभेणं देसूणं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं । एगमेगाए बाहाए पंच पंच दारसया अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, अद्धं विक्खंभेणं। उवयारियलेणं सोलसजोयण सहस्साइं आयाम- विक्खंभेणं, पण्णासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउ य जोयणसए किंचि विसेसूणे परिक्खेवेणं सव्वप्पमाणं वेमाणियप्पमाणस्स अद्धं णेयव्वं। [सभा सुहम्मा, उत्तर पुरत्थिमेणं जिणधरं, ततोववायसभा, हरओ, अभिसेय, अलंकारो जहा विजयस्स।]

[उववाओ संकप्पो, अभिसेय विभूसणा य ववसाओ ।

अच्चणिय सिद्धायण गमो, वि य चमर परिवार इड्ढत्तं ॥]

॥ अड्डमो उद्देशो समत्तो ॥

णवमो उद्देशो

१ किमिदं भंते ! समयखेत्ते त्ति पुवच्चइ ?

गोयमा ! अड्ढाइज्जा दीवा दो य समुद्धा एस णं एवइए समयखेत्तेत्ति पवुच्चइ, तत्थ णं अयं जंबुद्धीवे दीवे सव्वदीवसमुद्धाणं सव्वभंतरं, एवं जीवाभिगमवत्तव्वया णेयव्वा जाव अब्भित्तरं पुक्खरद्धं जोइसविहूणं ।

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! अत्थिकाया पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंच अत्थिकाया पण्णत्ता, तं जहा- धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए ।

२ धम्मत्थिकाए णं भंते! कइवण्णे, कइगंधे, कइरसे, कइफासे ?

गोयमा! अवण्णे, अगंधे, अरसे, अफासे, अरूवी, अजीवे, सासए, अवट्टिए लोगदव्वे।

से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ, गुणओ । दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगे दव्वे, खेत्तओ णं लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि जाव णिच्चे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे ।

३ अहम्मत्थिकाए वि एगं, णवरं गुणओ ठाणगुणे ।

४ आगासत्थिकाए वि एगं चेव, णवरं खेत्तओ णं आगासत्थिकाए लोयालोयप्पमाणमेत्ते, अणंते चेव जाव गुणओ अवगाहणागुणे ।

५ जीवत्थिकाए णं भंते ! कइवण्णे, कइगंधे, कइरसे, कइफासे ?

गोयमा ! अवण्णे जाव अरूवी, जीवे सासए, अवट्टिए लोगदव्वे। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते तं जहा- दव्वओ जाव गुणओ। दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं जीवदव्वाइं, खेत्तओ लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ ण आसी जाव णिच्चे, भावओ पुण अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ उवओगगुणे।

६ पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! कइवण्णे, कइगंधरसफासे ?

गोयमा ! पंचवण्णे, पंचरसे, दुगंधे, अड्डफासे, रूवी, अजीवे, सासए, अवट्टिए, लोगदव्वे । से समासओ पंचविहे पण्णत्ते तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ, गुणओ । दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइ दव्वाइं, खेत्तओ लोयप्पमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ ण आसी जाव णिच्चे, भावओ वण्णमंते गंधरसफासमंते । गुणओ गहणगुणे ।

- ७ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपदेसे धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ?
गोयमा ! णो इण्ठे सम्भे । एवं दोण्णि वि तिण्णि वि चत्तारि वि पंच छ सत्त अट्ठ णव दस संखेज्जा ।
- ८ असंखेज्जा भंते ! धम्मत्थिकायपएसा 'धम्मत्थिकाए' त्ति वत्तव्वं सिया ?
गोयमा ! णो इण्ठे सम्भे ।
- ९ एगपएसूणे वि य णं भंते ! धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ?
णो इण्ठे सम्भे ।
- १० से केण्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- एगे धम्मत्थिकायपएसे णो धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपएसूणे वि य णं धम्मत्थिकाए णो धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ?
से णूणं गोयमा ! खंडे चक्के ? सकले चक्के ? भगवं ! णो खंडे चक्के, सकले चक्के, एवं छत्ते, चम्मे, दंडे, दूसे, आउहे, मोयए; से तेण्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ, एगे धम्मत्थिकाय पएसे णो धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया जाव एग पएसूणे वि य णं धम्मत्थिकाए णो धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ।
- ११ से किं खाइए णं भंते ! धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ?
गोयमा! असंखेज्जा धम्मत्थिकाए पएसा, ते सव्वे कसिणा पडिपुण्णा णिरवसेसा एगगहणगहिया एस णं गोयमा! धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया, एवं अहम्मत्थिकाए वि, आगासत्थिकाय वि, जीवत्थिकाय, पोग्गलत्थिकाया वि एवं चेव णवरं तिण्णं पि पएसा अणंता भाणियव्वा, सेसं तं चेव ।
- १२ जीवे णं भंते ! सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कार- परक्कमे आयभावेणं जीवभावं उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया ?
हंता गोयमा! जीवे णं जाव उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया ।
- १३ से केण्ठेणं भंते ! जाव वत्तव्वं सिया ?
गोयमा ! जीवे णं अणंताणं आभिणिबोहियणाण-पज्जवाणं एवं सुयणाण- पज्जवाणं ओहिणाणपज्जवाणं मणपज्जवणाणपज्जवाणं केवलणाणपज्जवाणं मइ-अण्णाणपज्जवाणं सुयअण्णाणपज्जवाणं विभंगणाणपज्जवाणं चक्खुदंसणपज्जवाणं अचक्खुदंसणपज्जवाणं ओहिदंसणपज्जवाणं केवलदंसणपज्जवाणं उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे, से एण्ठेणं एवं वुच्चइ गोयमा ! जीवे णं सउट्ठाणे जाव वत्तव्वं सिया ।
- १४ कइविहे णं भंते ! आगासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! दुविहे आगासे पण्णत्ते, तं जहा- लोयागासे य आलोयागासे य ।
- १५ लोयागासे णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, जीवप्पएसा, अजीवा, अजीवदेसा, अजीवप्पएसा ?

गोयमा ! जीवा वि जीवदेसा वि जीवप्पएसा वि, अजीवा वि अजीवदेसा वि अजीवप्पएसा वि। जे जीवा ते णियमा एगिंदिया बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचिंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवप्पएसा ते णियमा एगिंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा, जे अजीवा ते दुविहा पणत्ता, तं जहा- रूवी य अरूवी य, जे रूवी ते चउव्विहा पणत्ता, तं जहा- खंधा, खंधदेसा, खंधपएसा, परमाणुपोग्गला। जे अरूवी तं पंचविहा पणत्ता, तं जहा- धम्मत्थिकाए, णो धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, अधम्मत्थिकाए, णो अधम्मत्थिकायस्स देसे, अधम्मत्थिकायस्स पएसा, अद्वासमए ।

१६ अलोयागासे णं भंते ! किं जीवा ? पुच्छा तह चेव ।

गोयमा ! णो जीवा जाव णो अजीवप्पएसा, एगे अजीवदव्वदेसे, अगारुयलहुए अणंतहिं अगारुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासे अणंतभागूणे।

१७ धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए पणत्ते ।

गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव फुसित्ता णं चिड्डइ, एवं अहम्मत्थिकाए लोयागासे जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए पंच वि एक्काभिलावा।

१८ अहोलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं फुसइ ?

गोयमा ! साइरेगं अद्धं फुसइ ।

१९ तिरियलोए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! असंखेज्जइभागं फुसइ ।

२० उड्डलोए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! देसूणं अद्धं फुसइ ।

२१ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभाइं फुसइ, असंखेज्जइभागं फुसइ, संखेज्जे भागे फुसइ, असंखेज्जे भागे फुसइ, सव्वं फुसइ ?

गोयमा ! णो संखेज्जइभागं फुसइ, असंखेज्जइभागं फुसइ, णो संखेज्जे, असंखेज्जे, णो सव्वं फुसइ ।

२२ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए घणोदही, धम्मत्थिकायस्स पुच्छा, किं संखेज्जइभागं फुसइ?

जहा रयणप्पभा तहा घणोदही, घणवाय, तणुवाया वि ।

२३ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीसए उवासंतरे धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ, असंखेज्जइभागं फुसइ जाव सव्वं फुसइ ?

गोयमा ! संखेज्जइभागं फुसइ, णो असंखेज्जइभागं फुसइ, णो संखेज्जे, णो असंखेज्जे, णो सव्वं फुसइ । उवासंतराइंसव्वाइं जहा रयणप्पभाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया, एवं जाव अहेसत्तमाए । जंबूदीवाइया दीवा, लवणसमुद्दाइया समुद्दा, एवं सोहम्ममे कप्पे जाव ईसीपब्भारा

पुढवी, एण सव्वे वि असंखेज्जइभागं फुसइ, सेसा पडिसेहियव्वा। एवं अधम्मत्थिकाए, एवं लोयागासे वि ।

पुढवोदही घण तणू, कप्पा गोवेज्जणुत्तरा सिद्धी ।
संखेज्जइभागं अंतरेसु, सेसा असंखेज्जा ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ बीअ संत्त समत्तं ॥

तइअं सतं

पढमो उद्देशो

- १ केरिसी विउव्वणा चमर, किरिय जाणित्थि णगरपाला य ।
अहिवइ इंदिय परिसा, तइयम्मि सए दस उद्देशा ॥
- २ तेणं कालेणं तेणं समएणं मोया णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तीसे णं मोयाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसिभागे णंदणे णामं चेइए होत्था, वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे । परिसा णिग्गच्छइ । पडिगया परिसा।
- ३ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स दोच्चे अंतेवासी अग्गिभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे, जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरराया के महिइढीए, के महज्जुईए, के महाबले, के महायसे, के महासोक्खे, के महाणुभागे, केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?

गोयमा ! चमरे णं असुरिंदे असुरराया महिइढीए जाव महाणुभागे । से णं तत्थ चउत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं, चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं जाव विहरइ। एमहिइढीए जाव एमहाणुभागे । एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, से जहा णामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिआ, एवामेव गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया वेउव्विय-समुग्घाएणं समोहण्णइ, समोहणित्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं णिस्सरइ, तंजहा- रयणाणं जाव रिद्धाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ, परिसाडेत्ता अहासुहुमे पोग्गले परियाएइ परियाइत्ता दोच्चं पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ समोहणित्ता पभू णं गोयमा ! चमरे असुरिंदे, असुरराया केवलकप्पं जंबूदीवं दीवं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं य देवीहिं य आइण्णं विइकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए; अदुत्तरं णं गोयमा ! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं, देवीहि य आइण्णे, विइकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए । एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अयमेयारूवे विसए, विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा, विउव्वइ वा, विउव्विस्सइ वा ।

४ जइ णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउच्चित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो, सामाणिया देवा के एमहिड्ढीया जाव केवइयं च णं पभू विउच्चित्तए ?

गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स, असुररण्णो सामाणिया देवा महिड्ढीया जाव महाणुभागा । ते णं तत्थ साणं साणं भवणाणं, साणं साणं सामाणियाणं, साणं साणं अग्गमहिस्सीणं, जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति, एमहिड्ढीया जाव एवइयं च णं पभू विउच्चित्तए । से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया, एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स, असुररण्णो एगमेगे सामाणियदेवे वेउच्चिय समुग्घाएणं समोहण्णइ, समोहणित्ता जाव दोच्चं पि वेउच्चियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता पभू णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगे सामाणियदेवे केवलकप्पं जंबूदीवं दीवं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं, विइकिण्णं, उवत्थडं, संथडं, फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए । अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगे सामाणिय देवे तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्धे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं, देवीहि य आइण्णे, विइकिण्णे, उवत्थडे, संथडे, फुडे, अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स, असुररण्णो एगमेगस्स सामाणियदेवस्स अयमेयारूवे विसए, विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं सपंत्तीए विउच्चिंसु वा, विउच्चइ वा, विउच्चिस्सइ वा ।

५ जइ णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स, असुररण्णो सामाणियदेवा एमहिड्ढीया जाव एवइयं च णं पभू विउच्चित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसया देवा के महिड्ढीया? तायत्तीसया देवा जहा सामाणिया तहा णेयव्वा । लोयपाला तहेव, णवरं संखेज्जा दीव-समुद्धा भाणियव्वा ।

६ जइ णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो लोगपाला देवा एमहिड्ढीया जाव एवइयं च णं पभू विउच्चित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो अग्गमहिस्सीओ देवीओ के महिड्ढीयाओ जाव केवइयं च णं पभू विउच्चित्तए ?

गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो अग्गमहिस्सीओ देवीओ महिड्ढीयाओ जाव महाणुभागाओ, ताओ णं तत्थ साणं साणं भवणाणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं महत्तरियाणं साणं साणं परिसाणं जाव एमहिड्ढीयाओ। अण्णं जहा लोगपालाणं अपरिसेसं ।

७ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । भगवं दोच्चे गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तच्चं गोयमं वाउभूई अणगारं एवं वयासी-

एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्ढीए, तं चेव एवं सव्वं अपुट्ठवागरणं णेयव्वं अपरिसेसियं जाव अग्गमहिस्सीणं वत्तव्वया सम्मत्ता । तए णं से तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे दोच्चस्स गोयमस्स अग्गिभूइस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स

भासमाणस्स पण्णवेमाणस्स परूवेमाणस्स एयमढुं णो सद्धहइ, णो पत्तियइ, णो रोएइ; एयमढुं असद्धहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- एवं खलु भंते ! दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे ममं एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ- एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिइदीए जाव महाणुभागे । से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं, एवं तं चेव सव्वं अपरिसेसं भाणियव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया सम्मत्ता । से कहमेयं भंते! एवं ?

गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे तच्चं गोयमं वाउभूइं अणगारं एवं वयासी- जं णं गोयमा ! दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे तव एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ- एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया महिइदीए एवं तं चेव सव्वं जाव अग्गमहिसीओ । सच्चे णं एसमट्ठे । अहं पि णं गोयमा! एवमाइक्खामि भासामि पण्णवेमि परूवेमि- एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया महिइदीए तं चेव जाव अग्गमहिसीओ । सच्चे णं एसमट्ठे ।

सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता दोच्चं गोयमं अग्गिभूइं अणगारं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एयमढुं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेइ ।

८

तए णं से तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे दोच्चेणं गोयमेणं अग्गिभूइणामेणं अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- जइ णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिइदीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, बली णं भंते ! वइरोयणिंदे वइरोयणराया के महिइदीए जाव केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?

गोयमा ! बली णं वइरोयणिंदे वइरोयणराया महिइदीए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं, सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं, सेसं जहा चमरस्स तहा बलिस्स वि णेयव्वं, णवरं साइरेगं केवलकप्पं जंबूदीवं ति भाणियव्वं, सेसं तं चेव णिरवसेसं णेयव्वं, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं भवणेहिं, सामाणिएहिं य ।

सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्ससमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ ।

९

तएणं से दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- जइ णं भंते ! बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया एमहिइदीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, धरणे णं भंते ! णागकुमारिंदे, णागकुमारराया के महिइदीए जाव केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?

गोयमा ! धरणे णं णागकुमारिंदे णागकुमारया महिड्डीए जाव महाणुभागे । से णं तत्थ चोयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं, छण्हं सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिमाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउव्वीसाए आयरक्खदेव साहस्सीणं, अण्णेसिं च जाव विहरइ । एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए- से जहा णामए जुवइं जुवाणे जाव पभू केवलकप्पं जंबूदीवं दीवं जाव तिरियं संखेज्जे दीवसमुद्धे बहूहिं णागकुमारीहिं जाव णो विउव्विस्संति वा । सामाणिया, तायत्तीसग-लोगपाला, अग्गमहिसीओ य तहेव जहा चमरस्स णवरं संखेज्जे दीव-समुद्धे भाणियव्वे । एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरा, जोईसिया वि, णवरं दाहिणिल्ले सव्वे अग्गिभूई पुच्छइ, उत्तरिल्ले सव्वे वाउभूई पुच्छइ ।

१०

भंते ! त्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- जइ णं भंते ! जोईसिंदे, जोईसराया एमहिड्डीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्डीए जाव केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?

गोयमा ! सक्के णं देविंदे देवराया महिड्डीए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं, चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं जाव चउण्हं चउरासीणं आयरक्खसाहस्सीणं अण्णेसिं च जाव विहरइ । एमहिड्डीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, एवं जहेव चमरस्स तहेव भाणियव्वं, णवरं दो केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अवसेसं तं चेव । एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वइ वा विउव्विस्सइ वा ।

११

जइ णं भंते ! सक्के देविंदे, देवराया एमहिड्डीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी तीसए णामं अणगारे पगइभद्धए जाव विणीए, छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता, सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता, आलोइयपडिक्कंते, समाहिपत्ते, कालमासे कालं किच्चा सोहम्मं कप्पे सयंसि विमाणंसि, उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए सक्कस्स देविंदस्स, देवरण्णो सामाणिय देवत्ताए उववण्णे, तएणं से तीसए देवे अहुणोववण्णमेत्ते समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तं जहा-आहारपज्जत्तीए, सरीर-इंदिय-आण-पाणपज्जत्तीए, भासा- मणपज्जत्तीए । तएणं तं तीसयं देवं पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्ति भावं गयं समाणं सामाणियपरि- सोववण्णया देवा करयलपरिग्गहियं दसण्हं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धावित्ति, वद्धावित्ता एवं वयासी-अहो! णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्डी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए; जारिसिया णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्डी, दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए; तारिसिया णं सक्केणं वि देविंदेण देवरण्णा दिव्वा

देविङ्ढी जाव अभिसमण्णागए । जारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविङ्ढी जाव अभिसमण्णागए; तारिसिया णं देवाणुप्पिएहिं वि दिव्वा देविङ्ढी जाव अभिसमण्णागए ।

से णं भंते ! तीसए देवे के महिङ्ढीए जाव केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?

गोयमा ! तीसए णं देवे महिङ्ढीए जाव महाणुभागे । से णं तत्थ सयस्स विमाणस्स, चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चउण्हं अग्गमहिंसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिर्वइणं, सोलसण्हं आयरक्खदेव-साहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाणं, देवीणं य जाव विहरइ । एमहिङ्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए । से जहा णामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, जहेव सक्कस तहेव जाव एस णं गोयमा ! तीसयस्स देवस्स अयमेयारूवे विसए, विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा, विउव्वइ वा, विउव्विस्सइ वा ।

१२ जइ णं भंते ! तीसए देवे महिङ्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो अवसेसा सामाणिया देवा के महिङ्ढीया ?

तहेव सव्वं जाव एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो एगमेगस्स सामाणियस्स देवस्स इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा, तायत्तीसा य लोगपाल अग्गमहिंसीणं जहेव चमरस्स, णवरं-दो केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अण्णं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

१३ भंते ! त्ति भगवं तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे समणं भगवं जाव एवं वयासी- जइ णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एवं महिङ्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया के महिङ्ढीए ?

एवं तहेव, णवरं साहिए दो केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अवसेसं तहेव ।

१४ जइ णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया एमहिङ्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुरुदत्तपुत्ते अणगारे पगइभद्दए, जाव विणीए, अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं पारणए आयंबिलपरिग्गहिणं तवोकम्मणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूरभिम्हे आयावणभूमि ए आयावेमाणे बहुपडिपुण्णे छम्मासे सामण्णपरियागं पाउणित्ता, अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता, तीसं भत्ताइं अणसणाइं छेदित्ता, आलोइयपडिक्कंते, समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे सयंसि विमाणंसि, जा चेव तीसए वत्तव्वया सच्चेव अपरिसेसा कुरुदत्तपुत्ते वि । णवरं साइरेगे दो केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अवसेसं तं चेव । एवं सामाणिय-तायत्तीसग-लोगपाल-अग्गमहिंसीणं जाव एस णं गोयमा ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो एवं एगमेगाए अग्गमहिंसीए देवीए अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा ।

१५ एवं सणंकुमारे वि, णवरं चत्तारि केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अदुत्तरं च णं तिरियमसंखेज्जे । एवं सामाणिय-तायत्तीस-लोगपाल[अग्गमहिंसीणं] असंखेज्जे दीवसमुद्दे सव्वे विउव्वंति ।

सणकुमाराओ आरद्धा उवरिल्ला लोगपाला सव्वे वि असंखेज्जे दीव-समुद्धे विउव्वंति । एवं माहिंदे वि णवरं-सातिरेगे चत्तारि केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे । एवं बंभलोए वि, णवरं-अट्ठ केवलकप्पे । एवं लंतए वि, णवरं साइरेगे अट्ठ केवलकप्पे । महासुक्के सोलस केवलकप्पे । सहस्सारे साइरेगे सोलस । एवं पाणए वि, णवरं बत्तीसं केवलकप्पे । एवं अच्चुए वि, णवरं साइरेगे बत्तीसं केवलकप्पे जंबूदीवे दीवे, अण्णं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

१६

तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइं मोयाओ णयरीओ णंदणाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था । वण्णओ । जाव परिसा पज्जु-वासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं ईसाणे देविंदे देवराया, सूलपाणी, वसहवाहणे, उत्तरइड्ढलोगाहिंवई, अट्ठावीसविमाणावाससयसहस्साहिंवई, अरयंबरवत्थधरे, आलइयमालमउडे, णवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे; ईसाणे कप्पे, ईसाणवडिंसए विमाणे, जहेव रायप्पसेणइज्जे जाव दिव्वं देविड्ढिं जाव उवदंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ।

१७

भंते ! त्ति, भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-अहो णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया महिड्ढीए जाव महाणुभागे । ईसाणस्स णं भंते ! सा दिव्वा देविड्ढी कहिं गया ? कहिं अणुपविट्ठा ?

गोयमा ! सरीरं गया, सरीरं अणुपविट्ठा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सरीरं गया ? सरीरं अणुपविट्ठा ?

गोयमा ! से जहाणामए कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता, गुत्ता, गुत्तदुवारा णिवाया णिवायगंभीरा, तीसे णं कूडागारसालाए एवं दिट्ठंतो भाणियव्वो ।

१८

ईसाणेणं भंते ! देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभागे किण्णा लद्धे ? किण्णा पत्ते ? किण्णा अभिसमण्णागए ? के वा एस आसी पुव्वभवे ? किंणामए वा ? किंगोत्ते वा ? कयरंसि वा गामंसि वा णगरंसि वा जाव सण्णिवेसंसि वा ? किं वा सोच्चा ? किं वा दच्चा ? किं वा भोच्चा ? किं वा किच्चा ? किं वा समायरित्ता ? कस्स वा तहारूवस्स वा समणस्स वा, माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं, धम्मियं सुवयणं सोच्चा, णिसम्म ? जं णं ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया ?

एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं, तेणं समएणं इहेव जंबूदीवे दीवे, भारहे वासे, तामलित्ती णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तत्थ णं तामलित्तीए णयरीए तामली णामं मोरियपुत्ते गाहावई होत्था- अइडे, दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था । तए णं तस्स मोरियपुत्तस्स तामलिस्स गाहावइस्स अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुटुंबजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाण-फलवित्तिविसेसे, जेणाहं हिरण्णेणं वड्ढामि, सुवण्णेणं वड्ढामि, धणेणं वड्ढामि, धण्णेणं

वड्ढामि, पुत्तेहिं वड्ढामि, पसूहिं वड्ढामि, विपुलधण-कणग-रयण-मणि-मोत्तियं-संख-सिलप्पवाल-रत्तरयण-संतसारसावएज्जेणं अईव अईव अभिवड्ढामि।

१९

तं किं णं अहं पुरा पोराणाणं, सुत्तिचण्णाणं, जाव कडाणं कम्माणं एगंतसो खयं उवेहमाणे विहरामि ? तं जाव- ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अईव अईव अभिवड्ढामि, जावं च णं मे मित्त-णाइ-णियगसंबंधि-परियणो आढाइ, परियाणाइ, सक्कारेइ, सम्माणेइ, कल्लाणं, मंगलं, देवयं, चेइयं विणएणं पज्जुवासइ, तावता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते, सयमेव दारुमयं पडिग्गहं करेत्ता, विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता, मित्त-णाइ-णियग-सयण-संबंधि-परियणं आमंतेत्ता, तं मित्त-णाइ-णियग-संबंधिपरियणं विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं, वत्थ-गंध-मल्ला-लंकारेण य सक्कारेत्ता, सम्माणेत्ता तस्सेव मित्त- णाइ- णियग-संबंधि-परियणस्स पुरओ जेड्ढपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता, तं मित्त-णाइ- णियग-संबंधि-परियणं, जेड्ढपुत्तं च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए, पव्वइए वि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तए, छट्ठस्स वि य णं पारणंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय तामलित्तीए णयरीए उच्च-णीय-मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्ता सुद्धोदणं पडिगाहेत्ता, तं तिसत्तक्खुत्तो उदएणं पक्खालेत्ता तओ पच्छा आहारं आहारित्तए' त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ ।

२०

संपेहित्ता, कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते, सयमेव दारुमयं पडिग्गहं करेइ, करित्ता विउलं असण- पाण- खाइम-साइमं उवक्खडावेइ, उवक्खडावित्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए, अप्प महग्घाभरणालंकियसरीरे, भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए । तएणं मित्त-णाइ-णियग-सयण-संबंधि-परिजणेणं-सद्धिं तं विउलं असण-पाण-खाइमं साइमं आसाएमाणे वीसाएमाणे परिभाएमाणे परिभुंजेमाणे विहरइ । जिमियभुत्तुत्तरा-गए वि य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए, तं मित्तं जाव परियणं विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइम-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ, तस्सेव मित्त-णाइ जाव परियणस्स पुरओ जेड्ढपुत्तं कुडुंबे ठावेइ, ठावेत्ता ते मित्त-णाइ जाव परियणं, जेड्ढं पुत्तं च आपुच्छइ, आपुच्छित्ता मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए ।

२१

पव्वइए वि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ- कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव आहारित्तए त्ति कट्ठु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, अभिगिण्हित्ता जावज्जीवाए छट्ठं-छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ । छट्ठस्स वि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ पच्चोरुहित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय तामलित्तीए णयरीए उच्च-णीय-मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ, अडित्ता सुद्धोयणं पडिग्गाहेइ, पडिग्गाहेत्ता तिसत्तक्खुत्तो उदएणं पक्खालेइ, पक्खालेत्ता तओ पच्छा आहारं आहारेइ ।

२२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ पाणामा पव्वज्जा ?

गोयमा ! पाणामाए णं पव्वज्जाए पव्वइए समाणे जं जत्थ पासइ- इंदं वा, खंदं वा रुद्धं वा सिवं वा वेसमणं वा अज्जं वा कोट्टकिरियं वा रायं वा जाव सत्थवाहं वा काकं वा साणं वा पाणं वा उच्चं पासइ उच्चं पणामं करेइ, णीयं पासइ णीयं पणामं करेइ, जं जहा पासइ, तस्स तहा पणामं करेइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ पाणामा पव्वज्जा ।

२३ तएणं से तामली मोरियपुत्ते तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिणं बालतवोकम्मणं सुक्के लुक्खे जाव धमणिसंतए जाए यावि होत्था । तए णं तस्स तामलिस्स बालतवस्सिस्स अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्च-जागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु अहं इमेणं ओरालेणं विउलेणं जाव उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं महाणुभागेणं तवोकम्मणं सुक्के लुक्खे जाव धमणिसंतए जाए, तं अत्थि जा मे उट्ठाणे कम्ममे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे तावता मे सेयं, कल्लं जाव जलंते, तामलिस्सीए णगरीए, दिट्ठाभट्ठे य पासंडत्थे य गिहत्थे य पुव्वसंगइए य पच्छासंगइए य परियायसंगइए य आपुच्छित्ता तामलिस्सीए णगरीए मज्झमज्झेणं णिग्गच्छित्ता, पादुगं कुंडियामाइयं उवगरणं, दारुमयं च पडिग्गहं एगंते एडित्ता तामलिस्सीए णयरीए उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए णियत्तणियं मंडलं आलिहित्ता संलेहणा झूसणा झूसियस्स भत्त-पाणपडियाइक्खियस्स, पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते जाव आपुच्छइ, आपुच्छित्ता जाव एगंते एडेइ जाव भत्त-पाण-पडियाइक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे।

२४ तेणं कालेणं तेणं समएणं बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था । तएणं ते बलिचंचा रायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं ओहिणा आभोएंति, आभोइत्ता अण्णमण्णं सद्दावेत्ति, अण्णमण्णं सद्दावेत्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया, अम्हे य णं देवाणुप्पिया ! इंदाहीणा इंदाहिट्ठिया इंदाहीणकज्जा, अयं च देवाणुप्पिया ! तामली बालतवस्सी तामलिस्सीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागे णियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणा झूसणा झूसिए भत्तपाणपडिया-इक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तामलिं बाल- तवस्सिं बलिचंचाए रायहाणीए ठिइपकप्पं पकरावेत्तए त्ति कट्ठु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति, पडिसुणित्ता बलिचंचारायहाणीए मज्झमज्झेणं णिग्गच्छंति जेणेव रुयिगदे उप्पायव्वए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति समोहणित्ता जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विउव्वंति, विउव्वित्ता ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए उट्ठुयाए दिव्वाए देवगईए तिरियं असंखेज्जाणं दीवसमुद्धानं मज्झमज्झेणं वीईवयमाणा-वीईवयमाणा जेणेव जंबूदीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलिस्सी णयरी जेणेव तामली मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता तामलिस्स बालतवस्सिस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं

देवाणुभागं दिव्वं बत्तीसविहं णट्टविहिं उवदंसेति, उवदंसेत्ता तामलिं बालतवस्सिं तिकखुत्तो आयाहिण- पयाहिणं करेति, करेत्ता वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-

२५ एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे बलिचंचारायहाणीवत्थव्वया बहवे असुर- कुमारा देवा य, देवीओ य देवाणुप्पियं वंदामो, णमंसामो जाव पज्जुवासामो । अम्हाणं देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हे वि य णं देवाणुप्पिया ! इंदाहीणा इंदाहिद्विया इंदाहीणकज्जा तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणिं आढाह, परियाणह, सुमरह, अड्ढं बंधह, णियाणं पकरेह, ठिड्ढपकप्पं पकरेह । तए णं तुब्भे कालमासे कालं किच्चा बलिचंचारायहाणीए उववज्जिस्सह, तएणं तुब्भे अम्हं इंदा भविस्सह, तएणं तुब्भे अम्हेहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरिस्सह ।

२६ तएणं से तामली बालतवस्सी तेहिं बलिचंचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं, देवीहि य एवं वुत्ते समाणे एयमद्वं णो आढाइ, णो परियाणेइ, तुसिणीए संचिद्वइ ।

तएणं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ तामलिं मोरियपुत्तं दोच्चं पि तच्चंपि तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेति जाव अम्हं च णं देवाणुप्पिया ! बलीचंचारायहाणी अणिंदा जाव ठिड्ढपकप्पं पकरेह जाव दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिद्वइ, तए णं से बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिणा बालतवस्सिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया।

२७ तेणं कालेणं तेणं समएणं ईसाणे कप्पे अणिंदे अपुरोहिए या वि होत्था । तए णं से तामली बालतवस्सी बहुपडिपुण्णाइं सद्धिं वाससहस्साइं परियागं पाउणित्ता, दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता, सवीसं भत्तसयं अणसणाए छेदित्ता, कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे ईसाणवडिसं विमाणे उववाय-सभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्तीए ओगाहणाए ईसाण देविंदविरहकाल समयंसि ईसाणे देविंदत्ताए उववण्णे। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया अहुणोववण्णे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गच्छइ, तं जहा- आहारपज्जत्तीए जाव भासा-मणपज्जत्तीए ।

२८ तएणं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य, देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं कालगयं जाणित्ता, ईसाणे य कप्पे देविंदत्ताए उववण्णं पासित्ता आसुरत्ता, कुविया, चंडिकिया, मिसिमिसेमाणा बलिचंचारायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति, ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती णयरी जेणेव तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरए तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता वामे पाए सुंबेण बंधंति, बंधित्ता तिकखुत्तो मुहे उडुहंति, उडुहित्ता तामलित्तीए णयरीए सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर चउम्मुह-महापहेसु आकड्ड-विकड्ढिं करेमाणा, महया महया सद्धेणं उग्घोसेमाणा उग्घोसेमाणा एवं वयासी- केस णं भो! से तामली बालतवस्सी सयंगहियलिंगे पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए ? केस णं से ईसाणे कप्पे ईसाणे देविंदे देवराया? त्ति कट्ठु तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलंति, णिंदंति,

खिंसंति, गरिहंति, अवमण्णंति, तज्जंति, तालेंति, परिवहेंति, पव्वहेंति, आकड्ढ-विकड्ढिं करेंति, हीलेत्ता जाव आकड्ढ-विकड्ढिं करेत्ता एगंते एडंति, जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ।

२९

तएणं ते ईसाणकप्पवासी बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य बलिचंचा-रायहाणिवत्थव्वएहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य तामलिस्स बाल तवस्सिस्स सरीरयं हीलिज्जमाणं, णिंदिज्जमाणं जाव आकड्ढ-विकड्ढिं कीरमाणं पासंति, पासित्ता आसुरत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव ईसाणे देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं, विजएणं वद्धावेंति, वद्धावित्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलिचंचा-रायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिए कालगए जाणित्ता, ईसाणे कप्पे इंदत्ताए उववण्णे पासित्ता, आसुरत्ता जाव एगंते एडेंति, जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ।

तएणं से ईसाणे देविंदे देवराया तेसिं ईसाणकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य अंतिए एयमड्ढं सोच्चा णिसम्म आसुरत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तत्थेव सयणिज्जवरगए तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्ठु बलिचंचारायहाणिं अहे सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोएइ । तएणं सा बलिचंचा रायहाणी ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा अहे सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोइआ समाणी तेणं दिव्वप भावेणं इंगालब्भूया मुम्मुरब्भूया छारियब्भूया तत्तकवेलगब्भूया तत्ता समजोइब्भूया जाया या वि होत्था ।

३०

तएणं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तं बलिचंचारायहाणिं इंगालब्भूयं जाव समजोइब्भूयं पासंति, पासित्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया सव्वओ समंता आधावेंति परिधावेंति, आधावित्ता परिधावित्ता अण्णमण्णस्स कायं समतुरंगेमाणा चिट्ठंति, तए णं ते बलिचंचारायहा- णिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं परिकुव्वियं जाणित्ता ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणा सव्वे सपक्खिं सपडिदिसं ठिच्चा करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धावेंति वद्धावित्ता, एवं वयासी- अहो ! णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभि- समण्णागया, तं दिट्ठा णं देवाणुप्पियाणं दिव्वा देविड्ढी जाव लद्धा, पत्ता, अभि- समण्णागया, तं खामेमो णं देवाणुप्पिया ! खमंतु णं देवाणुप्पिया ! खंतुमरिहंति णं देवाणुप्पिया ! णाइ भुज्जो भुज्जो एवं करणयाए त्ति कट्ठु एयमड्ढं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेंति । तएणं से ईसाणे देविंदे देवराया तेहिं बलिचंचा- रायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एयमड्ढं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामिए समाणे तं दिव्वं देविड्ढिं जाव तेयलेस्सं पडिसाहरइ । तप्पभिइं च णं गोयमा ! ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं आढंति जाव पज्जुवासंति, ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो आणा- उववाय- वयण-णिद्वेसे चिट्ठंति, एवं खलु गोयमा ! ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया ।

- ३१ ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?
गोयमा ! साइरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।
- ३२ ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?
गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ।
- ३३ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो विमाणेहिंतो ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो विमाणा ईसिं उच्चयरा चेव, ईसिं उण्णयतरा चेव ? ईसाणस्स वा देविंदस्स देवरण्णो विमाणेहिंतो सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो विमाणा ईसिं णीययरा चेव, ईसिं णिण्णयरा चेव ?
हंता गोयमा ! सक्कस्स तं चेव सव्वं णेयव्वं ।
- ३४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?
गोयमा ! से जहाणामए करयले सिया देसे उच्चे देसे उण्णए, देसेणीए देसे णिण्णे; से तेणट्ठेणं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जाव ईसिं णिण्णयरा चेव ।
- ३५ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए ?
हंता पभू ।
- ३६ से णं भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ? गोयमा ! आढायमाणे पभू, णो अणाढायमाणे पभू ।
- ३७ पभू णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए ?
हंता पभू ।
- ३८ से णं भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ? गोयमा ! आढायमाणे वि पभू, अणाढायमाणे वि पभू ।
- ३९ पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया, ईसाणं देविंदं देवरायं सपक्खिं, सपडिदिसिं समभिलोइत्तए?
जहा पाउब्भवणा तहा दो वि आलावगा णेयव्वा ।
- ४० पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया, ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ? हंता गोयमा ! पभू जहा पाउब्भवो ।
- ४१ अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं किच्चाइं करणिज्जाइं समुप्पज्जंति ?
हंता अत्थि ।
- ४२ से कहमियाणिं पकरेंति ?

गोयमा ! ताहे चेवं णं से सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवइ, ईसाणे वा देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवइ- इति भो सक्का देविंदा देवराया दाहिणइढलोगा- हिवई ! इति भो ईसाणा देविंदा देवराया उत्तरइढ लोगाहिवई ! इति भो ! इति भो ! त्ति ते अण्णमण्णस्स किच्चाइं, करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ।

४३ अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं विवादा समुप्पज्जंति? हंता अत्थि ।

४४ से कहमियाणिं पकरेंति ?

गोयमा! ताहे चेव णं ते सक्कीसाणा देविंदा देवरायाणो सणंकुमारं देविंदं देवरायं मणसीकरेंति। तएणं से सणंकुमारे देविंदे देवराया तेहिं सक्कीसाणेहिं देविंदेहिं देवराईहिं मणसीकए समाणे खिप्पामेव सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं अंतियं पाउब्भवइ, जं से वयइ तस्स आणा उववाय वयण णिद्धेसे चिट्ठंति ।

४५ सणंकुमारे णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए ? अभवसिद्धिए ? सम्मदिट्ठी ? मिच्छदिट्ठी? परित्तसंसारए? अणंतसंसारए ? सुलभबोहिए ? दुल्लभबोहिए ? आराहए ? विराहए ? चरिमे ? अचरिमे ?

गोयमा ! सणंकुमारे णं देविंदे देवराया भवसिद्धिए, णो अभवसिद्धिए । एवं सम्मदिट्ठि, परित्तसंसारए, सुलभबोहिए, आराहए, चरिमे, पसत्थं णेयव्वं ।

४६ से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! सणंकुमारे देविंदे देवराया बहूणं समणाणं, बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए णिस्सेयसिएहिय-सुह-णिस्सेयसकामए से तेणट्ठेणं गोयमा ! सणंकुमारे णं भवसिद्धिए जाव णो अचरिमे ।

४७ सणंकुमारस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्त सागरोवमाणि ठिई पण्णत्ता ।

४८ से णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

४९ छट्ठममासो अद्धमासो, वासाइं अट्ठ छम्मासा ।
तीसग-कुरुदत्ताणं, तव भत्तपरिण्णा परियाओ ॥
उच्चत्त विमाणाणं, पाउब्भव पेच्छणा य संलावे ।
किच्च विवादुप्पत्ती, सणंकुमारे य भवियत्तं ॥ मोया सम्मत्ता ॥
॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था । जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए, सभाए सुहम्माए, चमरंसि सीहासणंसि, चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव णट्ठविहिं उवदंसेत्ता, जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ।
- २ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समण भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति?
- गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए । एवं सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव [अत्थि णं भंते!] ईसिप्पब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ? णो इणट्ठे समट्ठे ।
- से कहिं खाइ णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ?
- गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्स- बाहल्लाएएवं असुरकुमारदेव वत्तव्वया जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ।
- ३ अत्थि णं भंते ! असुरकुमारा देवाणं अहे गइविसए ? हंता, अत्थि ।
- केवइयं च णं भंते ! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव अहे सत्तमाए पुढवीए, तच्चं पुण पुढविं गया य गमिस्संति य ।
- ४ किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य ?
- गोयमा ! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइस्स वा वेदण-उवसामणयाए, एवं खलु असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य।
- ५ अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ? हंता, अत्थि ।
- केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ?
- गोयमा ! जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा, णंदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्संति य ।
- ६ किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा णंदिस्सरवरं दीवं गया य गमिस्संति य ?
- गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो, एएसि णं जम्मणमहेसु वा णिकखमणमहेसु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परिणिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु असुरकुमारा देवा णंदीसरवरं दीवं गया य गमिस्संति य ।
- ७ अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? हंता, अत्थि ।
- केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? गोयमा ! जाव अच्चुए कप्पे, सोहम्मं पुण कप्पं गया य गमिस्संति य ।

८ किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?

गोयमा ! तेसि णं देवाणं भवपच्चइए वेराणुबंधे । ते णं देवा विउव्वेमाणा, परियारेमाणा वा आयरक्खे देवे वित्तासेंति, अहालहुसगाइं रयणाइं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमंति ।

अत्थि णं भंते ! तेसिं देवाणं अहालहुसगाइं रयणाइं ? हंता, अत्थि । से कहमियाणिं पकरेंति ? तओ से पच्छा कायं पव्वहंति ।

९ पभू णं भंते ! असुरकुमारा देवा तत्थ गया चेव समाणा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए ।

णो इणढे समढे । ते णं तओ पडिणियत्तंति, तओ पडिणियत्तित्ता इहमागच्छंति, आगच्छित्ता जइ णं ताओ अच्छराओ आढायंति परियाणंति, पभू णं ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए । अह णं ताओ अच्छराओ णो आढायंति णो परियाणंति, णो णं पभू ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए । एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ।

१० केवइयकालस्स णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति, जाव सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?

गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणीहिं, अणंताहिं अवसप्पिणीहिं समइक्कंताहिं, अत्थि णं एस भावे लोयच्छेरयभूए समुप्पज्जइ, जं णं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति, जाव सोहम्मो कप्पो ।

११ किं णिस्साए णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति, जाव सोहम्मो कप्पो ?

गोयमा ! से जहा णामए इह सबरा इ वा, बब्बरा इ वा, टंकणा इ वा, चुचुयाइ इ वा, पल्हा इ वा पुलिंदा इ वा एगं महं रण्णं वा, गड्डं वा, दुग्गं वा, दरिं वा, विसमं वा, पव्वयं वा णीसाए सुमहल्लमवि आसबलं वा, हत्थिबलं वा, जोहबलं वा, धणुबलं वा, आगलेंति, एवामेव असुरकुमारा वि देवा णण्णत्थ अरिहंते वा, [अरिहंतचेइयाणि वा,] अणगारे वा भावियप्पणो णिस्साए उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ।

१२ सव्वे वि णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?

गोयमा ! णो इणढे समढे । महिड्ढिया णं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ।

१३ एस वि णं भंते ! चमरे असुरिंदे, असुरराया उड्ढं उप्पइयपुव्विं जाव सोहम्मो कप्पो ? हंता, गोयमा !

१४ अहो णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया महिड्ढीए महज्जुईए जाव कहिं पविट्ठा ? कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ।

१५ चमरेणं भंते ! असुरिंदेणं असुररणा सा दिव्वा देविड्ढी, तं चेव जाव किण्णा लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया ?

एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबूदीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले णामं सण्णिवेसे होत्था, वण्णओ । तत्थ णं बेभेले सण्णिवेसे पूरणे णामं गाहावई परिवसइ- अड्ढे दित्ते जहा तामलिस्स वत्तव्वया तहा णेयव्वा, णवरं चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहं करेत्ता जाव विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहं गहाय मुंडे भवित्ता दाणामए पव्वज्जाए पव्वइए वि य णं समाणे तं चेव जाव आयावणभूमीओ पच्चोरुहित्ता सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहं गहाय बेभेले सण्णिवेसे उच्च- णीय- मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडेत्ता, जं मे पढमे पुडए पडइ कप्पइ मे तं पंथे पहियाणं दलइत्तए, जं मे दोच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं काग- सुणयाणं दलइत्तए, जं मे तच्चे पुडए पडइ, कप्पइ मे तं मच्छ-कच्छभाणं दलइत्तए, जं मे चउत्थे पुडए पडइ कप्पइ मे तं अप्पणा आहारं आहारेत्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ संपेहित्ता कल्लं पाउप्पभाए रयणीए तं चेव णिरवसेसं जाव जं से चउत्थे पुडए पडइ तं अप्पणा आहारं आहारेइ।

तएणं से पूरणे बालतवस्सी तेणं ओरालेणं, विउलेणं, पयत्तेणं पग्गहिणं, बालतवोकम्मणं तं चेव जाव बेभेलस्स सण्णिवेसस्स मज्झिमज्झेणं णिगच्छइ, णिगच्छित्ता पाउयकुंडियामाईयं उवगरणं, चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहं एगंतमंते एडेइ, एडित्ता बेभेलस्स सण्णिवेसस्स दाहिणपुरत्थिमे दिसीभागे अद्धणियत्तणिय- मंडलं आलिहित्ता संलेहणाइसूणाइसूणिए, भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे ।

१६ तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! छउमत्थकालियाए एक्कारस- वासपरियाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणं संजमेणं तवसा अप्पणं भावेमाणे, पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे, गामाणुगामं दुइज्जमाणे जेणेव सुंसुमारपुरे णयरे जेणेव असोयवणसंडे उज्जाणे जेणेव असोयवरपायवे जेणेव पुढवीसिलापट्टए तेणेव उवागच्छामि, असोगवरपायवस्स हेट्ठा पुढवीसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं परिगिण्हामि, दो वि पाए साहट्ठु वग्घारियपाणी एगपोग्गलणिविट्ठदिट्ठी अणिमिसणयणे ईसिंपब्भारगएणं काएणं अहापणिहिएहिं गत्तेहिं सव्विंदिएहिं गुत्तेहिं एगराइयं महापडिमं उपसंपज्जेत्ता णं विहरामि ।

१७ तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरचंचा रायहाणी अणिंदा, अपुरोहिया यावि होत्था । तएणं से पूरणे बालतवस्सी बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं परियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए उववायसभाए जाव इंदत्ताए उववण्णे।

तएणं से चमरे असुरिंदे, असुरराया अहुणोववण्णे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तं जहा- आहारपज्जत्तीए जाव भास-मणपज्जत्तीए ।

१८ तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गए समाणे उड्ढं वीससाए ओहिणा आभोएइ जाव सोहम्मो कप्पो, पासइ य तत्थ सक्कं देविंदं देवरायं मघवं

पागसासणं सयक्कउं सहस्सकखं वज्जपाणिं पुरंदरं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं सोहम्मे कप्पे सोहम्मे वडिंसए विमाणे सक्कंसि सीहासणंसि जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ, पासित्ता इमेयारूवेअज्झत्थिए चिंतिए, पत्थिए, मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-केस णं एस अपत्थियपत्थए, दुरंतपंतलक्खणे, हिरिसिरिपरिवज्जिए, हीणपुण्णचाउद्दसे जं णं ममं इमाए एया-रूवाए दिव्वाए देविड्डीए जाव दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए उप्पिं अप्पुस्सुए दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ, संपेहित्ता सामाणिय-परिसोववण्णए देवे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी- केस णं एस देवाणुप्पिया ! अपत्थियपत्थए जाव भुंजमाणे विहरइ ?

तएणं ते सामाणियपरिसोववण्णगा देवा चमरेणं असुरिंदेणं असुररणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धावैत्ति, वद्धावेत्ता एवं वयासी- एस णं देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया जाव विहरइ।

१९

तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तेसिं सामाणियपरिसोववण्णगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा, णिसम्म आसुरत्ते, रुद्धे, कुविए, चंडिक्किए, मिसिमिसेमाणे ते सामाणियपरिसोववण्णगे देवे एवं वयासी-अण्णे खलु भो! से सक्के देविंदे देवराया, अण्णे खलु भो ! से चमरे असुरिंदे असुरराया, महिड्डीए खलु भो ! से सक्के देविंदे देवराया, अप्पिड्डीए खलु भो ! से चमरे असुरिंदे असुरराया; तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्छासाइत्तए त्ति कट्ठु उप्पिणे उप्पिणब्भूए जाए यावि होत्था ।

तएणं से चमरे असुरिंदे असुरराया ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ममं ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबूदीवे दीवे भारहे वासे संसुमारपुरे णयरे असोगवणसंडे उज्जाणे, असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं णीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्छासाइत्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता देवदूसं परिहेइ, परिहित्ता उववायसभाए पुरत्थिमिल्लेणं णिग्गच्छइ, णिगच्छित्ता जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव चोप्पाले पहरणकोसे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता फलिहरयणं परामुसइ, परामुसित्ता एगे अबीए फलिहरयण-मायाय महया अमरिसं वहमाणे चमरचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिगच्छित्ता जेणेव तिगिच्छकूडे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जाव वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता जाव उत्तरविउव्वियरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव पुढविसिलापट्टए, जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ जाव णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भे णीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्छासाइत्तए ।

२०

त्ति कट्ठु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमेइ, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, जाव दोच्चं पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, एगं महं घोरं घोरागारं भीमं भीमागारं भासुरं भयाणीयं गंभीरं

उत्तासणयं कालइडरत्तमासरासिसंकासं जोयणसयसाहस्सीयं महाबोदिं विउव्वइ, विउव्वित्ता अप्फोडेइ, अप्फोडित्ता वग्गइ, गज्जइ, हयहेसियं करेइ, हत्थिगुलगुलाइयं करेइ, रहघणघणाइयं करेइ, पायदद्वरगं करेइ, भूमिचवेडयं दलयइ, सीहणादं णदइ, उच्छोलेइ, पच्छोलेइ, तिवइं छिंदइ, वामं भुयं ऊसवेइ, दाहिणहत्थपदेसिणीए अंगुठुणहेण य वित्तिरिच्छमुहं विडंबेइ, विडंबित्ता महया महया सद्देण कलकलरवं करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाय उड्ढं वेहासं उप्पइए खोभंते चेव अहोलीयं, कंपेमाणे च मेइणीतलं, आकड्ढंते व तिरियलीयं, फोडेमाणे व अंबरतलं, कत्थइ गज्जंते, कत्थइ विज्जुयायंते, कत्थइ वासं वासमाणे, कत्थइ रयुग्घायं पकरेमाणे, कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे, वाणमंतरे देवे वित्तासमाणे, जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे, आयरक्खे देवे विपलायमाणे, फलिहरयणं अंबरतलंसि वियट्ठमाणे, वियट्ठमाणे विउब्भाएमाणे, विउब्भाएमाणे ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीव समुद्धानं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे जेणेव सोहम्मं कप्पे, जेणेव सोहम्मवडंसए विमाणे, जेणेव सभा सुहम्मं तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता एगं पायं पउमवरवेइयाए करेइ, एगं पायं सभाए सुहम्माए करेइ; फलिहरयणेणं महया महया सद्देणं तिक्खुत्तो इंदकीलं आउडेइ, आउडित्ता एवं वयासी- कहि णं भो! सक्के देविंदे देवराया ? कहि णं ताओ चउरासीइसामाणिय- साहस्सीओ ? जाव कहि णं ताओ चत्तारि चउरासीईओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ? कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ? अज्ज हणामि, अज्ज वहेमि, अज्ज ममं अवसाओ अच्छराओ वसमुवणमंतु त्ति कट्ठु तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं फरुसं गिरं णिसिरइ ।

२१

तए णं से सक्के देविंदे देवराया तं अणिट्ठं जाव अमणामं असुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्ठु चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वयासी-हं भो चमरा असुरिंदा असुरराया ! अपत्थियपत्थया जाव हीणपुण्णचाउदसा अज्ज ण भवसि ण हि ते सुहमत्थीति कट्ठु तत्थेव सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ, परामुसित्ता, तं जलंतं, फुडंतं, तडतडंतं उक्कासहस्साइं विणिम्मयमाणं, जालासहस्साइं पमुंचमाणं, इंगालसहस्साइं पविक्खिरमाणं पविक्खिरमाणं, फुलिंगजालामालासहस्सेहिं चक्खुविक्खेवदिट्ठि-पडिघायं पि पकरेमाणं हुयवहअइरेगतेयदिप्पंतं, जइणवेगं फुल्लकिंसुयसमाणं, महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररणो वहाए वज्जं णिसिरइ ।

तएणं से चमरे असुरिंदे असुरराया तं जलंतं जाव भयंकरं वज्जमभिमुहं आवयमाणं पासइ, पासित्ता झियाइ पिहाइ, झियायित्ता पिहाइत्ता तहेव संभग्ग- मउडविडए सालंबहत्थाभरणे उड्ढंपाए अहोसिरे कक्खागयसेयं पिव विणिम्मयमाणे विणिम्मयमाणे ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीव-समुद्धानं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे जेणेव जंबूदीवे जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भीए भयगग्गरसरे 'भगवं सरणं' इति बुयमाणे ममं दोण्ह वि पायाणं अंतरंसि झत्ति वेगेण समोवडिए ।

२२

तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरणो इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- णो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया, णो खलु समत्थे चमरे असुरिंदे असुरराया, णो खलु विसए चमरस्स असुरिंदस्स असुररणो अप्पणो णिस्साए उड्ढं उप्पइत्ता जाव सोहम्मो कप्पो,

णण्णत्थ अरिहंते, [अरिहंत चेइयाणि वा] अणगारे वा भाविअप्पणो णीसाए उड्ढं उप्पयइ जाव सोहम्मो कप्पो, तं महादुक्खं खलु तहारूवाणं अरिहंताणं भगवंताणं, अणगाराण य अच्चासायणाए त्ति कट्ठु ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ममं ओहिणा आभोएइ आभोइत्ता हा ! हा ! अहो ! हतो अहमंसि त्ति कट्ठु ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए देवगईए वज्जस्स वीहिं अणुगच्छमाणे तिरियमसंखेज्जाणं दीव-समुद्धानं मज्झमज्झेणं जाव जेणेव असोगवरपायवे, जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ, ममं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरइ, अवियाइं मे गोयमा ! मुट्ठिवाएणं केसग्गे वीइत्था ।

तएणं से सक्के देविंदे देवराया वज्जं पडिसाहरित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ, करित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! अहं तुब्भं णीसाए चमरेणं असुरिंदेण असुररणा सयमेव अच्चासाइए तएणं मए परिकुविणं समाणेणं चमरस्स असुरिंदस्स असुररणो वहाए वज्जे णिसट्ठे, तएणं ममं इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- णो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया, तहेव जाव ओहिं पउंजामि, देवाणुप्पिए ओहिणा आभोएमि, हा ! हा ! अहो ! हओ म्हि त्ति कट्ठु ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव देवाणुप्पिए तेणेव उवागच्छामि । देवाणुप्पियाणं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरामि, वज्जपडिसाहरणट्ठयाए णं इहमागए, इह समोसडे, इह संपत्ते, इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि । तं खामेमि णं देवाणुप्पिया ! खमंतु णं देवाणुप्पिया! खंतुमरहंति णं देवाणुप्पिया ! णाइ भुज्जो एवं करणयाए त्ति कट्ठु ममं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता, उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ, वामेणं पाएणं तिक्खुत्तो भूमिं दालेइ, दालित्ता चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वयासी-मुक्को सि णं भो चमरा असुरिंदा असुरराया ! समणस्स भगवओ महावीरस्स पभावेणं । ण हि ते इयाणिं ममाओ भयं अत्थि त्ति कट्ठु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ।

२३

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महाणुभागे पुव्वामेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्ठित्ता णं गेण्हित्तए ? हंता, पभू ।

से केणट्ठेणं जाव गिण्हित्तए ?

गोयमा ! पोग्गले णं खित्ते समाणे पुव्वामेव सिग्घगई भवित्ता तओ पच्छा मंदगई भवइ, देवे णं महिड्ढीए पुव्विं पि य, पच्छा वि सीहे सीहगई चेव, तुरिए तुरियगई चेव, से तेणट्ठेणं जाव पभू गेण्हित्तए ।

२४

जइ णं भंते ! देवे महिड्ढीए जाव अणुपरियट्ठित्ता णं गेण्हित्तए, कम्हा णं भंते ! सक्केणं देविंदेण देवरणा, चमरे असुरिंदे असुरराया णो संचाइए साहत्थिं गेण्हित्तए ?

गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए सीहे सीहे चेव तुरिए तुरिए चेव; उड्ढं गइविसए अप्पे अप्पे चेव, मंदे मंदे चेव; वेमाणियाणं देवाणं उड्ढं गइविसए सीहे सीहे चेव, तुरिए तुरिए चेव; अहे गइविसए अप्पे अप्पे चेव, मंदे मंदे चेव; जावइयं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया उड्ढं

उप्पयइ एक्केणं समएणं तं वज्जे दोहिं, जं वज्जे दोहिं तं चमरे तिहिं । सव्वथोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो उड्ढलोयकंडए, अहेलोयकंडए संखेज्जगुणे । जावइयं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया अहे उवयइ एक्केणं समएणं तं सक्के दोहिं, जं सक्के दोहिं तं वज्जे तीहिं । सव्वथोवे चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अहेलोयकंडए, उड्ढलोयकंडए संखेज्जगुणे, एवं खलु गोयमा ! सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा, चमरे असुरिंदे असुरराया णो संचाइए साहत्थिं गेण्हित्तए ।

२५ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो उड्ढं अहे तिरियं च गइविसयस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पे वा, बहुए वा, तुल्ले वा, विसेसाहिए वा ?

गोयमा ! सव्वथोवं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया अहे उवयइ एक्केणं समएणं, तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ, उड्ढं संखेज्जे भागे गच्छइ ।

२६ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो उड्ढं अहे तिरियं च गइविसयस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पे वा, बहुए वा, तुल्ले वा, विसेसाहिए वा ?

गोयमा ! सव्वथोवं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया उड्ढं उप्पयइ एक्केणं समएणं, तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ, अहे संखेज्जे भागे गच्छइ ।

वज्जं जहा सक्कस्स तहेव, णवरं विसेसाहियं कायव्वं ।

२७ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो ओवयणकालस्स य, उप्पयणकालस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा, बहुया वा, तुल्ला वा, विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वथोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो उप्पयणकाले, ओवयणकाले संखेज्जगुणे ।

चमरस्स वि जहा सक्कस्स, णवरं सव्वथोवे ओवयणकाले, उप्पयणकाले संखेज्जगुणे ।

२८ वज्जस्स पुच्छा ? गोयमा । सव्वथोवे उप्पयणकाले, ओवयणकाले विसेसाहिए ।

२९ एयस्स णं भंते ! वज्जस्स, वज्जाहिवइस्स, चमरस्स य असुरिंदस्स असुररण्णो ओवयणकालस्स य, उप्पयणकालस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा, बहुया वा, तुल्ला वा, विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सक्कस्स य उप्पयणकाले, चमरस्स य ओवयणकाले, एए णं दोण्णि वि तुल्ला सव्वथोवा, सक्कस्स य ओवयणकाले, वज्जस्स य उप्पयणकाले एस णं दोण्ह वि तुल्ले संखेज्जगुणे, चमरस्स य उप्पयणकाले, वज्जस्स य ओवयणकाले, एस णं दोण्ह वि तुल्ले विसेसाहिए ।

३० तएणं से चमरे असुरिंदे असुरराया वज्जभयविप्पमुक्के सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा महया अवमाणेणं अवमाणिए समाणे चमरंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि ओहयमणसंकप्पे चिंतासोगसागरसंपविट्ठे, करयल पल्हत्थमुहे, अट्टज्झाणोवगए भूमिगयाए दिट्ठीए झियाइ, तएणं चमरं असुरिंदं असुररायं सामाणियपरिसोववण्णया देवा ओहयमणसंकप्पं

जाव झियायमाणं पासंति, पासित्ता करयल जाव एवं वयासी- किं णं देवाणुप्पिया ! ओहयमण संकप्पा जाव झियायह ? तएणं से चमरे असुरिंदे असुरराया ते सामाणिय परिसोववण्णए देवे एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए समणं भगवं महावीरं णीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्छासाइए । तओ तेणं परिकुविणं समाणेणं ममं वहाए वज्जे णिसिद्धे । तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पिया ! समणस्स भगवओ महावीरस्स, जस्स म्हि पभावेणं अकिद्धे अव्वहिए अपरिताविए इहमागए इह समोसडे इह संपत्ते, इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ताणं विहरामि ।

३१

तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं वंदामो, णमंसामो जाव पज्जुवासामो त्ति कट्ठु चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव सत्विड्डीए जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव ममं अंतियं तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ जाव णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु भंते! मए तुब्भं णीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्छासाइए जाव तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पियाणं जस्स म्हि पभावेणं अकिद्धे जाव विहरामि, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ जाव बत्तीसइबद्धं णट्ठविहिं उवदंसेइ, उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए, तामेव दिसिं पडिगए । एवं खलु गोयमा! चमरेणं असुरिंदेणं असुररण्णा सा दिव्वा देविड्डी जाव लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया। ठिई सागरोवमं । महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ।

३२

किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?

गोयमा ! तेषि णं देवाणं अहुणोववण्णाण वा चरिमभवत्थाण वा इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जइ-अहो! णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्डी लद्धा पत्ता जाव अभिसमण्णागया । जारिसिया णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्डी जाव अभिसमण्णागया, तारिसिया णं सक्केणं देविंदेण देवरण्णा दिव्वा देविड्डी जाव अभिसमण्णागया । जारिसिया णं सक्केणं देविंदेण देवरण्णा जाव अभिसमण्णागया, तारिसिया णं अम्हेहि वि जाव अभिसमण्णागया । तं गच्छामो णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवामो, पासामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं, पासउ ताव अम्ह वि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं। तं जाणामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं, जाणउ ताव अम्ह वि सक्के देविंदे, देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं । एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति, जाव सोहम्मो कप्पो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव अंतेवासी मंडियपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-

कइ णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ?

मंडियपुत्ता ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ तं जहा- काइया, अहिगरणिया, पाओसिया, पारियावणिया, पाणाइवायकिरिया ।

२ काइया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ?

मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अणुवरयकायकिरिया य, दुप्पउत्तकाय- किरिया य ।

३ अहिगरणिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ?

मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संजोयणाहिगरणकिरिया य, णिवत्तणाहिगरणकिरिया य ।

४ पाओसिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ?

मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- जीवपाओसिया य, अजीव- पाओसिया य ।

५ पारियावणिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ?

मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सहत्थपारियावणिया य, परहत्थ पारियावणिया य ।

६ पाणाइवायकिरिया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ?

मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सहत्थपाणाइवायकिरिया य, परहत्थपाणाइवायकिरिया य ।

७ पुव्वं भंते ! किरिया, पच्छा वेयणा ? पुव्वं वेयणा, पच्छा किरिया ?

मंडियपुत्ता ! पुव्वं किरिया, पच्छा वेयणा । णो पुव्वं वेयणा पच्छा किरिया ।

८ अत्थि णं भंते ! समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि ।

कहं णं भंते ! समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ?

मंडियपुत्ता ! पमायपच्चया, जोगणिमित्तं च; एवं खलु समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ।

९ जीवे णं भंते ! सया समियं एयइ वेयइ चलइ फंदइ घट्टइ खुब्भइ उदीरइ तं तं भावं परिणमइ ?

हंता मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ।

१० जावं च णं भंते ! से जीवे सया समियं एयइ जाव परिणमइ, तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

११ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जावं च णं से जीवे सया समियं एयइ जाव अंते अंतकिरिया ण भवइ ?

मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समियं एयइ जाव परिणमइ, तावं च णं से जीवे आरंभइ सारंभइ समारंभइ आरंभे वट्ठइ सारंभे वट्ठइ समारंभे वट्ठइ; आरंभमाणे सारंभमाणे समारंभमाणे आरंभे वट्ठमाणे सारंभे वट्ठमाणे समारंभे वट्ठमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खावणयाए सोयावणयाए जूरावणयाए तिप्पावणयाए पिट्ठावणयाए परियावणयाए वट्ठइ, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ- जावं च णं से जीवे सया समियं एयइ जाव परिणमइ, तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतिकिरिया ण भवइ ।

१२ जीवे णं भंते ! सया समियं णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ ?

हंता, मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं णो एयइ जाव णो परिणमइ ।

१३ जावं च णं भंते ! से जीवे णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ, तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतिकिरिया भवइ ?

हंता जाव अंते अंतिकिरिया भवइ ।

१४ से केणट्ठेणं भंते ! जाव अंतिकिरिया भवइ ?

मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयइ जाव णो परिणमइ, तावं च णं से जीवे णो आरंभइ णो सारंभइ णो समारंभइ; णो आरंभे वट्ठइ णो सारंभे वट्ठइ णो समारंभे वट्ठइ; अणारंभमाणे असारंभमाणे असमारंभमाणे; आरंभे अवट्ठमाणे सारंभे अवट्ठमाणे समारंभे अवट्ठमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं अदुक्खावणयाए जाव अपरितावणयाए वट्ठइ। से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ- जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयइ जाव णो तं तं भाव परिणमइ, तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतिकिरीया भवइ ।

१५ से जहाणामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से णूणं मंडियपुत्ता ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाने खिप्पामेव मसमसाविज्जइ ? हंता, मसमसाविज्जइ।

से जहाणामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदुं पक्खिवेज्जा, से णूणं मंडियपुत्ता! से उदगबिंदू तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाने खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ? हंता, विद्धंसमागच्छइ ।

से जहा णामए हरए सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्ठमाणे वोसट्ठमाणे समभर घडत्ताए चिट्ठइ। अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सयासवं सयच्छिद्धं ओगाहेज्जा । से णूणं मंडियपुत्ता ! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरेमाणी आपूरेमाणी पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्ठमाणा वोसट्ठमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ ? हंता चिट्ठइ । अहे णं केइ पुरिसे तीसे णावाए सव्वओ समंता आसवदाराइं पिहेइ, पिहित्ता णावा-उस्सिंचणएणं उदयं उस्सिंचिज्जा, से णूणं मंडियपुत्ता! सा णावा तंसि उदयंसि उस्सिंचिज्जंसि समानंसि खिप्पामेव उड्ढं उद्धाइ? हंता, उद्धाइ।

१६ एवामेव मंडियपुत्ता! अत्तत्तासंवुडस्स अणगारस्स ईरियासमियस्स जाव गुत्तबंभयारिस्स, आउत्तं गच्छमाणस्स चिद्धमाणस्स णिसीयमाणस्स तुयट्ठमाणस्स आउत्तं वत्थ-पडिग्गह-कंबल-पायपुंछणं गेण्हमाणस्स णिक्खिण्वमाणस्स जाव चक्खुपम्हणिवायमवि वेमाया सुहुमा ईरियावहिया किरिया कज्जइ । सा पढम समय बद्धपुट्ठा, बिइयसमयवेइया, तइयसमयणिज्जरिया, सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया णिज्जिण्णा सेयकाले अकम्मं वावि भवइ। से तेण्हणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयइ जाव अंते अंतकिरिया भवइ।

१७ पमत्तसंजयस्स णं भंते! पमत्तसंजमे वट्ठमाणस्स सव्वा वि य णं पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ?

मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धा।

१८ अप्पमत्तसंजयस्स णं भंते ! अप्पमत्तसंजमे वट्ठमाणस्स सव्वा वि य णं अप्पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ?

मण्डियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुतं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धं ।

सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति मंडियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावमाणे विहरइ ।

१९ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्धे चाउद्धस्सट्ठमुद्धिद्ध- पुण्णमासिणीसु अइरेगं वड्ढइ वा हायइ वा ?

जहा जीवाभिगमे लवणसमुद्धवत्तव्वया तहा णेयव्वा जाव लोयट्ठिई लोयाणुभावे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देशो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

१ अणगारे णं भंते! भावियप्पा देवं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ?

गोयमा ! अत्थेगइए देवं पासइ, णो जाणं पासइ; अत्थेगइए जाणं पासइ, णो देवं पासइ, अत्थेगइए देवं पि पासइ, जाणंपि पासइ; अत्थेगइए णो देवं पासइ णो जाणं पासइ ।

२ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देविं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! एवं चेव ।

३ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं सदेवीयं वेउच्चियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ?

गोयमा ! अत्थेगइए देवं सदेवीयं पासइ, णो जाणं पासइ; एएणं अभिलावेणं चत्तारि भंगा ।

४ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स िकि अंतो पासइ, बाहि पासइ ?

चउभंगो । एवं किं मूलं पासइ, कंदं पासइ ? चउभंगो । मूलं पासइ, खंधं पासइ ? चउभंगो । एवं जाव मूलेणं बीयं संजोएयव्वं । एवं कंदेण वि समं संजोए-यव्वं जाव बीयं । एवं जाव पुप्फेण समं बीयं संजोएयव्वं जाव अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं फलं पासइ, बीयं पासइ ? चउभंगो ।

५ पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं इत्थिरूवं वा पुरिस रूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूवं वा एवं जुग्ग- गिल्लि- थिल्लि-सीय-संदमाणियरूवं वा विउच्चित्तए ?

गोयमा ! णो इण्ठे सम्भे । वाउकाए णं विउच्चेमाणे एगं महं पडागासंठियरूवं विउच्चइ ।

६ पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं पडागासंठियं रूवं विउच्चित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए । हंता, पभू ।

७ से भंते ! किं आयइढीए गच्छइ, परिइढीए गच्छइ ?

गोयमा ! आयइढीए गच्छइ, णो परिइढीए गच्छइ । जहा आयइढीए एवं चेव आयकम्मुणा वि, आयप्पओगेण वि

८ से भंते ! किं ऊसिओदयं गच्छइ, पयओदयं गच्छइ ? गोयमा ! ऊसिओदयं पि गच्छइ, पयओदयं पि गच्छइ ?

९ से भंते ! किं एगओपडागं गच्छइ, दुहओपडागं गच्छइ ? गोयमा ! एगओपडागं गच्छइ, णो दुहओपडागं गच्छइ ।

१० से णं भंते ! किं वाउकाए पडागा ? गोयमा ! वाउकाए णं से, णो खलु सा पडागा ।

११ पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा परिणामेत्तए ? हंता, पभू ।

१२ पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? हंता, पभू ।

१३ से भंते ! किं आयइढीए गच्छइ, परिइढीए गच्छइ ?

गोयमा ! णो आयइढीए गच्छइ, परिइढीए गच्छइ । एवं णो आयकम्मुणा, परकम्मुणा । णो आयप्पयोगेणं, परप्पयोगेणं । ऊसिओदयं वा गच्छइ, पयओदयं वा गच्छइ ।

१४ से भंते ! किं बलाहए इत्थी ?

गोयमा ! बलाहए णं से, णो खलु सा इत्थी । एवं पुरिसे, आसे, हत्थी ।

१५ पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं जाणरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमेत्तए ?

जहा इत्थिरूवं तहा भाणियव्वं । णवरं एगओ चक्कवालं पि, दुहओ चक्कवालं पि गच्छइ । जुग्ग-गिल्लि- थिल्लि-सीया-संदमाणियाणं तहेव भाणियव्वं ।

१६ जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं लेसेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ, तल्लेसेसु उववज्जइ, तं जहा- कण्हलेसेसु वा, णीललेसेसु वा, काउलेसेसु वा; एवं जस्स जा लेस्सा सा तस्स भाणियव्वा जाव-

१७ जीवे णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए पुच्छा ?

गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं जहा- तेउलेसेसु ।

१८ जीवे णं भंते ! जे भविए वेमाणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं लेसेसु उववज्जइ ?

गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं जहा- तेउलेसेसु वा पम्हलेसेसु वा सुक्कलेसेसु वा ।

१९ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा, पल्लंघेत्तए वा ? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे ।

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा, पल्लंघेत्तए वा । हंता पभू ।

२० अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता जावइयाइं रायगिहे णयरे रूवाइं, एवइयाइं विउव्वित्ता वेभारं पव्वयं अंतो अणुप्पविसित्ता पभू समं वा विसमं करेत्तए, विसमं वा समं करेत्तए ?

गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे । एवं चेव बिईओ वि आलावगो णवरं परियाइत्ता पभू ।

२१ से भंते ! किं माई विउव्वइ, अमाई विउव्वइ ? गोयमा ! माई विउव्वइ, णो अमाई विउव्वइ ।

२२ से केण्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो अमाई विउव्वइ ?

गोयमा ! माई णं पणीयं पाण-भोयणं भोच्चा भोच्चा वामेइ, तस्स णं तेणं पणीएणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा बहली भवंति, पयणुए मंस-सोणिए भवइ; जे वि य से अहा बायरा पोग्गला ते वि य से परिणमंति, तं जहा- सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए; अट्ठि अट्ठिमिंज- केसमंसुरोमणहत्ताए सुक्कत्ताए सोणियत्ता । अमाई णं लूहं पाण-भोयणं भोच्चा भोच्चा णो वामेइ, तस्स णं तेणं लूहेणं पाण-भोयणेणं अट्ठि-अट्ठिमिंजा पयणुभवंति, बहले मंस

सोणिए; जे वि य से अहाबायरा पोग्गला ते वि य से परिणमंति, तं जहा- उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए । से तेणट्ठेणं जाव णो अमाई विउव्वइ ।

माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा । अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो उद्देशो

१ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं इत्थीरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

२ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगं महं इत्थीरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? हंता, पभू ।

३ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू इत्थिरूवाइं विउव्वित्तए ?

गोयमा ! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा वेउव्विय समुग्घाएणं समोहणइ जाव पभू णं गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा केवलकप्पं जंबूदीवं दीवं बहूहिं इत्थिरूवेहिं आइण्णं वित्तिकिण्णं जाव करेत्तए । एस णं गोयमा ! अणगारस्स भावियप्पणो अयमेयारूवे विसए, विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा । एवं परिवाडीए णेयव्वं जाव संदमाणिया ।

४ से जहाणामए केइ पुरिसे असि-चम्मपायं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा असि-चम्मपायहत्थ-किच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पइज्जा ? हंता, उप्पइज्जा ।

५ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू, असिचम्मपायहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए?

गोयमा ! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, तं चेव जाव विउव्विंसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा ।

६ से जहा णामए केइ पुरिसे एगओपडागं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा एगओपडागाहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा ।

७ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू एगओपडागाहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए? एवं चेव जाव विउव्विंसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा । एवं दुहओपडागं पि ।

- ८ से जहाणामए केइ पुरिसे एगओजण्णोवइयं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे णं भावियप्पा एगओजण्णोवइयकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता, उप्पएज्जा ।
- ९ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू एगओजण्णोवइयकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ? तं चेव जाव विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा । एवं दुहओ जण्णोवइयं पि ।
- १० से जहाणामए केइ पुरिसे एगओपल्हत्थियं काउं चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा जाव चिट्ठेज्जा ? एवं चेव जाव विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा; एवं दुहओपल्हत्थियं पि ।
- ११ से जहा णामए केइ पुरिसे एगओपलियंकं काउं चिट्ठेज्जा एवामेव अणगारे वि ? तं चेव जाव विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा; एवं दुहओ पलियंकं पि ।
- १२ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं आसरूवं वा, हत्थिरूवं वा, सीहरूवं वा, वग्घरूवं वा, विगरूवं वा, दीवियरूवं वा, अच्छरूवं वा, तरच्छरूवं पारासररूवं वा अभिजुंजित्तए ? णो इण्ठे समट्ठे ।
- १३ अणगारे णं भंते भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू जाव अभिजुंजित्तए ? हंता, पभू ।
- १४ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा एगं महं आसरूवं वा अभिजुंजित्ता अणेगाइं जोयणाइं पभू गमित्तए ? हंता, पभू ।
- १५ से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ, परिड्ढीए गच्छइ ? गोयमा ! आयड्ढीए गच्छइ, णो परिड्ढीए; एवं आयकम्मूणा, णो परकम्मूणा, आयप्पओगेणं, णो परप्पओगेणं । उस्सिओदयं वा गच्छइ, पयओदयं वा गच्छइ ।
- १६ से णं भंते ! किं अणगारे आसे ? गोयमा ! अणगारे णं से, णो खलु से आसे; एवं जाव पारासररूवं वा ।
- १७ से भंते ! किं माई अभिजुंजइ (विउव्वइ), अमाई अभिजुंजइ ? गोयमा ! माई अभिजुंजइ णो अमाई अभिजुंजइ ।
- १८ माई णं भंते ! तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ, कहिं उववज्जइ ? गोयमा ! अण्णयरेसु आभिओगेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जइ ।
- १९ अमाई णं भंते ! तस्स ठाणस्स आलोइय-पडिक्कंते कालं करेइ, कहिं उववज्जइ ?

गोयमा ! अण्णयरेसु अणाभिओगिएसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जइ ।। सेवं भंते! सेवं भंते!।।

२० इत्थी असी पडागा, जण्णोवइए य होइ बोधव्वे,
पल्हत्थिय पलियंके, अभिओग कुव्वणा माई ।

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

१ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्विय- लद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसिं णयरिं समोहए, समोहणित्ता रायगिहे णयरे रूवाइं जाणइ, पासइ ? हंता, जाणइ पासइ।

२ से भंते ! कि तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ? गोयमा! णो तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णो तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं रायगिहे णयरे समोहए, समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणामि पासामि; से से दंसणे विवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव पासइ ।

४ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए जाव रायगिहे णयरे समोहए, समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणइ पासइ ?

हंता, जाणइ पासइ । तं चेव जाव तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं वाणारसीए णयरीए समोहए, समोहणित्ता रायगिहे णयरे रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

५ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्विय लद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसीं णयरिं रायगिहं च णयरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए, समोहणित्ता वाणारसिं णयरिं, रायगिहं च णयरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ? हंता, जाणइ पासइ ।

६ से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ?

गोयमा ! णो तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

७ से केणट्ठेणं भंते ! जाव पासइ ?

गोयमा ! तस्स खलु एवं भवइ- एस खलु वाणारसी णयरी, एस खलु रायगिहे णयरे, एस खलु अंतरा एगे महं जणवयवग्गे । णो खलु एस महं वीरिय- लद्धि वेउव्वियलद्धि विभंगणाणलद्धी;

इड्ढी जुई जसे बले वीरिए, पुरिसक्कार- परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए । से से दंसणे विवच्चासे भवइ । से तेणट्ठेणं जाव पासइ ?

८ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए, वेउच्चिय लद्धीए, ओहिणाणलद्धीए रायगिहं णयरं समोहए, समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणइ पासइ ? हंता, जाणइ पासइ ।

९ से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ?

गोयमा ! तहाभावं जाणइ पासइ, णो अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

१० से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं रायगिहे णयरे समोहए, समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणामि पासामि; से से दंसणे अविवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ । बीओ आलावगो एवं चेव। णवरं-वाणारसीए णयरीए समोहणा णेयव्वा रायगिहे णयरे रूवाइं जाणइ, पासइ ।

११ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउच्चिय लद्धीए ओहिणाणलद्धीए रायगिहं णयरं, वाणारसिं णयरीं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए, समोहणित्ता रायगिहं णयरं, वाणारसिं णयरीं, तं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ? हंता, जाणइ पासइ ।

१२ से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ, अण्णहाभावं जाणइ पासइ ?

गोयमा ! तहाभावं जाणइ पासइ, णो अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

१३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ णो खलु एस रायगिहे णयरे, णो खलु एस वाणारसी णयरी, णो खलु एस अंतरा एगे जणवयवग्गे, एस खलु ममं वीरियलद्धी वेउच्चियलद्धी ओहिणाणलद्धी इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए । से से दंसणे अविवच्चासे भवइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तहाभावं जाणइ पासइ, णो अण्णहाभावं जाणइ पासइ ।

१४ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं गामरूवं वा णयररूवं वा जाव सण्णिवेसरूवं वा विउच्चित्तए ?

णो इणट्ठे समट्ठे । एवं बिईओ वि आलावगो, णवरं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ।

१५ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू गामरूवाइं विउच्चित्तए ?

गोयमा ! से जहा णामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, तं चेव जाव विउच्चिंसु वा विउच्चंति वा विउच्चिस्संति वा एवं जाव सण्णिवेसरूवं वा ।

१६ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो कइ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! चत्तारि चउसट्ठीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । ते णं आयरक्खा जाव वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे । एवं सव्वेसिं इंदाणं जस्स जत्तिआ आयरक्खा ते भाणियव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ रायगिहे णयरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कइ लोगपाला पण्णत्ता?

गोयमा ! चत्तारि लोगपाला पण्णत्ता, तं जहा- सोमे, जमे, वरुणे, वेसमणे।

२ एएसि णं भंते ! चउण्हं लोगपालाणं कइ विमाणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चत्तारि विमाणा पण्णत्ता, तं जहा- संझप्पभे, वरसिद्धे, सयंजले, वग्गू ।

३ कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते?

गोयमा ! जंबूद्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणे णं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्त तारारूवाणं बहूइं जोयणाइं जाव पंच वडैसिया पण्णत्ता, तं जहा- असोग-वडैसए, सत्तवण्ण-वडैसए, चंपयवडैसए, चूयवडैसए, मज्झो सोहम्मवडैसए । तस्स णं सोहम्मवडैसयस्स महाविमाणस्स पुरत्थिमे णं सोहम्मो कप्पे असंखेज्जाइं जोयणाइं वीडवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते। अद्धतेरसजोयण सयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, उणयालीसं जोयणसयसहस्साइं, बावण्णं च सहस्साइं, अट्ठ य अडयाले जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते । जा सूरियाभ विमाणस्स वत्तव्वया सा अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अभिसेओ; णवरं सोमो देवो ।

संझप्पभस्स णं महाविमाणस्स अहे, सपक्खिं, सपडिदिसिं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स, देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सोमा णामं रायहाणी पण्णत्ता- एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्वीवप्प-माणा । वेमाणियाणं पमाणस्स अद्धं णेयव्वं जाव ओवारियलेणं सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, पण्णासं जोयणसहस्साइं, पंच य सत्ताणउए जोयणसए किंचि विसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते । पासायाणं चत्तारि परिवाडीओ णेयव्वाओ, सेसा णत्थि ।

४ सक्कस्स णं देविंदस्स, देवरण्णो सोमस्स महारण्णो इमे देवा आणा- उववाय-वयण-णिद्धेसे चिट्ठंति, तं जहा- सोमकाइया इ वा, सोमदेवयकाइया इ वा, विज्जुकुमारा विज्जुकुमारीओ

अग्गिकुमारा अग्गिकुमारीओ वायुकुमारा वायुकुमारीओ; चंदा सूरा गहा णक्खत्ता तारारूवा, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णे सोमस्स महारण्णे आणा-उववाय-वयण-णिद्वेसे चिद्वंति ।

५ जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तं जहा- गहदंडा इ वा, गहमुसला इ वा, गहगज्जिया इ वा, एवं गहजुद्धा इ वा, गहसिंघाडगा इ वा, गहावसच्चा इ वा, अब्भा इ वा, अब्भरुक्खा इ वा, संझा इ वा, गंधव्वणगरा इ वा, उक्कापाया इ वा, दिसिदाहा इ वा, गज्जिआ इ वा, विज्जू इ वा, पंसुवुट्ठी इ वा, जूवे इ वा, जक्खालित्तए इ वा, धूमिया इ वा, महिया इ वा, रयुग्घाए इ वा, चंदोवरागा इ वा, सूरुवरागा इ वा, चंदपरिवेसा इ वा, सूरपरिवेसा इ वा, पडिचंदा इ वा, पडिसूरा इ वा, इंदधणू इ वा, उदगमच्छा इ वा कपिहसिया इ वा, अमोहा इ वा, पाईणवाया इ वा, पडीणवाया इ वा जाव संवट्ठयवाया इ वा, गामदाहा इ वा जाव सण्णिवेसदाहा इ वा, पाणक्खया, जणक्खया, धणक्खया, कुलक्खया, वसणब्भूया अणारिया; जेयावण्णे तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णे सोमस्स महारण्णे अण्णाया, अदिट्ठा, असुया, अमुया(अस्सुया) अविण्णाया; तेसिं वा सोमकाइयाणं देवाणं ।

६ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णे सोमस्स महारण्णे इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तं जहा- इंगालए, वियालए, लोहिअक्खे, सणिच्चरे, चंदे, सूरु, सुक्के, बुहे, बहस्सई, राहू ।

७ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णे सोमस्स महारण्णे सतिभागं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । एवं महिड्ढीए जाव महाणुभागे सोमे महाराया ।

८ कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णे, जमस्स महारण्णे वरसिद्धे णामं महाविमाणे पण्णत्ते?

गोयमा ! सोहम्मवडिंयस्स महाविमाणस्स दाहिणेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीईवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णे जमस्स महारण्णे वरसिद्धे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरसजोयणसयहसस्साइं, जहा सोमस्स विमाणं तहा जाव अभिसेओ । रायहाणी तहेव जाव पासायपंतीओ ।

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णे जमस्स महारण्णे इमे देवा आणा जाव चिद्वंति; तं जहा जमकाइया इ वा, जमदेवयकाइया इ वा पेयकाइया इ वा पेय- देवयकाइया इ वा असुरकुमारा असुरकुमारीओ कंदप्पा णिरयवाला आभिओगा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णे जमस्स महारण्णे आणाए जाव चिद्वंति;

९ जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तं जहा- डिंभा इ वा, डमरा इ वा, कलहा इ वा, बोला इ वा, खारा इ वा, महाजुद्धा इ वा, महासंगामा इ वा, महासत्थणिवडणा इ वा, एवं महापुरिसणिवडणा इ वा, महारुहिरणिवडणा इ वा, दुब्भूआ इ वा, कुलरोगा इ वा, गामरोगा इ वा, मंडलरोगा इ वा, णगररोगा इ वा, सीसवेयणा इ वा,

अच्छिवेयणा इ वा, कण्णवेयणा इ वा, णहवेयणा इ वा, दंतवेयणा इ वा, इंदग्गहा इ वा, खंदग्गहा इ वा, कुमारग्गहा इ वा, जक्खग्गहा इ वा, भूयग्गहा इ वा, एगाहिया इ वा, बेयाहिया इ वा, तेयाहिया इ वा, चाउत्थाहिया इ वा, उव्वेयगा इ वा, कासा इ वा, सासा इ वा, सोसा इ वा, जरा इ वा, दाहा इ वा, कच्छकोहा इ वा, अजीरया इ वा, पंडुरोगा इ वा, हरिसा इ वा, भगंदरा इ वा, हिययसूला इ वा, मत्थयसूला इ वा, जोणिसूला इ वा, पाससूला इ वा, कुच्छिसूला इ वा, गाममारी इ वा, णगरमारी इ वा, खेडमारी इ वा, कब्बडमारी इ वा, दोणमुहमारी इ वा, मडम्बमारी इ वा, पट्टणमारी इ वा, आसममारी इ वा, संबाहमारी इ वा, सण्णिवेसमारी इ वा, पाणक्खया, जणक्खया, धणक्खया, कुलक्खया, वसणभूया अणारिया, जे यावि अण्णे तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्समहारण्णो अण्णाया जाव तेसिं वा जमकाइयाणं देवाणं।

सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तं जहा-

अंबे अंबरिसे चेव, सामे सबले त्ति यावरे,
रुद्धोवरुद्धे काले य, महाकाले त्ति यावरे ॥१॥

असिपत्ते धणू कुंभे, वालू वेयरणी त्ति य ।
खरस्सरे महाघोसे, एमेए पण्णरसास्सहिया ॥२॥

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सतिभागं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता ।
अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । एवं महिइडिहिए जाव जमे महाराया।

१०

कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो संयजले णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडेंसयस्स महाविमाणस्स पच्चत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं,
जहा सोमस्स तहा विमाणरायहाणीओ भाणियव्वा जाव पासायवडेंसया । णवरं णामं णाणत्तं ।

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो जाव चिट्ठंति, तं जहा- वरुणकाइया इ वा,
वरुणदेवयकाइया इ वा, णागकुमारा, णागकुमारीओ, उदहिकुमारा, उदहीकुमारीओ,
थणियकुमारा, थणियकुमारीओ; जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिआ जाव चिट्ठंति ।

जंबूद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तं जहा- अइवासा इ वा,
मंदवासा इ वा, सुवुड्डी इ वा, दुवुड्डी इ वा, उदब्भेदा इ वा, उदप्पीला इ वा, उदव्वाहा इ वा,
पव्वाहा इ वा, गामवाहा इ वा जाव सण्णिवेसवाहा इ वा; पाणक्खया जाव तेसिं वा
वरुणकाइयाणं देवाणं ।

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो जाव अहावच्चाभिण्णाया होत्था, तं जहा-
कक्कोडए, कद्धमए, अंजणे, संखवालए, पुंडे, पलासे, मोए, जए, दहिमुहे, अयंपुले, कायरिए ।

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायानं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एमहिड्डीए जाव वरुणे महाराया ।

११

कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो वग्गु णामं महाविमाणे पण्णत्ते?

गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरेणं एवं जहा सोमस्स महाविमाण, रायहाणिवत्तव्वया तहा णेयव्वा जाव पासायवडैसया ।

१२

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो इमे देवा आणा- उववाय वयण णिद्देसे चिट्ठंति, तं जहा- वेसमणकाइया इ वा, वेसमण देवयकाइया इ वा, सुवण्णकुमारा सुवण्णकुमारीओ दीवकुमारा, दीवकुमारीओ दिसाकुमारा दिसाकुमारीओ वाणमंतरा, वाणमंतरीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिआ जाव चिट्ठंति ।

जंबूद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पजंति, तं जहा- अयागरा इ वा, तउयागरा इ वा, तंबागरा इ वा, सीसागरा इ वा, हिरण्णागरा इ वा, सुवण्णागरा इ वा, रयणागरा इ वा, वइरागरा इ वा, वसुहारा इ वा, हिरण्णवासा इ वा, सुवण्णवासा इ वा, रयणवासा इ वा, वइरवासा इ वा आभरणवासा इ वा, पत्तवासा इ वा, पुप्फवासा इ वा, फलवासा इ वा, बीयवासा इ वा, मल्लवासा इ वा वण्णवासा इ वा, चुण्णवासा इ वा, गंधवासा इ वा, वत्थवासा इ वा; हिरण्णवुड्डी इ वा, सुवण्णवुड्डी इ वा, रयणवुड्डी इ वा, वइरवुड्डी इ वा, आभरणवुड्डी इ वा, पत्तवुड्डी इ वा, पुप्फवुड्डी इ वा, फलवुड्डी इ वा, बीयवुड्डी इ वा, मल्लवुड्डी इ वा, वण्णवुड्डी इ वा, चुण्णवुड्डी इ वा, गंधवुड्डी इ वा, वत्थवुड्डी इ वा, भायणवुड्डी इ वा, खीरवुड्डी इ वा; सुकाला इ वा, दुक्काला इ वा, अप्पग्घा इ वा, महग्घा इ वा, सुभिक्षा इ वा, दुब्भिक्षा इ वा, कयविककया इ वा, सण्णिही इ वा, सण्णिचया इ वा, णिही इ वा, णिहाणाइं वा, चिरपोराणाइं वा, पहीणसामियाइं वा, पहीणसेउयाइं वा, पहीणमग्गाणि वा पहीणगोत्तागाराइं वा; उच्छण्णसामियाइं वा; उच्छण्णसेउयाइं वा; उच्छण्ण- गोत्तागाराइं वा, सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-चउम्मुह महापहपहेसु वा, णयरणिद्धमणेसु वा, सुसाण-गिरि- कंदर- संति-सेलोवद्वाण भवणगिहेसु सण्णि- किखत्ताइं चिट्ठंति । ण ताइं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो अण्णायाइं, अदिट्ठाइं, असुयाइं, अमुयाइं, अविण्णायाइं; तेसिं वा वेसमणकाइयाणं देवाणं ।

१३

सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो इमे देवा अहावच्चा- भिण्णाय होत्था, तं जहा- पुण्णभद्दे, माणिभद्दे, सालिभद्दे सुमणभद्दे, चक्के, रक्खे, पुण्णरक्खे, सव्वाणे, सव्वजसे, सव्वकामे, समिद्दे, अमोहे, असंगे।

सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायानं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एमहिड्डीए जाव वेसमणे महाराया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अड्डमो उद्देशो

१ रायगिहे णयरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- असुरकुमाराणं भंते ! देवाणं कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति?

गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति । तं जहा- चमरे असुरिंदे असुरराया; सोमे, जमे, वरुणे, वेसमणे; बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया; सोमे, जमे, वेसमणे, वरुणे ।

२ णागकुमाराणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति। तं जहा- धरणे णं णागकुमारिंदे णागकुमारराया; कालवाले, कोलवाले, सेलवाले, संखवाले; भूयाणंदे णाग-कुमारिंदे णागकुमारराया; कालवाले, कोलवाले, संखवाले, सेलवाले ।

जहा णागकुमारिंदाणं एयाए वत्तव्वयाए णीयं एवं इमाणं णेयव्वं- सुवण्णकुमाराणं-वेणुदेवे, वेणुदाली, चित्ते, विचित्ते, चित्तपक्खे, विचित पक्खे। विज्जुकुमाराणं-हरिक्कंत, हरिस्सह, पभ, सुप्पभ, पभकंत, सुप्पभ- कंता। अग्गिकुमाराणं-अग्गिसीह, अग्गिमाणव, तेउ, तेउसीह, तेउकंत, तेउप्पभा । दीवकुमाराणं- पुण्ण, विसिद्ध, रूय, रूयंस, रूयकंत, रूयप्पभा । उदहिकुमाराणं- जलकंते, जलप्पभ, जल, जलरूय, जलकंत, जलप्पभा । दिसाकुमाराणं- अमियगई, अमियवाहणे, तुरियगई, खिप्पगई, सीहगई, सीहविक्कमगई । वाउकुमाराणं- वेलंब, पभंजण, काल, महाकाल, अंजण, रिद्धा ।थणियकुमाराणं- घोस, महाघोस, आवत्त, वियावत्त, पंदियावत्त, महाणंदियावत्ता । एवं भाणियव्वं जहा असुरकुमारा।

सोम कालवाल चित्तप्पभ तेयरूव जल तुरियगई काल आवत्त ।

३ पिसायकुमाराणं पुच्छा ? गोयमा ! दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तं जहा-

काले य महाकाले, सुरूव पडिरूव पुण्णभद्दे य ।

अमरवई माणिभद्दे, भीमे य तहा महाभीमे ॥

किण्णर किंपुरिसे खलु, सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे ।

अइकाय महाकाए, गीयरई चेव गीयजसे ॥

एए वाणमंतराणं देवाणं । जोइसियाणं देवाणं दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तं जहा- चंदे य, सूरै य ।

४ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति ?

गोयमा ! दस देवा जाव विहरंति, तं जहा सक्के देविंदे देवराया; सोमे, जमे, वरुणे, वेसमणे । ईसाणे देविंदे देवराया; सोमे, जमे, वेसमणे, वरुणे । एसा वत्तव्वया सव्वेसु वि कप्पेसु एए चेव भाणियव्वा । जे य इंदा ते य भाणियव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अड्डमो उद्देशो समत्तो ॥

णवमो उद्देशो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइविहे णं भंते ! इंदियविसए पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे इंदियविसए पण्णत्ते, तं जहा- सोइंदियविसए जाव जीवाभिगमे जोइसिय उद्देशओ णेयव्वो अपरिसेसो ।

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

रायगिहे जाव एवं वयासी-चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ?

गोयमा ! तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- समिया, चंडा, जाया, एवं जहाणुपुव्वीए जाव अच्चुओ कप्पो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ तइअं सतं समत्तं ॥

चउत्थं सतं

पढमो, बीओ, तइओ, चउत्थो उद्देशो

१ चत्तारि विमाणेहिं, चत्तारि य होंति रायहाणीहिं ।

णेइए लेस्साहि य, दस उद्देशा चउत्थसये ।

२ रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी- ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कइ लोगपाला पण्णत्ता ?

गोयमा! चत्तारि लोगपाला पण्णत्ता, तं जहा- सोमे, जमे, वेसमणे, वरुणे ।

३ एसि णं भंते ! लोगपालाणं कइ विमाणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चत्तारि विमाणा पण्णत्ता, तं जहा- सुमणे, सव्वओभद्दे, वग्गू, सुवग्गू ।

४ कहि णं भंते! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सुमणे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जंबूद्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरे णं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते, तत्थ णं जाव पंच वडेंसया पण्णत्ता, तं जहा- अंकवडेंसए, फलिहवडेंसए, रयणवडेंसए, जायरूववडेंसए, मज्झे ईसाण- वडेंसए । तस्स णं ईसाणवडेंसयस्स

महाविमाणस्स पुरित्थमेणं तिरियमसंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीईवइत्ता एत्थ णं ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सुमणे णामं महाविमाणे पण्णत्ते-अद्धतेरसजोयण एवं जहा सक्कस्स वत्तव्वया तईयसए तहा ईसाणस्स वि जाव अच्चणिया सम्मत्ता ।

चउण्हं वि लोगपालाणं विमाणे विमाणे उद्देसओ, चउसु वि विमाणेसु चत्तारि उद्देसा अपरिसेसा, णवरं ठिईए णाणत्तं-

आइ दुय तिभागूणा, पलिया धणयस्स होंति दो चेव ।

दो सतिभागा वरुणे, पलिय महावच्चदेवाणं ॥

॥ पढमो, बीओ, तइओ, चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो, छट्ठो, सत्तमो, अट्ठमो उद्देसो

१ रायहाणीसु वि चत्तारि उद्देसा भाणियव्वा जाव एमहिड्डीए जाव वरुणे महाराया।

णवमो उद्देसो

१ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जइ, अणेरइए णेरइएसु उववज्जइ ?

पण्णवणाए लेस्सापए तईओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव णाणाइं ।

दसमो उद्देसो

१ से णूणं भंते ! कण्ललेस्सा णीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए, तावण्णत्ताए जाव परिणमंति ?

एवं चउत्थो उद्देसओ पण्णवणाए चेव लेस्सापदे णेयव्वो जाव

परिणाम वण्ण रस गंध, सुद्ध अपसत्थ संकिलिडुण्हा ।

गइ परिणाम पएसो, गाह वग्गणा द्वाणमप्पबहुं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ चउत्थं सतं समत्तं ॥

पंचमं सतं

पढमो उद्देसो

१ चंपरवि अणिल गंठिय, सद्धे छउमाउ एयण णियंठे ।

रायगिहं चंपचंदिमा य, दस पंचमम्मि सए ॥

२ तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं चंपाए णयरीए पुण्णभद्वे णामं चेइए होत्था, वण्णओ । सामी समोसडे जाव परिसा पडिगया।

३ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेठ्ठे अंतेवासी इंदभूर्इ णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव एवं वयासी-

जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पाईणदाहिणमुग्गच्छ दाहिणपडीणमागच्छंति, दाहिणपडीणमुग्गच्छ पडीणउदीण-मागच्छंति, पडीणउदीणमुग्गच्छ उदीणपाईणमागच्छंति?

हंता गोयमा ! जंबुद्धीवे णं दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ जाव उदीण-पाईणमागच्छंति ।

४ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे दिवसे भवइ, तया णं उत्तरइडे वि दिवसे भवइ; जया णं उत्तरइडे दिवसे भवइ, तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमे णं राई भवइ ?

हंता गोयमा ! जया णं जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे दिवसे भवइ जाव पुरत्थिम पच्चत्थिमे णं राई भवइ।

५ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं दिवसे भवइ, तया णं पच्चत्थिमे णं वि दिवसे भवइ, जया णं पच्चत्थिमे णं दिवसे भवइ; तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तर-दाहिणे णं राई भवइ ?

हंता गोयमा ! जया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं दिवसे भवइ जाव उत्तर-दाहिणे णं राई भवइ ।

६ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे उक्कोसए अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं उत्तरइडे वि उक्कोसए अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं उत्तरइडे उक्कोसए अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमे णं जहणिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ ?

हंता गोयमा ! जया णं जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे उक्कोसए अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जाव दुवालस मुहुत्ता राई भवइ ।

७ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं उक्कोसए अट्टार- समुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं जंबुद्धीवे दीवे पच्चत्थिमेण वि उक्कोसेणं अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं पच्चत्थिमे णं उक्कोसए अट्टारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे उत्तरदाहिणे दुवालसमुहुत्ता जहणिया राई भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

८ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, तया णं उत्तरइडे अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, जया णं उत्तरइडे अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमे णं साइरेगा दुवालस मुहुत्ता राई भवइ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

९ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, तया णं पच्चत्थिमे णं अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, जया णं पच्चत्थिमे णं अट्टारस मुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणे णं साइरेगा दुवालस मुहुत्ता राई भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

एवं एएणं कमेणं ओसारेयव्वं- सत्तरस मुहुत्ते दिवसे तेरस मुहुत्ता राई भवइ; सत्तरस मुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा तेरस मुहुत्ता राई, सोलस मुहुत्ते दिवसे चोद्धस मुहुत्ता राई, सोलस मुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा चउद्धसमुहुत्ता राई, पण्णरस मुहुत्ते दिवसे पण्णरस मुहुत्ता राई, पण्णरस मुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा पण्णरस मुहुत्ता राई, चोद्धस मुहुत्ते दिवसे सोलस मुहुत्ता राई, चोद्धस मुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा सोलस मुहुत्ता राई, तेरस मुहुत्ते दिवसे सत्तरस मुहुत्ता राई, तेरस मुहुत्ताणंतरे दिवसे, साइरेगा सत्तरस मुहुत्ता राई ।

१० जया णं जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं उत्तरइडे वि दुवालस मुहुत्ते दिवसे भवइ । जया णं उत्तरइडे दुवालस मुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिम- पच्चत्थिमे णं उक्कोसिया अट्टारसमुहुत्ता राई भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

११ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं पच्चत्थिमे णं वि जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं पच्चत्थिमे णं तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणे णं उक्कोसिया अट्टारसमुहुत्ता राई भवइ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

१२ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइडे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरइडे वि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ; जया णं उत्तरइडे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिम-पच्चत्थिमे णं अणंतर-पुरक्खडे समयंसि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

१३ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमे वि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ । जया णं पच्चत्थिमे णं वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तर दाहिणे णं अणंतरपच्छाकडसमयंसि वासाणं पढमे समए पडिवण्णे भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

एवं जहा समएणं अभिलावो भणिओ वासाणं तहा आवलियाए वि भाणियव्वो; एवं आणपाणूण वि, थोवेण वि, लवेण वि, मुहुत्तेण वि, अहोरत्तेण वि, पक्खेण वि, मासेण वि, उउणा वि, एएसिं सव्वेसिं जहा समयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो।

१४ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइहे हेमंताणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरइहे वि हेमंताणं पढमे समए पडिवज्जइ ? एवं जहा वासाणं पुच्छा तहा भाणियव्वा जाव उउणा वि । एवं गिम्हाण वि आलावगो भाणियव्वो । एवं एए तीसं आलावगा ।

१५ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणइहे पढमे अयणे पडिवज्जइ, तया णं उत्तरइहे वि पढमे अयणे पडिवज्जइ ? एवं जहा समएणं अभिलावो तहेव अयणेण वि भाणियव्वो जाव अणंतर पच्छाकडसमयंसि पढमे अयणे पडिवण्णे भवइ ।

जहा अयणेणं अभिलावो तहा संवच्छरेण वि भाणियव्वो । एवं जुएण वि, वाससएण वि, वाससहस्सेण वि, वाससयसहस्सेण वि आलावगो भाणियव्वो । एवं पुव्वंगे, पुव्वे, तुडियंगे, तुडिए, अडडंगे, अडडे, अववंगे, अववे, हूहूयंगे, हूहूए, उप्पलंगे, उप्पले, पउमंगे, पउमे, णल्लिणंगे, णल्लिणे, अत्थणिउरंगे, अत्थणिउरे, अउयंगे, अउए, णउयंगे, णउए, पउयंगे, पउए चूलियंगे, चूलिया, सीसपहेलियंगे, सीसपहेलिया; एवं पलिओवमेण, सागरोवमेण वि आलावगो भाणियव्वो ।

१६ जया णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दाहिणइहे ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरइहे वि ओसप्पिणी पडिवज्जइ; जया णं उत्तरइहे ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिम पच्चत्थिमे णं णेवत्थि ओसप्पिणी, णेवत्थि उस्सप्पिणी; अवड्डिए णं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो ?

हंता गोयमा ! एवं चेव । जहा ओसप्पिणीए आलावओ भणिओ तहा उस्सप्पिणीए वि भाणियव्वो।

१७ लवणे णं भंते ! समुद्धे सूरिया उदीण पाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जच्चेव जंबुद्धीवस्स वत्तव्वया भणिया तच्चेव सव्वा अपरिसेसिया लवणसमुद्धस्स वि भाणियव्वा, णवरं अभिलावो इमो णेयव्वो-जया णं भंते ! लवणे समुद्धे दाहिणइहे दिवसे भवइ, तं चेव जाव तया णं लवणसमुद्धे पुरत्थिम-पच्चत्थिमे णं राई भवइ ।

एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं जाव जया णं भंते ! लवणसमुद्धे दाहिणइहे ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरइहे वि ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जया णं उत्तरइहे ओसप्पिणी

पडिवज्जइ तया णं लवणसमुद्धे पुरत्थिम-पच्चत्थिमेणं णेवत्थि ओसप्पिणी, णेवत्थि उस्सप्पिणी, अवट्ठिएणं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

१८

धायइसंडे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जच्चेव जंबुदीवस्स वत्तव्वया भणिया तच्चेव सव्वा अपरिसेसिया धायइसंडस्स वि भाणियव्वा, णवरं इमेणं अभिलावेणं सव्वे आलावगा भाणियव्वा- जया णं भंते ! धायइसंडे दीवे दाहिणइडे दिवसे भवइ, तया णं उत्तरइडे वि, जया णं उत्तरइडे दिवसे भवइ तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पुरत्थिमपच्चत्थिमे णं राई भवइ ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं जाव जया णं भंते ! धायइसंडे दाहिणइडे ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरइडे वि? जया णं उत्तरइडे ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरत्थिम-पच्चत्थिमे णं णेवत्थि ओसप्पिणी णेवत्थि उस्सप्पिणी, अवट्ठिए णं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो ?

हंता गोयमा ! एवं चेव ।

जहा लवणसमुद्धस्स वत्तव्वया तहा कालोदस्स वि भाणियव्वा, णवरं कालोदस्स णामं भाणियव्वं।

१९

अब्भित्तरपुक्खरद्धेणं भंते सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईण दाहिणमागच्छंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जहेव धायइसंडस्स वत्तव्वया तहेव अब्भित्तरपुक्खरद्धस्स वि भाणियव्वा, णवरं अभिलावो अब्भित्तर पुक्खरद्धेणं भाणियव्वो जाव तया णं अब्भित्तरपुक्खरद्धे मंदराणं पुरत्थिमे-पच्चत्थिमेणं णेवत्थि ओसप्पिणी, णेवत्थि उस्सप्पिणी, अवट्ठिए णं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो ? हंता गोयमा ! एवं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमं सतं

बीओ उद्देसो

१

रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी-अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पच्छा-वाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता, अत्थि ।

२

अत्थि णं भंते ! पुरत्थिमे णं ईसिंपुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता, अत्थि।

एवं पच्चत्थिमे णं, दाहिणे णं, उत्तरे णं, उत्तरपुरत्थिमे णं, दाहिणपुरत्थिमे णं, दाहिणपच्चत्थिमे णं, उत्तरपच्चत्थिमे णं ।

- ३ जया णं भंते ! पुरत्थिमे णं ईसिं पुरेवाया, पच्छावाया, मंदावाया, महावाया वायंति, तथा णं पच्चत्थिमे णं वि ईसिं पुरेवाया जाव वहंति; जया णं पच्चत्थिमे णं ईसिंपुरेवाया जाव वहंति, तथा णं पुरत्थिमे णं वि जाव वहंति?
- हंता गोयमा ! जया णं पुरत्थिमे णं जाव वहंति, तथा णं पच्चत्थिमेण वि ईसिंपुरेवाया जाव वहंति; जया णं पच्चत्थिमे णं ईसिंपुरेवाया जाव वहंति, तथा णं पुरत्थिमे णं वि ईसिंपुरेवाया जाव वहंति। एवं दिसासु, विदिसासु ।
- ४ अत्थि णं भंते ! दीविच्चया ईसिं पुरेवाया ? हंता, अत्थि ।
- ५ अत्थि णं भंते ! सामुद्धया ईसिं पुरेवाया ? हंता, अत्थि ।
- ६ जया णं भंते ! दीविच्चया ईसिं पुरेवाया, तथा णं सामुद्धया वि ईसिं पुरेवाया; जया णं सामुद्धया ईसिं पुरेवाया, तथा णं दीविच्चया वि ईसिं पुरेवाया ?
- गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे ।
- ७ से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जया णं दीविच्चया ईसिं पुरेवाया, णो णं तथा सामुद्धया ईसिं पुरेवाया; जया णं सामुद्धया ईसिं पुरेवाया, णो णं तथा दीविच्चया ईसिं पुरेवाया ?
- गोयमा! तेसि णं वायाणं अण्णमण्ण विवच्चासेणं लवणे समुद्धे वेलं णाइक्कमइ। से तेणद्वेणं जाव वाया वायंति।
- ८ अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ? हंता, अत्थि ।
- कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ?
- गोयमा ! जया णं वाउयाए अहारियं रियंति तथा णं ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति।
- ९ अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ? हंता, अत्थि ।
- कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ?
- गोयमा ! जया णं वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तथा णं ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति।
- १० अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ? हंता, अत्थि ।
- कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति ?
- गोयमा ! जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अट्ठाए वाउकायं उदीरेंति, तथा णं ईसिं पुरेवाया जाव महावाया वायंति।
- ११ वाउकाए णं भंते ! वाउकायं चेव आणमंति वा पाणमंति वा ?
- हंता गोयमा ! जाव पाणमंति । एवं जहा खंदए तहा चत्तारि आलावगा णेयव्वा ।
- १२ अह भंते ! ओदणे कुम्मासे सुरा; एए णं किंसरीरा त्ति वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे, एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च वणस्सइजीवसरीरा, तओ पच्छा सत्थाईया सत्थपरिणामिया अगणिज्झामिया अगणिझूसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीरा इ वत्तव्वं सिया। सुराए य जे दवे दव्वे एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च आउजीव सरीरा, तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिकायसरीरा इ वत्तव्वं सिया ।

१३ अह भंते ! अये तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया; एए णं किं सरीरा इ वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! अये तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया; एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च पुढवीजीवसरीरा, तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिजीवसरीरा इ वत्तव्वं सिया ।

१४ अह भंते ! अट्ठी अट्ठिज्झामे, चम्मे चम्मज्झामे, रोमे रोमज्झामे, सिंगे सिंगज्झामे, खुरे खुरज्झामे, णहे णहज्झामे; एए णं किंसरीरा इ वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! अट्ठी चम्मे रोमे सिंगे खुरे णहे; एए णं तसपाण जीवसरीरा । अट्ठिज्झामे, चम्मज्झामे, रोमज्झामे, सिंगखुरणहज्झामे; एए णं पुव्वभाव पण्णवणं पडुच्च तसपाणजीवसरीरा; तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणि जीवसरीरा त्ति वत्तव्वं सिया ।

१५ अह भंते ! इंगाले छारिए भुसे गोमए; एए णं किंसरीरा इ वत्तव्वं सिया ?

गोयमा ! इंगाले छारिए भुसे गोमए; एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियजीव-सरीरप्पओगपरिणामिया वि जाव पंचिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामिया वि, तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिजीवसरीरा इ वत्तव्वं सिया ।

१६ लवणे णं भंते ! समुद्धे केवइयं चक्कवाल विक्खंभेणं पण्णत्ते ? एवं णेयव्वं जाव लोगट्ठिई लोगाणुभावे । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णवैति एवं परूवैति- से जहाणामए जालगंठिया सिया- आणुपुव्विगढिया, अणंतरगढिया, परंपरगढिया, अण्णमण्णगढिया, अण्णमण्णगरुयत्ताए, अण्णमण्णभारियत्ताए, अण्णमण्णगरुय संभारिय-त्ताए, अण्णमण्णघडत्ताए चिद्धइ, एवामेव बहूणं जीवाणं बहूसु आजाइसहस्सेसु बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिद्धंति । एगे वि य णं जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पडिसंवेदेइ । तं जहा- इहभवियाउयं च परभवियाउयं च । जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ; जं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ तं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ, से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव परभवियाउयं च । जे ते एवमाहंसु तं णं मिच्छा । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- से जहाणामए जालगंठिया सिया

जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिद्धंति; एवामेव एगमेगस्स जीवस्स बहूहिं आजाइसहस्सेहिं बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिद्धंति। एगे वि य णं जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेइ । तं जहा- इहभवियाउयं वा, परभवियाउयं वा; जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ णो तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ, जं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ; इहभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए णो परभवियाउयं पडिसंवेदेइ, परभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए णो इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ। एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेइ, तं जहा- इहभवियाउयं वा, परभवियाउयं वा ।

- २ जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं किं साउए संकमइ, णिराउए संकमइ? गोयमा ! साउए संकमइ, णो णिराउए संकमइ ।
- ३ से णं भंते ! आउए कहिं कडे, कहिं समाइण्णे ? गोयमा ! पुरिमे भवे कडे, पुरिमे भवे समाइण्णे । एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ ।
- ४ से णूणं भंते ! जे भविए जं जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तं जहा- णेरइयाउयं वा जाव देवाउयं वा ? हंता गोयमा ! जे भविए जं जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तं जहा- णेरइयाउयं वा, तिरि-मणु-देवाउयं वा । णेरइयाउयं पकरेमाणे सत्तविहं पकरेइ, तं जहा- रयणप्पभापुढवीणेरइयाउयं वा जाव अहेसत्तमापुढवीणेरइयाउयं वा । तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे पंचविहं पकरेइ, तं जहा- एगिंदियतिरिक्ख- जोणियाउयं वा जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाउयं वा [भेओ सव्वो भाणियव्वो] एवं मणुस्साउयं दुविहं, देवाउयं चउव्विहं पकरेइ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ ? तं जहा- संखसद्दाणि वा सिंगसद्दाणि वा संखियसद्दाणि वा खरमुहीसद्दाणि वा, पोयासद्दाणि वा पिरिपिरियासद्दाणि वा पणवसद्दाणि वा पडहसद्दाणि वा भंभासद्दाणि वा होरंभ-सद्दाणि वा भेरिसद्दाणि वा झल्लरीसद्दाणि वा दुंदुभिसद्दाणि वा तताणि वा वितताणि वा घणाणि वा झुसिराणि वा ? हंता गोयमा ! छउमत्थे णं मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तं जहा- संखसद्दाणि वा जाव झुसिराणि वा।
- २ ताइं भंते ! किं पुट्ठाइं सुणेइ, अपुट्ठाइं सुणेइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं सुणेइ; णो अपुट्ठाइं सुणेइ जाव णियमा छदिसिं सुणेइ ।
- ३ छउमत्थे णं भंते! मणूसे किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ, पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ? गोयमा! आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ, णो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ।

- ४ जहा णं भंते ! छउमत्थे मणूसे आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ, णो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ; तहा णं केवली मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ, पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ?
गोयमा ! केवली णं आरगयं वा पारगयं वा सव्वदूरमूलमणंतियं सद्धं जाणइ पासइ ।
- ५ से केणट्ठेणं भंते ! केवली णं आरगयं वा पारगयं वा जाव जाणइ पासइ ?
गोयमा ! केवली पुरत्थिमे णं मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ । एवं दाहिणे णं, पच्चत्थिमे णं, उत्तरे णं, उड्ढं, अहे- मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ । सव्वं जाणइ केवली, सव्वं पासइ केवली । सव्वओ जाणइ केवली, सव्वओ पासइ केवली । सव्वकालं जाणइ केवली, सव्वकालं पासइ केवली । सव्वभावे जाणइ केवली, सव्वभावे पासइ केवली । अणंते णाणे केवलिस्स, अणंते दंसणे केवलिस्स । णिव्वुडे णाणे केवलिस्स, णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव जाणइ पासइ ।
- ६ छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ?
हंता गोयमा ! हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ।
- ७ जहा णं भंते ! छउमत्थे मणुस्से हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा, तहा णं किं केवली वि हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।
- ८ से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा?
गोयमा ! जं णं जीवा चरित्तमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं हसंति वा उस्सुयायंति वा; से णं केवलिस्स णत्थि, से तेणट्ठेणं जाव णो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ।
- ९ जीवे णं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?
गोयमा ! सत्तविहबंधए वा, अट्ठविहबंधए वा । एवं जाव वेमाणिए । पोहत्तिएहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ।
- १० छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से णिद्धाएज्ज वा पयलाएज्ज वा ?
हंता गोयमा ! णिद्धाएज्ज वा पयलाएज्ज वा ।
एवं जहा हसेज्ज वा आलावगो भणिओ तहा णिद्धाएज्ज वा आलावगो वि भाणियव्वो; णवरं दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं छउमत्थे णिद्धायंति वा पयलायंति वा, से णं केवलिस्स णत्थि । अण्णं तं चेव ।
- ११ जीवे णं भंते! णिद्धायमाणे वा पयलायमाणे वा कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ?
गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा । एवं जाव वेमाणिए । पोहत्तिएसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ।
- १२ हरी णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कदूए इत्थीगब्भं संहरमाणे किं गब्भाओ गब्भं साहरइ ?
गब्भाओ जोणिं साहरइ? जोणीओ गब्भं साहरइ ? जोणीओ जोणिं साहरइ ?

गोयमा ! णो गब्भाओ गब्भं साहरइ, णो गब्भाओ जोणिं साहरइ, णो जोणिओ जोणिं साहरइ; परामुसिय परामुसिय अच्चाबाहेणं अच्चाबाहं जोणिओ गब्भं साहरइ।

१३ पभू णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कस्स दूए इत्थीगब्भं णहसिरंसि वा रोमकूवंसि वा साहरित्तए वा, णीहरित्तए वा ?

हंता पभू । णो चेव णं तस्स गब्भस्स किंचि वि आबाहं वा विबाहं वा उप्पाएज्जा, छविच्छेयं पुण करेज्जा, एवं सुहुमं च णं साहरेज्ज वा, णीहरेज्ज वा ।

१४ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभदए जाव विणीए ।

तए णं अइमुत्ते कुमारसमणे अण्णया कयाइं महावुट्ठिकायंसि णिवयमाणंसि कक्खपडिग्गय रयहरण पडिग्गह मायाए बहिया संपट्टिए विहाराए ।

तएणं अइमुत्ते कुमारसमणे वाहयं वहमाणं पासइ, पासित्ता मट्टियाए पालिं बंधइ, बंधित्ता 'णाविया मे णाविया मे' णाविओ विव णावमयं पडिग्गहं उदगंसि कट्ठु पच्चाहमाणे पच्चाहमाणे अभिरमइ ।

तं च थेरा अदक्खु, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता एवं वयासी-

१५ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे, से णं भंते ! अइमुत्ते कुमारसमणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ?

अज्जो ! त्ति समणे भगवं महावीरे ते थेरे एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभदए जाव विणीए, से णं अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झिहिइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेहिइ; तं मा णं अज्जो ! तुब्भे अइमुत्तं कुमारसमणं हीलेह, णिंदह, खिंसह, गरहह, अवमण्णह; तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हह, अगिलाए उवगिण्हह, अगिलाए भत्तेणं पाणेणं विणएणं वेयावडियं करेह । अइमुत्ते णं कुमारसमणे अंतकरे चेव, अंतिमसरीरिए चेव । तए णं ते थेरा भगवंतो समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति, णमंसंति; अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयावडियं करेंति ।

१६ तेणं कालेणं तेणं समएणं महासुक्काओ कप्पाओ, महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिइडिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया।

तएणं ते देवा समणं भगवं महावीरं मणसा चेव वंदंति णमंसंति, मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं पुच्छंति-कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासी सयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति?

तएणं समणे भगवं महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा पुट्ठे, तेसिं देवाणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ- एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासी सयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ।

तएणं ते देवा समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा पुढेणं, मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा हट्ठुट्ठा जाव विसप्पमाण हियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता मणसा चेव सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति।

१७ तेषं कालेणं तेषं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेढे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव विहरइ ।

तएणं तस्स भगवओ गोयमस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु दो देवा महिइढिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया, तं णो खलु अहं ते देवे जाणामि, कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ वा कस्स वा अत्थस्स अट्ठाए इहं हव्वं आगया; तं गच्छामि णं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि, जाव पज्जुवासामि; इमाइं च णं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामि त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहित्ता उट्ठाए उट्ठेइ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासइ ।

१८ गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-से णूणं तव गोयमा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वं आगए; से णूणं गोयमा ! अट्ठे समट्ठे? हंता, अत्थि । तं गच्छाहि णं गोयमा ! एए चेव देवा इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेहिंति ।

१९ तएणं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव ते देवा तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।

तएणं ते देवा भगवं गोयमं एज्जमाणं पासंति, पासित्ता हट्ठा जाव विसप्पमाण-हियया खिप्पामेव अब्भुट्ठेति, अब्भुट्ठित्ता खिप्पामेव पच्चुवागच्छंति, पच्चुवागच्छित्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! अम्हे महासुक्काओ कप्पाओ, महासग्गाओ विमाणाओ दो देवा महिइढिया जाव पाउब्भूया; तएणं अम्हे समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो, वंदित्ता णमंसित्ता मणसा चेव इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छामो-कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासी सयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ? तएणं समणे भगवं महावीरे अम्हेहिं मणसा पुढे, अम्हे मणसा चेव एयारूवं वागरणं वागरेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासी सयाइं जाव अंतं करेहिंति । तए णं अम्हे समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा चेव पुढेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा, समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो, वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासामो त्ति कट्ठु भगवं गोयमं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ।

२० भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-देवा णं भंते ! संजया त्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अब्भक्खाणमेयं देवाणं ।

देवा णं भंते ! असंजया त्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे, णिदुर-वयणमेयं देवाणं।

देवा णं भंते ! संजयाऽसंजया त्ति वत्तव्वं सिया? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे, असब्भूयमेयं देवाणं।

से किं खाइ णं भंते ! देवा य वत्तव्वं सिया? गोयमा ! देवा णं णो संजया त्ति वत्तव्वं सिया।

२१

देवा णं भंते ! कयराए भासाए भासंति, कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ?

गोयमा ! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सा वि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ।

२२

केवली णं भंते ! अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।

जहा णं भंते ! केवली अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ, तहा णं छउमत्थे वि अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे । सोच्चा जाणइ पासइ, पमाणओ वा।

से किं तं सोच्चा ?

सोच्चा णं केवलिस्स वा केवलिसावयस्स वा केवलिसावियाए वा केवलि-उवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावयस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा से तं सोच्चा ।

से किं तं पमाणे ?

पमाणे चउत्विहे पणत्ते, तं जहा- पच्चक्खे, अणुमाणे, ओवम्मे, आगमे। एवं जहा अणुओगदारे तहा णेयव्वं जाव तेण परं णो अत्तागमे, णो अणंतरागमे; परंपरागमे ।

२३

केवली णं भंते ! चरिमकम्मं वा चरिम णिज्जरं वा जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ।

जहा णं भंते ! केवली चरिमकम्मं वा चरिम णिज्जरं वा जाणइ पासइ तहा णं छउमत्थे वि चरिमकम्मं वा चरिम णिज्जरं वा जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे । सोच्चा जाणइ पासइ, पमाणओ वा । एवं जहा अंतकरेणं वा आलावगो तहा चरिमकम्मेण वि अपरिसेसिओ णेयव्वो ।

२४

केवली णं भंते ! पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ? हंता, धारेज्जा ।

२५

जण्णं भंते ! केवली पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा, तण्णं वेमाणिया देवा जाणंति पासंति ?

गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति पासंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ?

२६

से केण्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ?

गोयमा ! वेमाणिया देवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- माईमिच्छादिट्ठी उववण्णगा य, अमाईसम्मदिट्ठी उववण्णगा य; तत्थ णं जे ते माईमिच्छादिट्ठी उववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति; तत्थ णं जे ते अमाईसम्मदिट्ठी उववण्णगा ते णं अत्थेगइया जाणंति पासंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ।

२७ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ?

गोयमा ! अमाईसम्मदिट्ठी दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अणंतरोववण्णगा य, परंपरोववण्णगा य; तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णगा ते णं अत्थेगइया जाणंति पासंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ।

२८ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ?

गोयमा ! परंपरोववण्णगा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तगा य, अपज्जत्तगा य; तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं ण जाणंति ण पासंति; तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं अत्थेगइया जाणंति पासंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ।

२९ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ?

गोयमा ! पज्जत्तगा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति ण पासंति । तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति ।

से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तं जहा- अत्थेगइया वेमाणिया जाणंति पासंति; अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति ।

३० पभू णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा इहगएणं केवलिणा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ? हंता, पभू ।

३१ से केणट्ठेणं भंते ! जाव पभू णं अणुत्तरोववाइया देवा जाव करेत्तए ?

गोयमा ! जं णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा कारणं वा वागरणं वा पुच्छंति, तं णं इहगए केवली अट्ठं वा जाव वागरणं वा वागरेइ; से तेणट्ठेणं जाव संलावं करेत्तए ।

३२ जं णं भंते ! इहगए चेव केवली अट्ठं वा जाव वागरेइ, तं णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा जाणंति पासंति ? हंता, जाणंति पासंति ।

३३ से केणट्ठेणं भंते ! जाव पासंति ?

गोयमा ! तेसि णं देवाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ भवंति; से तेणट्ठेणं जाव तत्थगया चेव समाणा जाणंति पासंति ।

३४ अणुत्तरोववाइया णं भंते ! देवा किं उदिण्णमोहा, उवसंतमोहा, खीणमोहा?

गोयमा ! णो उदिण्णमोहा, उवसंतमोहा, णो खीणमोहा ।

३५ केवली णं भंते ! आयाणेहिं जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे ।

३६ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- केवली णं आयाणेहिं ण जाणइ, ण पासइ ?
गोयमा ! केवली णं पुरत्थिमे णं मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ । एवं दाहिणेणं, पच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं, उड्ढं, अहे मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ । सव्वं जाणइ केवली, सव्वं पासइ केवली । सव्वओ जाणइ केवली, सव्वओ पासइ केवली । सव्वकालं जाणइ केवली, सव्वकालं पासइ केवली । सव्वभावे जाणइ केवली, सव्वभावे पासइ केवली । अणंते णाणे केवलिस्स, अणंते दंसणे केवलिस्स । णिव्वुडे णाणे केवलिस्स, णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स ।
से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- केवली णं आयाणेहिं ण जाणइ, ण पासइ ।

३७ केवली णं भंते ! अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा ओगाहित्ता णं चिट्ठंति, पभू णं केवली सेयकालंसि वि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव ओगाहित्ता णं चिट्ठित्तए ? गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे ।

३८ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?
गोयमा ! केवलिस्स णं वीरिय-सजोग-सद्ववयाए चलाइं उवकरणाइं भवंति, चलोवकरणद्वयाए य णं केवली अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा, जाव चिट्ठइ; णो णं पभू केवली सेयकालंसि वि तेसु चेव आगासपएसेसु जाव चिट्ठित्तए । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- केवली णं अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ, णो णं पभू केवली सेयकालंसि वि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठित्तए ।

३९ पभू णं भंते ! चउदसपुव्वी घडाओ घडसहस्सं, पडाओ पडसहस्सं, कडाओ कडसहस्सं, रहाओ रहसहस्सं, छत्ताओ छत्तसहस्सं, दंडाओ दंडसहस्सं, अभिणिव्वट्ठेत्ता उवदंसेत्तए ? हंता, पभू ।
से केणट्ठेणं भंते ! पभू चउदसपुव्वी जाव उवदंसेत्तए ?
गोयमा ! चउदसपुव्विस्स णं अणंताइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाणाइं लद्धाइं पत्ताइं अभिसमण्णागयाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसेत्तए । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

१ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं, केवलेणं संवरेणं, केवलेणं बंभचेरवासेणं, केवलाहिं पवयणमायाहिं सिज्झंसु ?
गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे । एवं जहा पढमसए चउत्थुद्देसे आलावगा तहा णेयव्वा जाव अलमत्थु त्ति वत्तव्वं सिया ।

२ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेंति- सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति । से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव वेदेंति, जे ते एवं आहंसु, मिच्छा ते एवं आहंसु; अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि-अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति; अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति ।

३

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? अत्थेगइया पाणा भूया जाव अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति ?

गोयमा ! जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति, ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति; जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा णो तहा वेयणं वेदेंति, ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जाव अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति ।

४

णेइया णं भंते ! किं एवंभूयं वेयणं वेदेंति, अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! णेइया णं एवंभूयं पि वेयणं वेदेंति, अणेवंभूयं पि वेयणं वेदेंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जे णं णेइया जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति, ते णं णेइया एवभूयं वेयणं वेदेंति; जे णं णेइया जहा कडा कम्मा णो तहा वेयणं वेदेंति, ते णं णेइया अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-णेइया जाव वेदेंति । एवं जाव वेमाणिया, संसारमंडलं णेयव्वं ।

५

जंबुद्धीवे णं भंते ! इह भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए कइ कुलगरा होत्था ?

गोयमा ! सत्त । एवं चेव तित्थयरमायरो, पियरो, पढमा सिस्सिणीओ, चक्कवट्ठिमायरो, इत्थिरयणं, बलदेवा, वासुदेवा, वासुदेवमायरो, पियरो; एएसिं पडिसत्तु जहा समवाए णामपरिवाडीए तहा णेयव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

१

कहण्णं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?

गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति, तं जहा- पाणे अइवाएत्ता, मुसं वइत्ता, तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं, अणेसणिज्जेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं पडिलाभेत्ता; एवं खलु जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ।

२

कहण्णं भंते ! जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?

गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । तं जहा- णो पाणे अइवाइत्ता, णो मुसं वइत्ता, तहारूवं समणं वा माहणं वा फासु-एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता; एवं खलु जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ।

३

कहण्णं भंते ! जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?

गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । तं जहा- पाणे अइवाएत्ता, मुसं वइत्ता, तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलित्ता, णिंदित्ता, खिंसित्ता, गरहित्ता, अवमणित्ता अण्णयरेणं अमणुण्णेणं अपीइकारणं असण-पाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता; एवं खलु जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति।

४

कहण्णं भंते ! जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?

गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । तं जहा- णो पाणे अइवाइत्ता, णो मुसं वइत्ता, तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता; अण्णयरेणं मणुण्णेणं, पीइकारणं असण पाण खाइम साइमेणं पडिलाभेत्ता; एवं खलु जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ।

५

गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा, तस्स णं भंते ! तं भंडं गवेसमाणस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ, परिग्गहिया किरिया कज्जइ, मायावत्तिया किरिया कज्जइ, अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ, मिच्छादंसण-वत्तिया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ, परिग्गहिया किरिया कज्जइ, मायावत्तिया किरिया कज्जइ, अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ; अह से भंडे अभिसमण्णागए भवइ, ताओ से पच्छा सव्वाओ ताओ पयणुई भवंति ।

६

गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा, भंडे य से अणुवणीए सिया; गाहावइस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ, कइयस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ?

गोयमा ! गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाण किरिया कज्जइ; मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ; कइयस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुई भवंति ।

७

गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा, भंडे से उवणीए सिया; कइयस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ; गाहावइस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! कइयस्स ताओ भंडाओ हेट्ठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया भयणाए; गाहावइस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुई भवंति।

८

गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा, धणे य से अणुवणीए सिया। कइयस्स णं भंते ! ताओ धणाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ? गाहावइस्स वा ताओ धणाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! कइयस्स ताओ धणाओ हेठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति । मिच्छादंसणवत्तिया किरिया भयणाए । गाहावइस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुई भवंति ।

९ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा, धणे से उवणीए सिया । गाहावइस्स णं भंते ! ताओ धणाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ? कइयस्स वा ताओ धणाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! गाहावइस्स ताओ धणाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपचचक्खाण किरिया कज्जइ । मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ। कइयस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुई भवंति ।

१० अगणिकाए णं भंते ! अहुणोज्जलिए समाणे महाकम्मतराए चेव, महाकिरिय-तराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव भवइ; अहे णं समए समए वोक्कसिज्जमाणे चरिमकालसमयंसि इंगालब्भूए मुम्मुरब्भूए छारियब्भूए; तओ पच्छा अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव भवइ ?

हंता गोयमा ! अगणिकाए णं अहुणोज्जलिए समाणे तं चेव जाव अप्प-वेयणतराए चेव भवइ।

११ पुरिसे णं भंते ! धणुं परामुसइ, परामुसित्ता उसुं परामुसइ, परामुसित्ता ठाणं ठाइ, ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ; आययकण्णाययं उसुं करेत्ता उइढं वेहासं उसुं उव्विहइ, तएणं से उसुं उइढं वेहासं उव्विहिए समाणे जाइं तत्थ पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं अभिहणइ, वत्तेइ, लेसेइ, संघाएइ संघट्टेइ, परितावेइ, किलामेइ, ठाणाओ ठाणं संकामेइ, जीवियाओ ववरोवेइ, तए णं भंते! से पुरिसे कइ किरिए ?

गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे धणुं परामुसइ, परामुसित्ता जाव उव्विहइ, तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुढे ।

जेसिं पि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणुं णिव्वत्तिए ते वि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढे; एवं धणुपुढे पंचहिं किरियाहिं, जीवा पंचहिं, ण्हारू पंचहिं, उसू पंचहिं, सरे, पतणे, फले, ण्हारू पंचहिं ।

१२ अहे णं से उसू अप्पणो गरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुसंभारियत्ताए अहे वीससाए पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे कइ किरिए?

गोयमा ! जावं च णं से उसू अप्पणो गरुयत्ताए जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुढे; जेसिं पि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणुं णिव्वत्तिए ते वि जीवा चउहिं किरियाहिं पुढे; धणुपुढे चउहिं, जीवा चउहिं, ण्हारू चउहिं, उसू पंचहिं, सरे, पतणे, फले, ण्हारू पंचहिं, जे वि य से जीवा अहे पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्ठंति ते वि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।

- १३ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेति- से जहा णामए जुवइं जुवाणे हत्थेण हत्थे गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया; एवामेव जाव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइण्णे मणुयलोए मणुस्सेहिं। से कहमेयं भंते ! एवं ?
- गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव बहु समाइण्णे मणुयलोएमणुस्सेहिं; जे ते एवं आहंसु, मिच्छं ते एवं आहंसु । अहं पुण गोयमा! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेण हत्थं गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया; एवामेव जाव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहु- समाइण्णे णिरयलोए णेरइएहिं ।
- १४ णेरइयाणं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए, पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?
- गोयमा ! एगत्तं वि पभु विउव्वित्तए, पुहुत्तं वि पभु विउव्वित्तए । एवं जहा जीवाभिगमे तहा णेयव्वो जाव दुरहियासे ।
- १५ आहाकम्मं अणवज्जे त्ति मणं पहारेत्ता भवइ; से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा; से णं तस्स ठाणस्स आलोइय पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा। एएणं गमेणं णेयव्वं- कीयगडं, ठवियं, रइयं, कंतारभत्तं, दुब्भिकखभत्तं, वदलियाभत्तं, गिलाणभत्तं, सेज्जायरपिंडं, रायपिंडं ।
- १६ आहाकम्मं अणवज्जे त्ति सयमेव परिभुंजित्ता भवइ । से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा; से णं तस्स ठाणस्स आलोइय पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा । एएणं गमेणं णेयव्वं- कीयगडं जाव रायपिंडं ।
- १७ आहाकम्मं अणवज्जे त्ति अण्णमण्णस्स अणुप्पदावइत्ता भवइ । से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा; से णं तस्स ठाणस्स आलोइय पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा। एवं एएणं गमेणं णेयव्वं-कीयगडं जाव रायपिंडं।
- १८ आहाकम्मं णं अणवज्जे त्ति बहुजणमज्झे पण्णवइत्ता भवइ, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा; से णं तस्स ठाणस्स आलोइय पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा । एवं एएणं गमेणं णेयव्वं- कीयगडं जाव रायपिंडं।
- १९ आयरिय-उवज्झाए णं भंते ! सविसयंसि गणं अगिलाए संगिण्हमाणे, अगिलाए उवगिण्हमाणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ?
- गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ, अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ ।
- २० जे णं भंते ! परं अलिएणं असब्भूएणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं कहप्पगारा कम्मा कज्जंति ?

गोयमा ! जे णं परं अलिणं असब्भूणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं तहप्पगारा चेव कम्मा कज्जंति; जत्थेव णं अभिसमागच्छइ तत्थेव णं पडिसंवेदेइ; तओ से पच्छा [वेदेइ] णिज्जरेइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

- १ परमाणुपोग्गले णं भंते ! एयइ वेयइ चलइ फंदइ घट्टइ, खुब्भइ उदीरइ तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ; सिय णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ।
- २ दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ, सिय णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ; सिय देसे एयइ, देसे णो एयइ जाव देसे तं तं भावं परिणमइ, देसे तं तं भावं णो परिणमइ ।
- ३ तिप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ सिय णो एयइ, सिय देसे एयइ देसे णो एयइ, सिय देसे एयइ देसा णो एयंति, सिय देसा एयंति देसे णो एयइ ।
- ४ चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ सिय णो एयइ, सिय देसे एयइ देसे णो एयइ, सिय देसे एयइ देसा णो एयंति, सिय देसा एयंति देसे णो एयइ; सिय देसा एयंति देसा णो एयंति । एवं जहा चउप्पएसिओ तहा पंचपएसिओ वि जाव अणंतपएसिओ वि भाणियव्वो ।
- ५ परमाणुपोग्गले णं भंते ! असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा? हंता, ओगाहेज्जा । से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । एवं जाव असंखेज्जपएसिओ ।
- ६ अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा । हंता, ओगाहेज्जा । से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा? गोयमा ! अत्थेगइए छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा; अत्थेगइए णो छिज्जेज्ज वा णो भिज्जेज्ज वा । एवं अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा? णवरं झियाएज्ज भाणियव्वं । एवं पुक्खलसंवट्ठगस्स महामेहस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा? णवरं उल्ले सिया भाणियव्वं । एवं गंगाए महान्णइए पडिसोयं हव्वं आगच्छेज्जा? णवरं विणिहायं आवज्जेज्जा भाणियव्वं। एवं उदगावत्तं वा उदगबिंदुं वा ओगाहेज्जा? णवरं पारियावज्जेज्जा भाणियव्वं।

- ७ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सअड्ढे समज्झो सपएसे; उदाहु अणड्ढे अमज्झो अपएसे ?
गोयमा ! परमाणुपोग्गले अणड्ढे अमज्झो अपएसे; णो सअड्ढे णो समज्झो णो सपएसे ।
- ८ दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे समज्झो सपएसे उदाहु अणड्ढे अमज्झो अपएसे ?
गोयमा ! दुप्पएसिए खंधे सअड्ढे अमज्झो सपएसे; णो अणड्ढे णो समज्झो णो अपएसे ।
- ९ तिप्पएसिए णं भंते ! खंधे, पुच्छा ?
गोयमा ! तिप्पएसिए खंधे अणड्ढे समज्झो सपएसे; णो सअड्ढे णो अमज्झो णो अपएसे।
जहा दुप्पएसिओ तहा जे समा ते भाणियव्वा, जे विसमा ते जहा तिप्पएसिओ तहा भाणियव्वा ।
- १० संखेज्जपएसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे, पुच्छा ?
गोयमा ! संखेज्जपएसिए खंधे सिय सअड्ढे, अमज्झो, सपएसे; सिय अणड्ढे, समज्झो, सपएसे; जहा संखेज्जपएसिओ तहा असंखेज्जपएसिओ वि अणंतपए- सिओ वि ।
- ११ परमाणु पोग्गले णं भंते ! परमाणु पोग्गलं फुसमाणे किं १ देसेणं देसं फुसइ, २ देसेणं देसे फुसइ, ३ देसेणं सव्वं फुसइ, ४ देसेहिं देसं फुसइ, ५ देसेहिं देसे फुसइ, ६ देसेहिं सव्वं फुसइ, ७ सव्वेणं देसं फुसइ, ८ सव्वेणं देसे फुसइ, ९ सव्वेणं सव्वं फुसइ ?
गोयमा ! १ णो देसेणं देसं फुसइ, २ णो देसेणं देसे फुसइ, ३ णो देसेणं सव्वं फुसइ, ४ णो देसेहिं देसं फुसइ, ५ णो देसेहिं देसे फुसइ; ६ णो देसेहिं सव्वं फुसइ, ७ णो सव्वेणं देसं फुसइ, ८ णो सव्वेणं देसे फुसइ, ९ सव्वेणं सव्वं फुसइ ।
एवं परमाणु पोग्गले दुप्पएसियं फुसमाणे सत्तम-णवमेहिं(भंगेहिं) फुसइ । परमाणु पोग्गले तिप्पएसियं फुसमाणे णिपच्छिमएहिं तिहिं फुसइ । जहा परमाणु-पोग्गले तिप्पएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंत पएसिओ ।
- १२ दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे, पुच्छा ?
गोयमा ! तईय णवमेहिं फुसइ, दुप्पएसिओ दुप्पएसियं फुसमाणो पढम- तईय-सत्तम-णवमेहिं फुसइ, दुप्पएसिओ तिप्पएसियं फुसमाणो आइल्लएहि य, पच्छिल्ल-एहि य तिहिं फुसइ, मज्झिमएहिं तिहिं विपडिसेहेयव्वं, दुप्पएसिओ जहा तिप्पए-सियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसियं।
- १३ तिपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणु पोग्गलं फुसमाणे पुच्छा ?
गोयमा ! तईय छट्ठ णवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढम तईय, चउत्थ छट्ठ, सत्तम णवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ तिपएसिअं फुसमाणो सव्वेसु वि ठाणेसु फुसइ । जहा तिपएसिओ तिपएसिअं फुसाविओ एवं तिप्पए-सिओ जाव अणंत पएसिएणं संजोएयव्वो । जहा तिपएसिओ तहा जाव अणंतपए- सिओ वि भाणियव्वो ।
- १४ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । एवं जाव अणंतपएसिओ।

१५ एगपएसोगाढे णं भंते ! पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे, अण्णम्मि वा ठाणे कालओ केवच्चिरं होइ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे ।

१६ एगपएसोगाढे णं भंते ! पोग्गले णिरेए कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे ।

१७ एगगुणकालए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । एवं जाव अणंतगुणकालए, एवं वण्ण गंध रस फासं जाव अणंतगुण लुक्खे । एवं सुहमपरिणए पोग्गले । एवं बादरपरिणए पोग्गले ।

१८ सद्वपरिणए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । असद्वपरिणए जहा एगगुणकालए ।

१९ परमाणु पोग्गलस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।

२० दुप्पएसियस्स णं भंते ! खंधस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं । एवं जाव अणंतपएसिओ ।

२१ एग पएसोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स सेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । एवं जाव असंखेज्ज पएसोगाढे ।

२२ एग पएसोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स णिरेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे ।

वण्ण गंध रस फास सुहमपरिणय बायरपरिणयाणं, एसिं जं चेव संचिट्ठणा तं चेव अंतरं वि भाणियव्वं ।

२३ सद्वपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।

असद्वपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ।

- २४ एयस्स णं भंते ! दव्वद्वाणाउयस्स, खेत्तद्वाणाउयस्स, ओगाहणद्वाणाउयस्स, भावद्वाणाउयस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवे खेत्तद्वाणाउए, ओगाहणद्वाणाउए असंखेज्जगुणे, दव्वद्वाणाउए असंखेज्जगुणे, भावद्वाणाउए असंखेज्जगुणे ।
 खेत्तोगाहणदव्वे, भावद्वाणाउयं च अप्पबहुं ।
 खेत्ते सव्वत्थोवे, सेसा ठाणा असंखेज्जगुणा ॥
- २५ णेरइया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा, उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा ?
 गोयमा ! णेरइया सारंभा सपरिग्गहा, णो अणारंभा णो अपरिग्गहा ।
 से केणद्वेणं भंते ! जाव णो अपरिग्गहा ?
 गोयमा ! णेरइया णं पुढविक्कायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति; सरीरा परिग्गहिया भवंति, कम्मा परिग्गहिया भवंति, सचित्ताचित्त-मीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति; से तेणद्वेणं गोयमा ! जाव णो अपरिग्गहा ।
- २६ असुरकुमारा णं भंते ! किं सारंभा, पुच्छा ? गोयमा ! असुरकुमारा सारंभा सपरिग्गहा, णो अणारंभा, अपरिग्गहा ।
 से केणद्वेणं भंते ! एवं ?
 गोयमा ! असुरकुमारा णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति, सरीरा परिग्गहिया भवंति, कम्मा परिग्गहिया भवंति, भवणा परिग्गहिया भवंति; देवा, देवीओ, मणुस्सा मणुस्सीओ, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहिया भवंति; आसण-सयण-भंड-मत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति; सचित्ताचित्त-मीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति । से तेणद्वेणं गोयमा ! जाव णो अपरिग्गहा । एवं जाव थणियकुमारा । एगिंदिया जहा णेरइया ।
- २७ बेइंदिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा ?
 गोयमा ! तं चेव जाव सरीरा परिग्गहिया भवंति; बाहिरिया भंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति। एवं जाव चउरिंदिया ।
- २८ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा?
 गोयमा ! तं चेव जाव कम्मा परिग्गहिया भवंति; टंका कूडा सेला सिहरी पब्भारा परिग्गहिया भवंति; जल थल बिल गुह लेणा परिग्गहिया भवंति; उज्झर णिज्झर चिल्लल पल्लल वप्पिणा परिग्गहिया भवंति; अगड तडाग दह णइओ वावि पुक्खरिणी दीहिया गुंजालिया सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतियाओ परिग्गहियाओ भवंति; आरामुज्जाणा काणणा वणा वणसंडा वणराईओ परिग्गहियाओ भवंति; देवउल सभा पवा थूभा खाइय परिखाओ परिग्गहियाओ भवंति; पागार अट्टालग चरिया दार गोपुरा परिग्गहिया भवंति; पासाय घर सरण लेण आवणा परिग्गहिया भवंति; सिंघाडग तिग चउक्क चच्चर चउम्मुह महापहा परिग्गहिया भवंति; सगड रह जाण जुगग गिल्लि थिल्लि सीयसंदमाणियाओ परिग्गहियाओ

भवन्ति; लोही लोहकडाह कडुच्छया परिग्गहिया भवन्ति; भवणा परिग्गहिया भवन्ति; देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहिया भवन्ति; आसण सयण खंभ भंड सचित्ताचित्त मीसयाइं दव्वाइ परिग्गहिया भवन्ति। से तेणट्ठेणं गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्ख जोणिया सारंभा सपरिग्गहा, णो अणारंभा अपरिग्गहा ।

जहा तिरिक्खजोणिया तहा मणुस्सा वि भाणियच्चा । वाणमंतर जोइस- वेमाणिया जहा भवणवासी तहा णेयच्चा ।

२९ पंच हेऊ पण्णत्ता, तं जहा- हेउं ण जाणइ, हेउं ण पासइ, हेउं ण बुज्झइ, हेउं णाभिसमागच्छइ, हेउं अण्णामरणं मरइ ।

३० पंच हेऊ पण्णत्ता, तं जहा- हेउणा ण जाणइ, हेउणा ण पासइ, हेउणा ण बुज्झइ, हेउणा णाभिगच्छइ, हेउणा अण्णामरणं मरइ ।

३१ पंच हेऊ पण्णत्ता । तं जहा- हेउं जाणइ, हेउं पासइ, हेउं बुज्झइ, हेउं अभिसमा- गच्छइ, हेउं छउमत्थमरणं मरइ ।

३२ पंच हेऊ पण्णत्ता, तं जहा- हेउणा जाणइ, हेउणा पासइ, हेउणा बुज्झइ, हेउणा अभिसमागच्छइ, हेउणा छउमत्थमरणं मरइ ।

३३ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तं जहा- अहेउं ण जाणइ, अहेउं ण पासइ, अहेउं ण बुज्झइ, अहेउं णाभिगच्छइ, अहेउं छउमत्थमरणं मरइ ।

३४ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तं जहा- अहेउणा ण जाणइ, अहेउणा ण पासइ, अहेउणा ण बुज्झइ, अहेउणा णाभिगच्छइ, अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ ।

३५ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तं जहा- अहेउं जाणइ, अहेउं पासइ, अहेउं बुज्झइ, अहेउं अभिगच्छइ, अहेउं केवलिमरणं मरइ ।

३६ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तं जहा- अहेउणा जाणइ, अहेउणा पासइ, अहेउणा बुज्झइ, अहेउणा अभिगच्छइ, अहेउणा केवलिमरणं मरइ ।

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देशो

१ तेणं कालेणं तेणं समणं रायगिहे णामं णयरे होत्था जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी णारयपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विहरइ ।

तेणं कालेणं तेणं समणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी णियंठिपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विहरइ ।

तएणं से णियंठिपुत्ते पुत्ते अणगारे, जेणामेव णारयपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी-

२ सव्वपोग्गला ते अज्जो ! किं सअइढा समज्झा सपएसा; उदाहु अणइढा अमज्झा अपएसा ? अज्जो ! त्ति णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी- सव्वपोग्गला मे अज्जो ! सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा ।

३ तएणं से णियंठिपुत्ते अणगारे णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी-जइ णं ते अज्जो ! सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा, अपएसा; किं दव्वादेसेणं खेत्तादेसेणं कालादेसेणं अदुव भावादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा?

तएणं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी- दव्वादेसेण वि मे अज्जो ! सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा; खेत्तादेसेण वि कालादेसेणं वि भावादेसेणं वि एवं चेव ।

४ तएणं से णियंठिपुत्ते अणगारे णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी- जइ णं अज्जो ! दव्वादेसेणं सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा; एवं ते परमाणुपोग्गले वि सअइढे समज्झे सपएसे; णो अणइढे अमज्झे अपएसे ?

जइ णं अज्जो ! खेत्तादेसेण सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; एवं ते एगपएसोगाढे वि पोग्गले सअइढे समज्झे सपएसे ?

जइ णं अज्जो ! कालादेसेणं सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; एवं ते एगसमयट्ठिइए वि पोग्गले सअइढे समज्झे सपएसे ?

जइ णं अज्जो ! भावादेसेणं सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; एवं ते एगगुणकाले वि पोग्गले सअइढे समज्झे सपएसे ?

अह ते एवं ण भवइ तो जं तुमं वयसि 'दव्वादेसेण वि सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा जाव भावादेसेण वि सव्वपोग्गला सअइढा समज्झा सपएसा; णो अणइढा अमज्झा अपएसा; तं णं मिच्छा ।

५ तएणं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी- णो खलु अहं देवाणुप्पिया ! एयमद्वं जाणामो पासामो; जइ णं देवाणुप्पिया णो गिलायंति परिकहित्तए तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमद्वं सोच्चा णिसम्म जाणित्तए ।

६ तएणं से णियंठिपुत्ते अणगारे णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी- दव्वादेसेण वि मे अज्जो ! सव्वे पोग्गला सपएसा वि, अप्पएसा वि अणंता; खेत्तादेसेण वि कालादेसेण वि, भावादेसेण वि एवं चेव ।

जे दव्वओ अपएसे- से खेत्तओ णियमा अपएसे; कालओ सिय सपएसे, सिय अपएसे; भावओ सिय सपएसे, सिय अपएसे । जे खेत्तओ अपएसे- से दव्वओ सिय सपएसे, सिय अपएसे; कालओ भयणाए; भावओ भयणाए; जहा खेत्तओ तहा कालओ, भावओ ।

जे दव्वओ सपएसे- से खेत्तओ सिय सपएसे, सिय अपएसे; एवं कालओ, भावओ वि । जे खेत्तओ सपएसे- से दव्वओ णियमा सपएसे; कालओ भयणाए भावओ भयणाए, जहा दव्वओ तहा कालओ, भावओ वि ।

७ एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं दव्वादेसेणं खेत्तादेसेणं कालादेसेणं भावादेसेणं सपएसाणं अपएसाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?

णारयपुत्ता ! सव्वत्थोवा पोग्गला भावादेसेणं अपएसा, कालादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा, दव्वादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा, खेत्तादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा, खेत्तादेसेणं चेव सपएसा असंखेज्जगुणा; दव्वादेसेणं सपएसा विसेसाहिया, काला-देसेणं सपएसा विसेसाहिया, भावादेसेणं सपएसा विसेसाहिया।

८ तएणं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एयं अट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेइ, खामित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ।

९ भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी- जीवा णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ? गोयमा ! जीवा णो वड्ढंति, णो हायंति; अवट्ठिया ।

१० णेरइया णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ? गोयमा ! णेरइया वड्ढंति वि हायंति वि अवट्ठिया वि । जहा णेरइया एवं जाव वेमाणिया ।

११ सिद्धा णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ? गोयमा ! सिद्धा वड्ढंति, णो हायंति, अवट्ठिया वि।

१२ जीवा णं भंते ! केवइयं कालं अवट्ठिया ? गोयमा ! सव्वद्धं ।

१३ णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । एवं हायंति वि ।

णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं अवट्ठिया ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता ।

एवं सत्तसु वि पुढवीसु वड्ढंति हायंति भाणियव्वा । अवट्ठिएसु इमं णाणत्तं, तं जहा-रयणप्पभाए पुढवीए अडयालीसं मुहुत्ता, सक्करप्पभाए चउद्दस राइंदिया, वालुयप्पभाए मासो, पंकप्पभाए दो मासा, धूमप्पभाए चत्तारि मासा, तमाए अट्ठ मासा, तमतमाए बारस मासा ।

१४ असुरकुमारा वि वड्ढंति हायंति जहा णेरइया । अवट्ठिया जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता। एवं दसविहा भवणवासिणो ।

१५ एगिंदिया वड्ढंति वि हायंति वि अवट्ठिया वि । एएहिं तिहि वि जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ।

- १६ बेइंदिया वड्ढंति हायंति तहेव; अवड्ढिया जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं दो अंतोमुहुत्ता । एवं जाव चउरिंदिया।
- १७ अवसेसा सव्वे वड्ढंति हायंति तहेव जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं; अवड्ढियाणं णाणत्तं इमं तं जहा- संमुच्छिमपंचिंदिय तिरिक्खजोणियाणं दो अंतोमुहुत्ता । गब्भवक्कंतियाणं चउव्वीसं मुहुत्ता । संमुच्छिम- मणुस्साणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता । गब्भवक्कंतियमणुस्साणं चउवीसं मुहुत्ता । वाणमंतर जोइस सोहम्मीसाणेसु अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता। सणंकुमारे अट्ठारस राइंदियाइं चत्तालीस य मुहुत्ता । माहिंदे चउवीसं राइंदियाइं वीस य मुहुत्ता । बंभलोए पंचचत्तालीसं राइंदियाइं । लंतए णउइं राइंदियाइं । महासुक्के सड्ढिं राइंदियसयं । सहस्सारे दो राइंदियसयाइं। आणयपाणयाणं संखेज्जा मासा, आरणच्चयाणं संखेज्जाइं वासाइं । एवं गेवेज्जदेवाणं। विजय वेजयंत जयंत अपराजियाणं असंखेज्जाइं वाससहस्साइं। सव्वड्ढिसिद्धे पलिओव- मस्स संखेज्जइभागो ।
- १८ सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अट्ठ समया ।
केवइयं कालं अवड्ढिया ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ।
- १९ जीवा णं भंते ! किं सोवचया, सावचया, सोवचय सावचया, णिरुवचय णिरवचया?
गोयमा ! जीवा णो सोवचया णो सावचया णो सोवचय सावचया; णिरुवचय णिरवचया ।
- २० एगिंदिया तईयपए, सेसा जीवा चउहिं पएहिं भाणियव्वा ।
- २१ सिद्धा णं पुच्छा ? गोयमा ! सिद्धा सोवचया, णो सावचया, णो सोवचय सावचया, णिरुवचय णिरवचया ।
- २२ जीवा णं भंते ! केवइयं कालं णिरुवचय णिरवचया ? गोयमा ! सव्वद्धं ।
- २३ णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ।
केवइयं कालं सावचया ? एवं चेव । केवइयं कालं सोवचय-सावचया ? एवं चेव । केवइयं कालं णिरुवचय-णिरवचया ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ।
- २४ एगिंदिया सव्वे सोवचयसावचया सव्वद्धं । सेसा सव्वे सोवचया वि, सावचया वि, सोवचयसावचया वि णिरुवचयणिरवचया वि; तिण्हं ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । णिरुवचय णिरवचयाणं (अवड्ढिएहिं) वक्कंतिकालो भाणियव्वो ।
- २५ सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अट्ठ समया।

केवइयं कालं णिरुवचय-णिरवचया ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं छ मासा ।
॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमं उद्देसो समत्तो ॥

पंचमं सतं

णवमो उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी- किं इयं भंते ! णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ, किं पुढवी णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ; आऊ णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ; किं तेऊ वाऊ वणस्सई णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ ? एवं किं टंका कूडा जाव सचित्ताचित्त मीसयाइं दव्वाइं णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ ?

गोयमा ! पुढवी वि णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्त मीसयाइं दव्वाइं णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ ।

२ से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! पुढवी जीवा इ य, अजीवा इ य, णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्त-मीसयाइं दव्वाइं, जीवा इ य, अजीवा इ य, णयरं रायगिहं ति पवुच्चइ। से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव रायगिहं ति पवुच्चइ ।

३ से णूणं भंते ! दिया उज्जोए, राइं अंधयारे ? हंता गोयमा ! जाव अंधयारे।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं ? गोयमा ! दिया सुभा पोग्गला, सुभे पोग्गलपरिणामे, राइं असुभा पोग्गला, असुभे पोग्गलपरिणामे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं ।

४ णेरइयाणं भंते ! किं उज्जोए, अंधयारे ? गोयमा ! णेरइयाणं णो उज्जोए, अंधयारे ।

से केणट्ठेणं भंते एवं ? गोयमा ! णेरइयाणं असुभा पोग्गला, असुभे पोग्गलपरिणामे। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं ।

५ असुरकुमाराणं भंते ! किं उज्जोए, अंधयारे ? गोयमा ! असुरकुमाराणं उज्जोए, णो अंधयारे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं ? गोयमा ! असुरकुमाराणं सुभा पोग्गला, सुभे पोग्गलपरिणामे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं । एवामेव णागकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं।

पुढविक्काइया जाव तेइंदिया जहा णेरइया ।

६ चउरिंदियाणं भंते ! किं उज्जोए, अंधयारे ? गोयमा ! उज्जोए वि अंधयारे वि ।

से केणट्ठेणं ? भंते एवं ? गोयमा ! चउरिंदियाणं सुभासुभा य पोग्गला सुभासुभे य पोग्गलपरिणामे; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं । एवामेव पंचिंदियतिरिक्ख- जोणियाणं वि मणुस्साणं वि। वाणमंतर जोइस वेमाणिया जहा असुरकुमारा ।

७ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं तत्थगयाणं एवं पण्णायए, तं जहा- समयाइ वा, आवलिया इ वा जाव उस्सप्पिणी इ वा, ओसप्पिणी इ वा ?

गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे ।

से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयाणं तत्थगयाणं णो पण्णायए, तं जहा- समया इ वा जाव ओसप्पिणी इ वा ?

गोयमा ! इहं तेसिं माणं, इहं तेसिं पमाणं, इहं तेसिं एवं पण्णायए, तं जहा- समया इ वा जाव ओसप्पिणी इ वा; से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- णेरइयाणं जाव उस्सप्पिणी इ वा । एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ।

८ अत्थि णं भंते ! मणुस्साणं इहगयाणं एवं पण्णायए, तं जहा- समया इ वा जाव उस्सप्पिणी इ वा ? गोयमा ! हंता, अत्थि ।

से केणद्वेणं भंते ! एवं ? गोयमा ! इहं तेसिं माणं, इहं तेसिं पमाणं, इहं चेव तेसिं एवं पण्णायए, तं जहा- समया इ वा जाव ओसप्पिणी इ वा । से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं । वाणंमंतर जोइस वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ।

९ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी- से णूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा; विगच्छिंसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा; परित्ता राइंदिया उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा; विगच्छिंसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा ?

हंता अज्जो ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया, उप्पज्जिंसु वा जाव विगच्छिस्संति वा ।

से केणद्वेणं भंते ! जाव विगच्छिस्संति वा ?

१० से णूणं भे अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए बुइए, अणाइए, अणवदग्गे, परित्ते पुरिवुडे; हेद्वा विच्छिण्णे, मज्झे संखित्ते, उप्पिं विसाले; अहे पलियंकसंठिए, मज्झे वरवइरविग्गहिए, उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठिए; तेसिं च णं सासयंसि लोगंसि अणाइयंसि अणवदग्गंसि, परित्तंसि परिवुडंसि, हेद्वा विच्छि- ण्णंसि, मज्झे संखित्तंसि, उप्पिं विसालंसि; अहे पलियंकसंठियंसि, मज्झे वरवइर- विग्गहियंसि, उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठियंसि अणंता जीवघणा उप्पज्जित्ता, उप्पज्जित्ता णिलीयंति, परित्ता जीवघणा उप्पज्जित्ता-उप्पज्जित्ता णिलीयंति; से भूए उप्पण्णे विगए परिणए; अजीवेहिं लोक्कइ पलोक्कइ; जे लोक्कइ से लोए? हंता भगवं! से तेणद्वेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ- असंखेज्जे लोए जाव तं चेव । तप्पभिइं च णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणंति 'सव्वण्णू सव्वदरिसी' ।

११ तएणं ते थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्मओ पंच महव्वयाइं, सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंथं ।

तएणं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाव चरमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा; अत्थेगइया देवलोएसु उववण्णा ।

१२ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउत्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तं जहा- भवणवासी वाणमंतर- जोइसिय वेमाणिया । भेएण- भवणवासी दसविहा, वाणमंतरा अइविहा, जोइसिया पंचविहा, वेमाणिया दुविहा ।

१३ किमियं रायगिहं ति य, उज्जोए अंधयार समए य ।

पासंतेवासी पुच्छा, राइंदिय देवलोगा य ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देसो समत्तो ॥

दसमो उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था । एवं जहा पढमिल्लो उद्देसओ तहा पोयव्वो एसो वि, णवरं चंदिमा भाणियव्वा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ दसमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ पंचमं सतं समत्तं ॥

छट्ठं सतं

पढमो उद्देसो

१ वेयण आहार महस्सवे य, सपएस तमुयाए भविए ।

साली पुढवी कम्म, अण्णउत्थिय दस छट्ठगम्मि सए ॥

२ से णूणं भंते ! जे महावेयणे से महाणिज्जरे, जे महाणिज्जरे से महावेयणे? महावेयणस्स य अप्पवेयणस्स य से सेए जे पसत्थणिज्जराए ?

हंता गोयमा ! जे महावेयणे से महाणिज्जरे, जे महाणिज्जरे से महावेयणे। महावेयणस्स य अप्पवेयणस्स य से सेए जे पसत्थणिज्जराए ।

३ छट्ठ-सत्तमासु णं भंते ! पुढवीसु णेरइया महावेयणा ? हंता गोयमा ! महा- वेयणा ।

४ ते णं भंते ! समणेहिंतो णिग्गंथेहिंतो महाणिज्जरतरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

५ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जे महावेयणे जाव पसत्थ णिज्जराए ?

गोयमा ! से जहाणामए दुवे वत्था सिया, एगे वत्थे कद्धमरागरत्ते, एगे वत्थे खंजणरागरत्ते; एएसि णं गोयमा ! दोण्हं वत्थाणं कयरे वत्थे दुद्धोयतराए चेव, दुवामतराए चेव, दुप्परिकम्मतराए चेव; कयरे वा वत्थे सुद्धोयतराए चेव, सुवामतराए चेव, सुप्परिकम्मतराए चेव; जे वा से वत्थे कद्धमरागरत्ते, जे वा से वत्थे खंजणरागरत्ते?

भगवं ! तत्थ णं जे से वत्थे कद्धमरागरत्ते, से णं वत्थे दुद्धोयतराए चेव, दुवामतराए चेव, दुप्परिकम्मतराए चेव । एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं, चिक्कणीकयाइं सिलिढीकयाइं, खिलीभूयाइं भवन्ति । संपगाढं पि य णं ते वेयणं वेएमाणा णो महाणिज्जरा, णो महापज्जवसाणा भवन्ति ।

६ अदुत्तरं च णं गोयमा ! से जहा वा केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया महया सद्धेणं, महया महया घोसेणं, महया महया परंपराघाएणं णो संचाएइ तीसे अहिगरणीए केइ अहाबायरे पोग्गले परिसाडित्ते । एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं जाव णो महापज्जवसाणाइं भवन्ति ।

७ भगवं ! तत्थ जे से वत्थे खंजणरागरत्ते से णं वत्थे सुद्धोयतराए चेव, सुवामतराए चेव, सुपरिकम्मतराए चेव; एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं, णिढियाइं कडाइं, विप्परिणामियाइं खिप्पामेव विद्धत्थाइं भवन्ति । जावइयं तावइयं पि णं ते वेयणं वेएमाणा महाणिज्जरा, महापज्जवसाणा भवन्ति ।

८ से जहा णामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से णूणं गोयमा! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसा- विज्जइ ? हंता, मसमसाविज्जइ । एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं जाव महापज्जवसाणा भवन्ति ।

९ अदुत्तरं च णं गोयमा ! से जहा णामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदु पक्खिवेज्जा; से णूणं गोयमा! से उदगबिंदु तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ ? हंता, विद्धंसमागच्छइ । एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं जाव महापज्जवसाणा भवन्ति । से तेणद्धेणं जे महावेयणे से महाणिज्जरे जाव से सेए जे पसत्थ णिज्जराए ।

१० कइविहे णं भंते ! करणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! चउत्विहे करणे पण्णत्ते, तं जहा- मणकरणे, वइकरणे, कायकरणे, कम्मकरणे ।

११ णेरइयाणं भंते ! कइविहे करणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ।

एवं पंचिंदियाणं सव्वेसिं चउत्विहे करणे । एगिंदियाणं दुविहे- कायकरणे य कम्मकरणे य । विगलिंदियाणं तिविहे- वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ।

१२ णेरइया णं भंते ! किं करणओ असायं वेयणं वेयंति, अकरणओ असायं वेयणं वेयंति?

गोयमा ! णेरइया णं करणओ असायं वेयणं वेयंति, णो अकरणओ असायं वेयणं वेयंति ।

से केणद्धेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! णेरइयाणं चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तं जहा- मणकरणे, वइकरणे, कायकरणे, कम्मकरणे। इच्चेएणं चउव्विहेणं असुभेणं करणेणं णेरइया करणओ असायं वेयणं वेयंति, णो अकरणओ; से तेणहेणं ।

१३

असुरकुमारा णं भंते ! किं करणओ सायं वेयणं वेयंति, अकरणओ ? गोयमा ! असुरकुमारा णं करणओ सायं वेयणं वेयंति, णो अकरणओ सायं वेयणं वेयंति ।

से केणहेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! असुरकुमाराणं चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तं जहा- मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे । इच्चेएणं सुभेणं करणेणं असुरकुमारा करणओ सायं वेयणं वेयंति, णो अकरणओ । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

१४

पुढवीकाइयाणं एवामेव पुच्छा ? णवरं-इच्चेएणं सुभासुभेणं करणेणं पुढविक्काइया करणओ वेमायाए वेयणं वेदंति, णो अकरणओ । ओरालियसरीरा सव्वे सुभासुभेणं वेमायाए। देवा सुभेणं सायं ।

१५

जीवा णं भंते ! किं महावेयणा महाणिज्जरा, महावेयणा अप्पणिज्जरा, अप्पवेयणा महाणिज्जरा, अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ?

गोयमा ! अत्थेगइया जीवा महावेयणा महाणिज्जरा, अत्थेगइया जीवा महावेयणा अप्पणिज्जरा, अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा महाणिज्जरा, अत्थेगइया जीवा अप्प- वेयणा अप्पणिज्जरा ।

१६

से केणहेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइया जीवा महावेयणा महाणिज्जरा जाव अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ?

गोयमा ! पडिमापडिवण्णए अणगारे महावेयणे महाणिज्जरे; छट्ठसत्तमासु पुढवीसु णेरइया महावेयणा अप्पणिज्जरा; सेलेसिं पडिवण्णए अणगारे अप्पवेयणे महाणिज्जरे; अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ।

महावेयणे य वत्थे, कद्धम खंजणकए य अहिगरणी ।

तणहत्थे य कवल्ले, करण महावेयणा जीवा ॥

॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

१

रायगिहं णयरं जाव एवं वयासी- आहारुद्देसओ जो पण्णवणाए सो सव्वो णिरवसेसो णेयव्वो ॥
सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१

बहुकम्म वत्थ पोग्गल, पओगसा वीससा य साइए ।

कम्मट्ठिइ त्थि संजय, सम्मदिट्ठी य सण्णी य ॥१॥

भविए दंसण पज्जत्त, भासय परित्ते णाण जोगे य ।

उवओगाहारग सुहुम, चरिम बंधे य अप्पबहुं ॥२॥

२

से णूणं भंते ! महाकम्मस्स महाकिरियस्स महासवस्स महावेयणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति, सव्वओ पोग्गला चिज्जंति, सव्वओ पोग्गला उवचिज्जंति, सया समियं पोग्गला बज्झंति, सया समियं पोग्गला चिज्जंति, सया समियं पोग्गला उवचिज्जंति, सया समियं च णं तस्स आया दुरुवत्ताए, दुवण्णत्ताए, दुगंधत्ताए, दुरसत्ताए, दुफासत्ताए; अणिट्ठत्ताए, अकंत-अप्पिय-असुभ- अमणुण्ण-अमणामत्ताएअणिच्छियत्ताए, अणभिज्झियत्ताए, अहत्ताए, णो उड्ढत्ताए; दुक्खत्ताए, णो सुहत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति ? हंता गोयमा ! महाकम्मस्स जाव तं चेव ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! से जहाणामए वत्थस्स अहयस्स वा धोयस्स वा तंतुग्गयस्स वा आणुपुव्वीए परिभुज्जमाणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति; सव्वओ पोग्गला चिज्जंति; जाव परिणमंति; से तेणट्ठेणं ।

३

से णूणं भंते ! अप्पकम्मस्स, अप्पकिरियस्स, अप्पासवस्स, अप्पवेयणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति, सव्वओ पोग्गला छिज्जंति, सव्वओ पोग्गला विद्धंसंति, सव्वओ पोग्गला परिविद्धंसंति; सया समियं पोग्गला भिज्जंति, सया समियं पोग्गला छिज्जंति, विद्धंसंति, परिविद्धंसंति; सया समियं च णं तस्स आया सुरुवत्ताए एवं पसत्थं णेयव्वं जाव सुहत्ताए, णो दुक्खत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ? हंता गोयमा! जाव परिणमंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं ? गोयमा ! से जहाणामए वत्थस्स जल्लियस्स वा पंकिरियस्स वा मडल्लियस्स वा रडल्लियस्स वा आणुपुव्वीए परिकम्मिज्जमाणस्स सुद्धेणं वारिणा धोव्वमाणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति जाव परिणमंति; से तेणट्ठेणं ।

४

वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचये किं पओगसा, वीससा ? गोयमा ! पओगसा वि वीससा वि । जहा णं भंते ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए पओगसा वि वीससा वि; तहा णं जीवाणं कम्मोवचए किं पओगसा, वीससा ? गोयमा ! पओगसा, णो वीससा ।

से केणट्ठेणं भंते एवं ?

गोयमा ! जीवाणं तिविहे पओगे पण्णत्ते, तं जहा- मणप्पओगे, वडप्पओगे, कायप्पओगे; इच्चेएणं तिविहेणं पओगेणं जीवाणं कम्मोवचये पओगसा, णो वीससा; एवं सव्वेसिं पंचिंदियाणं तिविहे पओगे भाणियव्वे । पुढवीकाइयाणं एगविहेणं पओगेणं, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । विगलिंदियाणं दुविहे पओगे पण्णत्ते, तं जहा- वडप्पओगे, कायपओगे य,

इच्चेणं दुविहेणं पओगेणं कम्मोवचए पओगसा, णो वीससा; से तेणद्वेणं गोयमा ! जाव णो वीससा । एवं जस्स जो पओगो जाव वेमाणियाणं ।

५ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं साइए सपज्जवसिए साइए अपज्जवसिएअणाइए सपज्जवसिए अणाइए अपज्जवसिए ?

गोयमा ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए साइए सपज्जवसिए; णो साइए अपज्ज- वसिए, णो अणाइए सपज्जवसिए, णो अणाइए अपज्जवसिए ।

६ जहा णं भंते ! वत्थस्स पोग्गलोवचए साइए सपज्जवसिए; णो साइए अपज्ज- वसिए णो अणाइए सपज्जवसिए णो अणाइए अपज्जवसिए; तहा णं जीवाणं कम्मोवचए पुच्छा ?

गोयमा ! अत्थेगइयाणं जीवाणं कम्मोवचए साइए सपज्जवसिए अत्थेगइयाणं अणाइए सपज्जवसिए अत्थेगइयाणं अणाइए अपज्जवसिए, णो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अपज्जवसिए ।

से केणद्वेणं भंते एवं ?

गोयमा ! इरियावहियबंधयस्स कम्मोवचए साइए सपज्जवसिए । भवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए सपज्जवसिए । अभवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए अपज्ज- वसिए; से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

७ वत्थे णं भंते ! किं साइए सपज्जवसिए, चउभंगो पुच्छा ?

गोयमा ! वत्थे साइए सपज्जवसिए, अवसेसा तिण्णि वि पडिसेहेयव्वा ।

८ जहा णं भंते ! वत्थे साइए सपज्जवसिए, णो साइए अपज्जवसिए, णो अणाइए सपज्जवसिए, णो अणाइए अपज्जवसिए तहा णं जीवा किं साइया सपज्जवसिया, चउभंगो पुच्छा ?

गोयमा ! अत्थेगइया साइया सपज्जवसिया, एवं चत्तारि वि भंगा भाणियव्वा ।

से केणद्वेणं भंते एवं ?

गोयमा ! णेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवा गइरागइं पडुच्च साइया सपज्जवसिया, सिद्धा सिद्ध गइं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, भवसिद्धिया लद्धिं पडुच्च अणाइया सपज्जवसिया, अभवसिद्धिया संसारं पडुच्च अणाइया अपज्ज- वसिया, से तेणद्वेणं ।

९ कइ णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पणत्ताओ ?

गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पणत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं दरिसणा-वरणिज्जं जाव अंतराइयं ।

१० णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधद्विई पणत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मद्विई कम्मणिसेओ । एवं दरिसणा- वरणिज्जस्स वि ।

वेयणिज्जस्स जहण्णेणं दो समया, उक्कोसेणं जहा णाणावरणिज्जं । मोहणिज्जस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरिसागरोवमकोडाकोडीओ, सत य वाससहस्साणि अबाहा, अबाहूणिया कम्मद्विई कम्मणिसेओ ।

आउयस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिभाग-मब्भहियाणि कम्मद्विई कम्मणिसेओ ।

णामगोयाणं जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ता, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, दोण्णि य वाससहस्साणि अबाहा, अबाहूणिया कम्मद्विई कम्मणिसेओ । अंतराइयं जहा णाणावरणिज्जं ।

११ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ, पुरिसो बंधइ, णपुंसओ बंधइ, णोइत्थी-णोपुरिस-णोणपुंसओ बंधइ ?

गोयमा ! इत्थी वि बंधइ, पुरिसे वि बंधइ, णपुंसओ वि बंधइ; णोइत्थी- णोपुरिस-णोणपुंसओ सिय बंधइ, सिय णो बंधइ । एवं आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ ।

१२ आउयं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ, पुरिसो बंधइ, णपुंसओ बंधइ, पुच्छा ?

गोयमा ! इत्थी सिय बंधइ, सिय णो बंधइ । एवं तिण्णि वि भाणियव्वा; णोइत्थी-णोपुरिस-णोणपुंसओ ण बंधइ।

१३ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं संजए बंधइ, असंजए बंधइ, संजयासंजए बंधइ, णोसंजय-णोअसंजय-णोसंजयासंजए बंधइ ?

गोयमा ! संजए सिय बंधइ, सिय णो बंधइ; असंजए बंधइ; संजयासंजए वि बंधइ; णोसंजय-णोअसंजय- णोसंजयासंजए ण बंधइ । एवं आउयवज्जाओ सत्त वि । आउए हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए, उवरिल्ले ण बंधइ।

१४ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सम्मदिट्ठी बंधइ, मिच्छदिट्ठी बंधइ, सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ?

गोयमा ! सम्मदिट्ठी सिय बंधइ, सिय णो बंधइ; मिच्छदिट्ठी बंधइ, सम्मा- मिच्छदिट्ठी बंधइ; एवं आउयवज्जाओ सत्त वि, आउए हेट्ठिल्ला दो भयणाए, सम्मा- मिच्छदिट्ठी ण बंधइ । आउए हेट्ठिल्ला दो भयणाए, सम्मामिच्छादिट्ठी ण बंधइ ।

१५ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सण्णी बंधइ, असण्णी बंधइ, णोसण्णी णोअसण्णी बंधइ?

गोयमा ! सण्णी सिय बंधइ, सिय णो बंधइ। असण्णी बंधइ। णोसण्णी-णोअसण्णी ण बंधइ। एवं वेयणिज्जाउयवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ । वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला दो बंधंति, उवरिल्ले भयणाए, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्ले ण बंधइ ।

१६ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं भवसिद्धिए बंधइ, अभवसिद्धिए बंधइ, णोभवसिद्धिय-णोअभवसिद्धिए बंधइ?

गोयमा ! भवसिद्धिए भयणाए, अभवसिद्धिए बंधइ; णोभवसिद्धिय-णोअभव-सिद्धिए ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ सत्त वि, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्ले ण बंधइ ।

- १७ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं चक्खुदंसणी बंधइ, अचक्खुदंसणी बंधइ, ओहिदंसणी बंधइ, केवलदंसणी बंधइ ?
गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए । उवरिल्ले ण बंधइ । एवं वेयणिज्ज- वज्जाओ सत्त वि । वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला तिण्णि बंधंति, केवलदंसणी भयणाए ।
- १८ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं पज्जत्तए बंधइ, अपज्जत्तए बंधइ, णोपज्जत्तय- णोअपज्जत्तए बंधइ ?
गोयमा ! पज्जत्तए भयणाए; अपज्जत्तए बंधइ, णोपज्जत्तय- णोअपज्जत्तए ण बंधइ । एवं आउयवज्जाओ सत्त वि, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्ले ण बंधइ ।
- १९ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं भासए बंधइ, अभासए बंधइ ?
गोयमा ! दो वि भयणाए, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्त वि । वेयणिज्जं भासए बंधइ, अभासए भयणाए ।
- २० णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं परित्ते बंधइ, अपरित्ते बंधइ, णोपरित्ते- णोअपरित्ते बंधइ ?
गोयमा ! परित्ते भयणाए, अपरित्ते बंधइ, णोपरित्ते णोअपरित्ते ण बंधइ । एवं आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ। आउयं परित्ते वि अपरित्ते वि भयणाए णोपरित्ते णोअपरित्ते ण बंधइ।
- २१ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं आभिणिबोहियणाणी बंधइ, सुयणाणी, ओहिणाणी, मणपज्जवणाणी, केवलणाणी बंधइ ?
गोयमा! हेट्ठिल्ला चत्तारि भयणाए, केवलणाणी ण बंधइ । एवं वेयणिज्ज- वज्जाओ सत्त वि । वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला चत्तारि बंधंति, केवलणाणी भयणाए ।
- २२ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं मइअण्णाणी बंधइ, सुयअण्णाणी बंधइ, विभंगणाणी बंधइ ?
गोयमा ! आउयवज्जाओ सत्त वि बंधंति, आउयं भयणाए ।
- २३ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं मणजोगी बंधइ, वयजोगी बंधइ, कायजोगी बंधइ, अजोगी बंधइ ?
गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए, अजोगी ण बंधइ । एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्त वि । वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला बंधंति, अजोगी ण बंधइ ।
- २४ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सागारोवउत्ते बंधइ, अणागारोवउत्ते बंधइ ? गोयमा ! अट्ठसु वि भयणाए ।
- २५ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं आहारए बंधइ, अणाहारए बंधइ ?

गोयमा ! दो वि भयणाए । एवं वेयणिज्जाउयवज्जाणं छण्हं, वेयणिज्जं आहारए बंधइ, अणाहारए भयणाए । आउए आहारए भयणाए, अणाहारए ण बंधइ।

२६ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सुहुमे बंधइ, बायरे बंधइ, णोसुहुम-णोबायरे बंधइ ? गोयमा ! सुहुमे बंधइ, बायरे भयणाए, णोसुहुम णोबायरे ण बंधइ । एवं आउयवज्जाओ सत्त वि। आउए सुहुमे, बायरे भयणाए; णोसुहुम णोबायरे ण बंधइ ।

२७ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं चरिमे बंधइ, अचरिमे बंधइ ? गोयमा ! अट्ठ वि भयणाए ।

२८ एएसि णं भंते ! जीवाणं इत्थीवेयगाणं, पुरिसेवेयगाणं, णपुसंगवेयगाणं, अवेयगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेयगा, इत्थिवेयगा संखेज्जगुणा, अवेयगा अणंतगुणा, णपुसंगवेयगा अणंतगुणा । एएसिं सव्वेसिं पयाणं अप्प-बहुगाइं उच्चारयेव्वाइं जाव सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा, चरिमा अणंतगुणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

१ जीवे णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसे, अपएसे ? गोयमा ! णियमा सपएसे ।

२ णेरइए णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसे अपएसे ? गोयमा ! सिय सपएसे, सिय अपएसे । एवं जाव सिद्धे ।

३ जीवा णं भंते ! कालादेसणं किं सपएसा, अपएसा ? गोयमा ! णियमा सपएसा ।

४ णेरइया णं भंते ! कालादेसणं किं सपएसा, अपएसा ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सपएसा, अहवा सपएसा य अपएसे य, अहवा सपएसा य अपएसा य । एवं जाव थणियकुमारा ।

५ पुढविकाइया णं भंते ! किं सपएसा, अपएसा ? गोयमा ! सपएसा वि अपएसा वि । एवं जाव वणस्सइकाइया । सेसा जहा णेरइया तहा जाव सिद्धा ।

- ६ आहारगाणं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो । अणाहारगाणं जीव एगिंदियवज्जा छब्भंगा एव भाणियव्वा-सपएसा वा; अपएसा वा; अहवा सपएसे य अपएसे य; अहवा सपएसे य अपएसा य; अहवा सपएसा य अपएसे य; अहवा सपएसा य अपएसा य । सिद्धेहिं तियभंगो ।
- ७ भवसिद्धिया, अभवसिद्धिया जहा ओहिया । णोभवसिद्धिय-णोअभवसिद्धिया जीवसिद्धेहिं तियभंगो ।
- ८ सण्णीहिं जीवाइओ तियभंगो । असण्णीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो । एगिंदिएसु अभंगयं । णेरइय-देव-मणुएहिं छब्भंगो । णोसण्णि णोअसण्णि जीवमणुयसिद्धेहिं तियभंगो ।
- ९ सलेसा जहा ओहिया । कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा जहा आहारओ, णवरं जस्स अत्थि एयाओ । तेउलेस्साए जीवाइओ तियभंगो, णवरं पुढवि-आउवणस्सईसु छब्भंगा । पम्हलेस्स-सुक्कलेस्साए जीवाइओ तियभंगो । अलेसेहिं जीव सिद्धेहिं तियभंगो । मणुएसु छब्भंगा ।
- १० सम्मदिट्ठीहिं जीवाइओ तियभंगो । विगल्लिंदिएसु छब्भंगा । मिच्छदिट्ठीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो । सम्मामिच्छदिट्ठीहिं छब्भंगा ।
- ११ संजएहिं जीवाइओ तियभंगो । असंजएहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो । संजया- संजएहिं तियभंगो जीवाइओ । णोसंजय णोअसंजय णोसंजयासंजय जीव सिद्धेहिं तियभंगो ।
- १२ सकसाईहिं जीवाइओ तियभंगो । एगिंदिएसु अभंगयं । कोहकसाईहिं जीव-एगिंदियवज्जो तियभंगो । देवेहिं छब्भंगा । माणकसाई-मायाकसाईहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो । णेरइय-देवेहिं छब्भंगा । लोभकसाईहिं जीव एगिंदिय वज्जो तियभंगो । णेरइएसु छब्भंगा । अकसाई जीवमणुयसिद्धेहिं तियभंगो ।
- १३ ओहियणाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे जीवाइओ तियभंगो । विगल्लिंदिएहिं छब्भंगा । ओहियणाणे, मणपज्जवणाणे, केवलणाणे जीवाइओ तियभंगो । ओहिए अण्णाणे, मइअण्णाणे, सुयअण्णाणे, एगिंदियवज्जो तियभंगो । विभंगणाणे जीवाइओ तियभंगो ।
- १४ सजोगी जहा ओहिओ । मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी जीवाइओ तियभंगो, णवरं कायजोगी एगिंदियेसु अभंगयं । अजोगी जहा अलेस्सा ।
- १५ सागरोवउत्त-अणागारोवउत्तेहिं जीव एगिंदियवज्जो तियभंगो ।
- १६ सवेयगा य जहा सकसाई । इत्थिवेयग-पुरिसवेयग-णपुंसगवेयगेसु जीवाइओ तियभंगो । णवरं णपुंसगवेदे एगिंदिएसु अभंगयं । अवेयगा जहा अकसाई ।
- १७ ससरीरी जहा ओहिओ । ओरालिय-वेउव्वियसरीराणं जीव-एगिंदियवज्जो तियभंगो । आहारगसरीरे जीव- मणुएसु छब्भंगा, तेयग-कम्मगाणं जहा ओहिया । असरीरेहिं जीव-सिद्धेहिं तियभंगो ।

- १८ आहारपज्जत्तीए, सरीरपज्जत्तीए, इंदियपज्जत्तीए, आणापाणपज्जत्तीए जीव- एगिंदियवज्जो तियभंगो, भासा- मणपज्जत्तीए जहा सण्णी, आहार अपज्जत्तीए जहा अणाहारगा, सरीर अपज्जत्तीए, इंदिय अपज्जत्तीए, आणापाण अपज्जत्तीए जीव- एगिंदियवज्जो तियभंगो, णेरइय- देव-मणुएहिं छब्भंगा, भासामणअपज्जत्तीए जीवाइओ तियभंगो, णेरइय-देव-मणुएहिं छब्भंगा ।
- १९ सपएसा आहारग भविय, सण्णि लेसा दिट्ठि संजय कसाए ।
णाणे जोगुवओगे, वेए य सरीर पज्जत्ती ॥
- २० जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी, अपच्चक्खाणी, पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ?
गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणी वि अपच्चक्खाणी वि पच्चक्खाणापच्चक्खाणी वि ।
- २१ सव्वजीवाणं एवं पुच्छा ?
गोयमा ! णेरइया अपच्चक्खाणी एवं जाव चउरिंदिया, सेसा दो पडिसेहे-यव्वा ।
पंचिंदियतिरिक्खजोणीया णो पच्चक्खाणी, अपच्चक्खाणी वि, पच्चक्खाणा- पच्चक्खाणी वि।
मणुस्सा तिण्णि वि । सेसा जहा णेरइया ।
- २२ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं जाणंति, अपच्चक्खाणं जाणंति, पच्चक्खाणा-पच्चक्खाणं जाणंति ?
गोयमा ! जे पंचिंदिया ते तिण्णि वि जाणंति । अवसेसा तिण्णि वि ण जाणंति ।
- २३ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं कुव्वंति, अपच्चक्खाणं कुव्वंति, पच्चक्खाणा-पच्चक्खाणं कुव्वंति ?
गोयमा ! जहा ओहिओ तहा कुव्वणा ।
- २४ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया, अपच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया, पच्चक्खाणा-पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया ?
गोयमा ! जीवा य वेमाणिया य पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया, एवं तिण्णि वि; अवसेसा अपच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया ।
- २५ पच्चक्खाणं जाणइ, कुव्वइ, तिण्णेव आउणिव्वत्ती ।
सपएसुद्धेसम्मि य एमेए दंडगा चउरो । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

- १ किमियं भंते ! 'तमुक्काए' त्ति पव्वुच्चइ, किं पुढवी तमुक्काए त्ति पव्वुच्चइ, आऊ तमुक्काए त्ति पव्वुच्चइ ? गोयमा ! णो पुढवि तमुक्काए त्ति पव्वुच्चइ, आऊ तमुक्काए त्ति पव्वुच्चइ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! पुढविकाए णं अत्थेगइए सुभे; देसं पगासेइ, अत्थेगइए देसं णो पगासेइ । से तेणट्ठेणं ।

२ तमुक्काए णं भंते ! कहिं समुट्ठिए, कहिं सण्णिट्ठिए ?

गोयमा ! जंबुद्वीवस्स दीवस्स बहिया तिरियमसंखेज्जे दीव समुद्वे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्वं बायालीसं जोयण- सहस्साणि ओगाहित्ता उवरिल्लाओ जलंताओ एगपएसियाए सेढीए एत्थ णं तमुक्काए समुट्ठिए । सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उप्पइत्ता तओ पच्छा तिरियं पवित्थरमाणे- पवित्थरमाणे सोहम्मीसाण- सणकुमारमाहिंदे चत्तारि वि कप्पे आवरित्ता णं उड्ढं पि य णं जाव बंभलोगे कप्पे रिद्धविमाणापत्थडं संपत्ते; एत्थ णं तमुक्काए णं सण्णिट्ठिए ।

३ तमुक्काए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ?

गोयमा ! अहे मल्लगमूलसंठिए, उप्पिं कुक्कुडपंजरगसंठिए पण्णत्ते ।

४ तमुक्काए णं भंते ! केवइयं विक्खंभेणं, केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- संखेज्जवित्थडे य, असंखेज्जवित्थडे य; तत्थ णं जे से संखेज्जवित्थडे से णं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ते । तत्थ णं जे से असंखेज्जवित्थडे से णं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ।

५ तमुक्काए णं भंते ! के महालए पण्णत्ते ?

गोयमा ! अयं णं जंबुद्वीवे दीवे सव्वदीव-समुद्धानं सव्वब्भंतराए जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते । देवे णं महिड्ढीए जाव महाणुभावे इणामेव-इणामेव त्ति कट्ठु केवलकप्पं जंबुद्वीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तक्खुत्तो अणुपरियट्ठिता णं हव्वमागच्छिज्जा, से णं देवे ताए उक्किट्ठाए, तुरियाए जाव देवगईए वीईवयमाणे वीईवयमाणे जाव एगाहं वा, दुयाहं वा, तियाहं वा; उक्कोसेणं छम्मासे वीईवएज्जा, अत्थेगइयं तमुकायं वीईवएज्जा, अत्थेगइयं तमुक्कायं णो वीईवएज्जा, एमहालए णं गोयमा! तमुक्काए पण्णत्ते ।

६ अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गेहा इ वा, गेहावणा इ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गामा इ वा, जाव सण्णिवेसा इ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे।

७ अत्थि णं भंते ! तमुक्काए उराला बलाहया संसेयंति, सम्मुच्छंति, वासं वासंति ? हंता, अत्थि।

तं भंते ! किं देवो पकरेइ, असुरो पकरेइ, णागो पकरेइ ? गोयमा ! देवो वि पकरेइ, असुरो वि पकरेइ, णागो वि पकरेइ ।

८ अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बायरे थणियसद्धे, बायरे विज्जुए ? हंता, अत्थि। तं भंते ! किं देवो पकरेइ, पुच्छा ? गोयमा ! तिण्णि वि पकरंति ।

- ९ अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बायरे पुढविकाए, बायरे अगणिकाए ?
गोयमा ! णो इणढे समढे । णणत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं ।
- १० अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदिम सूरिय गहगण णक्खत्ततारारूवा ?
गोयमा ! णो इणढे समढे; पलियस्सओ पुण अत्थि ।
अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदाभा इ वा सूरूभा इ वा ? गोयमा ! णो इणढे समढे;
कादूसणिया पुण सा ।
- ११ तमुक्काए णं भंते ! केरिसए वण्णएणं पण्णत्ते ?
गोयमा ! काले कालोभासे, गंभीर लोमहरिसजणणे, भीमे, उत्तासणए, परमकिण्हे वण्णेणं
पण्णत्ते। देवे वि णं अत्थेगइए जे णं तप्पढमयाए पासित्ता णं खुभाएज्जा। अहे णं
अभिसमागच्छेज्जा, तओ पच्छा सीहं सीहं, तुरियं तुरियं खिप्पामेव वीईवएज्जा ।
- १२ तमुक्कायस्स णं भंते ! कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ?
गोयमा ! तेरस णामधेज्जा पण्णत्ता, तं जहा- तमे इ वा, तमुक्काए इ वा, अंधकारे इ वा,
महंधकारे इ वा, लोगंधकारे इ वा, लोगतमिसे इ वा, देवंधयारे इ वा, देवतमिसे इ वा,
देवरण्णे इ वा, देववूहे इ वा, देवफलिहे इ वा, देवपडिक्खोभे इ वा, अरुणोदए इ वा समुद्धे ।
- १३ तमुक्काए णं भंते ! किं पुढविपरिणामे, आउपरिणामे, जीवपरिणामे, पोग्गल- परिणामे ?
गोयमा ! णो पुढविपरिणामे, आउपरिणामे वि, जीवपरिणामे वि, पोग्गल- परिणामे वि ।
- १४ तमुक्काए णं भंते ! सव्वे पाणा, भूया, जीवा, सत्ता पुढवीकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए
उववण्णपुव्वा ?
हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतक्खुत्तो; णो चेव णं बायरपुढविकाइय- त्ताए,
बायरअगणिकाइयत्ताए वा ।
- १५ कइ णं भंते ! कण्हराईओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ।
- १६ कहि णं भंते ! एयाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ ?
गोयमा ! उप्पिं सणंकुमार-माहिंदाणं कप्पाणं, हिट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणपत्थडे- एत्थ णं
अक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पुरत्थिमेणं दो,
पच्चत्थिमेणं दो, दाहिणेणं दो, उत्तरेणं दो; पुरत्थिमब्भंतरा कण्हराई दाहिणबाहिरं कण्हराइं
पुट्ठा, दाहिणब्भंतरा कण्हराई पच्चत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पच्चत्थिमब्भंतरा कण्हराई
उत्तरबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, उत्तरमब्भंतरा कण्हराई पुरत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा ।
दो पुरत्थिम-पच्चत्थिमाओ बाहिराओ कण्हराईओ छलंसाओ, दो उत्तर- दाहिणबाहिराओ
कण्हराईओ तंसाओ, दो पुरत्थिम-पच्चत्थिमाओ अब्भंतराओ कण्हराईओ चउरंसाओ, दो
उत्तर-दाहिणाओ अब्भंतराओ कण्हराईओ चउरंसाओ।
पुव्वावरा छलंसा, तंसा पुण दाहिणुत्तरा बज्झा ।

अब्भितर चउरंसा, सव्वा वि य कण्हराईओ ॥

- १७ कण्हराईओ णं भंते ! केवइयं आयामेणं, केवइयं विक्खंभेणं, केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामेणं, संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ ।
- १८ कण्हराईओ णं भंते ! के महलियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अयं णं जंबुदीवे दीवे जाव अद्धमासं वीईवएज्जा, अत्थेगइयं कण्हराइं वीईवएज्जा, अत्थेगइयं कण्हराइं णो वीईवएज्जा, एमहलियाओ णं गोयमा ! कण्हराईओ पण्णत्ताओ ।
- १९ अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु गेहा इ वा, गेहावणा इ वा ? णो इण्ढे समढ्ढे।
- २० अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु गामा इ वा जाव सण्णिवेसाइ वा ? णो इण्ढे समढ्ढे ।
- २१ अत्थि णं भंते ! कण्हराईणं उराला बलाहया संसेयंति, सम्मुच्छंति, वासं वासंति ? हंता, अत्थि।
- २२ तं भंते ! किं देवो पकरेइ, असुरो पकरेइ, णागो पकरेइ ? गोयमा ! देवो पकरेइ, णो असुरो, णो णागो पकरेइ ।
- २३ अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु बायरे थणियसद्धे ? गोयमा ! जहा उराला तहा।
- २४ अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु बायरे आउकाए, बायरे अगणिकाए, बायरे वणस्सइकाए ? गोयमा! णो इण्ढे समढ्ढे, णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं ।
- २५ अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु चंदिम-सूरिय-गहगण-णक्खत्ततारारूवा ? गोयमा! णो इण्ढे समढ्ढे।
- २६ अत्थि णं भंते ! कण्हराईणं चंदाभा इ वा, सूरूभा इ वा ? गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे ।
- २७ कण्हराईओ णं भंते ! केरिसियाओ वण्णेणं पण्णत्ताओ ? गोयमा ! कालाओ जाव खिप्पामेव वीईवएज्जा ।
- २८ कण्हराईओ णं भंते ! कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठ णामधेज्जा पण्णत्ता, तं जहा- कण्हराई वा, मेहराई वा, मघा इ वा, माघवई इ वा, वायफलिहा इ वा, वायपलिकखोभा इ वा, देवफलिहा इ वा, देवपलिकखोभा इ वा ।
- २९ कण्हराईओ णं भंते ! किं पुढवीपरिणामाओ, आउपरिणामाओ, जीवपरिणा-माओ, पोग्गलपरिणामाओ ?

गोयमा ! पुढवीपरिणामाओ, णो आउपरिणामाओ, जीवपरिणामाओ वि, पुग्गल- परिणामाओ वि।

३० कण्हराईसु णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता उववण्णपुव्वा ?

हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतकखुत्तो; णो चेव णं बायरआउकाइयत्ताए, बायरअगणिकाइयत्ताए बायर वणस्सइकाइयत्ताए वा ।

एएसि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा पण्णत्ता, तं जहा- अच्ची, अच्चिमाली, वइरोयणे पभंकरे, चंदाभे, सूराभे सुक्काभे, सुपइट्ठाभे; मज्झे रिट्ठाभे ।

३१ कहि णं भंते ! अच्चि विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! उत्तरपुरत्थिमेणं ।

कहि णं भंते ! अच्चिमाली विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पुरत्थिमेणं । एवं परिवाडीए णेयव्वं जाव कहि णं भंते ! रिट्ठे विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! बहुमज्झ- देसभाए ।

एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतिया देवा परिवसंति, तं जहा- सारस्सयमाइच्चा, वण्ही वरुणा य गद्धतोया य ।

तुसिया अव्वाबाहा, अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥

३२ कहि णं भंते ! सारस्सया देवा परिवसंति ? गोयमा ! अचिम्मि विमाणे परिवसंति ।

कहि णं भंते ! आइच्चा देवा परिवसंति ? गोयमा ! अच्चिमालिम्मि विमाणे परिवसंति । एवं णेयव्वं जहाणुपुव्वीए जाव कहि णं भंते ! रिट्ठा देवा परिवसंति? गोयमा ! रिट्ठम्मि विमाणे ।

३३ सारस्सयमाइच्चाणं भंते ! देवाणं कइ देवा, कइ देवसया परिवारा पण्णत्ता?

गोयमा ! सत्त देवा, सत्त देवसया परिवारो पण्णत्तो ।

वण्ही-वरुणाणं देवाणं चउद्दस देवा, चउद्दस देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो । गद्धतोय-तुसियाणं देवाणं सत्त देवा, सत्त देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो । अवसेसाणं णव देवा, णव देवसया परिवारो पण्णत्तो ।

पढम जुगलम्मि सत्तओ सयाणि, बीयम्मि चउद्दस सहस्सा ।

तइए सत्त सहस्सा, णव चेव सयाणि सेसेसु ॥

३४ लोगंतियविमाणा णं भंते ! किं पइट्ठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! वाउपइट्ठिया पण्णत्ता ।

एवं णेयव्वं विमाणाणं पइट्ठाणं, बाहुल्लुच्चत्तमेव संठाणं; बंभलोयवत्तव्वया णेयव्वा, जहा जीवाभिगमे देवुद्देसए जाव हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतकखुत्तो। णो चेव णं देवित्ताए लोगंतियविमाणेसु ।

३५ लोगंतिय देवा णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

गोयमा ! अट्ठ सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

३६

लोगंतियविमाणेहिंतो णं भंते ! केवइयं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते ?

गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

१

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-रयणप्पभा जाव तमतमा । रयणप्पभाइणं आवासा भाणियव्वा जाव अहे सत्तमाए । एवं जे जत्तिया आवासा ते भाणियव्वा जाव -कइ णं भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, तं जहा- विजए जाव सव्वद्वसिद्धे ।

२

जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु अण्णयरंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा, सरीरं वा बंधेज्जा ?

गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा; अत्थेगइए तओ पडिणियत्तइ, तओ पडिणियत्तिता इहमागच्छइ, आगच्छित्ता दोच्चंपि मारणंतिय समुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जित्तए, तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा । एवं जाव अहे सत्तमा पुढवी ।

३

जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे भविए चउसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारत्ताए उव- वज्जित्तए? एवं जहा णेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा ।

४

जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए, समोहणित्ता जे भविए असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु, अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं केवइयं गच्छेज्जा, केवइयं पाउणिज्जा ?

गोयमा ! लोयंतं गच्छेज्जा, लोयंतं पाउणिज्जा ।

५

से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा?

गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा; अत्थेगइए तओ पडिणियत्तइ, पडिणियत्तिता इहं हव्वं आगच्छइ, आगच्छित्ता दोच्चं पि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्तं वा, संखेज्जइभागमेत्तं वा, वालग्गं वा, वालग्गपुहुत्तं वा; एवं लिक्खं, जूयं, जवं, अंगुलं जाव जोयणकोडिं वा, जोयणकोडाकोडी वा, संखेज्जेसु वा असंखेज्जेसु वा जोयणसहस्सेसु, लोगंते वा एगपएसियं सेट्ठिं मोत्तूण असंखेज्जेसु

पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्ता, तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा।

जहा पुरत्थिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं, पच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं, उड्ढे, अहे ।

जहा पुढविकाइया तहा एगिंदियाणं सव्वेसिं एक्केक्कस्स छ आलावगा भाणियच्चा ।

६ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता जे भविए असंखेज्जेसु बेइंदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि बेइंदियावासंसि बेइंदियत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ?

गोयमा ! जहा णेरइया तहा जाव गेवेज्जगा ।

७ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए, समोहणित्ता जे भविए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु अण्णयरंसि अणुत्तरविमाणंसि अणुत्तरोव- वाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ?

गोयमा ! तं चेव जाव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ अह भंते ! सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं; एएसिणं धण्णाणं कोट्टाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं उल्लित्ताणं लित्ताणं पिहियाणं मुद्धियाणं लंछियाणं केवइयं कालं जोणी संचिद्धइ ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ, तेण परं जोणी पविद्धंसइ, तेण परं बीए अबीए भवइ, तेण परं जोणीवोच्छेए पण्णत्ते समणाउसो !!

२ अह भंते ! कलाय-मसूर-तिल-मुग्ग-मास-णिप्फाव-कुलत्थ-आलिसंदग-सईण- पलिमंथगमाईणं; एएसि णं धण्णाणं कोट्टाउत्ताणं जाव केवइयं कालं जोणी संचिद्धइ ?

गोयमा ! जहा सालीणं तहा एयाणि वि; णवरं पंच संवच्छराइं; सेसं तं चेव।

३ अह भंते ! अयसि-कुसुंभग-कोद्धव-कंगु-वरग-रालग-कोदूसग-सण-सरिसव-मूलगबीयमाईणं एएसि णं धण्णाणं जाव जोणी संचिद्धइ ?

गोयमा ! एयाणि वि तहेव णवरं सत्त संवच्छराइं; सेसं तं चेव ।

४ एगमेगस्स णं भंते ! मुहुत्तस्स केवइया उसासद्धा वियाहिया ?

गोयमा ! असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलिया त्ति पवुच्चइ, संखेज्जा आवलिया ऊसासो, संखेज्जा आवलिया णिस्सासो-

हट्ठस्स अणवगल्लस्स, णिरुक्किट्ठस्स जंतुणो ।
 एगे ऊसास णीसासे, एग पाणु त्ति वुच्चइ ॥१॥
 सत्त पाणूणि से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे ।
 लवाणं सत्तहत्तरिए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥२॥
 तिण्णि सहस्सा सत्त य सयाइं, तेवत्तरिं च ऊसासा ।
 एस मुहुत्तो दिट्ठो, सव्वेहिं अणंतणाणीहिं ॥३॥

५

एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसमुहुत्तो अहोरत्तो, पण्णरस अहोरत्ता पक्खो, दो पक्खा मासो, दो मासा उऊ, तिण्णि उउए अयणे, दो अयणे संवच्छरे, पंचसंवच्छरिए जुगे, वीसं जुगाइं वाससयं, दस वाससयाइं वाससहस्सं, सयं वाससहस्साणं वाससयसहस्सं, चउरासीइं वाससयसहस्साणि से एगे पुव्वंगे, चउरासीइं पुव्वंगा सयसहस्साइं से एगे पुव्वे; एवं तुडिअंगे, तुडिए; अडडंगे, अडडे; अववंगे, अववे; हूहूअंगे, हूहूए; उप्पलंगे, उप्पले; पउमंगे, पउमे, णलिअंगे, णलिणे; अत्थणिउअंगे, अत्थणिउरे; अउयंगे अउए, पउयंगे, पउए; णउअंगे, णउए; चूलिअंगे, चूलिआ; सीसपहेलिअंगे, सीसपहेलिया; एताव ताव गणिए, एताव ताव गणियस्स विसए; तेण परं उवमिए ।

६

से किं तं ओवमिए ? ओवमिए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पलिओवमे य सागरोवमे य ।

७

से किं तं पलिओवमे, से किं तं सागरोवमे ?

सत्थेण सुतिक्खेण वि, छेत्तुं भेत्तुं च जं किर ण सक्का ।

तं परमाणुं सिद्धा, वयंति आइं पमाणाणं ॥१॥

अणंताणं परमाणुपोग्गलाणं समुदयसमिडसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हिया इ वा, सण्हसण्हिया इ वा, उड्डरेणू इ वा, तसरेणू इ वा, रहरेणू इ वा, वालग्गा इ वा, लिक्खा इ वा, जूया इ वा, जवमज्झे इ वा, अंगुले इ वा ।

अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया, अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्डरेणू, अट्ठ उड्डरेणूओ सा एगा तसरेणू, अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू, अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरु-उत्तरकुरुगाणं मणुस्साणं वालग्गे; एवं हरिवास-रम्मग-हेमवय-एरण्णवयाणं, पुव्वविदेहाणं मणुस्साणं अट्ठ वालग्गा सा एगा लिक्खा, अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया, अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे, अट्ठ जवमज्झाओ से एगे अंगुले; एएणं अंगुलपमाणेणं छ अंगुलाणि पाओ, बारस अंगुलाइं विहत्थी, चउवीसं अंगुलाइं रयणी, अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी, छण्णउइ अंगुलाणि से एगे दंडे इ वा, धणू इ वा, जूए इ वा, णालिया इ वा, अक्खे इ वा, मुसले इ वा; एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणुसहस्साइं गाउयं, चत्तारि गाउयाइं जोयणं ।

एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयामविकखंभेणं, जोयणं उड्डं उच्चत्तेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिरएणं; से णं-

एगाहिय बेयाहिय तेयाहिया, उक्कोसं सत्तरत्तप्परूढाणं ।

संमट्ठे सण्णिचिए, भरिए वालग्गकोडीणं ॥

ते णं वालग्गे णो अग्गी दहेज्जा, णो वाउ हरेज्जा, णो कुत्थेज्जा, णो परिविद्धंसेज्जा, णो पूइत्ताए हव्वं आगच्छेज्जा । तओ णं वाससए, वाससए एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे, णिरए, णिम्मले, णिद्धिए, णिल्लेवे, अवहडे, विसुद्धे भवइ; से त्तं पलिओवमे । गाहा-

एएसि पल्लाणं, कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया ।

तं सागरोवमस्स उ, एक्कस्स भवे परिमाणं ॥

८

एएणं सागरोवमपमाणेणं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा, तिण्णि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा, दो सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदुसमा, एगसागरोवमकोडाकोडी, बायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दुसमसुसमा; एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमा, एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा ।

पुणरवि उस्सप्पिणीए एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा, एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमा, एगा सागरोवमकोडाकोडी बायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दुसमसुसमा, दो सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदुसमा, तिण्णि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा, चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसम- सुसमा ।

दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी, दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी, वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी उस्सप्पिणी य ।

९

जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमद्वपत्ताएभरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे होत्था ?

गोयमा ! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे होत्था; से जहा णामए- आलिंगपुक्खरे इ वा, एवं उत्तरकुरुवत्तव्वया णेयव्वा जाव आसयंति सयंति; तीसे णं समाए भारहे वासे तत्थ तत्थ, देसे देसे, तहिं तहिं, बहवे उद्दाला कुद्दाला जाव कुसविकुस- विसुद्धरुक्खमूला जाव छव्विहा मणुस्सा अणुसज्जित्था; तं जहा- पम्हगंधा, मियगंधा, अममा, तेयली, सहा, सण्णिचारी । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देसो

१

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रयणप्पभा जाव ईसिपब्भारा।

२

अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे गेहा इ वा, गेहावणाइ वा ? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे ।

३

अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए अहे गामा इ वा जाव सण्णिवेसा इ वा? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे ।

- ४ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उराला बलाहया संसेयंति, संमुच्छंति, वासं वासंति ?
गोयमा ! हंता, अत्थि । तिण्णि वि पकरेइ- देवो वि पकरेइ, असुरो वि पकरेइ, णागो वि पकरेइ।
- ५ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बायरे थणियसद्धे ?
गोयमा ! हंता, अत्थि । तिण्णि वि पकरेंति ।
- ६ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे बायरे अगणिकाए ?
गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे; णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं ।
- ७ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे चंदिम जाव तारारूवा ? गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे।
- ८ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चंदाभा इ वा सूरूभा इ वा ?
गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे । एवं जाव रयणप्पभाए तहा दोच्चाए पुढवीए सव्वं आलावगं भाणियव्वं।
- ९ एवं तच्चाए वि भाणियव्वं, णवरं-देवो वि पकरेइ, असुरो वि पकरेइ, णो णागो पकरेइ । चउत्थीए वि एवं, णवरं देवो एक्को पकरेइ; णो असुरो, णो णागो पकरेइ । एवं हेट्ठिल्लासु सव्वासु देवो एक्को पकरेइ ।
- १० अत्थि णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं अहे गेहा इ वा गेहावणाइ वा ? गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे ।
- ११ अत्थि णं भंते ! गामा इ वा ? गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे ।
- १२ अत्थि णं भंते ! उराला बलाहया ? गोयमा ! हंता, अत्थि । देवो पकरेइ, असुरो वि पकरेइ, णो णागो पकरेइ; एवं थणियसद्धे वि ।
- १३ अत्थि णं भंते ! बायरे पुढवीकाए, बायरे अगणिकाए ?
गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे, णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं ।
- १४ अत्थि णं भंते ! चंदिम जाव तारारूवा ? गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे ।
- १५ अत्थि णं भंते ! चंदाभा इ वा सूरूभा इ वा ? गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे ।
एवं सणंकुमारमाहिंदेसु, णवरं देवो एगो पकरेइ । एवं बंभलोए वि । एवं बंभलोगस्स उवरिं सव्वेहिं देवो पकरेइ; पुच्छियव्वो य बायरे आउकाए, बायरे अगणिकाए, बायरे वणस्सइकाए; अण्णं तं चेव ।
तमुक्काए कप्पपणए, अगणि पुढवी य अगणि पुढवीसु ।

आऊ तेऊ वणस्सई, कप्पुवरिमकणहराईसु ॥

१६ कइविहे णं भंते ! आउयबंधे पण्णत्ते ?

गोयमा ! छव्विहे आउयबंधे पण्णत्ते, तं जहा- जाइणामणिहत्ताउए, गइणाम- णिहत्ताउए, ठिइणामणिहत्ताउए, ओगाहणाणामणिहत्ताउए, पएसणामणिहत्ताउए, अणु- भागणामणिहत्ताउए । दंडओ जाव वेमाणियाणं ।

१७ जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिहत्ता जाव अणुभागणामणिहत्ता ?

गोयमा ! जाइणामणिहत्ता वि जाव अणुभागणामणिहत्ता वि । दंडओ जाव वेमाणियाणं ।

१८ जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिहत्ताउया जाव अणुभागणामणिहत्ताउया ?

गोयमा ! जाइणामणिहत्ताउया वि जाव अणुभागणामणिहत्ताउया वि । दंडओ जाव वेमाणियाणं; एवं एए दुवालस दंडगा भाणियव्वा ।

१९ जीवाणं भंते ! किं जाइणामणिहत्ता, जाइणामणिहत्ताउया; जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिउत्ता, जाइणामणिउत्ताउया; एवं जाइगोयणिहत्ता, जाइगोयणिहत्ताउया; जाइगोयणिउत्ता, जाइगोयणिउत्ताउया; जाइणामगोयणिहत्ता, जाइणामगोयणिहत्ताउया; जाइणामगोयणिउत्ता, जाइणामगोयणिउत्ताउया-१२, जाव अणुभागणामगोयणिउत्ताउया -७२ ? गोयमा ! जाइणामगोयणिउत्ताउया वि जाव अणुभागणामगोयणिउत्ताउया वि । दंडओ जाव वेमाणियाणं ।

२० लवणे णं भंते ! समुद्धे किं उसिओदए, पत्थडोदए, खुब्भियजले, अखुब्भिय- जले ?

गोयमा ! लवणे णं समुद्धे उसिओदए, णो पत्थडोदए, खुब्भियजले, णो अखुब्भियजले । एत्तो आढत्तं जहा जीवाभिगमे जाव से तेणद्वेणं गोयमा ! बाहिरिया णं दीवसमुद्धा पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोल्हमाणा वोसद्वमाणा समभरघडत्ताए चिद्वंति। संठाणओ एगविहिविहाणा, वित्थारओ अणेगविहिविहाणा; दुगुणा, दुगुणप्पमाणाओ, जाव अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्धा सयंभूरमणपज्जवसाणा पण्णत्ता समणाउसो ! ।

२१ दीवसमुद्धा णं भंते ! केवइया णामधेज्जेहिं पण्णत्ता ?

गोयमा ! जावइया लोए सुभा णामा, सुभा रूवा, सुभा गंधा, सुभा रसा, सुभा फासा; एवइया णं दीवसमुद्धा णामधेज्जेहिं पण्णत्ता । एवं णेयव्वा सुभा णामा; उद्धारो, परिणामो, सव्वजीवाणं उप्पाओ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

णवमो उद्देशो

१ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ।

गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा; एवं बंधुद्देशो पण्णवणाए णेयव्वो।

- २ देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवण्णं, एगरूवं विउव्वित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।
देवे णं भंते ! बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ? गोयमा ! हंता, पभू ।
- ३ से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ?
गोयमा ! णो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, णो अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ; ।
एवं एण्णं गमेणं जाव एगवण्णं एगरूवं, एगवण्णं अणेगरूवं, अणेगवण्णं एगरूवं, अणेगवण्णं अणेगरूवं; चउभंगो ।
- ४ देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालगपोग्गलं णीलगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए, णीलगपोग्गलं वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । परियाइत्ता पभू ।
- ५ से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता परिणामेइ, पुच्छा ? गोयमा ! तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता परिणामेइ, णो इहगए णो अण्णत्थगए ।
एवं कालगपोग्गलं लोहियपोग्गलत्ताए, लोहियपोग्गलं कालगपोग्गलत्ताए परिणामेइ । एण्णं अभिलावेणं कालग हालिद्धं, कालग सुक्किल पोग्गला ।
एवं णीलएणं लोहियं, हालिद्धं, सुक्किल्लं । एवं लोहियएणं हालिद्धं, सुक्किलं । एवं हालिद्धएणं सुक्किल्लं ।
एवं एयाए परिवाडीए गंध रस फासा वि । णवरं कक्खडफासपोग्गलं मउय फासपोग्गलत्ताए; एवं गरुयलहुय, सीयउसिण, णिद्धलुक्ख दो दो फासा भाणियच्चा ।
- ६ अविसुद्धलेसे णं भंते ! देवे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं, देविं, अणगारं अण्णयरं जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ।१॥
एवं अविसुद्धलेसे देवे असमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं ।२॥
अविसुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं ।३॥
अविसुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं ।४॥
अविसुद्धलेसे देवे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं ।५॥
अविसुद्धलेसे देवे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं ।६॥
विसुद्धलेसे देवे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं ।७॥
विसुद्धलेसे देवे असमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं ।८॥
- ७ विसुद्धलेसे णं भंते ! देवे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं देविं अणगारं अण्णयरं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।९॥

एवं विसुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेण विसुद्धलेसं ।१०॥

विसुद्धलेसे देवे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं ।११॥

विसुद्धलेसे देवे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं ।१२॥

एवं हेठिल्लएहिं अट्ठहिं ण जाणइ, ण पासइ; उवरिल्लएहिं चउहिं जाणइ, पासइ । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

१ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेति- जावइया रायगिहे णयरे जीवा, एवइयाणं जीवाणं णो चक्किया केइ सुहं वा दुहं वा जाव कोलट्ठिगमायमवि, णिप्फावमायमवि, कल(म)मायमवि; मासमायमवि, मुग्गमायमवि, जूयामायमवि, लिक्खामायमवि अभिणिवट्ठेत्ता उवदंसित्तए; से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव मिच्छं ते एवं आहंसु; अहं पुण गोयमा! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- सव्वलोए वि य णं सव्वजीवाणं णो चक्किया केइ सुहं वा, तं चेव जाव उवदंसित्तए ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! अयं णं जंबुद्धीवे दीवे जाव विसेसाहिए परिकखेवेणं पण्णत्ता; देवे णं महिड्ढीए जाव महाणुभागे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गगं गहाय तं अवद्दालेइ, तं अवद्दालेत्ता जाव इणामेव कट्ठु केवलकप्पं जंबुद्धीवं दीवं तिहिं अच्छरा- णिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ता णं हव्वं आगच्छेज्जा । से णूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुद्धीवे दीवे तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे ? हंता, फुडे । चक्किया णं गोयमा! केइ तेसिं घाणपोग्गलाणं कोलट्ठिगमायमवि जाव उवदंसित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उवदंसित्तए ।

२ जीवे णं भंते ! जीवे, जीवे जीवे ? गोयमा ! जीवे ताव णियमा जीवे, जीवे वि णियमा जीवे ।

३ जीवे णं भंते ! णेरइए, णेरइए जीवे ? गोयमा ! णेरइए ताव णियमा जीवे, जीवे पुण सिय णेरइए, सिय अणेरइए।

४ जीवे णं भंते ! असुरकुमारे, असुरकुमारे जीवे ?

गोयमा ! असुरकुमारे ताव णियमा जीवे, जीवे पुण सिय असुरकुमारे, सिय णो असुरकुमारे । एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ।

५ जीवइ भंते ! जीवे, जीवे जीवइ ?

गोयमा ! जीवइ ताव णियमा जीवे, जीवे पुण सिय जीवइ, सिय णो जीवइ।

६ जीवइ भंते ! णेरइए, णेरइए जीवइ ? गोयमा ! णेरइए ताव णियमा जीवइ, जीवइ पुण सिय णेरइए सिय अणेरइए ।

एवं दंडओ णेयव्वो जाव वेमाणियाणं ।

७ भवसिद्धिए णं भंते ! णेरइए, णेरइए भवसिद्धिए ?

गोयमा ! भवसिद्धिए सिय णेरइए, सिय अणेरइए; णेरइए वि य सिय भव- सिद्धिए, सिय अभवसिद्धिए । एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं ।

८ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेति- एवं खलु सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति; से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव परूवेति जाव मिच्छं ते एवं आहंसु; अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति, आहच्च सायं वेयणं वेयंति; अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतसायं वेयणं वेयंति, आहच्च अस्सायं वेयणं वेयंति; अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता वेमायाए वेयणं वेदेति आहच्च सायमसायं ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! णेरइया एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, भवणवइ-वाणमंतर-जोइस- वेमाणिया एगंतसायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं; पुढविक्काइया जाव मणुस्सा वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं; से तेणट्ठेणं ।

९ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ते किं आयसरीर-खेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति, अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति, परंपरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ?

गोयमा ! आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति, णो अणंतरखेत्तो-गाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति णो परंपरखेत्तोगाढे । जहा णेरइया तहा जाव वेमाणियाणं दंडओ ।

१० केवली णं भंते ! आयाणेहिं जाणइ, पासइ ? गोयमा णो ! इणट्ठे समट्ठे ।

११ से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?

गोयमा ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ जाव णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं ।

जीवाणं य सुहं दुक्खं, जीवे जीवइ तहेव भविया य ।

एगंतदुक्खं वेयण, अत्तमायाय केवली । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ छट्ठं सतं समत्तं ॥

संत्तमं सतं

पढमो उद्देशो

- १ आहार विरइ थावर, जीवा पक्खी य आउ अणगारे ।
छउमत्थ असंवुड, अण्णउत्थि दस सत्तम्मि सए ॥
- २ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी- जीवे णं भंते ! कं समयमणाहारए भवइ ?
गोयमा ! पढमे समए सिय आहारए सिय अणाहारए; बिइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए, तइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए, चउत्थे समए णियमा आहारए ।
एवं दंडओ । जीवो य एगिंदिया य चउत्थे समए, सेसा तइए समए ।
- ३ जीवे णं भंते ! कं समयं सव्वप्पाहारए भवइ ?
गोयमा ! पढमसमयोववण्णए वा चरमसमयभवत्थे वा, एत्थं णं जीवे सव्वप्पाहारए भवइ ।
दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ।
- ४ किं संठिए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ?
गोयमा ! सुपइड्ढगसंठिए लोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिण्णे जाव उप्पिं उड्ढमुड्ढगा- गारसंठिए ।
तंसिं च णं सासयंसि लोगंसि हेट्ठा विच्छिण्णंसि जाव उप्पिं उड्ढमुड्ढगा- गारसंठियंसि
उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जीवे वि जाणइ पासइ, अजीवे वि जाणइ पासइ,
तओ पच्छा सिज्झइ जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ।
- ५ समणोवासयस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स तस्स णं भंते ! किं
इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ?
गोयमा ! णो इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ।
से केणट्ठेणं भंते ! जाव संपराइया किरिया कज्जइ ?
गोयमा ! समणोवासयस्स णं सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स आया अहिगरणी
भवइ, आया अहिगरणवत्तियं च णं तस्स णो इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया
किरिया कज्जइ; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव संपराइया किरिया कज्जइ ।
- ६ समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव तसपाणसमारंभे पच्चक्खाए भवइ, पुढविसमारंभे
अपच्चक्खाए भवइ । से य पुढविं खणमाणे अण्णयरं तसं पाणं विहिंसेज्जा, से णं भंते ! तं
वयं अइचरइ ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे; णो खलु से तस्स अइवायाए आउट्ठइ ।
- ७ समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव वणस्सइसमारंभे पच्चक्खाए, से य पुढविं खणमाणे
अण्णयरस्स रुक्खस्स मूलं छिंदेज्जा; से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे; णो खलु से तस्स अइवायाए आउट्ठइ ।

- ८ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासु-एसणिज्जेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं पडिलाभेमाणे किं लब्भइ ?
गोयमा ! समणोवासए णं तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समाहिं उप्पाएइ, समाहिकारए णं तामेव समाहिं पडिलब्भइ।
- ९ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे किं चयइ ?
गोयमा ! जीवियं चयइ, दुच्चयं चयइ, दुक्करं करेइ, दुल्लहं लहइ, बोहिं बुज्झइ, तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।
- १० अत्थि णं भंते ! अकम्मस्स गई पण्णायइ ? हंता, अत्थि ।
- ११ कहं णं भंते ! अकम्मस्स गई पण्णायइ ?
गोयमा ! णिस्संगयाए, णिरंगणयाए, गइपरिणामेणं, बंधणछेयणयाए, णिरिंधण-याए, पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ ।
- १२ कहं णं भंते ! णिस्संगयाए, णिरंगणयाए, गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पण्णा- यइ ?
गोयमा ! से जहाणामए केई पुरिसे सुक्कं तुंबं णिच्छिड्डं णिरुवहयं आणुपुव्वीए परिकम्मेमाणे परिकम्मेमाणे दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ, वेढेत्ता अट्ठहिं मट्ठियालेवेहिं लिंपइ, लिंपित्ता उण्हे दलयइ, भूइं भूइं सुक्कं समाणं अत्थाहमतारमपोरिसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा; से णूणं गोयमा! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्ठियालेवाणं गुरुय-त्ताए, भारियत्ताए, गुरुसंभारियत्ताए सलिलतलमइवइत्ता अहे धरणितलपइट्ठाणे भवइ ? हंता, भवइ ।
अहे णं से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्ठियालेवाणं परिक्खएणं धरणितलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ ? हंता भवइ । एवं खलु गोयमा ! णिस्संगयाए, णिरंगणयाए, गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ ।
- १३ कहं णं भंते ! बंधणछेयणयाए अकम्मस्स गई पण्णायइ ?
गोयमा ! से जहाणामए कलसिंबलिया इ वा, मुग्गसिंबलिया इ वा, माससिंबलिया इ वा, सिंबलिसिंबलिया इ वा, एरंडमिंजिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी फुडित्ता णं एगंतमंतं गच्छइ; एवं खलु गोयमा ! बंधण छेयणयाए अकम्मस्स गई पण्णायइ ।
- १४ कहं णं भंते ! णिरिंधणयाए अकम्मस्स गई पण्णायइ ?
गोयमा ! से जहाणामए घूमस्स इंधणविप्पमुक्कस्स उड्ढं वीससाए णिव्वाघाए णं गई पवत्तइ; एवं खलु गोयमा ! णिरिंधणयाए अकम्मस्स गई पण्णायइ ।
- १५ कहं णं भंते ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ ?
गोयमा ! से जहाणामए कंडस्स कोदंडविप्पमुक्कस्स लक्खाभिमुही णिव्वा- घाएणं गई पवत्तइ; एवं खलु गोयमा ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ । एवं खलु गोयमा ! णिस्संगयाए णिरंगणयाए जाव पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ ।

- १६ दुक्खी णं भंते ! दुक्खेणं फुडे, अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ?
गोयमा ! दुक्खी दुक्खेणं फुडे, णो अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ।
- १७ दुक्खी णं भंते ! णेरइए दुक्खेणं फुडे, अदुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे ?
गोयमा ! दुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे, णो अदुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे। एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं ।
एवं पंच दंडगा णेयव्वा-दुक्खी दुक्खेणं फुडे, दुक्खी दुक्खं परियायइ, दुक्खी दुक्खं उदीरेइ, दुक्खी दुक्खं वेएइ, दुक्खी दुक्खं णिज्जरेइ ।
- १८ अणगारस्स णं भंते ! अणाउत्तं गच्छमाणस्स वा, चिद्धमाणस्स वा, णिसीय-माणस्स वा, तुयट्ठमाणस्स वा, अणाउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा णिक्खिवमाणस्स वा; तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ?
गोयमा ! णो इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ।
- १९ से केणट्ठेणं भंते ! एवं ?
गोयमा ! जस्स णं कोह-माण-माया-लोभा वोच्छिण्णा भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ । जस्सं णं कोहमाण-माया-लोभा अवोच्छिण्णा भवंति तस्स णं संपराइया किरिया कज्जइ, णो इरियावहिया किरिया कज्जइ । अहासुत्तं रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ, उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं उस्सुत्तमेव रीयइ; से तेणट्ठेणं ।
- २० अह भंते ! सइंगालस्स, सधूमस्स, संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?
गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असण-पाण-खाइम-साइमं पडिग्गाहेत्ता मुच्छिए गिद्धे गट्ठिए अज्झोववण्णे आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा ! सइंगाले पाणभोयणे ।
जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासु-एसणिज्जं असणपाणखाइमसाइमं पडिग्गाहेत्ता महया अप्पत्तियं कोहकिलामं करेमाणे आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा! सधूमे पाणभोयणे ।
जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता गुणुप्पायणहेउं अण्णदव्वेणं सद्धिं संजोएत्ता आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा ! संजोयणादोसदुट्ठे पाणभोयणे । एस णं गोयमा ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते ।
- २१ अह भंते ! वीतिंगालस्स, वीयधूमस्स, संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाण-भोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?
गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता अमुच्छिए जाव आहारेइ; एस णं गोयमा ! वीतिंगाले पाणभोयणे ।

जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता णो महयाअप्पत्तियं जाव आहारेइ; एस णं गोयमा ! वीयधूमे पाणभोयणे ।

जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता जहा लद्धं तहा आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा ! संजोयणादोसविप्पमुक्के पाणभोयणे । एस णं गोयमा! वीतिंगालस्स, वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते।

२२

अह भंते खेत्ताइक्कंतस्स, कालाइक्कंतस्स, मग्गाइक्कंतस्स, पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासु एसणिज्जं असण पाण खाइम साइमं अणुग्गए सूरिए पडिग्गाहेत्ता उग्गए सूरिए आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा! खेत्ताइक्कंते पाणभोयणे ।

जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव साइमं वा पढमाए पोरिसीए पडिग्गाहेत्ता पच्छिमं पोरिसिं उवायणावेत्ता आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा ! कालाइक्कंते पाणभोयणे ।

जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव साइमं वा पडिग्गाहेत्ता परं अद्धजोयणमेराए वीइक्कमावेत्ता आहारमाहारेइ; एस णं गोयमा ! मग्गाइक्कंते पाणभोयणे ।

जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासु-एसणिज्जं जाव साइमं वा पडिग्गाहेत्ता परं बत्तीसाए [कुक्कुडिअंडगपमाणमेत्ताणं] कवलाणं आहारं आहारेइ; एस णं गोयमा ! पमाणाइक्कंते पाणभोयणे । अट्ठ [कुक्कुडिअंडगपमाणमेत्तो] कवले आहारं आहारेमाणे अप्पाहारे, दुवालस [कुक्कुडिअंडगपमाणमेत्तो] कवले आहारं आहारेमाणे अवड्ढेमोयरिए, सोलस [कुक्कुडिअंडगपमाणे] कवले आहारं आहारमाणे दुभागपत्ते, चउवीसं [कुक्कुडिअंडगपमाणमेत्तो] कवले आहारं आहारेमाणे पत्तोमोयरिए, बत्तीसं [कुक्कुडिअंडगपमाणमेत्तो] कवले आहारं आहारेमाणे पमाणपत्ते, एतो एक्केण वि घासेणं ऊणगं आहारं आहारेमाणे समणे णिग्गंथे णो पकामरसभोईत्ति वत्तव्वं सिया । एस णं गोयमा ! खेत्ताइक्कंतस्स, कालाइक्कंतस्स, मग्गाइक्कंतस्स, पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते।

२३

अह भंते ! सत्थातीयस्स सत्थपरिणामियस्स एसियस्स वेसियस्स सामुदाणियस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा णिक्खित्त-सत्थमुसले, ववगयमाला- वण्णगविलेवणे; ववगयचुयचइयचत्तदेहं, जीवविप्पजढं; अकयं, अकारियं, असंकप्पियं, अणाहूयं, अकीयकडं अणुद्धिद्धं, णवकोडीपरिसुद्धं, दसदोसविप्पमुक्कं, उग्गमुप्पाय-णेसणा सुपरिसुद्धं; वितिंगालं वीतधूमं, संजोयणादोसविप्पमुक्कं, असुरसुरं, अचव-चवं, अदुयं, अविलंबियं अपरिसाडिं, अक्खोवंजणवणाणुलेवणभूयं, संजमजाया-मायावत्तियं, संजमभारवहणट्ठयाए बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारमाहारेइ; एस णं गोयमा ! सत्थातीयस्स, सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

- १] से णूणं भंते ! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स सुपच्चकखायं भवइ अदुव दुपच्चकखायं ?
गोयमा ! सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स सिय सुपच्चकखायं भवइ सिय दुपच्चकखायं भवइ ।
- २] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चकखायं भवइ ?
गोयमा ! जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स णो एवं अभिसमण्णागयं भवइ- इमे जीवा, इमे अजीवा, इमे तसा, इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स णो सुपच्चकखायं भवइ; दुपच्चकखायं भवइ ।
एवं खलु से दुपच्चकखाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणे णो सच्चं भासं भासइ; मोसं भासं भासइ । एवं खलु से मुसावाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं असंजय अविरय अपडिहय- पच्चकखायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले यावि भवइ ।
जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स एवं अभिसमण्णागयं भवइ- इमे जीवा, इमे अजीवा, इमे तसा, इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणस्स सुपच्चकखायं भवइ; णो दुपच्चकखायं भवइ । एवं खलु से सुपच्चकखाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चकखायमिति वयमाणे सच्चं भासं भासइ, णो मोसं भासं भासइ । एवं खलु से सच्चवाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं संजय-विरय-पडिहय- पच्चकखायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपंडिए यावि भवइ । से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चकखायं भवइ ।
- ३] कइविहे णं भंते ! पच्चकखाणे पण्णत्ते ?
गोयमा ! दुविहे पच्चकखाणे पण्णत्ते, तं जहा- मूलगुणपच्चकखाणे य उत्तरगुणपच्चकखाणे य।
- ४] मूलगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- सव्वमूलगुणपच्चकखाणे य देसमूलगुण- पच्चकखाणे य ।
- ५] सव्वमूलगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं ।
- ६] देसमूलगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं ।

- ७ उत्तरगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- सव्वुत्तरगुणपच्चकखाणे य देसुत्तरगुण- पच्चकखाणे य ।
- ८ सव्वुत्तरगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दसविहे पण्णत्ते, तं जहा-
अणागयमइक्कंतं, कोडीसहियं णियंटियं चेव ।
सागारमणागारं, परिमाणकडं णिरवसेसं ॥
साकेयं चेव अद्दाए, पच्चकखाणं भवे दसहा ।
- ९ देसुत्तरगुणपच्चकखाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ।
गोयमा ! सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- दिसिच्चयं, उवभोग-परिभोगपरिमाणं,
अणत्थदंडवेरमणं, सामाइयं, देसावगासियं, पोसहोववासो, अतिहिसंविभागो; अपच्छिम-
मारणंतिय-संलेहणा- झूसणा आराहणया ।
- १० जीवा णं भंते ! किं मूलगुणपच्चकखाणी, उत्तरगुणपच्चकखाणी, अपच्चकखाणी?
गोयमा ! जीवा मूलगुणपच्चकखाणी वि, उत्तरगुणपच्चकखाणी वि, अपच्चकखाणी वि ।
- ११ णेरइया णं भंते ! किं मूलगुणपच्चकखाणी ? पुच्छा ।
गोयमा ! णेरइया णो मूलगुणपच्चकखाणी, णो उत्तरगुणपच्चकखाणी, अपच्चकखाणी । एवं
जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा जीवा । वाणमंतर जोइसिय
वेमाणिया जहा णेरइया ।
- १२ एएसि णं भंते ! जीवाणं मूलगुणपच्चकखाणीणं, उत्तरगुणपच्चकखाणीणं, अपच्चकखाणीणं य
कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मूलगुणपच्चकखाणी, उत्तरगुणपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा,
अपच्चकखाणी अणंतगुणा ।
- १३ एएसि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मूलगुणपच्चकखाणी,
उत्तरगुणपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा, अपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा ।
- १४ एएसि णं भंते ! मणुस्साणं मूलगुणपच्चकखाणीणं पुच्छा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा मूलगुणपच्चकखाणी, उत्तरगुणपच्चकखाणी संखेज्जगुणा,
अपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा ।
- १५ जीवा णं भंते ! किं सव्वमूलगुणपच्चकखाणी, देसमूलगुणपच्चकखाणी, अपच्चकखाणी ?
गोयमा ! जीवा सव्वमूलगुणपच्चकखाणी, देसमूलगुणपच्चकखाणी, अपच्च- कखाणी वि ।
- १६ णेरइयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! णेरइया णो सव्वमूलगुणपच्चकखाणी, णो देसमूलगुणपच्चकखाणी, अपच्चकखाणी । एवं जाव चउरिंदिया ।

१७ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा ?

गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो सव्वमूलगुणपच्चकखाणी, देसमूलगुण- पच्चकखाणी वि, अपच्चकखाणी वि । मणुस्सा जहा जीवा । वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया जहा णेरइया ।

१८ एसि णं भंते ! जीवाणं सव्वमूलगुणपच्चकखाणीणं, देसमूलगुण-पच्चकखाणीणं, अपच्चकखाणीणं य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सव्वमूलगुणपच्चकखाणी, देसमूलगुणपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा, अपच्चकखाणी अणंतगुणा । एवं अप्पाबहुगाणि तिण्णि वि जहा पढमिल्लए दंडए, णवरं सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया देसमूलगुण पच्च-कखाणी, अपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा।

१९ जीवा णं भंते ! किं सव्वुत्तरगुणपच्चकखाणी देसुत्तरगुणपच्चकखाणी, अपच्च- कखाणी?

गोयमा ! जीवा सव्वुत्तरगुणपच्चकखाणी वि, एवं तिण्णि वि । पंचिंदिय- तिरिक्खजोणिया मणुस्सा य एवं चेव। सेसा अपच्चकखाणी जाव वेमाणिया ।

२० एसि णं भंते ! जीवाणं सव्वुत्तरगुणपच्चकखाणीणं, देसुत्तरगुणपच्चकखाणीणं अपच्चकखाणीणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! तिण्णि वि अप्पाबहुगाणि जहा पढमे दंडए जाव मणुस्साणं ।

२१ जीवा णं भंते ! किं संजया असंजया संजयासंजया ?

गोयमा ! जीवा संजया वि असंजया वि संजयासंजया वि; एवं जहेव पण्णवणाए तहेव भाणियव्वं जाव वेमाणिया, अप्पाबहुगं तहेव तिण्ह वि भाणियव्वं।

२२ जीवा णं भंते ! किं पच्चकखाणी, अपच्चकखाणी, पच्चकखाणापच्चकखाणी?

गोयमा ! जीवा तिण्णि वि । एवं मणुस्सा वि तिण्णि वि । पंचिंदियतिरिक्ख- जोणिया आइल्लविरहिया । सेसा सव्वे अपच्चकखाणी जाव वेमाणिया ।

२३ एसि णं भंते ! जीवाणं पच्चकखाणीणं जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पच्चकखाणी, पच्चकखाणापच्चकखाणी असंखेज्जगुणा, अपच्चकखाणी अणंतगुणा।

पंचिंदियतिरिक्खजोणिया सव्वत्थोवा पच्चकखाणापच्चकखाणी, अपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा।

मणुस्सा सव्वत्थोवा पच्चकखाणी, पच्चकखाणापच्चकखाणी संखेज्जगुणा, अपच्चकखाणी असंखेज्जगुणा ।

२४ जीवा णं भंते ! किं सासया, असासया ? गोयमा ! जीवा सिय सासया सिय असासया ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जीवा सिय सासया सिय असासया ?

गोयमा ! दव्वड्डयाए सासया, भावड्डयाए असासया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव सिय असासया ।

२५ णेरइया णं भंते ! किं सासया, असासया ? एवं जहा जीवा तहा णेरइया वि। एवं जाव वेमाणिया जाव सिय सासया सिय असासया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१ वणस्सइकाइया णं भंते ! किं कालं सव्वप्पाहारगा वा सव्वमहाहारगा वा भवंति ? गोयमा ! पाउसवरिसारत्तेसु णं एत्थ णं वणस्सइकाइया सव्वमहाहारगा भवंति, तयाणंतरं च णं सरए, तयाणंतरं च णं हेमंते, तयाणंतरं च णं वसंते, तयाणंतरं च णं गिम्हे, गिम्हासु णं वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति।

२ जइ णं भंते ! गिम्हासु वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति, कम्हा णं भंते! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा, सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिद्धंति ?

गोयमा ! गिम्हासु णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य वणस्सइ- काइयत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति; एवं खलु गोयमा ! गिम्हासु णं बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया जाव चिद्धंति ।

३ से णूणं भंते ! मूला मूलजीवफुडा, कंदा कंदजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा? हंता गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा ।

४ जइ णं भंते ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा; कम्हा णं भंते ! वणस्सइकाइया आहारेंति, कम्हा परिणामेंति ?

गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा, पुढवीजीवपडिबद्धा, तम्हा आहारेंति, तम्हा परिणामेंति; कंदा कंदजीवफुडा मूलजीवपडिबद्धा, तम्हा आहारेंति, तम्हा परिणामेंति; एवं जाव बीया बीयजीवफुडा फलजीवपडिबद्धा, तम्हा आहारेंति, तम्हा परिणामेंति।

५ अह भंते ! आलुए मूलए सिंगबेरे हिरिली सिरिली सिस्सिरिली किट्ठिया छिरेया छीरविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खेलूडे भद्दमुत्था पिंडहलिद्धा लोही णीहू थीहू थिभगा मुग्गपण्णी अस्सकण्णी सीहकण्णी सीहंढी मुंसुंढी जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते अणंतजीवा विविहसत्ता । हंता गोयमा ! आलुए मूलए जाव अणंतजीवा विविहसत्ता ।

६ सिय भंते ! कण्हलेसे णेरइए अप्पकम्मतराए, णीललेसे णेरइए महाकम्मतराए ? हंता, सिया।

७ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- कण्हलेसे णेरइए अप्पकम्मतराए, णीललेसे णेरइए महाकम्मतराए।

गोयमा ! ठिइं पडुच्च । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए ।

८ सिय भंते ! णीललेसे णेरइए अप्पकम्मतराए, काउलेसे णेरइए महाकम्म- तराए ? हंता, सिया।

९ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णीललेसे णेरइए अप्पकम्मतराए, काउलेसे णेरइए महाकम्मतराए?

गोयमा ! ठिइं पडुच्च; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए ।

एवं असुरकुमारे वि, णवरं तेउलेसा अब्भहिया । एवं जाव वेमाणिया जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिया भाणियव्वाओ । जोइसियस्स ण भण्णइ; जाव सिय भंते। पम्हलेस्से वेमाणिए अप्पकम्मतराए, सुक्कलेसे वेमाणिए महाकम्मतराए ? हंता, सिया । से केणट्ठेणं ? सेसं जहा णेरइयस्स जाव महाकम्मतराए ।

१० से णूणं भंते ! जा वेयणा सा णिज्जरा, जा णिज्जरा सा वेयणा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

११ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जा वेयणा ण सा णिज्जरा, जा णिज्जरा ण सा वेयणा ? गोयमा ! कम्मं वेयणा, णोकम्मं णिज्जरा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव ण सा वेयणा ।

१२ णेरइयाणं भंते ! जा वेयणा सा णिज्जरा; जा णिज्जरा सा वेयणा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१३ से णूणं भंते ! जं वेदेसु तं णिज्जरिंसु, जं णिज्जरिंसु तं वेदेसु । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

१४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जं वेदेसु णो तं णिज्जरिंसु, जं णिज्जरिंसु णो तं वेदेसु ? गोयमा ! कम्मं वेदेसु, णोकम्मं णिज्जरिंसु; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव णो तं वेदेसु ।

१५ णेरइयाणं भंते ! जं वेदेसु तं णिज्जरिंसु ? एवं जहा ओहियो दंडओ तहा णेरइया वि । एवं जाव वेमाणिया ।

१६ से णूणं भंते ! जं वेदेति तं णिज्जरिंति; जं णिज्जरिंति तं वेदेति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

१७ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो तं वेदेति ?

गोयमा ! कम्मं वेदेति, णोकम्मं णिज्जरिंति; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव णो तं वेदेति । एवं णेरइया वि जाव वेमाणिया ।

- १८ से णूणं भंते ! जं वेदिस्संति तं णिज्जरिस्संति, जं णिज्जरिस्संति तं वेदिस्संति?
गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे ।
- १९ से केणढ्ढेणं जाव णो तं वेदिस्संति ?
गोयमा ! कम्मं वेदिस्संति, णोकम्मं णिज्जरिस्संति; से तेणढ्ढेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव
णो णिज्जरिस्संति । एवं णेरइया वि जाव वेमाणिया ।
- २० से णूणं भंते ! जे वेयणासमए से णिज्जरासमए, जे णिज्जरासमए से वेयणा-समए ? गोयमा
! णो इण्ढे समढ्ढे ।
- २१ से केणढ्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जे वेयणासमए ण से णिज्जरासमए, जे णिज्जरासमए ण से
वेयणासमए ?
गोयमा ! जं समयं वेदेंति णो तं समयं णिज्जरेंति; जं समयं णिज्जरेंति णो तं समयं वेदेंति;
अण्णम्मि समए वेदेंति, अण्णम्मि समए णिज्जरेंति; अण्णे से वेयणासमए, अण्णे से
णिज्जरासमए; से तेणढ्ढेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव ण से वेयणासमए ।
- २२ णेरइयाणं भंते ! जे वेयणासमए से णिज्जरासमए, जे णिज्जरासमए से वेयणासमए ?
गोयमा! णो इण्ढे समढ्ढे ।
- २३ से केणढ्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयाणं जे वेयणासमए ण से णिज्जरा- समए, जे
णिज्जरासमए ण से वेयणासमए ?
गोयमा ! णेरइया णं जं समयं वेदेंति णो तं समयं णिज्जरेंति; जं समयं णिज्जरेंति णो तं
समयं वेदेंति; अण्णम्मि समए वेदेंति, अण्णम्मि समए णिज्जरेंति; अण्णे से वेयणासमए
अण्णे से णिज्जरासमए; से तेणढ्ढेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव ण से वेयणासमए । एवं जाव
वेमाणियाणं।
- २४ णेरइया णं भंते ! किं सासया, असासया ?
गोयमा ! सिय सासया सिय असासया ।
- २५ से केणढ्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइया सिय सासया सिय असासया ?
गोयमा ! अव्वोच्छित्ति णयइयाए सासया, वोच्छित्ति णयइयाए असासया । से तेणढ्ढेणं
जाव सिय सासया सिय असासया; एवं जाव वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी- कइविहा णं भंते ! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ?

गोयमा ! छव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव तसकाइया । एवं जहा जीवाभिगमे जाव एगे जीवे एगेण समएणं एगं किरियं पकरेइ, तं जहा- सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा ।

जीवा छव्विह पुढवी, जीवाण ठिई भवट्ठिई काये ।

णिल्लेवण अणगारे, किरिया सम्मत्त मिच्छत्ता ॥

॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइविहे जोणिसंगहे पण्णत्ते?

गोयमा ! तिविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते, तं जहा- अंडया, पोयया, सम्मुच्छिमा; एवं जहा जीवाभिगमे जाव णो चेव णं ते विमाणे वीईवएज्जा; एमहालया णं गोयमा ! ते विमाणा पण्णत्ता । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए णेरइयाउयं पकरेइ, उववज्जमाणे णेरइयाउयं पकरेइ, उववण्णे णेरइयाउयं पकरेइ ? गोयमा ! इहगए णेरइयाउयं पकरेइ, णो उववज्जमाणे णेरइयाउयं पकरेइ, णो उववण्णे णेरइयाउयं पकरेइ । एवं असुरकुमारेसु वि । एवं जाव वेमाणिएसु ।

२ जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! किं इहगए णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, उववज्जमाणे णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, उववण्णे णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ ? गोयमा ! णो इहगए णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, उववज्जमाणे णेरइयाउयं पडि- संवेदेइ, उववण्णे वि णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ । एवं जाव वेमाणिएसु ।

३ जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! किं इहगए महावेयणे, उववज्जमाणे महावेयणे, उववण्णे महावेयणे ? गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे; अह णं उववण्णे भवइ, तओ पच्छा एगंतदुक्खं वेयणं वेदेइ, आहच्च सायं ।

४ जीवे णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे; अह णं उववण्णे भवइ, तओ पच्छा एगंतसायं वेयणं वेदेइ, आहच्च असायं । एवं जाव थणियकुमारेसु ।

५ जीवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे; एवं उववज्जमाणे वि, अह णं उववण्णे भवइ, तओ पच्छा वेमायाए वेयणं वेदेइ । एवं जाव मणुस्सेसु । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु जहा असुरकुमारेसु ।

६ जीवा णं भंते ! किं आभोगणिव्वत्तियाउया, अणाभोगणिव्वत्तियाउया ? गोयमा ! णो आभोगणिव्वत्तियाउया, अणाभोगणिव्वत्तियाउया । एवं णेरइया वि । एवं जाव वेमाणिया ।

७ अत्थि णं भंते ! जीवाणं कक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?
गोयमा ! हंता, अत्थि ।

८ कहं णं भंते ! जीवाणं कक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?
गोयमा ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं । एवं खलु गोयमा ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ।

९ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं कक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१० अत्थि णं भंते ! जीवाणं अक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?
गोयमा ! हंता, अत्थि ।

११ कहं णं भंते ! जीवाणं अक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?
गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं, कोहविवेगेणं जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेणं; एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ।

१२ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं अक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! णो इणढे समढे। एवं जाव वेमाणिया; णवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं ।

१३ अत्थि णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिया कम्मा कज्जंति ? हंता, अत्थि ।

१४ कहं णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?
गोयमा ! पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए जीवाणुकंपयाए सत्ताणुकंपयाए बहुणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए, असोयणयाए, अजूरणयाए, अतिप्पणयाए, अपिट्ठणयाए, अपरियावणयाए; एवं खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । एवं णेरइयाण वि । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१५ अत्थि णं भंते ! जीवाणं आसायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? हंता, अत्थि।

१६ कहं णं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?

गोयमा ! परदुक्खणयाए, परसोयणयाए, परजूरणयाए, परतिप्पणयाए, परपिट्ठण-याए, परपरियावणयाए; बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए, सोयणयाए जाव परियावणयाए; एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अस्सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । एवं णेरइयाण वि । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१७ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ।

गोयमा ! कालो भविस्सइ- हाहाभूए, भंभाभूए, कोलाहलगभूए; समयाणुभावेण य णं खर-फरुस-धूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया संवट्ठगा य वाहिंति; इह अभिक्खं धूमाहिंति य दिसा समंता रओसला, रेणुकलुस तमपडल णिरालोगा; समयलुक्खयाए य णं अहियं चंदा सीयं मोच्छंति, अहियं सूरिया तवइस्संति; अदुत्तरं च णं अभिक्खणं बहवे अरसमेहा, विरसमेहा, खारमेहा, खत्तमेहा(खट्टमेहा), अग्गिमेहा, विज्जुमेहा, विसमेहा, असणिमेहा; अपिवणिज्जोदगा(अजवणिज्जोदगा) वाहि-रोग-वेदणोदीरणापरिणामसलिला, अमणुण्णपाणियगा, चंडाणिलपहयतिक्खधारा- णिवायपउरं वासं वासिहिंति; जे णं भारहे वासे गामागर- णयर-खेड-कब्बड-मडंब-दोणमुह-पट्ठणासमगयं जणवयं, चउप्पय-गवेलए, खहयरे य पक्खिसंघे, गामारण्ण पयारणिए तसे य पाणे, बहुप्पगारे रुक्ख-गुच्छ- गुम्म-लय- वल्लि-तणपव्वग-हरि-ओसहि पवालंकुरमादीए य तणवणस्सइकाइए विद्धंसिहिंति, पव्वय-गिरिडोंगर-उत्थल-भट्ठिमादीए य वेयइढगिरिवज्जे विरावेहिंति, सलिलबिल-गइड- दुग्गवि- समणिण्णुणयाइं च गंगा सिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति ।

१८ तीसे णं भंते ! समाए भरहस्स वासस्स भूमीए केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ ?

गोयमा ! भूमि भविस्सइ-इंगालब्भूया, मुम्मुरब्भूया, छारियभूया, तत्तकवेल्लुयब्भूया, तत्तसमजोइभूया, धूलिबहुला, रेणुबहुला, पंकबहुला, पणगबहुला, चलणिबहुला, बहूणं धरणिगोयराणं सत्ताणं दुण्णिक्कमा यावि भविस्सइ।

१९ तीसे णं भंते ! समाए भारहे वासे मणुयाणं केरिसए आयारभाव पडोयारे भविस्सइ ?

गोयमा ! मणुया भविस्संति दुरुवा, दुव्वण्णा, दुग्गंधा, दुरसा, दुफासा, अणिट्ठा, अकंता जाव अमणामा, हीणस्सरा, दीणस्सरा, अणिट्ठसरा जाव अमणामस्सरा, अणादेज्जवयणपच्चायाया णिल्लज्जा, कूड-कवड- कलह-वह-बंध-वेरणिरया, मज्जायातिककमप्पहाणा, अकज्ज-णिच्चुज्जता, गुरुणियोग- विणयरहिया य विकलरूवा, परूढणह-केस-मंसु-रोमा, काला, खर-फरुस-झामवण्णा, फुट्टिसिरा, कविलपलिय-केसा, बहुण्हारुसंपिणद्ध-दुद्धंसणिज्जरूवा, संकुडियवलीतरंगपरिवेढियंगमंगा, जरा-परिणयव्व थेरगणरा; पविरलपरिसडिय-दंतसेढी, उब्भडघडमुहा विसमणयणा, वंकणासा, वंकवलीविगयभेसणमुहा, कच्छूकसराभिभूया, खरतिक्खणखकंडूइय-विकखयतणू, दद्दु-किडिभसिज्झ-फुडियफरुसच्छवी, चित्तलंगा, टोलगइ,

विसमसंधिबंधण-उक्कुडुअट्ठिग-विभत्तदुब्बला, कुसंघयण-कुप्पमाण-कुसंठिया, कुरूवा, कुट्ठाणासण- कुसेज्ज-दुब्भोइणो, असुइणो, अणेगवाहि-परिपीलियंगमंगा, खलंत-विब्भलगई, णिरुच्छाहा, सत्तपरिवज्जिया, विगयचेट्ठ-णट्ठतेया, अभिक्खणं सीय-उण्ह-खर-फरुस-वायविज्झडिय-मलिणपंसुरयगुंडियंगमंगा, बहुकोह- माण-माया, बहुलोभा, असुह-दुक्खभागी, ओसण्णं धम्मसण्ण- सम्मत्तपरिभट्ठा, उक्कोसेणं रयणिप्पमाणमेत्ता, सोलस-वीसइवासपरमाउसो, पुत्तणत्तु-परियालपणयबहुला गंगासिंधुओ महाणईओ, वेयड्डं च पव्वयं णिस्साए बावत्तरिं णिओया बीयं बीयामेत्ता बिलवासिणो भविस्संति।

२० ते णं भंते ! मणुया कं आहारं आहारेहिंति ?

गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं गंगा-सिंधुओ महाणईओ रहपहवित्थराओ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति । से वि य णं जले बहुमुच्छ- कच्छभाइणो णो चेव णं आउबहुले भविस्सइ । तए णं ते मणुया सूरुग्गमणमुहुत्तंसि य सुरत्थमणमुहुत्तंसि य बिलेहिंतो णिद्धाहिंति, णिद्धाइत्ता मच्छ-कच्छभे थलाइं गाहेहिंति, गाहित्ता सीतातव- तत्तएहिं मच्छ- कच्छएहिं एककवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति।

२१ ते णं भंते ! मणुया णिस्सीला णिग्गुणा णिम्मरा णिप्पच्चक्खाण पोसहोववासा ओसण्णं मंसाहारा मच्छाहारा खोदाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति, कहिं उववज्जिहिंति ?

गोयमा ! ओसण्णं णरग-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ।

२२ ते णं भंते ! सीहा वग्घा विगा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा णिस्सीला तहेव जाव कहिं उववज्जिहिंति ?

गोयमा ! ओसण्णं णरग-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ।

२३ ते णं भंते ! ढंका कंका विलका मददुगा सिही णिस्सीला जाव ओसण्णं णरग-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं चिद्धमाणस्स आउत्तं णिसीयमासस्स आउत्तं तुयट्ठमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा णिक्खिणवमाणस्स वा, तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- संवुडस्स णं अणगारस्स जाव णो संपराइया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! जस्स णं कोह-माण-माया-लोभा वोच्छिण्णा भवन्ति, तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ; तहेव जाव उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ; से णं अहासुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो संपराइया किरिया कज्जइ ।

२

रूवी णं भन्ते ! कामा, अरूवी कामा ? गोयमा ! रूवी कामा, णो अरूवी कामा ।

३

सचित्ता भन्ते ! कामा, अचित्ता कामा ? गोयमा ! सचित्ता वि कामा, अचित्ता वि कामा ।

४

जीवा भन्ते ! कामा, अजीवा कामा ? गोयमा ! जीवा वि कामा, अजीवा वि कामा ।

५

जीवाणं भन्ते ! कामा, अजीवाणं कामा ? गोयमा ! जीवाणं कामा, णो अजीवाणं कामा ।

६

कइविहा णं भन्ते ! कामा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा कामा पण्णत्ता, तं जहा- सद्दा य रूवा य ।

७

रूवी भन्ते ! भोगा, अरूवी भोगा ? गोयमा ! रूवी भोगा, णो अरूवी भोगा ।

८

सचित्ता भन्ते ! भोगा, अचित्ता भोगा ? गोयमा ! सचित्ता वि भोगा, अचित्ता वि भोगा ।

९

जीवा भन्ते ! भोगा, अजीवा भोगा ? गोयमा ! जीवा वि भोगा, अजीवा वि भोगा ।

१०

जीवाणं भन्ते ! भोगा, अजीवाणं भोगा ? गोयमा ! जीवाणं भोगा, णो अजीवाणं भोगा ।

११

कइविहा णं भन्ते ! भोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा भोगा पण्णत्ता, तं जहा- गंधा, रसा, फासा ।

१२

कइविहा णं भन्ते ! कामभोगा पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा कामभोगा पण्णत्ता, तं जहा- सद्दा रूवा गंधा रसा फासा ।

१३

जीवा णं भन्ते ! किं कामी, भोगी ? गोयमा ! जीवा कामी वि भोगी वि ।

से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ- जीवा कामी वि भोगी वि ?

गोयमा ! सोइंदिय-चक्खिंदियाइं पडुच्च कामी, घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जीवा कामी वि भोगी वि ।

१४

णेइया णं भन्ते ! किं कामी, भोगी ? गोयमा ! जहा जीवा तहा णेइया । एवं जाव थणियकुमारा

१५

पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुढविकाइया णो कामी, भोगी ।

से केणट्ठेणं जाव भोगी ? गोयमा ! फासिंदिय पडुच्च; से तेणट्ठेणं जाव भोगी; एवं जाव वणस्सइकाइया ।

१६

बेइंदिया एवं चेव, णवरं जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं पडुच्च भोगी ।

तेइंदिया वि एवं चेव, णवरं घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी ।

- १७ चउरिंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चउरिंदिया कामी वि भोगी वि ।
केणट्ठेणं जाव भोगी वि ? गोयमा ! चक्खिंदियं पडुच्च कामी, घाणिंदिय जिब्भिंदिय फासिंदियाइं पडुच्च भोगी; से तेणट्ठेणं जाव भोगी वि । अवसेसा जहा जीवा जाव वेमाणिया ।
- १८ एएसि णं भंते ! जीवाणं कामीभोगीणं, णोकामी-णोभोगीणं, भोगीण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा कामीभोगी, णोकामी-णोभोगी अणंतगुणा, भोगी अणंतगुणा ।
- १९ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे जे भविए अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उव- वज्जित्तए, से णूणं भंते ! से खीणभोगी; णो पभू उट्ठाणेणं कम्मणेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए? से णूणं भंते ! एयमट्ठं एवं वयह ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । पभू णं भंते ! से उट्ठाणेण वि कम्मणेण वि बलेण वि वीरिएण वि पुरिसक्कारपरक्कमेण वि अण्णयराइं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, तम्हा भोगी; भोगे परिच्चयमाणे महाणिज्जरे, महापज्जवसाणे भवइ ।
- २० आहोहिए णं भंते ! मणूसे जे भविए अण्णयरेसु देवलोएसु उववज्जित्तए पुच्छा ? गोयमा ! जहा छउमत्थे जाव महापज्जवसाणे भवइ ।
- २१ परमाहोहिए णं भंते ! मणूस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव अंतं करेत्तए; से णूणं भंते ! से खीणभोगी, सेसं जहा छउमत्थस्स; पुच्छा ?
हंता गोयमा ! से णं खीणभोगी; णो पभू उट्ठाणेणं जाव भुंजमाणे विहरित्तए; तम्हा से तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ।
- २२ केवली णं भंते ! मणूसे जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव अंतं करेत्तए, से णूणं भंते! से खीणभोगी पुच्छा ?
गोयमा ! जहा परमाहोहिए जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ।
- २३ जे इमे भंते ! असण्णिणो पाणा, तं जहा- पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया, छट्ठा य एगइया तसा; एए णं अंधा, मूढा, तमं पविट्ठा तमपडलमोहजालपडिच्छण्णा अकामणिकरणं वेयणं वेदेत्तीति वत्तव्वं सिया ?
हंता गोयमा ! जे इमे असण्णिणो पाणा जाव वेयणं वेदेत्तीति वत्तव्वं सिया।
- २४ अत्थि णं भंते ! पभू वि अकामणिकरणं वेयणं वेदेत्ति ? हंता, अत्थि ।
- २५ कहं णं भंते ! पभू वि अकामणिकरणं वेयणं वेदेत्ति ?
गोयमा ! जे णं णो पभू विणा पईवेणं अंधकारंसि रूवाइं पासित्तए, जे णं णो पभू पुरओ रूवाइं अणिज्झाइत्ता णं पासित्तए, जे णं णो पभू मग्गओ रूवाइं अणवयक्खित्ता णं पासित्तए, जे णं णो पभू पासओ रूवाइं अणवलोइत्ता णं पासित्तए, जे णं णो पभू उड्ढं

रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए, जे णं णो पभू अहे रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए; एस णं गोयमा ! पभू वि अकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ।

२६ अत्थि णं भंते ! पभू वि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ? हंता, अत्थि ।

२७ कंहं णं भंते ! पभू वि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ?

गोयमा ! जे णं णो पभू समुद्धस्स पारं गमित्तए, जे णं णो पभू समुद्धस्स पारगयाइं रूवाइं पासित्तए, जे णं णो पभू देवलोगं गमित्तए, जे णं णो पभू देव- लोगगयाइं रूवाइं पासित्तए; एस णं गोयमा ! पभू वि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अड्डमो उद्देशो

१ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु?

एवं जहा पढमसए चउत्थुद्देसए तहा भाणियव्वं जाव अलमत्थु त्ति वत्तव्वं सिया ।

२ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?

हंता गोयमा ! हत्थियस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे । एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुड्डियं वा महालियं वा।

३ णेरइयाणं भंते ! पावे कम्मं जे य कडे, जे य कज्जइ, जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे, जे णिज्जिण्णे से सुहे ?

हंता गोयमा ! णेरइयाणं पावे कम्मं जाव जे णिज्जिण्णे से सुहे । एवं जाव वेमाणियाणं ।

४ कइ णं भंते ! सण्णाओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! दस सण्णाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- आहारसण्णा, भयसण्णा, मेहुणसण्णा, परिग्गहसण्णा, कोहसण्णा, माणसण्णा, मायासण्णा, लोभसण्णा, लोगसण्णा, ओहसण्णा । एवं जाव वेमाणियाणं ।

५ णेरइया दसविहं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा- सीयं, उसिणं, खुहं, पिवासं, कंडुं, परज्झं, जरं, दाहं, भयं, सोगं ।

६ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ? हंता गोयमा! हत्थिस्स य कुंथुस्स य जाव कज्जइ ।

७ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जइ ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च । से तेणट्ठेणं जाव कज्जइ ।

८ आहाकम्मं णं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ, किं पकरेइ, किं चिणाइ, किं उवचिणाइ ?

एवं जहा पढमे सए णवमे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव सासए पंडिए, पंडियत्तं असासयं । ॥
सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

णवमो उद्देसो

- १ असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं विउव्वित्तए ?
गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे ।
- २ असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं विउव्वित्तए ?
हंता, पभू ।
- ३ से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ,
अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ?
गोयमा ! इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, णो तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, णो
अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ।
एवं एगवण्णं अणेगरूवं, अणेगवण्णं एग रूवं, अणेगवण्णं अणेगरूवं- चउभंगो । एवं जहा
छट्ठसए णवमे उद्देसए तहा इह वि भाणियव्वं, देवस्स ठाणे अणगारं त्ति आलावगो;
तत्थगयस्स ठाणे इहगयं त्ति भाणियव्वं ।
- ४ णायमेयं अरहया, सुयमेयं अरहया, विण्णायमेयं अरहया! महासिलाकंटए संगामे।
महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्ठमाणे के जइत्था, के पराजइत्था ?
गोयमा ! वज्जी, विदेहपुत्ते जइत्था; णव मल्लई, णव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारस वि
गणरायाणो पराजइत्था ।
- ५ तए णं से कोणिए राया महासिलाकंटगं संगामं उवट्ठियं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ,
सद्दावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेह, हय-गय- रह-
पवर-जोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेह, सण्णाहित्ता मम एयमाणत्तियं खिप्पामेव
पच्चप्पिणह ।
- ६ तएणं ते कोडुंबियपुरिसा कोणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठ-तुट्ठ जाव अंजलिं कट्ठु 'एवं
सामी ! तहत्ति' आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति, पडिसुणित्ता खिप्पामेव
छेयायरियोवएसमइकप्पणा-विकप्पेहिं सुणिउणेहिं, एवं जहा उववाइए जाव भीमं संगामियं
अउज्झं उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेति, हय गय जाव सण्णाहेति, सण्णाहित्ता जेणेव कूणिए
राया तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयल जाव कूणियस्स रण्णो तमाणत्तियं
पच्चप्पिणंति ।
- ७ तएणं से कूणिए राया जेणेव मज्जणघरं तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता, मज्जणघरं
अणुप्पविसइ, मज्जणघरं अणुप्पविसित्ता ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिएसण्णद्ध-बद्ध-

वम्मियकवए, उप्पीलिय-सरासणपट्टिए, पिणद्धगेवेज्ज-विमलवरबद्ध-चिंधपट्टे, गहियाउहप्पहरणे, सकोरंट-मल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामर- बालवीइयंगे, मंगलजयसद्धकयालोए एवं जहा उववाइए जाव जेणेव उदाई हत्थिराया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता उदाइं हत्थिरायं दुरूढे ।

८ तए णं से कूणिए राया हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जहा उववाइए जाव सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं उद्धुव्वमाणीहिं हय-गय-रह-पवर-जोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे, महयाभडचडगरविंदपरिक्खित्ते जेणेव महासिला-कंटए संगामे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता महासिलाकंटयं संगामं ओयाए। पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एगं महं अभेज्जकवयं वडरपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिड्डइ । एवं खलु दो इंदा संगामे संगामेति, तं जहा- देविंदे य, मणुइंदे य । एगहत्थिणा वि णं पभू कूणिए राया परिजिणित्तए ।

९ तएणं से कूणिए राया महासिलाकंटगं संगामं संगामेमाणे णव मल्लई णव लेच्छई कासी-कोसलगा अट्टारस वि गणरायाणो हयमहियपवरवीरघाइयविवडिय-चिंधद्वयपडागे किच्छपाणगए दिसोदिसिं पडिसेहित्था ।

१० से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-महासिलाकंटए संगामे, महासिलाकंटए संगामे ? गोयमा ! महासिलाकंटए णं संगामे वट्टमाणे, जे तत्थ आसे वा हत्थी वा जोहे वा सारही वा, तणेण वा पत्तेण वा कट्टेण वा सक्कराए वा अभिहम्मइ सव्वे से जाणेइ महासिलाए अहं अभिहए । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ महासिलाकंटए संगामे, महासिलाकंटए संगामे ।

११ महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ? गोयमा ! चउरासीइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ।

१२ ते णं भंते ! मणुया णिस्सीला जाव णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा, रुद्धा, परिकुविया, समरवहिया, अणुवसंता कालमासे कालं किच्चा कहिं गया, कहिं उववण्णा ? गोयमा ! ओसण्णं णरग-तिरिक्खजोणिएसु उववण्णा ।

१३ णायमेयं अरहया, सुयमेयं अरहया, विण्णायमेणं अरहया ! रहमुसले संगामे; रहमुसले णं भंते! संगामे वट्टमाणे के जइत्था, के पराजइत्था ? गोयमा ! वज्जी, विदेहपुत्ते, चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया जइत्था; णव मल्लई, णव लेच्छई पराजइत्था ।

१४ तए णं से कूणिए राया रहमुसलं संगामं उवडियं, सेसं जहा महासिलाकंटए, णवरं भूयाणंदे हत्थिराया जाव रहमुसलं संगामं ओयाए । पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया जाव चिड्डइ; मग्गओ य से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एगं महं आयसं किट्ठिणपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिड्डइ । एवं खलु तओ इंदा संगामं संगामेति, तं जहा- देविंदे य मणुइंदे य असुरिंदे य । एगहत्थिणा वि णं पभू कूणिए राया जइत्तए; तहेव जाव दिसोदिसिं पडिसेहित्था ।

- १५] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ रहमुसले संगामे, रहमुसले संगामे ?
गोयमा ! रहमुसले णं संगामे वट्ठमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणा- रोहए समुसले महया जणक्खयं जणवहं जणप्पमदं जणसंवट्ठकप्पं रुहिरकद्धमं करेमाणे सव्वओ समंता परिधावित्था। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- रहमुसले संगामे, रहमुसले संगामे ।
- १६] रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्ठमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ?
गोयमा ! छण्णउइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ?
- १७] ते णं भंते ! मणुया णिस्सीला जाव कहिं उववण्णा ?
गोयमा ! तत्थ णं दससाहस्सीओ एगाए मच्छीए कुच्छिंसि उववण्णाओ । एगे देवलोगेसु उववण्णे। एगे सुकुले पच्चायाए । अवसेसा ओसण्णं णरगतिरिक्ख- जोणिएसु उववण्णा ।
- १८] कम्हा णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया, चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियरण्णो साहेज्जं दलयित्था।
गोयमा! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसंगइए, चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परियायसंगइए; एवं खलु गोयमा! सक्के देविंदे देवराया, चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रण्णो साहेज्जं दलयित्था ।
- १९] बहुजणे णं भंते ! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ, जाव परूवेइ-एवं खलु बहवे मणुस्सा अण्णयरेसु उच्चावएसु संगामेसु अभिमुहा चेव पहया समाणा कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति; से कहमेयं भंते ! एवं ?
गोयमा ! जण्णं से बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव उववत्तारो भवन्ति; जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि---
एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वेसाली णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तत्थ णं वेसालीए णयरीए वरुणे णामं णागणत्तुए परिवसइ । अइं जाव अपरिभूए; समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे छट्ठं छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।
- २०] तएणं से वरुणे णागणत्तुए अण्णया कयाइं रायाभिओगेणं, गणाभिओगेणं, बलाभिओगेणं रहमुसले संगामे आणत्ते समाणे छट्ठभत्तिए अट्ठमभत्तं अणुवट्ठेइ, अणुवट्ठित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्धावेइ, सद्धावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठावेह; हय-गय-रह जाव सण्णाहेत्ता ममं एयं आणत्तियं पच्चप्पिणह ।
- २१] तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सच्छत्तं सज्झयं जाव उवट्ठावैति, हय गय रह जाव सण्णाहैति, सण्णाहित्ता जेणेव वरुणे णागणत्तुए जाव पच्चप्पिणंति ।
- २२] तएणं से वरुणे णागणत्तुए जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ, जहा कूणिओ जाव जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता चाउग्घंटं

आसरहं दुरुहइ, दुरुहित्ता हय गय रह जाव संपरिवुडे, महयाभडचडगरविंद परिकिखत्ते जेणेव रहमुसलं संगामे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता रहमुसलं संगामं ओयाओ ।

२३ तएणं से वरुणे णागणत्तुए रहमुसलं संगामं ओयाए समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ- कप्पइ मे रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स जे पुव्विं पहणइ से पडिहणित्तए, अवसेसे णो कप्पइ त्ति; अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ, अभिगेणहेत्ता रहमुसलं संगामं संगामेइ ।

२४ तएणं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स एगे पुरिसे सरिसए सरिसत्तए सरिसव्वए सरिसभंडमत्तोवगरणे रहेणं पडिरहं हव्वं आगए ।

तएणं से पुरिसे वरुणं णागणत्तुयं एवं वयासी- पहण भो वरुण णागणत्तुया! पहण भो वरुण णागणत्तुया, तए णं से वरुणे णागणत्तुए तं पुरिसं एवं वयासी-णो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया! पुव्विं अहयस्स पहणित्तए, तुमं चेव णं पुव्विं पहणाहि।

२५ तएणं से पुरिसे वरुणेणं णागणत्तुएणं एवं वुत्ते समाणे आसुरत्ते जाव मिसि- मिसेमाणे धणुं परामुसइ, धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ, उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ, आययकण्णाययं उसुं करेत्ता वरुणं णाग- णत्तुयं गाढप्पहारी करेइ।

२६ तएणं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे आसुरत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ, धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ, उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाइ, ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ, आययकण्णाययं उसुं करेत्ता तं पुरिसं एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवेइ ।

२७ तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे, अबले, अवीरिए, अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमिति कट्ठु तुरए णिगिण्हइ, तुरए णिगिण्हित्ता रहं परावत्तेइ रहं परावत्तित्ता रहमुसलाओ संगामाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता, एगंतमंतं अवक्कमइ, एगंतमंतं अवक्कमित्ता तुरए णिगिण्हइ, तुरए णिगिण्हित्ता रहं ठवेइ, रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ, रहाओ पच्चोरुहित्ता तुरए मोएइ, तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ, तुरए विसज्जित्ता दब्भसंधारगं संधरइ, दब्भसंधारगं संधरित्ता दब्भसंधारगं दुरुहइ, दब्भसंधारगं दुरुहित्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियं क णिसण्णे, करयल संपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासी-णमोत्थुणं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, णमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोव-देसगस्स; वंदामि णं भंगवंतं तत्थगयं इहगए, पासउ मे से भगवं तत्थगए जाव वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-पुव्विं पि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए; एवं जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए; इयाणिं पि णं अहं तस्सेव भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, एवं जहा खंदओ जाव एयं पि य णं चरिमेहिं ऊसास णीसासेहिं वोसिरिस्सामि त्ति कट्ठु सण्णाहपट्ठं

मुयइ, सण्णाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ, सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइयपडिक्कंते, समाहिपत्ते, आणुपुव्वीए कालगए ।

२८ तएणं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स एगे पियबालवयंसए रहमुसलं संगामं संगामेमाणे एगेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाने अत्थामे अबले जाव अधार-णिज्जमिति कट्ठु जहा वरुणं णागणत्तुयं रहमुसलाओ संगामाओ पडिणिक्खममाणं पासिए तहा ते वि तुरए णिगिण्हइ, तुरए णिगिण्हित्ता रहं परावत्तेइ, रहं परावत्तित्ता रहसमुसलाओ संगामाओ जाव तुरए विसज्जेइ, पडसंथारगं दुरुहइ, पडसंथारगं दुरुहित्ता पुरत्थाभिमुहे जाव अंजलिं कट्ठु एवं वयासी- जाइं णं भंते ! मम पिय- बालवयंसस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स सीलाइं वयाइं गुणाइं वेरमणाइं पच्चक्खाण पोसहोववासाइं, ताइं णं ममं पि भवंतु त्ति कट्ठु सण्णाहपट्टं मुयइ, सण्णाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ, सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपुव्वीए कालगए ।

२९ तए णं वरुणं णागणत्तुयं कालगयं जाणित्ता अहासण्हिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगंधोदगवासे वुट्ठे, दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए, दिव्वे य गीयगंधव्वणिण्णाए कए यावि होत्था । तएणं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स तं दिव्वं देविड्ढिं, दिव्वं देवज्जुइं, दिव्वं देवाणुभागं सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! बहवे मणुस्सा जाव देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति।

३० वरुणे णं भंते ! णागणत्तुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए, कहिं उव- वण्णे ?

गोयमा ! सोहम्मं कप्पे, अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं वरुणस्स वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

से णं भंते ! वरुणे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइ- क्खएणं जाव अंतं करेहिइ ।

३१ वरुणस्स णं भंते ! णागणत्तुयस्स पियबालवयंसए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए, कहिं उववण्णे ? गोयमा! सुकुले पच्चायाए ।

३२ से णं भंते ! तओहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ?
गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । गुणसीलए चेइए जाव पुढविसिलापट्टए होत्था, वण्णओ ।

तस्स णं गुणसीलस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति, तं जहा-
कालोदाई सेलोदाई सेवालोदाई उदए णामुदए णम्मुदए अण्णवालए सेलवालए संखवालए
सुहत्थी गाहावई।

२

तए णं तेसिं अण्णउत्थियाणं अण्णया कयाइं एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सण्णिविद्वाणं
सण्णिसण्णाणं अयमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे णायपुत्ते पंच
अत्थिकाए पण्णवेइ, तं जहा- धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं । तत्थ णं समणे णायपुत्ते
चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पण्णवेइ, तं जहा- धम्मत्थिकायं, अधम्मत्थिकायं,
आगासत्थिकायं, पोग्गलत्थिकायं; एगं च णं समणे णायपुत्ते जीवत्थिकायं अरुविकायं
जीवकायं पण्णवेइ । तत्थ णं समणे णायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अरुविकाए पण्णवेइ तं
जहा- धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवत्थिकायं; एगं च णं समणे
णायपुत्ते पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पण्णवेइ; से कहमेयं मण्णे एवं ।

३

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवे महावीरे जाव गुणसीलए चेइए समोसढे जाव परिसा
पडिगया ।

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेढे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे
गोयमगोत्तेणं, एवं जहा बितियसए णियंठुद्देसए जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं
भत्तपाणं पडिग्गहिक्का रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ अतुरियं अचवलं असंभंतं जाव
रियं सोहेमाणे सोहेमाणे तेसिं अण्णउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीइवयइ ।

४

तए णं ते अण्णउत्थिया भगवं गोयमं अदूरसामंतेण वीइवयमाणं पासंति, पासित्ता अण्णमण्णं
सद्धान्ति, सद्धान्ति एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमा कहा अविप्पकडा, अयं च
णं गोयमे अम्हं अदूरसामंतेण वीइवयइ । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं गोयमं एयमढं
पुच्छित्तए त्ति कट्ठु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमढं पडिसुणंति, पडिसुणित्ता जेणेव भगवं
गोयमे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी-

एवं खलु गोयमा ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पण्णवेइ, तं
जहा- धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं; तं चेव जाव एगं च णं समणे णायपुत्ते
पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पण्णवेइ; से कहमेयं गोयमा! एवं ?

तए णं से भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- णो खलु वयं देवाणुप्पिया! अत्थिभावं
णत्थि त्ति वयामो, णत्थिभावं अत्थि त्ति वयामो; अम्हे णं देवाणुप्पिया! सव्वं अत्थिभावं
अत्थि त्ति वयामो, सव्वं णत्थिभावं णत्थि त्ति वयामो; ते चेयसा (वेदसा) खलु तुब्भे
देवाणुप्पिया! एयमढं सयमेव पच्चुवेक्खह त्ति कट्ठु ते अण्णउत्थिए एवं वयइ, वइत्ता जेणेव
गुणसीलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे एवं जहा णियंठुद्देसए जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ,
पडिदंसित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव
पज्जुवासइ ।

५

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे महाकहापडिवण्णे या वि होत्था, कालोदाई य
तं देसं हव्वं आगए ।

कालोदाई ! त्ति समणे भगवं महावीरे कालोदाई एवं वयासी- से णूणं ते कालोदाई ! अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सण्णिविद्वाणं तहेव जाव से कहमेयं मण्णे एवं ? से णूणं कालोदाई ! अट्ठे समट्ठे ? हंता, अत्थि ।

तं सच्चे णं एसमट्ठे कालोदाई ! अहं पंचत्थिकायं पण्णवेमि, तं जहा- धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं । तत्थ णं अहं चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पण्णवेमि, तहेव जाव एगं च णं अहं पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पण्णवेमि ।

६ तए णं से कालोदाई समणं भगवं महावीरं एवं वयासी- एयंसि णं भंते ! धम्मत्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि अरूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केई आसइत्तए वा सइत्तए वा चिद्धइत्तए वा णिसीइत्तए वा तुयट्ठित्तए वा ?

णो इणट्ठे समट्ठे । कालोदाई ! एगंसि णं पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केई आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्ठित्तए वा ।

७ एयंसि णं भंते ! पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि, अजीवकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?

णो इणट्ठे समट्ठे । कालोदाई ! एयंसि णं जीवत्थिकायंसि अरूविकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ।

८ एत्थ णं से कालोदाई संबुद्धे; समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता, णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं धम्मं णिसामेत्तए । एवं जहा खंदए तहेव पव्वइए, तहेव एक्कारस अंगाई जाव विहरइ ।

९ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयराओ, गुणसीलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ।

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे गुणसीलए चेइए होत्था । तएणं समणं भगवं महावीरे अण्णया कयाइ जाव समोसट्ठे जाव परिसा पडिगया ।

तए णं से कालोदाई अणगारे अण्णया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- अत्थि णं भंते! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति? हंता, अत्थि ।

१० कहं णं भंते ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?

कालोदाई ! से जहाणामए केइ पुरिसे मणुण्णं थालीपागसुद्धं अद्वारस- वंजणाउणं विससम्मिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए भदए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परिणममाणे दुरूवत्ताए, दुग्धत्ताए जहा महासवए जाव भुज्जो भुज्जो परिणमइ। एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवाए जाव मिच्छा-दंसणसल्ले, तस्स णं आवाए भदए भवइ, तओ पच्छा विपरिणममाणे विपरिणममाणे दुरूवत्ताए जाव भुज्जो भुज्जो परिणमइ। एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ।

- ११ अत्थि णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाणफलविवागसंजुत्ता कज्जंति? हंता, अत्थि ।
- १२ कहं णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ?
कालोदाई ! से जहाणामए केई पुरिसे मणुण्णं थालीपागसुद्धं अट्टारस- वंजणाउलं ओसहमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए णो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परिणममाणे सुरूवत्ताए सुवण्णत्ताए जाव सुहत्ताएणो दुक्खत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ; एवामेव कालोदाई! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, तस्स णं आवाए णो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परिणममाणे सुरूवत्ताए जाव णो दुक्खत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ । एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाण- फलविवाग-संजुत्ता कज्जंति ।
- १३ दो भंते ! पुरिसा सरिसया जाव सरिसभंडमत्तोवगरणा अण्णमण्णेणं सद्धिं अगणिकायं समारंभंति, तत्थ णं एगे पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ, एगे पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ, एएसि णं भंते ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे महाकम्म-तराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव? कयरे वा पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव ? जे वा से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ, जे वा से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ ?
कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव । तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव ।
- १४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- तत्थ णं जे से पुरिसे जाव अप्पवेयणतराए चेव ?
कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे बहुतरागं पुढविकायं समारंभइ, बहुतरागं आउक्कायं समारंभइ, अप्पतरागं तेउकायं समारंभइ, बहुतरागं वाउकायं समारंभइ, बहुतरागं वणस्सइकायं समारंभइ, बहुतरागं तसकायं समारंभइ । तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ, से णं पुरिसे अप्पतरागं पुढविककायं समारंभइ, अप्पतरागं आउक्कायं समारंभइ, बहुतरागं तेउक्कायं समारंभइ, अप्पतरागं वाउकायं समारंभइ, अप्पतरागं वणस्सइकायं समारंभइ, अप्पतरागं तसकायं समारंभइ । से तेणट्ठेणं कालोदाई ! जाव अप्पवेयणतराए चेव ।
- १५ अत्थि णं भंते ! अचित्ता वि पोग्गला ओभासंति, उज्जोवेंति, तवेंति, पभासेंति? हंता, अत्थि ।
- १६ कयरे णं भंते ! अचित्ता वि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति ?
कालोदाई ! कुद्धस्स अणगारस्स तेयलेस्सा णिसट्ठा समाणी दूरं गया, दूरं णिपतति, देसं गया देसं णिपतति, जहिं जहिं णं सा णिपतति, तहिं तहिं णं ते अचित्ता वि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति । एएणं कालोदाई ! ते अचित्ता वि पोग्गला ओभासंति जाव पभासंति ।

१७ तए णं से कालोदाई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता बहूहिं चउत्थछट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे जहा पढमसए कालास-वेसियपुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणं।

॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ सत्तमं सतं समत्तं ॥

अट्ठम सतं

पढमो उद्देशो

- १ पोग्गल आसीविस रुक्ख, किरिय आजीव फासुयमदत्ते ।
पडिणीय बंध आहारणा य, दस अट्ठमम्मि सए ॥
- २ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइविहा णं भंते ! पोग्गला पण्णत्ता ?
गोयमा ! तिविहा पोग्गला पण्णत्ता, तं जहा- पओगपरिणया, मीससापरिणया, वीससापरिणया य ।
- ३ पओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- एगिंदिय-पओगपरिणया जाव पंचिंदिय- पओगपरिणया ।
- ४ एगिंदियपओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- पुढविक्काइय-एगिंदियपओगपरिणया जाव वणस्सइकाइयएगिंदिय- पओगपरिणया ।
- ५ पुढविक्काइय एगिंदियपओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविक्काइय-एगिंदिय- पओगपरिणया, बादरपुढविक्काइय- एगिंदियपओगपरिणया य । आउक्काइय-एगिंदियपओगपरिणया एवं चेव, एवं दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइया य ।
- ६ बेइंदियपओगपरिणयाणं, पुच्छा ?
गोयमा! अणेगविहा पण्णत्ता। एवं तेइंदियपओगपरिणया, चउरिंदिय पओगपरिणया वि ।
- ७ पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा! चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- णेरइयपंचिंदिय-पओगपरिणया, तिरिक्ख-जोणिय-पंचिंदिय- पओगपरिणया, मणुस्सपंचिंदिय-पओगपरिणया, देवपंचिंदिय-पओगपरिणया य।

८ णेरइयपंचिंदिय-पओगपरिणयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! सत्तविहा पण्णत्ता, तं जहा- रयणप्पभापुढवि-णेरइय-पंचिंदिय- पओगपरिणया वि जाव अहेसत्तमपुढवि णेरइय पंचिंदिय-पओगपरिणया वि ।

९ तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- जलयरतिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणया, थलयरतिरिक्खजोणिय-पंचिंदियपओगपरिणया खहयर-तिरिक्ख-जोणिय-पंचिंदियपओगपरिणया।

१० जलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संमुच्छिम-जलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणया, गब्भवक्कंतिय-जलयर- तिरिक्खजोणिय- पंचिंदिय- पओग परिणया ।

११ थलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- चउप्पयथलयर- तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय- पओगपरिणया, परिसप्प- थलयर-तिरिक्खजोणिय- पंचिंदिय- पओगपरिणया ।

१२ चउप्पयथलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संमुच्छिम-चउप्पयथलयर, तिरिक्खजोणिय- पंचिंदिय-पओगपरिणया, गब्भवक्कंतिय-चउप्पयथलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय- पओगपरिणया ।

एवं एणं अभिलावेणं परिसप्पा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- उरपरिसप्पा य भुयपरिसप्पा य। उरपरिसप्पा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । एवं भुयपरिसप्पा वि, एवं खहयरा वि ।

१३ मणुस्सपंचिंदियपओग परिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- संमुच्छिम-मणुस्सपंचिंदिय-पओगपरिणया, गब्भवक्कंतिय-मणुस्स- पंचिंदिय-पओगपरिणया ।

१४ देवपंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- भवणवासि- देवपंचिंदिय- पओगपरिणया, एवं जाव वेमाणिया ।

१५ भवणवासिदेव-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तं जहा- असुरकुमारदेव-पंचिंदिय- पओगपरिणया जाव थणियकुमारदेव- पंचिंदिय-पओगपरिणया । एवं एणं अभिलावेणं अट्ठविहा वाणमंतरा तं जहा-

पिसाया जाव गंधव्वा । पंचविहा जोइसिया, तं जहा- चंदविमाण-जोइसियदेव- पंचिंदिय-पओगपरिणया जाव ताराविमाण- जोइसियदेव- पंचिंदिय-पओगपरिणया ।

१६ वेमाणिया पओगपरिणया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- कप्पोवग-वेमाणिय पओगपरिणया, कप्पाईयवेमाणिय- पओगपरिणया । कप्पोवगवेमाणिय-पओगपरिणया दुवालसविहा पण्णत्ता, तं जहा- सोहम्मकप्पोवगवेमाणिया जाव अच्चुयकप्पोवग- वेमाणिया पओगपरिणया । कप्पाईयवेमाणिया पओगपरिणया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- गेवेज्जग-कप्पाईय वेमाणिया पओगपरिणया, अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणिय-पओगपरिणया । गेवेज्ज-कप्पाईय-वेमाणिय-पओगपरिणया णवविहा पण्णत्ता, तं जहा- हेट्ठिम-हेट्ठिम- गेवेज्जग- कप्पाईय-वेमाणिय-पओगपरिणया जाव उवरिम- उवरिम- गेवेज्ज-कप्पाईय- वेमाणिय- पओगपरिणया ।

१७ अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणियदेव-पंचिंदिय-पओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- विजयअणुत्तरोववाइय-कप्पाईय वेमाणिय-पओगपरिणया जाव सव्वद्वसिद्ध- अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणियदेव-पंचिंदिय- पओगपरिणया ।

१८ सुहुम-पुढविक्काइय-एगिंदिय-पओगपरिणया णं भंते पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तग-सुहुमपुढविक्काइय-एगिंदिय- पओग परिणया य अपज्जत्तग- सुहुम-पुढविक्काइय एगिंदिय पओग परिणया य । बादर पुढविक्काइयएगिंदिय पओगपरिणया एवं चेव । एवं जाव वणस्सइकाइया । एक्केक्का दुविहा सुहुमा य बायरा य पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य भाणियव्वा ।

१९ बेइंदियपओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तगबेइंदियपओगपरिणया य अपज्जत्तग बेइंदियपओग परिणया य । एवं तेइंदिया, चउरिंदिया वि ।

२० रयणप्पभापुढविणेइय पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तग-रयणप्पभापुढवी-णेइय-पओग-परिणया य अपज्जत्तग-रयणप्पभापुढवी-णेइय-पओगपरिणया य । एवं जाव अहेसत्तमा ।

२१ संमुच्छिम-जलयर-तिरिक्खजोणिय-पंचेदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । एवं गब्भवक्कंतिया वि। संमुच्छिम- चउप्पय-थलयरा एवं चेव; एवं गब्भवक्कंतिया वि। एवं जाव संमुच्छिम-खहयरा य गब्भवक्कंतिय-खहयरा य, एक्केक्के पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य भाणियव्वा ।

२२ संमुच्छिम-मणुस्स-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ? गोयमा ! एगविहा पण्णत्ता-अपज्जत्तगा चेव ।

२३ गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पंचिंदिय-पओगपरिणयाणं, पुच्छा ?

गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-पज्जत्तग-गब्भवक्कंतिया य अपज्जत्तग- गब्भवक्कंतिया य।

२४ असुरकुमार भवणवासिदेवाणं, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तग-असुरकुमारा य, अपज्जत्तग- असुरकुमारा य, एवं जाव थणियकुमारा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा ।

एवं एणं अभिलावेणं दुयणं भेणं पिसाया जाव गंधव्वा । चंदा जाव ताराविमाणा । सोहम्मकप्पोवगा जाव अच्चुओ; हेट्ठिम-हेट्ठिम-गेविज्ज-कप्पाईयं जाव उवरिम-उवरिम-गेविज्ज-कप्पाईयं। एवं विजय- अणुत्तरोववाइय-कप्पाईयं जाव अपराजिय-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईयं ।

२५ सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय, पुच्छा ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय- कप्पाईय परिणया य अपज्जत्ता- सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय परिणया य ।

२६ जे अपज्जत्ता-सुहुम-पुढविककाइय-एगिंदिय-पओगपरिणया ते ओरालिय-तेयाकम्मग-सरीरप्पओगपरिणया । जे पज्जत्त-सुहुम-पुढविककाइय-एगिंदिय-पओग परिणया ते ओरालियतेयाकम्मग-सरीर-प्पओगपरिणया । एवं जाव चउरिंदिया पज्जत्ता । णवरं जे पज्जत्ता-बायर-वाउकाइय-एगिंदिय-प्पओगपरिणया ते ओरालिया- वेउव्विय-तेयाकम्मगसरीर-प्पओगपरिणया; सेसं तं चेव ।

२७ जे अपज्जत्त-रयणप्पभापुढवि-णेरइय-पंचिंदिय-पओगपरिणया ते वेउव्विय- तेयाकम्मगसरीर-प्पओगपरिणया। एवं पज्जत्तगा वि । एवं जाव अहेसत्तमा ।

२८ जे अपज्जत्तग-संमुच्छिमजलयर-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पओगपरिणया ते ओरालिय-तेयाकम्मगसरीर- परिणया । एवं पज्जत्तगा वि । गब्भवक्कंतिय- अपज्जत्तगा एवं चेव । पज्जत्तगा णं एवं चेव, णवरं सरीरगाणि चत्तारि जहा बायरवाउक्कायाणं पज्जत्तगाणं । एवं जहा जलयरेसु चत्तारि आलावगा भाणिया एवं चउप्पय-उरपरिसप्प-भुयपरिसप्प- खहयरेसु वि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ।

२९ जे संमुच्छिम-मणुस्स-पंचिंदिय-पओगपरिणया ते ओरालिय-तेयाकम्मसरीर-प्पओगपरिणया । एवं गब्भवक्कंतिया वि; अपज्जत्तग-पज्जत्तगा वि एवं चेव, णवरं सरीरगाणि पंच भाणियव्वाणि ।

३० जे अपज्जत्ता असुरकुमारभवणवासी ते जहा णेरइया । एवं पज्जत्तगा वि । एवं दुयणं भेणं जाव थणियकुमारा । एवं पिसाया जाव गंधव्वा । चंदा जाव ताराविमाणा। सोहम्मकप्पो जाव अच्चुओ; हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जगा जाव उवरिम-उवरिमगेवेज्जगा। विजयअणुत्तरोववाइए जाव सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइए। एक्केक्के णं दुयओ भेओ भाणियव्वो जाव जे य पज्जत्त-

सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय जाव परिणया ते वेउच्चिय-तेयाकम्मगसरीर-पओगपरिणया ।

३१ जे अपज्जत्ता-सुहुमपुढविककाइय-एगिंदिय-पओगपरिणया ते फासिंदिय-पओगपरिणया। पज्जत्ता-सुहुमपुढविककाइया वि एवं चेव । एवं अपज्जत्ता, पज्जत्ता बायरपुढविककाइया य । एवं चउक्कएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइया ।

३२ जे अपज्जत्ता-बेइंदिय-पओगपरिणया ते जिब्भिंदिय-फासिंदिय-पओगपरिणया, पज्जत्ता बेइंदिया वि एवं चेव। एवं जाव चउरिंदिया; णवरं एक्केक्कं इंदियं वड्ढेयव्वं ।

जे अपज्जत्त-रयणप्पभापुढवि-णेरइय-पंचिंदिय-पओगपरिणया ते सोइंदिय-चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय- फासिंदिय-पओगपरिणया । एवं पज्जत्तगा वि, एवं सव्वे भाणियव्वा ।

३३ तिरीक्खजोणिय-मणुस्स-देवा जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते सोइंदिय- चक्खिंदिय जाव फासिंदिय-पओगपरिणया ।

३४ जे अप्पज्जत्ता-सुहुमपुढविककाइय-एगिंदिय-ओरालिय-तेया-कम्मग-सरीरपओग- परिणया ते फासिंदिय- प्पओगपरिणया। पज्जत्ता-सुहुम-पुढविककाइय-एगिंदया एवं चेव। बायर-अपज्जत्ता वि एवं चेव । एवं बायर पज्जत्तगा वि ।

एवं एएणं अभिलावेणं जस्स जइ इंदियाणि सरीराणि य तस्स ताणि भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय जाव देवपंचिंदिय-वेउच्चिय-तेयाकम्मगसरीर-प्पओगपरिणया ते सोइंदिय-चक्खिंदिय जाव फासिंदिय- पओगपरिणया।

३५ जे अपज्जत्ता-सुहुम-पुढविककाइय-एगिंदिय-पओग-परिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णील-लोहिय-हालिद्ध-सुक्किल वण्ण परिणया वि, गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि; दुब्भिगंधपरिणया वि; रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि कसायरसपरिणया वि, अंबिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया वि; फासओ कक्खडफासपरिणया वि जाव लुक्खफासपरिणया वि; संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणया वि, वट्ठ-तंस-चउरंस- आयय-संठाणपरिणया वि । पज्जत्ता सुहुमपुढवि काइया वि एवं चेव ।

एवं जहाणुपुव्वीए णेयव्वं जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वण्णओ काल- वण्णपरिणया वि जाव आयय-संठाणपरिणया वि ।

३६ जे अपज्जत्ता-सुहुम-पुढविककाइय-एगिंदिय-ओरालिय-तेया-कम्मा-सरीरप्पओग-परिणया ते वण्णओ काल- वण्णपरिणया वि जाव आयय-संठाणपरिणया वि । पज्जत्ता-सुहुम-पुढविककाइया वि एवं चेव ।

एवं जहाणुपुव्वीए णेयव्वं, जस्स जइ सरीराणि जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणियदेव-पंचिंदिय-वेउच्चिय-तेया-कम्मासरीर-पओग परिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव आययसंठाणपरिणया वि ।

३७ जे अपज्जत्ता-सुहुम-पुढविकाइय-एगिंदिय-फासिंदिय-पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव आययसंठाणपरिणया वि । पज्जत्तासुहुमपुढविकाइया वि एवं चेव । एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ इंदियाणि तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइयकप्पाईय देवपंचिंदिय-सोइंदिय जाव फासिंदिय-पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव आयसंठाणपरिणया वि ।

३८ जे अपज्जत्ता-सुहुम-पुढविकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-तेया-कम्मा-फासिंदिय-पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव आययसंठाणपरिणया वि । पज्जत्तासुहुमपुढविकाइया वि एवं चेव ।

एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ सरीराणि इंदियाणि य तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणियदेव पंचिंदिय-वेउव्विय-तेया-कम्मा-सोइंदिय जाव फासिंदिय-पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव आययसंठाणपरिणया वि । एवं एए णव दंडगा ।

३९ मीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- एगिंदिय-मीसापरिणया जाव पंचिंदिय-मीसापरिणया ।

एगिंदिय-मीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहा पओगपरिणएहिं णव दंडगा भणिया, एवं मीसापरिणएहिं वि णव दंडगा भाणियव्वा, तहेव सव्वं णिरवसेसं, णवरं अभिलावो 'मीसापरिणया' भाणियव्वं । जाव जे पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव आययसंठाणपरिणया वि ।

४० वीससापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- वण्णपरिणया, गंधपरिणया, रसपरिणया, फासपरिणया, संठाणपरिणया । जे वण्णपरिणया ते पंचविहा, तं जहा- कालवण्ण-परिणया जाव सुक्किल्लवण्णपरिणया ।

जे गंधपरिणया ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा- सुब्धिगंधपरिणया वि, दुब्धिगंधपरिणया वि । जे रस परिणया ते पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- तित्तरसपरिणया जाव महररस परिणया । जे फास परिणया ते अट्ठविहा पण्णत्ता, तं जहा- कक्खडफास परिणया जाव लुहफास परिणया । जे संठाणपरिणया ते पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- परिमंडलसंठाणपरिणया जाव आयत संठाण परिणया । जे वण्णओ काल वण्ण परिणया ते गंधओ सुब्धिगंधपरिणया वि, दुब्धिगंधपरिणया वि एवं जहा पण्णवणाए तहेव णिरवसेसं जाव जे संठाणओ आययसंठाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि जाव लुक्खफासपरिणया वि ।

४१ एगे भंते ! दव्वे किं पओगपरिणए, मीसापरिणए, वीससापरिणए ? गोयमा ! पओगपरिणए वा, मीसापरिणए वा, वीससापरिणए ।

४२ एगे दव्वेणं भंते! जइ पओगपरिणए किं मणप्पओगपरिणए, वयप्पओगपरिणएकायप्पओगपरिणए?

गोयमा ! मणप्पओगपरिणए वा, वयप्पओगपरिणए वा, कायप्पओगपरिणए वा ।

४३ जइ भंते! मण-प्पओगपरिणए किं सच्च-मण-प्पओगपरिणए मोस-मण-प्पओग-परिणए, सच्चामोस-मण-प्पओगपरिणए असच्चामोस-मण-प्पओगपरिणए ?

गोयमा ! सच्चमण-प्पओगपरिणए वा, मोसमण-प्पओगपरिणए वा, सच्चामोसमण-प्पओगपरिणए वा, असच्चामोसमण-प्पओगपरिणए वा ।

४४ जइ भंते! सच्चमण-प्पओगपरिणए किं आरंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए, अणारंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए, सारंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए, असारंभ-सच्चमण-प्पओग-परिणए समारंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए, समारंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए ?

गोयमा! आरंभ-सच्चमण-प्पओगपरिणए वा जाव असमारंभ-सच्चमण-प्पओग-परिणए वा ।

४५ जइ भंते ! मोसमण-प्पओगपरिणए किं आरंभ-मोसमण-प्पओगपरिणए वा, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा सच्चेणं तहा मोसेण वि, एवं सच्चामोस-मणप्पओगेण वि, एवं असच्चामोस-मणप्पओगेण वि आलावगो भाणियव्वो ।

४६ जइ भंते ! वइ-प्पओगपरिणए किं सच्चवइ-प्पओगपरिणए, मोसवइ-प्पओग-परिणए, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा मण-प्पओगपरिणए तहा वइ-प्पओगपरिणए वि जाव असमारंभ-वइ-प्पओगपरिणए वा ।

४७ जइ भंते ! काय-प्पओगपरिणए किं ओरालिय-सरीरकाय-प्पओगपरिणए; ओरालिय-मीसासरीर-काय-प्पओगपरिणए वेउव्विय-सरीर-काय-प्पओगपरिणए वेउव्विय-मीसासरीर-काय-प्पओगपरिणए; आहारग-सरीर-काय-प्पओगपरिणए, आहारग-मीसासरीर-काय-प्पओगपरिणए, कम्मासरीर-काय-प्पओगपरिणए ?

गोयमा! ओरालियसरीर-काय-प्पओगपरिणए वा जाव कम्मगसरीर-काय-प्पओगपरिणए?

४८ जइ भंते ! ओरालिय-सरीरकाय-पओगपरिणए किं एगिंदिय ओरालियसरीर-कायपओगपरिणए जाव पंचिंदिय-ओरालियसरीर-काय-पओगपरिणए ?

गोयमा! एगिंदिय-ओरालियसरीर-कायप्पओगपरिणए वा जाव पंचिंदिय-ओरालियसरीरकाय-पओगपरिणए वा।

४९ जइ भंते ! एगिंदिय-ओरालियसरीर-कायप्पओगपरिणए किं पुढविक्काइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकाय-पओगपरिणए जाव वणस्सइकाइय-एगिंदिय-ओरालियसरीर-कायप्पओगपरिणए ?

गोयमा ! पुढविक्काइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकाय-पओगपरिणए वा जाव वणस्सइकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकाय-पओगपरिणए वा ।

५० जइ भंते ! पुढविक्काइय-एगिंदिय-ओरालियसरीर-कायप्पओग-परिणए, किं सुहुम-पुढविक्काइय जाव परिणए, बायर-पुढविक्काइय जाव परिणए ?

गोयमा ! सुहुम-पुढविकाइय-एगिंदिय जाव परिणए वा, बायर-पुढविकाइय-एगिंदिय जाव परिणए वा ।

५१ जइ भंते ! सुहुम-पुढविकाइय जाव परिणए किं पज्जत्त-सुहुम- पुढविकाइय जाव परिणए ? अपज्जत्त- सुहुम-पुढविकाइय जाव परिणए ?

गोयमा! पज्जत्त-सुहुम-पुढविकाइय जाव परिणए वा, अपज्जत्त-सुहुम-पुढविकाइय जाव परिणए वा । एवं बायरा वि । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं चउक्कओ भेओ । बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं दुयओ भेओ- पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य ।

५२ जइ भंते ! पंचिंदिय-ओरालियसरीर-कायप्पओग-परिणए किं तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-ओरालियसरीर- कायप्पओग-परिणए, मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए ?

गोयमा ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा, मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए वा ।

५३ जइ भंते ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए किं जलयरतिरिक्खजोणिय जाव परिणए, थलयर-खहयर जाव परिणए? एवं चउक्कओ भेओ जाव खहयराणं ।

५४ जइ भंते ! मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए किं संमुच्छिम-मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए, गब्भवक्कंतिय-मणुस्स जाव परिणए ?

गोयमा ! दोसु वि ।

५५ जइ गब्भवक्कंतिय-मणुस्स जाव परिणए किं पज्जत्त-गब्भवक्कंतिय जाव परिणए, अपज्जत्त- गब्भवक्कंतिय जाव परिणए ?

गोयमा! पज्जत्तग गब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा, अपज्जत्तग गब्भवक्कंतिय जाव परिणएवा।

५६ जइ भंते ! ओरालिय-मीसा-सरीर-कायप्पओग-परिणए किं एगिंदिय ओरालिय-मीसा-सरीर-कायप्पओग- परिणए जाव पंचिंदिय- ओरालिय- मीसासरीर- कायप्पओग- परिणए ?

गोयमा ! एगिंदिय-ओरालियमीसासरीर-कायप्पओग-परिणए वा, एवं जहा ओरालियसरीर-कायप्पओग- परिणएणं आलावगो भणिओ, तहा ओरालियमीसासरीर-कायप्पओग-परिणएणं वि आलावगो भाणियव्वो; णवरं बायरवाउक्काइयाणं, गब्भवक्कंतिय-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियाणं, गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं, एएसि णं पज्जत्तापज्जत्तगाणं आलावगो; सेसाणं अपज्जत्तगाणं ।

५७ जइ भंते ! वेउव्वियसरीर-कायप्पओग-परिणए किं एगिंदिय-वेउव्वियसरीर-कायप्पओग- परिणए जाव पंचिंदिय-वेउव्वियसरीर-कायप्पओग-परिणए ?

गोयमा ! एगिंदिय जाव परिणए वा, पंचिंदिय जाव परिणए वा ।

५८ जइ भंते ! एगिंदिय जाव परिणए, किं वाउक्काइय-एगिंदिय जाव परिणए, अवाउ- क्काइय एगिंदिय जाव परिणए ?

गोयमा ! वाउक्काइय-एगिंदिय जाव परिणए, णो अवाउक्काइय-एगिंदिय जाव परिणए । एवं एएणं अभिलावेणं जहा 'ओगाहणसंठाणे' वेउव्विय- सरीरं भणियं तहा इह वि भाणियव्वं जाव पज्जत्तग- सव्वट्ठसिद्ध- अणुत्तरोववाइय- कप्पाईय- वेमाणिय- देव-पंचिंदिय- वेउव्वियसरीर- कायप्पओग- परिणए वा, अपज्जत्तग- सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्त- रोववाइय जाव परिणए वा ।

५९ जइ भंते! वेउव्विय-मीसासरीर-कायप्पओग-परिणए किं एगिंदिय-मीसासरीर- कायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदिय-मीसासरीर-कायप्पओगपरिणए ?

गोयमा ! जहा वेउव्वियं तहा वेउव्वियमीसगं वि, णवरं देव-णेरइयाणं अपज्जत्तगाणं, सेसाणं पज्जत्तगाणं । जाव णो पज्जत्तग-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणए, अपज्जत्तग-सव्वट्ठसिद्ध- अणुत्तरोववाइयदेव- पंचिंदिय-वेउव्वियमीसासरीर-कायप्पओगपरिणए ।

६० जइ भंते ! आहारगसरीर-कायप्पओगपरिणए किं मणुस्साहारग-सरीर- कायप्प- ओगपरिणए, अमणुस्साहारग जाव परिणए ?

गोयमा ! जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्त-पमत्त-संजय-सम्मदिट्ठि-पज्जत्तग-संखेज्ज-वासाउय जाव परिणए, णो अणिड्ढिपत्त-पमत्त-संजय-सम्मदिट्ठि-पज्जत्त-संखेज्ज-वासाउय जाव परिणए, णो अणिड्ढिपत्त- पमत्तसंजय-सम्मदिट्ठि-पज्जत्त- संखेज्ज-वासाउय जाव परिणए ।

६१ जइ भंते ! आहारग-मीसासरीर-कायप्पओग-परिणए किं मणुस्साहारग- मीसासरीर- कायप्पओग परिणए, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा आहारगं तहेव मीसगं पि णिरवसेसं भाणियव्वं ।

६२ जइ भंते ! कम्मासरीर-कायप्पओग-परिणए किं एगिंदिय-कम्मासरीर-कायप्पओग-परिणए जाव पंचिंदिय- कम्मासरीर-कायप्पओग-परिणए ?

गोयमा ! एगिंदिय-कम्मासरीर-कायप्पओग-परिणए, एवं जहा ओगाहणसंठाणे कम्मगस्स भेओ तहेव इहावि जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय वेमाणिय-देवपंचिंदिय-कम्मासरीर-कायप्पओग-परिणए, अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणए वा ।

६३ जइ भंते ! मीसापरिणए किं मणमीसापरिणए वयमीसापरिणए कायमीसा-परिणए ?

गोयमा ! मणमीसापरिणए वा, वयमीसापरिणए वा, कायमीसापरिणए वा ।

६४ जइ भंते ! मणमीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए मोसमणमीसा परिणए, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा पओगपरिणए तहा मीसापरिणए वि भाणियव्वं णिरवसेसं जाव पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध- अणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदिय-कम्मासरीर-मीसापरिणए वा, अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव कम्मासरीर- मीसापरिणए वा ।

६५ जइ भंते! वीससापरिणए किं वण्णपरिणए, गंधपरिणए, रसपरिणए, फासपरिणए, संठाणपरिणए?

गोयमा ! वण्णपरिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा।

६६ जइ भंते ! वण्णपरिणए किं कालवण्णपरिणए जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए? गोयमा! कालवण्णपरिणए वा जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए वा ।

६७ जइ भंते ! गंधपरिणए किं सुब्धिगंधपरिणए, दुब्धिगंधपरिणए ? गोयमा ! सुब्धिगंधपरिणए वा, दुब्धिगंधपरिणए वा ।

६८ जइ भंते ! रसपरिणए किं तित्तरसपरिणए, पुच्छा ? गोयमा ! तित्तरसपरिणए वा जाव महुररसपरिणए वा ।

६९ जइ भंते! फासपरिणए किं कक्खडफासपरिणए जाव लुक्खफासपरिणए? गोयमा! कक्खडफासपरिणए वा जाव लुक्खफासपरिणए वा ।

७० जइ भंते! संठाणपरिणए, पुच्छा? गोयमा! परिमंडलसंठाणपरिणए वा जाव आययसंठाणपरिणए वा ।

७१ दो भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसापरिणया वीससापरिणया ?
गोयमा ! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा; अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए; अहवा एगे पओगपरिणए, एगे वीससा-परिणए; अहवा एगे मीसापरिणए, एगे वीससापरिणए ।

७२ जइ भंते ! पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया, वइपओगपरिणया, कायप्पओगपरिणया?
गोयमा ! मणप्पओगपरिणया वा वइप्पओगपरिणया वा कायप्पओगपरिणया वा; अहवा एगे मणप्पओगपरिणए, एगे वयप्पओगपरिणए; अहवा एगे मणप्पओग-परिणए, एगे कायप्पओगपरिणए; अहवा एगे वयप्पओगपरिणए, एगे कायप्पओग- परिणए ।

७३ जइ भंते ! मणप्पओगपरिणया किं सच्चमणप्पओगपरिणया, असच्चमण-प्पओग-परिणया सच्चमोस- मणप्पओग-परिणया, असच्चामोस- मणप्पओग- परिणया?

गोयमा ! सच्चमण-प्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोस-मणप्पओग-परिणया; अहवा एगे सच्चमण-प्पओगपरिणए, एगे मोसमण-प्पओगपरिणए; अहवा एगे सच्चमण- प्पओगपरिणए, एगे सच्चमोसमण- प्पओगपरिणए; अहवा एगे सच्चमण-प्पओगपरिणए, एगे असच्चामोसमण- प्पओगपरिणए; अहवा एगे मोसमण-प्पओगपरिणए एगे सच्चमोसमण-प्पओगपरिणए; अहवा एगे मोसमण-प्पओग-परिणए, एगे असच्चामोस-मणप्पओग-परिणए; अहवा एगे सच्चामोस-मणप्पओग-परिणए, एगे असच्चामोस- मण-प्पओगपरिणए ।

७४ जइ भंते ! सच्चमण-प्पओगपरिणया किं आरंभ-सच्चमण-पओगपरिणया, अणारंभ- सच्चमण-पओगपरिणया, संरंभ-सच्चमण-पओगपरिणया, असंरंभ-सच्चमण-पओगपरिणया, समारंभ-सच्चमण-पओगपरिणया, असमारंभ- सच्चमण- पओगपरिणया ?

गोयमा ! आरंभ-सच्चमण-पओगपरिणया वा *जाव* असमारंभ-सच्चमण-पओगपरिणया वा; अहवा एगे आरंभ-सच्चमण-पओगपरिणए, एगे अणारंभ-सच्चमण-पओगपरिणए । एवं एएणं गमेणं दुयासंजोगेणं णेयव्वं, सव्वे संजोगा जत्थ जत्तिया उट्ठंति ते भाणियव्वा *जाव* सव्वट्ठसिद्धग त्ति ।

७५ जइ भंते ! मीसापरिणया किं मणमीसापरिणया, पुच्छा ? गोयमा ! एवं मीसापरिणया वि जहा पओगपरिणया ।

७६ जइ भंते ! वीससापरिणया किं वण्णपरिणया, गंधपरिणया, रसपरिणया, फासपरिणया, संठाणपरिणया ?

गोयमा ! एवं वीससापरिणया वि *जाव* अहवा एगे चउरंससंठाणपरिणए, एगे आययसंठाणपरिणए वा ।

७७ तिण्णि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ?

गोयमा ! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा, वीससापरिणया वा; अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसापरिणया, अहवा एगे पओगपरिणए दो वीससापरिणया, अहवा दो पओगपरिणया एगे मीसापरिणए, अहवा दो पओगपरिणया एगे वीससापरिणए, अहवा एगे मीसापरिणए दो वीससापरिणया, अहवा दो मीसापरिणया एगे वीससापरिणए; अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए एगे वीससा परिणए ।

७८ जइ भंते ! पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया, वयप्पओगपरिणया, कायप्पओगपरिणया? गोयमा ! मणप्पओगपरिणया वा, एवं एक्कगसंजोगो, दुयासंजोगो, तियासंजोगो भाणियव्वो ।

७९ जइ भंते ! मणप्पओगपरिणया किं सच्चमण-पओगपरिणया, असच्चमण- पओगपरिणया सच्चामोसमण- प्पओगपरिणया, असच्चामोसमणप्पओगपरिणया ?

गोयमा ! सच्चमण-पओगपरिणया वा *जाव* असच्चामोसमण-पओगपरिणया वा; अहवा एगे सच्चमण- प्पओगपरिणए, दो मोसमण-पओगपरिणया वा । एवं दुयासंजोगो, तियासंजोगो भाणियव्वो; एत्थ वि तहेव *जाव* अहवा एगे तंससंठाण- परिणए, एगे चउरंससंठाणपरिणए एगे आययसंठाणपरिणए वा ।

८० चत्तारि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसापरिणया वीससापरिणया ?

गोयमा ! पओगपरिणया वा, मीसापरिणया वा, वीससापरिणया वा । अहवा एगे पओगपरिणए तिण्णि मीसापरिणया; अहवा एगे पओगपरिणए तिण्णि वीससापरिणया; अहवा दो पओगपरिणया दो मीसापरिणया, अहवा दो पओगपरिणया दो वीससापरिणया; अहवा तिण्णि पओगपरिणया; एगे मीसा परिणए, अहवा तिण्णि पओगपरिणया, एगे वीससापरिणए; अहवा एगे मीसापरिणए, तिण्णि वीससापरिणया; अहवा दो मीसापरिणया दो वीससापरिणया; अहवा तिण्णि मीसापरिणया एगे वीससापरिणए;

अहवा एगे पओगपरिणए, एगे मीसापरिणए, दो वीससापरिणया; अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसापरिणया एगे वीससापरिणए; अहवा दो पओगपरिणया एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए ।

८१ जइ भंते ! पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया वयप्पओगपरिणया कायप्पओगपरिणया?

गोयमा! एवं एणं कमेणं पंच छ सत्त जाव दस संखेज्जा असंखेज्जा अणंता य दव्वा भाणियव्वा दुयासंजोएणं, तियासंजोएणं जाव दससंजोएणं, [एगारससंजोएणं] बारससंजोएणं उवजुंजिऊणं जत्थ जत्तिया संजोगा उद्धंति ते सव्वे भाणियव्वा; एए पुण जहा णवमसए पवेसणए भणिहामो तहा उवजुंजिऊण भाणियव्वा जाव असंखेज्जा । अणंता एवं चेव, णवरं एक्कं पदं अब्भहियं जाव अहवा अणंता परिमंडलसंठाण परिणया जाव अणंता आययसंठाणपरिणया ।

८२ एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं पओगपरिणयाणं, मीसापरिणयाणं, वीससा- परिणयाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला पओगपरिणया, मीसापरिणया अणंतगुणा, वीससापरिणया अणंतगुणा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ कइविहा णं भंते ! आसीविसा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा आसीविसा पण्णत्ता, तं जहा- जाईआसीविसा य कम्मआसीविसा य ।

२ जाईआसीविसा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउत्विहा पण्णत्ता, तं जहा- विच्छुयजाईआसीविसे, मंडुक्कजाई- आसीविसे, उरगजाईआसीविसे, मणुस्सजाईआसीविसे ।

३ विच्छुयजाईआसीविसस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! पभू णं विच्छुयजाईआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोदिं विसेणं विसपरिगयं विसट्टमाणं पकरेत्तए । विसए से विसट्टयाए, णो चेव णं संपत्तीए करेसु वा, करेति, वा, करिस्संति वा ।

४ मंडुक्कजाईआसीविस, पुच्छा ? गोयमा ! पभू णं मंडुक्कजाईआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोदिं विसेणं विसपरिगयं, सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा । एवं उरगजाईआसीविसस्स वि, णवरं जंबुद्धीवप्पमाणमेत्तं बोदिं विसेणं विसपरिगयं, सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा ।

मणुस्सजाइआसीविसस्स वि एवं चेव, णवरं समयखेत्तप्पमाणमेत्तं बोदिं विसेणं विसपरिगयं, सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा ।

५ जइ भंते ! कम्मआसीविसे किं णेरइयकम्मआसीविसे, तिरिक्खजोणियकम्म-आसीविसे, मणुस्सकम्मआसीविसे देवकम्मासीविसे ?

गोयमा ! णो णेरइयकम्मासीविसे, तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे वि, मणुस्स- कम्मासीविसे वि, देवकम्मासीविसे वि ।

६ जइ भंते ! तिरिक्खजोणिय-कम्मासीविसे किं एगिंदिय-तिरिक्खजोणिय- कम्मासीविसे जाव पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-कम्मासीविसे ?

गोयमा ! णो एगिंदिय-तिरिक्खजोणिय-कम्मासीविसे जाव णो चउरिंदिय- तिरिक्खजोणिय- कम्मासीविसे, पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-कम्मासीविसे ।

७ जइ भंते! पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-कम्मासीविसे किं संमुच्छिम-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय- कम्मासीविसे, गब्भवक्कंतिय-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-कम्मा सीविसे?

एवं जहा वेउव्वियसरीरस्स भेओ जाव पज्जत्ता-संखेज्जवासाउय- गब्भवक्कंतिय- पंचिंदिय- तिरिक्खजोणिय- कम्मासीविसे, णो अपज्जत्ता-संखेज्जवासाउय जाव कम्मासीवीसे ।

८ जइ भंते! मणुस्स-कम्मासीविसे किं संमुच्छिममणुस्स-कम्मासीविसे गब्भवक्कंतिय- मणुस्स- कम्मासीविसे ?

गोयमा! णो संमुच्छिम-मणुस्स-कम्मासीविसे, गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-कम्मासीविसे, एवं जहा वेउव्वियसरीरं जाव पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-कम्मभूमग-गब्भवक्कंतिय- मणुस्सकम्मासीविसे, णो अपज्जत्ता जाव कम्मासीविसे ।

९ जइ भंते! देवकम्मासीविसे किं भवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव वेमाणियदेव- कम्मासीविसे?

गोयमा! भवणवासिदेवकम्मासीविसे वि एवं वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे वि।

१० जइ भवणवासिदेव-कम्मासीविसे, किं असुरकुमार-भवणवासिदेव-कम्मासीविसे जाव थणियकुमार- भवणवासिदेव-कम्मासीविसे ?

गोयमा ! असुरकुमार भवणवासिदेव-कम्मासीविसे वि जाव थणियकुमार- भवणवासिदेव- कम्मासीविसे वि ।

११ जइ भंते ! असुरकुमार भवणवासिदेव-कम्मासीविसे किं पज्जत्तअसुरकुमार- भवणवासिदेवकम्मासीविसे, अपज्जत्तअसुरकुमार-भवणवासिदेव-कम्मासीविसे ?

गोयमा ! णो पज्जत्त-असुरकुमार-भवणवासिदेव-कम्मासीविसे, अपज्जत्त-असुरकुमार- भवणवासिदेव-कम्मासीविसे । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

१२ जइ भंते ! वाणमंतरदेवकम्मासीविसे किं पिसायवाणमंतरदेवकम्मासीविसे, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव सव्वेसिं पि अपज्जत्तगाणं । एवामेव जोइसियाणं वि सव्वेसिं अपज्जत्तगाणं ।

- १३ जइ भंते ! वेमाणियदेव-कम्मासीविसे किं कप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे, कप्पाईय-वेमाणियदेव- कम्मासीविसे ?
गोयमा! कप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे, णो कप्पाईय-वेमाणियदेव- कम्मासीविसे।
- १४ जइ भंते ! कप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे किं सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे जाव अच्चुयकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे ?
गोयमा! सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे वि जाव सहस्सार-कप्पोवग- वेमाणियदेव-कम्मासीविसे वि, णो आणयकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे जाव णो अच्चुय-कप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे ।
- १५ जइ भंते ! सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे किं पज्जत्त-सोहम्म-कप्पोवग-वेमाणिय- देवकम्मासीविसे, अपज्जत्त-सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव- कम्म- आसीविसे ?
गोयमा! णो पज्जत्त-सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे, अपज्जत्त- सोहम्मकप्पोवग-वेमाणियदेव- कम्मासीविसे ।
एवं जाव णो पज्जत्त-सहस्सार-कप्पोवग-वेमाणियदेव-कम्मासीविसे, अपज्जत्त- सहस्सार-कप्पोवग- वेमाणियदेव-कम्मासीविसे ।
- १६ दस ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ, तं जहा- धम्मत्थिकायं, अधम्मत्थिकायं, आगासत्थिकायं, जीवं असरीरपडिबद्धं, परमाणुपोग्गलं, सद्धं, गंधं, वायं, अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ, अयं सव्वदुक्खाणं अंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ ।
एयाणि चेव उप्पण्णणाण-दंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ, तं जहा-धम्मत्थिकायं जाव करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ ।
- १७ कइविहे णं भंते ! णाणे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे णाणे पण्णत्ते, तं जहा- आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे, ओहिणाणे, मणपज्जवणाणे, केवलणाणे ।
- १८ से किं तं भंते ! आभिणिबोहियणाणे ?
गोयमा ! आभिणिबोहियणाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- ओग्गहो, ईहा, अवाओ धारणा। एवं जहा 'रायप्पसेणइज्जे' णाणाणं भेओ तहेव इह भाणियव्वो जाव से तं केवलणाणे ।
- १९ अण्णाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- मइअण्णाणे, सुयअण्णाणे, विभंगणाणे।
- २० से किं तं भंते ! मइअण्णाणे ? गोयमा ! मइअण्णाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- ओग्गहो जाव धारणा ।
- २१ से किं तं भंते ! ओग्गहे ?

गोयमा! ओग्गहे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । एवं जहेव आभिणिबोहियणाणं तहेव, णवरं एगद्धियवज्जं जाव णोइंदियधारणा । से त्तं धारणा, से त्तं मइअण्णाणे ।

२२ से किं तं भंते ! सुयअण्णाणे ?

गोयमा ! जं इमं अण्णाणिहिं मिच्छादिद्विहिं सच्छंदबुद्धि-मइ-विगप्पियं जहा णंदीए जाव से त्तं सुयअण्णाणे ।

२३ से किं तं भंते ! विभंगणाणे ?

गोयमा ! विभंगणाणे अणेगविहे पण्णत्ते, तं जहा- गामसंठिए, णयरसंठिए जाव सण्णिवेससंठिए, दीवसंठिए समुद्धसंठिए, वाससंठिए, वासहरसंठिए, पव्वय संठिए, रुक्खसंठिए, थूभसंठिए, हयसंठिए, गयसंठिए णरसंठिए, किण्णरसंठिए, किंपुरिससंठिए महोरगसंठिए, गंधव्वसंठिए, उसभसंठिए, पसुसंठिए-पसयसंठिए-विहगसंठिए- वाणरसंठिए-णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते ।

२४ जीवाणं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! जीवा णाणी वि अण्णाणी वि । जे णाणी ते अत्थेगइया दुण्णाणी, अत्थेगइया तिण्णाणी, अत्थेगइया चउणाणी, अत्थेगइया एगणाणी । जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य । जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी; अहवा आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, मणपज्जवणाणी । जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी, मणपज्जवणाणी, जे एगणाणी ते णियमा केवलणाणी।

जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी, अत्थेगइया तिअण्णाणी । जे दुअण्णाणी ते मइअण्णाणी य सुय अण्णाणी य । जे तिअण्णाणी ते मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी विभंगणाणी।

२५ णेरइया णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! णाणी वि, अण्णाणी वि । जे णाणी ते णियमा तिण्णाणी, तं जहा- आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी । जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी, अत्थेगइया तिअण्णाणी; एवं तिण्णी अण्णाणा भयणाए ।

२६ असुरकुमारा णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! जहेव णेरइया तहेव, तिण्णि णाणाणि णियमा, तिण्णि अण्णाणाणि भयणाए । एवं जाव थणियकुमारा।

२७ पुढविककाइया णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी । जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी- मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य । एवं जाव वणस्सइकाइया ।

२८ बेइंदियाणं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि । जे णाणी ते णियमा दुण्णाणी, तं जहा-
आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य। जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी, तं जहा-
मइअण्णाणी य सुय अण्णाणी य । एवं तेइंदिय चउरिंदिया वि।

३९ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि । जे णाणी ते अत्थेगइया दुण्णाणी, अत्थेगइया तिण्णाणी ।
जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी, अत्थेगइया तिअण्णाणि। एवं तिण्णि णाणाणि,
तिण्णि अण्णाणाणि य भयणाए ।

मणुस्सा जहा जीवा, तहेव पंच णाणाणि, तिण्णि अण्णाणाणि य भयणाए ।

३० वाणमंतरा जहा णेरइया । जोइसिय-वेमाणियाणं तिण्णि णाणाणि तिण्णि अण्णाणाणि
णियमा।

३१ सिद्धाणं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी, णियमा एगणाणी;
केवलणाणी ।

३२ णिरयगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि; तिण्णि
णाणाइं णियमा, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

३३ तिरियगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! दो णाणा, दो अण्णाणा
णियमा।

३४ मणुस्सगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! तिण्णि णाणाइं भयणाए, दो अण्णाणाइं णियमा । देवगइया जहा णिरयगइया ।
सिद्धगइया जहा सिद्धा।

३५ सइंदिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! चत्तारि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं
भयणाए ।

३६ एगिंदिया णं भंते । जीवा किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा! जहा पुढविक्काइया । बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं दो णाणा, दो अण्णाणा णियमा।
पंचिंदिया जहा सइंदिया ।

३७ अणिंदिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सिद्धा ।

३८ सकाइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! पंच णाणाणि तिण्णि अण्णाणाणि
भयणाए ।

३९ पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया णो णाणी, अण्णाणी, णियमा दुअण्णाणी, तं जहा-
मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य । तसकाइया जहा सकाइया ।

४० अकाइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सिद्धा ।

- ४१ सुहुमा णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा पुढविकाइया।
- ४२ बायरा णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सकाइया ।
- ४३ णोसुहुमा णोबायरा णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सिद्धा ।
- ४४ पज्जत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सकाइया ।
- ४५ पज्जत्ता णं भंते ! णेरइया किं णाणी अण्णाणी ?
गोयमा ! तिण्णि णाणा, तिण्णि अण्णाणा णियमा । जहा णेरइया एवं जाव थणियकुमारा।
पुढविकाइया जहा एगिंदिया । एवं जाव चउरिंदिया ।
- ४६ पज्जत्ता णं भंते ! पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया किं णाणी अण्णाणी ?
गोयमा! तिण्णि णाणा, तिण्णि अण्णाणा भयणाए। मणुस्सा जहासकाइया। वाणमंतर-
जोइसिय- वेमाणिया जहा णेरइया ।
- ४७ अपज्जत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी ? अण्णाणी ? गोयमा ! तिण्णि णाणा, तिण्णि
अण्णाणा भयणाए ।
- ४८ अपज्जत्ता णं भंते ! णेरइया किं णाणी, अण्णाणी?
तिण्णि णाणा णियमा, तिण्णि अण्णाणा भयणाए । एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया
जाव वणस्सइकाइया जहा एगिंदिया ।
बेइंदियाणं पुच्छा ? गोयमा ! दो णाणा, दो अण्णाणा णियमा । एवं जाव पंचिंदिय-
तिरिक्खजोणियाणं ।
- ४९ अपज्जत्तगा णं भंते ! मणुस्सा किं णाणी, अण्णाणी ?
गोयमा! तिण्णि णाणाइं भयणाए, दो अण्णाणाइं णियमा । वाणमंतरा जहा णेरइया।
अपज्जत्तगाणं जोइसिय-वेमाणियाणं तिण्णि णाणा, तिण्णि अण्णाणा णियमा ।
- ५० णोपज्जत्तगा णोअपज्जत्तगा भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सिद्धा ।
- ५१ णिरयभवत्था णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा णिरयगइया।
- ५२ तिरयभवत्था णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! तिण्णि णाणा, तिण्णि
अण्णाणा भयणाए ।
- ५३ मणुस्सभवत्था णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सकाइया ।
- ५४ देवभवत्था णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा णिरयभवत्था। अभवत्था
जहा सिद्धा ।
- ५५ भवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा! जहा सकाइया।

- ५६ अभवसिद्धियाणं भंते ! किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी; तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।
- ५७ णोभवसिद्धिया णोअभवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सिद्धा ।
- ५८ सण्णीणं भंते ! जीवा णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सइंदिया । असण्णी जहा बेइंदिया । णोसण्णी णोअसण्णी जहा सिद्धा ।
- ५९ कइविहा णं भंते ! लद्धी पण्णत्ता ?
गोयमा! दसविहा लद्धी पण्णत्ता, तं जहा- णाण लद्धी, दंसणलद्धी, चरित्तलद्धी, चरित्ताचरित्तलद्धी, दाणलद्धी, लाभलद्धी, भोगलद्धी, उवभोगलद्धी, वीरियलद्धी, इंदियलद्धी ।
- ६० णाणलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- आभिणिबोहिय- णाणलद्धी जाव केवलणाणलद्धी ।
- ६१ अण्णाणलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- मइअण्णाणलद्धी, सुयअण्णाणलद्धी, विभंगणाणलद्धी ।
- ६२ दंसणलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- सम्मदंसणलद्धी, मिच्छादंसणलद्धी, सम्मामिच्छादंसणलद्धी ।
- ६३ चरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- सामाइयचरित्तलद्धी छेओवट्ठावणिय-चरित्तलद्धी, परिहारविसुद्धचरित्तलद्धी, सुहुमसंपरायचरित्तलद्धी, अहक्खाय-चरित्तलद्धी ।
- ६४ चरित्ताचरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता । गोयमा ! एगागारा पण्णत्ता। एवं जाव उवभोगलद्धी एगागारा पण्णत्ता ।
- ६५ वीरियलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- बालवीरियलद्धी, पंडियवीरियलद्धी, बालपंडियवीरियलद्धी ।
- ६६ इंदियलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी ।
- ६७ णाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । अत्थेगइया दुण्णाणी एवं पंच णाणाइं भयणाए ।
तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी । अत्थेगइया दुअण्णाणी, अत्थेगइया तिअण्णाणी, तिण्णि अण्णाइं भयणाए ।
- ६८ आभिणिबोहियणाणलद्धिया णं भंते! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । अत्थेगइया दुण्णाणी-तिण्णाणी-चउणाणी, चत्तारि णाणाइं भयणाए ।

तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि। जे णाणी ते णियमा एगणाणी, केवलणाणी । जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी, अत्थेगइया तिअण्णाणी, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

एवं सुयणाणलद्धिया वि । तस्स अलद्धिया वि जहा आभिणिबोहियणाणस्स अलद्धिया ।

६९ ओहिणाणलद्धियाणं भंते ! किं णाणी, अण्णाणी ?

गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । अत्थेगइया तिण्णाणी, अत्थेगइया चउणाणी । जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी । जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी, मणपज्जवणाणी ।

तस्स अलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि । एवं ओहिणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

७० मणपज्जवणाणलद्धियाणं पुच्छा ?

गोयमा! णाणी, णो अण्णाणी । अत्थेगइया तिण्णाणी, अत्थेगइया चउणाणी। जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, मणपज्जवणाणी । जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी, मणपज्जवणाणी ।

तस्स अलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णाणी वि, अण्णाणी वि; मणपज्ज- वणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

७१ केवलणाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी । गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी। णियमा एगणाणी, केवलणाणी ।

तस्स अलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णाणी वि, अण्णाणी वि । केवलणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

७२ अण्णाणलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी । तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

तस्स अलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । पंच णाणाइं भयणाए ।

७३ जहा अण्णाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअण्णाणस्स सुय- अण्णाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियच्चा ।

७४ विभंगणाणलद्धियाणं तिण्णि अण्णाणाइं णियमा । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए, दो अण्णाणाइं णियमा।

७५ दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि, अण्णाणी वि । पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! तस्स अलद्धिया णत्थि ।

७६ एवं सम्मादंसणलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । मिच्छादंसणलद्धिया तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं,

तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए। सम्मामिच्छादंसणलद्धिया, अलद्धिया य जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तहेव भाणियच्चा ।

७७ चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! पंच णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए ।

७८ सामाइय-चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी, केवलवज्जाइं चत्तारि णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं, तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए ।
एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया, तहेव छेदोवद्वा- वणीय-चरित्त जाव अहक्खाय- चरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियच्चा, णवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए ।

७९ चरित्ताचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ?
गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । अत्थेगइया दुण्णाणी, अत्थेगइया तिण्णाणी। जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य । जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहिय- णाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

८० दाणलद्धियाणं पंच णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।
तस्स अलद्धियाणं णियमा एगणाणी- केवलणाणी । सेसा णत्थि । एवं जाव वीरियस्स लद्धी अलद्धी य भाणियच्चा ।

८१ बालवीरियलद्धियाणं तिण्णि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए ।
पंडियवीरिय-लद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं मण- पज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं तिण्णि भयणाए ।
बालपंडियवीरियलद्धियाणं तिण्णि णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए।

८२ इंदियलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! चत्तारि णाणाइं, तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए ।
तस्स अलद्धियाणं पुच्छा । गोयमा ! णाणी, णो अण्णाणी । णियमा एग णाणी- केवलणाणी ।

८३ सोइंदियलद्धिया णं जहा इंदियलद्धिया ।
तस्स अलद्धिया-णाणी वि अण्णाणी वि । जे णाणी ते अत्थेगइया दुण्णाणी, अत्थेगइया एगणाणी । जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी । जे एगणाणी ते केवलणाणी।
जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी, तं जहा- मइअण्णाणी य सुय अण्णाणी य । एवं चक्खिंदिय-घाणिंदियाणं लद्धिया अलद्धिया वि ।

८४ जिब्भिंदियलद्धियाणं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि य अण्णाणाणि भयणाए ।

तस्स अलद्धिया-णाणी वि अण्णाणी वि। जे णाणी ते णियमा एगणाणी- केवलणाणी । जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी, तं जहा- मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य ।

८५ फासिंदियलद्धिया अलद्धिया जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ।

८६ सागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी ? अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि । पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

८७ आभिणिबोहियणाण-सागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी, णोअण्णाणी, चत्तारि णाणाइं भयणाए ।

एवं सुयणाण-सागारोवउत्ता वि । ओहिणाण सागारोवउत्ता जहा ओहिणाण- लद्धिया । मणपज्जणाण- सागारोवउत्ता जहा मणपज्जवणाणलद्धिया । केवलणाण- सागारोवउत्ता जहा केवलणाणलद्धिया ।

मइअण्णाण-सागारोवउत्ताणं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। एवं सुयअण्णाण- सागारोवउत्ता वि। विभंगणाण-सागारोवउत्ताणं तिण्णि अण्णाणाइं णियमा ।

८८ अणागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि। पंच णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

एवं चक्खुदंसण-अचक्खुदंसण-अणागारोवउत्ता वि; णवरं चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ।

८९ ओहिदंसण अणागारोवउत्ताणं पुच्छ ।

गोयमा ! णाणी वि अण्णाणी वि । जे णाणी ते अत्थेगइया तिण्णाणी, अत्थेगइया चउणाणी । जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी। जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी । जे अण्णाणी ते णियमा तिअण्णाणी, तं जहा- मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी, विभंगणाणी । केवलदंसण- अणागारोवउत्ता जहा केवलणाणलद्धिया ।

९० सजोगी णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सकाइया । एवं मणजोगी, वइजोगी, कायजोगी वि । अजोगी जहा सिद्धा ।

९१ सलेस्सा णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी गोयमा ! जहा सकाइया ।

९२ कण्हलेस्सा णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ?

गोयमा ! जहा सइंदिया । एवं जाव पण्हलेस्सा । सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा । अलेस्सा जहा सिद्धा ।

९३ सकसाई णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सइंदिया । एवं जाव लोभकसाई ।

९४ अकसाई णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! पंच णाणाइं भयणाए ।

- ९५ सवेयगा णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जहा सइंदिया । एवं इत्थि-पुरिस-णपुंसग वेयगा वि। अवेयगा जहा अकसाई ।
- ९६ आहारगा णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी? गोयमा! जहा सकसाई, णवरं केवलणाणं वि।
- ९७ अणाहारगा णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी वि, अण्णाणी वि, मणपज्जवणाणवज्जाइं णाणाइं, अण्णाणाणि य तिण्णि भयणाए ।
- ९८ आभिणिबोहियणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं आभिणिबोहियणाणी आएसेणं सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, खेत्तओ णं आभिणिबोहियणाणी, आएसेणं सव्वं खेत्तं जाणइ पासइ, एवं कालओ वि, एवं भावओ वि।
- ९९ सुयणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! ते समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं सुयणाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइं जाणइ, पासइ; एवं खेत्तओ वि, कालओ वि । एवं भावओ वि सुयणाणी उवउत्ते सव्वभावे जाणइ, पासइ ।
- १०० ओहिणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं ओहिणाणी रूविदव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जहा णंदीए जाव भावओ ।
- १०१ मणपज्जवणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं उज्जुमइ अणंते अणंतपएसिए, एवं जहा णंदीए जाव भावओ।
- १०२ केवलणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं केवलणाणी सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ णं केवलणाणी सव्वे भावे जाणइपासइ ।
- १०३ मइअण्णाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं मइअण्णाणी मइअण्णाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ णं मइअण्णाणी मइअण्णाणपरिगए भावे जाणइ पासइ ।
- १०४ सुयअण्णाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ । दव्वओ णं सुयअण्णाणी सुयअण्णाणपरिगयाइं दव्वाइं आघवेइ, पण्णवेइ, परूवेइ । एवं खेत्तओ, कालओ, भावओ णं सुयअण्णाणी सुयअण्णाण-परिगए भावे आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ।

- १०५ विभंगणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वओ, खेत्तओ, कालओ, भावओ ।
दव्वओ णं विभंगणाणी विभंगणाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ एवं जाव भावओ णं
विभंगणाणी विभंगणाणपरिगए भावे जाणइ पासइ ।
- १०६ णाणी णं भंते ! णाणी त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! णाणी दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए।
तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं
साइरेगाइं।
- १०७ आभिणिबोहियणाणी णं भंते ! आभिणिबोहिय णाणी त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा! णाणी, आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी; अण्णाणी, मइ-अण्णाणी, सुयअण्णाणी,
विभंगणाणी;-एएसिं दसण्ह वि संचिट्ठणा जहा कायट्ठिइए।
- १०८ अंतरं सव्वं जहा जीवाभिगमे ।
- १०९ अप्पाबहुगाणि तिण्णि जहा बहुवत्तव्वयाए ।
- ११० केवइया णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता
आभिणिबोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता।
- १११ केवइया णं भंते ! सुयणाणपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव केवलणाणस्स।
एवं मइअण्णाणस्स सुयअण्णाणस्स य ।
- ११२ केवइया णं भंते! विभंगणाणपज्जवा पण्णत्ता? गोयमा ! अणंता विभंगणाण- पज्जवा
पण्णत्ता।
- ११३ एएसि णं भंते ! आभिणिबोहिय-णाणपज्जवाणं, सुयणाण-पज्जवाणं, ओहिणाण-पज्जवाणं,
मणपज्जवणाण- पज्जवाणं, केवलणाण-पज्जवाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव
विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवणाणपज्जवा, ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा, सुयणाणपज्जवा
अणंतगुणा, आभिणिबोहियणाणपज्जवा अणंतगुणा, केवल-णाणपज्जवा अणंतगुणा ।
- ११४ एएसि णं भंते ! मइअण्णाण-पज्जवाणं सुयअण्णाण-पज्जवाणं विभंगणाण- पज्जवाण य कयरे
कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा विभंगणाण-पज्जवा, सुयअण्णाण-पज्जवा अणंतगुणा, मइअण्णाण-
पज्जवा अणंतगुणा ।
- ११५ एएसि णं भंते ! आभिणिबोहियणाण-पज्जवाणं, जाव केवलणाण-पज्जवाणं, मइअण्णाण-
पज्जवाणं सुयअण्णाण-पज्जवाणं, विभंगणाण-पज्जवाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव
विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवणाण-पज्जवा, विभंगणाण-पज्जवा अणंतगुणा, ओहिणाण-पज्जवा अणंतगुणा, सुयअण्णाण-पज्जवा अणंतगुणा, सुयणाण-पज्जवा विसेसाहिया, मइअण्णाण- पज्जवा अणंतगुणा, आभिणिबोहियणाण-पज्जवा विसेसाहिया, केवलणाण-पज्जवा अणंतगुणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

- १ कइविहा णं भंते ! रुक्खा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा रुक्खा पण्णत्ता, तं जहा- संखेज्ज-जीविया, असंखेज्ज- जीविया, अणंत-जीविया ।
- २ से किं तं संखेज्जजीविया ?
संखेज्जजीविया अणेगविहा पण्णत्ता, तं जहा- ताले, तमाले, तक्कलि, तेतलि, एवं जहा पण्णवणाए जाव णालिएरी । जे यावण्णे तहप्पगारा । से त्तं संखेज्ज-जीविया ।
- ३ से किं तं असंखेज्जजीविया ? असंखेज्जजीविया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- एगट्ठिया य बहुबीयगा य ।
- ४ से किं तं एगट्ठिया ?
एगट्ठिया अणेगविहा पण्णत्ता, तं जहा- णिंबंब-जंबु एवं जहा पण्णवणाए जाव फला बहुबीयगा । से त्तं बहुबीयगा । से त्तं असंखेज्जजीविया ।
- ५ से किं तं अणंतजीविया ?
अणंतजीविया अणेगविहा पण्णत्ता, तं जहा- आलुए, मूलए, सिंगबेरे एवं जहा सत्तमसए जाव सिउंढी मुसुंढी जे यावण्णे तहप्पगारा । से त्तं अणंत-जीविया ।
- ६ अह भंते ! कुम्मे, कुम्मावलिया, गोहा, गोहावलिया, गोणा, गोणावलिया, मणुस्से, मणुस्सावलिया, महिसे, महिसावलिया एसि णं दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिण्णाणं जे अंतरा ते वि णं तेहिं जीवपएसेहिं फुडा ?
गोयमा ! हंता फुडा ।
- ७ पुरिसे णं भंते ! अंतरे हत्थेण वा पाएण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा किलिंचेण वा, आमुसमाणे वा संमुसमाणे वा आलिहमाणे वा विलिहमाणे वा अण्णयरेण वा तिक्खेणं सत्थजाएणं आछिंदमाणे वा विछिंदमाणे वा अगणिकाएणं वा समोडहमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा विबाहं वा उप्पाएइ, छविच्छेयं वा करेइ ?
गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ ।
- ८ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा, इसीपब्भारा ।

- ९ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमपदं णिरवसेसं भाणियव्वं। जाव वेमाणिया णं भंते ! फासचरिमेणं किं चरिमा, अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते॥

॥ तइओ उद्देशो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- काइया, अहिगरणिया पाओसिया, पारियावणिया, पाणाइवायकिरिया। एवं किरियापदं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव सव्व थोवाओ मिच्छादंसणवत्तियाओ किरियाओ, अप्पच्चक्खाणकिरियाओ विसेसाहियाओ, परिग्गहियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, आरंभियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते॥

॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- आजीविया णं भंते ! थेरे भगवंते एवं वयासी- समणोवासगस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा, से णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ, परायगं भंडं अणुगवेसइ ? गोयमा ! सयं भंडं अणुगवेसइ, णो परायगं भंडं अणुगवेसइ ।

- २ तस्स णं भंते ! तेहिं सीलव्वय-गुण-वेरमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवइ ? गोयमा ! हंता भवइ ।

- ३ से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सयं भंडं अणुगवेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- णो मे हिरण्णे, णो मे सुवण्णे, णो मे कंसे, णो मे दूसे, णो मे विपुलधण-कणग-रयण- मणि- मोत्तिय-संख- सिल-प्पवाल- रत्तरयणमाईए संतसारसावएज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ, णो परायगं भंडं अणुगवेसइ ।

- ४ समणोवासगस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा, से णं भंते ! किं जायं चरइ, अजायं चरइ ? गोयमा ! जायं चरइ, णो अजायं चरइ ।

- ५ तस्स णं भंते ! तेहिं सीलव्वय-गुण-वेरमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ? गोयमा ! हंता भवइ ।

- ६ से केणं खाइणं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जायं चरइ णो अजायं चरइ ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- णो मे माया, णो मे पिया, णो मे भाया, णो मे भगिणी, णो मे भज्जा, णो मे पुत्ता, णो मे धूया णो मे सुण्हा; पेज्ज बंधणे पुण से अवोच्छिण्णे भवइ, से तेण्हेणं गोयमा ! जाव णो अजायं चरइ ।

७

समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ, से णं भंते ! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ ?

गोयमा ! तीयं पडिक्कमइ, पडुप्पण्णं संवरेइ, अणागयं पच्चक्खाइ।

८

तीयं पडिक्कममाणे किं-तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं दुविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं एगविहेणं पडिक्कमइ; दुविहं तिविहेणं पडिक्कमइ, दुविहं दुविहेणं पडिक्कमइ, दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ; एगविहं तिविहेणं पडिक्कमइ, एगविहं दुविहेणं पडिक्कमइ, एगविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ?

गोयमा ! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं वा दुविहेणं पडिक्कमइ, एवं चेव जाव एगविहं वा एगविहेणं पडिक्कमइ ।

तिविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे-ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा।

तिविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा कायसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ वयसा कायसा ।

तिविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ वयसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ कायसा ।

दुविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ, ण कारवेइ मणसा वयसा कायसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा; अहवा ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ।

दुविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ, ण कारवेइ मणसा वयसा, अहवा ण करेइ, ण कारवेइ मणसा कायसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ वयसा कायसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा कायसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ वयसा कायसा; अहवा ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा; अहवा ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ वयसा कायसा।

दुविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ ण कारवेइ मणसा; अहवा ण करेइ ण कारवेइ वयसा; अहवा ण करेइ, ण कारवेइ कायसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ वयसा; अहवा ण करेइ, करेतं णाणुजाणइ कायसा; अहवा ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ मणसा; अहवा ण कारवेइ करेतं णाणुजाणइ वयसा; अहवा ण कारवेइ, करेतं णाणुजाणइ कायसा ।

एगविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ मणसा वयसा कायसा; अहवा ण कारवेइ मणसा वयसा कायसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ।

एगविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ मणसा वयसा; अहवा ण करेइ मणसा कायसा; अहवा ण करेइ वयसा कायसा; अहवा ण कारवेइ मणसा वयसा; अहवा ण कारवेइ मणसा कायसा; अहवा ण कारवेइ वयसा कायसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ मणसा वयसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ मणसा कायसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ वयसा कायसा ।

एगविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे- ण करेइ मणसा, अहवा ण करेइ वयसा अहवा ण करेइ कायसा; अहवा ण कारवेइ मणसा; अहवा ण कारवेइ वयसा; अहवा ण कारवेइ कायसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ मणसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ वयसा; अहवा करेतं णाणुजाणइ कायसा ।

९ पडुप्पण्णं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ पुच्छा ? गोयमा ! जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपण्णं भंगा भणिया एवं संवरमाणेण वि एगूणपण्णं भंगा भाणियच्चा ।

१० अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं ते चेव भंगा एगूणपण्णं भाणियच्चा ।

११ समणोवासगस्स णं भंते ! पुच्चामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ, से णं भंते ! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ ?

एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं, तहा मुसावायस्स वि भाणियच्चं । एवं अदिण्णादाणस्स वि, एवं थूलगस्स मेहुणस्स वि, थूलगस्स परिग्गहस्स वि जाव अहवा करेतं णाणुजाणइ कायसा । एवं खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति, णो खलु एरिसगा आजीविओवासगा भवंति ।

१२ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे- अक्खीणपडिभोइणो सच्चे सत्ता; से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्वइत्ता आहारं आहारंति ।

तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति, तं जहा- ताले, तालपलंबे, उव्विहे, संविहे, अवविहे, उदए, णामुदए, णम्ममुदए, अणुवालए संखवालए, अयंपुले कायरए ।

इच्चेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहंतदेवतागा, अम्मा पिउसुस्सूसगा, पंचफलपडिक्कंता, तं जहा- उंबरेहिं, वडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिलक्खूहिं, पलंडू- ल्हसुण-कंदमूल-विवज्जगा, अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिण्णेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं वित्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति ।

१३ एए वि ताव एवं इच्छंति किमंग ! पुण जे इमे समणोवासगा भवंति, जेसिं णो कप्पंति इमाइं पण्णरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा, कारवेत्तए वा, करंतं वा अण्णं समणुजाणेत्तए, तं जहा- इंगालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, णिल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सर-दह-तलायपरि-सोसणया, असईजणपोसणया ।

इच्चेए समणोवासगा सुक्का, सुक्काभिजाइया भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ।

१४ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तं जहा- भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया। सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देशो

१ समणोवासगस्स णं भंते! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासु-एसणिज्जेणं असण-पाण- खाइम-साइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ?

गोयमा ! एगंतसो से णिज्जरा कज्जइ, णत्थि य से पावे कम्ममे कज्जइ ।

२ समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असण-पाण-खाइम साइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ?

गोयमा ! बहुतरिया से णिज्जरा कज्जइ, अप्पतराए से पावे कम्ममे कज्जइ ।

३ समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं असंजयविरयपडिहयपच्चक्खाय- पावकम्मं फासुएण वा, अफासुएण वा, एसणिज्जेण वा, अणेसणिज्जेण वा असण-पाण- खाइम-साइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ?

गोयमा ! एगंतसो से पावेकम्ममे कज्जइ, णत्थि से काइ णिज्जरा कज्जइ ।

४ णिग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ दोहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा- एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि, एगं थेराणं दलयाहि; से य तं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया, जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तत्थेव अणुप्पदायव्वे सिया, णो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा, तं णो अप्पणा भुंजेज्जा, णो अण्णेसिं दावए; एगंते अणावाए अचित्ते बहुफासुए थंडिल्ले, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता परिट्ठवियव्वे सिया ।

५ णिग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ तिहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा-एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि, दो थेराणं दलयाहि; से य पडिग्गाहेज्जा थेरा य से अणुगवेसियव्वा, सेसं तं चेव जाव परिट्ठवियव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा; णवरं एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि, णव थेराणं दलयाहि; सेसं तं चेव जाव परिट्ठवियव्वे सिया।

६ णिग्गंथं च णं गाहावइ कुलं पिंडवाय पडियाए अणुपविट्ठं केइ दोहिं पडिग्गाहेहिं उवणिमंतेज्जा- एगं आउसो ! अप्पणा परिभुंजाहि, एगं थेराणं दलयाहि । से य तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं णो अप्पणा परिभुंजेज्जा, णो अण्णेसिं दावए; सेसं तं चेव जाव परिट्ठवियव्वे सिया । एवं जाव दसहिं पडिग्गाहेहिं ।

एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया तहा गोच्छग-रयहरण-चोलपट्टग-कंबल-लट्ठि-
संथारगवत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवणिमंतेज्जा जाव परिट्ठवियव्वे
सिया।

७ णिग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं
एवं भवइ-इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि, पडिक्कमामि, णिंदामि, गरिहामि,
विउट्ठामि, विसोहेमि, अकरणयाए अब्भुट्ठेमि, आहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि;
तओ पच्छा थेराणं अंतिअं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि । से य संपट्ठिए,
असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया, से णं भंते ! किं आराहए, विराहए?

गोयमा ! आराहेए, णो विराहए ।

८ से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया, से णं भंते ! किं आराहए, विराहए?
गोयमा ! आराहए, णो विराहए ।

९ से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य कालं करेज्जा, से णं भंते ! किं आराहए, विराहए ?
गोयमा ! आराहए, णो विराहए ।

१० से य संपट्ठिए असंपत्ते, अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा; से णं भंते! किं आराहए,
विराहए?
गोयमा ! आराहए, णो विराहए ।

११ से य संपट्ठिए संपत्ते, थेरा य अमुहा सिया; से णं भंते! किं आराहए विराहए ?
गोयमा ! आराहए, णो विराहए । से य संपट्ठिए संपत्ते, अप्पणा य अमुहा सिया, एवं
संपत्तेण वि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं ।

१२ णिग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खंतेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे
पडिसेविए, तस्स णं एवं भवइ- इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि; एवं एत्थ वि ते
चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव णो विराहए ।

णिग्गंथेण य गामाणुगामं दुइज्जमाणेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं
भवइ- इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि; एत्थ वि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा
जाव णो विराहए ।

१३ णिग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए; तीसे
णं एवं भवइ- इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ
पच्छा पवत्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि ।

सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया, सा णं भंते ! किं आराहिया, विराहिया
?

गोयमा ! आराहिया, णो विराहिया । एवं जहा णिग्गंथस्स तिण्णि गमा भणिया एवं णिग्गंथीए वि तिण्णि आलावगा भाणियच्चा जाव आराहिया, णो विराहिया ।

१४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- आराहए, णो विराहए ?

गोयमा ! से जहाणामए-केइ पुरिसे एगं महं उण्णालोमं वा, गयलोमं वा, सणलोमं वा, कप्पासलोमं वा, तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा, से णूणं गोयमा ! छिज्जमाणे छिण्णे, पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते, दज्झमाणे दड्ढे त्ति वत्तव्वं सिया ?

हंता भगवं ! छिज्जमाणे छिण्णे जाव दड्ढे त्ति वत्तव्वं सिया ।

से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहयं वा धोयं वा, तंतुग्गयं वा मंजिद्वादोणीए पक्खिवेज्जा, से णूणं गोयमा ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते, पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते, रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया ?

हंता भगवं ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेति वत्तव्वं सिया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- आराहए णो विराहए ।

१५ पईवस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ, लट्ठी झियाइ, वत्ती झियाइ, तेल्ले झियाइ, दीवचंपए झियाइ, जोई झियाइ ?

गोयमा ! णो पईवे झियाइ जाव णो दीवचंपए झियाइ, जोई झियाइ ।

१६ अगारस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं अगारे झियाइ, कुड्डा झियाइ, कडणा झियाइ, धारणा झियाइ, बलहरणे झियाइ, वंसा झियाइ, मल्ला झियाइ, वग्गा झियाइ, छित्तरा झियाइ, छाणे झियाइ, जोई झियाइ ?

गोयमा ! णो अगारे झियाइ, णो कुड्डा झियाइ, जाव णो छाणे झियाइ, जोई झियाइ ।

१७ जीवे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, सिय अकिरिए ।

१८ णेरइए णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।

१९ असुरकुमारे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे ।

२० जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए ।

२१ णेरइए णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? एवं एसो जहा पढमो दंडओ तहा इमो वि अपरिसेसो भाणियच्चो जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे ।

- २२ जीवा णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया ।
- २३ णेरइया णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? एवं एसो वि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो जाव वेमाणिया, णवरं मणुस्सा जहा जीवा ।
- २४ जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि, अकिरिया वि ।
- २५ णेरइया णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि । एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणुस्सा जहा जीवा ।
- २६ जीवे णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय अकिरिए ।
- २७ णेरइए णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए; एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे । एवं जहा ओरालियसरीरेणं चत्तारि दंडगा भणिया तहा वेउव्वियसरीरेण वि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, णवरं पंचमकिरिया ण भण्णइ, सेसं तं चेव । एवं जहा वेउव्वियं तहा आहारगं पि, तेयगं पि, कम्मगं पि भाणियव्वं; एक्केक्के चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भंते ! कम्मगसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे, वण्णओ । गुणसीलए चेइए, वण्णओ। पुढवि-सिलापट्टओ । तस्सं णं गुणसीलस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति ।
तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव समोसढे; जाव परिसा पडिगया ।
तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा, कुलसंपण्णा एवं जहा बिइयसए जाव जीवियास-मरणभय-विप्पमुक्का, समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरा, झाण- कोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।
- २ तएणं ते अण्णउत्थिया जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता ते थेरे भगवंते एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरय-अप्पडिहय पच्चक्खाय पावकम्मे एवं जहा सत्तमसए बिइए उद्देसए जाव एगंतबाला या वि भवह ।

- ३ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी-केण कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं अस्संजय-अविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?
- ४ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो! अदिण्णं गेण्हह, अदिण्णं भुंजह, अदिण्णं साइज्जह; तएणं तुब्भे अदिण्णं गेण्हमाणा, अदिण्णं भुंजमाणा, अदिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरय जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- ५ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिण्णं गेण्हामो, अदिण्णं भुंजामो, अदिण्णं साइज्जामो ? जए णं अम्हे अदिण्णं गेण्हमाणा, अदिण्णं भुंजमाणा, अदिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?
- ६ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी-तुम्हाणं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिण्णे, पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गहिए, णिस्सरिज्जमाणे अणिसिद्धे, तुब्भं णं अज्जो ! दिज्जमाणं, पडिग्गहगं असंपत्तं, एत्थ णं अंतरा केइ अवहरिज्जा, गाहावइस्स णं तं, णो खलु तं तुब्भं, तएणं तुब्भे अदिण्णं गेण्हह, अदिण्णं भुंजह अदिण्णं साइज्जह, तएणं तुब्भे अदिण्णं गेण्हमाणा जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- ७ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- णो खलु अज्जो! अम्हे अदिण्णं गेण्हामो, अदिण्णं भुंजामो, अदिण्णं साइज्जामो; अम्हे णं अज्जो ! दिण्णं गेण्हामो, दिण्णं भुंजामो, दिण्णं साइज्जामो । तएणं अम्हे दिण्णं गेण्हमाणा, दिण्णं भुंजमाणा, दिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय-विरय-पडिहय एवं जहा सत्तमसए जाव एगंतपंडिया या वि भवामो ।
- ८ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! तुम्हे दिण्णं गेण्हह, दिण्णं भुंजह, दिण्णं साइज्जह, जए णं तुब्भे दिण्णं गेण्हमाणा, जाव एगंतपंडिया या वि भवह ?
- ९ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- अम्हे णं अज्जो ! दिज्जमाणे दिण्णे, पडिग्गाहिज्जमाणे पडिग्गहिए णिस्सरिज्जमाणे णिसिद्धे; अम्हं णं अज्जो ! दिज्जमाणं, पडिग्गहगं असंपत्तं, एत्थ णं अंतरा केइ अवहरेज्जा, अम्हं णं तं, णो खलु तं गाहावइस्स। तएणं अम्हे दिण्णं गेण्हामो, दिण्णं भुंजामो, दिण्णं साइज्जामो, तए णं अम्हे दिण्णं गेण्हमाणा, दिण्णं भुंजमाणा, दिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय-विरय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो । तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं अस्संजय-अविरय- अपडिहय- पच्चक्खाय- पावकम्मा जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- १० तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय अविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?

- ११ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! अदिण्णं गेण्हह, अदिण्णं भुंजह, अदिण्णं साइज्जह; तएणं तुब्भे अदिण्णं गेण्हामाणा, जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- १२ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिण्णं गेण्हामो, जाव एगंतबाला यावि भवामो ?
- १३ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिण्णे, तं चेव जाव गाहावइस्स णं तं, णो खलु तं तुब्भं, तएणं तुज्झो अदिण्णं गेण्हह जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- १४ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरय जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- १५ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?
- १६ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह, अभिहणह, वत्तेह, लेसेह, संघाएह, संघट्टेह, परितावेह, किलामेह, उवद्धवेह; तएणं तुब्भे पुढविं पेच्चेमाणा, अभिहणमाणा जाव उवद्धवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह ।
- १७ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- णो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेमो, अभिहणामो जाव उवद्धवेमो; अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं वा, जोगं वा, रियं वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो, पएसं पएसेणं वयामो; तेणं अम्हे देसं देसेणं वयमाणा, पएसं पएसेणं वयमाणा णो पुढविं पेच्चेमो, अभिहणामो जाव उवद्धवेमो; तएणं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा, अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्धवेमाणा तिविहं तिविहेणं संजय विरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मा जाव एगंतपंडिया या वि भवामो । तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय अविरय जाव एगंत बाला यावि भवह ।
- १८ तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?
- १९ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उवद्धवेह; तएणं तुब्भे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्धवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवइ।
- २० तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! गम्ममाणे अगए, वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते, रायगिहं णयरं संपाविउकामे असंपत्ते ।

२१ तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- णो खलु अज्जो ! अम्हं गम्ममाणे अगए, वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते, रायगिहं णयरं संपाविउकामे असंपत्ते; अम्हं णं अज्जो गम्ममाणे गए, वीइक्कमिज्जमाणे वीइक्कंते, रायगिहं णयरं संपाविउकामे संपत्ते; तुब्भं णं अप्पणा चेव गम्ममाणे अगए, वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते, रायगिहं णयरं संपाविउकामे असंपत्ते । तएणं ते थेरा भगवंतो अण्णउत्थिए एवं पडिहणंति, पडिहणित्ता गइप्पवायं णाम अज्झयणं पण्णवइंसु ।

२२ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पण्णत्ते, तं जहा- पओगगई, ततगई, बंधण- छेयणगई, उववायगई, विहायगई; एत्तो आरब्भ पयोगपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं विहायगई ॥
सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अट्ठमं सत्तं

अट्ठमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- गुरु णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ?
गोयमा! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- आयरियपडिणीए, उवज्झाय-पडिणीए, थेरपडिणीए।
- २ गइं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए ।
- ३ समूहं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए ।
- ४ अणुकंपं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए ।
- ५ सुयं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ।
- ६ भावं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तं जहा- णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ।
- ७ कइविहे णं भंते ! ववहारे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे ववहारे पण्णत्ते, तं जहा- आगमे, सुए, आणा, धारणा, जीए । जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्टवेज्जा; णो य से तत्थ आगमे सिया, जहा से तत्थ सुए सिया, सुएणं ववहारं पट्टवेज्जा । णो य से तत्थ सुए सिया, जहा से तत्थ आणा सिया, आणाए ववहारं पट्टवेज्जा । णो य से तत्थ आणा सिया, जहा से तत्थ धारणा सिया, धारणाए ववहारं पट्टवेज्जा । णो य से तत्थ धारणा सिया; जहा से तत्थ जीए सिया, जीएणं

ववहारं पढ्वेज्जा । इच्चेएहिं पंचहिं ववहारेहिं ववहारं पढ्वेज्जा; तं जहा- आगमेणं, सुएणं आणाए, धारणाए, जीएणं । जहा जहा से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा तहा ववहारं पढ्वेज्जा ।

से किमाहु भंते ? आगमबलिया समणा णिग्गंथा ।

इच्चेयं पंचविहं ववहारं जया जया जहिं जहिं, तया तया तहिं तहिं, अणिस्सि- ओवसियं सम्मं ववहरमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ।

८

कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा- इरियावहियबंधे य संपराइयबंधे य ।

९

इरियावहियं णं भंते ! कम्मं किं णेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ, तिरिक्खजोणिणी बंधइ, मणुस्सो बंधइ, मणुस्सी बंधइ, देवो बंधइ, देवी बंधइ ?

गोयमा ! णो णेरइओ बंधइ, णो तिरिक्खजोणिओ बंधइ, णो तिरिक्खजोणिणी बंधइ, णो देवो बंधइ, णो देवी बंधइ, । पुव्वपडिवण्णए पडुच्च मणुस्सा य मणुस्सीओ य बंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च- १ मणुस्सो वा बंधइ २ मणुस्सी वा बंधइ ३ मणुस्सा वा बंधंति ४ मणुस्सीओ वा बंधंति ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य बंधंति ६ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य बंधंति ७ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य बंधंति ८ अहवा मणुस्सा य मणुस्सीओ य बंधंति ।

१०

तं भंते ! किं इत्थी बंधइ, पुरिसो बंधइ, णपुंसगो बंधइ, इत्थीओ बंधति, पुरिसा बंधंति, णपुंसगा बंधंति; णोइत्थी णोपुरिसो णोणपुंसगो बंधइ ?

गोयमा ! णो इत्थी बंधइ, णो पुरिसो बंधइ, जाव णो णपुंसगो बंधइ, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च अवगयवेदा बंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च अवगयवेदो वा बंधइ, अवगयवेदा वा बंधंति ।

११

जइ भंते ! अवगयवेदो वा बंधइ, अवगयवेदा वा बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ, पुरिसपच्छाकडो बंधइ, णपुंसगपच्छाकडो बंधइ, इत्थीपच्छाकडा बंधंति पुरिसपच्छाकडा बंधंति णपुंसगपच्छाकडा बंधंति ?

उदाहु इत्थीपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधंति, जाव इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य बंधंति, चउभंगो। उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधंति, चउभंगो । उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधंति, चउभंगो ?

उदाहु इत्थीपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधंति, अद्वभंगा । एवं एए छव्वीसं भंगा जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य णपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ?

गोयमा ! इत्थीपच्छाकडो वि बंधइ, पुरिसपच्छाकडो वि बंधइ, णपुंसग- पच्छाकडो वि बंधइ; इत्थीपच्छाकडा वि बंधंति, पुरिसपच्छाकडा वि बंधंति, णपुंसगपच्छाकडा वि बंधंति; ।

अहवा इत्थीपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधइ, एवं एए चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थी पच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य णपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ।

- १२ तं भंते ! किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; बंधी, बंधइ, ण बंधिस्सइ; बंधी, ण बंधइ, बंधिस्सइ; बंधी, ण बंधइ, ण बंधिस्सइ; ण बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; ण बंधी, बंधइ, ण बंधिस्सइ; ण बंधी, ण बंधइ, बंधिस्सइ; ण बंधी, ण बंधइ ण बंधिस्सइ ?
- गोयमा ! भवागरिसं पडुच्च अत्थेगइए बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; अत्थेगइए बंधी, बंधइ, ण बंधिस्सइ; एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगइए ण बंधी, ण बंधइ, ण बंधिस्सइ, गहणागरिसं पडुच्च अत्थेगइए बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; एवं जाव अत्थेगइए ण बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; णो चेव णं ण बंधी, बंधइ, ण बंधिस्सइ; अत्थेगइए ण बंधी, ण बंधइ, बंधिस्सइ । अत्थेगइए ण बंधी, ण बंधइ, ण बंधिस्सइ ।
- १३ तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ, साइयं अपज्जवसियं बंधइ, अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ ?
- गोयमा ! साइयं सपज्जवसियं बंधइ, णो साइयं अपज्जवसियं बंधइ, णो अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ, णो अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ ।
- १४ तं भंते! किं देसेणं देसं बंधइ, देसेणं सव्वं बंधइ, सव्वेणं देसं बंधइ, सव्वेणं सव्वं बंधइ? गोयमा! णो देसेणं देसं बंधइ, णो देसेणं सव्वं बंधइ, णो सव्वेणं देसं बंधइ, सव्वेणं सव्वं बंधइ ।
- १५ संपराइयं णं भंते ! कम्मं किं णेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ जाव देवी बंधइ ?
- गोयमा ! णेरइओ वि बंधइ, तिरिक्खजोणिओ वि बंधइ, तिरिक्खजोणिणी वि बंधइ, मणुस्सो वि बंधइ, मणुस्सी वि बंधइ, देवो वि बंधइ, देवी वि बंधइ ।
- १६ तं भंते ! किं इत्थी बंधइ, पुरिसो बंधइ जाव णोइत्थी णोपुरिसो णोणपुंसगो बंधइ ?
- गोयमा ! इत्थी वि बंधइ, पुरिसो वि बंधइ जाव णपुंसगा वि बंधंति, अहवा एते य अवगयवेओ य बंधइ, अहवा एते य अवगयवेया य बंधन्ति ।
- १७ जइ भंते ! अवगयवेओ य बंधइ, अवगयवेया य बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ, पुरिसपच्छाकडो बंधइ, पुच्छा ?
- एवं जहेव इरियावहियाबंधगस्स तहेव णिरवसेसं जाव अहवा इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य णपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ।
- १८ तं भंते ! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ?
- गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ।
- १९ तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ, पुच्छा ?

गोयमा ! साइयं वा सपज्जवसियं बंधइ, अणाइयं वा सपज्जवसियं बंधइ, अणाइयं वा अपज्जवसियं बंधइ, णो चेव णं साइयं अपज्जवसियं बंधइ ।

२० तं भंते ! किं देसेणं देसं बंधइ पुच्छा ? गोयमा ! जहेव इरियावहियाबंधगस्स जाव सव्वेणं सव्वं बंधइ ।

२१ कइ णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं ।

२२ कइ णं भंते ! परिसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, तं जहा- दिगिंछापरिसहे, पिवासापरिसहे जाव दंसणपरिसहे ।

२३ एणं भंते ! बावीसं परीसहा कइसु कम्मपयडीसु समयरंति ? गोयमा ! चउसु कम्मपयडीसु समयरंति, तं जहा- णाणावरणिज्जे, वेयणिज्जे, मोहणिज्जे, अंतराइए ।

२४ णाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समयरंति ? गोयमा ! दो परीसहा समयरंति, तं जहा- पण्णा परीसहे, अणाण परीसहे य ।

२५ वेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समयरंति ?

गोयमा ! एक्कारस परीसहा समयरंति, तं जहा-

पंचेव आणुपुव्वी, चरिया सेज्जा वहे य रोगे य ।

तणफास-जल्लमेव य, एक्कारस वेयणिज्जम्मि ॥

२६ दंसणमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समयरंति ? गोयमा ! एगे दंसण परीसहे समयरइ ।

२७ चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समयरंति ?

गोयमा ! सत्त परीसहा समयरंति, तं जहा-

अरई अचेल इत्थी, णिसीहिया जायणा य अक्कोसे ।

सक्कार पुरक्कारे, चरित्तमोहम्मि सत्तेए ॥१॥

२८ अंतराइए णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समयरंति ? गोयमा ! एगे अलाभ परीसहे समयरइ ।

२९ सत्तबिहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, बीसं पुण वेएइ । जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ । जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ, णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ । जं समयं चरियापरीसहं वेएइ, णो तं समयं णिसीहिया परीसहं वेएइ । जं समयं णिसीहिया परीसहं वेएइ, णो तं समयं चरिया परीसहं वेएइ ।

३० अट्ठविहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, तं जहा- छुहापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीयपरीसहे, उसिणपरीसहे दंसमसगपरीसहे जाव अलाभपरीसहे । बीसं पुण वेएइ ।

३१ छव्विहबंधगस्स णं भंते ! सरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चोदस परीसहा पण्णत्ता, बारस पुण वेएइ, जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ, जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ । जं समयं चरियापरीसहं वेएइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ, जं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ, णो तं समयं चरियापरीसहं वेएइ ।

३२ एकविहबंधगस्स णं भंते ! वीयरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव जहेव छव्विहबंधगस्स ।

३३ एगविहबंधगस्स णं भंते ! सजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारसपरीसहा पण्णत्ता, णव पुण वेएइ, सेसं जहा छव्विहबंधगस्स ।

३४ अबंधगस्स णं भंते ! अजोगीभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ?

गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, णव पुण वेएइ । जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ, जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ । जं समयं चरियापरीसहं वेएइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ, जं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेएइ ।

३५ जंबूद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति, अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ?
हंता, गोयमा ! तं चेव जाव दीसंति ।

३६ जंबूद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं ?
हंता गोयमा ! तं चेव जाव उच्चत्तेणं ।

३७ जइ णं भंते ! जंबूद्धीवे दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं, से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जंबूद्धीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ?

गोयमा ! लेस्सापडिघाएणं उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, लेस्साहितावेणं मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति, लेस्सापडिघाएणं अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जंबूद्धीवे णं दीवे सूरिया उग्गमण-मुहुत्तंसि दूरे य मूले दीसंति जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ।

३८ जंबूद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं गच्छंति, पडुपण्णं खेत्तं गच्छंति, अणागयं खेत्तं गच्छंति ?

गोयमा ! णो तीयं खेत्तं गच्छंति, पडुप्पण्णं खेत्तं गच्छंति, णो अणागयं खेत्तं गच्छंति ।

३९ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं ओभासंति, पडुप्पण्णं खेत्तं ओभासंति, अणागयं खेत्तं ओभासंति ?

गोयमा ! णो तीयं खेत्तं ओभासंति, पडुप्पण्णं खेत्तं ओभासंति, णो अणागयं खेत्तं ओभासंति ।

४० तं भंते ! किं पुढं ओभासंति, अपुढं ओभासंति ? गोयमा ! पुढं ओभासंति, णो अपुढं ओभासंति जाव णियमा छद्दिसिं ।

४१ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं उज्जोवेंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा ओभासंति तहा उज्जोवेंति जाव णियमा छद्दिसिं । एवं तवेंति, एवं पभासंति जाव णियमा छद्दिसिं ।

४२ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरियाणं किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ, पडुप्पण्णे खेत्ते किरिया कज्जइ, अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! णो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ, पडुप्पण्णे खेते किरिया कज्जइ, णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ।

४३ सा भंते ! किं पुढा कज्जइ, अपुढा कज्जइ ? गोयमा ! पुढा कज्जइ, णो अपुढा कज्जइ जाव णियमा छद्दिसिं ।

४४ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे सूरिया केवइयं खेत्तं उड्ढं तवेंति, केवइयं खेत्तं अहे तवेंति, केवइयं खेत्तं तिरियं तवेंति ?

गोयमा ! एगं जोयणसयं उड्ढं तवेंति; अट्टारस जोयणसयाइं अहे तवेंति, सीयालीसं जोयणसहस्साइं दोण्णि तेवढे जोयणसए एकक्कीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स तिरियं तवेंति ।

४५ अंतो णं भंते ! माणुसुत्तरपव्वयस्स जे चंदिम-सूरिय-गहगण-णक्खत्त- तारारूवा ते णं भंते ! देवा किं उड्ढोववण्णगा, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं जाव इंदद्वाणे णं भंते ! केवइयं कालं विरहिए उववाएणं ? गोयमा! जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ।

४६ बाहिया णं भंते ! माणुसुत्तरपव्वयस्स जे चंदिम सूरिय-गहगण-णक्खत्त तारारूवा ते णं भंते ! देवा किं उड्ढोववण्णगा, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा जीवाभिगमे जाव इंदद्वाणे णं भंते ! केवइयं कालं उववाएणं विरहिए पण्णत्ते ? गोयमा! जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं छम्मासा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

णवमो उद्देशो

- १ कइविहे णं भंते! बंधे पण्णत्ते? गोयमा! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा- पओगबंधे य वीससाबंधे य।
- २ वीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- साईयवीससाबंधे अणाईयवीससाबंधे य ।
- ३ अणाईयवीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तं जहा-धम्मत्थिकाय-अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे,
अधम्मत्थिकायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधे, आगासत्थिकाय-अण्ण-मण्ण-अणाईय-
वीससाबंधे।
- ४ धम्मत्थिकाय-अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे?
गोयमा ! देसबंधे, णो सव्वबंधे । एवं अधम्मत्थिकाय-अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे वि, एवं
आगासत्थिकाय- अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे वि ।
- ५ धम्मत्थिकाय-अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा! सव्वद्धं। एवं अधम्मत्थिकाय-अण्णमण्ण-अणाईय-वीससाबंधे वि। एवं आगासत्थिकाय-
अण्णमण्ण- अणाईय-वीससाबंधे वि ।
- ६ साईय-वीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- बंधणपच्चइए, भायणपच्चइए, परिणाम पच्चइए ।
- ७ से किं तं बंधणपच्चइए ?
बंधणपच्चइए-जण्णं परमाणु पुग्गल-दुप्पएसिय-तिप्पएसिय जाव दसपए-सिय-संखेज्जपएसिय-
असंखेज्जपएसिय-अणंतपएसियाणं खंधाणं वेमाय-णिद्धयाए, वेमाय- लुक्खयाए, वेमाय-
णिद्धलुक्खयाए बंधणपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ, जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं
असंखेज्जं कालं । से तं बंधणपच्चइए ।
- ८ से किं तं भायणपच्चइए ?
भायणपच्चइए-जण्णं जुण्णसुरा-जुण्णगुल-जुण्णतंदुलाणं भायणपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ,
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं । सेतं भायण- पच्चइए ।
- ९ से किं तं परिणामपच्चइए ?
परिणामपच्चइए- जण्णं अब्भाणं, अब्भरुक्खाणं जहा तइयसए जाव अमोहाणं परिणामपच्चइए
णं बंधे समुप्पज्जइ । जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं छम्मासा। से तं परिणामपच्चइए ।
से तं साईयवीससाबंधे । से तं वीससाबंधे ।
- १० से किं तं पओगबंधे ।

गोयमा ! पओगबंधे तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- अणाईए वा अपज्जवसिए, साईए वा अपज्जवसिए, साईए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से अणाईए अपज्ज- वसिए से णं अट्ठण्हं जीवमज्झपएसणं, तत्थ वि णं तिण्हं- तिण्हं अणाईए अपज्ज- वसिए, सेसाणं साईए। तत्थ णं जे से साईए अपज्जवसिए से णं सिद्धाणं । तत्थ णं जे से साईए सपज्जवसिए से णं चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- आलावणबंधे, अल्लियावणबंधे, सरीरबंधे, सरीरप्पओगबंधे ।

११ से किं तं आलावणबंधे ?

आलावणबंधे जण्णं तणभाराण वा, कट्ठभाराण वा, पत्तभाराण वा, पलालभाराण वा, वेत्त- लया-वाग-वरत्त-रज्जु-वल्लि-कुस-दब्भमाईएहिं आलावणबंधे समुप्पज्जइ; जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, से तं आलावणबंधे ।

१२ से किं तं अल्लियावणबंधे ? अल्लियावणबंधे चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- लेसणाबंधे, उच्चयबंधे, समुच्चयबंधे, साहणणाबंधे ।

१३ से किं तं लेसणाबंधे ?

लेसणाबंधे- जण्णं कुट्टाणं, कुट्टिमाणं, खंभाणं, पासायाणं, कट्ठाणं, चम्माणं, घडाणं, पडाणं, कडाणं छुहा- चिकखल्लसिलेस-लक्ख-महुसित्थ-माईएहिं लेसणएहिं बंधे समुप्पज्जइ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं । से तं लेसणाबंधे।

१४ से किं तं उच्चयबंधे ?

उच्चयबंधे जण्णं तणरासीण वा, कट्टरासीण वा, पत्तरासीण वा, तुसरासीण वा, भुसरासीण वा, गोमयरासीण वा, अवगररासीण वा उच्चत्तेणं बंधे समुप्पज्जइ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, से तं उच्चयबंधे।

१५ से किं तं समुच्चयबंधे ?

समुच्चयबंधे-जण्णं अगड-तडाग-णई-दह-वावी-पुक्खरिणी-दीहियाणं गुंजालियाणं, सराणं, सरपंतियाणं, सरसरपंतियाणं, बिलपंतियाणं, देवकुल- सभ-प्पव- थूम-खाइयाणं, परिहाणं, पागार- डालग-चरिय- दार- गोपुर-तोरणाणं, पासाय-घर-सरण-लेण-आवणाणं, सिंघाडग-तिय- चउक्क-चच्चर- चउमुह- महापहमाईणं, छुहा-चिकखल्ल-सिलेससमुच्चएणं बंधे समुप्पज्जइ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं। से तं समुच्चयबंधे ।

१६ से किं तं साहणणाबंधे ? साहणणाबंधे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- देससाहणणाबंधे य, सव्वसाहणणाबंधे य ।

१७ से किं तं देससाहणणाबंधे ?

देससाहणणाबंधे जण्णं सगड-रह-जाण-जुग-गिल्ली-थिल्लि-सीय-संदमाणी-लोही- लोहकडाह- कडुच्छय- आसणसयण-खंभ-भंडमत्तोवगरणमाईणं देससाहणणाबंधे समुप्पज्जइ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं । से तं देससाहणणाबंधे।

- १८ से किं तं सव्वसाहणणाबंधे ? सव्वसाहणणाबंधे- से णं खीरोदगमाईणं । से तं सव्वसाहणणाबंधे, से तं साहणणाबंधे, से तं अल्लियावणबंधे ।
- १९ से किं तं सरीरबंधे ? सरीरबंधे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पुव्वपओगपच्चइए य पडुप्पण्ण-पओगपच्चइए य ।
- २० से किं तं पुव्वपओगपच्चइए ?
पुव्वपओगपच्चइए-जण्णं णेरइयाणं, संसारत्थाणं सव्व जीवाणं तत्थ तत्थ तेसु तेसु कारणेसु समोहणमाणाणं जीवप्पएसाणं बंधे समुप्पज्जइ । से तं पुव्वपओग- पच्चइए ।
- २१ से किं तं पडुप्पण्ण-पओग-पच्चइए ?
पडुप्पण्णपओगपच्चइए-जण्णं केवलणाणिस्स अणगारस्स केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स ताओ समुग्घायाओ पडिणियत्तमाणस्स अंतरा मंथे वट्ठमाणस्स तेयाकम्माणं बंधे समुप्पज्जइ। किं कारणं? ताहे से एसा एगत्तीगया भवंति। से तं पडुप्पण्ण-पओग-पच्चइए । से तं सरीरबंधे।
- २२ से किं तं सरीरप्पओगबंधे ?
सरीरप्पओगबंधे पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओरालियसरीरप्पओगबंधे, वेउव्विय-सरीरप्पओगबंधे, आहारगसरीरप्पओगबंधे, तेयासरीरप्पओगबंधे, कम्मासरीरप्प- ओगबंधे।
- २३ ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- एगिंदिय-ओरालियसरीर-प्पओगबंधे, बेइंदिय-ओरालियसरीर-प्पओगबंधे जाव पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पओगबंधे ।
- २४ एगिंदिय-ओरालियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- पुढविक्काइय-एगिंदिय-ओरालिय- सरीर- प्पओगबंधे, एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे ओरालिय- सरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्त- गब्भवक्कंतिय- मणुस्सपंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पओगबंधे य अप्पज्जत्त- गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव बंधे य ।
- २५ ओरालियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! वीरिय-सजोग-सदव्वयाए पमायपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च ओरालियसरीर- प्पओग-णामकम्मस्स उदएणं ओरालियसरीर- प्पओगबंधे ।
- २६ एगिंदिय-ओरालियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! एवं चेव । पुढविक्काइयएगिंदिय ओरालियसरीरप्पओगबंधे एवं चेव । एवं जाव वणस्सइकाइया । बेइंदिया, तेइंदिया, चउरिंदिया वि एवं चेव ।
- २७ तिरिक्ख-जोणिय-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! एवं चेव ।

- २८ मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा! वीरिय-सजोग-सदव्वयाए पमायपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च
मणुस्सपंचिंदिय-ओरालियसरीर-प्पओग-णामकम्मस्स उदएणं मणुस्सपंचिंदिय-ओरालिय-सरीर-
प्पओगबंधे।
- २९ ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे ? गोयमा! देसबंधे वि, सव्वबंधे वि
।
- ३० एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे ?
गोयमा ! देशबंधे वि, सव्वबंधे वि । एवं पुढविककाइया जाव मणुस्स-पंचिंदिय-
ओरालियसरीर-प्पओगबंधे ।
- ३१ ओरालिय-सरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि
पलिओवमाइं समयऊणाइं ।
- ३२ एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं बावीसं
वाससहस्साइं समयऊणाइं ।
- ३३ पुढविककाइयएगिंदिय, पुच्छा ?
गोयमा ! सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं
बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं; एवं सव्वेसिं सव्वबंधो एककं समयं, देसबंधो जेसिं णत्थि
वेउव्वियसरीरं तेसिं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा
समयऊणा कायव्वा । जेसिं पुण अत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं देसबंधो जहण्णेणं एककं समयं,
उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयऊणा कायव्वा जाव मणुस्साणं देसबंधे जहण्णेणं एककं
समयं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं समय ऊणाइं ।
- ३४ ओरालियसरीर-बंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! सव्व-बंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तेत्तीसं
सागरोवमाइं पुव्वकोडिसमयाहियाइं; देसबंधंतरं जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तेतीसं
सागरोवमाइं तिसमयाहियाइं ।
- ३५ एगिंदिय-ओरालिय पुच्छा ?
गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं
वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- ३६ पुढविककाइय-एगिंदिय पुच्छा ?

सव्वबंधंतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि समयं । जहा पुढविक्काइयाणं एवं जाव चउरिंदियाणं वाउक्काइयवज्जाणं, णवरं सव्वबंधंतरं उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयाहिया कायव्वा। वाउक्काइयाणं सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तिण्णि वाससहस्साइं समयाहियाइं । देस बंधंतरं जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।

३७ पंचिदियतिरिक्खजोणिय ओरालिय, पुच्छा ?

सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी समयाहिया । देसबंधंतरं जहा एगिंदियाणं तहा पंचिंदिय तिरिक्खजोणियाणं, एवं मणुस्साण वि णिरवसेसं भाणियव्वं जाव उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।

३८ जीवस्स णं भंते ! एगिंदियत्ते, णोएगिंदियत्ते, पुणरवि एगिंदियत्ते; एगिंदिय-ओरालियसरीर-प्पओग-बंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ।

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं दो खुड्डाइं भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं दो सागरोवम- सहस्साइं संखेज्जवास-मब्भहियाइं । देसबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवास- मब्भहियाइं ।

३९ जीवस्स णं भंते ! पुढविक्काइयत्ते, णोपुढविक्काइयत्ते, पुणरवि पुढविक्का- इयत्ते; पुढविक्काइय- एगिंदिय- ओरालियसरीर-प्पओग-बंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं दो खुड्डाइं भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं- अणंता उस्सप्पिणी-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा- असंखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा, ते णं पोग्गलपरियट्ठा आवलियाए असंखेज्जइ- भागो ।

देसबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो । जहा पुढविक्काइयाणं एवं वणस्सइकाय-वज्जाणं जाव मणुस्साणं । वणस्सइकाइयाणं एवं चेव, णवरं सव्व बंधंतरं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं- असंखेज्जाओ उस्सप्पिणी-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा; एवं देसबंधंतरं पि उक्कोसेणं भाणियव्व सेसं तं चेव ।

४० एसि णं भंते ! जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाणं, सव्वबंधगाणं, अबंधगाण य कयरे- कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा, अबंधगा विसेसाहिया, देसबंधगा असंखेज्जगुणा ।

४१ वेउव्वियसरीर-पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- एगिंदिय- वेउव्वियसरीर-पओगबंधे य पंचेदिय-वेउव्वियसरीर- पओगबंधे य ।

४२ जइ एगिंदिय-वेउव्वियसरीर-पओगबंधे किं वाउक्काइय-दयसरीर-पओगबंधे, अवाउक्काइय- एगिंदियसरीर- खप्पओगबंधे ?

गोयमा! जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरभेओ तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय- वेमाणियदेव-पंचिंदिय- वेउव्वियसरीर-पओगबंधे य, अपज्जत्ता-सव्वट्ठसिद्ध जाव पओगबंधे य ।

४३ वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?

गोयमा! वीरिय-सजोग-सद्वव्याए जाव आउयं वा लद्धिं वा पडुच्च वेउव्वियसरीर- पओग-णामाए कम्मस्स उदएणं वेउव्वियसरीर-पओगबंधे ।

४४ वाउक्काइय-एगिंदिय-वेउव्वियसरीर-प्पओग बंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?

गोयमा! वीरिय-सजोग-सद्वव्याए जाव लद्धिं पडुच्च वाउक्काइय-एगिंदिय- वेउव्वियसरीर-पओगबंधे ।

४५ रयणप्पभापुढवि-णेरइय-पंचिंदिय-वेउव्वियसरीर-पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?

गोयमा ! वीरिय-सजोग-सद्वव्याए जाव आउयं वा पडुच्च रयणप्पभापुढवि जाव पओग बंधे। एवं जाव अहे सत्तमाए ।

४६ तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-वेउव्वियसरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! वीरिय सजोग-सद्वव्याए एवं जहा वाउकाइयाणं। मणुस्स-पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीर-प्पओग बंधे वि एवं चेव । असुरकुमार-भवणवासिदेव-पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीर-प्पओगबंधे जहा रयणप्पभापुढवि-णेरइयाणं । एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरा, जोइसिया, सोहम्म-कप्पोवगा वेमाणिया जाव अच्चुया; गेवेज्जकप्पाईया वेमाणिया, अणुत्तरोववाइय- कप्पाईया वेमाणिया वि एवं चेव ।

४७ वेउव्वियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे ?

गोयमा ! देसबंधे वि, सव्वबंधे वि । वाउक्काइय-एगिंदिय वेउव्वियसरीर- प्पओगबंधे एवं चेव। रयणप्पभा- पुढवि-णेरइया वि एवं चेव; एवं जाव अणुत्तरो- ववाइया ।

४८ वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! सव्वबंधे जहण्णेणं एककं समय, उक्कोसेणं दो समया । देसबंधे जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं ।

४९ वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय पुच्छा ? गोयमा ! सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।

५० रयणप्पभापुढविणेरइय, पुच्छा ?

गोयमा ! सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं दसवाससहस्साइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं सागरोवमं समयऊणं । एवं जाव अहे सत्तमा, णवरं देसबंधे जस्स जा जहण्णिया ठिई सा तिसमयऊणा कायव्वा, जा उक्कोसिया सा समयऊणा ।

पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं । असुरकुमार- णागकुमार जाव अणुत्तरोववाइयाणं जहा णेरइयाणं; णवरं जस्स जा ठिई सा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयाणं सव्वबंधे एककं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एककतीसं सागरोवमाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं।

५१ वेउव्वियसरीरप्पओगबंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो; एवं देसबंधंतरं वि ।

५२ वाउक्काइयवेउव्वियसरीर बंधंतरं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं; एवं देसबंधंतरं पि ।

५३ तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-वेउव्वियसरीर-प्पओग-बंधंतरं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं; एवं देसबंधंतरं पि, एवं मणुस्स वि ।

५४ जीवस्स णं भंते ! वाउक्काइयत्ते, णोवाउकाइयत्ते, पुणरवि वाउकाइयत्ते; वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय सरीरप्पओग बंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं-वणस्सइकालो, एवं देसबंधंतरं पि ।

५५ जीवस्स णं भंते ! रयणप्पभापुढविणेरइयत्ते, णोरयणप्पभापुढवि-णेरइयत्ते पुणरवि रयणप्पभापुढवि-णेरइयत्ते; पुच्छा ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो । एवं जाव अहे सत्तमाए, णवरं जा जस्स ठिई जहणिया सा सव्वबंधंतरे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव ।

पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं; असुरकुमार णागकुमार जाव सहस्सारदेवाणं एसिं जहा रयणप्पभा-पुढवि-णेरइयाणं, णवरं सव्वबंधंतरे जस्स जा ठिई जहणिया सा अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव ।

५६ जीवस्स णं भंते ! आणयदेवत्ते, णोआणय देवत्ते, पुणरवि आणयदेवत्ते; पुच्छा ?

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अट्टारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो; एवं जाव अच्चे । णवरं जस्स जा ठिई सा । सव्वबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव ।

- ५७ जीवस्स णं भंते ! गेवेज्जकप्पाईय, पुच्छा ।
गोयमा! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं-वणस्सइकालो। देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो।
- ५८ जीवस्स णं भंते ! अणुत्तरोववाइय, पुच्छा ।
गोयमा! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं एकक्तीसं सागरोवमाइं वासपुहत्त-मब्भहियाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं । देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं ।
- ५९ एसि णं भंते ! जीवाणं वेउव्वियसरीरस्स देसबंधगाणं, सव्वबंधगाणं, अबंधगाण य कयरे कयरेहितो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा असंखेज्जगुणा, अबंधगा अणंतगुणा ।
- ६० आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते ।
- ६१ जइ एगागारे पण्णत्ते किं मणुस्साहारगसरीर-पओगबंधे, अमणुस्साहारग सरीर-पओगबंधे?
गोयमा ! मणुस्साहारगसरीर-पओगबंधे, णो अमणुस्साहारग सरीर- पओगबंधे। एवं एणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्त-पमत्त-संजय-सम्मदिट्ठि-पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-कम्मभूमिय- गब्भवक्कंतिय- मणुस्साहारगसरीर-पओगबंधे, णो अणिड्ढिपत्त-पमत्त जाव मणुस्स आहारग सरीर-पओगबंधे ।
- ६२ आहारगसरीर-पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! वीरिय-सजोग-सदव्वयाए जाव लद्धिं वा पडुच्च आहारग- सरीर-पओग- णामाए कम्मस्स उदएणं आहारग-सरीर-पओग-बंधे ।
- ६३ आहारगसरीर-पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधे वि, सव्वबंधे वि ।
- ६४ आहारगसरीर-पओग-बंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं ।
- ६५ आहारग-सरीर-पओग-बंधंतरं णं भंते ! कालओ केविच्चरं होइ ?
गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं- अणंताओ उस्सप्पिणी- ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोया- अवड्ढपोगगलपरियट्ठं देसूणं। एवं देसबंधंतरं पि।
- ६६ एसि णं भंते ! जीवाणं आहारगसरीरस्स देसबंधगाणं, सव्वबंधगाणं, अबंधगाण य कयरे कयरेहितो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा संखेज्ज- गुणा, अबंधगा अणंतगुणा ।

- ६७ तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- एगिंदिय-तेयासरीर- प्पओगबंधे, बेइंदिय- तेयासरीर- पओगबंधे जाव पंचिंदिय- तेयासरीर-पओगबंधे ।
- ६८ एगिंदिय-तेयासरीर-पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे जाव पज्जत्ता- सव्वट्ठसिद्ध- अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणिय-देवपंचिंदिय-तेयासरीर-पओगबंधे य, अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध- अणुत्तरोववाइय जाव पओगबंधे य ।
- ६९ तेयासरीर-पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! वीरिय-सजोग-सदव्वयाए जाव आउयं च पडुच्च तेयासरीर- पओग- णामए कम्मस्स उदएणं तेयासरीर- पओगबंधे ।
- ७० तेयासरीर-पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधे, णो सव्वबंधे ।
- ७१ तेयासरीर-पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए ।
- ७२ तेयासरीर-पओग-बंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अणाइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स वि णत्थि अंतरं ।
- ७३ एएसि णं भंते ! जीवाणं तेयासरीरस्स देसबंधयाणं, अबंधगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा तेयासरीरस्स अबंधगा, देसबंधगा अणंतगुणा ।
- ७४ कम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! अट्ठविहे पण्णत्ते, तं जहा- णाणावरणिज्ज-कम्मासरीर-पओगबंधे, जाव अंतराइय- कम्मासरीर- पओग-बंधे ।
- ७५ णाणावरणिज्ज-कम्मासरीर-पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! णाण-पडिणीययाए, णाण-णिण्हवणयाए, णाणंतराएणं, णाणप्पओसेणं, णाणच्चासायणयाए, णाण- विसंवायणाजोगेणं, णाणावरणिज्ज-कम्मासरीर-पओगणामाए कम्मस्स उदएणं णाणावरणिज्ज- कम्मासरीर- पओगबंधे ।
- ७६ दरिसणावरणिज्ज-कम्मासरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?
गोयमा ! दंसणपडिणीययाए, एवं जहा णाणावरणिज्जं, णवरं दंसणणामं घेत्तव्वं जाव दंसणविसंवायणाजोगेणं दंसणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं दंसणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पओगबंधे ।
- ७७ सायावेयणिज्ज-कम्मासरीर-पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?

गोयमा ! पाणाणुकंपयाए, भूयाणुकंपयाए, एवं जहा सत्तमसए छद्दुद्देसए जाव अपरियावणयाए सायावेयणिज्ज-कम्मासरीर-पओगणामाए कम्मस्स उदएणं सायावेयणिज्ज-कम्मासरीर-पओगबंधे ।

७८ असायावेयणिज्ज, पुच्छा ?

गोयमा ! परदुक्खणयाए, परसोयणयाए, जहा सत्तमसए छद्दुद्देसए जाव परियावणयाए असायावेयणिज्जकम्मा सरीरप्पओगणामाए कम्मस उदएणं असाया-वेयणिज्ज कम्मासरीरपओगबंधे ।

७९ मोहणिज्जकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! तिव्वकोहयाए, तिव्वमाणयाए, तिव्वमाययाए, तिव्वलोभयाए, तिव्वदंसणमोहणिज्जयाए, तिव्वचरित्तमोहणिज्जयाए मोहणिज्ज-कम्मासरीर-पओगणामाए कम्मस्स उदएणं मोहणिज्ज कम्मासरीर- पओगबंधे ।

८० णेरइयाउयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा! महारंभयाए, महापरिग्गहयाए, कुणिमाहारेणं, पंचिंदियवहेणं णेरइयाउय- कम्मासरीर-पओग-णामाए कम्मस्स उदएणं णेरइयाउय- कम्मासरीर- पओगबंधे ।

८१ तिरिक्खजोणियाउय-कम्मासरीर, पुच्छा ? गोयमा ! माइल्लयाए, णियडिल्लयाए, अलियवयणेणं कूडतुल-कूडमाणेणं तिरिक्खजोणियाउयकम्मा जाव पओगबंधे ।

८२ मणुस्साउयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! पगइभद्वयाए, पगइविणीययाए, साणुक्कोसणयाए, अमच्छरियाए मणुस्साउयकम्मा-सरीर जाव पओगबंधे ।

८३ देवाउयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! सरागसंजमेणं, संजमासंजमेणं, बालतवोकम्मेणं, अकामणिज्जराए देवाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे ।

८४ सुभणामकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! काउज्जुययाए, भावुज्जुययाए, भासुज्जुययाए, अविसंवायणजोगेणं सुभणामकम्मासरीरप्पओग णामाए कम्मस्स उदएणं सुभणाम कम्मासरीर पओगबंधे ।

८५ असुभणामकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! कायअणुज्जुयाए, भावअणुज्जयाए, भासअणुज्जुयाए, विसंवायणा-जोगेणं असुभणाम-कम्मासरीर- प्पओग-णामाए-कम्मस्स उदएणं असुभणाम कम्मासरीर- पओगबंधे ।

८६ उच्चागोयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! जाइअमएणं, कुलअमएणं, बलअमएणं, रूवअमएणं, तवअमएणं, सुयअमएणं, लाभअमएणं, इस्सरियअमएणं, उच्चागोयकम्मासरीर-पओग-णामाए कम्मस्स उदएणं उच्चागोय-कम्मसरीर-पओगबंधे ।

८७ णीयागोयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! जाइमएणं, कुलमएणं, बलमएणं जाव इस्सरियमएणं, णीयागोय-कम्मासरीर- पओग णामाए कम्मस्स उदएणं णीयागोय- कम्मासरीर-प्पओगबंधे ।

८८ अंतराइयकम्मासरीर, पुच्छा ?

गोयमा ! दाणंतराएणं, लाभंतराएणं, भोगंतराएणं, उवभोगंतराएणं वीरियंतराएणं अंतराइयकम्मा- सरीर- पओगणामाए कम्मस्स उदएणं अंतराइय-कम्मा-सरीर- पओगबंधे।

८९ णाणावरणिज्ज-कम्मा-सरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे, सव्वबंधे? गोयमा ! देसबंधे, णो सव्वबंधे एवं जाव अंतराइयं ।

९० णाणावरणिज्ज-कम्मासरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- अणाईए अपज्जवसिए एवं जहा तेयगस्स संचिट्ठणा तहेव, एवं जाव अंतराइयस्स ।

९१ णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओग बंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?

गोयमा ! अणाईयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं । एवं जहा तेयगसरीरस्स अंतरं तहेव। एवं जाव अंतराइयस्स ।

९२ एएसि णं भंते ! जीवाणं णाणवरणिज्जस्स कम्मस्स देसबंधगाणं, अबंधगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! अप्पाबहुगं जहा तेयगस्स । एवं आउयवज्जं जाव अंतराइयस्स।

९३ आउयस्स पुच्छा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा आउयस्स कम्मस्स देसबंधगा, अबंधगा संखेज्जगुणा।

९४ जस्स णं भंते! ओरालियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! वेउव्विय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए? गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । आहारगसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । तेयासरीरस्स किं बंधए, अबंधए ? गोयमा ! बंधए, णो अबंधए ।

९५ जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए, णो सव्वबंधए ।

९६ कम्मासरीरस्स किं बंधए, अबंधए ? गोयमा ! जहेव तेयगस्स जाव देसबंधए णो सव्वबंधए।

९७ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स देसबंधे, से णं भंते ! वेउव्विय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए?

गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेण वि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स ।

१८ जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालिय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए?

गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । आहारगसरीरस्स एवं चेव, तेयगस्स कम्मगस्स य जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं जाव देसबंधए, णो सव्वबंधए ।

१९ जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालिय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए? गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेण वि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स ।

१०० जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालिय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए?

गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । एवं वेउव्वियस्स वि, तेयाकम्माणं जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं।

१०१ जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालिय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए? गोयमा ! णो बंधए, अबंधए । एवं जहा आहारगस्स सव्वबंधेणं भणियं तहा देसबंधेण वि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स ।

१०२ जस्स णं भंते ! तेयासरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए, अबंधए ? गोयमा ! बंधए वा, अबंधए वा । जइ बंधए किं देसबंधए, सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए वा, सव्वबंधए वा। वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए, अबंधए ? गोयमा ! एवं चेव। एवं आहारगसरीरस्स वि । कम्मगसरीरस्स किं बंधए, अबंधए ? गोयमा ! बंधए, णो अबंधए । जइ बंधए किं देसबंधए, सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए, णो सव्वबंधए ।

१०३ जस्स णं भंते ! कम्मगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालिय सरीरस्स किं बंधए, अबंधए? गोयमा ! बंधए वा अबंधए वा । एवं जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणिया तहा कम्मगस्स वि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स देसबंधए, णो सव्वबंधए ।

१०४ एएसि णं भंते ! सव्वजीवाणं ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेया- कम्मासरीरगाणं देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा?

गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा, तस्स चेव देसबंधगा संखेज्जगुणा। वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा असंखेज्जगुणा, तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा। तेया-कम्मगाणं अबंधगा अणंतगुणा दोण्ह वि तुल्ला। ओरालिय-सरीरस्स सव्वबंधगा अणंतगुणा, तस्स चेव अबंधगा विसेसाहिया, तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा। तेया-कम्मगाणं

देसबंधगा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया, आहारगसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

- १ रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी- अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति, जाव एवं परूवेत्ति- एवं खलु सीलं सेयं, सुयं सेयं, सुयं सीलं सेयं; से कहमेयं भंते ! एवं ?
गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव सील सेयं; जे ते एवं आहंसु, मिच्छा ते एवं आहंसु, अहं पुण गोयमा! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तं जहा- सीलसंपण्णे णामं एगे णो सुयसंपण्णे, सुयसंपण्णे णामं एगे णो सीलसंपण्णे, एगे सीलसंपण्णे वि सुयसंपण्णे वि, एगे णो सीलसंपण्णे णो सुयसंपण्णे ।
तत्थ णं जे से पढमे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं असुयवं; उवरए, अविण्णायधम्मए, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते ।
तत्थ णं जे से दोच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं सुयवं, अणुवरए, विण्णायधम्मए, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते ।
तत्थ णं जे से तच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं सुयवं; उवरए विण्णायधम्मए, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वाराहए पण्णत्ते ।
तत्थं णं जे से चउत्थे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं असुयवं, अणुवरए अविण्णायधम्मए; एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वविराहए पण्णत्ते ।
- २ कइविहा णं भंते ! आराहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तं जहा- णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा ।
- ३ णाणाराहणा णं भंते! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- उक्कोसिया, मज्झिमा, जहण्णा ।
- ४ दंसणाराहणा णं भंते! कहविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव तिविहा वि, एवं चरित्ताराहणा वि।
- ५ जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा, जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा ?
गोयमा ! जस्स उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स दंसणाराहणा उक्कोसा वा अजहण्णुक्कोसा वा; जस्स पुण उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स णाणाराहणा उक्कोसा वा, जहण्णा वा, अजहण्णमणुक्कोसा वा ।
- ६ जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा, जस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा ?

गोयमा ! जहा उक्कोसिया णाणाराहणा य दंसणाराहणा य भणिया तहा उक्कोसिया णाणाराहणा य चरित्ताराहणा य भाणियच्चा ।

७ जस्स णं भंते ! उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा, जस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा?

गोयमा! जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स चरित्ताराहणा उक्कोसा वा, जहण्णा वा, अजहण्णमणुक्कोसा वा, जस्स पुण उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स दंसणाराहणा णियमा उक्कोसा ।

८ उक्कोसियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव सच्च दुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सच्च दुक्खाणं अंतं करेइ; अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ; अत्थेगइए कप्पोवएसु वा कप्पाईएसु वा उववज्जइ ।

९ उक्कोसियं णं भंते! दंसणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! जहेव णाणाराहणा तहेव दंसणाराहणा जाव कप्पाईएसु वा उववज्जइ ।

१० उक्कोसियं णं भंते ! चरित्ताराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! एवं चेव, णवरं अत्थेगइए कप्पाईएसु उववज्जइ ।

११ मज्झिमियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ, जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ, तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ ।

१२ मज्झिमियं णं भंते ! दंसणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! जहेव मज्झिमिया णाणाराहणा तहेव मज्झिमिया दंसणाराहणा वि। एवं मज्झिमियं चरित्ताराहणं पि ।

१३ जहण्णियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्जइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ ?

गोयमा ! अत्थेगइए तच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ; सत्तइ भवग्गहणाइं पुण णाइक्कमइ । एवं दंसणाराहणं पि, एवं चरित्ताराहणं पि ।

१४ कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते, तं जहा- वण्णपरिणामे गंधपरिणामे, रसपरिणामे, फासपरिणामे, संठाणपरिणामे ।

१५ वण्णपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- कालवण्णपरिणामे जाव सुक्किल्ल वण्ण परिणामे । एवं एएणं अभिलावेणं गंधपरिणामे दुविहे, रसपरिणामे पंचविहे, फासपरिणामे अट्ठविहे ।

१६ संठाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आययसंठाणपरिणामे ।

१७ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे किं दव्वं, दव्वदेसे, दव्वाइं, दव्वदेसा; उदाहु दव्वं च दव्वदेसे य, उदाहु दव्वं च दव्वदेसा य, उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसे य, उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसा य ? गोयमा ! सिय दव्वं, सिय दव्वदेसे; णो दव्वाइं, णो दव्वदेसा, णो दव्वं च दव्वदेसे य, णो दव्वं च दव्वदेसा य, णो दव्वाइं च दव्वदेसे य, णो दव्वाइं च दव्वदेसा य ।

१८ दो भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं, दव्वदेसे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय दव्वं, सिय दव्वदेसे, सिय दव्वाइं, सिय दव्वदेसा; सिय दव्वं च दव्वदेसे य, णो दव्वं च दव्वदेसा य; सेसा पडिसेहेयव्वा ।

१९ तिण्णि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं, दव्वदेसे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय दव्वं, सिय दव्वदेसे, एवं सत्त भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसे य, णो दव्वाइं च दव्वदेसा य ।

२० चत्तारि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं, पुच्छा ? गोयमा ! सिय दव्वं, सिय दव्वदेसे; अट्ठ वि भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य; जहा चत्तारि पएसा भणिया तहा पंच, छ, सत्त जाव असंखेज्जा ।

२१ अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं, पुच्छा ? गोयमा । एवं चेव अट्ठ भंगा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ।

२२ केवइया णं भंते! लोगागासपएसा पण्णत्ता ? गोयमा! असंखेज्जा लोगागास- पएसा पण्णत्ता?

२३ एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स केवइया जीवपएसा पण्णत्ता ? गोयमा ! जावइया लोगागासपएसा, एगमेगस्स णं जीवस्स एवइया जीवपएसा पण्णत्ता ।

२४ कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणवरणिज्जं जाव अंतराइयं ।

२५ णेरइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ ! एवं सव्वजीवाणं अट्ठ कम्मपगडीओ ठावेयव्वाओ जाव वेमाणियाणं ।

- २६ णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेदा पण्णत्ता? गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेदा पण्णत्ता ।
- २७ णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइया अविभाग पलिच्छेदा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेदा पण्णत्ता । एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं अणंता अविभागपलिच्छेदा पण्णत्ता । एवं जहा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स अविभागपलिच्छेदा भणिया तहा अट्ठण्ह वि कम्मपगडीणं भाणियच्चा जाव वेमाणियाणं अंतराइयस्स ।
- २८ एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेदेहिं आवेढिय परिवेढिए ? गोयमा ! सिय आवेढिय परिवेढिए, सिय णो आवेढिय परिवेढिए; जइ आवेढिय परिवेढिए णियमा अणंतेहिं ।
- २९ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेदेहिं आवेढिय परिवेढिए ? गोयमा ! णियमं अणंतेहिं । एवं जहा णेरइयस्स तहेव जाव वेमाणियस्स; णवरं मणुस्सस्स जहा जीवस्स ।
- ३० एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभाग पलिच्छेदेहिं आवेढिय परिवेढिए ? गोयमा ! एवं जहेव णाणावरणिज्जस्स तहेव दंडगो भाणियच्चो जाव वेमाणियस्स । एवं जाव अंतराइयस्स भाणियच्चं; णवरं वेयणिज्जस्स, आउयस्स, णामस्स, गोयस्स; एएसिं चउण्ह वि कम्माणं मणुस्सस्स जहा णेरइयस्स तहा भाणियच्चं, सेसं तं चेव ।
- ३१ जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं; जस्स दंसणावरणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्स णं णाणावरणिज्जं तस्स दंसणावरणिज्जं णियमं अत्थि, जस्स णं दरिसणावरणिज्जं तस्स वि णाणावरणिज्जं णियमं अत्थि ।
- ३२ जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं, जस्स वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्स णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं णियमं अत्थि, जस्स पुण वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि ।
- ३३ जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं, जस्स मोहणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्स णाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि; जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं णियमं अत्थि ।
- ३४ जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स आउयं, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा वेयणिज्जेण समं भणियं तथा आउएण वि समं भाणियव्वं, एवं णामेण वि गोएण वि समं । अंतराइएण समं जहा दरिसणावरणिज्जेण समं भणियं तहेव परोप्परं भाणियव्वाणि ।

३५ जस्स णं भंते ! दरिसणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं, जस्स वेयणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं?

गोयमा ! जहा णाणावरणिज्जं उवरिमेहिं सत्तहिं कम्महेहिं समं भणियं तथा दरिसणावरणिज्जं पि उवरिमेहिं छहिं कम्महेहिं समं भाणियव्वं जाव अंतराइएणं ।

३६ जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं; जस्स मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं ? गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं णियमं अत्थि ।

३७ जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स आउयं; जस्स आउयं तस्स वेयणिज्जं ? गोयमा! दो वि परोप्परं णियमं । जहा आउएण समं एवं णामेण वि गोएण वि समं भाणियव्वं।

३८ जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं, पुच्छा ? गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि, सिय णत्थि; जस्स अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं णियमं अत्थि ।

३९ जस्सं णं भंते ! मोहणिज्जं तस्स आउयं ? जस्स णं भंते ! आउयं तस्स मोहणिज्जं ? गोयमा ! जस्स मोहणिज्जं तस्स आउयं णियमं अत्थि, जस्स पुण आउयं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि, सिय णत्थि; एवं णामं, गोयं, अंतराइयं च भाणियव्वं ।

४० जस्स णं भंते ! आउयं तस्स णामं, पुच्छा ? गोयमा ! दो वि परोप्परं णियमं, एवं गोत्तेण वि समं भाणियव्वं ।

४१ जस्स णं भंते ! आउयं तस्स अंतराइयं, पुच्छा ? गोयमा ! जस्स आउयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि, सिय णत्थि; जस्स पुण अंतराइयं तस्स आउयं णियमं अत्थि।

४२ जस्स णं भंते ! णामं तस्स गोयं, जस्स णं गोयं तस्स णं णामं ? गोयमा ! दो वि एए परोप्परं णियमा अत्थि ।

४३ जस्स णं भंते ! णामं तस्स अंतराइयं, पुच्छा ? गोयमा ! जस्स णामं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि, सिय णत्थि; जस्स पुण अंतराइयं तस्स णामं णियमं अत्थि ।

४४ जस्स णं भंते ! गोयं तस्स अंतराइयं, पुच्छा ?

गोयमा ! जस्स णं गोयं, तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय णत्थि; जस्स पुण अंतराइयं, तस्स गोयं णियमं अत्थि।

४५ जीवे णं भंते ! किं पोग्गली, पोग्गले ? गोयमा ! जीवे पोग्गली वि, पोग्गले वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जीवे पोग्गली वि, पोग्गले वि ?

गोयमा ! से जहाणामए- छत्तेणं छत्ती, दंडेणं दंडी, घडेणं घडी, पडेणं पडी, करेणं करी; एवामेव गोयमा ! जीवे वि सोइंदियचक्खिंदिय- घाणिंदिय- जिब्भिंदिय- फासिंदियाइं पडुच्च पोग्गली, जीवं पडुच्च पोग्गले; से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- जीवे पोग्गली वि, पोग्गले वि।

४६ णेरइए णं भंते ! किं पोग्गली, पोग्गले ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणिए, णवरं जस्स जइ इंदियाइं तस्स तइ वि भाणियच्चाइं ।

४७ सिद्धे णं भंते ! किं पोग्गली, पोग्गले ? गोयमा ! णो पोग्गली, पोग्गले ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सिद्धे णो पोग्गली पोग्गले ? गोयमा ! जीवं पडुच्च । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-सिद्धे णो पोग्गली, पोग्गले ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ अट्ठमं सतं समत्तं ॥

णवमं सतं

पढमो उद्देशो

१ जंबुद्धीवे जोइस, अंतरदीवा असोच्च गांगेय ।

कुंडग्गामे पुरिसे, णवमम्मि सयम्मि चोत्तीसा ॥

२ तेणं कालेणं तेणं समएणं मिहिला णामं णयरी होत्था, वण्णओ । माणिभद्दे चेइए, वण्णओ । सामी समोसढे, परिसा णिग्गया जाव भगवं गोयमे पज्जुवासमाणे एवं वयासी- कहि णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे, किं संठिए णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे ? एवं जंबुद्धीवपण्णत्ती भाणियच्चा जाव एवामेव सपुच्चावरेणं जंबुद्धीवे दीवे चोद्धस सलिला सयसहस्सा छप्पण्णं च सहस्सा भवंतीति मक्खाया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- जंबुद्धीवे णं भंते! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्संति वा ? एवं जहा जीवाभिगमे जाव-

एगं च सयसहस्सं, तेत्तीसं खलु भवे सहस्साइं, णव य सया पण्णासा, तारागणकोडाकोडीणं; सोभं सोभिंसु, सोभिंति, सोभिस्संति ।

२ लवणे णं भंते ! समुद्धे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा ? एवं जहा जीवाभिगमे जाव ताराओ । धायइसंडे, कालोदे, पुक्खरवरे, अब्भिंतरपुक्खरद्धे, मणुस्सखेत्ते; एएसु सव्वेसु जहा जीवाभिगमे जाव एगससी-परिवारो तारागण- कोडिकोडीणं।

३ पुक्खरोदे णं भंते ! समुद्धे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा ? एवं सव्वेसु दीवसमुद्धेसु जोइसियाणं भाणियव्वं जाव सयंभूरमणे, जाव सोभिंसु वा, सोभिंति वा, सोभिस्संति वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

३-३० उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं एगोरुय-मणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्धं उत्तरपुरत्थिमेणं तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते । तिण्णि जोयणसयाइं आयाम-विक्खंभेणं, णवएगूणवण्णे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते। से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, दोण्ह वि पमाणं वण्णओ । एवं एएणं कमेणं जहा जीवाभिगमे जाव सुद्धदंतदीवे जाव देवलोगपरिग्गहा णं ते मणुया पण्णत्ता समणा- उसो। एवं अट्ठावीसं पि अंतरदीवा सएणं- सएणं आयामविक्खंभेणं भाणियव्वा, णवरं दीवे दीवे उद्देसओ, एवं सव्वे वि अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ ३-३० उद्देसो समत्ता ॥

एगतीसइमो उद्देशो

असोच्चा केवली

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा, केवलि- सावगस्स वा, केवलि- सावियाए वा, केवलि-उवासगस्स वा, केवलि-उवासियाए वा, तप्पक्खियस्स वा, तप्पक्खिय- सावगस्स वा, तप्पक्खिय-सावियाए वा, तप्पक्खिय-उवासगस्स वा, तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्जा सवणयाए ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव णो लभेज्जा सवणयाए ?

गोयमा ! जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए; जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्ज सवणयाए । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तं चेव जाव णो लभेज्ज सवणयाए ।

२ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बोहिं बुज्झेज्जा ?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चाणं जाव णो बुज्झेज्जा ?

गोयमा ! जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बोहिं बुज्झेज्जा; जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव णो बुज्झेज्जा ।

३ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा ?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा; अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं णो पव्वएज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव णो पव्वएज्जा ?

गोयमा ! जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय उवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा; जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं णो पव्वएज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव णो पव्वएज्जा ।

४ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा ?

गोयमा ! जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा; जस्स णं

चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-असोच्चा णं जाव केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा ।

५ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय उवासियाए वा अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा; अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं णो संज- मेज्जा ।

से केणढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव केवलेणं संजमेणं णो संजमेज्जा ?

गोयमा ! जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा; जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संजमेणं णो संजमेज्जा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-असोच्चा णं जाव अत्थेगइए णो संजमेज्जा ।

६ असोच्या णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा ?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संवरेणं णो संवरेज्जा ।

से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव केवलेणं संवरेणं णो संवरेज्जा ।

गोयमा ! जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा; जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं णो संवरेज्जा, से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-असोच्चा णं जाव केवलेणं संवरेणं णो संवरेज्जा ।

७ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा ?

गोयमा ! असोच्या णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं
आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियणाणं णो उप्पाडेज्जा ।

से केणट्टेणं भंते ! एवं वृच्चइ- असोच्या णं जाव केवलं आभिणिबोहियणाणं णो उप्पाडेज्जा ?

गोयमा ! जस्स णं आभिणिबोहिय-णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं आभिणिबोहिय-णाणं उप्पाडेज्जा; जस्स णं आभिणिबोहिय-णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय- उवासियाए वा केवलं आभिणिबोहियणाणं णो

उप्पाडेज्जा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव केवलं आभिणिबोहियणाणं णो उप्पाडेज्जा ।

८

असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलं सुयणाणं उप्पाडेज्जा? गोयमा ! जहा आभिणिबोहियणाणस्स वत्तव्वया भणिया, तहा सुयणाणस्स वि भाणियव्वा; णवरं सुयणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे । एवं चेव केवलं ओहिणाणं भाणियव्वं, णवरं ओहिणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे । एवं केवलं मणपज्जवणाणं भाणियव्वं, णवरं मणपज्जव-णाणावर- णिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे ।

९

असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! एवं चेव; णवरं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ, से णं केवलणाणं उप्पाडेज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं जाव केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा।

१०

असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा जाव केवलं मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा, केवलणाणं उप्पाडेज्जा ?

गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्जा सवणयाए; अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा; अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, अत्थेगइए जाव णो पव्वएज्जा; अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा; अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं णो संजमेज्जा; एवं संवरेणं वि; अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए णो उप्पाडेज्जा; एवं जाव मणपज्जवणाणं, अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं तं चेव जाव अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा?

गोयमा ! जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ, एवं चरित्तावरणिज्जाणं, जयणावरणिज्जाणं, अज्झवसाणावरणिज्जाणं, आभिणिबोहियणाणावरणिज्जाणं जाव मणपज्जव-णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ; जस्स णं केवल- णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए णो कडे भवइ; से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्जा सवणयाए, केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा, जाव केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा। जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, जस्स णं दरिसणावर-णिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, जस्स

णं धम्मंतराइयाणं, एवं जाव जस्स णं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ।

११ तस्स णं भंते ! छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराम्भिमहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स पगइभदयाए, पगइउव- संतयाए, पगइपयणुकोह-माण-माया-लोभयाए, मिउ-मद्व-संपण्णयाए, अल्ली-णयाए, भदयाए, विणीययाए, अण्णया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं, सुभेणं परिणामेणं, लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं- विसुज्झमाणीहिं; तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं; ईहा-अपोह- मग्गणगवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे णामं अण्णाणे समुप्पज्जइ, से णं तेण विब्भंगणाणेणं समुप्पण्णेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं जाणइ पासइ । से णं तेण विब्भंगणाणेणं समुप्पण्णेणं जीवे वि जाणइ, अजीवे वि जाणइ, पासंडत्थे, सारंभे, सपरिग्गहे, संकिलिस्समाणे वि जाणइ, विसुज्झमाणे वि जाणइ, से णं पुव्वामेव सम्मत्तं पडिवज्जइ, सम्मत्तं पडिवज्जित्ता समणधम्मं रोएइ, समणधम्मं रोएत्ता चरित्तं पडिवज्जइ, चरित्तं पडिवज्जित्ता लिंगं पडिवज्जइ, तस्स णं तेहिं मिच्छत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं- परिहायमाणेहिं सम्मदंसणपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं- परिवड्ढमाणेहिं से विब्भंगे अण्णाणे सम्मत्तपरिग्गहिए खिप्पामेव ओहीत्ति परावत्तइ ।

१२ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तं जहा-तेउलेस्साए, पम्हलेस्साए, सुक्कलेस्साए ।

१३ से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु आभिणिबोहियणाण- सुयणाण-ओहिणाणेसु होज्जा ।

१४ से णं भंते ! किं सजोगी होज्जा, अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी होज्जा, णो अजोगी होज्जा ।

१५ जइ सयोगी होज्जा, किं मणजोगी होज्जा, वइजोगी होज्जा, कायजोगी होज्जा ? गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा, वइजोगी वा होज्जा, कायजोगी वा होज्जा ।

१६ से णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा, अणागारोवउत्ते वा होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा, अणागारोवउत्ते वा होज्जा ।

१७ से णं भंते ! कयरम्मि संघयणे होज्जा ? गोयमा ! वइरोसहणारायसंघयणे होज्जा ।

१८ से णं भंते ! कयरम्मि संठाणे होज्जा ? गोयमा ! छण्हं संठाणाणं अण्णयरे संठाणे होज्जा ।

१९ से णं भंते! कयरम्मि उच्चत्ते होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्त रयणीए, उक्कोसेणं पंच धणुसइए होज्जा ।

२० से णं भंते! कयरम्मि आउए होज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं साइरेगद्ववासाउए, उक्कोसेणं पुव्वकोडी आउए होज्जा ।

- २१] से णं भंते ! किं सवेयए होज्जा, अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा, णो अवेयए होज्जा ।
- २२] जइ सवेयए होज्जा, किं इत्थिवेयए होज्जा, पुरिसवेयए होज्जा, पुरिस- णपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयए होज्जा; पुरिसवेयए वा होज्जा, पुरिस-णपुंसगवेयए वा होज्जा ।
- २३] से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा, अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा, णो अकसाई होज्जा ।
- २४] जइ सकसाई होज्जा, से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु संजलण-कोह-माण-माया-लोभेसु होज्जा ।
- २५] तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा पण्णत्ता ।
- २६] ते णं भंते ! किं पसत्था, अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था, णो अप्पसत्था ।
- २७] से णं भंते ! तेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं वड्ढमाणेहिं अणंतेहिं णेरइयभवग्ग- हणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ, अणंतेहिं तिरिक्खजोणिय भवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ, अणंतेहिं मणुस्सभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ, अणंतेहिं देवभव-ग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ; जाओ वि य से इमाओ णेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्सदेवगइ-णामाओ चत्तारि उत्तरपयडीओ, तासिं च णं उवग्गहिं अणंताणुबंधी कोह-माण-माया-लोभे खवेइ, खवेत्ता अपच्चक्खाणकसाए कोह-माण-माया-लोभे खवेइ, खवेत्ता पच्चक्खाणावरण कोह-माण-माया-लोभे खवेइ, खवेत्ता संजलण-कोह-माण-माया-लोभे खवेइ, खवेत्ता पंचविहं णाणावरणिज्जं, णवविहं दरिसणावरणिज्जं, पंचविहं अंतराइयं, तालमत्थयकडं च णं मोहणिज्जं कट्ठु, कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाण-दंसणे समुप्पण्णे ।
- २८] से णं भंते ! केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे, णण्णत्थ एगणाएण वा एगवागरणेण वा ।
- २९] से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे, उवएसं पुण करेज्जा ।
- ३०] से णं भंते ! सिज्झइ जाव अंतं करेइ? हंता गोयमा ! सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ।
- ३१] से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा, अहे होज्जा, तिरियं होज्जा ? गोयमा ! उड्ढं वा होज्जा, अहे वा होज्जा, तिरियं वा होज्जा; उड्ढं होज्जमाणे सद्दावाई- वियडावाई-गंधावाई-मालवंतपरियाएसु वट्ठवेयइडपव्वएसु होज्जा; साहरणं पडुच्च सोमणसवणे वा पंडगवणे वा होज्जा; अहे होज्जमाणे गड्डाए वा, दरीए वा होज्जा; साहरणं पडुच्च पायाले वा, भवणे वा होज्जा; तिरियं होज्जमाणे पण्णरससु कम्मभूमीसु होज्जा; साहरणं पडुच्च अड्ढाइज्जदीव- समुद्ध-तदेक्कदेसभाए होज्जा ।

- ३२ ते णं भंते ! एगसमए णं केवइया होज्जा ?
गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं दस ।
से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, अत्थेगइए असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्जा सवणयाए जाव अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा ।
- ३३ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ?
गोयमा ! सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा अत्थे- गइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए; अत्थेगइए णो लभेज्जा सवणयाए । एवं जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया, सा चेव सोच्चाए वि णिरवसेसं भाणियव्वा, णवरं अभिलावो 'सोच्चे' त्ति । जाव जस्स णं मणपज्जव- णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ, जस्स णं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ, से णं सोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ।
- ३४ तस्स णं अद्वमं-अद्वमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्ममेणं अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभदयाए, तहेव जाव मग्गण-गवेसणं करेमाणस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ । से णं तेण ओहिणाणेणं समुप्पणेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खंडाइं जाणइ पासइ ।
- ३५ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेसासु होज्जा, तं जहा- कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए ।
- ३६ से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ?
गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा; तिसु होज्जमाणे आभिणि-बोहियणाण-सुयणाण-ओहिणाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे आभिणि-बोहियणाण-सुयणाण-ओहिणाण-मणपज्जवणाणेसु होज्जा ।
- ३७ से णं भंते ! किं सजोगी होज्जा, अजोगी होज्जा ? एवं जोगो, उवओगो, संघयणं, संठाणं, उच्चत्तं, आउयं च एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि ।
- ३८ से णं भंते ! किं सवेदए, पुच्छा ? गोयमा ! सवेदए वा होज्जा, अवेदए वा होज्जा ।
- ३९ जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा, खीणवेदए होज्जा ? गोयमा ! णो उवसंतवेदए होज्जा, खीणवेदए होज्जा ।

- ४० जइ सवेदए होज्जा किं इत्थीवेदए होज्जा, पुरिसवेदए होज्जा, पुरिस- णपुंसगवेदए होज्जा ? गोयमा ! इत्थीवेदए वा होज्जा, पुरिसवेदए वा होज्जा, पुरिस णपुंसगवेदए वा होज्जा ।
- ४१ से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा, अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई वा होज्जा, अकसाई वा होज्जा ।
- ४२ जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा, खीणकसाई होज्जा ? गोयमा! णो उवसंतकसाई होज्जा, खीणकसाई होज्जा ।
- ४३ जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ?
गोयमा ! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एक्कम्मि वा होज्जा । चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोह-माण- माया-लोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु- संजलणमाण-माया-लोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु-संजलणमाया-लोभेसु होज्जा, एगम्मि होज्जमाणे एगम्मि संजलणलोभे होज्जा ।
- ४४ तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा; एवं जहा असोच्चाए तहेव जाव केवलवरणाण-दंसणे समुप्पज्जइ ।
- ४५ से णं भंते ! केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? हंता गोयमा ! आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा ।
- ४६ से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? हंता गोयमा ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ।
- ४७ तस्स णं भंते ! सिस्सा वि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्जा वा ? हंता गोयमा ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ।
- ४८ तस्स णं भंते ! पसिस्सा वि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? हंता गोयमा! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्जा वा ।
- ४९ से णं भंते ! सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ? हंता गोयमा! सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ।
- ५० तस्स णं भंते ! सिस्सा वि सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ? हंता गोयमा ! सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ।
- ५१ तस्स णं भंते ! पसिस्सा वि सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ? हंता गोयमा ! सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ।
- ५२ से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव असोच्चाए जाव अड्ढाइज्ज-दीव-समुद्ध तदेक्कदेसभाए होज्जा ।
- ५३ ते णं भंते ! एगसमए णं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं ।

से तेणढेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलि- उवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ एगतीसइमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ अट्ठमं सतं समत्तं ॥

बत्तीसइमो उद्देशो

गांगेय अणगार

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णामं णयरे होत्था, वण्णओ। दूइपलासए चेइए। सामी समोसढे। परिसा णिग्गया । धम्मो कहिओ । परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे गंगए णामं अणगारे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-
- २ संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं णेरइया उववज्जंति? गंगेया! संतरं पि णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं पि णेरइया उववज्जंति ।
- ३ संतरं भंते ! असुरकुमारा उववज्जंति, णिरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति ? गंगेया ! संतरं पि असुरकुमारा उववज्जंति, णिरंतरं पि असुरकुमारा उववज्जंति। एवं जाव थणियकुमारा ।
- ४ संतरं भंते ! पुढविकाइया उववज्जंति, णिरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति? गंगेया ! णो संतरं पुढविकाइया उववज्जंति, णिरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति । एवं जाव वणस्सइकाइया । बेइंदिया जाव वेमाणिया एए जहा णेरइया ।
- ५ संतरं भंते ! णेरइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं णेरइया उव्वट्ठंति ? गंगेया ! संतरं पि णेरइया उव्वट्ठंति; णिरंतरं पि णेरइया उव्वट्ठंति, एवं जाव थणियकुमारा ।
- ६ संतरं भंते ! पुढविकाइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं भंते ! पुढविकाइया उव्वट्ठंति। गंगेया ! णो संतरं पुढविकाइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं पुढविकाइया उव्वट्ठंति । एवं जाव वणस्सइकाइया णो संतरं, णिरंतरं उव्वट्ठंति ।
- ७ संतरं भंते ! बेइंदिया उव्वट्ठंति, णिरंतरं बेइंदिया उव्वट्ठंति ? गंगेया ! संतरं पि बेइंदिया उव्वट्ठंति, णिरंतरं पि बेइंदिया उव्वट्ठंति । एवं जाव वाणमंतरा।
- ८ संतरं भंते ! जोइसिया चयंति, णिरंतरं भंते ! जोइसिया चयंति ? गंगेया ! संतरं पि जोइसिया चयंति, णिरंतरं पि जोइसिया चयंति । एवं जाव वेमाणिया ।
- ९ कइविहे णं भंते ! पवेसणए पण्णत्ते ।

गंगेया ! चउत्विहे पवेसणए पण्णत्ते, तं जहा- णेरइय-पवेसणए, तिरिक्ख- जोणिय-पवेसणए, मणुस्स- पवेसणए, देव-पवेसणए ।

१० णेरइय-पवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गंगेया ! सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- रयणप्पभा-पुढवि-णेरइय-पवेसणए जाव अहेसत्तमा-पुढवि-णेरइय-पवेसणए ।

११ एगे णं भंते ! णेरइए णेरइय-पवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा, सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा, सक्करप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ।

१२ दो भंते ! णेरइया णेरइय-पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ।

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा । एवं एक्केक्का पुढवी छड्डेयव्वा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

१३ तिण्णि भंते ! णेरइया णेरइय-पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ।

अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा। अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा; जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा।

अहवा एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा; जाव अहवा दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

एवं जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया, तहा सव्वपुढवीणं भाणियव्वं जाव अहवा दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

१४ अहवा एगे रयणप्पभाए, एगे सक्करप्पभाए, एगे वालुयप्पभाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥५॥ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे

वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥

अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

१८ पंच भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ।

अहवा एगे रयणप्पभाए चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे रयणप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा ॥१॥ अहवा दो रयणप्पभाए तिण्णि सक्करप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए तिण्णि अहेसत्तमाए होज्जा ॥२॥ अहवा तिण्णि रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा; एवं जाव तिण्णिरयण- पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ॥३॥ अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥४॥

अहवा एगे सक्करप्पभाए चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा । एवं जहा रयणप्पभाए समं उवरिमपुढवीओ चारियाओ तहा सक्करप्पभाए वि समं चारेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा; एवं एक्केक्काए समं चारेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

१९ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए तिण्णि वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए तिण्णि अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए तिण्णि सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिण्णि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहेसत्तमाए ।

अहवा तिण्णि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा तिण्णि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए तिण्णि पंकप्पभाए होज्जा । एवं एएणं कमेणं जहा चउण्हं जीवाणं तियासंजोगो भणिओ तहा पंचण्ह वि तियासंजोगो भाणियव्वो; णवरं तत्थ एगे संचारिज्जइ इह दोण्णि, सेसं तं चेव जाव अहवा तिण्णि धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२० अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो पंकप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहेसत्तमाए । अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए

चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा; जाव अहवा दो रयणप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा तिण्णि रयणप्पभाए तिण्णि सक्करप्पभाए, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं जीवाणं दुयासंजोगो तहा छण्ह वि भाणियव्वो, णवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव अहवा पंच तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि पंकप्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए तिण्णि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं जीवाणं तियासंजोगो भणिओ तहा छण्ह वि भाणियव्वो, णवरं एक्को अहिओ उच्चारयेयव्वो, सेसं तं चेव ।

चउक्कसंजोगो वि तहेव, पंचसंजोगो वि तहेव, णवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव पच्छिमो भंगो- अहवा दो वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२५ सत्त भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए छ सक्करप्पभाए होज्जा । एवं एएणं कमेणं जहा छण्हं जीवाणं दुया- संजोगो तहा सत्तण्ह वि भाणियव्वं; णवरं एगो अब्भहिओ संचारिज्जइ, सेसं तं चेव । तियासंजोगो, चउक्कसंजोगो, पंच संजोगो, छक्कसंजोगो य जहा छण्हं जीवाणं तहा सत्तण्ह वि भाणियव्वं, णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव छक्कग-संजोगो। जाव-अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा।

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा।

२६ अट्ठ भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए सत्त सक्करप्पभाए होज्जा । एवं दुयासंजोगो जाव छक्कसंजोगो य जहा सत्तण्हं भणिओ तहा अट्ठण्ह वि भाणियव्वो, णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो । सेसं तं चेव जाव छक्कसंजोगस्स-अहवा तिण्णि सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा;

अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे तमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए जाव दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा । एवं संचारेयव्वं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा।

२७

णव भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए अट्ठ सक्करप्पभाए होज्जा । एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा अट्ठण्हं जीवाणं भणियं तहा णवण्हं पि भाणियव्वं; णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो, सेसं तं चेव । पच्छिमो आलावगो-अहवा तिणिण रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२८

दस भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए णव सक्करप्पभाए होज्जा । एवं दुयासंजोगो जाव सत्तसंजोगो य जहा णवण्हं जीवाणं; णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो, सेसं तं चेव । अपच्छिम आलावगो- अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ।

२९

संखेज्जा भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा दो रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा; एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा तिणिण रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा । एवं एणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा दस रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा । एवं जाव अहवा दस रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा; जाव अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ।

अहवा एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं जहा रयणप्पभा उवरिमपुढवीहिं समं चारिया तहा सक्करप्पभा वि उवरिमपुढवीहिं समं चारेयव्वा, एवं एक्केक्का पुढवी उवरिमपुढवीहिं समं चारेयव्वा; जाव अहवा संखेज्जा तमाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ।

३०

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए तिणिण सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; एवं एणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; ।

अहवा दो रयणप्पभाए, संखेज्जा सक्करप्पभाए, संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; *जाव* अहवा दो रयणप्पभाए, संखेज्जा सक्करप्पभाए, संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा तिण्णि रयणप्पभाए, संखेज्जा सक्करप्पभाए, संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; एवं एएणं कमेणं एक्केक्को रयणप्पभाए संचारेयव्वो; *जाव* अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा; *जाव* अहवा संखेज्जा रणयप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ।

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा; *जाव* अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए दो वालुयप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा; एवं एएणं कमेणं तियासंजोगो, चउक्कसंजोगो *जाव* सत्तगसंजोगो य जहा दसण्हं जीवाणं तहेव भाणियव्वो। पच्छिमो आलावगो सत्तसंजोगस्स-अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए, संखेज्जा सक्कर- प्पभाए *जाव* संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा।

३१

असंखेज्जा भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमणा किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा *जाव* अहेसत्तमाए वा होज्जा । अहवा एगे रयणप्पभाए, असंखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा; एवं दुयासंजोगो *जाव* सत्तगसंजोगो य जहा संखेज्जाणं जीवाणं भणिओ तहा असंखेज्जाण वि भाणियव्वो । णवरं 'असंखेज्जाओ' अब्भहिओ भाणियव्वो, सेसं तं चेव *जाव* सत्तगसंजोगस्स पच्छिमो आलावगो-अहवा असंखेज्जा रयणप्पभाए असंखेज्जा सक्करप्पभाए *जाव* असंखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ।

३२

उक्कोसेणं भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा, पुच्छा ?

गंगेया ! सव्वे वि ताव रयणप्पभाए होज्जा । अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य होज्जा; अहवा रयणप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा; *जाव* अहवा रयणप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा;

अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा; एवं *जाव* अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा । अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए पंकप्पभाए य होज्जा; *जाव* अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा । अहवा रयणप्पभाए पंकप्पभाए धूमप्पभाए होज्जा, एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा तिण्हं णेरइयाणं तियासंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं *जाव* अहवा रयणप्पभाए य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ।

अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य पंकप्पभाए य होज्जा; अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा; *जाव* अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा । अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए पंकप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा; एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा चउण्हं णेरइयाणं चउक्कगसंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं *जाव* अहवा रयणप्पभाए धूमप्पभाए तमाए अहेसत्तमाए य होज्जा ।

अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए पंकप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए *जाव* पंकप्पभाए तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए *जाव* पंकप्पभाए

अहेसत्तमाए य होज्जा। अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए धूमप्पभाए तमाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा पंचणहं णेरइयाणं पंचगसंजोगो भणिओ तहा भायिणव्वं; जाव अहवा रयणप्पभाए पंकप्पभाए जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ।

अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए जाव धूमप्पभाए तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए जाव धूमप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा । अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए जाव पंकप्पभाए, तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए, सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए, धूमप्पभाए, तमाए, अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए, सक्करप्पभाए, पंकप्पभाए जाव अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए जाव अहेसत्तमाए होज्जा
अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ।

३३ एयस्स णं भंते ! रयणप्पभा-पुढविणेरइय-प्पवेसणगस्स सक्करप्पभा- पुढविणेरइय-प्पवेसणगस्स जाव अहेसत्तमा-पुढविणेरइय-प्पवेसणगस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गंगेया ! सव्वत्थोवे अहेसत्तमा-पुढविणेरइय-पवेसणए, तमापुढवि- णेरइय-पवेसणए असंखेज्जगुणे; एवं पडिलोमगं जाव रयणप्पभा-पुढवि-णेरइय-पवेसणए असंखेज्जगुणे ।

३४ तिरिक्खजोणियपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गंगेया ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- एगिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणए जाव पचिंदिय-तिरिक्खजोणिय- पवेसणए ।

३५ एगे भंते ! तिरिक्खजोणिए तिरिक्खजोणिय-प्पवेसणएणं पविसमाणे किं एगिंदिएसु होज्जा जाव किं पंचिंदिएसु होज्जा ?

गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा ।

३६ दो भंते ! तिरिक्खजोणिया, पुच्छा ?

गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा । अहवा एगे एगिंदिएसु होज्जा एगे बेइंदिएसु होज्जा, एवं जहा णेरइयप्पवेसणए तहा तिरिक्खजोणियप्पवेसणए वि भाणियव्वे जाव असंखेज्जा ।

३७ उक्कोसा भंते ! तिरिक्खजोणिया, पुच्छा ?

गंगेया! सव्वे वि ताव एगिंदिएसु होज्जा । अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य होज्जा । एवं जहा णेरइया चारिया तहा तिरिक्खजोणिया वि चारेयव्वा । एगिंदिया अमुयंतेसु दुयासंजोगो, तियासंजोगो, चउक्कसंजोगो, पंचसंजोगो उवउंजिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु य, बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदिय पंचिंदिएसु य होज्जा ।

३८ एयस्स णं भंते ! एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स जाव पंचिंदिय-तिरिक्खजोणियपवेसणगस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गंगेया ! सव्वथोवे पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणए, चउरिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणए विसेसाहिए, एवं तेइंदिय विसेसाहिए, बेइंदिय विसेसा- हिए, एगिंदिय विसेसाहिए ।

३९ मणुस्सप्पवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गंगेया ! दुविहे पण्णत्ते तं जहा- संमुच्छिम - मणुस्सप्पवेसणए, गब्भवक्कंतिय-मणुस्सप्पवेसणए य ।

४० एगे भंते ! मणुस्से मणुस्सप्पवेसणएणं पविसमाणे किं संमुच्छिम-मणुस्सेसु होज्जा, गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ?

गंगेया ! संमुच्छिम-मणुस्सेसु वा होज्जा, गब्भवक्कंतिय-मणुस्सेसु वा होज्जा ।

४१ दो भंते ! मणुस्सा, पुच्छा ?

गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा, गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा। अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा; एवं एएणं कमेणं जहा णेरइयपवेसणए तहा मणुस्सपवेसणए वि भाणियव्वे जाव दस जीवे ।

४२ संखेज्जा भंते ! मणुस्सा, पुच्छा ?

गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा, गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा। अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंति-यमणुस्सेसु वा होज्जा; अहवा दो संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा; एवं एक्केक्कं उस्सारिते जाव अहवा संखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ।

४३ असंखेज्जा भंते ! मणुस्सा, पुच्छा ?

गंगेया ! सव्वे वि ताव संमुच्छिम-मणुस्सेसु होज्जा । अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु, एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा; अहवा असंखेज्जा संमुच्छिम-मणुस्सेसु दो गब्भवक्कंतिय- मणुस्सेसु होज्जा; एवं जाव असंखेज्जा संमुच्छिम-मणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतिय- मणुस्सेसु होज्जा ।

४४ उक्कोसा भंते ! मणुस्सा, पुच्छा ?

गंगेया ! सव्वे वि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा संमुच्छिम-मणुस्सेसु य गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु य होज्जा ।

४५ एयस्स णं भंते ! संमुच्छिम-मणुस्स-पवेसणगस्स गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पवेसणगस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गंगेया ! सव्वत्थोवे गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पवेसणए, संमुच्छिम-मणुस्स-पवेसणए असंखेज्जगुणे।

४६ देवपवेसणए णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गंगेया! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- भवणवासीदेवपवेसणए जाव वेमाणियदेवपवेसणए ।

४७ एगे भंते ! देवे देवपवेसणएणं पविसमाणे किं भवणवासीसु होज्जा, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु होज्जा ?

गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु वा होज्जा ।

४८ दो भंते ! देवा देवपवेसणएणं, पुच्छा ?

गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु वा होज्जा। अहवा एगे भवणवासीसु एगे वाणमंतरेसु होज्जा, एवं जहा तिरिक्ख- जोणियपवेसणए तहा देवपवेसणए वि भाणियव्वे जाव असंखेज्ज त्ति ।

४९ उक्कोसा भंते ! पुच्छा ?

गंगेया ! सव्वे वि ताव जोइसिएसु होज्जा, अहवा जोइसिय-भवणवासिसु य होज्जा, अहवा जोइसिय-वाणमंतरेसु य होज्जा, अहवा जोइसिय-वेमाणिएसु य होज्जा, अहवा जोइसिएसु य भवणवासिसु य वाणमंतरेसु य होज्जा, अहवा जोइसिएसु य भवणवासिसु य वेमाणिएसु य होज्जा, अहवा जोइसिएसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा, अहवा जोइसिएसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा ।

५० एयस्स णं भंते ! भवणवासिदेव-पवेसणगस्स, वाणमंतरदेव-पवेसणगस्स, जोइसियदेव-पवेसणगस्स, वेमाणियदेव-पवेसणगस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा?

गंगेया ! सव्वत्थोवे वेमाणियदेव-पवेसणए, भवणवासिदेव-पवेसणए असंखेज्ज गुणे, वाणमंतरदेव- पवेसणए असंखेज्जगुणे, जोइसियदेवपवेसणए संखेज्जगुणे ।

५१ एयस्स णं भंते ! णेरइयपवेसणगस्स तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देव- पवेसणगस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिए वा ?

गंगेया ! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए; णेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे, देवपवेसणए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणियपवेसणए असंखेज्जगुणे ।

५२ संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं णेरइया उववज्जंति; संतरं असुरकुमारा उववज्जंति, णिरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति; एवं जाव संतरं वेमाणिया उववज्जंति, णिरंतरं वेमाणिया उववज्जंति; संतरं णेरइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं णेरइया उव्वट्ठंति; जाव संतरं वाणमंतरा उव्वट्ठंति, णिरंतरं वाणमंतरा उव्वट्ठंति, संतरं जोइसिया चयंति, णिरंतरं जोइसिया चयंति; संतरं वेमाणिया चयंति, णिरंतरं वेमाणिया चयंति ?

गंगेया ! संतरंपि णेरइया उववज्जंति, णिरंतरंपि णेरइया उववज्जंति; जाव संतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति, णिरंतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति; णो संतरं पुढविक्काइया उववज्जंति, णिरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति, एवं जाव वणस्सइकाइया; सेसा जहा णेरइया जाव संतरं पि वेमाणिया उववज्जंति णिरंतरं पि वेमाणिया उववज्जंति; संतरं पि णेरइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं पि णेरइया उव्वट्ठंति; एवं जाव थणियकुमारा । णो संतरं पुढविक्काइया उव्वट्ठंति, णिरंतरं पुढविक्काइया उव्वट्ठंति; एवं जाव वणस्सइकाइया, सेसा जहा णेरइया, णवरं

जोइसिय-वेमाणिया चयंतीति अभिलावो जाव संतरं पि वेमाणिया चयंति, णिरंतरं पि वेमाणिया चयंति ।

५३

सओ भंते ! णेरइया उववज्जंति, असओ भंते ! णेरइया उववज्जंति ?

गंगेया ! सओ णेरइया उववज्जंति, णो असओ णेरइया उववज्जंति; एवं जाव वेमाणिया ।

५४

सओ भंते ! णेरइया उव्वट्ठंति, असओ णेरइया उव्वट्ठंति ?

गंगेया ! सओ णेरइया उव्वट्ठंति, णो असओ णेरइया उव्वट्ठंति; एवं जाव वेमाणिया, णवरं जोइसिय-वेमाणिएसु चयंति भाणियव्वं ।

५५

सओ भंते ! णेरइया उववज्जंति, असओ भंते ! णेरइया उववज्जंति; सओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति, असओ वेमाणिया उववज्जंति । सओ णेरइया उव्वट्ठंति, असओ णेरइया उव्वट्ठंति; सओ असुरकुमारा उव्वट्ठंति जाव सओ वेमाणिया चयंति, असओ वेमाणिया चयंति ?

गंगेया ! सओ णेरइया उववज्जंति, णो असओ णेरइया उववज्जंति; सओ असुरकुमारा उववज्जंति, णो असओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति, णो असओ वेमाणिया उववज्जंति, सओ णेरइया उव्वट्ठंति, णो असओ णेरइया उव्वट्ठंति; जाव सओ वेमाणिया चयंति, णो असओ वेमाणिया चयंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सओ णेरइया उववज्जंति, णो असओ णेरइया उववज्जंति; जाव सओ वेमाणिया चयंति, णो असओ वेमाणिया चयंति ।

से णूणं गंगेया ! पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं सासए लोए बुइए अणाईए अणवदग्गे, जहा पंचमसए जाव जे लोक्कइ से लोए, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ जाव सओ वेमाणिया चयंति, णो असओ वेमाणिया चयंति ।

५६

सयं भंते ! एवं जाणह, उदाहु असयं, असोच्चा एए एवं जाणह, उदाहु सोच्चा- सओ णेरइया उववज्जंति, णो असओ णेरइया उववज्जंति; जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति ?

गंगेया ! सयं एए एवं जाणामि, णो असयं; असोच्चा एए एवं जाणामि, णो सोच्चा- सओ णेरइया उववज्जंति, णो असओ णेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति, णो असओ वेमाणिया चयंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो असओ वेमाणिया चयंति ?

गंगेया ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियं पि जाणइ, अमियं पि जाणइ; एवं जहा सद्दुद्देसए जाव णिव्वुडे णाणे केवलिस्स; से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ-तं चेव जाव णो असओ वेमाणिया चयंति ।

५७

सयं भंते ! णेरइया णेरइएसु उववज्जंति, असयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति?

गंगेया ! सयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति, णो असयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ?

गंगेया ! कम्मोदएणं, कम्मगुरुयत्ताए, कम्मभारियत्ताए, कम्मगुरुसंभारियत्ताए; असुभाणं कम्माणं उदएणं, असुभाणं कम्माणं विवागेणं, असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति, णो असयं णेरइया णेरइएसु उवज्जंति; से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति ।

५८

सयं भंते ! असुरकुमारा, पुच्छा ?

गंगेया ! सयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति, णो असयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव उववज्जंति ?

गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मोवसमेणं, कम्मविगईए, कम्मविसोहीए, कम्मविसुद्धीए; सुभाणं कम्माणं उदएणं, सुभाणं कम्माणं विवागेणं, सुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए उववज्जंति; णो असयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए उववज्जंति; से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति । एवं जाव थणियकुमारा ।

५९

सयं भंते ! पुढविकाइया, पुच्छा ?

गंगेया ! सयं पुढविकाइया पुढविकाइयत्ताए उववज्जंति, णो असयं पुढविकाइया पुढविकाइयत्ताए उववज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ?

गंगेया ! कम्मोदएणं, कम्मगुरुयत्ताए, कम्मभारियत्ताए, कम्मगुरु- संभारियत्ताए सुभासुभाणं कम्माणं उदएणं, सुभासुभाणं कम्माणं विवागेणं, सुभासुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं पुढविकाइया पुढविकाइयत्ताए उववज्जंति, णो असयं पुढविकाइया पुढविकाइयत्ताए उववज्जंति । से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति । एवं जाव मणुस्सा । वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा । जाव से तेणट्ठेणं गंगेया! एवं वुच्चइ- सयं वेमाणिया वेमाणियत्ताए उववज्जंति, णो असयं ।

६०

तप्पभिइं च णं से गंगेये अणगारे समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वण्णुं सव्वदरिसिं । तएणं से गंगेये अणगारे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं, सपडिक्कमणं धम्मं पडिवज्जित्तए । एवं जहा कालासवेसियपुत्तो तहेव भाणियव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ बत्तीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

तेत्तीसइमो उद्देशो

उसभदत्त-देवाणंदा

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं माहणकुंडग्गामे णयरे होत्था, वण्णओ । बहुसालए चेइए, वण्णओ । तत्थ णं माहणकुंडग्गामे णयरे उसभदत्ते णामं माहणे परिवसइ । अइडे, दित्ते, वित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए, रिउव्वेद-जजुव्वेद- सामवेद-अथव्वणवेद जहा खंदओ जाव अण्णेसु य बहुसु बंभण्णएसु णएसु सुपरिणिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे, उवलद्धपुण्णपावे जाव अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्महिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तस्स णं उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदा णामं माहणी होत्था सुकुमालपाणिपाया जाव पियदंसणा, सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसडे जाव परिसा पज्जुवासइ ।
- २ तएणं से उसभदत्ते माहणे इमीसे कहाए उवलद्धे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए, जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता देवाणंदं माहणिं एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिए! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी, आगासगएणं चक्केणं जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे बहुसालए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ । तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णामगोयस्स वि सवणयाए, किमंग पुण अभिगमणवंदण- णमंसण-पडि- पुच्छण-पज्जुवासणयाए, एगस्स वि आरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवण- याए, किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए; तं गच्छामो णं देवाणुप्पिए ! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो; एयं णं इहभवे य, परभवे य हियाए सुहाए खमाए णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ । तएणं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ तुट्ठा जाव विसप्पमाण- हियया, करयल जाव कट्ठ उसभदत्तस्स माहणस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ ।
- ३ तएणं से उसभदत्ते माहणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्त-जोइय-समखुरवालिहाण-समलिहिय-सिंगेहिं, जंबूणयामयकलावजुत्त-परिविसिट्ठेहिं, रययामयघंटा-सुत्त-रज्जुय-पवर-कंचण-णत्थ-पग्गहोग्गहियएहिं, णीलुप्पल-कयामेलएहिं, पवर-गोण-जुवाणएहिं णाणामणि-रयण- घंटियाजाल-परिगयं, सुजाय-जुग- जोत्त-रज्जुय- जुगपसत्थ-सुविरचिय-णिमियं, पवर-लक्खणोववेयं धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह, उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।
- तएणं ते कोडुंबियपुरिसा उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव विसप्पमाणहियया, करयल जाव एवं सामी ! तहत्ताणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति पडिसुणेत्ता खिप्पामेव लहुकरणजुत्त जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेत्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ।

४ तएणं से उसभदत्ते माहणे ण्हाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे ।

तएणं सा देवाणंदा माहणी ण्हाया जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा, बहूहिं खुज्जाहिं, चिलाइयाहिं, णाणादेस-विदेसपरिपिंडियाहिं, सदेसणेवत्थ- गहियवेसाहिं, इंगिय-चित्तिय- पत्थिय- वियाणियाहिं, कुसलाहिं, विणीयाहिं, चेडियाचक्कवाल- वरिसधर- थैरकंचुइज्ज-महत्तरगवंद- परिक्खित्ता अंतेउराओ णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जाव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा ।

५ तएणं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे समाणे णियगपरियालसंपरिवुडे माहणकुंडग्गामणयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता छत्ताईए तित्थयराइसए पासइ, पासित्ता धम्मियं जाणप्पवरं ठवेइ, ठवित्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ; तं जहा- सच्चित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, एवं जहा बिइयसए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासइ ।

६ तएणं सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुज्जाहिं जाव महत्तरगवंदपरिक्खित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तं जहा- सच्चित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविमोयणयाए, विणयोणयाए गायलट्ठीए, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं, मणस्स एगत्तीभावकरणेणं; जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवा- गच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं- पयाहिणं करेइ, करित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता उसभदत्तं माहणं पुरओ कट्ठु द्विया चेव सपरिवारा सुस्सूसमाणी, णमंसमाणी, अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा जाव पज्जुवासइ ।

७ तएणं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्हाया पप्फुयलोयणा संवरियवल्लबाहा कंचुयपरिक्खित्तिया धाराहयकलंबगं पिव समूसवियरोमकूवा समणं भगवं महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी पेहमाणी चिट्ठइ ।

८ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- किं णं भंते ! एसा देवाणंदा माहणी आगयपण्हाया, तं चेव जाव रोमकूवा देवाणुप्पियं अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी पेहमाणी चिट्ठइ ?

गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा ! देवाणंदा माहणी ममं अम्मगा, अहं णं देवाणंदाए माहणीए अत्तए; तएणं सा देवाणंदा माहणी तेणं पुव्वपुत्तसिणेहरागेणं आगयपण्हाया जाव समूसवियरोमकूवा ममं अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी पेहमाणी चिट्ठइ ।

तएणं समणे भगवं महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदाए माहणीए तीसे य महइमहालियाए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया ।

९ तएणं से उसभदत्ते माहणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ-
तुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी-
एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह त्ति कट्ठु उत्तरपुरत्थिमं
दिसिभागं अवक्कमइ, अवक्कमित्ता सयमेव आभरण-मल्ला-लंकारं ओमुयइ, ओमुइत्ता
सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, करित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ,
उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ जाव णमंसित्ता एवं
वयासी-आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए,
जराए मरणेण य, एवं एणं कमेणं जहा खंदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइयाइं
एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव बहूहिं चउत्थछइ-ढम-दसम जाव विचित्तेहिं तवो- कम्महिं
अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए
अत्ताणं झूसेइ, झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे
जाव तमट्ठं आराहेइ, आराहेत्ता जाव सव्व दुक्ख-प्पहीणे ।

१० तएणं सा देवाणंदा माहणी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठा-
तुट्ठा समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिण-पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी- एवमेयं
भंते ! तहमेयं भंते ! एवं जहा उसभदत्तो तहेव जाव धम्मं आइक्खियं ।

तएणं समणे भगवं महावीरे देवाणंदं माहणिं सयमेव पव्वावेइ, सयमेव पव्वावित्ता सयमेव
अज्जचंदणाए अज्जाए सीसिणित्ताए दलयइ ।

तएणं सा अज्जचंदणा अज्जा देवाणंदामाहणिं सयमेव पव्वावेइ, सयमेव मुंडावेइ, सयमेव
सेहावेइ, एवं जहेव उसभदत्तो तहेव अज्जचंदणाए अज्जाए इमं एयारूवं धम्मियं च उवएसं
संमं संपडिवज्जइ, तमाणाए तहा गच्छइ जाव संजमेणं संजमइ । तएणं सा देवाणंदा अज्जा
अज्जचंदणाए अज्जाए अंतियं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, सेसं तं चेव जाव
सव्वदुक्खप्पहीणा ।

११ तस्स णं माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे णामं णयरे
होत्था, वण्णओ । तत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे णयरे जमाली णामं खत्तियकुमारे परिवसइ ।
अट्ठे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए; उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं
बतीसइबद्धेहिं णाडएहिं णाणाविहवरतरुणीसंपउत्तेहिं उवणच्चिज्जमाणे-उवणच्चिज्जमाणे,
उवगिज्जमाणे-उवगिज्जमाणे, उवत्तालिज्ज- माणे- उवत्तालिज्जमाणे, पाउस- वासारत्त-सरय-
हेमंत-वसंत- गिम्हपज्जंते छप्पि उऊ जहा- विभवेणं माणमाणे, कालं गालेमाणे, इट्ठे सद्ध-
फरिस-रस-रूव-गंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ।

१२ तएणं खत्तियकुंडग्गामे णयरे सिंघाडग तिक-चउक्क-चच्चर जाव बहुजणसद्धे इ वा, एवं जहा
उववाइए जाव एवं पण्णवेइ, एवं परूवेइ, एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे आइगरे
जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं
जाव विहरइ ।

तं महप्फलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णाम गोयस्स वि सवणयाए एवं जहा उववाइए जाव एगाभिमुहे खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए, तेणेव उवागच्छंति; एवं जहा उववाइए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासइ ।

१३ तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तं महया जणसद्वं वा जाव जणसण्णियायं वा सुणमाणस्स वा पासमाणस्स वा अयं एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- किं णं अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहे इ वा, खंदमहे इ वा, मुगुंदमहे इ वा, णागमहे इ वा, जक्खमहे इ वा, भूयमहे इ वा, कूवमहे इ वा, तडागमहे इ वा, णईमहे इ वा, दहमहे इ वा, पव्वयमहे इ वा, रुक्खमहे इ वा, चेइयमहे इ वा, थूभमहे इ वा जण्णं एए बहवे उग्गा, भोगा, राइण्णा, इक्खागा, णाया, कोरव्वा, खत्तिया, खत्तियपुत्ता, भडा, भडपुत्ता, एवं जहा उववाइए जाव सत्थवाह-प्पभिइओ जाव खत्तियकुंडग्गामे णयरे मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति; एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी- किं णं देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहे इ वा जाव णिग्गच्छंति ?

१४ तएणं से कंचुइज्जपुरिसे जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ-तुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जाव जमालिं खत्तियकुमारं जएणं विजएणं वद्धावेइ, वद्धावित्ता एवं वयासी- णो खलु देवा- णुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहे इ वा जाव णिग्गच्छंति; एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ । तएणं एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव णिग्गच्छंति।

१५ तएणं से जमाली खत्तियकुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतियं एयं अट्ठं सोच्चा, णिसम्म हट्ठ-तुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह, उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेण एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति ।

१६ तएणं से जमालिखत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, जेणेव चाउग्घटं आसरहे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता चाउग्घटं आसरहं दुरुहइ, दुरुहित्ता सकोरंटमल्ल-दामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं, महया-भड-चडकरपहकरवंद- परिक्खित्ते, खत्तियकुंड- ग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे, जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तुरए णिगिण्हेइ, णिगिणिहत्ता रहं ठवेइ, ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता पुप्फ-तंबोलाउहमाइयं उपाणहाओ य विसज्जेइ, विसज्जेत्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ, करित्ता आयंते, चोक्खे, परमसुइब्भूए, अंजलिमउलियहत्थे जेणेव समणे

भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ, करेत्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ ।
तएणं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स, तीसे य महइ- महालियाए जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया ।

१७

तएणं से जमालिखत्तियकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा, णिसम्म हइतुइ जाव हियए, उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी- सदहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, से जहेयं तुब्भे वयह, जं णवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि, तएणं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ।

१८

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हइ-तुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो जाव णमंसित्ता तमेव चाउग्घटं आसरहं दुरुहेइ, दुरुहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सकोरंट जाव धरिज्जमाणेणं महया भडचडगर- पहकरवंद-परिक्खित्ते, जेणेव खत्तियकुंडग्गामे णयरं तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झमज्झेणं, जेणेव सए गिहे, जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तुरए णिगिण्हइ, णिगिण्हित्ता रहं ठवेइ, ठवित्ता रहाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला, जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अम्मापियरो जएणं विजएणं वट्ठावेइ, वट्ठावित्ता एवं वयासी- एवं खलु अम्मयाओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं णिसंते, से वि य मे धम्मं इच्छिए, पडिच्छिए, अभिरुइए ।

१९

तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी- धण्णे सि णं तुमं जाया ! कयत्थे सि णं तुमं जाया ! कयपुण्णे सि णं तुमं जाया ! कयलक्खणे सि णं तुमं जाया ! जं णं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं णिसंते, से वि य धम्मं तव इच्छिए, पडिच्छिए, अभिरुइए ।

२०

तएणं से जमालिखत्तियकुमारे अम्मापियरो दोच्चं पि एवं वयासी- एवं खलु मए अम्मयाओ ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं णिसंते जाव अभि- रुइए । तएणं अहं अम्मयाओ ! संसारभउव्विग्गे, भीए जम्म-जरा-मरणेणं, तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ।

२१

तएणं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया तं अणिट्ठं, अकंतं, अप्पियं, अमणुण्णं, अमणामं असुयपुव्वं गिरं सोच्चा, णिसम्म, सेयागय-रोमकूव-पगलंत-विलीणगत्ता, सोगभर-पवेवियंगमंगी, णित्तेया, दीण-विमणवयणा, करयल- मलियव्व-कमलमाला, तक्खण-ओलुग्ग-दुब्बलसरीर-लावण्ण-सुण्ण-णिच्छाया, गयसिरीया, पसिदिलभूसण- पडंतखुण्णिय- संचुण्णिय-

धवल-वल्लय-पब्भट्ठ-उत्तरिज्जा, मुच्छा-वस-णट्ठ-चेयणरुई, सुकुमाल-विकिण्ण- केसहत्था, परसुणिवत्तव्व चंपगलया, णिव्वत्त- महेव्व इंदलट्ठी, विमुक्क-संधिबंधणा कोट्ठिम- तलंसि धसत्ति सव्वंगेहिं सण्णिवडिया ।

२२

तएणं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ससंभमोवत्तियाए परियारियाए तुरियं कंचण- भिंगारमुह - विणिग्गय - सीयल - वि मल - जलधार-परिसिंचमाण - णिव्वाविय-गायलट्ठी, उक्खेवय-तालियंट-वीयणग-जणियवाएणं, संफुसिएणं अंतेउरपरिजणेणं आसासिया समाणी, रोयमाणी, कंदमाणी, सोयमाणी, विलवमाणी जमालिं खत्तिय- कुमारं एवं वयासी- तुमं सि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे, कंते, पिए, मणुण्णे, मणामे, थेज्जे, वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे, रयणे रयणब्भूए जीविऊसविए, हिययणंदिजणणे, उंवरपुप्फमिव दुल्लहे सवणयाए, किमंग ! पुण पासणयाए; तं णो खलु जाया! अम्हे इच्छामो तुब्भं खणमवि विप्पओगं, तं अच्छाहि ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवये, वड्ढिय-कुलवंस-तंतुकज्जम्मि णिरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि ।

२३

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मा-पियरो एवं वयासी- तहा वि णं तं अम्मा-याओ ! जं णं तुब्भे मम एवं वयह- तुमं सि णं जाया ! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते तं चेव जाव पव्वइहिसि; एवं खलु अम्मायाओ ! माणुस्सए भवे अणेगजाइ-जरा-मरण-रोग-सारीरमाणस-पकामदुक्ख- वेयण-वसण-सओव-द्ववाभिभूए, अधुवे, अणिइए, असासए, संज्झब्भरागसरिसे, जलबुब्बुयसमाणे, कुसग्ग-जल-बिंदु-सण्णिभे, सुविणगदंसणोवमे, विज्जुलयाचंचले, अणिच्चे, सडण-पडण- विद्धंसण-धम्ममे, पुट्ठिं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वे भविस्सइ; से केस णं जाणइ अम्मयाओ ! के पुट्ठिं गमणयाए, के पच्छा गमणयाए ? तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे जाव पव्वइत्तए ।

२४

तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मा-पियरो एवं वयासी- इमं च ते जाया ! सरीरगं पविसिद्धरुवं लक्खण-वंजणगुणोववेयं, उत्तमबल-वीरिय-सत्तजुत्तं, विण्णाण-वियक्खणं, ससोहग्गगुणसमुस्सियं अभिजायमहक्खमं, विविह-वाहि-रोगरहियं णिरुवहय-उदत्त-लट्ठं, पंचिंदियपडु-पढमजोव्वणत्थं, अणेग- उत्तमगु-णेहिं संजुत्तं, तं अणुहोहि ताव जाया ! णियग-सरीररुव-सोहग्ग-जोव्वणगुणे, तओ पच्छा अणुभूय-णियग-सरीररुव-सोहग्ग-जोव्वणगुणे अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवये, वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जम्मि णिरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि ।

२५

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मा-पियरो एवं वयासी- तहा वि णं तं अम्मयाओ ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह-इमं च णं ते जाया ! सरीरगं तं चेव जाव पव्वइहिसि । एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सगं सरीरं दुक्खाययणं, विविहवाहि- सयसंणिकेयं, अट्ठियकट्ठुट्ठियं, छिरा-णहारु-जालओणद्धसंणिणद्धं, मट्ठियभंडं व दुब्बलं, असुइसंकिलिद्धं, अणिट्ठे वि य सव्वकालसंठप्पयं, जराकुणिम- जज्जरघरं व सडण- पडण-विद्धंसणधम्मं, पुट्ठिं वा पच्छा वा

अवस्सं विप्पजहियव्वं भविस्सइ; से केस णं जाणइ अम्मयाओ ! के पुव्विं, तं चेव जाव पव्वइत्तए ।

२६ तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मा-पियरो एवं वयासी- इमाओ य ते जाया! विपुलकुलबालियाओ, सरिसियाओ, सरित्तयाओ, सरिव्वयाओ, सरिस-लावण्ण-रूव-जोव्वणगुणोववेयाओ, सरिसएहिंतो कुलेहिंतो आणिएल्लियाओ कला-कुसल- सव्वकाललालिय-सुहोचियाओ, मद्दवगुणजुत्त-णिउण-विणओवयार- पंडिय- वियक्खणाओ, मंजुल-मिय-महुर-भणिय-विहसिय- विप्पेक्खिय-गइविलास- चिट्ठिय- विसारयाओ, अविकलकुल- सीलसालिणीओ, विसुद्धकुल-वंस-संताणतंतु-वद्धण- प्पगब्भवयभाविणीओ, मणाणुकूल-हियइच्छियाओ, अट्ठ तुज्झ गुणवल्लहाओ, उत्तमाओ, णिच्चं भावाणुरत्तसव्वंग-सुंदरीओ भारियाओ; तं भुंजाहि ताव जाया! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी, विसयविगय-वोच्छिण्णकोउहल्ले अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि ।

२७ तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी- तहा वि णं तं अम्मयाओ! जं णं तुब्भे मम एयं वयह-इमाओ ते जाया ! विपुलकुल जाव पव्वइहिसि; एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सगा कामभोगा असुई, असासया, वंतासवा, पित्तासवा, खेलासवा, सुक्कासवा, सोणियासवा, उच्चार - पासवण - खेल - सिंघाणग - वंतपित्त - पूय -सुक्क-सोणियसमुब्भवा, अमणुण्णदुरूव- मुत्त-पूइय- पुरिस पुण्णा, मयगंधुस्सास-असुभ-णिस्सास-उव्वेयणगा, बीभत्था, अप्पकालिया, लहुसगा, कल- मलाहिवासदुक्खबहुजणसाहारणा, परिकिलेस- किच्छदुक्खसज्झा, अबुह-जणणिसेविया, सया साहुगरहणिज्जा, अणंत-संसारवद्धणा, कडुगफलविवागा चुडल्लिव्व अमुच्चमाण- दुक्खाणुबंधिणो, सिद्धिगमणविग्घा; से केस णं जाणइ अम्मयाओ ! के पुव्विं गमणयाए के पच्छा? तं इच्छामि णं अम्मयाओ! जाव पव्वइत्तए।

२८ तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मा-पियरो एवं वयासी- इमे य ते जाया ! अज्जय-पज्जय-पिउपज्जयागए सुबहु हिरण्णे य, सुवण्णे य, कंसे य, दूसे य, विउल- धण-कणग जाव संतसारसावएज्जे, अलाहि जाव आसत्तमाओ कुल-वंसाओ पकामं दाउं, पकामं भोत्तुं, परिभाएउं, तं अणुहोहि ताव जाया ! विउले माणुस्सए इड्ढि-सक्कारसमुदए, तओ पच्छा अणुहूयकल्लाणे, वड्ढियकुलवंस जाव पव्वइहिसि।

२९ तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मा-पियरो एवं वयासी- तहा वि णं तं अम्मयाओ ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह- इमं च ते जाया ! अज्जय-पज्जय जाव पव्वइहिसि; एवं खलु अम्मयाओ ! हिरण्णे य, सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गि- साहिए, चोरसाहिए, रायसाहिए, मच्चुसाहिए, दाइयसाहिए, अग्गिसामण्णे जाव दाइयसामण्णे, अधुवे, अणिइए, असासए, पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ तं चेव जाव पव्वइत्तए ।

३० तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मयाओ जाहे णो संचाएंति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं आघवणाहि य, पण्णवणाहि य, सण्णवणाहि य, विण्णवणाहि य आघवेत्तए वा, पण्णवेत्तए वा, सण्णवेत्तए वा, विण्णवेत्तए वा, ताहे विसयपडिक्काहिं संजमभयुव्वेयणकराहिं

पण्णवणाहिं पण्णवेमाणा एवं वयासी-एवं खलु जाया ! णिग्गंथे पावयणे सच्चे, अणुत्तरे, केवले, एवं जहा आवस्सए जाव सच्चदुक्खाणं अंतं करेइ । अहीव एगंतदिट्ठीए, खुरो इव एगंतधाराए, लोहमया जवा चावेयव्वा, वालुयाकवले इव णिस्साए, गंगा वा महानई पडिसोयगमण्याए, महासमुद्धो वा भुयाहिं दुत्तरो; तिक्खं कमियव्वं, गरुयं लंबेयव्वं, असिधारणं वयं चरियव्वं । णो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मिए इ वा, उद्देसिए इ वा, मिस्सजाए इ वा, अज्झोयरए इ वा, पूइकम्मे इ वा, कीए इ वा, पामिच्चे इ वा, अच्छेज्जे इ वा, अणिसट्ठे इ वा, अभिहडे इ वा, कंतारभत्ते इ वा, दुब्भिकखभत्ते इ वा, गिलाणभत्ते इ वा, वद्धलियाभत्ते इ वा, पाहुणगभत्ते इ वा, सेज्जायरपिंडे इ वा, रायपिंडे इ वा, मूलभोयणे इ वा, कंदभोयणे इ वा, फलभोयणे इ वा, बीयभोयणे इ वा, हरियभोयणे इ वा, भुत्तए वा पायए वा ।

तुमं सि च णं जाया ! सुहसमुचिए, णो चेव णं दुहसमुचिए; णालं सीयं, णालं उण्हं, णालं खुहा, णालं पिवासा, णालं चोरा, णालं वाला, णालं दंसा, णालं मसगा, णालं वाइय-पित्तिय-संभिय-सण्णिवाइए विविहरोगायंके, परिस्सहोवसग्गे उदिण्णे अहियासित्तए । तं णो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुब्भं खणमवि विप्पओगं, तं अच्छाहि ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो; तओ पच्छा अम्हेहिं जाव पव्वइहिसि ।

३१

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मा-पियरो एवं वयासी- तहा वि णं तं अम्म-याओ ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह, एवं खलु जाया ! णिग्गंथे पावयणे सच्चे, अणुत्तरे, केवले तं चेव जाव पव्वइहिसि; एवं खलु अम्मयाओ ! णिग्गंथे पावयणे कीवाणं, कायराणं, कापुरिसाणं, इहलोगपडिबद्धाणं, परलोगपरंमुहाणं, विसयतिसियाणं दुरणुचरे पागयजणस्स; धीरस्स, णिच्छियस्स, वयसियस्स णो खलु एत्थं किंचि वि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए ।

तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो जाहे णो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहि य, विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य, पण्णवणाहि य आघवेत्तए वा जाव विण्णवेत्तए वा, ताहे अकामाइं चेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स णिक्खमणं अणुमण्णिन्था ।

३२

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! खत्तियकुंडग्गामं णयरं सब्भिन्तरबाहिरियं आसिय-संमज्जि-ओवलित्तं एवं जहा उववाइए जाव पच्चप्पिणंति ।

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया दोच्चं पि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तिय- कुमारस्स महत्थं, महग्घं, महरिहं, विउलं णिक्खमणाभिसेयं उवड्वेह । तएणं ते कोडुंबिय- पुरिसा तहेव जाव पच्चप्पिणंति ।

तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मा-पियरो सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं णिसीयावेंति, णिसीयावेत्ता अट्ठसएणं सोवणियाणं कलसाणं, एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सच्चिड्डीए जाव महया रवेणं महया णिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचंति ।

महया महया णिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचित्ता करयल जाव जएणं विजएणं वद्धावेंति, वद्धावित्ता एवं वयासी- भण जाया ! किं देमो, किं पयच्छामो, किंणा वा ते अट्ठो ? तएणं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी-इच्छामि णं अम्मयाओ ! कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणितं कासवगं च सद्दाविउं ।

33

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिरिघराओ तिण्णि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणेह, सयसहस्सेणं कासवगं सद्दावेह । तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठुट्ठ करयल जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सिरिघराओ तिण्णि सयसहस्साइं, तहेव जाव कासवगं सद्दावेंति ।

34

तएणं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठे तुट्ठे ण्हाए जाव विभूसियसरीरे, जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता करयल जाव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पियरं जएणं विजएणं वद्धावेइ, वद्धावित्ता एवं वयासी- संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं मए करणिज्जं ?

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कासवगं एवं वयासी- तुमं देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे णिक्ख-मणपाओग्गे अग्गकेसे कप्पेहि ।

तएणं से कासवगे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ते समाणे हट्ठ-तुट्ठ-करयल जाव एवं सामी ! तहत्ताणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थ पाए पक्खालेइ, पक्खालित्ता सुद्धाए अट्ठपडलाए पोत्तीए मुहं बंधइ, मुहं बंधित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे णिक्खमणपाओग्गे अग्गकेसे कप्पेइ ।

तएणं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ, पडिच्छित्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ, पक्खालित्ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं, मल्लेहिं अच्चेइ, अच्चित्ता सुद्धे वत्थे बंधइ, बंधित्ता रयणकरंडगंसि पक्खिवइ, पक्खिवित्ता हार-वारिधार- सिंदुवार-छिण्णमुत्तावलि-प्पगासाइं सुयवियोग-दुसहाइं अंसूइं विणिम्मयुमाणी-विणिम्मयुमाणी एवं वयासी- एस णं अम्हं जमालिस्स खत्तियकुमारस्स बहूसु तिहीसु य पव्वणीसु य उस्सवेसु य जण्णेसु य छणेसु य अपच्छिमे दरिसणे भविस्सई ति कट्ठु ऊसीसगमूले ठवेइ ।

35

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मा-पियरो दोच्चं पि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति, रयावेत्ता जमालिं खत्तियकुमारं णिसीयावेंति, णिसीयावेत्ता सेयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेंति ण्हावेत्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेंति, लूहेत्ता सरसेणं (रत्तेणं) गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपंति अणुलिंपित्ता णासाणिस्सासवायवोज्झं, चक्खुहरं, वण्ण-फरिसजुत्तं, हयलालापेलवं अइरेगं, धवलं, कणगखचियंतकम्मं, महरिहं, हंसलक्खणपडसाडगं परिहंति, परिहित्ता हारं पिणद्धेंति, पिणद्धेत्ता अद्धहारं पिणद्धेंति, पिणद्धित्ता एवं जहा सूरियाभस्स अलंकारो तहेव जाव चित्तं रयणसंकडुक्कडं मउडं पिणद्धेंति,

किं बहुणा ! गंथिम-वेढिम-पूरिम-संघाडमेणं चउत्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अलंकिय-विभूसियं करेति।

३६

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबिय पुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखंभसयसण्णिविडुं, लीलद्धिय- सालभंजियागं जहा रायप्पसेणइज्जे विमाणवण्णओ जाव मणिरयण-घंटिया- जालपरिक्खित्तं पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं उवडुवेह, उवडुवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तएणं से जमाली खत्तियकुमारे केसालंकारेणं, वत्थालंकारेणं, मल्लालंकारेणं, आभरणालंकारेणं चउत्विहेणं अलंकारेणं अलंकारिए समाणे पडिपुण्णालंकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ, सीहासणाओ अब्भुट्ठित्ता सीयं अणुप्पदाहिणी करेमाणे सीयं दुरुहइ, दुरुहित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे ।

३७

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ण्हाया जाव अप्पमहग्घा- भरणालंकिय सरीरा हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सीयं अणुप्पदाहिणीकरेमाणी सीयं दुरुहइ सीयं दुरुहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणवरंसि सण्णिसण्णा ।

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मधाई ण्हाया जाव अप्पमहग्घा-भरणालंकिय सरीरा, रयहरणं पडिग्गहं च गहाय सीयं अणुप्पदा- हिणीकरेमाणी सीयं दुरुहइ, सीयं दुरुहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स वामे पासे भद्दासणवरंसि सण्णिसण्णा ।

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिडुओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगय जाव रूवजोव्वणविलासकलिया सरदब्भ-हिम-रयय-कुमुद-कुंदेदुप्पगासं सकोरंटमल्लदामं धवलं आयवत्तं गहाय सलीलं उवरिं धारेमाणी-धारेमाणी चिड्डइ।

तएणं तस्स जमालिस्स उभओ पासिं दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारु जाव कलियाओ, णाणामणि- कणग-रयण-विमल-महरिह-तवणिज्जुज्जल-विचित्तदंडाओ, चिल्लियाओ, संखंक-कुंदेदु-दगरय- अमयमहिय- फेणपुंजसण्णि- कासाओ धवलाओ चामराओ गहाय सलीलं वीयमाणीओ वीयमाणीओ चिड्डंति ।

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहा- मुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिड्डइ ।

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणपुरत्थिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया चित्तकणगदंडं तालवेंटं गहाय चिड्डइ ।

३८

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सरिसयं, सरित्तयं, सरिव्वयं, सरिसलावण्ण-रूव-जोव्वण-गुणोववेयं, एगाभरण-वसणगहिय- णिज्जोयं कोडुंबिय-वरतरुण-सहस्सं सद्दावेह। तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणित्ता खिप्पामेव सरिसयं, सरित्तयं जाव सद्दावेति।

तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ ण्हाया जाव एगाभरण- वसणगहिय-णिज्जोया जेणेव जमालिस्स

खत्तियकुमारस्स पिआ तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं अम्महिं करणिज्जं ।

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिआ तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं पि एवं वयासी- तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ण्हाया जाव गहियणिज्जोया जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहेह ।

तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स जाव पडिसुणित्ता ण्हाया जाव एगाभरणवसण-गहिय-णिज्जोया जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहंति ।

३९

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठ-मंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया; तं जहा- सोत्थिय-सिरिवच्छ जाव दप्पणा; तयाणंतरं च णं पुण्णकलसभिगारं जहा उववाइए जाव गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, एवं जहा उववाइए तहेव भाणियव्वं जाव आलोयं च करेमाणा जयजयसद्वं च पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया । तयाणंतरं च णं बहवे उग्गा भोगा जहा उववाइए जाव महापुरिस- वग्गुरापरिक्खित्ता, जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ य मग्गओ य पासओ य अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया ।

४०

तएणं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिआ ण्हाया जाव विभूसिए हत्थिकखंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धवमाणीहिं हय-गय-रह-पवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे, महायाभडचडगर जाव परिक्खित्ते जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ अणुगच्छइ ।

४१

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ महं आसा, आसवरा, उभओ पासिं णागा, णागवरा, पिट्ठओ रहा, रहसंगेल्ली । तयाणंतरं च णं बहवे लट्ठिग्गाहा कुंतग्गाहा जाव पुत्थयग्गाहा जाव वीणग्गाहा, तयाणंतरं च णं अट्ठसयं गयाणं, अट्ठसयं तुरयाणं अट्ठसयं रहाणं; तयाणंतरं च णं लउडअसि-कौंतहत्थाणं बहूणं पायत्ताणीणं पुरओ संपट्ठियं; तयाणंतरं च णं बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ पुरओ संपट्ठिया ।

तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अब्भुग्गयभिंंगारे, परिग्गहियतालियंटे, ऊसवियसेयछत्ते, पवीइयसेयचामरबालवीयणीए, सव्विड्डीए जाव दुंदुहि-णिग्घोस णाइयरवेणं खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे, जेणेव बहुसालए चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।

४२

तएणं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छमाणस्स सिंघाडग-तिय-चउक्क जाव पहेसु बहवे अत्थत्थिया जहा उववाइए जाव अभिणंदिया य अभित्थुणंता य एवं वयासी- जय जय णंदा ! धम्मेणं, जय जय णंदा ! तवेणं, जय जय णंदा ! भद्वं ते अभग्गेहिं णाण- दंसणचरित्तमुत्तमेहिं, अजियाइं जिणाहि इंदियाइं, जीयं च पालेहि समणधम्मं; जियविग्घो वि य वसाहि तं देव ! सिद्धिमज्झे णिहणाहि य राग-दोसमल्ले, तवेणं धिइधणियबद्धकच्छे, मद्दाहि य अट्ठ कम्मसत्तू ज्ञाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं, अप्पमत्तो हराहि आराहणपडागं च धीर ! तेलोक्करंगमज्झे, पावय वित्तिमिरमणुत्तरं केवलं च णाणं, गच्छ य मोक्खं परं पदं जिणवरोवदिट्ठेणं सिद्धिमग्गेणं

अकुडिलेणं, हंता परीसहचमुं, अभिभविय गामकंटकोवसग्गाणं, धम्मे ते अविग्घमत्थु त्ति कट्ठु अभिणंदंति य अभिथुणंति य ।

४३

तएणं से जमालि खत्तियकुमारे णयणमालासहस्सेहिं पिच्छिज्जमाणे पिच्छिज्जमाणे एवं जहा उवाइए कुणिओ जाव णिग्गच्छइ; णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता छत्ताईए तित्थगराइसए पासइ, पासित्ता पुरिस-सहस्सवाहिणिं सीयं ठवेइ, पुरिससहस्स- वाहिणिओ सीयाओ पच्चोरुहइ।

तएणं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु भंते ! जमाली खत्तियकुमारे अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग ! पुण पासणयाए । से जहा णामए उप्पले इ वा पउमे इ वा जाव सहस्सपत्ते इ वा पंके जाए जले संवुड्ढे णोवलिप्पइ पंकरएणं, णोवलिप्पइ जलरएणं, एवामेव जमाली वि खत्तियकुमारे कामेहिं जाए, भोगेहिं संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएणं णोवलिप्पइ भोगरएणं णोवलिप्पइ मित्त-णाइ- णियगसयण- संबंधि- परिजणेणं। एस णं देवाणुप्पिया! संसारभयुव्विग्गे भीए जम्मण-मरणेणं; देवाणु- प्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए; तं एयं णं देवाणु- प्पियाणं! अम्हे सीसभिकखं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सीसभिकखं ।

४४

तएणं समणे भगवं महावीरे जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी- अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं !

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमइ, अवक्कमित्ता सयमेव आभरण- मल्ला-लंकारं ओमुयइ। तएणं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरण- मल्लालंकारं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता हारवारि जाव विणिम्मयमाणी- विणिम्मयमाणी जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी-घडियव्वं जाया ! जइयव्वं जाया ! परिक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं ति कट्ठु जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदंति, णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ।

४५

तएणं से जमाली खत्तियकुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, करित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, एवं जहा उसभदत्तो तहेव पव्वइओ; णवरं पंचहिं पुरिससएहिं सद्धिं तहेव जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्झइ, अहिज्झित्ता बहूहिं चउत्थ-छट्ठुट्ठम जाव मासद्ध- मासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोक्कम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।

४६

तएणं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- इच्छामि णं भंत्ते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए।

तएणं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स एयमढुं णो आढाइ, णो परिजाणइ, तुसिणीए संचिद्धइ । तएणं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी- इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं जाव विहरित्तए ।

तएणं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स दोच्चं पि तच्चं पि एयमढुं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिद्धइ ।

तएणं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ ।

४७

तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । कोट्टए चेइए, वण्णओ जाव वणसंडस्स वण्णओ । तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था, वण्णओ । पुण्णभद्दे चेइए, वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ । तएणं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइं पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुग्गामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी णयरी, जेणेव कोट्टए चेइए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ, ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइं पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपाणयरी, जेणेव पुण्णभद्दे चेइए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ, ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।

४८

तएणं तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अंतेहि य पंतेहि य लूहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कंतेहि य, पमाणाइक्कंतेहि य, सीएहि य पाणभोयणेहिं अण्णया कयाइं सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए-उज्जले, विउले, पगाढे, कक्कसे, कडुए, चंडे, दुक्खे, दुग्गे, तिव्वे, दुरहियासे; पित्तज्जर परिगयसरीरे, दाहवुक्कंतेहि या वि विहरइ ।

तएणं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे णिग्गंथे सद्दावेइ सद्दावित्ता एवं वयासी- तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम सेज्जासंथारगं संथरह ।

तएणं ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमढुं विणएणं पडिसुणेंति, पडिसुणित्ता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासंथारगं संथरंति ।

तएणं से जमाली अणगारे बलियतरं वेयणाए अभिभूए समाणे दोच्चं पि समणे णिग्गंथे सद्दावेइ, सद्दावित्ता, दोच्चं पि एवं वयासी- ममं णं देवाणुप्पिया ! सेज्जासंथारए णं किं कडे, कज्जइ ? तएणं ते समणा णिग्गंथा जमालिं अणगारं एवं वयासी- णो खलु देवाणुप्पिया णं सेज्जासंथारए कडे, कज्जइ ।

४९

तएणं तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जिथा- जं णं समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ-एवं खलु चलमाणे चलिए, उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे; तं णं मिच्छा; इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे, संथरिज्जमाणे असंथरिए । जम्हा णं सेज्जासंथारए कज्जमाणे

अकडे, संथरिज्जमाणे असंथरिए, तम्हा चलमाणे वि अचलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे वि अणिज्जिण्णे; एवं संपेहेइ, संपेहिता समणे णिग्गंथे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी- जं णं देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु चलमाणे चलिए; तं चेव सव्वं जाव णिज्जरिज्जमाणे वि अणिज्जिण्णे।

५०

तएणं तस्स जमालिस्स अणगारस्स एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स अत्थेगइया समणा णिग्गंथा एयमद्वं सद्वहंति, पत्तियंति, रोयंति; अत्थेगइया समणा णिग्गंथा एयमद्वं णो सद्वहंति, णो पत्तियंति, णो रोयंति। तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमद्वं सद्वहंति, पत्तियंति, रोयंति ते णं जमालिं चेव अणगारं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति; तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयं अद्वं णो सद्वहंति, णो पत्तियंति, णो रोयंति ते णं जमालिस्स अणगारस्स अंतियाओ कोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति, पडिणि-क्खमित्ता पुव्वाणुपुत्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा जेणेव चंपाणयरी जेणेव पुण्णभद्वे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं- पयाहिणं करंति, करित्ता वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति ।

५१

तएणं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइ ताओ रोगायंकाओ विप्पमुक्के, हद्वे जाए, अरोए बलियसरीरे, सावत्थीए णयरीए कोट्टयाओ चेइयाओ पडिणि- क्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपाणयरी, जेणेव पुण्णभद्वे चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी- जहा णं देवाणुप्पियाणं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था भवित्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंता, णो खलु अहं तहा छउमत्थे भवित्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंते, अहं णं उप्पण्ण-णाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलि-अवक्कमणेणं अवक्कंते।

५२

तएणं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं एवं वयासी- णो खलु जमाली! केवलिस्स णाणे वा दंसणे वा सेलंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवारिज्जइ वा णिवारिज्जइ वा, जइ णं तुमं जमाली ! उप्पण्ण-णाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कंते तो णं इमाइं दो वागरणाइं वागरेहि- सासए लोए जमाली ! असासए लोए जमाली ! सासए जीवे जमाली! असासए जीवे जमाली !

तएणं से जमाली अणगारे भगवया गोयमेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए जाव कलुससमावण्णे जाए या वि होत्था, णो संचायइ भगवओ गोयमस्स किंचि वि पमोक्खं आइक्खित्तए, तुसिणीए संचिद्वइ ।

५३

'जमाली' त्ति समणे भगवं महावीरे जमालिं अणगारं एवं वयासी- अत्थि णं जमाली ! ममं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था, जे णं पभू वागरणं वागरित्तए, जहा णं अहं, णो चेव णं एयप्पगारं भासं भासित्तए, जहा णं तुमं ! सासए लोए जमाली ! जं ण कयाइ णासी, ण कयाइ ण भवइ, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य, धुवे णिइए सासए

अक्खए अक्खए अवट्ठिए णिच्चे, असासए लोए जमाली ! जं ओसप्पिणी भवित्ता उस्सप्पिणी भवइ, उस्सप्पिणी भवित्ता ओसप्पिणी भवइ। सासए जीवे जमाली ! जं ण कयाइ णासी जाव णिच्चे। असासए जीवे जमाली! जं णं णेरइए भवित्ता तिरिक्खजोणिए भवइ तिरिक्खजोणिए भवित्ता मणुस्से भवइ, मणुस्से भवित्ता देवे भवइ।

५४ तएणं से जमाली अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स एवं आइक्ख- माणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयं अट्ठं णो सद्धहइ, णो पत्तियइ, णो रोएइ; एयमट्ठं असद्धहमाणे, अपत्तियमाणे, अरोएमाणे दोच्चं पि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमइ, अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणे, वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ, झूसित्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदित्ता तस्स ठाणस्स अणालोइय- अपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमठिइएसु देवकिव्वि- सिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववण्णे।

५५ तएणं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं कालगयं जाणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे, से णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए, कहिं उववण्णे ?

गोयमा ! इति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं तथा मम एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमण्णस्स एयं अट्ठं णो सद्धहइ जाव एयं अट्ठं अरोएमाणे दोच्चं पि ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमइ, अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं तं चेव जाव देवकिव्विसियत्ताए उववण्णे।

५६ कइविहा णं भंते ! देवकिव्विसिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! तिविहा देवकिव्विसिया पण्णत्ता, तं जहा- तिपलिओवम- द्विईया, तिसागरोवमद्विईया, तेरससागरोवमद्विईया ।

५७ कहिं णं भंते ! तिपलिओवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ?

गोयमा ! उप्पिं जोइसियाणं, हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु, एत्थ णं तिपलि-ओवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ।

५८ कहिं णं भंते ! तिसागरोवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ?

गोयमा ! उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हिट्ठिं सणकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ।

५९ कहिं णं भंते ! तेरससागरोवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ?

गोयमा ! उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स, हिट्ठिं लंतए कप्पे, एत्थ णं तेरस- सागरोवमद्विईया देवकिव्विसिया परिवसंति ।

- ६० देवकिव्विसिया णं भंते ! केसु कम्मादाणेसु देव किव्विसियत्ताए उववतारो भवंति ?
 गोयमा ! जे इमे जीवा आयरियपडिणीया, उवज्झायपडिणीया, कुलपडि- णीया, गणपडिणीया, संघपडिणीया; आयरिय उवज्झायाणं अयसकरा, अवण्णकरा, अकित्तिकरा, बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणा, वुप्पाएमाणा बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति, पाउणित्ता, तस्स द्वाणस्स अणालोइय अपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवकिव्विसिएसु देवकिव्विसियत्ताए उववत्तारो भवंति; तं जहा- तिपलिओवम- द्विइएसु वा तिसागरोवमद्विइएसु वा तेरससागरोवमद्विइएसु वा।
- ६१ देवकिव्विसिया णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं, भवक्खएणं, ठिईक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ?
 गोयमा ! जाव चत्तारि पंच णेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवभव- ग्गहणाइं संसारं अणुपरियद्वित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव दुक्खाणं अंतं करेंति; अत्थेगइया अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतरं अणुपरियद्वंति ।
- ६२ जमाली णं भंते ! अणगारे अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे तुच्छाहारे अरसजीवी विरसजीवी जाव तुच्छजीवी उवसंतजीवी पसंतजीवी विवित्तजीवी ?
 हंता गोयमा ! जमाली णं अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी।
- ६३ जइ णं भंते ! जमाली अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी, कम्हा णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमद्विइएसु देवकिव्विसिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववण्णे ?
 गोयमा ! जमाली णं अणगारे आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए; आयरिय- उवज्झायाणं अयसकारए, अवण्णकारए जाव वुप्पाएमाणे जाव बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदित्ता तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे जाव उववण्णे ।
- ६४ जमाली णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ?
 गोयमा ! चत्तारि, पंच(णेरइय) तिरिक्खजोणिय-मणुस्सदेवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियद्वित्ता तओ पच्छा सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तेत्तीसइओ उद्देशो समत्तो ॥

चोत्तीसइमो उद्देशो

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी- पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसं हणइ, णोपुरिसे हणइ ?
 गोयमा ! पुरिसं पि हणइ, णोपुरिसे वि हणइ ।
 से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ- पुरिसं पि हणइ, णोपुरिसे वि हणइ ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं एगं पुरिसं हणामि; से णं एगं पुरिसं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- पुरिसं पि हणइ णोपुरिसे वि हणइ ।

२ पुरिसे णं भंते ! आसं हणमाणे किं आसं हणइ, णोआसे वि हणइ ?

गोयमा ! आसं पि हणइ, णोआसे वि हणइ । से केणट्ठेणं ? अट्ठो तहेव, एवं हत्थिं, सीहं, वग्घं जाव चित्तलगं । एए सव्वे इक्कगमा ।

३ पुरिसे णं भंते ! अण्णयरं तसं पाणं हणमाणे किं अण्णयरं तसं पाणं हणइ, णो अण्णयरे तसे पाणे हणइ?

गोयमा ! अण्णयरं पि तसं पाणं हणइ, णो अण्णयरे वि तसे पाणे हणइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अण्णयरं पि तसं पाणं हणइ, णो अण्णयरे वि तसे पाणे हणइ।

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं एगं अण्णयरं तसं पाणं हणामि, से णं एगं अण्णयरं तसं पाणं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव ।

४ पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ, णोइसिं हणइ ?

गोयमा ! इसिं पि हणइ, णोइसिं पि हणइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ- एवं खलु अहं एगं इसिं हणामि, से णं एगं इसिं हणमाणे अणंते जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं, णिक्खेवो ।

५ पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसवेरेणं पुट्ठे, णोपुरिसवेरेणं पुट्ठे?

गोयमा ! णियमं ताव पुरिसवेरेणं पुट्ठे, अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेण य पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेहि य पुट्ठे; एवं आसं जाव चित्तलगं । जाव अहवा चित्तलगवेरेण य णोचित्तलगवेरेहि य पुट्ठे ।

६ पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिवेरेणं पुट्ठे, णोइसिवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा ! णियमं ताव इसिवेरेण य णोइसिवेरेहि य पुट्ठे ।

७ पुढविक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं चेव आणमइ वा, पाणमइ वा, ऊससइ वा, णीससइ वा? हंता, गोयमा ! पुढविक्काइए पुढविक्काइयं चेव आणमइ वा जाव णीससइ वा ।

८ पुढविक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं आणमइ जाव णीससइ वा ?

हंता, गोयमा! पुढविक्काइए आउक्काइयं आणमइ जाव णीससइ वा; एवं तेउक्काइयं, वाउक्काइयं, वणस्सइकाइयं ।

९ आउक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमइ वा, पुच्छा वा ? हंता गोयमा! एवं चेव ।

१० आउक्काइए णं भंते! आउक्काइयं चेव आणमइ वा, पुच्छा ? हंता गोयमा! एवं चेव; एवं तेउ-वाउ-वणस्सइकायं ।

- ११ तेउक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमइ वा, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! एवं चेव; जाव वणस्सइकाइए णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणमइ वा ?
गोयमा ! तहेव ।
- १२ पुढविक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं चेव आणममाणे वा, पाणममाणे वा, उससमाणे वा,
णीससमाणे वा कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ।
- १३ पुढविक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं आणममाणे वा जाव कइ किरिए ?
गोयमा ! एवं चेव; एवं जाव वणस्सइकाइयं । एवं आउक्काइएण वि सव्वे वि भाणियव्वा ।
एवं तेउ वाउ वणस्सइकाइएण वि सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ।
- १४ वाउक्काइए णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइ- किरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए; एवं कंदं जाव बीयं पचालेमाणे
सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चोत्तीसइमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ णवमं सतं समत्तं ॥

दसमं सतं

पढमो उद्देशो

- १ दिसि संवुड अणगारे, आयइढी सामहत्थि देवि सभा ।
उत्तर-अंतरदीवा, दसमम्मि सयम्मि चउत्तीसा ॥
- २ रायगिहे जाव एवं वयासी- किमियं भंते ! पाईणा ति पवुच्चइ ? गोयमा ! जीवा चेव अजीवा
चेव ।
- ३ किमियं भंते ! 'पडिणा' ति पवुच्चइ ? गोयमा ! एवं चेव; एवं दाहिणा एवं उदीणा एवं उड्ढा
एवं अहे वि।
- ४ कइ णं भंते ! दिसाओ पण्णत्ताओ ?
गोयमा ! दस दिसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पुरत्थिमा, पुरत्थिमदाहिणा, दाहिणा,
दाहिणपच्चत्थिमा, पच्चत्थिमा, पच्चत्थिमुत्तरा, उत्तरा, उत्तरपुरत्थिमा, उड्ढा, अहो ।
- ५ एयासि णं भंते ! दसण्हं दिसाणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! दस णामधेज्जा
पण्णत्ता, तं जहा-
इंदा अग्गेयी जमा य, णेरई वारुणी य वायव्वा ।

सोमा ईसाणी य विमला य, तहा तमा य बोद्धव्वा ॥

६

इंदा णं भंते ! दिसा किं जीवा, जीवदेसा, जीवपएसा; अजीवा, अजीवदेसा, अजीवपएसा ?

गोयमा ! जीवा वि, तं चेव जाव अजीवपएसा वि । जे जीवा ते णियमा एगिंदिया जाव पंचिंदिया, अणिंदिया । जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा । जे जीवपएसा ते एगिंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा । जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-रूवी अजीवा य अरूवीअजीवा य । जे रूवीअजीवा ते चउव्विहा पण्णत्ता; तं जहा-खंधा, खंधदेसा, खंधपएसा, परमाणुपोग्गला । जे अरूवीअजीवा ते सत्तविहा पण्णत्ता, तं जहा-णो धम्मत्थिकाए, धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा; णो अधम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकायस्स देसे, अधम्मत्थिकायस्स पएसा, णो आगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थि-कायस्स पएसा, अद्दासमए ।

७

अग्गेयी णं भंते ! दिसा किं जीवा, जीवदेसा, जीवपएसा; पुच्छा ?

गोयमा ! णोजीवा जीवदेसा वि, जीवपएसा वि; अजीवा वि, अजीवदेसा वि, अजीवपएसा वि। जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा । अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसा य, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा। अहवा एगिंदियदेसा य तेइंदियस्स देसे य । एवं चेव तियभंगो भाणियव्वो। एवं जाव अणिंदियाणं तियभंगो ।

जे जीवपएसा ते णियमा एगिंदियपएसा । अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा, अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा । एवं आइल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं ।

जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-रूवीअजीवा य अरूवीअजीवा य। जे रूवीअजीवा ते चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा-खंधा जाव परमाणुपोग्गला। जे अरूवीअजीवा ते सत्तविहा पण्णत्ता, तं जहा-णोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, एवं अहम्मत्थिकायस्स वि, एवं आगासत्थिकायस्स वि, अद्दासमए । विदिसासु णत्थिजीवा; देसे भंगो य होइ सव्वत्थ ।

८

जमा णं भंते ! दिसा किं जीवा ?

जहा इंदा तहेव णिरवसेसा । णेरई य जहा अग्गेयी । वारुणी जहा इंदा। वायव्वा जहा अग्गेयी। सोमा जहा इंदा । ईसाणी जहा अग्गेयी । विमलाए जीवा जहा अग्गेयीए; अजीवा जहा इंदा । एवं तमाए वि, णवरं अरूवी छव्विहा, अद्दासमयो ण भण्णइ ।

९

कइ णं भंते ! सरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरा पण्णत्ता, तं जहा-ओरालिए जाव कम्मए।

१०

ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! ओगाहणासंठाणं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अप्पाबहुगं ति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी-संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स वीयीपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं णिज्झायमाणस्स, मग्गओ रूवाइं अवयक्खमाणस्स, पासओ रूवाइं अवलोएमाणस्स, उड्ढं रूवाइं आलोएमाणस्स, अहे रूवाइं आलोएमाणस्स तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?
- गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स वीयीपंथे ठिच्चा जाव तस्स णं णो इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ।
- से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- संवुडस्स अणगारस्स जाव संपराइया किरिया कज्जइ ?
- गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा एवं जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव से णं उस्सुत्तमेव रीयइ । से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव से संपराइया किरिया कज्जइ ।
- २ संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स अवीयीपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं णिज्झायमाणस्स जाव तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, पुच्छा ?
- गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स अवीयीपंथे ठिच्चा जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ ।
- से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?
- गोयमा ! जहा सत्तमे सए पढमोद्देसए जाव से णं अहासुत्तमेव रीयइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो संपराइया किरिया कज्जइ ।
- ३ कइविहा णं भंते ! जोणी पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पण्णत्ता, तं जहा- सीया, उसिणा, सीओसिणा; एवं जोणीपयं णिरवसेसं भाणियव्वं ।
- ४ कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ?
- गोयमा ! तिविहा वेयणा पण्णत्ता, तं जहा- सीया, उसिणा, सीओसिणा । एवं वेयणापयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेयणं वेदेंति, सुहं वेयणं वेदेंति, अदुक्खमसुहं वेयणं वेदेंति ? गोयमा! दुक्खं पि वेयणं वेदेंति, सुहं पि वेयणं वेदेंति, अदुक्खमसुहं पि वेयणं वेदेंति ।
- ५ मासियं णं भंते ! भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स णिच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे, जे केइ परीसहोवसग्गा उप्पजंति, तं जहा- दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा; ते उप्पण्णे सम्मं सहइ, खमइ, तितिक्खइ, अहियासेइ । एवं मासिया भिक्खुपडिमा णिरवसेसा भाणियव्वा, जहा दसाहिं जाव आराहिया भवइ ।
- ६ भिक्खु य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता, से णं तस्स ठाणस्स अणालो- इय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा । से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा ।

७ भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ- पच्छा वि णं अहं चरिमकालसमयंसि एयस्स ठाणस्स आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइय-पडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ।

८ भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ- जइ ताव समणोवासगा वि कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, किमंग पुण अहं अणपण्णियदेवत्तणंपि णो लभिस्सामि त्ति कट्ठु; से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा; से णं तस्स ठाणस्स आलोइय-पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

तइओ उद्देशो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- आइड्डीए णं भंते ! देवे जाव चत्तारि, पंच देवावासंतराइं वीड्क्कंते, तेण परं परिड्डीए?

हंता गोयमा ! आयड्डीए णं देवे जाव तेण परं परिड्डीए । एवं असुरकुमारे वि । णवरं असुरकुमारावासंतराइं, सेसं तं चेव । एवं एएणं कमेणं जाव थणियकुमारे, एवं वाणमंतरे, जोइसिए, वेमाणिए वि जाव तेण परं परिड्डीए ।

२ अप्पड्डीए णं भंते ! देवे से महड्ढियस्स देवस्स मज्झिमज्झेणं वीड्वएज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे।

३ समड्डीए णं भंते ! देवे समड्ढीयस्स देवस्स मज्झिमज्झेणं वीड्वएज्जा ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे; पमत्तं पुण वीड्वएज्जा ।

४ से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू , अविमोहित्ता पभू ? गोयमा ! विमोहित्ता पभू , णो अविमोहेत्ता पभू ।

५ से भंते ! किं पुत्विं विमोहित्ता पच्छा वीड्वएज्जा, पुत्विं वीड्वइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा! पुत्विं विमोहित्ता पच्छा वीड्वएज्जा, णो पुत्विं वीड्वइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ।

६ महिड्डीए णं भंते ! देवे अप्पड्ढियस्स देवस्स मज्झिमज्झेणं वीड्वएज्जा ? हंता गोयमा ! वीड्वएज्जा ।

७ से भंते ! किं विमोहित्ता पभू , अविमोहित्ता पभू ? गोयमा ! विमोहित्ता वि पभू, अविमोहेत्ता वि पभू ।

८ से भंते ! किं पुत्विं विमोहित्ता पच्छा वीड्वएज्जा, पुत्विं वीड्वइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा! पुत्विं वा विमोहेत्ता पच्छा वीड्वएज्जा, पुत्विं वा वीड्वइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ।

- ९ अप्पड्ढिए णं भंते ! असुरकुमारे महिड्ढियस्स असुरकुमारस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे । एवं असुरकुमारेण वि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जहा ओहिएणं देवेणं भणिया एवं जाव थणियकुमारेणं । वाणमंतर-जोइसिय- वेमाणिएणं एवं चेव ।
- १० अप्पड्ढिए णं भंते ! देवे, महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा? गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे।
- ११ समड्ढिए णं भंते ! देवे, समड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! तहेव देवेण य देवीए य दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाए ।
- १२ अप्पड्ढिया णं भंते ! देवी, महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! एसो वि तईओ दंडओ भाणियव्वो जाव महिड्ढिया वेमाणिणी अप्पड्ढियस्स वेमाणियस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता, वीइवएज्जा ।
- १३ अप्पड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे । एवं समड्ढिया देवी समड्ढियाए देवीए तहेव, महिड्ढिया वि देवी अप्पड्ढियाए देवीए तहेव, एवं एक्केक्के तिण्णि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जाव । महिड्ढिया णं भंते ! वेमाणिणी अप्पड्ढियाए वेमाणिणीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! हंता वीइवएज्जा । सा भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहित्ता पभू ? तहेव जाव पुव्विं वा वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा । एए चत्तारि दंडगा ।
- १४ आसस्स णं भंते ! धावमाणस्स किं खु-खु त्ति करेइ ? गोयमा ! आसस्स णं धावमाणस्स हिययस्स य जगयस्स य अंतरा एत्थ णं कक्कडए णामं वाए संमुच्छइ, जेणं आसस्स धावमाणस्स 'खु खु' त्ति करेइ ।
- १५ अह भंते ! आसइस्सामो, सइस्सामो चिड्ढिस्सामो णिसिइस्सामो तुयट्ठिस्सामो- आमंतणी आणवणी जायणी, तह पुच्छणी य पण्णवणी । पच्चक्खाणी भासा, भासा इच्छाणुलोमा य ॥ अणभिग्गहिया भासा भासा य, अभिग्गहम्मि बोद्धव्वा । संसयकरणी भासा, वोयडमव्वोयडा चेव । पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! आसइस्सामो, तं चेव जाव ण एसा भासा मोसा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देशो

१

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णयरे होत्था, वण्णओ । दूइपलासए चेइए । सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेढे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सामहत्थी णामं अणगारे पगइभदए, जहा रोहे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं से सामहत्थी अणगारे जायसइढे जाव उद्वाए उद्देइ, उद्धित्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-

२

अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा ?

सामहत्थी ! हंता, अत्थि ।

से केणढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

एवं खलु सामहत्थी ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे काकंदी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तत्थ णं काकंदीए णयरीए तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया परिवसंति- अइढा जाव बहुजणस्स अपरिभूया; अभिगयजीवाजीवा, उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरंति ।

तएणं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया पुत्विं उग्गा उग्गविहारी, संविग्गा, संविग्गविहारी भवित्ता, तओ पच्छा पासत्था, पासत्थविहारी, ओसण्णा, ओसण्णविहारी, कुसीला, कुसीलविहारी, अहाच्छंदा, अहाच्छंदविहारी, बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसैति, झूसित्ता तीसं भत्ताइं अणसणाइं छेदैति, छेदित्ता तस्स ठाणस्स अणालोइय- अपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरस्स असुरिंदस्स असुर- कुमाररण्णो तायत्तीसग देवत्ताए उववण्णा ।

३

जप्पभिइं च णं भंते ! ते काकंदगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगदेवत्ताए उववण्णा तप्पभिइं च णं भंते ! एवं वुच्चइ- चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

तएणं भगवं गोयमे सामहत्थिणा अणगारेणं वुत्ते समाणे संकिए, कंखिए, वितिगिच्छए; उद्वाए उद्देइ, उद्वाए उद्धित्ता सामहत्थिणा अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता, णमंसित्ता एवं वयासी-

४

अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा ?

गोयमा ! हंता अत्थि ।

से केणढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तप्पभिइं च णं भंते ! एवं वुच्चइ- चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

णो इण्ठे सम्भे, गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए णामधेज्जे पण्णत्ते; जं ण कयाइ णासी, ण कयाइ ण भवइ, ण कयाइ ण भविस्सइ; जाव णिच्चे अव्वोच्छित्तिणयद्वयाए, अण्णे चयंति, अण्णे उववज्जंति ।

५

अत्थि णं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो तायत्तीसगा देवा ?

गोयमा ! हंता अत्थि ।

से केण्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्वीवे दीवे भारहे वासे बिभेले णामं सण्णिवेसे होत्था, वण्णओ । तत्थ णं बिभेले सण्णिवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया परिवसंति एवं जहा चमरस्स जाव उववण्णा ।

जप्पभिइं च णं भंते ! बिभेलगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो तायत्तीसगदेवत्ताए उववण्णा, सेसं तं चेव जाव णिच्चे अव्वोच्छित्तिणयद्वयाए, अण्णे चयंति, अण्णे उववज्जंति ।

६

अत्थि णं भंते ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा ?

गोयमा ! हंता अत्थि ।

से केण्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

गोयमा ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए णामधेज्जे पण्णत्ते, जं ण कयाइ णासी जाव अण्णे चयंति अण्णे उववज्जंति । एवं भूयाणंदस्स वि एवं जाव महाघोसस्स ।

७

अत्थि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स, देवरण्णो तायत्तीसगा देवा ?

हंता अत्थि ।

से केण्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा, तायत्तीसगा देवा ?

एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्वीवे दीवे भारहे वासे पलासए णामं सण्णिवेसे होत्था, वण्णओ । तत्थ णं पलासए सण्णिवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया जहा चमरस्स जाव विहरंति । तएणं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया पुव्विं पि पच्छा वि उग्गा, उग्गविहारी, संविग्गा, संविग्गविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेंति, झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति, छेदित्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा जाव उववण्णा । जप्पभिइं च णं भंते ! पलासगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा, सेसं जहा चमरस्स जाव अण्णे उववज्जंति ।

८

अत्थि णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो तायतीसगा देवा ?

गोयमा ! जहा सक्कस्स, णवरं चंपाए णयरीए जाव उववण्णा । जप्पभिइं च णं भंते !
चंपिज्जा तायत्तीसं सहाया, सेसं तं चेव जाव अण्णे उववज्जंति ।

९

अत्थि णं भंते ! सणंकुमारस्स देविंदस्स देवरण्णो, पुच्छा ?

गोयमा ! हंता अत्थि ।

से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ ?

गोयमा ! जहा धरणस्स तहेव । एवं जाव अच्चुयस्स जाव अण्णे उववज्जंति ॥ सेवं भंते !
सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥

पंचमो उद्देशो

१

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे । गुणसीलए चेइए जाव परिसा पडिगया । तेणं
कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा
कुलसंपण्णा जहा अट्ठमे सए सत्तमुद्देसए जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरंति ।
तएणं ते थेरा भगवंतो जायसइढा जायसंसया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं
वयासी-

२

चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! पंच अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- काली, रायी, रयणी, विज्जु, मेहा । तत्थ
णं एगमेगाए देवीए अट्ठ देवीसहस्सा परिवारो पण्णत्तो । पभू णं ताओ एगमेगा देवी
अण्णाइं अट्ठ देवीसहस्साइं परिवारं विउव्वित्तए । एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तालीसं
देवीसहस्सा, सेत्तं तुडिए ।

३

पभू णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए, चमरंसि
सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोग भोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ?

णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णो पभू चमरे असुरिंदे चमरचंचाए रायहाणीए जाव
विहरित्तए?

अज्जो ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए,
माणवए चेइयखंभे वइरामएसु गोल-वट्ट-समुग्गएसु बहूओ जिण- सकहाओ सण्णिक्खित्ताओ
चिट्ठंति; जाओ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमार- रण्णो अण्णेसिं च बहूणं असुरकुमाराणं
देवाण य देवीण य अच्चणिज्जाओ, वंदणिज्जाओ णमंसणिज्जाओ पूयणिज्जाओ
सक्कारणिज्जाओ सम्माणणिज्जाओ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जाओ भवंति,
तेसिं पणिहाय णो पभू । से तेणट्ठेणं अज्जो! एवं वुच्चइ- णो पभू चमरे असुरिंदे असुरकुमार
राया जाव विहरित्तए।

पभू णं अज्जो ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणीय-साहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अण्णेहिं च बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय-णट्ठ जाव भुंजमाणे विहरित्तए । केवलं परियारिड्ढीए, णो चेव णं मेहुणवत्तियं ।

४ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कणगा, कणगलया, चित्तगुत्ता, वसुंधरा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारे पण्णत्ते ।

पभू णं ताओ एगमेगाए देवीए अण्णं एगमेगं देवीसहस्सं परिवारं विउव्वित्तए । एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तारि देवीसहस्सा । से त्तं तुडिण ।

५ पभू णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमे महाराया सोमाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि तुडिणं, पुच्छा ?

अवसेसं जहा चमरस्स, णवरं परिवारो जहा- सूरियाभस्स, सेसं तं चेव जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं ।

६ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो जमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! एवं चेव, णवरं जमाए रायहाणीए, सेसं जहा सोमस्स । एवं वरुणस्स वि, णवरं वरुणाए रायहाणीए; एवं वेसमणस्स वि, णवरं वेसमणाएरायहाणीए; सेसं तं चेव जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं ।

७ बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स पुच्छा ?

अज्जो ! पंच अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- सुभा णिसुंभा रंभा णिरंभा मयणा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देवीसहस्सं परिवारो, सेसं जहा चमरस्स, णवरं बलिचंचाए रायहाणीए, परिवारो जहा मोउद्देसए सेसं तं चेव जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं ।

८ बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स, वइरोयणरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ । तं जहा- मीणगा, सुभद्धा, विजया, असणी । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो । सेसं जहा चमर-सोमस्स एवं जाव वेसमणस्स ।

९ धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! छ अग्गमहिंसीओ, तं जहा- इला, सुक्का, सतारा, सोदामिणी, इंदा, घणविज्जुया । तत्थ णं एगमेगाए देवीए छ छ देवीसहस्सा परिवारो पण्णत्तो । पभू णं ताओ एगमेगा देवी

अण्णाइं छ छ देविसहस्साइं परिवारं विउच्चित्तए । एवामेव सपुच्चावरेणं छत्तीसाइं देविसहस्साइं । सेत्तं तुडिए ।

पभू णं भंते ! धरणे पुच्छा ? सेसं तं चेव, णवरं धरणाए रायहाणीए, धरणंसि सीहासणंसि, सओ परिवारो । सेसं तं चेव ।

१० धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमारणो लोगपालस्स कालवालस्स महारणो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- असोगा, विमला, सुप्पभा, सुदंसणा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्स परिवारो, अवसेसं जहा चमरलोगपालाणं । एवं सेसाणं तिण्ह वि ।

११ भूयाणंदस्स भंते ! पुच्छा ?

अज्जो ! छ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रूया, रूयंसा, सुरूया, रूयगावई, रूयकंता, रूयप्पभा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए छ छ देवीसहस्स परिवारो अवसेसं जहा धरणस्स ।

१२ भूयाणंदस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमारणो लोगपालस्स कालवालस्स महारणो पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- सुणंदा, सुभद्धा, सुजाया, सुमणा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्स परिवारो अवसेसं जहा चमरलोगपालाणं । एवं सेसाणं तिण्ह वि लोगपालाणं । जे दाहिणिल्ला इंदा तेसिं जहा धरणिंदस्स, लोगपालाण वि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाणं, उत्तरिल्लाणं इंदाणं जहा भूयाणंदस्स, लोगपालाण वि तेसिं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणं, णवरं इंदाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि; परिवारो जहा तइए सए पढमे उद्देसए । लोगपालाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, परिवारो जहा चमरस्स लोगपालाणं ।

१३ कालस्स णं भंते ! पिसायिंदस्स पिसायरणो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कमला, कमलप्पभा, उप्पला, सुदंसणा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं, सेसं जहा चमरलोगपालाणं । परिवारो तहेव, णवरं कालाए रायहाणीए, कालंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव । एवं महाकालस्स वि ।

१४ सुरूवस्स णं भंते ! भूतिंदस्स भूतरणो पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रूववई, बहुरूवा, सुरूवा, सुभगा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो, सेसं जहा कालस्स । एवं पडिरूवस्स वि ।

१५ पुण्णभद्दस्स णं भंते ! जक्खिंदस्स पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पुण्णा, बहुपुत्तिया, उत्तमा, तारया । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो, सेसं जहा कालस्स । एवं माणिभद्वस्स वि ।

१६ भीमस्स णं भंते ! रक्खसिंदस्स पुच्छा ?

अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पउमा, पउमावती, कणगा, रयणप्पभा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो सेसं जहा कालस्स। एवं महाभीमस्स वि।

१७ किण्णरस्स णं भंते ! पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- वडैसा, केउमई, रइसेणा, रइप्पिया । सेसं तं चेव । एवं किंपुरिसस्स वि ।

१८ सप्पुरिस्स णं पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रोहिणी, णवमिया, हिरी, पुप्फवई । सेसं तं चेव । एवं महापुरिसस्स वि ।

१९ अइकायस्स णं पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- भुयंगा, भुयगवई, महाकच्छा, फुडा । सेसं तं चेव, एवं महाकायस्स वि ।

२० गीयरइस्स णं पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- सुघोसा, विमला, सुस्सरा, सरस्सई । सेसं तं चेव । एवं गीयजसस्स वि । सव्वेसिं एसिं जहा कालस्स णवरं सरिसणामियाओ रायहाणीओ सीहासणाणि य, सेसं तं चेव ।

२१ चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो पुच्छा ।

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- चंदप्पभा, दोसिणाभा, अच्चिमाली, पभंकरा। एवं जहा जीवाभिगमे जोइसियउद्देसए तहेव सूरस्स वि सूरप्पभा, आयवाभा, अच्चिमाली, पभंकरा । सेसं तं चेव जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं ।

२२ इंगालस्स णं भंते ! महग्गहस्स कइ अग्गमहिसीओ, पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- विजया, वेजयंती, जयंती, अपराजिया। तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो, सेसं तं चेव जहा चंदस्स णवरं इंगालवडैसए विमाणे, इंगालगंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं वियालगस्स वि । एवं अट्ठासीईए वि महागहाणं भाणियव्वं जाव भावकेउस्स, णवरं वडैसगा सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, सेसं तं चेव ।

२३ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो पुच्छा ?

अज्जो ! अट्ठ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पउमा, सिवा, सेया, अंजू, अमला, अच्छरा, णवमिया, रोहिणी । तत्थ णं एगमेगाए देवीए सोलस- सोलस देवी सहस्स परिवारो पण्णत्तो ।

पभू णं ताओ एगमेगा देवी अण्णाइं सोलस-सोलस देविसहस्साइं परिवारं विउव्वित्तए । एवामेव सपुव्वारेणं अट्ठावीसुत्तरं देविसयसहस्सं परिवारं, से त्तं तुडिए ।

२४ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मए कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्मए सक्कंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ?

अज्जो ! जहा चमरस्स, णवरं परिवारो जहा मोउद्देसए ।

२५ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रोहिणी, मदणा, चित्ता, सोमा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवी सहस्सं परिवारो सेसं जहा चमरलोगपालाणं, णवरं सयंपभे विमाणे, सभाए सुहम्मए, सोमंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव । एवं जाव वेसमणस्स णवरं विमाणाइं जहा तइयसए ।

२६ ईसाणस्स णं भंते ! पुच्छा ?

अज्जो ! अट्ठ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हा, कण्हराई, रामा, रामरक्खिया, वसू, वसुगुत्ता, वसुमित्ता, वसुंधरा । तत्थ णं एगमेगाए देवीए सोलस्स- सोलस्स देवीसहस्सं परिवारो सेसं जहा सक्कस्स ।

२७ ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिंसीओ, पुच्छा ?

अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पुढवी, राई, रयणी, विज्जू । तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देवीसहस्सं परिवारो सेसं जहा सक्कस्स लोगपालाणं, एवं जाव वरुणस्स, णवरं विमाणा जहा चउत्थसए, सेसं तं चेव जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देसो

१ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सभा सुहम्मए पण्णत्ता ?

गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं; एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पंच वडेंसगा पण्णत्ता, तं जहा- असोगवडेंसए जाव मज्झे सोहम्मवडेंसए । से णं सोहम्मवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं आयामविकखंभेणं ।

एवं जह सूरियाभे तहेव माणं, तहेव उववाओ । सक्कस्स य अभिसेओ तहेव जह सूरियाभस्स । अलंकारअच्चणिया तहेव जाव आयरक्ख त्ति ॥ दो सागरोवमाइं ठिई ।

२

सक्केणं भंते ! देविंदे देवराया के महिइडिए जाव के महासोक्खे ?

गोयमा ! महिइडिए जाव महासोक्खे । से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससय- सहस्साणं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ । एवं महिइडिए जाव महासोक्खे सक्के देविंदे देवराया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

७-३४ उद्देशो

१

कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं जाव सुद्धदंतदीवो त्ति । एए अट्ठावीसं उद्देशगा भाणियच्चा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ ७-३४ उद्देशो समत्तो ॥

॥ दसमं सतं समत्तं ॥

एक्कारसं सतं

पढमो उद्देशो

१

उप्पल सालु पलासे, कुंभी णाली य पउम कण्णिय ।

णलिण सिव लोग कालं, आलभिय दस दो य एक्कारे ॥

२

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- उप्पले णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?

गोयमा ! एगजीवे, णो अणेगजीवे । तेणं परं जे अण्णे जीवा उववज्जंति तेणं णो एगजीवा अणेगजीवे ।

३

ते णं भंते! जीवा कओहिंता उववज्जंति ? किं णेरइएहिंता उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंता उववज्जंति ? मणुस्सेहिंता उववज्जंति ? देवेहिंता उववज्जंति ?

गोयमा ! णो णेरइएहिंता उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंता वि उववज्जंति, मणुस्सेहिंता वि उववज्जंति, देवेहिंता वि उववज्जंति । एवं उववाओ भाणियच्चो जहा वक्कंतीए वणस्सइकाइयाणं जाव ईसाणेति ।

४

ते णं भंते! जीवा एगसमए णं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति।

५

ते णं भंते! जीवा समए-समए अवहीरमाणा-अवहीरमाणा केवइकालेणं अवहीरंति ?

गोयमा ! ते णं असंखेज्जा समए-समए अवहीरमाणा-अवहीरमाणा असंखेज्जाहिं
उस्सप्पिणिओस्सप्पिणिहिं अवहीरंति, णो चेव णं अवहिया सिया।

६ तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स
असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेणं जोयणसहस्सं ।

७ ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा, अबंधगा ? गोयमा ! णो अबंधगा,
बंधए वा, बंधगा वा । एवं जाव अंतरायइयस्स ।

णवरं आउयस्स पुच्छा ?

गोयमा ! बंधए वा, अबंधए वा, बंधगा वा, अबंधगा वा; अहवा बंधए य अबंधए य अहवा
बंधए य अबंधगा य, अहवा बंधगा य अबंधए य, अहवा बंधगा य अबंधगा य एते अट्ठ भंगा।

८ ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेयगा, अवेयगा ? गोयमा! णो अवेयगा,
वेयए वा वेयगा वा । एवं जाव अंतराइयस्स ।

९ ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा, असायावेयगा ? गोयमा ! सायावेयए वा असायावेयए वा
एवं एते अट्ठ भंगा ।

१० ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदई, अणुदई ? गोयमा ! णो
अणुदई, उदई वा उदइणो वा । एवं जाव अंतराइयस्स ।

११ ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदीरगा अणुदीरगा ?
गोयमा ! णो अणुदीरगा, उदीरए वा उदीरगा वा । एवं जाव अंतराइयस्स। णवरं
वेयणिज्जाउएसु अट्ठ भंगा ।

१२ ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तेउलेसा ?
गोयमा ! कण्हलेसे वा जाव तेउलेसे वा, कण्हलेस्सा वा णीललेस्सा वा काउलेस्सा वा
तेउलेस्सा वा । अहवा कण्हलेसे य णीललेस्से य, एवं दुयासंजोग- तियासंजोग-चउक्कसंजोगेणं
असीई भंगा भवंति ।

१४ ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी वा अण्णाणिणो वा
।

१५ ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी, णो
वयजोगी, कायजोगी वा कायजोगिणो वा ।

१६ ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता, अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा,
अणागारोवउत्ते वा अट्ठ भंगा ।

१७ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा कइवण्णा, कइगंधा, कइरसा, कइफासा
पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचवण्णा पंचरसा दुग्ंधा अट्ठफासा पण्णत्ता । ते पुण अप्पणा अवण्णा अग्ंधा अरसा अफासा पण्णत्ता ।

१८

ते णं भंते ! जीवा किं उस्सासगा, णिस्सासगा, णोउस्सास णिस्सासगा ?

गोयमा ! उस्सासए वा णिस्सासए वा णोउस्सासणिस्सासए वा; उस्सासगा वा णिस्सासगा वा णोउस्सासणिस्सासगा वा । अहवा उस्सासए य णिस्सासए य, चउभंगो । अहवा उस्सासए य णोउस्सासणिस्सासए य, चउभंगो । अहवा णिस्सासए य णोउस्सासणिस्सासए य चउभंगो । अहवा उस्सासए य निस्सासए य नोउस्सास णिस्सासए य अट्ठ भंगा । एवं एए छव्वीसं भंगा भवंति ।

१९

ते णं भंते ! जीवा किं आहारगा, अणाहारगा ? गोयमा ! णो अणाहारगा, आहारए वा, अणाहारए वा एवं अट्ठ भंगा ।

२०

ते णं भंते ! जीवा किं विरया, अविरया, विरयाविरया ? गोयमा ! णो विरया, णो विरयाविरया, अविरए वा अविरया वा ।

२१

ते णं भंते ! जीवा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! णो अकिरिया, सकिरिए वा सकिरिया वा ।

२२

ते णं भंते ! जीवा किं सत्तविहबंधगा, अट्ठविहबंधगा ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा । अट्ठ भंगा ।

२३

ते णं भंते ! जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता, भयसण्णोवउत्ता मेहुणसण्णोवउत्ता, परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसण्णोवउत्ता वा, एवं असीति भंगा ।

२४

ते णं भंते ! जीवा किं कोहकसायी, माणकसायी, मायाकसायी, लोभकसायी ? गोयमा ! चत्तारि वि भयणाए असीति भंगा ।

२५

ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेयगा, पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयए वा णपुंसगवेयगा वा ।

२६

ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेय-बंधगा, पुरिसवेय-बंधगा णपुंसगवेय-बंधगा ? गोयमा ! इत्थिवेय-बंधए वा पुरिसवेय-बंधए वा णपुंसगवेय-बंधए वा, एवं छव्वीसं भंगा ।

२७

ते णं भंते ! जीवा किं सण्णी, असण्णी ? गोयमा ! णो सण्णी, असण्णी वा असण्णीणो वा ।

२८

ते णं भंते ! जीवा किं सइंदिया, अणिंदिया ? गोयमा ! णो अणिंदिया, सइंदिए वा सइंदिया वा ।

२९

से णं भंते ! उप्पलजीवे त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्ज कालं ।

३० से णं भंते ! उप्पलजीवे पुढविजीवे, पुणरवि उप्पलजीवे त्ति केवइयं कालं सेवेज्जा; केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ?

गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

३१ से णं भंते ! उप्पलजीवे, आउजीवे पुणरवि उप्पलजीवे त्ति केवइयं कालं सेवेज्जा ? केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जहा पुढविजीवे भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे ।

३२ से णं भंते ! उप्पलजीवे वणस्सइजीवे, से पुणरवि उप्पलजीवे त्ति केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ?

गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं अणंतं कालं तरूकालं; एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

३३ से णं भंते ! उप्पलजीवे बेइंदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवे त्ति केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ?

गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं; एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं तेइंदिय, चउरिंदियजीवे वि।

३४ से णं भंते ! उप्पलजीवे पंचेदियतिरिक्ख-जोणियजीवे पुणरवि उप्पलजीवे त्ति पुच्छा ।

गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं; कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ताइं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं; एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। एवं मणुस्सेण वि समं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

३५ ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहरेंति ?

गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं, खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं, कालओ अण्णयरं कालठिइयाइं, भावओ वणमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं एवं जहा आहारुद्देसए वणस्सइकाइयाणं आहारो तहेव जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति, णवरं णियमा छद्दिसिं; सेसं तं चेव ।

३६ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ?

३७ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ समुग्घाया पण्णत्ता । तं जहा- वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए ।

३८ ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति, असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहया वि मरंति, असमोहया वि मरंति ।

३९ ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ? किं णेरइएसु उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा वक्कंतीए उव्वट्ठणाए वणस्सइकाइयाणं तहा भाणियव्वं ।

४० अह भंते ! सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता उप्पलमूलत्ताए उप्पलकंदत्ताए उप्पलणालत्ताए उप्पलपत्तत्ताए उप्पलकेसरत्ताए उप्पलकण्णियत्ताए उप्पलथिभुगत्ताए उववण्णपुव्वा ?

हंता, गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

१ सालुए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ?

गोयमा! एगजीवे। एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अणंतखुत्तो; णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं। सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

१ पलासे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ?

गोयमा ! एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा । णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहुत्ता, देवेहिंतो ण उववज्जंति ।

२ ते णं भंते ! जीवा किं कणहलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा ?

गोयमा ! कणहलेस्से वा णीललेस्से वा काउलेस्से वा, एवं छव्वीसं भंगा । सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

१ कुंभिए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ?

गोयमा! जहा पलासुद्देसए तहा भाणियव्वे । णवरं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वासपुहुत्तं। सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

१ णालिए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ? गोयमा ! कुंभिउद्देसगवत्तव्वया
णिरवसेसं भाणियव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

छट्ठो उद्देसो

१ पउमे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ? गोयमा ! उप्पलुद्देसगवत्तव्वया
णिरवसेसा भाणियव्वा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देसो

१ कणिए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ? गोयमा ! एवं चेव णिरवसेसं
भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देसो

१ णलिणे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे, अणेगजीवे ? गोयमा ! एवं चेव णिरवसेसं जाव
अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

णवमो उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । तस्स णं हत्थिणापुरस्स
णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसिभागे एत्थ णं सहसंबवणे णामं उज्जाणे होत्था ।
सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे णंदणवणसण्णिभप्पगासे सुहसीतलच्छाए मणोरमे साउप्फले
अकंटए पासाईए जाव पडिरूवे ।

२ तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे सिवे णामं राया होत्था । महयाहिमवंत-महंत-मलय मंदर महिंदसारे, वण्णओ। तस्स णं सिवस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था । सुकुमाल पाणिपाया, वण्णओ। तस्स णं सिवस्स रण्णो पुत्ते धारिणीए अत्तए सिवभद्धे णामं कुमारे होत्था। सुकुमाल-पाणिपाए जहा सूरियकंते जाव पच्चुवेक्खमाणे-पच्चुवेक्खमाणे विहरइ।

३ तएणं तस्स सिवस्स रण्णो अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि रज्जधुरं चिंतेमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अत्थि ता मे पुरा पोरणाणं, एवं जहा तामलिस्स जाव पुत्तेहिं वड्ढामि, पसूहिं वड्ढामि, रज्जेणं वड्ढामि, एवं रट्ठेणं, बलेणं, वाहणेणं, कोसेणं, कोट्टागारेणं, पुरेणं, अंतेउरेणं वड्ढामि; विपुलधण-कणग-रयण जाव संतसारसावएज्जेणं अईव-अईव अभिवड्ढामि, तं किं णं अहं पुरा पोरणाणं जाव एगंतसोक्खयं उव्वेहमाणे विहरामि? तं जाव ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अईव-अईव अभिवड्ढामि जाव मे सामंतरायाणो वि वसे वट्ठंति, तावता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरै सहस्स-रस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुबहुं लोही- लोहकडाह-कडुच्छयं तंबियं तावसभंडगं घडावेत्ता सिवभद्धं कुमारं रज्जे ठवित्ता तं सुबहुं लोही-लोहकडाह-कडुच्छयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूले वाणपत्था तावसा भवंति, तं जहा-

होत्तिया पोत्तिया कोत्तिया जण्णई सड्ढई थालई हुंबउट्टा दंतुक्खलिया उम्मज्जगा संमज्जगा णिमज्जगा संपक्खाला उद्धकंडूयगा अहोकंडूयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा संखधमगा कूलधमगा मियलुद्धया हत्थितावसा जलाभिसेयकिट्ठिणगाया अंबुवासिणो वाउवासिणो वक्कलवासिणो जलवासिणो चेलवासिणो अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा पत्ताहारा तयाहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूलपंडुपत्त-पुप्फफलाहारा उट्ठंडा रुक्खमूलिया मंडलिया वणवासिणो बिलवासिणो दिसापोकखिया आयावणाहिं पंचग्गितावेहिं इंगालसोल्लियंपिव कंदुसोल्लियंपिव कट्टसोल्लियंपिव अप्पाणं करेमाणा विहरंति । तत्थ णं जे ते दिसापोकखी तावसा तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोकखियतावसत्ताए पव्वइत्तए । पव्वइए वि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि-‘कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उट्ठं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय जाव विहरित्तए’ त्ति कट्टु एवं संपेहेइ ।

४ संपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरै सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुबहुं लोही-लोहकडाह जाव घडावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणापुरं णयरं सब्भित्तं बाहिरियं आसिय-सम्मज्जिओवलित्तं जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति । तएणं से सिवे राया दोच्चं पि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिवभद्धस्स कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायाभिसेयं उव्ववेह । तएणं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव उव्ववैति । तएणं से सिवे राया अणेग- गणणायग-दंडणायग जाव संधिपालसद्धिं संपरिवुडे सिवभद्धं कुमारं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं णिसियावेइ, णिसियावेत्ता अट्टसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं जाव अट्टसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सत्विड्ढीए जाव वाइय-रवेणं महया-महया रायाभि-सेएणं अभिसिंचइ, अभिसिंचेत्ता पम्हल-सुकुमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेइ,

लूहेत्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपइ; एवं जहेव जमालिस्स अलंकारो तहेव जाव कप्परुक्खगं विव अलंकियविभूसियं करेइ, करित्ता करयल जाव कट्ठु सिवभद्धं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावैत्ति, जएणं विजएणं वद्धावित्ता ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं जहा उववाइए कूणियस्स जाव परमाउं पालयाहि, इट्ठजणसंपरिवुडे हत्थिणाउरस्स णयरस्स अण्णेसिं च बहूणं गामागर-णयरं जाव विहराहि, त्ति कट्ठु जयजयसद्धं पउंजंति । तएणं से सिवभद्धे कुमारे राया जाए । महया हिमवंत- महंत-मलयमंदरमहिंदसारे, वण्णओ जाव रज्जं पसासेमाणे विहरइ ।

५ तएणं से सिवे राया अण्णया कयाइं सोभणंसि तिहि करण-दिवस-मुहुत्त-णक्खतंसि विउलं असण-पाण-खाइम-साइमं उवक्खडावेइ, उवक्खडावेत्ता मित्त-णाइ-णियग सयण संबंधी परिजणं रायाणो य खत्तिया य आमंतेइ, आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव विभूसियसरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तेणं मित्त- णाइ- णियगसयण-संबंधि-परिजणेणं राएहि य खत्तिएहि य सद्धिं विउलं असण-पाण- खाइम-साइमं एवं जहा तामली जाव सक्कारेइ, सम्माणेइ, सक्कारित्ता सम्माणित्ता तं मित्त-णाइ-णियग-सयण-संबंधि परिजणं रायाणो य खत्तिए य सिवभद्धं च रायाणं आपुच्छइ, आपुच्छित्ता सुबहुं लोही-लोहकडाह-कडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवंति, तं चेव जाव तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोकखिय तावसत्ताए पव्वइए । पव्वइए वि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं छट्ठेणं तं चेव जाव अभिग्गहं अभिगिण्हइ, अभिगिण्हित्ता पढमं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ।

६ तएणं से सिवे रायरिसी पढमछट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता वागलवत्थणियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता किट्ठिणसंकाइयगं गिण्हइ, गिण्हित्ता पुरत्थिमं दिसं पोक्खेइ, पुरत्थिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं “अभिरक्खउ सिवं रायरिसीं, अभिरक्खित्ता जाणि य तत्थकंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउ” ति कट्ठु पुरत्थिमं दिसं पसरइ, पुरत्थिमं दिसं पसरइत्ता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं गेण्हइ, गिण्हित्ता किट्ठिणसंकाइयगं भरेइ, भरेत्ता दब्भे य कुसे य समिहाओ य पत्तामोडं च गिण्हइ, गिण्हित्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता किट्ठिणसंकाइयगं ठवेइ, ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ, वड्ढेत्ता उवलेवण-संमज्जणं करेइ, करेत्ता दब्भ-कलस-हत्थगए जेणेव गंगा महाणइ तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गंगामहाणइं ओगाहेइ, ओगाहेत्ता जलमज्जणं करेइ, करेत्ता जलकीडं करेइ, करेत्ता जलाभिसेयं करेइ, करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइभूए देवय-पिइकयकज्जे दब्भ- कलसहत्थगए गंगाओ महाणइओ पच्चुत्तरइ, पच्चुत्तरित्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता दब्भेहि य कुसेहि य वालुयाएहि य वेइं रएइ, वेइं रएत्ता सरएणं अरणिं महेइ, महेत्ता अग्गिं पाडेइ, पाडेत्ता अग्गिं संधुक्केइ, संधुक्केत्ता समिहाकट्ठाइं पक्खिवइ, पक्खित्ता अग्गिं उज्जालेइ, उज्जालेत्ता अग्गिस्स दाहिणे पासे सत्तंगाइं समादहे। तं जहा-

सकहं वक्कलं ठाणं, सिज्जा भंडं कमंडलुं ।

दंडदारं तहअप्पाणं, अहेताइं समादहे ॥

महुणा य घएण य तंदुलेहि य अग्गिं हुणइ, अग्गिं हुणित्ता चरुं साहेइ, चरुं साहेत्ता बलिं वइस्सदेवं करेइ, करेत्ता अतिहिपूयं करेइ, करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ।

७ तएणं से सिवे रायरिसी दोच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तएणं से सिवे रायरिसी दोच्चे छट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता एवं जहा पढमपारणगं, णवरं दाहिणगं दिसं पोक्खेइ, दाहिणाए दिसाए जमे महाराया ! पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं रायरिसिं सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ।

तएणं से सिवे रायरिसी तच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तएणं से सिवे रायरिसी सेसं तं चेव णवरं पच्चत्थिमं दिसं पोक्खेइ, पच्चत्थिमाए दिसाए वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिव रायरिसिं सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ।

तएणं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तएणं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमण, एवं तं चेव णवरं उत्तरदिसं पोक्खेइ, उत्तराए दिसाए वेसमणे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं रायरिसिं, सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ।

८ तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभदयाए जाव विणीययाए अण्णया कयाइ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोह-मग्गण-गवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे णामं अण्णाणे समुप्पण्णे । से णं तेणं विब्भंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ अस्सिं लोए सत्त दीवे सत्त समुद्धे, तेण परं ण जाणइ ण पासइ ।

९ तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- अत्थि णं ममं अइसेसे णाण-दंसणे-समुप्पण्णे, एवं खलु अस्सिं लोए सत्त दीवा सत्त समुद्धा, तेणं परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य; एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता वागलवत्थणियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सुबहुं लोही-लोहकडाह-कडुच्छयं तंबिय तावस-भंडगं किढिणसंकाइयगं च गेण्हइ, गेण्हित्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भंडणिक्खेवं करेइ, करेत्ता हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग-तिग जाव पहेसु बहु जणस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ-अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, एवं खलु अस्सिं लोए जाव दीवा य समुद्धा य ।

१० तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमद्वं सोच्चा णिसम्म हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग-तिग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य । से कहमेयं मण्णे एवं ?

११ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे, परिसा निग्गया जाव पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जहा बिइयसए णियंठुद्धेसए जाव

घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसद्धं णिसामेइ, बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-अत्थि णं देवाणुप्पिया! तं चेव जाव वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य । से कहमेयं मण्णे एवं ?

१२

तएणं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म जायसइडे, एवं जहा णियंठुद्देसए जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य, से कहमेयं भंते! एवं ? गोयमा! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-जण्णं गोयमा! से बहुजणे अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ, तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य। तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतिए एयमद्धं सोच्चा णिसम्म तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तेणं परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य, तण्णं मिच्छा। अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु जंबुद्धीवाइया दीवा लवणाइया समुद्धा संठाणओ एगविहिविहाणा, वित्थारओ अणेगविहिविहाणा एवं जहा जीवाभिगमे जाव सयंभूरमणपज्जवसाणा अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जे दीवसमुद्धे पण्णत्ते समणाउसो !

१३

अत्थि णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे दव्वाइं सवण्णाइं पि अवण्णाइं पि सगंधाइं पि अगंधाइं पि सरसाइं पि अरसाइं पि सफासाइं पि अफासाइं पि अण्णमण्णबद्धाइं अण्णमण्णपुद्धाइं जाव घडत्ताए चिद्धंति।

गोयमा ! हंता अत्थि ।

१४

अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्धे दव्वाइं सवण्णाइं पि अवण्णाइं पि सगंधाइं पि अगंधाइं पि सरसाइं पि अरसाइं पि सफासाइं पि अफासाइं पि अण्णमण्णबद्धाइं अण्णमण्णपुद्धाइं जाव घडत्ताए चिद्धंति ।

गोयमा ! हंता अत्थि ।

१५

अत्थि णं भंते! धायइसंडे दीवे दव्वाइं सवण्णाइं पि एवं चेव, एवं जाव सयंभूरमणसमुद्धे? गोयमा! हंता, अत्थि ।

१६

तएणं सा महतिमहालिया महच्चपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुद्धा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ।

१७

तए णं हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग जाव महापह-पहेसु बहुजणो अण्णम- ण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- जण्णं देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-अत्थि णं देवाणुप्पिया! ममं अइसेसे णाणे जाव तेणं परं दीव समुद्धा य वोच्छिण्णा; तं णो इण्ठे समद्धे। समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु एयस्स सिवस्स रायरिसिस्स छद्धंछद्धेणं तं चेव जाव भंडणिकखेवं करेइ, भंडणिकखेवं करेत्ता हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग जाव समुद्धा य । तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्धा य; तण्णं मिच्छा। समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ-एवं खलु जंबु-द्धीवाइया दीवा लवणाइया समुद्धा तं चेव जाव असंखेज्जा दीवसमुद्धा पण्णत्ता समणाउसो!

१८

तए णं से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अंतियं एयमहुं सोच्चा णिसम्म संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे जाए यावि होत्था । तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कंखियस्स जाव कलुससमावण्णस्स से विभंगे अण्णाणे खिप्पामेव परिवडिए ।

१९

तएणं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगास- गएणं चक्केणं जाव सहसंबवणे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ । तं महाफलं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णामगोयस्स एवं जहा उववाइए जाव गहणयाए । तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि, एयं णे इहभवे य परभवे य जाव भविस्सइ त्ति कट्टु एवं संपेहेइ, संपेहित्ता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसइ, अणुप्पविसित्ता सुबहुं लोही-लोहकडाह जाव किट्ठिणसंकाइयगं च गेण्हइ, गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता परिवडियविब्भंगे हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे, जेणेव समणे भगवं महावीरे, तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ, वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ । तएणं समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव आणाए आराहए भवइ ।

२०

तएणं से सिवे रायरिसी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म जहा खंदओ जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ, अवक्कमित्ता सुबहुं लोही लोहकडाह जाव किट्ठिणसंकाइयगं एगंते एडेइ, एडेत्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, करेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं जहेव उसभदत्ते तहेव पव्वइओ, तहेव इक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, तहेव सव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ।

२१

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि संघयणे सिज्झंति ? गोयमा! वइरोसभणारायसंघयणे सिज्झंति । एवं जहेव उववाइए तहेव संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च परिवसणा । एवं सिद्धिगंडिया णिरवसेसा भाणियव्वा, जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुहोति सासयं सिद्धा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

॥ णवमो उद्देसो समत्तो ॥

दसमो उद्देसो

१

रायगिहे जाव एवं वयासी- कइविहे णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे लोए पण्णत्ते, तंजहा- दव्वलोए खेत्तलोए काललोए भावलोए ।

- २ खेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा- अहोलोयखेत्तलोए, तिरियलोयखेत्तलोए, उड्ढलोयखेत्तलोए ।
- ३ अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा- रयणप्पभापुढवि-अहोलोयखेत्तलोए जाव अहेसत्तमापुढवि-अहोलोयखेत्त- लोए ।
- ४ तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जविहे पण्णत्ते, तं जहा- जंबुद्धीवे दीवे तिरियलोय- खेत्तलोए जाव सयंभूरमणसमुद्धे तिरियलोयखेत्तलोए ।
- ५ उड्ढलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे पण्णत्ते, तंजहा- सोहम्मकप्प-उड्ढलोय-खेत्तलोए जाव अच्चुयकप्प- उड्ढलोय-खेत्तलोए, गेवेज्जविमाण-उड्ढलोय-खेत्तलोए, अणुत्तरविमाण उड्ढलोय-खेत्तलोए ईसिपब्भार-पुढवि-उड्ढलोय-खेत्तलोए ।
- ६ अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! तप्पागारसंठिए पण्णत्ते ।
- ७ तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते ।
- ८ उड्ढलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! उड्ढमुङ्गाकारसंठिए पण्णत्ते ।
- ९ लोए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइड्ढग-संठिए लोए पण्णत्ते, तंजहा- हेड्ढा विच्छिण्णे, मज्झे संखित्ते, जहा सत्तमसए पढमुद्धेसए जाव अंतं करेइ ।
- १० अलोए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झुसिरगोल-संठिए पण्णत्ते ।
- ११ अहोलोय-खेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, जीव पएसा ? गोयमा ! जहा इंदा दिसा वणिण्या तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अद्दासमए ।
- १२ तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, जीवपदेसा ? गोयमा ! जहा अहोलोए तह चेव । एवं उड्ढलोयखेत्तलोए वि, णवरं अरूवी छव्विहा, अद्दासमओ णत्थि ।
- १३ लोए णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, जीवपदेसा ? गोयमा ! जहा बिईयसए अत्थिउद्धेसए लोयागासे, णवरं अरूवी सत्तविहा जाव अहम्मत्थिकायस्स पएसा, णोआगासत्थिकाए, आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थि- कायपएसा, अद्दासमए, सेसं तं चेव ।
- १४ अलोए णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, जीवपएसा ? गोयमा ! जहा अत्थिकायउद्धेसए अलोगागासे, तहेव णिरवसेसं जाव अणंत- भागूणे ।

१५

अहेलोय-खेत्तलोयस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे किं जीवा, जीवदेसा, जीवप्पएसा; अजीवा, अजीवदेसा, अजीवपएसा ?

गोयमा ! णो जीवा, जीवदेसा वि जीवपएसा वि; अजीवा वि अजीवदेसा वि अजीवपएसा वि । जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदिय देसा, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा । एवं मज्झिम्मे-विरहिओ जाव अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य ।

जे जीवपएसा ते णियमा एगिंदियपएसा; अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा, अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदिएसु, अणिंदिएसु तियभंगो । जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा- रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य । रूवी तहेव, जे अरूवी अजीवा ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा- णो धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसे, एवं अहम्मत्थिकायस्स वि, अद्वासमए ।

१६

तिरियलोयखेत्तलोयस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे किं जीवा, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा अहोलोयखेत्तलोयस्स तहेव । एवं उड्ढलोयखेत्तलोयस्स वि, णवरं अद्वासमओ णत्थि, अरूवी चउव्विहा । लोयस्स जहा अहोलोयखेत्तलोयस्स एगम्मि आगासपएसे ।

१७

अलोयस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे किं जीवा, पुच्छा ?

गोयमा ! णो जीवा, णो जीवदेसा, तं चेव जाव अणंतेहिं अगूरुयलहुय गुणेहिं संजुत्ते सव्वागासस्स अणंतभागूणे ।

१८

दव्वओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंताइं जीवदव्वाइं, अणंताइं अजीवदव्वाइं, अणंता जीवाजीवदव्वा। एवं तिरियलोयखेत्तलोए वि । एवं उड्ढलोयखेत्तलोए वि । दव्वओ णं अलोए णेवत्थि जीवदव्वा, णेवत्थि अजीवदव्वा, णेवत्थि जीवाजीवदव्वा, एगे अजीवदव्वदेसे जाव सव्वागासअणंतभागूणे । कालओ णं अहेलोयखेत्तलोए- ण कयाइ णासि जाव णिच्चे । एवं जाव अलोए । भावओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंता वण्णपज्जवा, एवं जहा खंदए जाव अणंता अगूरुयलहुयपज्जवा, एवं जाव लोए । भावओ णं अलोए णेवत्थि वण्णपज्जवा जाव णेवत्थि गरुयलहुयपज्जवा, एगे अजीवदव्वदेसे जाव अणंतभागूणे ।

१९

लोए णं भंते ! के महालए पण्णत्ते ?

गोयमा ! अयण्णं जंबुद्धीवे दीवे सव्वदीव समुद्धानं सव्वब्भंतराए जाव परिकखेवेणं। तेणं कालेणं तेणं समएणं छ देवा महिइदीया जाव महासोक्खा; जंबुद्धीवे दीवे मंदरे पव्वए मंदरचूलियं सव्वओ समंता संपरिकखित्ता णं चिद्देज्जा, अहे णं चत्तारि दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ चत्तारि बलिपिंडे गहाय जंबुद्धीवस्स दीवस्स चउसु वि दिसासु बहिया अभिमुहीओ ठिच्चा ते चत्तारि बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहे पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा ! तओ एगमेगे देवे ते चत्तारि बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा ! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए एगे देवे पुरत्थाभिमुहे पयाए। एवं दाहिणाभिमुहे । एवं पच्चत्थिमा-भिमुहे, एवं उत्तराभिमुहे । एवं उड्ढाभिमुहे एवं अहोभिमुहे पयाए। तेणं कालेणं तेणं समएणं

वाससहस्साउए दारए पयाए, तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति, णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति । तएणं तस्स दारगस्स आउए पहीणे भवइ, णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तएणं तस्स दारगस्स अट्ठिमिंजा पहीणा भवंति, णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति। तएणं तस्स दारगस्स आसत्तमे वि कुलवंसे पहीणे भवइ, णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति। तएणं तस्स दारगस्स णामगोए वि पहीणे भवइ, णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तेसि णं भंते! देवाणं किं गए बहुए, अगए बहुए ? गोयमा ! गए बहुए णो अगए बहुए, गयाउ से अगए असंखेज्जइभागे, अगयाउ से गए असंखेज्जगुणे, लोए णं गोयमा! एमहालए पण्णत्ते ।

२०

अलोए णं भंते ! के महालए पण्णत्ते ?

गोयमा ! अयण्णं समयखेत्ते पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयाम- विक्खंभेणं, जहा खंदए जाव परिक्खेवेणं । तेणं कालेणं तेणं समएणं दस देवा महिइडिया जाव संपरिक्खित्ता णं संचिद्धेज्जा, अहे णं अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स चउसु वि दिसासु चउसु वि विदिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा ते अट्ठ बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहे पक्खिखेज्जा, पभू णं गोयमा! तओ एगमेगे देवे ते अट्ठ बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए लोगंते ठिच्चा असब्भावपट्ठवणाए एगे देवे पुरत्थाभिमुहे पयाए, एगे देवे दाहिणपुरत्थाभिमुहे पयाए, एवं जाव उत्तरपुरत्थाभिमुहे, एगे देवे उड्ढाभिमुहे, एगे देवे अहोभिमुहे पयाए। तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससयसहस्साउए दारए पयाए । तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति, णो चेव णं ते देवा अलोयंतं संपाउणंति, तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तेसिं णं भंते ! देवाणं किं गए बहुए, अगए बहुए ? गोयमा! णो गए बहुए, अगए बहुए, गयाओ से अगए अणंतगुणे, अगयाओ से गए अणंतभागे । अलोए णं गोयमा ! ए महालए पण्णत्ते ।

२१

लोगस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव पंचिंदियपएसा अणिंदियपएसा अण्णमण्णबद्धा अण्णमण्णपुट्ठा जाव अण्णमण्ण- समभरघडत्ताए चिद्धंति ? अत्थि णं भंते ! अण्णमण्णस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायंति, छविच्छेदं वा करेंति ?

गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-लोयस्स णं एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिद्धंति, णत्थि णं भंते ! अण्णमण्णस्स किंचि आबाहं वा जाव करेंति?

गोयमा ! से जहाणामए णट्ठिया सिया सिंगारागार-चारुवेसा जाव कलिया रंगट्ठाणंसि जणसयाउलंसि जणसय-सहस्साउलंसि बत्तीसइविहस्स णट्ठस्स अण्णयरं णट्ठिविहिं उवदंसेज्जा, से णूणं गोयमा ! ते पेच्छगा तं णट्ठियं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएंति ? हंता समभिलोएंति ।

ताओ णं गोयमा ! दिट्ठीओ तंसि णट्ठियंसि सव्वओ समंता सण्णिपडियाओ? हंता सण्णिपडियाओ, अत्थि णं गोयमा ! ताओ दिट्ठीओ तीसे णट्ठियाए किंचि वि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति, छविच्छेदं वा करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

अहवा सा णट्ठिया तासिं दिट्ठीणं किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ, छविच्छेदं वा करेइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ।

ताओ वा दिट्ठीओ अण्णमण्णाए दिट्ठीए किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएन्ति, छविच्छेदं वा करेन्ति ? णो इणट्ठे समट्ठे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तं चेव जाव छविच्छेदं वा करेन्ति ।

२२

लोयस्स णं भन्ते! एगम्मि आगासपएसे जहण्णपए जीवपएसाए उक्कोसपए जीवपएसाणं, सव्वजीवाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवा लोयस्स एगम्मि आगासपएसे जहण्णपए जीवपएसा, सव्वजीवा असंखेज्जगुणा, उक्कोसपए जीवपएसा विसेसाहिया ॥ सेवं भन्ते! सेवं भन्ते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

एक्कारसमो उद्देशो

१

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । दूइपलासए चेइए, वण्णओ जाव पुढविसिलापट्ठओ । तत्थ णं वाणियग्गामे णयरे सुदंसणे णामं सेट्ठी परिवसइ- अइडे जाव बहुजणस्स अपरिभूए; समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव अहापरिग्गहेहिं तवोकम्महिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। सामी समोसडे जाव परिसा पज्जुवासइ ।

२

तएणं से सुदंसणे सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे ण्हाए जाव सव्वालंकारविभिसिए साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं पायविहारचारेणं महयापुरिसवग्गुरा- परिकिखत्ते वाणियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव दूइपलासे चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तं जहा- सच्चित्ताणं दव्वाणं विउस्सरणयाए; एवं जहा उसभदत्तो जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासेइ । तएणं समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स सेट्ठिस्स तीसे य महइ महालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव आणाए आराहए भवइ ।

३

तएणं से सुदंसणे सेट्ठी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा, णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी- कइविहे णं भन्ते ! काले पण्णत्ते ?

सुदंसणा ! चउव्विहे काले पण्णत्ते, तंजहा- पमाणकाले, अहाउणिव्वत्तिकाले, मरणकाले, अद्धाकाले ।

४

से किं तं पमाणकाले ?

पमाणकाले दुविहे पण्णत्ते, तंजहा- दिवसप्पमाणकाले राइप्पमाणकाले य। चउपोरिसिए दिवसे, चउपोरिसिया राई भवइ । उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ।

५ जया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी-परिहायमाणी जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? जया णं जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी-परिवड्ढमाणी उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ?

सुदंसणा ! जया णं उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीस- सयभाग-मुहुत्तभागेणं परिहायमाणी-परिहायमाणी जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ । जया णं जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, तया णं बावीस-सयभाग-मुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी-परिवड्ढमाणी उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ।

६ कया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? कया वा जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ?

सुदंसणा ! जया णं उक्कोसए अद्वारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहणिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ, जहणिया तिमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ । जया णं उक्कोसिया अद्वारस- मुहुत्तिया राई भवइ, जहणिए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं उक्कोसिया अद्धपंचमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ, जहणिया तिमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ ।

७ कया णं भंते ! उक्कोसए अद्वारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहणिया दुवालस-मुहुत्ता राई भवइ ? कया वा उक्कोसिया अद्वारस मुहुत्ता राई भवइ, जहणए दुवालस-मुहुत्ते दिवसे भवइ ?

सुदंसणा ! आसाढपुण्णिमाए उक्कोसए अद्वारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहणिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ । पोसपुण्णिमाए णं उक्कोसिया अद्वारस- मुहुत्ता राई भवइ, जहणए दुवालस-मुहुत्ते दिवसे भवइ ।

८ अत्थि णं भंते ! दिवसा य राइओ य समा चेव भवंति ? सुदंसणा ! हंता, अत्थि । कया णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवंति ?

सुदंसणा ! चित्तासोयपुण्णिमासु णं एत्थ णं दिवसा य राईओ य समा चेव भवंति, पण्णरस-मुहुत्ते दिवसे पण्णरस-मुहुत्ता राई भवइ । चउभाग-मुहुत्त-भागूणा चउमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ । से तं पमाणकाले ।

९ से किं तं अहाउ-णिव्वत्ति-काले ?

अहाउ-णिव्वत्ति-काले जण्णं जेणं णेरइएण वा तिरिक्खजोणिएण वा मणुस्सेण वा देवेण वा अहाउयं णिव्वत्तियं से त्तं पालेमाणे अहाउणिव्वत्तिकाले ।

१० से किं तं मरणकाले? मरणकाले जीवो वा सरीराओ, सरीरं वा जीवाओ से त्तं मरणकाले।

११ से किं तं अद्धाकाले ?

अद्धाकाले अणेगविहे पण्णत्ते । से णं समयद्वयाए आवलियद्वयाए जाव उस्सप्पिणीद्वयाए । एस णं सुदंसणा ! अद्धा दोहारच्छेएणं(दुहाछेएण) छिज्जमाणे जाहे विभागं णो हव्वमागच्छइ सेत्तं समए, समयद्वयाए । असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलिय त्ति पवुच्चइ । संखेज्जाओ आवलियाओ जहा सालिउद्देसए जाव सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परिमाणं ।

१२ एएहिं णं भंते ! पलिओवम-सागरोवमेहिं किं पओयणं ? सुदंसणा ! एएहिं पलिओवम-सागरोवमेहिं णेरइयतिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवाणं आउयाइं मविज्जंति ।

१३ णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

सुदंसणा ! ठिइपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

१४ अत्थि णं भंते ! एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा ? सुदंसणा! हंता, अत्थि ।

१५ से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अत्थि णं एएसि णं पलिओवम- सागरोवमाणं जाव अवचएइ वा ?

एवं खलु सुदंसणा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । सहसंबवणे उज्जाणे, वण्णओ । तत्थ णं हत्थिणापुरे बले णामं राया होत्था, वण्णओ । तस्स णं बलस्स रण्णो पभावई णामं देवी होत्था । सुकुमाल पाणिपाया, वण्णओ जाव विहरइ ।

१६ तएणं सा पभावई देवी अण्णया कयाइ तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भिंतरओ सचित्तकम्मए, बाहिरओ दूमिय-घट्ट-मट्टे, विचित्तउल्लोय-चिल्लियतले, मणिरयण- पणासियंधयारे, बहुसम-सुविभत्तदेसभाए, पंचवण्ण-सरस-सुरभिमुक्क पुप्फपुंजोवयार- कलिए कालागरु-पवर- कुंदरुक्क ब- तुरुक-धूव-मघमघंत-गंधुद्धयाभिरामे, सुगंध- वरगंधिए, गंध-वट्ठिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए, उभओविब्बोयणे, दुहओ उण्णए, मज्झे णय-गंभीरे, गंगा-पुलिण-वालुय-उद्दालसालिसएउवचिय-खोमिय- दुगुल्ल-पट्ट-पडिच्छायणे, सुविरइय-रयत्ताणे, रत्तंसुय-संवुए सुरम्मए, आइणग-रूय-बूर- णवणीय- तूलफासे, सुगंध-वरकुसुम-चुण्ण-सयणोवयार-कलिए, अद्धरत्तकाल- समयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी-ओहीरमाणी अयमेयारूवं ओरालं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरियं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा ।

१७ हार-रयय-खीरसागर-ससंककिरण-दगरय-रययमहासेलपंडुरतरोरुरमणिज्ज-पेच्छणिज्जं, थिर-लट्ट-पउट्ट-वट्ट- पीवर - सुसिलिद्ध - विसिद्धतिक्खदाढाविडंबियमुहं, परिकम्मियजच्चकमलकोमल-मईवसोभंतलट्ट - उट्टं, रत्तुप्पलपत्त - मउय - सुकुमाल - तालु - जीहं, मूसागयपवरकणगतावियआवत्तायंत- तडिविमलसरिस-णयणं, विसालपीवरोरं, पडिपुण्णविपुलखंधं, मिउविसयसुहुमलक्खण-पसत्थ-विच्छि ण्ण-केसरसडोवसोभियं, ऊसिय-सुणिम्मिय-सुजाय-अप्फोडिय-लंगूलं, सोमं, सोमाकारं, लीलायंतं, जंभायंतं, णहतलाओ ओवयमाणं णिययवयणमइवयंतं, सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा ।

१८

तएणं सा पभावई देवी अयमेयारूवं ओरालं जाव सस्सिरियं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठुट्ठ जाव हियया धाराहयकलंबपुप्फगं पिव समूसियरोमकूवा तं सुविणं ओगिण्हइ, ओगिण्हित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठित्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव बलस्स रण्णो सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं ओरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धण्णाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं मिय-महुर-मंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी-संलवमाणी पडिबोहेइ, पडिबोहेत्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिरयण- भत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयइ, णिसीयित्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणी- संलवमाणी एवं वयासी-

१९

एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगण वहिए तं चेव जाव णियगवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणुप्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव महासुविणस्स के मण्णे कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ?

तएणं से बले राया पभावईए देवीए अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठ जाव हियए धाराहय-णीव-सुरभिकुसुम-चंचुमालइय-तणुय-ऊसविय-रोमकूवे तं सुविणं ओगिण्हइ, ओगिण्हित्ता ईहं पविस्सइ, ईहं पविसित्ता अप्पणो साभाविणं मइपुव्वएणं बुद्धिविण्णाणेणं तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेइ, करेत्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव मंगल्लाहिं मिय-महुर- सस्सिरीयाहिं वग्गूहिं संलवमाणे- संलवमाणे एवं वयासी-

२०

ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव सस्सिरीए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, आरोग्ग-तुट्ठि-दीहा- उकल्लाण- मंगल्लकारेणं णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए ! रज्जलाभो देवाणुप्पिए ! एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं, कुलदीवं, कुलपव्वयं, कुलवडैसयं, कुलतिलगं, कुलकित्तिकरं, कुलणंदिकरं, कुलजसकरं, कुलाधारं, कुलपायवं, कुलविवद्धणकरं, सुकुमाल-पाणिपायं, अहीणपडिपुण्णपंचिंदिय सरीरं जाव ससिसोमाकारं, कंतं, पियदंसणं, सुरूवं, देवकुमार-समप्पभं दारगं पयाहिसि।

से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्ण-विउलबल-वाहणे रज्जवई राया भविस्सइ । तं उराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि दीहाउयकल्लाण जाव मंगल्लकारेणं णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे त्ति कट्ठु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं दोच्चं पि तच्चं पि अणुबूहइ ।

२१

तएणं सा पभावई देवी बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठा करयल परिग्गहियं जाव एवं वयासी- एवमेयं देवाणुप्पिया ! तहमेयं देवाणुप्पिया! अवितहमेयं देवाणुप्पिया ! असंदिद्धमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! पडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियपडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया! से जहेयं तुब्भे वयह त्ति कट्ठु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणि-

रयणभत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सयणिज्जंसि णिसीयइ, णिसीइत्ता एवं वयासी-मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुविणे अण्णेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइ, त्ति कट्ठु देव-गुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं मंगल्लाहिं धम्मियाहिं कहाहिं सुविणजागरियं पडिजागरमाणी-पडिजागरमाणी विहरइ ।

२२

तएणं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अज्ज सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदय-सित्त-सुइअ-संमज्जिओवलित्तं सुगंधवरपंचवण्णपुप्फोवयारकलियं कालागरुपवर-कुंदुरुक्क जाव गंधवट्ठिभूयं करेह य करावेह य, करेत्ता कारवित्ता सीहासणं रएह, रयावित्ता ममेयं आणत्तियं पच्चप्पिणह। तएणं ते कोडुंबिय पुरिसा जाव पडिसुणित्ता खिप्पामेव सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं जाव पच्चप्पिणंति।

२३

तएणं से बले राया पच्चूसकालसमयंसि सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता जेणेव अट्ठणसाला तेणेव उवागच्छइ, अट्ठणसालं अणुपविसइ, जहा उववाइए तहेव अट्ठणसाला तहेव मज्जणघरे जाव ससिक्क पियदंसणे णरवई मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरत्था-भिमुहे णिसीयइ, णिसीइत्ता अप्पणो उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थ-पच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थग-कय- मंगलोवयाराइं रयावेइ, रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामंते णाणामणिरयणमंडियं, अहियपेच्छणिज्जं, महग्घं वरपट्ठणुग्गयं, सण्हपट्ठबहुभत्ति- सयचित्तत्ताणं, ईहामिय-उसभ जाव भत्तिचित्तं अब्भित्तियं जवणियं अंछावेइ, अंछावेत्ता णाणामणि-रयण-भत्तिचित्तं अत्थरय-मउयमसूरगोत्थयं, सेयवत्थ-पच्चुत्थुयं, अंगसुहफासुयं, सुमउयं पभावईए देवीए भद्दासणं रयावेइ, रयावित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-

खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अट्ठंगमहाणिमित्तसुत्तत्थधारए, विविहसत्थ-कुसले, सुविणलक्खणपाढए सद्दावेह।

२४

तएणं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणित्ता बलस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमंति, पडिणिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं चवलं चंडं वेइयं हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव तेसिं सुविणलक्खणपाढगाणं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति, तेणेव उवागच्छित्ता ते सुविणलक्खणपाढए सद्दावेति । तएणं ते सुविणलक्खण-पाढगा बलस्स रण्णो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठा ण्हाया जाव अलंकिय-सरीरा सिद्धत्थगहरियालियाकयमंगलमुद्धाना सएहिं सएहिं गिहेहिं णिग्गच्छंति, णिग्गच्छित्ता हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव बलस्स रण्णो भवणवरवडैसए तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता भवणवरवडैसगपडिदुवारंसि एगओ मिलंति, एगओ मिलित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेति। तएणं ते सुविणलक्खणपाढगा

बलेणं रण्णा वंदिय-पूइअ-सक्कारिया-संमाणिया समाणा पत्तेयं पत्तेयं पुव्वण्णत्थेसु भद्दासणेसु णिसीयंति ।

२५

तएणं से बले राया पभावइं देवीं जवणियंतरियं ठावेइ, ठावेत्ता पुप्फ- फलपडि- पुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुविणलक्खणपाढए एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया! पभावई देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि वासघरंसि जाव सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा । तण्णं देवाणुप्पिया! एयस्स ओरालस्स जाव के मण्णे कल्लाणे फलवित्ति-विसेसे भविस्सइ?

२६

तएणं ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रण्णो अंतियं एयमद्वं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुद्धा तं सुविणं ओगिण्हंति, ओगिण्हित्ता ईहं अणुप्पविसंति, अणुप्पविसित्ता तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करंति, करेत्ता अण्णमण्णेणं सद्धिं संचालेति, संचालित्ता तस्स सुविणस्स लद्धा गहियद्धा पुच्छियद्धा विणिच्छियद्धा अभिगयद्धा बलस्स रण्णो पुरओ सुविणसत्थाइं उच्चारेमाणा- उच्चारेमाणा एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा, तीसं महासुविणा, बावत्तरिं सव्वसुविणा दिद्धा । तत्थणं देवाणुप्पिया! तित्थयरमायरो वा चक्कवट्ठिमायरो वा तित्थयरंसि वा चक्कवट्ठिसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोदस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति। तं जहा-

गय-वसह-सीह-अभिसेय-दाम-ससि-दिणयरं झयं कुंभ ।

पउमसर-सागर-विमाण-भवण-रयणुच्चय-सिहिं च ॥

वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति । बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति । मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं णं चउदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति । इमे य णं देवाणुप्पिया! पभावईए देवीए एगे महासुविणे दिद्धे, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिद्धे जाव आरोग्ग- तुद्धि-दीहाउ-कल्लाण-मंगल्लकारेणं णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिद्धे, अत्थलाभो देवाणुप्पिया ! भोगलाभो देवाणुप्पिया ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिया ! रज्जलाभो देवाणुप्पिया! एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धमाणं राइंदियाणं वीइक्कंताणं तुम्हं कुलकेउं जाव देवकुमार-समप्पभं दारगं पयाहिइ ।

से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे जाव रज्जवई राया भविस्सइ, अणगारे वा भावियप्पा। तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिद्धे जाव मंगल्लकारेणं णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिद्धे ।

२७

तएणं से बले राया सुविणलक्खणपाढगाणं अंतिए एयमद्वं सोच्चा णिस्सम हट्ठतुद्ध करयल जाव कट्ठु ते सुविणलक्खणपाढगे एवं वयासी-एवमेयं देवाणुप्पिया! जाव से जहेयं तुब्भे वयह त्ति कट्ठु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता सुविणलक्खणपाढए विउलेणं असण-पाण- खाइम-साइम-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ, सक्कारित्ता सम्माणित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ, दलयित्ता पडिविसज्जेइ, पडिविसज्जेत्ता सीहासणाओ

अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता जेणेव पभावई देवी तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव महुर सस्सिरीयाहिं वग्गूहिं संलवमाणे-संलवमाणे एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा। तत्थ णं देवाणुप्पिए ! तित्थयरमायरो वा चक्कवट्ठिमायरो वा तं चेव जाव अण्णयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्जंति । इमे य णं तुमे देवाणुप्पिए ! एगे महासुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव रज्जवई राया भविस्सइ, अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे जाव मंगलकारेण णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे त्ति कट्ठु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव महुर-सस्सिरीयाहिं वग्गूहिं दोच्चं पि तच्चं पि अणुबूहइ ।

२८

तएणं सा पभावई देवी बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुत्तु करयल जाव एवं वयासी- एयमेयं देवाणुप्पिया ! जाव तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणि-रयण-भत्ति-चित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ, अतुरियमचवलं जाव रायहंस सरिसीए गईए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सयं भवणं अणुपविट्ठा ।

२९

तएणं सा पभावई देवी ण्हाया जाव सव्वालंकारविभूसिया तं गब्भं णाइसीएहिं णाइउण्हेहिं णाइतित्तेहिं णाइकडुएहिं णाइकसाएहिं णाइअंबिलेहिं णाइमहुरेहिं उउभयमाण-सुहेहिं भोयण-च्छायण-गंध-मल्लेहिं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थं गब्भपोसणं तं देसे य काले य आहारमाहारेमाणी विवित्तमउएहिं सयणासणेहिं पइरिक्कसुहाए मणाणुकूलाए विहारभूमीए पसत्थदोहला संपुण्ण-दोहला सम्माणियदोहला अविमाणियदोहला वोच्छिण्णदोहला विणीयदोहला ववगय-रोग-सोग-मोह-भय-परित्तासा तं गब्भं सुहं सुहेणं परिवहइ ।

तएणं सा पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्ण-पंचिदियसरीरं लक्खण-वंजण-गुणोवयेयं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं दारयं पयाया।

३०

तएणं तीसे पभावईए देवीए अंगपडियारियाओ पभावइं देविं पसूयं जाणेत्ता जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेत्ति, वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! पभावइ देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव सुरूवं दारगं पयाया तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पियट्ठयाए पियं णिवेदेमो, पियं भे भवउ ।

तएणं से बले राया अंगपडियारियाणं अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुत्तु जाव धाराहयणीव सुरभिकुसुम-चंचुमालइय-तणुए उसविय-रोमकूवे तासिं अंगपडियारियाणं मउडवज्जं जहामालियं ओमोयं दलयइ, दलयित्ता सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं भिंंगारं च गिण्हइ, गिण्हित्ता मत्थए धोवइ, धोवित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ, दलयित्ता सक्कारेइ सम्माणेइ, सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता पडिविसज्जइ ।

३१

तएणं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्धावेइ, सद्धावित्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे णयरे चारगसोहणं करेह, करेत्ता माणुम्मावड्ढणं करेह, करेत्ता हत्थिणाउरं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसिय- संमज्जिओ-वलित्तं जाव गंधवट्ठिभूयं करेह कारवेह, करेत्ता य

कारवेत्ता य जूवसहस्सं वा चक्कसहस्सं वा पूयामहामहिमसंजुत्तं उस्सवेह उस्सवेत्ता ममेयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।

तएणं ते कोडुंबियपुरिसा बलेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ।

३२

तएणं से बले राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तं चेव जाव मज्जणघराओ पडिणिकखमइ, पडिणिकखमित्ता उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोदंडिमं अधरिमं गणियावरणा-इज्जकलियं अणेगतालाचराणुचरियं अणुदुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं पमुइयपक्कीलियं सपुरजणजाणवयं दसदिवसे ठिइवडियं करेइ ।

तएणं से बले राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य, सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छेमाणे य पडिच्छावेमाणे यावि विहरइ ।

३३

तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं करेइ, तईए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेइ, छट्ठे दिवसे जागरियं करेइ, एककारसमे दिवसे विइक्कंते णिव्वत्ते असुइयजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावित्ति, उवक्खडावेत्ता जहा सिवो जाव खत्तिए य आमंतेति आमंतेत्ता तओ पच्छा णहाया तं चेव जाव सक्कारेति सम्माणेति, सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइ जाव राईण य खत्तियाण य पुरओ अज्जय-पज्जय पिउपज्जयागयं बहुपुरिसपरंपरप्परूढं कुलाणुरूवं कुलसरिसं कुलसंताण-तंतुवद्धणकरं अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेति-“जम्हा णं अम्हं इमे दारए बलस्स रण्णो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए, तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगस्स णामधेज्जं महब्बले,” तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेति महब्बले त्ति ।

३४

तएणं से महब्बले दारए पंचधाईपरिग्गहिए, तं जहा- खीरधाईए, एवं जहा दढपइण्णे जाव णिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवइडइ ।

तएणं तस्स महब्बलस्स दारगस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठिइवडियं वा चंदसूरदंसावणियं वा जागरियं वा णामकरणं वा परंगामणं वा पयचंकमणं वा जेमामणं वा पिंडवद्धणं वा पजंपावणं वा कण्णवेहणं वा संवच्छरपडिलेहणं वा चोलोयणगं च उवणयणं च अण्णाणि य बहूणि गब्भाधाण-जम्मणमाइयाइं कोउयाइं करेति ।

३५

तएणं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्टवासगं जाणित्ता सोभणंसि तिहि- करण-णक्खत्त- मुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेति एवं जहा दढप्पइण्णो जाव अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था ।

तएणं तं महब्बलं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जाव अलं भोगसमत्थं वियाणित्ता अम्मापियरो अट्ट पासायवडैसए करेति, अब्भुग्गय-मूसिय-पहसिए इव वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव

पडिरूवे । तेसि णं पासायवडेंसगाणं बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महेगं भवणं करेति अणेगखंभसयसण्णिविट्ठं, वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छाघरमंडवंसि जाव पडिरूवे ।

३६

तएणं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो अण्णया कयाइ सोभणंसि तिहि-करण-दिवस- णक्खत्त-मुहुत्तंसि ण्हायं जाव सव्वालंकारविभूसियं पमक्खणग-ण्हाण-गीय-वाइय-पसाहण-अट्ठंग-तिलग-कंकण-अविहव-वहुउवणीयं मंगलसुजंपिएहि य वर-कोउय-मंगलोवयार-कयसंतिकम्मं सरिसियाणं सरिसतयाणं सरिसव्वयाणं सरिसलावण्ण-रूव-जोव्वणगुणोववेयाणं विणीयाणं कयकोउय-मंगलपाय-च्छित्ताणं सरिसएहिं रायकुलेहिंतो आणिल्लियाणं अट्ठण्हं रायवरकण्णाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु।

३७

तएणं तस्स महाबलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं पीइदाणं दलयंति, तं जहा- अट्ठ हिरण्णकोडिओ, अट्ठ सुवण्णकोडीओ, अट्ठ मउडे मउडप्पवरे, अट्ठ कुंडलजुए कुंडलजुयप्पवरे, अट्ठहारे हारप्पवरे, अट्ठ अट्ठहारे अट्ठहारप्पवरे, अट्ठ एगावलीओ एगावलिप्पवराओ, एवं मुत्तावलीओ, एवं कणगावलीओ, एवं रयणावलीओ, अट्ठ कडगजोए कडगजोयप्पवरे, एवं तुडियजोए, अट्ठ खोमजुयलाइं खोमजुयलप्पवराइं, एवं वडगजुयलाइं, एवं पट्टजुयलाइं, एवं दुगुल्लजुयलाइं अट्ठ सिरीओ, अट्ठ हिरीओ, एवं धिईओ, कित्तीओ, बुद्धीओ, लच्छीओ, अट्ठ णंदाइं, अट्ठ भट्ठाइं, अट्ठ तले तलप्पवरे सव्वरयणामए णियगवरभवणकेऊ, अट्ठ झए झयप्पवरे, अट्ठ वये वयप्पवरे दसगोसाहस्सिएणं वएणं, अट्ठ णाडगाइं णाडगप्पवराइं बत्तीसबद्धेणं णाडएणं, अट्ठ आसे आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए, अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे, सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए, अट्ठ जाणाइं जाणप्पवराइं, अट्ठ जुगाइं जुगप्पवराइं, एवं सिबियाओ, एवं संदमाणीओ, एवं गिल्लीओ-थिल्लीओ, अट्ठ वियडजाणाइं वियडजाणप्पवराइं, अट्ठ रहे पारिजाणिए, अट्ठरहे संगामिए, अट्ठ आसे आसप्पवरे, अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे, अट्ठ गामे गामप्पवरे दसकुलसाहस्सिएणं गामेणं, अट्ठ दासे दासप्पवरे, एवं चेव दासीओ, एवं किंकरे, एवं कंचुइज्जे, एवं वरिसधरे, एवं महत्तरए, अट्ठ सोवण्णिए ओलंबणदीवे, अट्ठ रुप्पामए ओलंबणदीवे, अट्ठ सुवण्ण- रुप्पामए ओलंबणदीवे, अट्ठ सोवण्णिए उक्कंचणदीवे, एवं चेव तिण्णि वि; अट्ठ सोवण्णिए पंजरदीवे, एवं चेव तिण्णि वि ।

३८

अट्ठ सोवण्णिए थाले, अट्ठ रुप्पमए थाले, अट्ठ सुवण्णरुप्पमए थाले, अट्ठ सोवण्णियाओ पत्तीओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाइं थासयाइं एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाइं मल्लगाइं एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ तलियाओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ कविचिआओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णिए उवएडए एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ अवयक्काओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णिए पायपीढए एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ भिसियाओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ करोडियाओ एए चेव तिण्णि वि अट्ठ सोवण्णिए पल्लंके एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ सोवण्णियाओ पडिसेज्जाओ एए चेव तिण्णि वि, अट्ठ हंसासणाइं, अट्ठ कौंचासणाइं, एवं गरुलासणाइं, उण्णयासणाइं, पणयासणाइं, दीहासणाइं, भट्ठासणाइं, पक्खासणाइं, मगरासणाइं,

अट्ठ पउमासणाइं, अट्ठ दिसा सोवत्थियासणाइं, अट्ठ तेल्लसमुग्गे एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठ सरिसव-समुग्गे, अट्ठ खुज्जाओ एवं जहा उववाइए जाव अट्ठ पारिसीओ, अट्ठ छत्ते, अट्ठ छत्तधारिओ चेडीओ, अट्ठ तालियंटे, अट्ठ चामराओ, अट्ठ चामरधारीओ चेडीओ, अट्ठ तालियंटधारिओ चेडीओ, अट्ठ करोडियाओ, अट्ठ करोडियाधारीओ चेडीओ, अट्ठ खीरधाईओ जाव अट्ठ अंकधाईओ, अट्ठ अंगमद्वियाओ, अट्ठ उम्मद्वियाओ, अट्ठ ण्हावियाओ, अट्ठ पसाहियाओ, अट्ठ वण्णगपेसीओ, अट्ठ चुण्णगपेसीओ, अट्ठ कोट्ठागारीओ, अट्ठ दवकारीओ, अट्ठ उवत्थाणियाओ, अट्ठ णाडइज्जाओ, अट्ठ कोडुंबिणीओ, अट्ठ महाणसिणीओ, अट्ठभंडागारिणीओ, अट्ठ अब्भाधारिणीओ, अट्ठ पुप्फधारणीओ, अट्ठ पाणिधारणीओ, अट्ठ बलिकारीओ, अट्ठ सेज्जाकारीओ, अट्ठ अब्भित्तारियाओ पडिहारीयाओ, अट्ठ बाहिरीयाओ पडिहारीयाओ, अट्ठ मालाकारीओ, अट्ठ पेसणकारीओ, अण्णं वा सुबहुं हिरण्णं वा सुवण्णं वा कंसं वा दूसं वा विउलधण- कणग जाव संतसारसावएज्जं, अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं, पकामं भोत्तुं, पकामं परिभाएउं ।

तएणं से महब्बले कुमारे एगमेगाए भज्जाए एगमेगं हिरण्णकोडिं दलयइ, एगमेगं सुवण्णकोडिं दलयइ, एगमेगं मउडं मउडप्पवरं दलयइ, एवं तं चेव सव्वं जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयइ, अण्णं वा सुबहुं हिरण्णं वा जाव परिभाएउं । तएणं से महब्बले कुमारे उप्पिं पासायवरगए जहा जमाली जाव विहरइ ।

३९

तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पओप्पए धम्मधोसे णामं अणगारे जाइसंपण्णे एवं जहा केसिसामी जाव पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुग्गामं दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिणाउरे णयरे, जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ, ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं हत्थिणाउरे णयरे सिंघाडग-तिय जाव परिसा पज्जुवासइ ।

४०

तएणं तस्स महब्बलस्स कुमारस्स तं महयाजणसद्धं वा जणवूहं वा एवं जहा जमाली तहेव चिंता, तहेव कंचुइज्जपुरिसं सद्धावेइ, कंचुइज्जपुरिसो वि तहेव अक्खाइ, णवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमण-गहिय-विणिच्छए करयल जाव णिग्गच्छइ । एवं खलु देवाणुप्पिया ! विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मधोसे णामं अणगारे, सेसं तं चेव जाव सो वि तहेव रहवरेणं णिग्गच्छइ । धम्मकहा जहा केसिसामिस्स । सो वि तहेव अम्मापियरं आपुच्छइ, णवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए, तहेव वुत्तपडिवुत्तया, णवरं इमाओ य ते जाया ! विउलरायकुलबालियाओ कला-कुसल-सव्वकाल-लालिय-सुहोचियाओ सेसं तं चेव जाव ताहे अकामाइं चेव महब्बलकुमारं एवं वयासी- तं इच्छामो ते जाया ! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए ।

तएणं से महब्बले कुमारे अम्मापियराण वयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिद्धइ । तएणं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्धावेइ, एवं जहा सिवभद्धस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्वो जाव अभिसिंचइ, करयलपरिग्गहियं महब्बलं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावैत्ति, जएणं विजएणं वद्धावित्ता जाव एवं वयासी- भण जाया ! किं देमो, किं पयच्छामो, सेसं जहा जमालिस्स

जाव तएणं से महब्बले अणगारे धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं सामाइयमाइयाइं चोदस पुव्वाइं अहिज्जइ, अहिज्जित्ता बहूहिं चउत्थ जाव विचित्तेहिं तवोकम्महिं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सद्धिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम-सूरिय जहा अम्मडो जाव बंभलोए कप्पे देवत्ताए उववण्णे ।

तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थणं महब्बलस्स वि देवस्स दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं तुमं सुदंसणा! बंभलोए कप्पे दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता इहेव वाणियग्गामे णयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाए ।

४१ तएणं तुमे सुदंसणा ! उम्मक्कबालभावेणं विण्णायपरिणयमेत्तेणं जोव्वणगम-णुप्पत्तेणं तहारूवाणं थेराणं अंतियं केवलिपण्णत्ते धम्मं णिसंते, से वि य धम्मं तुब्भे इच्छिए, पडिच्छिए, अभिरूइए; तं सुद्धं णं तुमं सुदंसणा ! इयाणिं पकरेसि। से तेणद्वेणं सुदंसणा ! एवं वुच्चइ-अत्थि णं एएसिं पलिओवम-सागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा ।

४२ तएणं तस्स सुदंसणस्स सेट्ठिस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमद्वं सोच्चा णिसम्म सुभेणं अज्झवसाणेणं, सुभेणं परिणामेणं, लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं, तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं, ईहा-पोह-मग्गण-गवेसणं करेमाणस्स सण्णीपुव्वजाईसरणे समुप्पण्णे, एयमद्वं सम्मं अभिसमेइ ।

४३ तएणं से सुदंसणे सेट्ठी समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वभवे दुगुणाणीयसड्ढसंवेगे आणंदंसुपुण्णयणे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवमेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वयह जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसिभागं अवक्कमइ, सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, णवरं चोदस पुव्वाइं अहिज्जइ, बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ एक्कारसमो उद्देसो समत्तो ॥

बारसमो उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी होत्था, वण्णओ । संखवणे चेइए, वण्णओ। तत्थ णं आलभियाए णयरीए बहवे इसिभद्वपुत्तपामोक्खा समणोवासया परिवसंति- अड्ढा जाव बहुजणस्स अपरिभूया; अभिगयजीवा-जीवा जाव अहापरि-ग्गहेहिं तवोकम्महिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।

२ तएणं तेसिं समणोवासयाणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सण्णिविद्वाणं सण्णिसण्णाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?

- ३ तएणं से इसिभद्वपुत्ते समणोवासए देवठिङ्गहियद्धे ते समणोवासए एवं वयासी- देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया, दुसमयाहिया जाव दससमयाहिया, संखेज्जसमयाहिया, असंखेज्जसमयाहिया, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य ।
- ४ तएणं ते समणोवासया इसिभद्वपुत्तस्स समणोवासगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमद्धं णो सद्धहंति, णो पत्तियंति, णो रोयंति, एयमद्धं असद्धहमाणा, अपत्तियमाणा, अरोएमाणा जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया।
- ५ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे । परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ । तएणं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धा समाणा हट्ठतुद्धा एवं जहा तुंगियउद्देसए जाव पज्जुवासंति । तएणं समणे भगवं महावीरे तेषिं समणोवासगाणं, तीसे य महइमहालिए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव आणाए आराहए भवइ ।
- ६ तएणं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्या णिसम्म हट्ठतुद्धा उद्धाए उद्धेइ, उद्धेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति, णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु भंते ! इसिभद्वपुत्ते समणोवासए अम्मं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दस-वास-सहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेणं परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य से कहमेयं भंते ! एवं ?
- ७ अज्जो ! त्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी- जण्णं अज्जो! इसिभद्वपुत्ते समणोवासए तुज्झं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य; सच्चे णं एसमद्धे, अहं पि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दस वास- सहस्साइं तं चेव जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमद्धे।
- ८ तएणं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमद्धं सोच्या णिसम्म समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति; वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव इसिभद्वपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता इसिभद्वपुत्तं समणोवासगं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एयमद्धं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेंति। तएणं ते समणोवासया पसिणाइं पुच्छंति, पुच्छित्ता अद्धाइं परियादियंति, परियादियित्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ।
- ९ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- पभू णं भंते ! इसिभद्वपुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ?
- गोयमा ! णो इणद्धे समद्धे । इसिभद्वपुत्तेणं समणोवासए बहूहिं सीलव्वय- गुणव्वय- वेरमण- पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्महिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं

समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेहिइ, झूसेत्ता सद्धिं भत्ताइं अणसणाए छेदेहिइ, छेदेत्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पणत्ता । तत्थ णं इसिभद्दपुत्तस्स वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई भविस्सइ ।

१० से णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिईक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहेइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ आलभियाओ णयरीओ संखवणाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ।

११ तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तत्थ णं संखवणे णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तस्स णं संखवणस्स चेइयस्स अदूरसामंते पोग्गले णामं परिव्वायए परिवसइ-रिउव्वेद-जजुव्वेद जाव बंभणएसु परिव्वायएसु य णएसु सुपरिणिट्ठिए छट्ठं-छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव आयावेमाणे विहरइ ।

१२ तएणं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स छट्ठं-छट्ठेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जहा सिव्वस्स जाव विब्भंगे णामं अण्णाणे समुप्पण्णे । से णं तेणं विब्भंगेणं अण्णाणेणं समुप्पणेणं बंभलोए कप्पे देवाणं ठिइं जाणइ पासइ ।

१३ तएणं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्प- ज्जित्था- अत्थि णं ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई पणत्ता, तेण परं समयाहिया, दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया, उक्कोसेणं दससागरोवमाइं ठिई पणत्ता, तेणं परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य; एवं संपेहेइ, एवं संपेहेत्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता तिदंडकुंडिया जाव धाउरत्ताओ य गेणहइ, गेणहेत्ता जेणेव आलभिया णयरी, जेणेव परिव्वायगावसहे, तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भंडणिक्खेवं करेइ, करेत्ता आलभियाए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, तहेव जाव वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य ।

१४ तएणं आलभियाए णयरीए एएणं अभिलावेणं जहा सिव्वस्स, तं चेव जाव से कहमेयं मण्णे एवं? सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया । भगवं गोयमे तहेव भिक्खायरियाए तहेव बहुजणसद्धं णिसामेइ, णिसामेत्ता तहेव सव्वं भाणियव्वं जाव अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि एवं भासामि जाव परूवेमि- देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पणत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पणत्ता, तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य ।

१५ अत्थि णं भंते ! सोहम्मे कप्पे दव्वाइं सवण्णाइं पि अवण्णाइं पि तहेव पुच्छा ?

गोयमा ! हंता अत्थि । एवं ईसाणे वि जाव अच्चुए वि एवं चेव गेवेज्जविमाणेसु, अणुत्तरविमाणेसु, ईसिपब्भाराए वि । जाव हंता अत्थि । तएणं सा महतिमहालिया परिसा जाव पडिगया।

१६

तएणं आलभियाए णयरीए सिंघाडग-तिय, एवं जहा सिवस्स जाव सव्व- दुक्खप्पहीणे। णवरं तिदंड-कुंडियं जाव धाउरत्तवत्थपरिहिए परिवडियविब्भंगे आलभियं णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमइ, अवक्कमित्ता तिदंडकुंडियं च जहा खंदओ जाव पव्वइओ । सेसं जहा सिवस्स जाव अच्चाबाहं सोक्खं अणुभवन्ति सासयं सिद्धा ।
॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बारसमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ एक्कारसं सतं समत्तं ॥

बारसमं सतं

पढमो उद्देसो

१

संखे जयंती पुढवी, पोग्गल अइवाय राहु लोगे य ।
णागे य देव आया, बारसमसए दसुद्देसा ॥

२

तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । कोट्टए चेइए, वण्णओ। तत्थ णं सावत्थीए णयरीए बहवे संखप्पामोक्खा समणोवासगा परिवसंति-अइढा जाव बहुजणस्स अपरिभूया; अभिगयजीवाजीवा जाव अहापरिग्ग- हिएहिं तवोक्कमेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति । तस्स णं संखस्स समणोवासगस्स उप्पला णामं भारिया होत्था, सुकुमाल पाणिपाया जाव सुरूवा, समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा जाव अहापरिग्गहिएहिं तवोक्कमेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरइ। तत्थ णं सावत्थीए णयरीए पोक्खली णामं समणोवासए परिवसइ- अइढे जाव अपरिभूए अभिगय जीवाजीवे जाव अहापरिग्गहिएहिं तवोक्कमेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरइ।

३

तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे । परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ। तएणं ते समणोवासगा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जहा आलभियाए जाव पज्जुवासंति । तएणं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइ महालियाए परिसाए धम्मकहा जाव परिसा पडिगया ।

४

तएणं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता पसिणाइं पुच्छंति पुच्छित्ता अट्ठाइं परियादियंति, परियादियित्ता उट्ठंति, उट्ठित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति, पडिणिक्ख- मित्ता जेणेव सावत्थी णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।

५ तएणं से संखे समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी- तुज्झे णं देवाणुप्पिया! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह, तएणं अम्हे तं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभाएमाणा परिभुंजेमाणा पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणा विहरिस्सामो । तएणं ते समणोवासगा संखस्स समणोवासगस्स एयमद्वं विणएणं पडिसुणेंति।

६ तएणं तस्स संखस्स समणोवासगस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समु- प्पज्जित्था- णो खलु मे सेयं तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणस्स विसाए माणस्स परिभाएमाणस्स परिभुंजेमाणस्स पक्खियं पोसहं पडिजागर-माणस्स विहरित्तएसेयं खलु मे पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणि - सुवण्णस्स ववगय-माला-वण्णग-विलेवणस्स णिक्खित्तसत्थ- मुसलस्स एगस्स अबिइयस्स दब्भसंथारो-वगयस्स पक्खियं पोसहं पडिजागर-माणस्स विहरित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता जेणेव सावत्थी णयरी, जेणेव सए गिहे, जेणेव उप्पला समणोवासिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता उप्पलं समणोवासियं आपुच्छइ, आपुच्छित्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पोसहसालं अणुपविस्सइ, अणुपविस्सित्ता पोसहसालं पमज्जइ, पमज्जित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता दब्भसंथारगं संथरइ, संथरित्ता दब्भसंथारगं दुरुहइ, दुरुहित्ता पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ ।

७ तएणं ते समणोवासगा जेणेव सावत्थी णयरी जेणेव साइं साइं गिहाइं, तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेति, उवक्खडावित्ता अण्णमण्णं सद्दावेति, सद्दावेत्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असण-पाण-खाइम-साइमे उवक्खडाविए, संखे य णं समणोवासए णो हव्व- मागच्छइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं संखं समणोवासगं सद्दावेत्तए ।

८ तएणं से पोक्खली समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी-अच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सुण्णिव्वुया वीसत्था, अहं णं संखं समणोवासगं सद्दावेमि, त्ति कट्ठु तेसिं समणोवासगाणं अंतियाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सावत्थीए णयरीए मज्झं-मज्झेणं जेणेव संखस्स समणोवासगस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवा-गच्छित्ता संखस्स समणोवासगस्स गिहं अणुपविट्ठे ।

९ तएणं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठ-तुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ, अणुगच्छित्ता पोक्खलिं समणोवासगं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता आसणेणं उवणिमंतेइ, उवणिमंतेत्ता एवं वयासी- संदिसउ णं देवाणुप्पिया ! किमागम- णप्पओयणं ?

तएणं से पोक्खली समणोवासए उप्पलं समणोवासियं एवं वयासी-कहिं णं देवाणुप्पिए ! संखे समणोवासए ? तएणं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ ।

१० तएणं से पोक्खली समणोवासए जेणेव पोसहसाला, जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गमणागमणाए पडिक्कमइ, पडिक्कमित्ता संखं समणोवासयं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असणे पाणे खाइमे साइमे उवक्खडाविए, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव पडिजागरमाणा विहारामो ।

११ तएणं से संखे समणोवासए पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी- णो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणस्स जाव पडि जागरमाणस्स विहरित्तए; कप्पइ मे पोसहसालाए पोसहियस्स जाव पडिजागर- माणस्स विहरित्तए । तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुब्भे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव विहरह।

१२ तएणं से पोक्खली समणोवासए संखस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सावत्थिं णयरिं मज्झं-मज्झेणं जेणेव ते समणोवासगा तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ते समणोवासए एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव विहरइ, तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुब्भे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव विहरह, संखे णं समणोवासए णो हव्वमागच्छइ । तएणं ते समणोवासगा तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव विहरंति ।

१३ तएणं तस्स संखस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था- सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरू सहस्स रस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता तओ पडिणियत्तस्स पक्खियं पोसहं पारित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, एवं संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं णयरिं मज्झं-मज्झेणं जाव पज्जुवासइ।

१४ तएणं ते समणोवासगा कल्लं पाउप्पभायाए जाव उट्ठियम्मि सूरू सहस्सरस्सिम्मि जलंते ण्हाया जाव अप्पमहग्घाभरणालंकिय सरीरा सएहिं सएहिं गेहेहिंतो पडिणिक्खमंति, पडिणिक्खमित्ता एगयओ मेलायंति, एगयओ मेलायित्ता पायविहारचारेणं जाव पज्जुवासंति। तएणं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव आणाए आराहए भवइ ।

१५ तएणं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठा उट्ठाए उट्ठेति, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता संखं समणोवासयं एवं वयासी- तुमं देवाणुप्पिया ! हिज्जो अम्हे अप्पणा चेव एवं वयासी- तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव विहरिस्सामो, तएणं तुमं पोसहसालाए जाव विहरिए, तं सुट्ठु णं तुमं देवाणुप्पिया ! अम्हे हीलसि ।

१६

अज्जो ! त्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी- मा णं अज्जो ! तुब्भे संखं समणोवासयं हीलह, णिंदह, खिंसह, गरहह, अवमण्णह, संखे णं समणोवासए पियधम्मे चेव, दढधम्मे चेव, सुदक्खुजागरियं जागरिए ।

१७

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- कइविहा णं भंते ! जागरिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! तिविहा जागरिया पण्णत्ता, तं जहा- बुद्धजागरिया अबुद्धजागरिया सुदक्खुजागरिया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- तिविहा जागरिया पण्णत्ता, तं जहा- बुद्धजागरिया, अबुद्धजागरिया, सुदक्खुजागरिया ?

गोयमा ! जे इमे अरिहंतो भगवंतो उप्पण्ण-णाणदंसणधरा जहा खंदए जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी, एए णं बुद्धा बुद्ध जागरियं जागरंति ।

जे इमे अणगारा भगवंतो ईरियासमिया भासासमिया जाव गुत्तबंभयारी एए णं अबुद्धा अबुद्धजागरियं जागरंति ।

जे इमे समणोवासगा अभिगयजीवाजीवा जाव अहापरिग्गहेहिं तवोकम्महेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, एए णं सुदक्खुजागरियं जागरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तिविहा जागरिया जाव सुदक्खुजागरिया ।

१८

तएणं से संखे समणोवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- कोहवसट्ठे णं भंते ! जीवे किं बंधइ, किं पगरेइ, किं चिणाइ, किं उवचिणाइ?

संखा ! कोहवसट्ठे णं जीवे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिल-बंधण- बद्धाओ एवं जहा पढमसए असंवुडस्स अणगारस्स जाव अणुपरियट्ठइ ।

माणवसट्ठे वि एवं चेव, एवं मायावसट्ठे वि, एवं लोभवसट्ठे वि जाव अणुपरियट्ठइ ।

१९

तएणं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीया तत्था तसिया संसारभउव्विग्गा समणं भगवं महावीरं वंदंति, णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता संखं समणोवासयं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेंति । तएणं ते समणोवासगा सेसं जहा आलभियाए जाव पडिगया ।

२०

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- पभू णं भंते ! संखे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ?

गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जहा इसिभद्दपुत्तस्स जाव सव्व दुक्खाणं अंतं काहेइ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

- १ तेषं कालेणं तेषं समएणं कोसंबी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । चंदोवतरणे चेइए, वण्णओ । तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो पोत्ते सयाणीयस्स रण्णो पुत्ते चेडगस्स रण्णो णत्तुए मियावईए देवीए अत्तए जयंतीए समणोवासियाए भत्तिज्जए उदायणे णामं राया होत्था, वण्णओ ।
- तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो सुण्हा सयाणीयस्स रण्णो भज्जा चेडगस्स रण्णो धूया उदायणस्स रण्णो माया जयंतीए समणोवासियाए भाउज्जा मियावई णामं देवी होत्था, वण्णओ । सुकुमाल-पाणिपाया जाव सुरूवा; समणोवासिया अभिगय जीवाजीवा जाव अहापरिग्गहेहिं तवोकम्महेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।
- तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो धूया सयाणीयस्स रण्णो भगिणी उदायणस्स रण्णो पिउच्छा मियावईए देवीए णणंदा वेसालीसावयाणं अरहंताणं पुव्वसिज्जायरी जयंती णामं समोणवासिया होत्था, सुकुमाल पाणिपाया जाव सुरूवा; अभिगय जीवाजीवा जाव अहापरिग्गहेहिं तवोकम्महेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।
- २ तेषं कालेणं तेषं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ ।
- तएणं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धढे समाने हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कोसंबिं णयरिं सब्भितर-बाहिरियं आसित्त-समज्जिओवलित्तं करेत्ता य कारवेत्ता एयमाणत्तियं पच्चपिणह एवं जहा कूणिओ तहेव सव्वं जाव पज्जुवासइ ।
- ३ तएणं सा जयंती समणोवासिया इमीसे कहाए लद्धढा समाणी हट्ठ-तुट्ठा जेणेव मियावई देवी तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मियावइं देविं एवं वयासी- एवं जहा णवमसए उसभदत्तो जाव णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ । तएणं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए जहा देवाणंदा जाव पडिसुणेइ ।
- तएणं सा मियावई देवी कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरण-जुत्तजोइय जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवडुवेह जाव उवडुवेत्ति उवडुवित्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ।
- ४ तएणं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं णहाया जाव अप्पमहग्घा भरणालंकिय-सरीरा बहूहिं खुज्जाहिं जाव अंतेउराओ णिग्गच्छइ, णिगच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जाव दुरूढा ।
- तएणं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा समाणी णियगपरियाल संपरिवुडा जहा उसभदत्तो जाव धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ ।
- ५ तएणं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं बहूहिं खुज्जाहिं जहा देवाणंदा जाव वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता उदायणं रायं पुरओ कट्ठु ठिइया चेव पज्जुवासइ । तएणं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रण्णो, मियावईए देवीए जयंतीए समणोवासियाए, तीसे य

महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव परिसा पडिगया, उदायणे पडिगए, मियावई देवी वि पडिगया ।

६ तएणं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हइतुडा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-
कहं णं भंते! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति? जयंती! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति ।

७ कहण्णं भंते जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति? जयंती! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्ल-वेरमणेणं, एवं खलु जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति ।
एवं जहा पढमेसते संसारं आउलीकरेंति, परित्ती करेंति, दीहीकरेंति, हस्सीकरेंति, अणुपरियट्ठंति, एवं वीईवयंति ।

८ भवसिद्धियत्तणं भंते ! जीवाणं किं सभावओ, परिणामओ ? जयंती ! सभावओ, णो परिणामओ ।

९ सव्वे वि णं भंते ! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति ? हंता, जयंती ! सव्वे वि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति ।

१० जइ णं भंते ! सव्वे वि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति, तम्हा णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ? जयंति ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणं खाइएणं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सव्वे वि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति, णो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ?

जयंती ! से जहाणामए सव्वागाससेढी सिया; अणाईया, अणवदग्गा, परित्ता, परिवुडा; सा णं परमाणुपोग्गलमेत्तेहिं खंडेहिं समए समए अवहीरमाणी-अवहीरमाणी अणंताहिं ओसप्पिणी-उसप्पिणीहिं अवहीरंति, णो चेव णं अवहिया सिया । से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ- सव्वे वि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति, णो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ।

११ सुत्तत्तं भंते ! साहू, जागरियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइयाणं जाव साहू ?

जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिद्वा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपलज्जणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, एएसिं णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू । एए णं जीवा सुत्ता समाणा णो बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्ठंति, एए णं जीवा सुत्ता समाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा णो बहूहिं अहम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एएसिं णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू ।

जयंती ! जे इमे जीवा धम्मिया धम्माणया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, एसिं णं जीवाणं जागरियत्तं साहू । एणं जीवा जागरा समाणा बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए जाव अपरियावणयाए वट्ठंति, तेणं जीवा जागरमाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा बहूहिं धम्मियाहिं संजोएत्तारो भवंति । एणं जीवा जागरमाणा धम्मजागरियाए अप्पाणं जागरइत्तारो भवंति, एसिं णं जीवाणं जागरियत्तं साहू; से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू ।

१२

बलियत्तं भंते ! साहू दुब्बलियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं बलियत्तं साहू, अत्थेगइयाणं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एसिं णं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू । एणं जीवा एवं जहा सुत्तस्स तहा दुब्बलियत्तस्स वत्तव्वया भाणियव्वा । बलियस्स जहा जागरस्स तहा भाणियव्वं जाव संजोएत्तारो भवंति, एसिं णं जीवाणं बलियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ- तं चेव जाव साहू ।

१३

दक्खत्तं भंते ! साहू, आलसियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं दक्खत्तं साहू, अत्थेगइयाणं जीवाणं आलसियत्तं साहू ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?

जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, एसिं णं जीवाणं आलसियत्तं साहू । एणं जीवा आलसा समाणा णो बहूणं, एवं जहा सुत्ता तहा आलसा भाणियव्वा, जहा जागरा तहा दक्खा भाणियव्वा जाव संजोएत्तारो भवंति । एणं जीवा दक्खा समाणा बहूहिं आयरियवेयावच्चेहिं जाव उवज्झाय-वेयावच्चेहिं, थेर-वेयावच्चेहिं तवस्सि-वेयावच्चेहिं, गिलाण वेयावच्चेहिं, सेह वेयावच्चेहिं, कुल वेयावच्चेहिं, गण वेयावच्चेहिं, संघ वेयावच्चेहिं साहम्मियवेयावच्चेहिं अत्ताणं संजोएत्तारो भवंति, एसिं णं जीवाणं दक्खत्तं साहू , से तेणट्ठेणं तं चेव जाव साहू ।

१४

सोइंदियवसट्ठे णं भंते ! जीवे किं बंधइ ?

जयंति ! जहा कोहवसट्ठे भणियं तहेव सोइंदियवसट्ठे वि भाणियव्वं जाव अणुपरियट्ठइ। एवं चक्खिंदियवसट्ठे वि जाव फासिंदियवसट्ठे वि ।

१५

तएणं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा सेसं जहा देवाणंदा तहेव पव्वइया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तइओ उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?
गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पढमा दोच्चा जाव सत्तमा।
- २ पढमा णं भंते ! पुढवी किं णामा किं गोत्ता पण्णत्ता ?
गोयमा ! घम्मा णामेणं, रयणप्पभा गोत्तेणं, एवं जहा जीवाभिगमे पढमो णेरइयउद्देसओ सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पाबहुगं ति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- दो भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, एगयओ साहण्णित्ता किं भवइ ?
गोयमा ! दुप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा कज्जइ, एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ ।
- २ तिण्णि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, साहण्णित्ता किं भवइ?
गोयमा ! तिपएसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि तिहा वि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति ।
- ३ चत्तारि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, पुच्छा ।
गोयमा ! चउपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा वि तिहा वि चउहा वि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खंधा भवंति । तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवंति ।
- ४ पंच भंते ! परमाणुपोग्गला, पुच्छा ।
गोयमा ! पंचपएसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि तिहा वि चउहा वि पंचहा वि कज्जइ; दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ चउपएसए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति; चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे पंच परमाणुपोग्गला भवंति ।
- ५ छब्भंते ! परमाणुपोग्गला, पुच्छा ।

गोयमा! छप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा वि तिहा वि जाव छव्विहा वि कज्जइ। दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, अहवा दो तिपएसिया खंधा भवन्ति ।

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, गयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा तिण्णि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुप्पएसिया खंधा भवन्ति । पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ । छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

६

सत्त भन्ते ! परमाणुपोग्गला, पुच्छा।

गोयमा! सत्तपएसिए खंधे भवइ; से भिज्जमाणे दुहा वि जाव सत्तहा वि कज्जइ । दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिप्पएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ ।

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ।

चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति।

छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ। सत्तहा कज्जमाणे सत्त परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

७

अट्ठ भन्ते! परमाणुपोग्गला, पुच्छा ।

गोयमा! अट्ठपएसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि जाव सत्तहा वि कज्जइ। दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा दो चउप्पएसिया खंधा भवन्ति।

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवन्ति, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ, अहवा

एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति ।

चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दोण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा चत्तारि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

पंचहा कज्जमाणे चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणु पोग्गला, एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला; एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ। अट्ठहा कज्जमाणे अट्ठ परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

८

णव भन्ते ! परमाणुपोग्गला, पुच्छा ।

गोयमा ! णव पएसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि कज्जइ जाव णवविहा कज्जइ; दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणु पोग्गले एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ, एवं एक्केक्कं संचारन्तेहिं जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए खंधे; एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ ।

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवन्ति, (अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ), अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ; अहवा तिण्णि तिपएसिया खंधा भवन्ति ।

९

चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ पंच-पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ तिण्णि दुप्पएसिया खंधा, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ ।

१०

पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला; एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ

दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

११ छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुप्पएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ तिण्णि दुप्पसिया खंधा भवन्ति ।

१२ सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला, एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

१३ अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ । णवहा कज्जमाणे णव परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

१४ दस भन्ते ! परमाणुपोग्गला, पुच्छा ?
गोयमा ! दस एसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि कज्जइ जाव दसविहा वि कज्जइ। दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ णवपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ; एवं एक्केक्कं संचारेयत्वं ति जाव अहवा दो पंच एसिया खंधा भवन्ति ।

१५ तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ चउप्पएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; [अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ:] अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ पंच एसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवन्ति, अहवा एगयओ दो तिपएसिया खंधा, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ ।

१६ चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ तिप्पएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवन्ति; [अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो दुप एसिया खंधा, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ:] अहवा एगयओ परमाणु पोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिण्णि तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति ।

१७ पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ;

अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ एग चउपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणु पोग्गला, एगयओ एग दुपएसिए खंधे, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा, एगयओ तिपए-सिए खंधे भवइ, अहवा पंच दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

१८

छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला, एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला; एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवन्ति।

१९

सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला, एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला, एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवन्ति ।

२०

अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला, एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला, एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति।

२१

णवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ । दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

२२

संखेज्जा णं भन्ते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णन्ति, एगयओ साहणित्ता किं भवइ ?

गोयमा ! संखेज्जपएसिए खंधे भवइ । से भिज्जमाणे दुहा वि जाव दसहा वि संखेज्जहा वि कज्जइ । दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ संखेज्ज-पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति ।

२३

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणु-पोग्गले, एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा तिण्णि संखेज्ज-पएसिया खंधा भवन्ति ।

२४

चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ तिप्पएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; एवं *जाव* अहवा एगयओ दो परमा-णुपोग्गला; एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो संखेज्ज-पएसिया खंधा भवन्ति; *जाव* अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति, अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; *जाव* अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा चत्तारि संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति ।

२५

एवं एएणं कमेणं पंचगसंजोगो वि भाणियव्वो एवं *जाव* णवगसंजोगो । दसहा कज्जमाणे एगयओ णव परमाणुपोग्गला, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ अट्ठ परमाणु पोग्गला, एगयओ दुपएसिए, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ । एएणं कमेणं एक्केक्को पूरेयव्वो *जाव* अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ णव संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा दस संखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति । संखेज्जहा कज्जमाणे संखेज्जा परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

२६

असंखेज्जा णं भन्ते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णन्ति, एगयओ साहणित्ता किं भवइ ?

गोयमा ! असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; से भिज्जमाणे दुहा वि *जाव* दसहा वि संखेज्जहा वि असंखेज्जहा वि कज्जइ । दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; *जाव* अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे भवइ, एगयओ असंखिज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति ।

२७

तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ असंखिज्ज- पएसिए खंधे भवइ; *जाव* अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति, एवं *जाव* अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा तिण्णि असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति ।

- २८ चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ असंखेज्ज-पएसिए खंधे भवइ, एवं चउक्कगसंजोगो जाव दसगसंजोगो, एए जहेव संखेज्ज-पएसियस्स, णवरं असंखेज्जगं एगं अहिगं भाणियव्वं जाव अहवा दस असंखेज्ज-पएसिया खंधा भवन्ति ।
- २९ संखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ संखेज्जा परमाणुपोग्गला, एगयओ असंखेज्ज पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ संखेज्जा दुपएसिया खंधा, एगयओ असंखेज्ज-पएसिए खंधे भवइ; एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा दसपएसिया खंधा, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्ज-पएसिया खंधा, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ; अहवा संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा भवन्ति । असंखेज्जहा कज्जमाणे असंखेज्जा परमाणुपोग्गला भवन्ति ।
- ३० अणंता णं भंते ! परमाणुपोग्गला जाव किं भवइ ?
गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे भवइ; से भिज्जमाणे दुहा वि तिहा वि जाव दसहा वि संखेज्जा-असंखेज्जा - अणंतहा वि कज्जइ । दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; जाव अहवा दो अणंतपएसिया खंधा भवन्ति ।
- ३१ तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दुपएसिए, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो अणंत-पएसिया खंधा भवन्ति, एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे, एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे, एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवन्ति; अहवा तिण्णि अणंतपएसिया खंधा भवन्ति ।
- ३२ चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; एवं चउक्कसंजोगो जाव असंखेज्जगसंजोगो, एए सव्वे जहेव असंखेज्जाणं भणिया तहेव अणंताण वि भाणियव्वं, णवरं एककं अणंतगं अब्भहियं भाणियव्वं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; अहवा संखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवन्ति ।
- ३३ असंखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ असंखेज्जा परमाणुपोग्गला, एगयओ अणंत-पएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ असंखेज्जा दुपएसिया खंधा, एगयओ अणंत-पएसिए खंधे भवइ; जाव अहवा एगयओ असंखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा, एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ; अहवा एगयओ असंखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा, एगयओ अणंत पएसिए खंधे भवइ अहवा असंखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवन्ति । अणंतहा कज्जमाणे अणंता परमाणुपोग्गला भवन्ति ।

- ३४ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं साहणणा भैयाणुवाएणं अणंताणंता पोग्गलपरियट्ठा समणुगंतच्चा भवंतीतिमक्खाया ?
हंता गोयमा ! एएसि णं परमाणुपोग्गलाणं साहणणा जाव मक्खाया ।
- ३५ कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते ?
गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते, तं जहा- ओरालियपोग्गलपरियट्ठे वेउच्चियपोग्गलपरियट्ठे तेयापोग्गलपरियट्ठे कम्मपोग्गलपरियट्ठे मणपोग्गलपरियट्ठे वइपोग्गलपरियट्ठे आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे ।
- ३६ णेरइयाणं भंते ! कइविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते ?
गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते, तं जहा- ओरालिय पोग्गलपरियट्ठे वेउच्चियपोग्गलपरियट्ठे जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ३७ एगमेगस्स णं भंते ! णेरयस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्ठा अतीता ?
गोयमा ! अणंता ।
केवइया पुरेक्खडा ?
गोयमा ! कस्सइ अत्थि, कस्सइ णत्थि; जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा ।
- ३८ एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स केवइया ओरालिय-पोग्गल-परियट्ठा ?
गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियस्स ।
- ३९ एगमेगस्स णं भंते ! णेरयस्स केवइया वेउच्चियपोग्गलपरियट्ठा, अतीता?
गोयमा! अणंता, एवं जहेव ओरालियपोग्गलपरियट्ठा तहेव वेउच्चिय पोग्गलपरियट्ठा वि भाणियच्चा। एवं जाव वेमाणियस्स। एवं जाव आणापाणु-पोग्गलपरियट्ठा। एए एगत्तिया सत्त दंडगाभवन्ति।
- ४० णेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्ठा अतीता ?
गोयमा! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ? अणंता । एवं जाव वेमाणियाणं । एवं वेउच्चियपोग्गलपरियट्ठा वि । एवं जाव आणापाणुपोग्गल-परियट्ठा जाव वेमाणियाणं एवं एए पोहत्तिया सत्त चउव्वीसदंडगा ।
- ४१ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्ठा अतीता ? गोयमा!
णत्थि एक्को वि । केवइया पुरेक्खडा ? णत्थि एक्को वि ।
- ४२ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया ओरालियपोग्गल परियट्ठा ? गोयमा !
एवं चेव । एवं जाव थणियकुमारत्ते जहा असुरकुमारत्ते ।
- ४३ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स पुढविक्काइयत्ते केवइया ओरालिय-पोग्गलपरियट्ठा अतीता ?

गोयमा ! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ? कस्सइ अत्थि, कस्सइ णत्थि; जस्सत्थि तस्स जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते।

४४

एगमेस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स णेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गल-परियट्ठा?

एवं जहा णेरइयस्स वत्तव्वया भणिया, तहा असुरकुमारस्स वि भाणियव्वा जाव वेमाणियत्ते। एवं जाव थणियकुमारस्स । एवं पुढविकाइयस्स वि । एवं जाव वेमाणियस्स, सव्वेसिं एक्को गमो ।

४५

एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठा अतीता ?

गोयमा ! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ? एकोत्तरिया जाव अणंता वा, एवं जाव थणियकुमारत्ते।

४६

पुढविकाइयत्ते पुच्छा ।

णत्थि एक्को वि, केवइया पुरेक्खडा ? णत्थि एक्को वि, एवं जत्थ वेउव्वियसरीरं अत्थि तत्थ एगुत्तरिओ, जत्थ णत्थि तत्थ जहा पुढविकाइयत्ते तहा भाणियव्वं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। तेयापोग्गलपरियट्ठा, कम्मापोग्गलपरियट्ठा य सव्वत्थ एगुत्तरिया भाणियव्वा । मणपोग्गलपरियट्ठा सव्वेसु पंचिंदिएसु एगुत्तरिया, विगलिंदिएसु णत्थि । वइपोग्गलपरियट्ठा एवं चेव, णवरं एगिंदिएसु णत्थि सेसेसु भाणियव्वा। आणापाणुपोग्गलपरियट्ठा सव्वत्थ एगुत्तरिया जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते ।

४७

णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्ठा अतीता ?

गोयमा ! णत्थि एक्को वि । केवइया पुरेक्खडा ? णत्थि एक्को वि, एवं जाव थणियकुमारत्ते।

४८

पुढविकाइयत्ते, पुच्छा ।

गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ? अणंता, एवं जाव मणुस्सत्ते । वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणियत्ते जहा णेरइयत्ते, एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवं सत्त वि पोग्गलपरियट्ठा भाणियव्वा; जत्थ अत्थि तत्थ अतीता वि पुरेक्खडा वि अणंता भाणियव्वा, जत्थ णत्थि तत्थ दो वि णत्थि भाणियव्वा । जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते केवइया आणापाणुपोग्गलपरियट्ठा अतीता ? अणंता । केवइया पुरेक्खडा? अणंता ।

४९

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- ओरालियपोग्गलपरियट्ठे, ओरालिय-पोग्गल-परियट्ठे ?

गोयमा ! जण्णं जीवेणं ओरालियसरीरे वट्टमाणेणं ओरालियसरीर पाओग्गाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गहियाइं, बद्धाइं, पुट्ठाइं, कडाइं, पट्ठवियाइं, णिविट्ठाइं, अभिणिविट्ठाइं, अभिसमण्णागयाइं, परियाइयाइं, परिणामियाइं, णिज्जिणाइं, णिसिरियाइं, णिसिट्ठाइं भवंति; से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-ओरालियपोग्गलपरियट्ठे ओरालियपोग्गलपरियट्ठे ।

एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठे वि, णवरं वेउव्वियसरीरे वट्ठमाणेणं वेउव्वियसरीर पाओग्गाइं दव्वाइं वेउव्वियसरीरत्ताए गहियाइं सेसं तं चेव सव्वं, एवं जाव आणापाणुपोग्गल-परियट्ठे, णवरं आणापाणुपाओग्गाइं सव्वदव्वाइं आणापाणुत्ताए गहियाइं, सेसं तं चेव ।

५०

ओरालियपोग्गलपरियट्ठे णं भंते ! केवइकालस्स णिव्वत्तिज्जइ ?

गोयमा ! अणंतहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं, एवइकालस्स णिव्वत्तिज्जइ। एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठे वि । एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे वि ।

५१

एयस्स णं भंते ! ओरालिय-पोग्गलपरियट्ठ-णिव्वत्तणा-कालस्स, वेउव्विय-पोग्गल-परियट्ठ-णिव्वत्तणा-कालस्स जाव आणापाणु-पोग्गलपरियट्ठ-णिव्वत्तणा-कालस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मग - पोग्गलपरियट्ठ - णिव्वत्तणाकाले, तेया - पोग्गलपरियट्ठ-णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, ओरालिय-पोग्गल-परियट्ठ-णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, आणापाणु-पोग्गलपरियट्ठ - णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, मणपोग्गल - परियट्ठ - णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, वइपोग्गल - परियट्ठ- णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे वेउव्विय - पोग्गलपरियट्ठ-णिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे ।

५२

एसि णं भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्ठाणं जाव आणापाणुपोग्गल-परियट्ठाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठा, वइपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, मणपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, आणापाणुपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, ओरालियपोग्गल-परियट्ठा अणंतगुणा, तेयापोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, कम्मगपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचमो उद्देसो

१

रायगिहे जाव एवं वयासी-अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे- एस णं कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचवण्णे, दुगंधे, पंचरसे, चउफासे पण्णत्ते ।

२

अह भंते ! कोहे, कोवे, रोसे, दोसे, अखमा, संजलणे, कलहे, चंडिक्के भंडणे, विवादे; एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचवण्णे, दुगंधे, पंचरसे, चउफासे पण्णत्ते ।

३

अह भंते ! माणे, मए, दप्पे, थंभे, गव्वे, अत्तुक्कोसे, परपरिवाए, उक्कासे, अवक्कासे, उण्णत्ते, उण्णामे, दुण्णामे; एस णं कइवण्णे कइ फासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचवण्णे, दुगंधे, पंचरसे, चउफासे पण्णत्ते ।

- ४ अह भंते ! माया, उवहि, णियडी, वलये, गहणे, णूमे, कक्के, कुरूए, जिम्हे, किच्चिसे, आयरण्या, गूहण्या, वंचण्या, पलिउंचण्या, साइजोगे य; एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचवण्णे जाव चउफासे पण्णत्ते ।
- ५ अह भंते! लोभे, इच्छा, मुच्छा, कंखा, गेही, तण्हा, भिज्झा, अभिज्झा, आसासण्या, पत्थण्या, लालप्पण्या, कामासा, भोगासा, जीवियासा, मरणासा, णंदीरागे; एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते?
गोयमा ! पंचवण्णे जाव चउफासे पण्णत्ते ।
- ६ अह भंते ! पेज्जे, दोसे, कलहे जाव मिच्छादंसणसल्ले; एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवण्णे जाव चउफासे पण्णत्ते ।
- ७ अह भंते! पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे; कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे; एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! अवण्णे, अगंधे, अरसे, अफासे पण्णत्ते ।
- ८ अह भंते! उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया पारिणामिया; एस णं कइवण्णा जाव कइफासा पण्णत्ता ? गोयमा ! अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ते ।
- ९ अह भंते ! उग्गहे ईहा अवाए धारणा एस णं कइवण्णा जाव कइफासा पण्णत्ता ? गोयमा! अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता ।
- १० अह भंते ! उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! अवण्णे जाव अफासे पण्णत्ते ।
- ११ सत्तमे णं भंते ! ओवासंतरे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! अवण्णे जाव अफासे पण्णत्ते ।
- १२ सत्तमे णं भंते ! तणुवाए कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! जहा पाणाइवाए, णवरं अट्ठफासे पण्णत्ते । एवं जहा सत्तमे तणुवाए तहा सत्तमे घणवाए, घणोदही, पुढवी । छट्ठे उवासंतरे अवण्णे; तणुवाए जाव छट्ठी पुढवी, एयाइं अट्ठफसाइं। एवं जहा सत्तमाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया तहा जाव पढमाए पुढवीए भाणियव्वं । जंबुद्धीवे दीवे जाव सयंभुरमणे समुद्धे, सोहम्ममे कप्पे जाव ईसिपब्भारा पुढवी, णेरइयावासा जाव वेमाणियावासा एयाणि सव्वाणि अट्ठफासाणि ।
- १३ णेरइया णं भंते ! कइवण्णा जाव कइफासा पण्णत्ता ।
गोयमा ! वेउच्चिय-तेयाइं पडुच्च पंचवण्णा, पंचरसा, दुग्गंधा, अट्ठफासा पण्णत्ता; कम्मगं पडुच्च पंचवण्णा, पंचरसा, दुग्गंधा, चउफासा पण्णत्ता; जीवं पडुच्च अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता । एवं जाव थणियकुमारा ।

१४

पुढविकाइयाणं पुच्छा ।

गोयमा ! ओरालिय, तेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्टफासा पण्णत्ता; कम्मगं पडुच्च जहा णेरइयाणं; जीवं पडुच्च तहेव । एवं जाव चउरिंदिया; णवरं वाउक्काइया ओरालिय, वेउव्विय, तेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्टफासा पण्णत्ता; सेसं जहा णेरइयाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा वाउक्काइया ।

१५

मणुस्साणं भंते ! पुच्छा ?

गोयमा ! ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्टफासा पण्णत्ता; कम्मगं, जीवं च पडुच्च जहा णेरइयाणं । वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ।

१६

धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए; एए सव्वे अवण्णा जाव अफासा। पोग्गलत्थिकाए पंचवण्णे, पंचरसे, दुगंधे, अट्टफासे पण्णत्ते । णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए; एयाणि चउफासाणि ।

१७

कण्हलेसा णं भंते ! कइवण्णा जाव कइ फासा पण्णत्ता ।

गोयमा ! दव्वलेसं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्टफासा पण्णत्ता; भावलेसं पडुच्च अवण्णा अगंधा, अरसा अफासा । एवं जाव सुक्कलेस्सा ।

सम्मद्दिट्ठि मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलदंसणे आभिणिबोहियणाणे जाव विब्भंगणाणे; आहारसण्णा जाव परिग्गहसण्णा; एयाणि अवण्णाणि अगंधाणि, अरसाणि अफासाणि । ओरालियसरीरे जाव तेयगसरीरे; एयाणि अट्टफासाणि । कम्मगसरीरे चउफासे । मणजोगे, वयजोगे य चउफासे; कायजोगे अट्टफासे । सागारोवओगे य अणगारोवओगे य अवण्णा जाव अफासा ।

१८

सव्वदव्वा णं भंते ! कइवण्णा जाव कइफासा पण्णत्ता ।

गोयमा ! अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवण्णा जाव अट्टफासा पण्णत्ता; अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवण्णा जाव चउफासा पण्णत्ता; अत्थेगइया सव्वदव्वा एगवण्णा एगगंधा एगरसा दुफासा पण्णत्ता; अत्थेगइया सव्वदव्वा अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता । एवं सव्वपएसा वि, सव्वपज्जवा वि । तीयद्धा अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता । एवं अणागयद्धा वि । एवं सव्वद्धा वि ।

१९

जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवण्णं, कइगंधं, कइरसं, कइफासं परिणामं परिणमइ ? गोयमा ! पंचवण्णं, पंचरसं, दुगंधं, अट्टफासं परिणामं परिणमइ ।

२०

कम्मओ णं भंते ! जीवे विभत्तिभावं परिणमइ णो अकम्मओ ? कम्मओ णं जगे विभत्तिभावं परिणमइ णो अकम्मओ ?

हंता गोयमा ! कम्मओ णं जीवे विभत्तिभावं परिणमइ, णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ । एवं जगे वि ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पचंमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ एक्कारसं सतं समत्तं ॥

छडो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- बहुजणे णं भंते ! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ- एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ, एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ ॥ से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जण्णं से बहुजणे अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं परूवेमि- एवं खलु राहू देवे महिइदीए जाव महासोक्खे, वरवत्थधरे वरमल्लधरे, वरगंधधरे, वराभरणधारी, राहुस्स णं देवस्स णव णामधेज्जा पण्णत्ता, तं जहा- सिंघाडए, जडिलए, खत्तए, खरए, ददरे, मगरे, मच्छे, कच्छभे, कण्हसप्पे। राहुस्स णं देवस्स विमाणा पंचवण्णा पण्णत्ता, तं जहा- किण्हा, णीला, लोहिया, हालिद्धा, सुक्किल्ला । अत्थि कालए राहुविमाणे खंजणवण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि णीलए राहुविमाणे लाउयवण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि लोहिए राहुविमाणे मंजिद्ववण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि पीयए राहुविमाणे हालिद्ववण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि सुक्किल्लए राहुविमाणे भासरासिवण्णाभे पण्णत्ते । जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पुरत्थिमेणं आवरित्ता णं पच्चत्थिमेणं वीईवयइ तया णं पुरत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ, पच्चत्थिमेणं राहू ।

जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पच्चत्थिमेणं आवरित्ता णं पुरत्थिमेणं वीईवयइ तया णं पच्चत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ, पुरत्थिमेणं राहू । एवं जहा पुरत्थिमेणं पच्चत्थिमेणं य दो आलावगा भणिया तहा दाहिणेण य उत्तरेण य दो आलावगा भाणियव्वा । एवं उत्तरपुरत्थिमेणं य दाहिणपच्चत्थिमेणं य दो आलावगा भाणियव्वा । एवं दाहिणपुरत्थिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेणं य दो आलावगा भाणियव्वा, एवं चेव जाव तया णं उत्तरपच्चत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ, दाहिणपुरत्थिमेणं राहू ।

२ जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं आवरेमाणे-आवरेमाणे चिद्धइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति- एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ, एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ । जया णं राहू आगच्छमाणे जाव परियारेमाणे चंदस्स लेस्सं आवरित्ता णं पासेणं वीईवयइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति- 'एवं खलु चंदेणं राहुस्स कुच्छी भिण्णा, एवं खलु चंदेणं राहुस्स कुच्छी भिण्णा' । जया णं राहू आगच्छमाणे वा जाव परियारेमाणे चंदस्स लेस्सं आवरित्ता णं पच्चोसक्कइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति- 'एवं खलु राहुणा चंदे वंते, एवं खलु राहुणा चंदे वंते ।' जया णं राहू आगच्छमाणे वा जाव परियारेमाणे वा चंदलेस्सं अहे सपक्खिं सपडिदिसिं आवरित्ता णं चिद्धइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति- "एवं खलु राहुणा चंदे घत्थे, एवं खलु राहुणा चंदे घत्थे ।"

३ कइविहे णं भंते ! राहू पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे राहू पण्णत्ते, तं जहा- धुवराहू य पव्वराहू य । तत्थ णं जे से धुवराहू से बहुलपक्खस्स पाडिवए पण्णरसइभागेणं पण्णरसइभागं चंदस्स लेस्सं आवरेमाणे आवरेमाणे चिद्धइ, तंजहा- पढमाए पढमं भागं, बितियाए बितियं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसमं भागं,

चरिमसमये चंदे रत्ते भवइ, अवसेसे समये चंदे रत्ते य विरत्ते य भवइ; तमेव सुक्कपक्खस्स उवदंसेमाणे उवदंसेमाणे चिद्धइ, पढमाए पढमं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसमं भागं, चरिमसमये चंदे विरत्ते भवइ; अवसेसे समये चंदे रत्ते य विरत्ते य भवइ । तत्थ णं जे से पव्वराहू से जहण्णेणं छण्हं मासाणं उक्कोसेणं बायालीसाए मासाणं चंदस्स, अडयालीसाए संवच्छराणं सूरस्स लेस्सं आवरेमाणे आवरेमाणे चिद्धइ ।

४

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- चंदे ससी, चंदे ससी ?

गोयमा ! चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो मियंके विमाणे, कंता देवा, कंताओ देवीओ, कंताइं आसण-सयण-खंभभंडमत्तोवगरणाइं, अप्पणा वि य णं चंदे जोइसिंदे जोइसराया सोमे कंते सुभए पियदंसणे सुरूवे, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ चंदे ससी, चंदे ससी ।

५

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सूरे आइच्चे, सूरे आइच्चे ?

गोयमा ! सूरदिया णं समया इ वा आवलिया इ वा जाव उस्सप्पिणी इ वा अवसप्पिणी इ वा, से तेणट्ठेणं जाव आइच्चे ।

६

चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! जहा दसमसए जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं । सूरस्स वि तहेव ।

७

चंदिम-सूरिया णं भंते ! जोइसिंदा जोइसरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणु- भवमाणा विहरंति?

गोयमा! से जहाणामए केइ पुरिसे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थे पढम जोव्वणुट्ठाणबलत्थाए भारियाए सद्धिं अचिरवत्तविवाहकज्जे, अत्थगवेसणयाए सोलसवासविप्पवासिए, से णं तओ लद्धट्ठे, कयकज्जे, अणहसमग्गे पुणरवि णियगगिहं हव्वमागए, ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिए मणुण्णं थालिपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भुत्ते समाणे, तंसि तारिसगंसि वासघरंसि एवं वण्णओ महब्बले कुमारे जाव सयणोवयारकलिए, ताए तारिसियाए भारियाए सिंगारागार-चारुवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुकूलाए सद्धिं इट्ठे सद्धे फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरेज्जा ।

से णं गोयमा ! पुरिसे विउसमणकालसमयंसि केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? ओरालं समणाउसो !

तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स कामभोगेहिंतो वाणमंतराणं देवाणं एत्तो अणंत- गुण-विसिद्धतरा चेव कामभोगा; वाणमंतराणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरिंद-वज्जियाणं भवणवासिणं देवाणं एत्तो अणंतगुण- विसिद्धतरा चेव कामभोगा; असुरिंदवज्जियाणं भवणवासियाणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरकुमाराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा; असुरकुमाराणं देवाणं कामभोगेहिंतो गहगण-णक्खत्त-तारा-रूवाणं जोइसियाणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा; गहगण-णक्खत्त जाव कामभोगेहिंतो चंदिम-सूरियाणं जोइसियाणं जोइसराईणं एत्तो अणंतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा; चंदिम-सूरिया णं गोयमा !

जोइसिंदा जोइसरायाणो एरिसे कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरन्ति । ॥ सेवं भन्ते ! सेवं भन्ते !॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सत्तमो उद्देशो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी- के महालए णं भन्ते ! लोए पण्णत्ते ?
गोयमा ! महइमहालए लोए पण्णत्ते, पुरत्थिमेणं असंखेज्जाओ जोयण- कोडाकोडीओ, एवं दाहिणेण वि पच्चत्थिमेण वि, उत्तरेण वि; एवं उड्ढं पि, अहे वि असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेण ।

२ एयंसि णं भन्ते ! एमहालयंसि लोगंसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्ते वि पएसे, जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वा वि ? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे।
से केणद्वेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ- एयंसि णं एमहालयंसि लोगंसि णत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्ते वि पएसे, जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वा वि ?
गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे अयासयस्स एगं महं अयावयं करेज्जा; से णं तत्थ जहण्णेणं एककं वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं अयासहस्सं पक्खिवेज्जा, ताओ णं तत्थ पउरगोयराओ पउरपाणियाओ जहण्णेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे परिवसेज्जा ।
अत्थि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्ते वि पएसे, जेणं तासिं अयाणं उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिणेण वा चम्मेहिं वा रोमेहिं वा सिंगेहिं वा खुरेहिं वा णहेहिं वा अणक्कंतपुव्वे भवइ ?
णो इणद्वे समद्वे,
होज्जा वि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्ते वि पएसे, जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा जाव णहेहिं वा अणोक्कंतपुव्वे, णो चेव णं एयंसि एमहालयंसि लोगंसि लोगस्स य सासयं भावं, संसारस्स य अणाइभावं, जीवस्स य णिच्चभावं, कम्मबहुत्तं, जम्मण- मरणबाहुल्लं च पडुच्च णत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्ते वि पएसे, जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वा वि । से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ एयंसिणं एमहालयंसि लोगंसि णत्थि केइ परमाणु पोग्गलमेत्ते पएसे जत्थणं अयं जीवे ण जाए ण मए वा वि ।

३ कइ णं भन्ते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?
गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ । एवं जहा पढमसए पंचमे-उद्देशए तहेव आवासा ठावेयव्वा जाव अणुत्तरविमाणे त्ति जाव अपराजिए, सव्वइसिद्धे ।

- ४ अयं णं भंते ! जीवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससय- सहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए णरगत्ताए णेरइयत्ताए उववण्णपुव्वे ?
हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।
- ५ सव्वजीवा वि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरया वाससहस्सेसु, पुच्छा ? गोयमा ! तं चेव जाव अणंतखुत्तो ।
- ६ अयं णं भंते ! जीवे सक्करप्पभाए पुढवीए पणवीसाए णिरयावास-सय सहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि, पुच्छा ? गोयमा ! जहा रयणप्पभाए तहेव दो आलावगा भाणियव्वा । एवं जाव धूमप्पभाए ।
- ७ अयं णं भंते ! जीवे तमाए पुढवीए पंचूणे णिरयावाससयसहस्से एगमेगंसि णिरयावासंसि, पुच्छा ? गोयमा ! तं चेव जाव अणंत खुत्तो । एवं दो वि आलावगा ।
- ८ अयं णं भंते ! जीवे अहेसत्तमाए पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाणिरएसु एगमेगंसि णिरयावासंसि पुच्छा ?
गोयमा ! जहा रयणप्पभाए ।
- ९ अयं णं भंते ! जीवे चउसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि पुढविककाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए देवत्ताए देवित्ताए आसण-सयण-भंडमत्तोवगरणत्ताए उववण्णपुव्वे ?
हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो । सव्वजीवा वि णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारेसु । णाणत्तं आवासेसु, आवासा पुव्वभणिया ।
- १० अयं णं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु पुढविककाइयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविककाइयावासंसि पुढविककाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए उववण्णपुव्वे ?
हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो । एवं सव्वजीवा वि, एवं जाव वणस्सइ-काइएसु ।
- ११ अयं णं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु बेइंदियावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि बेइंदियावासंसि पुढविककाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए; बेइंदियत्ताए उववण्ण- पुव्वे ?
हंता गोयमा ! जाव अणंत खुत्तो । सव्वजीवा वि णं एवं चेव । एवं जाव मणुस्सेसु, णवरं तेइंदिएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए तेइंदियत्ताए, चउरिंदिएसु चउरिंदियत्ताए, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए, मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए, सेसं जहा बेइंदियाणं । वाणमंतर-जोइसिय- सोहम्मीसाणेसु य जहा असुरकुमाराणं ।
- १२ अयं णं भंते ! जीवे सणंकुमारे कप्पे बारससु विमाणावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि वेमाणियावासंसि पुढविकाइयत्ताए पुच्छा ?

गोयमा ! जहा असुरकुमाराणं जाव अणंतखुत्तो, णो चेव णं देवित्ताए, एवं सव्वजीवा वि । एवं जाव आरणच्चुएसु ।

१३ अयं णं भंते ! जीवे तिसु वि अट्टारसुत्तरेसु गेविज्जविमाणावासेसु पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जहा सणंकुमारेसु ।

१४ अयं णं भंते ! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि अणुत्तरविमाणंसि पुच्छा ? गोयमा ! तहेव जाव असइं वा अणंतखुत्तो, णो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए वा, एवं सव्वजीवा वि ।

१५ अयं णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं माइत्ताए, पिइत्ताए, भाइत्ताए, भगि- णित्ताए, भज्जत्ताए, पुत्तत्ताए, धूयत्ताए, सुण्हत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं, अदुवा अणंतखुत्तो ।

१६ सव्वजीवा वि णं भंते ! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।

१७ अयं णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं अरित्ताए, वेरियत्ताए, घायगत्ताए, वहगत्ताए, पडिणीयत्ताए, पच्चामित्तत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।

१८ सव्वजीवा वि णं भंते इमस्स जीवस्स अरित्तए जाव उववण्णपुव्वे ! हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।

१९ अयं णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं रायत्ताए, जुवरायत्ताए जाव सत्थवाहत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । सव्वजीवाणं एवं चेव ।

२० अयं णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं दासत्ताए, पेसत्ताए, भयगत्ताए, भाइल्लगत्ताए, भोगपुरिसत्ताए, सीसत्ताए, वेसत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । एवं सव्वजीवा वि अणंतखुत्तो । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

अट्ठमो उद्देशो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी- देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महासोक्खे अणंतरं चयं चइत्ता बिसरीरेसु णागेसु उववज्जेज्जा ? हंता गोयमा ! उववज्जेजा ।

२ से णं तत्थ अच्चिय - वंदिय - पूइय - सक्कारिय - सम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सण्हियपाडिहेरे यावि भवेज्जा ?

हंता, गोयमा ! भवेज्जा ।

३ से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता सिज्झेज्जा जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ?
हंता, गोयमा ! सिज्झेज्जा जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ।

४ देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव बिसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा ? हंता, गोयमा ! उववज्जेज्जा
जहा णागाणं जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ।

५ देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव बिसरीरेसु रुक्खेसु उववज्जेज्जा ?
हंता, गोयमा ! उववज्जेज्जा सेसं जहा णागाणं णवरं सण्णिहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए
यावि भवेज्जा । सेसं तं चेव जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ।

६ अह भंते ! गोलंगूलवसभे, कुक्कुडवसभे, मंडुक्कवसभे एएणं णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा
णिम्मैरा णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए
उक्कोसेणं सागरोवमठिईयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जेज्जा ?
समणे भगवं वागरेइ- उववज्जमाणे उववन्ने त्ति वत्तव्वं सिया ।

७ अह भंते ! सीहे वग्घे जहा उस्स(ओस)प्पिणीउद्देसए जाव परस्सरे एए णं णिस्सीला जाव
णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जेज्जा ?
हंता, गोयमा ! उववज्जेज्जा ।

८ अह भंते ! ढंके कंके विलए मग्गुए सिखी, एए णं णिस्सीला जाव णरयंसि णेरइयत्ताए
उववज्जेज्जा ?
हंता, गोयमा ! उवज्जेज्जा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

णवमो उद्देसो

१ कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा- भवियदव्वदेवा
णरदेवा धम्मदेवा देवाहिदेवा भावदेवा ।

२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा ?
गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं
गोयमा ! एवं वुच्चइ- भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा ।

३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णरदेवा, णरदेवा ?
गोयमा ! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्ठी उप्पण्णसमत्तचक्करयणप्पहाणा णवणिहिपइणो
समिद्धकोसा बत्तीसं रायवरसहस्साणुयायमग्गा सागर-वरमेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा, से तेणट्ठेणं
जाव णरदेवा, णरदेवा ।

- ४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- धम्मदेवा, धम्मदेवा ?
गोयमा ! जे इमे अणगारा भगवंतो ईरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी, से तेणट्ठेणं जाव धम्मदेवा, धम्मदेवा ।
- ५ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- देवाहिदेवा, देवाहिदेवा ?
गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पण्णणाण-दंसणधरा जाव सव्वदरिसी, से तेणट्ठेणं जाव देवाहिदेवा, देवाहिदेवा ।
- ६ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भावदेवा, भावदेवा ?
गोयमा ! जे इमे भवणवइ-वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया देवा देवगइणामगोयाइं कम्माइं वेदेंति, से तेणट्ठेणं जाव भावदेवा, भावदेवा ।
- ७ भवियदव्वदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्ख-मणुस्स-देवेहिंतो उववज्जंति ?
गोयमा ! णेरएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्ख मणुस्स देवेहिंतो वि उववज्जंति, भेओ जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइय त्ति, णवरं असंखेज्जवासाउय-अकम्मभूमग-अंतरदीवग-सव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजिय-देवेहिंतो वि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति ।
- ८ णरदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो, पुच्छा ?
गोयमा ! णेरइएहिंतो उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएहिंतो, णो मणुस्सेहिंतो, देवेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ९ जइ णेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमपुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति ?
गोयमा ! रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति, णो सक्करप्पभापुढवि णेरइएहिंतो जाव णो अहेसत्तमपुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति ।
- १० जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ?
गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो वि उववज्जंति, वाणमंतर देवेहिंतो वि, एवं सव्वदेवेसु उववाएयव्वा, वक्कंतिभेएणं जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति ।
- ११ धम्मदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ?
गोयमा! वक्कंतिभेएणं सव्वेसु उववाएयव्वा जाव सव्वट्ठसिद्ध त्ति । णवरं तमा-अहेसत्तमाए-तेउ- वाउ-असंखिज्ज-वासाउय-अकम्मभूमग-अंतरदीवग-वज्जेसु ।
- १२ देवाहिदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा!
णेरइएहिंतो उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएहिंतो, णो मणुस्सेहिंतो, देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

- १३ जइ णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! तिसु पुढवीसु उववज्जंति, सेसाओ खोडेयव्वाओ ।
- १४ जइ देवेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! वेमाणिएसु सव्वेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, सेसा खोडेयव्वा ।
- १५ भावदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए भवणवासीणं उववाओ तहा भाणियव्वो ।
- १६ भवियदव्वदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पत्तिओवमाइं ।
- १७ णरदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता । गोयमा ! जहण्णेणं सत्त वाससयाइं, उक्कोसेणं चउरासीई पुव्वसय-सहस्साइं ।
- १८ धम्मदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
- १९ देवाहिदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता । गोयमा ! जहण्णेणं बावत्तरिं वासाइं, उक्कोसेणं चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं ।
- २० भावदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ।
- २१ भवियदव्वदेवा णं भंते! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए, पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?
गोयमा ! एगत्तं पि पभू विउव्वित्तए, पुहुत्तं पि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवं वा जाव पंचिंदियरूवं वा, पुहुत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवाणि वा जाव पंचिंदियरूवाणि वा, ताइं संखेज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा, संबद्धाणि वा असंबद्धाणि वा, सरिसाणि वा असरिसाणि वा विउव्वंति, विउव्वित्ता तओ पच्छा अप्पणो जहिच्छियाइं कज्जाइं करेंति । एवं णरदेवा वि । एवं धम्मदेवा वि ।
- २२ देवाहिदेवाणं पुच्छा ?
गोयमा ! एगत्तं पि पभू विउव्वित्तए, पुहुत्तं पि पभू विउव्वित्तए, णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा ।
- २३ भावदेवाणं पुच्छा ? जहा भवियदव्वदेवा ।
- २४ भवियदव्वदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ? किं णेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति ?
गोयमा! णो णेरइएसु उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएसु, णो मणुस्सेसु; देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति सव्वदेवेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति ।

- २५ णरदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं उववज्जंति पुच्छा ?
गोयमा ! णेरइएसु उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएसु णो मणुस्सेसु णो देवेसु उववज्जंति ।
जइ णेरइएसु उववज्जंति सत्तसु वि पुढवीसु उववज्जंति ।
- २६ धम्मदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं उववज्जंति, पुच्छा ?
गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएसु णो मणुस्सेसु; देवेसु उववज्जंति ।
- २७ जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासिदेवेसु उववज्जंति पुच्छा ?
गोयमा ! णो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति, णो वाणमंतर देवेसु, णो जोइसिय देवेसु,
वेमाणियदेवेसु उववज्जंति, सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वद्वसिद्ध- अणुत्तरोववाइय
वेमाणिय देवेसु उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ।
- २८ देवाहिदेवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ?
गोयमा ! सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेति ।
- २९ भावदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता, पुच्छा ?
गोयमा ! जहा वक्कंतीए असुरकुमाराणं उववट्ठणा तहा भाणियव्वा ।
- ३० भवियदव्वदेवे णं भंते ! भवियदव्वदेवे त्ति कालओ केवचिरं होइ ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । एवं जच्चेव ठिई सच्चेव
संचिद्धणा वि जाव भावदेवस्स; णवरं धम्मदेवस्स जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं देसूणा
पुव्वकोडी ।
- ३१ भवियदव्वदेवस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ?
गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं;
वणस्सइकालो।
- ३२ णरदेस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं,
उक्कोसेणं अणंतं कालं- अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं ।
- ३३ धम्मदेवस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं,
उक्कोसेणं अणंतं कालं-अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं ।
- ३४ देवाहिदेवाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं ।
- ३५ भावदेवस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं
अणंतं कालं- वणस्सइकालो ।
- ३६ एएसि णं भंते ! भवियदव्वदेवाणं, णरदेवाणं जाव भावदेवाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा
जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा णरदेवा, देवाहिदेवा संखेज्जगुणा, धम्मदेवा संखेज्जगुणा, भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा, भावदेवा असंखेज्जगुणा ।

३७ एसि णं भंते ! भावदेवाणं भवणवासीणं, वाणमंराणं, जोइसियाणं, वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव अच्चुयगाणं, गेवेज्जगाणं, अणुत्तरोववाइयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा, उवरिमगेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा, मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे देवा संखेज्जगुणा, एवं जहा जीवाभिगमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोइसिया भावदेवा असंखेज्जगुणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

दसमो उद्देशो

१ कइविहा णं भंते ! आया पण्णत्ता ?

गोयमा ! अइविहा आया पण्णत्ता, तं जहा- दवियाया, कसायाया, जोगाया, उवओगाया, णाणाया, दंसणाया, चरित्ताया, वीरियाया ।

२ जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स कसायाया, जस्स कसायाया तस्स दवियाया ?

गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण कसायाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि ।

३ जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स जोगाया, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा दवियाया कसायाया भणिया तहा दवियाया जोगाया भाणियव्वा ।

४ जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स उवओगाया, पुच्छा ?

गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स उवओगाया णियमं अत्थि, जस्स उवओगाया तस्स वि दवियाया णियमं अत्थि ।

जस्स दवियाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स पुण णाणाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि ।

जस्स दवियाया तस्स दंसणाया णियमं अत्थि, जस्स वि दंसणाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि ।

जस्स दवियाया तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्स दवियाया णियमं अत्थि । एवं वीरियायाए वि समं ॥१॥

५ जस्स णं भंते ! कसायाया तस्स जोगाया, जस्स जोगाया तस्स कसायाया ?

गोयमा ! जस्स कसायाया तस्स जोगाया णियमं अत्थि, जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय णत्थि । एवं उवओगायाए वि समं कसायाया णेयव्वा ।

कसायाया य णाणाया य परोप्परं दो वि भइयव्वाओ ।

जहा कसायाया य उवओगाया य तहा कसायाया य दंसणाया य । कसायाया य चरित्ताया य दो वि परोप्परं भइयव्वाओ ।

जहा कसायाया य जोगाया य भणिया तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ ॥२॥

एवं जहा कसायायाए वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाए वि उवरिमाहिं समं भाणियव्वाओ ॥३॥

जहा दवियायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवओगायाए वि उवरिल्लाहिं समं भाणियव्वा ॥४॥

जस्स णाणाया तस्स दंसणाया णियमं अत्थि, जस्स पुण दंसणाया तस्स णाणाया भयणाए । जस्स णाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण चरित्ताया तस्स णाणाया णियमं अत्थि । णाणाया वीरियाया दो वि परोप्परं भयणाए ॥५॥

जस्स दंसणाया तस्स उवरिमाओ दो वि भयणाए, जस्स पुण ताओ तस्स दंसणाया णियमं अत्थि ॥६॥

जस्स चरित्ताया तस्स वीरियाया णियमं अत्थि, जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय णत्थि ॥७॥

६ एयासि णं भंते ! दवियायाणं, कसायायाणं जाव वीरियायाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ, णाणायाओ अणंतगुणाओ, कसायाओ अणंतगुणाओ, जोगायाओ विसेसाहियाओ, वीरियायाओ विसेसाहियाओ, उवओग- दविय-दंसणायाओ तिण्णि वि तुल्लाओ विसेसाहियाओ ।

७ आया भंते ! णाणे अण्णे णाणे ? गोयमा ! आया सिय णाणे सिय अण्णाणे, णाणे पुण णियमं आया ।

८ आया भंते ! णेरइयाणं णाणे, अण्णे णेरइयाणं णाणे ? गोयमा ! आया णेरइयाणं सिय णाणे, सिय अण्णाणे । णाणे पुण से णियमं आया, एवं जाव थणियकुमाराणं ।

९ आया भंते ! पुढविकाइयाणं अण्णाणे, अण्णे पुढविकाइयाणं अण्णाणे ? गोयमा ! आया पुढविकाइयाणं णियमं अण्णाणे, अण्णाणे वि णियमं आया, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदिय तेइंदिय जाव वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ।

१० आया भंते ! दंसणे, अण्णे दंसणे ? गोयमा ! आया णियमं दंसणे, दंसणे वि णियमं आया ।

११ आया भंते ! णेरइयाणं दंसणे, अण्णे णेरइयाणं दंसणे ? गोयमा ! आया णेरइयाणं णियमा दंसणे, दंसणे वि से णियमं आया, एवं जाव वेमाणियाणं णिरंतरं दंडओ ।

१२ आया भंते ! रयण्णपभापुढवी अण्णा रयणप्पभा पुढवी ? गोयमा ! रयणप्पभा पुढवी सिय आया सिय णो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- रयणप्पभा पुढवी सिय आया, सिय णो आया, सिय अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य ?

गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तत्वं रयणप्पभा पुढवी आयाइ य णो आयाइ य; से तेणट्ठेणं गोयमा जाव णो आयाइ य ।

१३

आया भंते ! सक्करप्पभा पुढवी ?

गोयमा ! जहा रयणप्पभा पुढवी तहा सक्करप्पभा वि । एवं जाव अहेसत्तमा ।

१४

आया भंते ! सोहम्मे कप्पे पुच्छा ।

गोयमा ! सोहम्मे कप्पे सिय आया, सिय णो आया जाव णो आयाइ य ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो आयाइ य ?

गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो आयाइ य । एवं जाव अच्चुए कप्पे ।

१५

आया भंते ! गेविज्जविमाणे, पुच्छा ? गोयमा ! जहा रयणप्पभा तहेव । एवं अणुत्तरविमाणा वि, ईसिपब्भारा वि ।

१६

आया भंते ! परमाणुपोग्गले, अण्णे परमाणुपोग्गले ? गोयमा ! जहा सोहम्मे कप्पे तहा परमाणुपोग्गले वि भाणियव्वे ।

१७

आया भंते ! दुपएसिए खंधे, अण्णे दुपएसिए खंधे ?

गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय आया, सिय णो आया सिय अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय आया य णो आया य, सिय आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय णो आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य ।

१८

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ, तं चेव जाव णो आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य ?

गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णोआया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तत्वं, दुपएसिए खंधे आयाइ य णो आयाइ य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य णो आया य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य अवत्तत्वं आयाइ य णोआयाइ य, देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे णो आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तं चेव जाव णो आयाइ य ।

१९

आया भंते ! तिपएसिए खंधे अण्णे तिपएसिए खंधे ?

गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय आया, सिय णो आया, सिय अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय आया य णो आया य, सिय आया य णो आयाओ य, सिय आयाओ य णो आया य, सिय आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय आया य अवत्तत्वाइं आयाओ य णो आयाओ य, सिय आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय णो आया य

अवत्तत्त्वं आयाइ य णो आयाइ य, सिय णो आया य अवत्तत्त्वाइं आयाओ य णो आयाओ य, सिय णो आयाओ य अवत्तत्त्वं आया य णो आया य, सिय आया य णो आया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णो आयाइ य ।

२० से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारयेत्त्वं जाव सिय आया य णो आया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णो आयाइ य ?

गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया । परस्स आइट्ठे णो आया । तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णोआया य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य णोआयाओ य । देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य णोआया य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तत्त्वाइं आयाओ य णोआयाओ य । देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य, एए तिण्णि भंगा । देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णोआया य, अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे णोआया य अवत्तत्त्वाइं आयाओ य णोआयाओ य । देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णोआयाओ य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णोआया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य ।

से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- तिपएसिए खंधे सिय आया जाव णोआयाइ य ।

२१ आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे, पुच्छा ?

गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय आया, सिय णोआया, सिय अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । सिय आया य णोआया य, चउभंगा ॥ सिय आया य अवत्तत्त्वं, चउभंगा ॥ सिय णोआया य अवत्तत्त्वं, चउभंगा ॥ सिय आया य णोआया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । सिय आया य णोआया य अवत्तत्त्वाइं आयाओ य णोआयाओ य । सिय आया य णोआयाओ य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य । सिय आयाओ य णोआया य अवत्तत्त्वं आयाइ य णोआयाइ य ।

२२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- चउप्पएसिए खंधे सिय आया य णोआया य अवत्तत्त्वं तं चेव अट्ठे पडिउच्चारयेत्त्वं ?

गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तत्त्वं आयाइ य णो आयाइ य । देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे, चउभंगो ॥ सब्भावपज्जवेणं तदुभएण य, चउभंगो ॥ असब्भावेणं तदुभएण य, चउभंगो ॥ देसे आइट्ठे

सब्भावपज्जवे देसे आइहे असब्भावपज्जवे देसे आइहे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य णो आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य १६; देसे आइहे सब्भावपज्जवे देसे आइहे असब्भावपज्जवे देसा आइहा तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खंधे आया य णो आया य अवत्तत्वाइं आयाओ य णोआयाओ य १७; देसे आइहे सब्भावपज्जवे देसा आइहा असब्भावपज्जवा देसे आइहे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य णो आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य । देसा आइहा सब्भावपज्जवा देसे आइहे असब्भावपज्जवे देसे आइहे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आयाओ य णो आया य अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य ।

से तेणहेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- चउप्पएसिए खंधे सिय आया सिय णो आया सिय अवत्तत्वं णिक्खेवे ते चेव भंगा उच्चारयेत्वा जाव णो आयाइ य ।

२३

आया भंते ! पंचपएसिए खंधे, अण्णे पंचपएसिए खंधे ?

गोयमा! पंचपएसिए खंधे सिय आया । सिय णो आया । सिय अवत्तत्वं आयाइ य णो आयाइ य। सिय आया य णो आया य, चउभंगो ॥ सिय आया य अवत्तत्वं, चउभंगो ॥ णो आया य अवत्तत्वेण य, चउभंगो ॥ तियगसंजोगे एक्को ण पडइ ।

२४

से केणहेणं भंते ! तं चेव पडिउच्चारयेत्वं ?

गोयमा ! अप्पणो आइहे आया । परस्स आइहे णो आया । तदुभयस्स आइहे अवत्तत्वं । देसे आइहे सब्भावपज्जवे देसे आइहे असब्भावपज्जवे । एवं दुयगसंजोगे सव्वे पडंति । तियगसंजोगे एक्को ण पडइ । छप्पएसियस्स सव्वे पडंति। जहा छप्पएसिए एवं जाव अणंतपएसिए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ बारसमं सत्तं समत्तं ॥

तेरसमं सत्तं

पढमो उद्देशो

१

पुढवी देव-मणंतर, पुढवी आहारमेव उववाए ।

भासा कम्म अणगारे, केयाघडिया समुग्घाए ॥

२

रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा।

३

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा ! तीसं णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।

ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा वि असंखेज्जवित्थडा वि ।

४

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति ? केवइया काउलेस्सा उववज्जंति? केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति ? केवइया सुक्कपक्खिया उववज्जंति? केवइया सण्णी उववज्जंति? केवइया असण्णी उववज्जंति ? केवइया भवसिद्धिया उववज्जंति ? केवइया अभवसिद्धिया उवज्जंति ? केवइया आभिणिबोहियणाणी उववज्जंति? केवइया सुयणाणी उववज्जंति ? केवइया ओहिणाणी उववज्जंति ? केवइया मइअण्णाणी उववज्जंति? केवइया सुयअण्णाणी उववज्जंति ? केवइया विब्भंगणाणी उववज्जंति ? केवइया चक्खुदंसणी उववज्जंति ? केवइया अचक्खुदंसणी उववज्जंति ? केवइया ओहिदंसणी उववज्जंति ? केवइया आहारसण्णोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया भयसण्णोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया मेहुणसण्णोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया परिग्गहसण्णोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया इत्थिवेयगा उववज्जंति ? केवइया पुरिसवेयगा उववज्जंति ? केवइया णपुंसगवेयगा उववज्जंति ? केवइया कोहकसायी उववज्जंति *जाव* केवइया लोभकसायी उववज्जंति ? केवइया सोइंदियोवउत्ता उववज्जंति *जाव* केवइया फासिंदियोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया णोइंदियोवउत्ता उववज्जंति? केवइया मणजोगी उववज्जंति ? केवइया वइजोगी उववज्जंति? केवइया कायजोगी उववज्जंति? केवइया सागारोवउत्ता उववज्जंति ? केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति?

गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णेरइया उववज्जंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उववज्जंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जंति । एवं सुक्कपक्खिया वि । एवं सण्णी, एवं असण्णी वि । एवं भवसिद्धिया, एवं अभवसिद्धिया वि । आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी, मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी, विब्भंगणाणी एवं चेव। चक्खुदंसणी ण उववज्जंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खुदंसणी उववज्जंति। एवं ओहिदंसणी वि। एवं आहारसण्णोवउत्ता वि *जाव* परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । इत्थिवेयगा ण उववज्जंति । पुरिसवेयगा वि ण उववज्जंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा, तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा णपुंसगवेयगा उववज्जंति । एवं कोहकसायी *जाव* लोभकसायी । सोइंदियोवउत्ता ण उववज्जंति एवं *जाव* फासिंदियोवउत्ता ण उववज्जंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा णोइंदियोवउत्ता उववज्जंति। मणजोगी ण उववज्जंति, एवं वइजोगी वि, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उववज्जंति । एवं सागारोवउत्ता वि, एवं अणागारोवउत्ता वि ।

५

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उव्वहंति ? केवइया काउलेस्सा उव्वहंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उव्वहंति ?

गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा णेरइया उव्वहंति। जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उव्वहंति । एवं जाव सण्णी । असण्णी ण उव्वहंति। जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा भवसिद्धिया उव्वहंति । एवं जाव सुयअण्णाणी । विभंगणाणी ण उव्वहंति । चक्खुदंसणी ण उव्वहंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खुदंसणी उव्वहंति । एवं जाव लोभकसायी । सोइंदियोवउत्ता ण उव्वहंति, एवं जाव फासिंदियोवउत्ता ण उव्वहंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा णोइंदियोवउत्ता उव्वहंति । मणजोगी ण उव्वहंति, वइजोगी वि ण उव्वहंति । जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उव्वहंति। एवं सागारोवउत्ता वि, अणागारोवउत्ता वि ।

६

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज-वित्थडेसु णरएसु केवइया णेरइया पण्णत्ता ? केवइया काउलेस्सा जाव केवइया अणागारोवउत्ता पण्णत्ता ? केवइया अणंतरोववण्णगा पण्णत्ता ? केवइया परंपरोववण्णगा पण्णत्ता ? केवइया अणंतरावगाढा पण्णत्ता ? केवइया परंपरावगाढा पण्णत्ता? केवइया अणंतराहारा पण्णत्ता ? केवइया परंपराहारा पण्णत्ता? केवइया अणंतरपज्जत्ता पण्णत्ता? केवइया परंपरपज्जत्ता पण्णत्ता? केवइया चरिमा पण्णत्ता ? केवइया अचरिमा पण्णत्ता?

गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज-वित्थडेसु णरएसु संखेज्जा णेरइया पण्णत्ता, संखेज्जा काउलेस्सा पण्णत्ता, एवं जाव संखेज्जा सण्णी पण्णत्ता । असण्णी सिय अत्थि, सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता । संखेज्जा भवसिद्धिया पण्णत्ता, एवं जाव संखेज्जा परिग्गह-सण्णोवउत्ता पण्णत्ता, इत्थिवेयगा णत्थि, पुरिसवेयगा णत्थि, संखेज्जा णपुंसगवेयगा पण्णत्ता, एवं कोहकसाई वि । माणकसायी जहा असण्णी, एवं जाव लोभकसायी । संखेज्जा सण्णी पण्णत्ता । असण्णी सिय अत्थि, सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा। सोइंदियोवउत्ता संखेज्जा पण्णत्ता, एवं जाव फासिंदियोवउत्ता । णोइंदियोवउत्ता जहा असण्णी । संखेज्जा मणजोगी पण्णत्ता, एवं जाव अणागारोवउत्ता। अणंतरोववण्णगा सिय अत्थि, सिय णत्थि; जइ अत्थि जहा असण्णी । संखेज्जा परंपरोववण्णगा पण्णत्ता । एवं जहा अणंतरोववण्णगा तहा अणंतरावगाढा, अणंतराहारगा, अणंतरपज्जत्तगा । परंपराव-गाढा जाव अचरिमा जहा परंपरोववण्णगा ।

- ७ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु असंखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु असंखेज्ज-वित्थडेसु णरएसु एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं असंखेज्जा णेरइया उववज्जंति । एवं जहेव संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा तहा असंखेज्ज वित्थडेसु वि तिण्णि गमगा भाणियच्चा, णवरं उक्कोसेणं असंखेज्जा भाणियच्चा, सेसं तं चेव जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता, णवरं संखेज्जवित्थडेसु वि असंखेज्जवित्थडेसु वि ओहिणाणी ओहिदंसणी य संखेज्जा उव्वट्ठावेयच्चा सेसं तं चेव ।
- ८ सक्करप्पभाए णं भंते! पुढवीए केवइया णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा! पणवीसं णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! जहा रयणप्पभाए तहा सक्करप्पभाए वि । णवरं असण्णी तिसु वि गमएसु ण भण्णइ, सेसं तं चेव ।
- ९ वालुयप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! पण्णरस णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता । सेसं जहा सक्करप्पभाए, णाणत्तं लेसासु, लेसाओ जहा पढमसए ।
- १० पंकप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! दस णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता । एवं जहा सक्करप्पभाए, णवरं ओहिणाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्ठंति, सेसं तं चेव ।
- ११ धूमप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया णिरयावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा! तिण्णि णिरयावास-सयसहस्सा । एवं जहा पंकप्पभाए ।
- १२ तमाए णं भंते ! पुढवीए केवइया णिरयावास सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! एगे पंचूणे णिरयावाससयसहस्से पण्णत्ते । सेसं जहा पंकप्पभाए ।
- १३ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए कइ अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया पण्णत्ता? गोयमा ! पंच अणुत्तरा जाव अपइट्ठाणे । ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य ।
- १४ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाणिरएसु संखेज्जवित्थडे णरए एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहा पंकप्पभाए, णवरं तिसु णाणएसु ण उववज्जंति, ण उव्वट्ठंति, पण्णत्तएसु तहेव अत्थि, एवं असंखेज्जवित्थडेसु वि, णवरं असंखेज्जा भाणियच्चा ।
- १५ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु किं सम्मदिट्ठी णेरइया उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी णेरइया उववज्जंति, सम्मामिच्छादिट्ठी णेरइया उववज्जंति ?

गोयमा ! सम्मदिट्ठी वि णेरइया उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी वि णेरइया उववज्जंति, णो सम्मामिच्छादिट्ठी णेरइया उववज्जंति ।

१६ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु संखेज्ज- वित्थडेसु णरएसु किं सम्मदिट्ठी णेरइया उव्वट्ठंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव ।

१७ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडा णरगा किं सम्मदिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया ? मिच्छादिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया ? सम्मामिच्छादिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया ?

गोयमा ! सम्मदिट्ठीहिं वि णेरइएहिं अविरहिया, मिच्छादिट्ठीहिं वि णेरइएहिं अविरहिया, सम्मामिच्छादिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया विरहिया वा । एवं असंखेज्ज- वित्थडेसु वि तिण्णि गमगा भाणियव्वा । एवं सक्करप्पभाए वि, एवं जाव तमाए वि ।

१८ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाणिरएसु संखेज्जवित्थडे णरए किं सम्मदिट्ठी णेरइया उववज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा ! सम्मदिट्ठी णेरइया ण उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी णेरइया उववज्जंति, सम्मामिच्छादिट्ठी णेरइया ण उववज्जंति, एवं उव्वट्ठंति वि, अविरहिए जहेव रयणप्पभा। एवं असंखेज्जवित्थडेसु वि तिण्णि गमगा ।

१९ से णूणं भंते ! कणहलेस्से णीललेस्से जाव सुक्कलेस्सेसु भवित्ता कणहलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति ? हंता, गोयमा ! कणहलेस्सेसु जाव उववज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- कणहलेस्सेसु जाव उववज्जंति ?

गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु संकिलिस्समाणेसु कणहलेसं परिणमइ, कणहलेसं परिणमित्ता कणहलेसेसु णेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति ।

२० से णूणं भंते ! कणहलेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता णीललेस्सेसु णेरइएसु उव- वज्जंति ? हंता गोयमा ! जाव उववज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव उववज्जंति ?

गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु वा विसुज्झमाणेसु वा णीललेस्सं परिणमइ, णीललेस्सं परिणमित्ता णीललेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उववज्जंति ।

२१ से णूणं भंते! कणहलेस्से णीललेस्से जाव सुक्कलेसे भवित्ता काउलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति ? गोयमा ! जहा णीललेस्साए तहा काउलेस्साए वि भाणियव्वा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवा पण्णत्ता, तं जहा- भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया ।
- २ भवणवासी णं भंते ! देवा कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तं जहा- असुरकुमारा जाव थणियकुमारा ! एवं सव्व देवाण भेओ जहा बिइयसए देवुद्देसए जाव सव्वट्ठसिद्धगा देवा ।
- ३ केवइया णं भंते! असुरकुमारावास-सयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! चोसट्ठिं असुरकुमारावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।
- ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा वि, असंखेज्जवित्थडा वि ।
- ४ चोसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावास-सयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु- असुरकुमारावासेसु एगसमएणं केवइया असुरकुमारा उववज्जंति जाव केवइया तेउलेस्सा उव्वज्जंति, केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति, पुच्छा ?
- गोयमा ! जहा रयणप्पभाए तहेव सव्वावत्तवया भाणियव्वा । णवरं दोहिं वेएहिं उववज्जंति, णपुंसगवेयगा ण उववज्जंति, सेसं तं चेव । उव्वट्ठंतगा वि तहेव, णवरं असण्णी उव्वट्ठंति । ओहिणाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्ठंति, सेसं तं चेव ।
- पण्णत्तएसु तहेव णवरं-संखेज्जगा इत्थिवेयगा पण्णत्ता, एवं पुरिसवेयगा वि, णपुंसगवेयगा णत्थि। कोहकसायी सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता । एवं माणकसायी वि मायाकसायी वि। संखेज्जा लोभकसायी पण्णत्ता, सेसं तं चेव । तिसु वि गमएसु संखेज्जेसु चत्तारि लेस्साओ भाणियव्वाओ ।
- एवं असंखेज्जवित्थडेसु वि, णवरं- तिसु वि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता ।
- ५ केवइया णं भंते ! णागकुमारावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ?
- गोयमां ! चुलसीई नागकुमारावास-सयसहस्सा पण्णत्ता । एवं जाव थणियकुमारा, णवरं जत्थ जत्तिया भवणा ।
- ६ केवइया णं भंते ! वाणमंतरावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरावास-सयसहस्सा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा, णो असंखेज्जवित्थडा ।

७ संखेज्जेसु णं भंते ! वाणमंतरावास-सयसहस्सेसु एगसमएणं केवइया वाणमंतरा उववज्जंति ? गोयमा ! जहा असुरकुमाराणं संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा तहेव वाणमंतराण वि तिण्णि गमगा भाणियव्वा ।

८ केवइया णं भंते ! जोइसिय-विमाणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा जोइसिय-विमाणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।

ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ?

गोयमा ! जहा वाणमंतराणं तहा जोइसियाणं वि तिण्णि गमगा भाणियव्वा, णवरं एगा तेउलेस्सा। उववज्जंतेसु पण्णत्तेसु य असण्णी णत्थि, सेसं तं चेव ।

९ सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।

ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा वि असंखेज्जवित्थडा वि ।

१० सोहम्मे णं भंते ! कप्पे बत्तीसाए विमाणवास-सयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु विमाणेसु एगसमएणं केवइया सोहम्मा देवा उववज्जंति, केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति?

गोयमा ! जहा जोइसियाणं तिण्णि गमगा तहेव तिण्णि गमगा भाणियव्वा, तिसु वि संखेज्जा भाणियव्वा, णवरं ओहिणाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा, सेसं तं चेव । असंखेज्जवित्थडेसु एवं चेव तिण्णि गमगा, णवरं तिसु वि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा। ओहिणाणी य ओहिदंसणी य संखेज्जा चयंति, सेसं तं चेव । एवं जहा सोहम्मे वत्तव्वया भणिया तहा ईसाणे वि छ गमगा भाणियव्वा । सणकुमारे एवं चेव, णवरं इत्थी वेयगा उववज्जंतेसु पण्णत्तेसु य ण भण्णंति । असण्णी तिसु वि गमएसु ण भण्णंति । सेसं तं चेव, एवं जाव सहस्सारे, णाणत्तं विमाणेसु लेस्सासु य, सेसं तं चेव ।

११ आणय-पाणएसु णं भंते ! कप्पेसु केवइया विमाणावाससया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि विमाणावाससया पण्णत्ता ।

ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ?

गोयमा ! संखेज्ज वित्थडा वि, असंखेज्ज वित्थडा वि । एवं संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा जहा सहस्सारे । असंखेज्जवित्थडेसु उववज्जंतेसु य चयंतेसु य एवं चेव संखेज्जा भाणियव्वा, पण्णत्तेसु असंखेज्जा । णवरं-णोइंदियोवउत्ता, अणंतरोववण्णगा, अणंतरागाढगा, अणंतराहारगा, अणंतरपज्जत्तगा य एसिं जहण्णेणं एकको वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता, सेसा असंखेज्जा भाणियव्वा । आरणच्चुएसु एवं चेव जहा आणय-पाणएसु, णाणत्तं विमाणेसु । एवं गेवेज्जगा वि ।

१२ कइ णं भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता।

ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा, असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य ।

१३ पंचसु णं भंते ! अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे विमाणे एगसमएणं केवइया अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जंति, केवइया सुक्कलेस्से उववज्जंति, एवं पुच्छा तहेव?

गोयमा ! पंचसु णं अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे अणुत्तरविमाणे एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जंति, एवं जहा गेवेज्जविमाणेसु संखेज्जवित्थडेसु, णवरं-किण्हपक्खिया, अभवसिद्धिया, तिसु अण्णाणेसु एए ण उववज्जंति, ण चयंति, ण पण्णत्तएसु भाणियव्वा, अचरिमा वि खोडिज्जंति जाव संखेज्जा चरिमा पण्णत्ता, सेसं तं चेव । असंखेज्जवित्थडेसु वि एए ण भण्णंति, णवरं अचरिमा अत्थि, सेसं जहा गेवेज्जएसु असंखेज्जवित्थडेसु जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता ।

१४ चोसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावास-सयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारा- वासेसु किं सम्मदिट्ठी असुरकुमारा उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी असुरकुमारा उववज्जंति ?

गोयमा ! जहा रयणप्पभाए तिण्णि आलावगा भणिया तहा भाणियव्वा । एवं असंखेज्ज-वित्थडेसु वि तिण्णि गमगा । एवं जाव गेवेज्जविमाणे । अणुत्तरविमाणेसु एवं चेव; णवरं तिसु वि आलावएसु मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य ण भण्णंति । सेसं तं चेव ।

१५ से णूणं भंते ! कण्हलेस्से जीवे णील लेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति ?

हंता गोयमा ! एवं जहेव णेरइएसु पढमे उद्देसए तहेव भाणियव्वं । णीललेसाए वि जहेव णेरइयाणं । जहा णीललेस्साए एवं जाव पम्हलेस्सेसु । सुक्कलेस्सेसु एवं चेव, णवरं-लेस्सट्ठाणेसु विसुज्झमाणेसु विसुज्झमाणेसु सुक्कलेस्सं परिणमइ, सुक्कलेस्सं परिणमित्ता सुक्कलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति । से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तेरसमं सतं

तइओ उद्देसो

१ णेरइया णं भंते ! अणंतराहारा, तओ णिव्वत्तणया, पुच्छा ?

गोयमा ! परियारणापदं णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउत्थो उद्देसो

- १ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-
रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा ।
- २ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया जाव अपइट्ठाणे । ते णं णरगा
छट्ठीए तमाए पुढवीए णरएहिंतो किं महत्तरा, महाविच्छिण्णतरा, महागासतरा,
महापइरिक्कतरा; णो तहा महापवेसणतरा, णो आइण्णतरा, णो आउलतरा, अणोमाणतरा?
हंता गोयमा ! ते णं णरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए णरएहिंतो महत्तरा चेव, महाविच्छिण्णतरा
चेव, महागासतरा चेव, महापइरिक्कतरा चेव; णो तहा महापवेसणतरा चेव, णो आइण्णतरा
चेव, णो आउलतरा चेव, अणोमाणतरा चेव ।
- ३ तेसु णं भंते ! णरएसु णेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइएहिंतो किं महाकम्मतरा,
महाकिरियतरा, महासवतरा, महावेयणतरा; णो तहा अप्पकम्मतरा, णो अप्पकिरियतरा, णो
अप्पासवतरा, णो अप्पवेयणतरा; अप्पिड्ढियतरा, अप्पजुइयतरा; णो तहा महिड्ढियतरा, णो
महज्जुइयतरा ? ।
हंता गोयमा ! तेसु णं णरएसु णेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव,
महाकिरियतरा चेव, महासवतरा चेव, महावेयणतरा चेव; णो तहा अप्पकम्मतरा चेव, णो
अप्पकिरियतरा चेव, णो अप्पासवतरा चेव, णो अप्पवेयणतरा चेव; अप्पिड्ढियतरा चेव,
अप्पजुइयतरा चेव; णो तहा महिड्ढियतरा चेव, णो महज्जुइयतरा चेव ।
- ४ छट्ठीए णं भंते ! तमाए पुढवीए एगे पंचूणे णिरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! ते णं णरगा अहेसत्तमाए पुढवीए णरएहिंतो णो तहा महत्तरा चेव, णो
महाविच्छिण्णतरा चेव णो महागासतरा चेव, णो महापइरिक्कतरा चेव, महप्पवेसणतरा चेव
आइण्णतरा चेव, आउलतरा चेव, ओमाणतरा चेव ।
तेसु णं णरएसु णेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए णेरइएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा
चेव अप्पासवतरा चेव अप्पवेयणतरा चेव णो तहा महाकम्मतरा चेव, णो महाकिरियतरा चेव
णो महासवतरा चेव णो महावेयणतरा चेव । महिड्ढियतरा चेव महज्जुइयतरा चेव, णो तहा
अप्पिड्ढियतरा चेव णो अप्पज्जुइयतरा चेव ।
- ५ छट्ठीए णं भंते! तमाए पुढवीए णरगा पंचमाए घूमप्पभाए पुढवीए णरएहिंतो किं महत्तरा,
पुच्छा?
हंता गोयमा ! ते णं णरगा महत्तरा चेव महावित्थिण्णतरा चेव, महागासतरा चेव,
महापइरिक्कतरा चेव, णो तहा महप्पवेसणतरा चेव णो आइण्णतरा चेव, णो आउलतरा चेव,
अणोमाणतरा चेव ।

तेसु णं णरएसु णेरइया पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए णेरएहिंतो महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव, महासवतरा चेव, महावेयणतरा चेव णो तहा अप्पकम्मतरा णो अप्पकिरियतरा, णो अप्पासवतरा, णो अप्पवेयणतरा चेव; अप्पिड्ढियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव णो तहा महिड्ढियतरा, णो महाजुइयतरा चेव ।

- ६ पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिण्णि णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, पुच्छा ?
गोयमा ! जहा छट्ठीए भणिया एवं सत्त वि पुढवीओ परोप्परं भणंति जाव रयणप्पभं ति जाव णो तहा महिड्ढियतरा चेव, णो अप्पजुइयतरा चेव ।
- ७ रयणप्पभापुढविणेरइया णं भंते ! केरिसयं पुढविफासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ?
गोयमा ! अणिद्वं जाव अमणामं । एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेरइया । एवं आउफासं जाव वणस्सइफासं ।
- ८ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करपभं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं, सव्वखुड्डिया सव्वंतेसु, पुच्छा ? हंता गोयमा ! एवं जहा जीवाभिगमे बिइए णेरइयउद्देसए ।
- ९ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभा पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया ते णं जीवा किं महाकम्मतरा चेव, महाकिरियतरा चेव, महासवतरा चेव, महावेयणतरा चेव ?
हंता गोयमा ! एवं जहा णेरइयउद्देसए जाव अहेसत्तमाए ।
- १० कहि णं भंते ! लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए ओवासंतरस्स असंखेज्जइभागं ओगाहेत्ता एत्थ णं लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ।
- ११ कहि णं भंते ! अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए ओवासंतरस्स साइरेगं अद्धं ओगाहिता एत्थ णं अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ।
- १२ कहि णं भंते ! उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिद्विमाणे पत्थडे एत्थ णं उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ।
- १३ कहि णं भंते ! तिरियलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ?
गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्ढगपयरेसु एत्थ णं तिरियलोगस्स मज्झे अद्वपएसिए रुयए पण्णत्ते, जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति, तं जहा- पुरच्छिमा पुरच्छिम-दाहिणा एवं जहा दसमसए णामधेज्जं ति ।
- १४ इंदा णं भंते ! दिसा किमाइया, किं पवहा, कइ पएसाइया, कइ पएसुत्तरा, कइ पएसिया किं पज्जवसिया, किं संठिया पण्णत्ता ?
गोयमा ! इंदा णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा दुपएसाइया दुपएसुत्तरा, लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया, अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, लोगं पडुच्च मुरजसंठिया, अलोगं पडुच्च सगडुद्धिसंठिया पण्णत्ता ।

१५ अग्गेई णं भंते ! दिसा किमाइया, किं पवहा, कइ पएसाइया, कइ पएस-विच्छिण्णा, कइ पएसिया, किं पज्जवसिया, किं संठिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! अग्गेई णं दिसा रुयगाइया, रुयगप्पवहा, एगपएसाइया, एगपएसविच्छिण्णा, अणुत्तरा, लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया, अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, छिण्णमुत्तावलीसंठिया पण्णत्ता। जमा जहा इंदा; णेरई जहा अग्गेई । एवं जहा इंदा तहा दिसाओ चत्तारि । जहा अग्गेई तहा चत्तारि विदिसाओ ।

१६ विमला णं भंते ! दिसा किमाइया, पुच्छा ?

गोयमा ! विमला णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा चउप्पएसाइया दुपएसविच्छिण्णा, अणुत्तरा, लोगं पडुच्च सेसं जहा अग्गेईए, णवरं रुयगसंठिया पण्णत्ता, एवं तमा वि ।

१७ किमियं भंते ! लोए त्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! पंचत्थिकाया, एस णं एवइए लोए त्ति पवुच्चइ, तं जहा- धम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए ।

१८ धम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ?

गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं जीवाणं आगमण-गमण-भासुम्मस-मणजोगा-वइजोगा- कायजोगा, जे यावण्णे तहप्पगारा चला भावा सव्वे ते धम्मत्थिकाए पवत्तंति; गइलक्खणे णं धम्मत्थिकाए।

१९ अहम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ?

गोयमा ! अहम्मत्थिकाएणं जीवाणं ठाण-णिसीयण-तुयट्ठण, मणस्स य एगत्तीभाव- करणया, जे यावण्णे तहप्पगारा थिरा भावा सव्वे ते अहम्मत्थिकाए पवत्तंति; ठाणलक्खणे णं अहम्मत्थिकाए।

२० आगासत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ?

गोयमा ! आगासत्थिकाएणं जीवदव्वाण य अजीवदव्वाण य भायणभूए । एगेण वि से पुण्णे, दोहि वि पुण्णे, सयं पि माएज्जा, कोडिसएण वि पुण्णे, कोडिसहस्सं पि माएज्जा। अवगाहणालक्खणे णं आगासत्थिकाए ।

२१ जीवत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ?

गोयमा ! जीवत्थिकाएणं जीवे अणंताणं आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं, अणंताणं सुयणाणपज्जवाणं एवं जहा बिइयसए अत्थिकायउद्देसए जाव उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे ।

२२ पोग्गलत्थिकाएणं णं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ?

गोयमा ! पोग्गलत्थिकाएणं जीवाणं ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेया-कम्मा-सोइंदिय-चक्खिंदिय- घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदिय-मणजोग-वयजोग-कायजोग-आणापाणूणं च गहणं पवत्तइ; गहणलक्खणे णं पोग्गलत्थिकाए ।

- २३ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहण्णपए, तिहिं उक्कोसपए छहिं ।
- २४ से णं भंते ! केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहण्णपए चउहिं, उक्कोसपए सत्तहिं ।
- २५ से णं भंते ! केवइएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! सत्तहिं ।
- २६ से णं भंते ! केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- २७ से णं भंते ! केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- २८ से णं भंते ! केवइएहिं अद्दासमएहिं पुढे ? गोयमा ! सिय पुढे सिय णो पुढे; जइ पुढे णियमं अणंतेहिं ।
- २९ एगे भंते ! अहम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहण्णपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं ।
- ३० से णं भंते ! केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहण्णपए तिहिं, चउहिं वा उक्कोसपए छहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स।
- ३१ एगे भंते ! आगासत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! सिय पुढे सिय णो पुढे, जइ पुढे जहण्णपए एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिं वि ।
- ३२ से णं भंते ! केवइएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! छहिं ।
- ३३ से णं भंते ! केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! सिय पुढे सिय णो पुढे, जइ पुढे णियमं अणंतेहिं । एवं पोग्गलत्थिकाय- पएसेहिं वि, अद्दासमएहिं वि ।
- ३४ एगे भंते ! जीवत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहण्णपए चउहिं, उक्कोसपए सत्तहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिं वि।
- ३५ केवइएहिं भंते ! आगासत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! सत्तहिं ।
- ३६ केवइएहिं भंते ! जीवत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! अणंतेहिं । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स।
- ३७ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! जहेव जीवत्थिकायस्स ।
- ३८ दो भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुढा ? गोयमा ! जहण्णपए छहिं, उक्कोसपए बारसहिं । एवं अहम्मत्थिकाय-पएसेहिं वि ।
- ३९ केवइएहिं भंते! आगासत्थिकाय पएसेहिं पुढा ? गोयमा ! बारसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स।

- ४० तिण्णि भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? गोयमा! जहण्णपए अट्ठहिं, उक्कोसपए सत्तरसहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिं वि ।
- ४१ केवइएहिं भंते ! आगासत्थिकाय-पएसेहिं पुट्ठा ?
- गोयमा ! सत्तरसहिं । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएणं गमेणं भाणियच्चं जाव दस, णवरं जहण्णपए दुगुणेणं दुरूवाहिणं, उक्कोसपए पंचगुणेणं दुरूवाहिणं । एवं चत्तारि पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णपए दसहिं, उक्कोसपए बावीसाए । पंच पोग्गलत्थि कायस्स पएसा जहण्णपए बारसहिं, उक्कोसपए सत्तावीसाए । छ पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णपए चोद्धसहिं, उक्कोसपए बत्तीसाए । सत्त पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णेणं सोलसहिं, उक्कोसपए सत्ततीसाए । अट्ठ पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णपए अट्ठारसहिं उक्कोसपए बायालीसाए । णव पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णपए वीसाए, उक्कोसपए सीयालीसाए । दस पोग्गलत्थिकायस्स पएसा जहण्णपए बावीसाए, उक्कोसपए बावण्णाए आगासत्थिकायस्स सच्चत्थ उक्कोसगं भाणियच्चं ।
- ४२ संखेज्जा भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ?
- गोयमा ! जहण्णपए तेणेव संखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिणं, उक्कोसपए तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिणं ।
- ४३ केवइएहिं भंते ! अधम्मत्थिकाय-पएसेहिं पुट्ठा ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ४४ केवइएहिं भंते ! आगासत्थिकाय-पएसेहिं, पुट्ठा? गोयमा! तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिणं ।
- ४५ केवइएहिं जीवत्थिकाय-पएसेहिं पुट्ठा ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- ४६ केवइएहिं भंते ! पोग्गलत्थिकाय-पएसेहिं, पुट्ठा ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- ४७ केवइएहिं भंते ! अद्धासमएहिं, पुट्ठा ? गोयमा! सिय पुट्ठे, सिय णो पुट्ठे; जइ पुट्ठे णियमं अणंतेहिं ।
- ४८ असंखेज्जा भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ?
- गोयमा ! जहण्णपए तेणेव असंखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिणं, उक्कोसपए तेणेव असंखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिणं, सेसं जहा संखेज्जाणं जाव णियमं अणंतेहिं ।
- ४९ अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय पएसेहिं पुट्ठा ? गोयमा! जहा असंखेज्जा तहा अणंता वि णिरवसेसं भाणियच्चा ।
- ५० एगे भंते ! अद्धासमए केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सत्तहिं ।
- ५१ केवइएहिं भंते ! अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! एवं चेव, एवं आगासत्थिकाएहिं वि ।
- ५२ केवइएहिं भंते ! जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । एवं जाव अद्धासमएहिं ।

- ५३ धम्मत्थिकाएणं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! णत्थि एक्केण वि ।
- ५४ केवइएहिं भंते अधम्मत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! असंखेज्जेहिं ।
- ५५ केवइएहिं भंते ! आगासत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! असंखेज्जेहिं ।
- ५६ केवइएहिं भंते ! जीवत्थिकायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- ५७ केवइएहिं भंते ! पोग्गलत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! अणंतेहिं ।
- ५८ केवइएहिं भंते ! अद्दासमएहिं पुढे ? गोयमा ! सिय पुढे, सिय णो पुढे; जइ पुढे णियमा अणंतेहिं ।
- ५९ अहम्मत्थिकाएणं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय-पएसेहिं पुढे ? गोयमा ! असंखेज्जेहिं।
केवइएहिं भंते ! अहम्मत्थि कायपएसेहिं पुढे ? गोयमा ! णत्थि एक्केण वि । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएणं गमएणं सव्वे वि सद्वाणए णत्थि एक्केण वि पुढा । परद्वाणए आइल्लएहिं तिहिं असंखेज्जेहिं भाणियव्वं, पच्छिल्लएसु अणंता भाणियव्वा । *जाव-*
अद्दासमये णं भंते ! केवइएहिं अद्दासमएहिं पुढे ? गोयमा ! णत्थि एक्केण वि।
- ६० जत्थ णं भंते ! एगे धम्मत्थिकायपएसे ओगाढे, तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! णत्थि एक्को वि ।
- ६१ केवइया भंते ! अहम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! एक्को ।
- ६२ केवइया भंते ! आगासत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! एक्को ।
- ६३ केवइया भंते ! जीवत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! अणंता ।
- ६४ केवइया भंते ! पोग्गलत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! अणंता ।
- ६५ केवइया भंते ! अद्दासमया ओगाढा ? गोयमा ! सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा, जइ ओगाढा अणंता ।
- ६६ जत्थ णं भंते ! एगे अहम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय पएसा ओगाढा? गोयमा ! एक्को ।
- ६७ केवइया भंते ! अहम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! णत्थि एक्को वि । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ।
- ६८ जत्थ णं भंते ! एगे आगासत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा? गोयमा! सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा; जइ ओगाढा एक्को। एवं अहम्मत्थिकाय पएसा वि।
- ६९ केवइया भंते आगासत्थिकाय पएसा ओगाढा ? गोयमा ! णत्थि एक्को वि ।
- ७० केवइया भंते जीवत्थिकाय-पएसा ओगाढा? गोयमा ! सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा, जइ ओगाढा अणंता । एवं *जाव* अद्दासमया ।

- ७१ जत्थ णं भंते ! एगे जीवत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! एक्को, एवं अहम्मत्थिकायपएसा वि । एवं आगासत्थिकाय-पएसा वि ।
- ७२ केवइया भंते ! जीवत्थिकायपएसा ओगाढा ? गोयमा ! अणंता । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ।
- ७३ जत्थ णं भंते ! एगे पोग्गलत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा? गोयमा ! एवं जहा जीवत्थिकायपएसे तहेव णिरवसेसं ।
- ७४ जत्थ णं भंते ! दो पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा? गोयमा ! सिय एक्को सिय दोण्णि, एवं अहम्मत्थिकायस्स वि, एवं आगासत्थिकायस वि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ।
- ७५ जत्थ णं भंते ! तिण्णि पोग्गलत्थिकायपएसा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! सिय एक्को, सिय दोण्णि, सिय तिण्णि । एवं अहम्मत्थिकायस्स वि । एवं आगासत्थिकायस्स वि । सेसं जहेव दोण्हं । एवं एक्केक्को वड्ढियव्वो पएसो आइल्लएहिं तिहिं अत्थिकाएहिं । सेसेहिं जहेव दोण्हं जाव दसण्हं सिय एक्को, सिय दोण्णि, सिय तिण्णि जाव सिय दस । संखेज्जाणं सिय एक्को, सिय दोण्णि जाव सिय दस, सिय संखेज्जा । असंखेज्जाणं सिय एक्को जाव सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा । जहा असंखेज्जा एवं अणंता वि ।
- ७६ जत्थ णं भंते ! एगे अद्दासमए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपएसा ओगाढा? गोयमा ! एक्को । केवइया अहम्मत्थि कायपएसा ? एक्को । केवइया भंते आगासत्थि कायपएसा ? एक्को । केवइया जीवत्थि कायपएसा ? अणंता । एवं जाव अद्दासमया ।
- ७७ जत्थ णं भंते ! धम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा? गोयमा ! णत्थि एक्को वि । केवइया अहम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? असंखेज्जा । केवइया आगासत्थिकायपएसा ओगाढा ? असंखेजा । केवइया जीवत्थिकायपएसा ओगाढा ? अणंता । एवं जाव अद्दासमया ।
- ७८ जत्थ णं भंते! अहम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय-पएसा ओगाढा ? गोयमा ! असंखेज्जा ।
- ७९ केवइया भंते ! अहम्मत्थिकायपएसा ओगाढा ? गोयमा! णत्थि एक्को वि । सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं सव्वे, सद्वाणे णत्थि एक्को वि भाणियव्वं, परद्वाणे आइल्लगा तिण्णि असंखेज्जा भाणियव्वा, पच्छिल्लगा तिण्णि अणंता भाणियव्वा जाव जत्थ अद्दासमए ओगाढे तत्थ केवइया अद्दासमया ओगाढा? णत्थि एक्को वि।
- ८० जत्थ णं भंते ! एगे पुढविक्काइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढविक्काइया ओगाढा ? गोयमा ! असंखेज्जा । केवइया आउक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा । केवइया तेउकाइया ओगाढा ?

असंखेज्जा । केवइया वाउकाइया ओगाढा ? असंखेज्जा । केवइया वणस्सइकाइया ओगाढा ? अणंता ।

८१ जत्थ णं भंते ! एगे आउक्काइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढविकाइया ओगाढा ? गोयमा ! असंखेज्जा ।

केवइया आउकाइया ओगाढा ? असंखेज्जा । एवं जहेव पुढविकाइयाणं वत्तव्वया तहेव सव्वेसिं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव जत्थ णं भंते ! वणस्सइकाइए ओगाढे तत्थणं केवइया वणस्सइकाइया ओगाढा ? अणंता ।

८२ एयंसि णं भंते ! धम्मत्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि चक्किया केई आसइत्तए वा चिट्ठित्तए वा णिसीयत्तए वा तुयट्ठित्तए वा ? गोयमा ! णो इणद्वे समद्वे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा ।

८३ से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव ओगाढा ?

गोयमा ! से जहाणामए- कूडागारसाला सिया, दुहओ लित्ता, गुत्ता, गुत्तदुवारा, जहा रायप्पसेणइज्जे जाव दुवारवयणाइं पिहेइ, दुवारवयणाइं पिहेत्ता तीसे कूडागारसालाए बहुमज्जदेसभाए जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि उक्कोसेणं पईवसहस्सं पलीवेज्जा, से णूणं गोयमा ! ताओ पईवलेस्साओ अण्णमण्णसंबद्धाओ अण्णमण्णपुट्ठाओ अण्णमण्ण संबद्ध पुट्ठाओ अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता चिट्ठंति । चक्किया णं गोयमा ! केई तासु पईवलेस्सासु आसइत्तए वा जाव तुयट्ठित्तए वा ? भगवं ! णो इणद्वे समद्वे । अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव ओगाढा ।

८४ कहि णं भंते ! लोए बहुसमे ? कहि णं भंते ! लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते?

गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं लोए बहुसमे, एत्थ णं लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते ।

८५ कहि णं भंते ! विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! विग्गहकंडए, एत्थ णं विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ।

८६ किं संठिए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठियसंठिए लोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिण्णे, एवं जहा सत्तमसए पढमुद्देसे जाव अंतं करेइ ।

८७ एयस्स णं भंते ! अहेलोयस्स, तिरियलोयस्स, उड्ढलोयस्स य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवे तिरियलोए, उड्ढलोए असंखेज्जगुणे, अहेलोए विसेसाहिए । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

तेरसमं सतं

पंचमो उद्देसो

१ णेरइया णं भंते ! किं सचित्ताहारा, अचित्ताहारा, मीसाहारा ?

गोयमा ! णो सचित्ताहारा, अचित्ताहारा, णो मीसाहारा । एवं असुरकुमारा, पढमो णेरइय उद्देसओ णिरवसेसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

तेरसमं सतं

छट्ठो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं णेरइया उववज्जंति ?

गोयमा ! संतरं पि णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं पि णेरइया उववज्जंति । एवं असुरकुमारा वि। एवं जहा गंगेए तहेव दो दंडगा जाव संतरं पि वेमाणिया चयंति, णिरंतरं पि वेमाणिया चयंति ।

२ कहि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा णामं आवासे पण्णत्ते?

गोयमा ! जंबुद्धीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्धे, एवं जहा बिइयसए सभाउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव अपरिसेसा णेयव्वा । तीसे णं चमरचंचाए रायहाणीए दाहिण पच्चत्थिमेणं छक्कोडिसए पणपण्णं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदगसमुद्धं तिरियं वीइवइत्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचे णामं आवासे पण्णत्ते-चउरासीइं जोयणसहस्साइं आयाम-विक्खंभेणं, दो जोयणसयसहस्सा पण्णट्ठिं च सहस्साइं छच्च बत्तीसे जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं । से णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते । से णं पागारे दिवइढ जोयणसयं उइढं उच्चत्तेणं, एवं चमरचंचाए रायहाणीए वत्तव्वया भाणियव्वा सभावहूणा जाव चत्तारि पासायपंतीओ ।

३ चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचे आवासे वसहिं उवेइ ?

गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- चमरचंचे आवासे, चमरचंचे आवासे?

गोयमा ! से जहाणामए इहं मणुस्सलोगंसि उवगारियलेणाइ वा उज्जाणियलेणाइ वा णिज्जाणियलेणाइ वा धारावारियलेणाइ वा, तत्थ णं बहवे मणुस्सा य मणुस्सीओ य आसयंति, सयंति, एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव कल्लाणफलवित्तिविसेसं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, अण्णत्थ पुण वसहिं उवेंति । एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदिस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचे आवासे केवलं किड्डा-रइपत्तियं, अण्णत्थ पुण वसहिं उवेंति, से तेणद्वेणं जाव आवासे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ।

तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयराओ गुणसीलाओ जाव विहरइ ।
 ४ तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था, वण्णओ । पुण्णभद्वे चेइए, वण्णओ । तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव विहरमाणे जेणेव चंपाणयरी जेणेव पुण्णभद्वे चेइए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जाव विहरइ ।

५ तेणं कालेणं तेणं समएणं सिंधूसोवीरेसु जणवएसु वीतीभए णामं णयरे होत्था, वण्णओ । तस्स णं वीतीभयस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं मियवणे णामं उज्जाणे होत्था । सव्वोउय-पुप्फ-फल-समिद्धे, वण्णओ । तत्थ णं वीतीभए णयरे उदायणे णामं राया होत्था, वण्णओ । तस्स णं उदायणस्स रण्णो पभावई णामं देवी होत्था, वण्णओ । तस्स णं उदायणस्स रण्णो पउमावई णामं देवी होत्था, सुकुमाल-पाणिपाया, वण्णओ । तस्स णं उदायणस्स रण्णो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए अभीइणामं कुमारे होत्था, सुकुमाल पाणिपाए एवं जहा सिवभद्वे जाव पच्चुवेक्खमाणे विहरइ । तस्स णं उदायणस्स रण्णो णियए भाइणिज्जे केसी णामं कुमारे होत्था । सुकुमाल पाणिपाए जाव सुरूवे । से णं उदायणे राया सिंधूसोवीर-पामोकखाणं सोलसण्हं जणवयाणं, वीतीभयप्पामोकखाणं तिण्हं तेसद्वीणं णयरागरसयाणं, महसेणप्पामोकखाणं दसण्हं राईणं बद्धमउडाणं विदिण्णछत्तचामर-वालवीयणाणं, अण्णेसिं च बहूणं राईसर-तलवर जाव सत्थवाह-पभिईणं आहेवच्चं, पोरेवच्चं जाव कारेमाणे, पालेमाणे; समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ ।

६ तए णं से उदायणे राया अण्णया कयाइ जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ । एवं जहा संखे जाव पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ । तए णं तस्स उदायणस्स रण्णो पुव्वरत्तावरत्त-कालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-धण्णा णं ते गामा-गर-णयर-खेड-कब्बड-मडंब-दोणमुह-पट्टणा-सम-संबाह-सण्णिवेसा, जत्थ णं समणे भगवं महावीरे विहरइ, धण्णा णं ते राईसर-तलवर जाव सत्थवाह-पभिईओ, जे णं समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति जाव पज्जुवासंति । जइ णं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव विहरमाणे इहमागच्छेज्जा, इह समोसरेज्जा, इहेव वीतीभयस्स णयरस्स बहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरेज्जा, तो णं अहं समणं भगवं महावीरं वंदेज्जा, णमंसेज्जा जाव पज्जुवासेज्जा ।

७ तएणं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रण्णो अयमेयारूवं अज्झत्थियं जाव समुप्पण्णं वियाणित्ता चंपाओ णयरीओ पुण्णभद्दाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता

पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव सिंधूसोवीरे जणवए जेणेव वीतीभये णयरे, जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरइ ।

८ तएणं वीतीभये णयरे जाव परिसा पज्जुवासइ । तएणं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धे समाने हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! वीतीभयं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं जहा कूणिओ उववाइए जाव पज्जुवासइ । पउमावईपामोक्खाओ देवीओ तहेव जाव पज्जुवासंति । धम्मकहा ।

९ तएणं से उदायणे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वयह त्ति कट्ठु जं णवरं देवाणुप्पिया ! अभिइकुमारं रज्जे ठावेमि, तएणं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ।

१० तएणं से उदायणे राया समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाने हट्ठ-तुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता तमेव आभिसेक्कं हत्थिं दुरूहइ, दुरूहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ मियवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव वीतीभये णयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।

११ तएणं तस्स उदायणस्स रण्णो अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु अभीइकुमारे ममं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए । तं जइ णं अहं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि तो णं अभीइकुमारे रज्जे य रट्ठे य जाव जणवए य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए, गिद्धे, गट्ठिए, अज्झोववण्णे, अणाईयं, अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्ठिस्सइ । तं णो खलु मे सेयं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइत्तए, सेयं खलु मे णियगं भाइणेज्जं केसिं कुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ जाव पव्वइत्तए

१२ एवं संपेहेइ, एवं संपेहेत्ता जेणेव वीतीभये णयरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता वीतीभयं णयरं मज्झमज्झेणं जेणेव सए गेहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आभिसेक्कं हत्थिं ठवेइ, ठवेत्ता आभिसेक्काओ हत्थीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णिसीयइ, णिसीइत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! वीतीभयं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं जाव पच्चप्पिणंति ।

१३ तएणं से उदायणे राया दोच्चं पि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! केसिस्स कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं एवं रायाभिसेओ जहा सिवभद्दस्स कुमारस्स तहेव भाणियव्वो जाव परमाउं पालयाहि, इट्ठजणसंपरिवुडे सिंधूसोवीरपामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं वीतीभयपामोक्खाणं तिण्णि तेसट्ठीणं

णयरगरसयाणं महसेणपामोक्खाणं दसण्हं राईणं अण्णेसिं च बहूणं राईसर जाव कारेमाणे, पालेमाणे विहराहि त्ति कट्ठु जयजयसद्धं पउजंति ।

तएणं से केसी कुमारे राया जाए, महया हिमवंत जाव रज्जं पसासेमाणे विहरइ।

१४ तएणं से उदायणे राया केसिं रायाणं आपुच्छइ । तएणं से केसी राया कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेइ, एवं जहा जमालिस्स तहेव सब्भिंतरबाहिरियं तहेव जाव णिक्खमणाभिसेयं उवड्ढवेइ ।

तएणं से केसी राया अणेग-गणणायग जाव संपरिवुडे उदायणं रायं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णीसीयावेइ, णिसीयावेत्ता अड्डसएणं सोव्वण्णियाणं कलसाणं एवं जहा जमालिस्स जाव एवं वयासी- भण सामी ! किं देमो, किं पयच्छामो, किण्णा वा ते अट्ठो ?

१५ तएणं से उदायणे राया केसिं रायं एवं वयासी-इच्छामि णं देवाणुप्पिया । कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणियं, कासवगं च सद्दावियं । एवं जहा जमालिस्स, णवरं पउमावई अग्गकेसे पडिच्छइ पियविप्पओगदूसहा ।

तएणं से केसी राया दोच्चं पि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेइ, रयावेत्ता, उदायणं रायं सेयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेइ ण्हावेत्ता सेसं जहा जमालिस्स जाव सण्णिसण्णे, तहेव अम्मधाई, णवरं पउमावई हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सेसं तं चेव जाव सीयाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहिन्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमइ अवक्कमित्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ । तं चेव पउमावई पडिच्छइ जाव घडियव्वं सामी ! जाव णो पमाएयव्वं, त्ति कट्ठु केसी राया पउमावई य समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता, णमंसित्ता जाव पडिगया । तएणं से उदायणे राया सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ।

१६ तएणं तस्स अभीइस्स कुमारस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु अहं उदायणस्स पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए, तएणं से उदायणे राया ममं अवहाय णियगं भाइणिज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ जाव पव्वइए । इमेणं एयारूवेणं महया अप्पत्तिएणं मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे अंतेउर-परियाल-संपरिवुडे सभंडमत्तोवगरणमायाए वीतीभयाओ णयरओ णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपाणयरी, जेणेव कूणिए राया, तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता कूणियं रायं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तत्थ वि णं से विउलभोगसमिइ- समण्णागए यावि होत्था । तएणं से अभीइकुमारे समणोवासए यावि होत्था, अभिगय जीवाजीवे जाव विहरइ, उदायणम्मि रायरिसिम्मि समणुबद्धवेरे यावि होत्था ।

१७ तेणं कालेणं तेणं समएणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु चोसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता । तएणं से अभीइकुमारे बहूइं वासाइं समणोवासग-परियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदेत्ता

तस्स ठाणस्स अणालोइय-अपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु चोसट्ठीए असुरकुमारावास-सयसहस्सेसु अण्णयरंसि आयावा असुर-कुमारावासंसि आयावाअसुरकुमार-देवत्ताए उववण्णो । तत्थ णं अत्थेगइयाणं आयावगाणं असुरकुमाराणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं अभिइस्स वि देवस्स एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता ।

से णं भंते ! अभीइदेवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणं अंतं काहिइ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

तेरसमं सतं

सत्तमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- आया भंते ! भासा, अण्णा भासा ? गोयमा ! णो आया भासा, अण्णा भासा ।
- २ रूविं भंते ! भासा, अरूविं भासा ? गोयमा ! रूविं भासा, णो अरूविं भासा ।
- ३ सचित्ता भंते ! भासा, अचित्ता भासा ? गोयमा ! णो सचित्ता भासा, अचित्ता भासा ।
- ४ जीवा भंते ! भासा, अजीवा भासा ? गोयमा ! णो जीवा भासा, अजीवा भासा ।
- ५ जीवाणं भंते ! भासा, अजीवाणं भासा ? गोयमा ! जीवाणं भासा, णो अजीवाणं भासा ।
- ६ पुत्विं भंते ! भासा, भासिज्जमाणी भासा, भासासमय-वीइक्कंता भासा ? गोयमा ! णो पुत्विं भासा, भासिज्जमाणी भासा, णो भासासमयवीइक्कंता भासा ।
- ७ पुत्विं भंते ! भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ ?
गोयमा ! णो पुत्विं भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, णो भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ ।
- ८ कइविहा णं भंते ! भासा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउत्विहा भासा पण्णत्ता, तंजहा- सच्चा, मोसा, सच्चामोसा, असच्चामोसा ।
- ९ आया भंते ! मणे, अण्णे मणे । गोयमा ! णो आया मणे, अण्णे मणे । जहा भासा तहा मणे वि जाव णो अजीवाणं मणे ।
- १० पुत्विं भंते ! मणे, मणिज्जमाणे मणे ? गोयमा ! जहेव भासा ।

- ११ पुत्विं भंते ! मणे भिज्जइ; मणिज्जमाणे मणे भिज्जइ, मणसमयवीइक्कंते मणे भिज्जइ? गोयमा! जहेव भासा ।
- १२ कइविहे णं भंते ! मणे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे मणे पण्णत्ते, तं जहा- सच्चे जाव असच्चामोसे ।
- १३ आया भंते ! काये, अण्णे काये ? गोयमा ! आया वि काये, अण्णे वि काये ।
- १४ रूविं भंते ! काये, अरूविं काये ?
गोयमा ! रूविं वि काये, अरूविं वि काये । एवं एक्केक्के पुच्छा ? गोयमा ! सचित्ते वि काये, अचित्ते वि काये । जीवे वि काये, अजीवे वि काये, जीवाण वि काये, अजीवाण वि काये ।
- १५ पुत्विं भंते! काये, पुच्छा ? गोयमा ! पुत्विं पि काये, कायिज्जमाणे वि काये, कायसमय-वीइक्कंते वि काये ।
- १६ पुत्विं भंते ! काये भिज्जइ ? पुच्छा । गोयमा ! पुत्विं पि काये भिज्जइ जाव काये भिज्जइ ।
- १७ कइविहे णं भंते ! काये पण्णत्ते ?
गोयमा ! सत्तविहे काये पण्णत्ते, तं जहा- ओराले, ओरालियमीसए, वेउव्विए, वेउव्वियमीसए आहारए, आहारगमीसए, कम्मए ।
- १८ कइविहे णं भंते ! मरणे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे मरणे पण्णत्ते, तं जहा- आवीचियमरणे ओहिमरणे आइयंतियमरणे बालमरणे पंडियमरणे ।
- १९ आवीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वावीचिय मरणे, खेत्तावीचियमरणे कालावीचियमरणे भवावीचियमरणे भावावीचियमरणे ।
- २० दव्वावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- णेरइयदव्वावीचियमरणे, तिरिक्खजोणिय-दव्वावीचियमरणे, मणुस्सदव्वावीचियमरणे, देवदव्वावीचियमरणे।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयदव्वावीचियमरणे, णेरइयदव्वावीचियमरणे ?
गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइए दव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं णेरइयाउयत्ताए गहियाइं, बद्धाइं, पुट्ठाइं, कडाइं, पट्ठवियाइं, णिविट्ठाइं, अभिणिविट्ठाइं, अभिसमण्णागयाइं भवंति ताइं दव्वाइं आवीचियमणुसमयं णिरंतरं मरंति त्ति कट्ठु से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- णेरइयदव्वावीचियमरणे एवं जाव देव-दव्वावीचियमरणे ।

- २१ खेत्तावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा-
णेरइयखेत्तावीचियमरणे जाव देवखेत्तावीचियमरणे ।
- २२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयखेत्तावीचियमरणे णेरइयखेत्तावीचिय मरणे ?
गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयखेत्ते वट्टमाणा जाइं दव्वाइं णेरइयाउयत्ताए गहियाइं, एवं
जहेव दव्वावीचियमरणे तहेव खेत्तावीचियमरणे वि । एवं जाव भावावीचियमरणे ।
- २३ ओहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वोहि-मरणे,
खेत्तोहि-मरणे जाव भावोहि-मरणे ।
- २४ दव्वोहि-मरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- णेरइय-
दव्वोहि-मरणे जाव देव-दव्वोहि-मरणे ।
- २५ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइय-दव्वोहि-मरणे णेरइय-दव्वोहि मरणे ?
गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति, ते णं णेरइया ताइं
दव्वाइं अणागए काले पुणो वि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णेरइय दव्वोहिमरणे ।
एवं तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवदव्वोहिमरणे वि । एवं एएणं गमेणं खेत्तोहिमरणे वि,
कालोहिमरणे वि, भवोहिमरणे वि, भावोहिमरणे वि ।
- २६ आइयंतियमरणे णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वाइयंतियमरणे,
खेत्ताइयंतियमरणे, जाव भावाइयंतियमरणे ।
- २७ दव्वाइयंतियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा-
णेरइयदव्वाइयंतियमरणे जाव देवदव्वाइयंतियमरणे ।
- २८ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयदव्वाइयंतियमरणे णेरइय - दव्वाइयंतिय मरणे ?
गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति, तेणं णेरइया ताइं
दव्वाइं अणागए काले णो पुणो वि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव णेरइयदव्वाइयंतिय मरणे ।
एवं तिरिक्ख-जोणिय-मणुस्स-देवाइयंतियमरणे, एवं खेत्ताइयंतियमरणे वि, एवं जाव
भावाइयंतियमरणे वि ।
- २९ बालमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुवालसविहे पण्णत्ते, तं जहा- वलयमरणं,
वसट्टमरणं एवं जहा खंदए जाव गिद्धपुट्ट-मरणं ।
- ३० पंडियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पाओवगमणे य
भत्तपच्चक्खाणे य ।
- ३१ पाओवगमणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णीहारिमे य
अणीहारिमे य जाव णियमं अपडिकम्मे ।
- ३२ भत्तपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तं चेव जहा पाओवगमणे, णवरं
णियमं सपडिकम्मे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

तेरसमं सत्तं

अट्ठमो उद्देसो

१ कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ । एवं बंधद्विउद्देसो भाणियव्वो णिरवसेसो जहा पण्णवणाए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

तेरसमं सत्तं

णवमो उद्देसो

२ रायगिहे जाव एवं वयासी- से जहाणामए केइ पुरिसे केयाघडियं गहाय गच्छेज्जा; एवामेव अणगारे वि भावियप्पा केयाघडियाकिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा ।

३ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू केयाघडियाकिच्चहत्थगयाइं रुवाइं विउव्वित्तए ? गोयमा ! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे, एवं जहा तइयसए पंचमुद्देसए जाव णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा ।

४ से जहाणामए केइ पुरिसे हिरण्णपेलं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा हिरण्णपेलहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ?

हंता गोयमा ! उप्पएज्जा । एवं जहा केयाघडियं आलावगो तहा हिरण्णपेलंपि णिरवसेसं जाव णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसुं वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा ।

एवं सुवण्णपेलं, रयणपेलं, वइरपेलं, वत्थपेलं, आभरणपेलं, वियलकडं, सुंबकडं, चम्मकडं, कंबलकडं, एवं अयभारं, तंबभारं, तउयभारं, सीसगभारं, हिरण्णभारं सुवण्णभारं, वइरभारं ।

५ से जहाणामए वग्गुली सिया, दो वि पाए उल्लंबिया उल्लंबिया उड्ढंपाया अहोसिरा चिद्धेज्जा; एवामेव अणगारे वि भावियप्पा वग्गुलीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं चिद्धेज्जा ?

हंता गोयमा ! चिद्धेज्जा । एवं जाव णो चेव णं संपत्तीए । एवं जण्णोवइय-वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जहा तइयसए पंचमुद्देसए ।

६ से जहाणामए जलोया सिया, उदगंसि कायं उव्विहिया उव्विहिया गच्छेज्जा; एवामेव अणगारे वि भावियप्पा जलोयाकिच्चगएणं अप्पाणेणं जाव गच्छेज्जा ?

हंता गोयमा ! गच्छेज्जा ! एवं जाव णो चेव णं संपत्तीए जाव विउव्विस्संति वा ।

७ से जहाणामए बीयंबीयगसउणे सिया, दो वि पाए समतुरंगेमाणे समतुरंगेमाणे गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा बीयंबीयगसउण किच्चगएणं अप्पाणेणं जाव गच्छेज्जा ?

हंता गोयमा ! गच्छेज्जा ! सेसं तं चेव जाव णो चेवणं संपत्तीए जाव विउव्विस्संति ?

- ८ से जहाणामए पक्खिबिरालए सिया, रुक्खाओ रुखं डेवेमाणे-डेवेमाणे गच्छेज्जा। एवामेव अणगारे वि भावियप्पा, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! गच्छेज्जा । सेसं तं चेव णिरवसेसं ।
- ९ से जहाणामए जीवंचीवगसउणे सिया, दो वि पाए समतुरंगेमाणे-समतुरंगेमाणे गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा, पुच्छा ? सेसं तं चेव णिरवसेसं ।
- १० से जहाणामए हंसे सिया, तीराओ तीरं अभिरममाणे-अभिरममाणे गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा हंसकिच्चगएणं अप्पाणेणं, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! गच्छेज्जा । सेसं तं चेव णिरवसेसं
- ११ से जहाणामए समुद्धवायसए सिया, वीईओ वीइं डेवेमाणे-डेवेमाणे गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! गच्छेज्जा । सेसं तं चेव णिरवसेसं ।
- १२ से जहाणामए केइ पुरिसे चक्कं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा चक्ककिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! गच्छेज्जा । सेसं जहा केयाघडियाए । एवं छत्तं, चमरं, रयणं वइरं, वेरुलियं जाव रिद्धं, उप्पलहत्थगं, पउमहत्थगं, कुमुयहत्थगं जाव सहस्सपत्तगं ।
- १३ से जहाणामए केइ पुरिसे भिसं अवद्दालिय-अवद्दालिय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा भिसकिच्चगएणं अप्पाणेणं, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! गच्छेज्जा । सेसं तं चेव ।
- १४ से जहाणामए मुणालिया सिया, उदगंसि कायं उम्मज्जिय-उम्मज्जिय चिठेज्जा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा मुणालिय किच्चगएणं अप्पाणेणं, पुच्छा ?
हंता गोयमा ! चिठेज्जा । सेसं तं चेव ।
- १५ से जहाणामए वणसंडे सिया, किण्हे किण्होभासे जाव महामेह-णिउरुंबभूए, पासाईए दरिसणिज्जे, अभिरूवे, पडिरूवे; एवामेव अणगारे वि भावियप्पा वणसंडकिच्चगएणं अप्पाणेणं उइढं वेहासं उप्पएज्जा ?
हंता गोयमा ! उप्पएज्जा । सेसं तं चेव ।
- १६ से जहाणामए पुक्खरणी सिया चउक्कोणा, समतीरा, अणुपुव्वसुजाय वप्पगंभीर- सीयलजला जाव सद्दुण्णइयमहुरसरणाइया पासाईया, दरिसणिज्जा अभिरूवा, पडिरूवा, एवामेव अणगारे वि भावियप्पा पोक्खरणीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उइढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा ।
- १७ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू पोक्खरणीकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ? गोयमा ! सेसं तं चेव सव्वं जहा केयाघडियाए जाव णो चेव णं संपत्तीए जाव विउव्विस्संति वा ।

१८ से भंते ! किं मायी विउव्वइ, अमायी विउव्वइ ?

गोयमा ! मायी विउव्वइ, णो अमायी विउव्वइ । मायी णं तस्स ठाणस्स अणालोइय-
अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा । अमायी णं तस्स ठाणस्स आलोइय-
पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

तेरसमं सतं

दसमो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! छाउमत्थिय समुग्घाया पण्णत्ता ?

गोयमा ! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए एवं छाउमत्थिय
समुग्घाया णेयव्वा, जहा पण्णवणाए जाव आहारगसमुग्घाए । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

॥ तेरसमं समत्तं ॥

चोद्धसमं सतं

पढमो उद्देशो

१ चरम उम्माय सरीरे, पोग्गल अगणी तहा किमाहारे ।

संसिद्ध मंतरे खलु, अणगारे केवली चेव ॥

२ रायगिहे जाव एवं वयासी- अणगारे णं भंते ! भावियप्पा चरमं देवावासं वीइक्कंते, परमं
देवावासमसंपत्ते, एत्थ णं अंतरा कालं करेज्जा, तस्स णं भंते ! कहिं गई, कहिं उववाए
पण्णत्ते?

गोयमा ! जे से तत्थ परियस्सओ तल्लेसा देवावासा तहिं तस्स गई, तहिं तस्स उववाए
पण्णत्ते। से य तत्थ गए विराहेज्जा, कम्मलेस्सामेव पडिपडइ, से य तत्थ गए णो
विराहेज्जा, तामेव लेस्सं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ।

३ अणगारे णं भंते! भावियप्पा चरमं असुरकुमारावासं वीइक्कंते, परमं असुरकुमारा-
वासमसंपत्ते, एत्थ णं अंतरा कालं करेज्जा, तस्स णं भंते ! कहिं गई, कहिं उववाए
पण्णत्ते?

गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव थणियकुमारावासं, जोइसियावासं, एवं वेमाणियावासं, जाव विहरइ ।

४ णेरइयाणं भंते ! कहां सीहा गई, कहां सीहे गइविसए पण्णत्ते ?

गोयमा ! से जहाणामए- केइ पुरिसे तरुणे बलवं जुगवं जाव णिउणसिप्पोवगए आउंटियं बाहं पसारेज्जा, पसारियं वा बाहं आउंटेज्जा, विक्खिण्णं वा मुट्ठिं साहरेज्जा, साहरियं वा मुट्ठिं विक्खिरेज्जा, उण्णिमिसियं वा अच्छिं णिम्मिसेज्जा णिम्मिसियं वा अच्छिं उम्मिसेज्जा, भवे एयारूवे ? णो इण्ठे सम्भे । णेरइया णं एगसमएण वा दुसमएण वा तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति । णेरइयाणं गोयमा ! तहा सीहा गई, तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिदियाणं चउसमइए विग्गहे भाणियव्वे। सेसं तं चेव ।

५ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरोववण्णगा, परंपरोववण्णगा, अणंतरपरंपर-अणु-ववण्णगा ? गोयमा ! णेरइया अणंतरोववण्णगा वि परंपरोववण्णगा वि अणंतरपरंपर- अणुववण्णगा वि ।

से केण्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अणंतरपरंपरअणुववण्णगा वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया पढमसमयोववण्णगा ते णं णेरइया अणंतरोववण्णगा, जे णं णेरइया अपढमसमयोववण्णगा ते णं णेरइया परंपरोववण्णगा, जे णं णेरइया विग्गहगइसमावण्णगा ते णं णेरइया अणंतरपरंपरअणुववण्णगा, से तेण्ठेणं जाव अणंतर- परंपर-अणुववण्णगा वि । एवं णिरंतरं जाव वेमाणिया ।

६ अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति?

गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति ।

७ परंपरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति?

गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति ।

८ अणंतरपरंपरअणुववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ?

गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति । एवं जाव वेमाणिया; णवरं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा य परंपरोववण्णगा चत्तारि वि आउयाइं पकरेंति। सेसं तं चेव।

९ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरणिग्गया, परंपरणिग्गया, अणंतरपरंपर-अणिग्गया ?

गोयमा ! णेरइया णं अणंतरणिग्गया वि जाव अणंतरपरंपरअणिग्गया वि ।

से केण्ठेणं भंते ! जाव अणिग्गया वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया पढमसमयणिग्गया ते णं णेरइया अणंतरणिग्गया। जे णं णेरइया अपढमसमयणिग्गया ते णं णेरइया परंपरणिग्गया । जे णं णेरइया विग्गहगइसमावण्णगा ते णं णेरइया अणंतरपरंपरअणिग्गया, से तेण्ठेणं गोयमा! जाव अणंतर-परंपर-अणिग्गया वि । एवं जाव वेमाणिया ।

१० अणंतरणिग्गया णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति ।

११ परंपरणिग्गया णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा? गोयमा ! णेरइयाउयं पि पकरेंति जाव देवाउयं पि पकरेंति ।

१२ अणंतरपरंपरअणिग्गया णं भंते ! णेरइया, पुच्छा? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति एवं णिरवसेसं जाव वेमाणिया ।

१३ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरखेदोववण्णगा, परंपरखेदोववण्णगा, अणंतरपरंपर-खेदाणुववण्णगा?

गोयमा ! णेरइया अणंतरखेदोववण्णगा वि परंपरखेदोववण्णगा वि, अणंतरपरंपर-खेदाणुववण्णगा वि । एवं एएणं अभिलावेणं तं चेव चत्तारि दंडगा भाणियच्चा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

बीओ उद्देशो

१ कइविहे णं भंते ! उम्माए पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तं जहा- जक्खाएसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं । तत्थ णं जे से जक्खाएसे से णं सुहवेयणतराए चेव सुहविमोयणतराए चेव । तत्थ णं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं से णं दुहवेयणतराए चेव, दुह विमोयणतराए चेव ।

२ णेरइयाणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तं जहा- जक्खाएसे य, मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयाणं दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तं जहा- जक्खाएसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं ?

गोयमा ! देवे वा से असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खाएसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा कम्मस्स उदएणं मोहणिज्जं उम्मायं पाउणेज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उदएणं ।

३ असुरकुमाराणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहेव णेरइयाणं; णवरं देवे वा से महिड्ढीयतराए असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खाएसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा,

सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं जाव उदएणं । एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं जाव मणुस्साणं एसिं जहा णेरइयाणं; वाणमंतर- जोइस-वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ।

४

अत्थि णं भंते ! पज्जण्णे कालवासी वुड्ढिकायं पकरेइ ? गोयमा ! हंता अत्थि ।

५

जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया वुड्ढिकायं काउकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ?

गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया अब्भिंतरपरिसए देवे सद्दावेइ, तएणं ते अब्भिंतरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा मज्झिमपरिसए देवे सद्दावेति, तएणं ते मज्झिम परिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरपरिसए देवे सद्दावेति, तएणं ते बाहिरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरबाहिरगे देवे सद्दावेति, तएणं ते बाहिरबाहिरगा देवा सद्दाविया समाणा आभिओगिए देवे सद्दावेति, तएणं ते आभिओगिया देवा सद्दाविया समाणा वुड्ढि-काइए देवे सद्दावेति, तएणं ते वुड्ढिकाइया देवा सद्दाविया समाणा वुड्ढिकायं पकरेति । एवं खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया वुड्ढिकायं पकरेति ।

६

अत्थि णं भंते ! असुरकुमारा वि देवा वुड्ढिकायं पकरेति ? गोयमा ! हंता अत्थि ।

किं पत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा वुड्ढिकायं पकरेति ?

गोयमा ! जे इमे अरहंता भगवंता एसिं णं जम्मण महिमासु वा णिक्खमणमहिमासु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परिणिव्वाणमहिमासु वा एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा वि देवा वुड्ढिकायं पकरेति, एवं णागकुमारा वि, एवं जाव थणियकुमारा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया एवं चेव ।

७

जाहे णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं काउकामे भवइ, से कहमियाणिं पकरेइ ?

गोयमा ! ताहे चेव णं से ईसाणे देविंदे देवराया अब्भिंतरपरिसए देवे सद्दावेइ, तएणं ते अब्भिंतरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा एवं जहेव सक्कस जाव तएणं ते आभिओगिया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्काइए देवे सद्दावेति, तएणं ते तमुक्काइया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्कायं पकरेति । एवं खलु गोयमा ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं पकरेइ ।

८

अत्थि णं भंते ! असुरकुमारा वि देवा तमुक्कायं पकरेति ? हंता अत्थि ।

९

किं पत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा तमुक्कायं पकरेति ?

गोयमा ! किइडा रइपत्तियं वा पडिणीयविमोहणट्ठयाए वा गुत्तिसारक्खणहेउं वा अप्पणो वा सरीरपच्छायणट्ठयाए, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा वि देवा तमुक्कायं पकरेति, एवं जाव वेमाणिया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

चोदसमं सतं

तइओ उदेसो

- १ देवे णं भंते ! महाकाए महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा! अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।
- २ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ- अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा?
गोयमा ! दुविहा देवा पण्णत्ता तं जहा- मायिमिच्छादिट्ठीउववण्णगा य अमायिसम्म-
दिट्ठीउववण्णगा य, तत्थ णं जे से मायिमिच्छादिट्ठीउववण्णए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं
पासइ, पासित्ता णो वंदइ, णो णमंसइ, णो सक्कारेइ, णो सम्माणेइ, णो कल्लाणं मंगलं
देवयं चेइयं जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ।
तत्थ णं जे से अमायिसम्मद्विट्ठीउववण्णए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ पासित्ता
वंदइ, णमंसइ जाव पज्जुवासइ । से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं णो
वीइवएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।
- ३ असुरकुमारे णं भंते! महाकाये महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?
गोयमा! एवं चेव, देवदंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिए ।
- ४ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं सक्कारे इ वा, सम्माणे इ वा, किइकम्मे इ वा, अब्भुट्ठाणे इ वा,
अंजलिपग्गहे इ वा; आसणाभिग्गहे इ वा, आसणाणुप्पदाणे इ वा, एतस्स पच्चुग्गच्छणया,
ठियस्स पज्जुवासणया, गच्छंतस्स पडिसंसाहणया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।
- ५ अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं सक्कारे इ वा, सम्माणे इ वा जाव गच्छंतस्स
पडिसंसाहणया? हंता अत्थि । एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं जाव चउरिंदियाणं
एएसिं जहा णेरइयाणं ।
- ६ अत्थि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सक्कारे इ वा जाव गच्छंतस्स पडिसंसाहणया ?
हंता अत्थि, णो चेव णं आसणाभिग्गहे इ वा, आसणाणुप्पदाणे इवा । मणुस्साणं जाव
वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ।
- ७ अप्पिइढीए णं भंते ! देवे महिइढीयस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो
इणट्ठे समट्ठे ।
- ८ समिइढीए णं भंते ! देवे समिइढीयस्स देवस्स मज्झं मज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा! णो
इणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीइवएज्जा ।
- ९ से णं भंते ! किं सत्थेणं अक्कमित्ता पभू, अणक्कमित्ता पभू ? गोयमा ! अक्कमित्ता पभू,
णो अणक्कमित्ता पभू ।
- १० से णं भंते ! किं पुत्विं सत्थेणं अक्कमित्ता पच्छा वीइवएज्जा, पुत्विं वीइवएज्जा पच्छा
सत्थेणं अक्कमेज्जा ?

गोयमा ! पुत्विं सत्थेणं अक्कमित्ता पच्छा वीइवएज्जा, णो पुत्विं वीइवइत्ता पच्छा सत्थेणं अक्कमिज्जा । एवं एएणं अभिलावेणं जहा दसमसए आइइढीउद्देसए तहेव णिरवसेसं चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव महिइढीया वेमाणिणी अप्पिइढीयाए वेमाणिणीए ।

११

रयणप्पभापुढविणेइया णं भंते ! केरिसयं पोग्गल परिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिढुं जाव अमणाणं । एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेइया । एवं वेयणापरिणामं । एवं जहा जीवाभिगमे बिइए णेरइयउद्देसए जाव-

अहेसत्तमापुढविणेइया णं भंते ! केरिसयं परिग्गहसण्णापरिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिढुं जाव अमणाणं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

चउत्थो उद्देसो

१

एस णं भंते ! पोग्गले तीयमणंतं सासयं समयं लुक्खी, समयं अलुक्खी, समयं लुक्खी वा अलुक्खी वा; पुत्विं च णं करणेणं अणेगवण्णं अणेगरूवं परिणामं परिणमइ, अह से परिणामे णिज्जिण्णे भवइ, तओ पच्छा एगवण्णे एगरूवे सिया ?

हंता गोयमा ! एस णं पोग्गले तीयं मणंतं सासयं समयं तं चेव जाव एगरूवे सिया।

२

एस णं भंते ! पोग्गले पडुप्पण्णं सासयं समयं लुक्खी, पुच्छा? गोयमा ! एवं चेव; एवं अणागयमणंतं पि ।

३

एस णं भंते ! खंधे तीयमणंतं सासयं समयं लुक्खी पुच्छा? गोयमा! एवं चेव, खंधे वि जहा पोग्गले ।

४

एस णं भंते ! जीवे तीयमणंतं सासयं समयं दुक्खी, समयं अदुक्खी, समयं दुक्खी वा अदुक्खी वा; पुत्विं च णं करणेणं अणेगभावं अणेगभूयं परिणामं परिणमइ, अह से वेयणिज्जे णिज्जिण्णे भवइ, तओ पच्छा एगभावे एगभूएसिया ?

हंता गोयमा ! एस णं जीवे तीयमणंतं सासयं समयं जाव एगभूएसिया, एवं पडुप्पण्णं सासयं समयं, एवं अणागयमणंतं सासयं समयं ।

५

परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सासए, असासए ? गोयमा ! सिय सासए, सिय असासए ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सिय सासए, सिय असासए ?

गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासए, वण्णपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासए । से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ- सिय सासए, सिय असासए ।

६ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं चरिमे, अचरिमे ?

गोयमा ! दव्वादेसेणं णो चरिमे, अचरिमे; खेत्तादेसेणं सिय चरिमे, सिय अचरिमे; कालादेसेणं सिय चरिमे, सिय अचरिमे; भावादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे ।

७ कइविहे णं भंते ! परिणामे पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे परिणामे पण्णत्ते, तं जहा- जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य । एवं परिणामपयं णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

चोदसमं सतं

पंचमो उद्देसो

१ णेरइए णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ?

गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गह- गइसमावण्णगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावण्णए णेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा ।

२ से णं तत्थ झियाएज्जा ?

णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । तत्थ णं जे से अविग्गहगइ- समावण्णए णेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं णो वीइवएज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो वीइवएज्जा ।

३ असुरकुमारे णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा । गोयमा ! अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ?

गोयमा ! असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य । तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावण्णए असुरकुमारे से णं वीइवएज्जा । एवं जहेव णेरइए जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । तत्थ णं जे से अविग्गह- गइसमावण्णए असुरकुमारे से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झिमज्झेणं वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

४ जे णं वीइवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ?

गोयमा ! णो इणद्धे, समद्धे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । से तेणद्धेणं । एवं जाव थणियकुमारे। एगिंदिया जहा णेरइया ।

५ बेइंदिया णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?

गोयमा ! जहा असुरकुमारे तहा बेइंदिए वि, णवरं-जे णं वीइवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा। सेसं तं चेव । एवं जाव चउरिंदिए ।

६ पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?

गोयमा ! अत्थेगइए वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

से केणद्धेणं भंते ! जाव वीइवएज्जा ?

गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- विग्गहगइ समावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य । विग्गहगइसमावण्णए जहेव णेरइए जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । अविग्गहगइसमावण्णगा पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा इड्ढिप्पत्ता य अणिड्ढिप्पत्ता य । तत्थ णं जे से इड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिया से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा, अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

जे णं वीइवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? णो इणद्धे समद्धे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । तत्थ णं जे से अणिड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ।

जे णं वीइवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? हंता झियाएज्जा । से तेणद्धेणं जाव अत्थेगइए णो वीइवएज्जा । एवं मणुस्से वि । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिए जहा असुरकुमारे।

७ णेरइया दस ठाणाहिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- अणिट्ठा सद्धा, अणिट्ठा रूवा, अणिट्ठा गंधा, अणिट्ठा रसा, अणिट्ठा फासा, अणिट्ठा गई, अणिट्ठा ठिई, अणिट्ठे लावण्णे, अणिट्ठे जसो-कित्ती, अणिट्ठे उट्ठाण-कम्म-बल-वीरिय-पुरिसक्कारपरक्कमे ।

८ असुरकुमारा दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठा सद्धा, इट्ठा रूवा जाव इट्ठे उट्ठाण-कम्म-बल-वीरियपुरिसक्कारपरक्कमे । एवं जाव थणियकुमारा ।

९ पुढविकाइया छ ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठाणिट्ठा फासा, इट्ठाणिट्ठा गई, एवं जाव पुरिसक्कार-परक्कमे । एवं जाव वणस्सइकाइया ।

१० बेइंदिया सत्त ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठाणिट्ठा रसा, सेसं जहा एगिंदियाणं।

११ तेइंदिया अट्ठ ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठाणिट्ठा गंधा, सेसं जहा बेइंदियाणं।

१२ चउरिंदिया णव ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठाणिट्ठा रूवा, सेसं जहा तेइंदियाणं ।

१३ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा- इट्ठाणिट्ठा सद्धा जाव पुरिसक्कार परक्कमे, एवं मणुस्सा वि, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ।

१४ देवे णं भंते! महिइढीए जाव महासोक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू, तिरियपव्वयं वा तिरियभित्तिं वा उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा ? गोयमा ! णो इण्ढे समट्ठे।

१५ देवे णं भंते ! महिइढीए जाव महासोक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू , तिरियपव्वयं वा तिरियभित्तिं वा उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा ?

गोयमा ! हंता पभू ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

छट्ठो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- णेरइया णं भंते ! किमाहारा, किं परिणामा, किं जोणिया, किं ठिईया पण्णत्ता ?

गोयमा ! णेरइया णं पोग्गलाहारा, पोग्गलपरिणामा, पोग्गलजोणिया, पोग्गलठिईया, कम्मोवगा, कम्मणियाणा, कम्मठिईया, कम्मुणामेवविप्परियासमंति । एवं जाव वेमाणिया।

२ णेरइया णं भंते ! किं वीइदव्वाइं आहारंति, अवीइदव्वाइं पि आहारंति ? गोयमा! णेरइया वीइदव्वाइं पि आहारंति, अवीइदव्वाइं पि आहारंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइया जाव आहारंति ?

गोयमा ! जे णं णेरइया एगपएसूणाइं पि दव्वाइं आहारंति, ते णं णेरइया वीइदव्वाइं आहारंति, जे णं णेरइया पडिपुण्णाइं दव्वाइं आहारंति ते णं णेरइया अवीइदव्वाइं आहारंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-णेरइया जाव आहारंति । एवं जाव वेमाणिया।

३ जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजिउकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ?

गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया एगं महं णेमिपडिरूवगं विउव्वइ; एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं, तिण्णि जोयणसयसहस्साइं जाव अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं । तस्स णं णेमिपडिरूवगस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फासो । तस्स णं णेमिपडिरूवगस्स बहुमज्झदेसभागे तत्थ णं महं एगं

पासायवडेंसगं विउव्वइ पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, अड्ढाड्ढज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, अब्भुग्गय-मूसिय, वण्णओ जाव पडिरूवं । तस्स णं पासायवडेंसगस्स उल्लोए पउमलयाभत्तिचित्ते जाव पडिरूवे । तस्स णं पासायवडेंसगस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे जाव मणीणं फासो । मणिपेढिया अट्ठजोयणिया जहा वेमाणियाणं । तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं महं एगे देवसयणिज्जे विउव्वइ, सयणिज्जवण्णओ जाव पडिरूवे । तत्थ णं से सक्के देविंदे देवराया अट्ठहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं, दोहि य अणिएहिं णट्ठाणिण य गंधव्वाणिण य सद्धिं महयाहयणट्ठ जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ।

४

जाहे ईसाणे देविंदे देवराया दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजितकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ?

गोयमा ! जहा सक्के तहा ईसाणे वि णिरवसेसं । एवं सणंकुमारे वि, णवरं पासायवडेंसओ छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, तिणिण जोयणसयाइं विक्खंभेणं । मणि-पेढिया तहेव अट्ठजोयणिया । तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं एत्थ णं महेगं सीहासणं विउव्वइ सपरिवारं भाणियव्वं । तत्थ णं सणंकुमारे देविंदे देवराया बावत्तरीए सामाणिय- साहस्सीहिं जाव चउहिं बावत्तरीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहि य बहूहिं सणंकुमारकप्पवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय जाव विहरइ । एवं जहा सणंकुमारे तहा जाव पाणओ-अच्चुओ, णवरं जो जस्स परिवारो सो तस्स भाणियव्वो । पासाय-उच्चत्तं जं सएसु-सएसु कप्पेसु विमाणणं उच्चत्तं, अद्धद्धं वित्थारो जाव अच्चुयस्स णवजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धपंचमाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं । तत्थ णं गोयमा ! अच्चुए देविंदे देवराया दसहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव विहरइ, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते! सेवं भंते !!

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

सत्तमो उद्देशो

१

रायगिहे जाव परिसा पडिगया । गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं आमंतित्ता एवं वयासी-चिर संसिद्धोसि मे गोयमा ! चिरसंथुओसि मे गोयमा! चिरपरिचिओसि मे गोयमा ! चिरजुसिओसि मे गोयमा ! चिराणुगओसि मे गोयमा ! चिराणुवत्तीसि मे गोयमा ! अणंतरं देवलोए अणंतरं माणुस्सए भवे, किं परं, मरणा कायस्स भेया, इओ चुया दो वि तुल्ला एगट्ठा अविसेसमणाणत्ता भविस्सामो ।

२

जहा णं भंते ! वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइया वि देवा एयमट्ठं जाणंति पासंति ?

हंता गोयमा ! जहा णं वयं एयमट्ठं जाणामो, पासामो तहा अणुत्तरोववाइया वि देवा एयमट्ठं जाणंति पासंति ।

से केणट्ठेणं जाव पासंति ?

गोयमा ! अणुत्तरोववाइयाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव पासंति ।

३ कइविहे णं भंते ! तुल्लए पण्णत्ते ?

गोयमा ! छव्विहे तुल्लए पण्णत्ते, तं जहा- दव्वतुल्लए खेत्ततुल्लए कालतुल्लए भवतुल्लए भावतुल्लए संठाणतुल्लए ।

४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- दव्वतुल्लए, दव्वतुल्लए ?

गोयमा ! परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वओ तुल्ले, परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलवइरित्तस्स दव्वओ णो तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसिय वइरित्तस्स दव्वओ णो तुल्ले । एवं जाव दसपएसिए । तुल्लसंखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, तुल्लसंखेज्ज-पएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं तुल्लअसंखेज्ज-पएसिए वि एवं तुल्लअणंतपएसिए वि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- दव्वतुल्लए दव्वतुल्लए ।

५ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- खेत्ततुल्लए, खेत्ततुल्लए ?

गोयमा ! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स खेत्तओ तुल्ले, एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढ-वइरित्तस्स पोग्गलस्स खेत्तओ णो तुल्ले । एवं जाव दसपएसोगाढे । एवं तुल्लसंखेज्जपएसोगाढे, एवं तुल्लअसंखेज्जपएसोगाढे वि । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव खेत्ततुल्लए, खेत्ततुल्लए ।

६ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- कालतुल्लए, कालतुल्लए ?

गोयमा ! एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयस्स य पोग्गलस्स कालओ तुल्ले, एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईय-वइरित्तस्स पोग्गलस्स कालओ णो तुल्ले, एवं जाव दससमयठिईए । तुल्लसंखेज्जसमयठिईए एवं चेव । एवं तुल्लअसंखेज्जसमयठिईए वि । से तेणट्ठेणं जाव कालतुल्लए कालतुल्लए ।

७ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भवतुल्लए, भवतुल्लए ?

गोयमा ! णेरइए णेरइयस्स भवट्ठयाए तुल्ले, णेरइयवइरित्तस्स भवट्ठयाए णो तुल्ले, तिरिक्खजोणिए एवं चेव, एवं मणुस्से, एवं देवे वि । से तेणट्ठेणं जाव भवतुल्लए भवतुल्लए ।

८ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भावतुल्लए, भावतुल्लए ?

गोयमा ! एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालस्स पोग्गलस्स भावओ तुल्ले, एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालवइरित्तस्स पोग्गलस्स भावओ णो तुल्ले । एवं जाव दसगुणकालए । एवं तुल्लसंखेज्जगुणकालए पोग्गले, एवं तुल्लअसंखेज्ज-गुणकालए वि, एवं तुल्लअणंतगुणकालए वि । जहा कालए एवं णीलए, लोहियए, हालिद्धे, सुक्किल्लए । एवं सुब्धिगंधे एवं दुब्धिगंधे । एवं तित्ते जाव महुरे । एवं कक्खडे जाव लुक्खे ।

उदइए भावे उदइयस्स भावस्स भावओ तुल्ले, उदइए भावे उदइयभाववइरित्तस्स भावस्स भावओ णो तुल्ले । एवं उवसमिए, खइए, खओवसमिए, पारिणामिए, सण्णिवाइए भावे सण्णिवाइयस्स भावस्स । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- भावतुल्लए, भावतुल्लए ।

९ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-संठाणतुल्लए, संठाणतुल्लए ?

गोयमा ! परिमंडले संठाणे परिमंडलस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, परिमण्डल-संठाणे परिमंडलसंठाणवइरित्तस्स संठाणओ णो तुल्ले । एवं वट्ठे, तंसे, चउरंसे, आयए ।

समचउरंसंठाणे समचउरंसस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, समचउरंसे संठाणे समचउरंस-संठाण-वइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ णो तुल्ले । एवं जाव हुंडे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव संठाणतुल्लए, संठाणतुल्लए ।

१० भत्तपच्चक्खायए णं भंते ! अणगारे अहे णं वीससाए कालं करेइ, से णं तत्थ मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे आहारमाहारेइ, तओ पच्छा अमुच्छिए अगिद्धे जाव अणज्झोववण्णे आहारमाहारेइ ? हंता गोयमा ! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे तं चेव ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भत्तपच्चक्खायए णं तं चेव ?

गोयमा ! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे अहे णं वीससाए कालं करेइ, तस्स णं मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे आहारे भवइ, तओ पच्छा अमुच्छिए जाव आहारे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव आहारमाहारेइ ।

११ अत्थि णं भंते ! लवसत्तमा देवा, लवसत्तमा देवा ? हंता अत्थि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- लवसत्तमा देवा, लवसत्तमा देवा ?

गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जाव णिउणसिप्पोवगए सालीण वा वीहीण वा गोधूमाण वा जवाण वा जवजवाण वा पक्काणं, परियाताणं हरियाणं हरियकंडाणं तिक्खेणं णवपज्जणएणं असिअएणं पडिसाहरिया पडिसाहरिया पडिसंखिविया पडिसंखिविया जाव इणामेव इणामेव त्ति कट्ठु सत्त लवए लुएज्जा, जइ णं गोयमा ! तेषिं देवाणं एवइयं कालं आउए पहुप्पए तो णं ते देवा तेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झंता जाव अंतं करेता, से तेणट्ठेणं जाव लवसत्तमा देवा, लवसत्तमा देवा ।

१२ अत्थि णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा, अणुत्तरोववाइया देवा ? हंता अत्थि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अणुत्तरोववाइया देवा ?

गोयमा ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं अणुत्तरा सद्धा जाव अणुत्तरा फासा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जाव अणुत्तरोववाइया देवा, अणुत्तरोववाइयदेवा ।

१३ अणुत्तरोववाइया णं भंते ! देवा णं केवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइय देवत्ताए उववण्णा?

गोयमा ! जावइयं छट्ठभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ, एवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइया देवा देवत्ताए उववण्णा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

चोद्धसमं सत्तं

अद्धमो उद्देशो

- १ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- २ सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए वालुयप्पभाए य पुढवीए केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव तमाए अहेसत्तमाए य।
- ३ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- ४ जोइसस्स णं भंते ! सोहम्मीसाणाण य कप्पाणं केवइयं, पुच्छा । गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयण सहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- ५ सोहम्मीसाणाणं भंते ! सणंकुमारमाहिंदाण य केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- ६ सणंकुमारमाहिंदाणं भंते ! बंभलोगस्स कप्पस्स य केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ७ बंभलोगस्स णं भंते ! लंतगस्स य कप्पस्स केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा! एवं चेव ।
- ८ लंतयस्स णं भंते ! महासुक्कस्स य कप्पस्स केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ?
- ९ गोयमा ! एवं चेव । एवं महासुक्कस्स कप्पस्स सहस्सारस्स य । एवं सहस्सारस्स आणय-पाणयकप्पाणं । एवं आणय-पाणयाण य कप्पाणं आरणच्चुयाणं कप्पाणं । एवं आरणच्चुयाणं गेविज्जविमाणाण य । एवं गेविज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य ।
- १० अणुत्तरविमाणाणं भंते ! ईसिंपब्भाराए य पुढवीए केवइए अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुवालसजोयणे अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- ११ ईसिंपब्भाराए णं भंते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइए अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा ! देसूणं जोयणं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ।
- १२ एस णं भंते ! सालरुक्खे उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिजालाभिहए कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! इहेव रायगिहे णयरे सालरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चिय-वंदिय-पूइय-सक्कारिय-सम्मणिण दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सण्णिहियपाडिहेरे, लाउल्लोइय- महिए यावि भविस्सइ ।

से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गमिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ।

१३

एस णं भंते ! साललद्धिया उण्हाभिहया तण्हाभिहया दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले महेसरिए णयरीए सामलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, सा णं तत्थ अच्चिय-वंदिय-पूइय जाव लाउल्लोइयमहिए यावि भविस्सइ ।

से णं भंते! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा! जहा सालरुक्खस्स जाव अंतं काहिइ ।

१४

एस णं भंते ! उंबरलद्धिया उण्हाभिहया जाव कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे पाडलिपुत्ते णयरे पाडलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ । से णं तत्थ अच्चिय-वंदिय जाव भविस्सइ ।

से णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! तं चेव जाव अंतं काहिइ ।

१५

तेणं कालेणं तेणं समएणं अम्मडस्स परिव्वायगस्स सत्त अंतेवासीसया गिम्हकाल-समयंसि, एवं जहा उववाइए जाव आराहगा ।

बहुजणे णं भंते ! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ- एवं खलु अम्मडे परिव्वायए कंपिल्लपुरे णयरे घरसए, एवं जहा उववाइए अम्मडस्स वत्तव्वया जाव दड्ढप्पइण्णो अंतं काहिइ ।

१६

अत्थि णं भंते ! अच्चाबाहा देवा, अच्चाबाहा देवा ? हंता अत्थि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अच्चाबाहा देवा, अच्चाबाहा देवा ?

गोयमा ! पभू णं एगमेगे अच्चाबाहे देवे एगमेगस्स पुरिसस्स एगमेगंसि अच्छिपत्तंसि दिव्वं देविइडिं, दिव्वं देवज्जुइं, दिव्वं देवाणुभागं, दिव्वं बत्तीसइविहं णट्ठविहिं उवदंसेत्तए णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचि वि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ, छविच्छेयं वा करेइ, ए सुहुमं च णं उवदंसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव अच्चाबाहा देवा, अच्चाबाहा देवा ।

१७

पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया पुरिसस्स सीसं सपाणिणा असिणा छिंदित्ता कमंडलुम्मि पक्खिवित्तए ? हंता पभू ।

से कहमियाणिं पकरेइ ?

गोयमा ! छिंदिया छिंदिया च णं पक्खिवेज्जा, भिंदिया भिंदिया च णं पक्खिवेज्जा, कोट्टिया कोट्टिया च णं पक्खिवेज्जा, चुण्णिया चुण्णिया च णं पक्खिवेज्जा, तओ पच्छा खिप्पामेव पडिसंघाएज्जा, णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएज्जा, छविच्छेदं पुण करेइ, ए सुहुमं च णं पक्खिवेज्जा ।

१८ अत्थि णं भंते ! जंभगा देवा, जंभगा देवा ? हंता गोयमा ! अत्थि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जंभगा देवा, जंभगा देवा ?

गोयमा ! जंभगा णं देवा णिच्चं पमुइय-पक्कीलिया कंदप्परइमोहणसीला, जे णं ते देवे कुद्धे पासेज्जा, से णं पुरिसे महंतं अयसं पाउणिज्जा, जे णं ते देवे तुट्ठे पासेज्जा, सेणं महंतं जसं पाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जंभगा देवा, जंभगा देवा ।

१९ कइविहा णं भंते ! जंभगा देवा पण्णत्ता ?

गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तं जहा- अण्णजंभगा पाणजंभगा वत्थजंभगा लेणजंभगा सयणजंभगा पुप्फजंभगा फलजंभगा पुप्फफलजंभगा विज्जाजंभगा अवियत्तजंभगा ।

२० जंभगा णं भंते ! देवा कहिं वसहिं उव्वेति ? गोयमा ! सव्वेसु चेव दीहवेयइडेसु, चित्त-विचित्त जमग-पव्वएसु, कंचणपव्वएसु य, एत्थ णं जंभगा देवा वसहिं उव्वेति ।

२१ जंभगाणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

णवमो उद्देशो

१ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अप्पणो कम्मलेस्सं ण जाणइ ण पासइ, तं पुण जीवं सरूविं सकम्मलेस्सं जाणइ, पासइ ?

हंता गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा अप्पणो जाव पासइ ।

२ अत्थि णं भंते ! सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासेंति पभासेंति उज्जोएंति तव्वेति ? गोयमा ! हंता अत्थि ।

३ कयरे णं भंते ! सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासेंति पभासेंति उज्जोएंति तव्वेति ? गोयमा ! जाओ इमाओ चंदिम-सूरियाणं देवाणं विमाणेहितो लेस्साओ बहिया अभिणिस्सडाओ ताओ ओभासेंति पभासेंति उज्जोएंति तव्वेति । एवं एएणं गोयमा ! ते सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासेंति पभासेंति उज्जोएंति तव्वेति ।

- ४ णेरइयाणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला, अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! णो अत्ता पोग्गला, अणत्ता पोग्गला ।
- ५ असुरकुमाराणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला, अणत्ता पोग्गला? गोयमा ! अत्ता पोग्गला, णो अणत्ता पोग्गला । एवं जाव थणियकुमाराणं ।
- ६ पुढविकाइयाणं पुच्छा? गोयमा ! अत्ता वि पोग्गला, अणत्ता वि पोग्गला। एवं जाव मणुस्साणं। वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ।
- ७ णेरइयाणं भंते ! किं इट्ठा पोग्गला, अणिट्ठा पोग्गला ?
गोयमा! णो इट्ठा पोग्गला, अणिट्ठा पोग्गला । जहा अत्ता भणिया तहा इट्ठा वि कंता वि पिया वि मणुण्णा वि भाणियच्चा । एए पंच दंडगा ।
- ८ देवे णं भंते! महइडिए जाव महासोक्खे रूवसहस्सं विउच्चित्ता पभू भासासहस्सं भासित्ते ? गोयमा! हंता पभू ।
- ९ सा णं भंते ! किं एगा भासा, भासासहस्सं ? गोयमा ! एगा णं सा भासा, णो खलु तं भासासहस्सं ।
- १० तेणं कालेणं तेणं समणं भगवं गोयमे अचिरुग्गयं बालसूरियं जासुमणा कुसुमपुंजप्पगासं लोहियगं पासइ, पासित्ता जायसइडे जाव समुप्पण्णकोउहल्ले जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव एवं वयासी-
- किमियं भंते ! सूरिए, किमियं भंते! सूरियस्स अट्ठे ? गोयमा ! सुभे सूरिए, सुभे सूरियस्स अट्ठे।
- ११ किमियं भंते! सूरिए; किमियं भंते! सूरियस्स पभा? गोयमा ! एवं चेव, एवं छाया, एवं लेस्सा।
- १२ जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा णिग्गंथा विहरंति एए णं कस्स तेयलेस्सं वीइवयंति?
गोयमा ! मासपरियाए समणे णिग्गंथे वाणमंतराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । दुमासपरियाए समणे णिग्गंथे असुरिंद-वज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं तेयलेस्सं वीइ-वयइ । तिमासपरियाए समणे णिग्गंथे असुरकुमाराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । चउम्मास-परियाए समणे णिग्गंथे गहगण-णक्खत्त-तारारूवाणं जोइसियाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइ-वयइ । पंचमासपरियाए समणे णिग्गंथे चंदिम-सूरियाणं जोइसिंदाणं जोइसरायाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । छमासपरियाए समणे णिग्गंथे सोहम्मीसाणाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । सत्तमासपरियाए समणे णिग्गंथे सणकुमारमाहिंदाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । अट्ठमासपरियाए समणे णिग्गंथे बंभलोगलंतगाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । णवमासपरियाए समणे णिग्गंथे महासुक्क-सहस्साराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । दसमासपरियाए समणे णिग्गंथे आणय-पाणय-आरणच्युयाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । एक्कारसमासपरियाए समणे णिग्गंथे गेवेज्जगाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ । बारसमास परियाए समणे णिग्गंथे अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं

तेयलेस्सं वीइवयइ। तेणं परं सुक्के सुक्काभिजाए भवित्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

चोद्धसमं सतं

दसमो उद्देशो

- १ केवली णं भंते ! छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।
- २ जहा णं भंते ! केवली छउमत्थं जाणइ पासइ, तहा णं सिद्धे वि छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।
- ३ केवली णं भंते ! आहोहियं जाणइ पासइ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं परमाहोहियं, एवं केवलिं। केवली भंते सिद्धं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ । जहा णं भंते ! केवली सिद्धं जाणइ पासइ, तहा णं सिद्धे वि सिद्धं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।
- ४ केवली णं भंते ! भासेज्जा वा वागरेज्जा वा ? हंता गोयमा ! भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ।
- ५ जहा णं भंते ! केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा तहा णं सिद्धे वि भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जहा णं केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा णो तहा णं सिद्धे भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ?
गोयमा ! केवली णं सउट्ठाणे सकम्मं सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे। सिद्धे णं अणुट्ठाणे जाव अपुरिसक्कार परक्कमे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव वागरेज्ज वा ।
- ६ केवली णं भंते ! उम्मिसेज्ज वा णिम्मिसेज्ज वा ?
हंता गोयमा ! उम्मिसेज्ज वा णिम्मिसेज्ज वा । एवं जहा भासेज्ज वागरेज्ज सह तिण्णि पुच्छा, तह चेव उम्मिसेज्ज निम्मिसेज्ज सह तिण्णि पुच्छा । एवं आउंटेज्ज वा पसारेज्ज वा, एवं ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ।
- ७ केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीत्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।
- ८ जहा णं भंते ! केवली इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीत्ति जाणइ पासइ, तहा णं सिद्धे वि इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीत्ति जाणइ पासइ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ ।
- ९ केवली णं भंते ! सक्करप्पभं पुढविं सक्करप्पभापुढवीत्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव अहेसत्तमं ।
- १० केवली णं भंते ! सोहम्मं कप्पं सोहमे कप्पेत्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ। सेसं तं चेव । एवं ईसाणं जाव अच्चुयं ।

- ११ केवली णं भंते ! गेवेज्जविमाणे गेवेज्जविमाणे त्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा! एवं चेव । एवं अणुत्तरविमाणे वि ।
- १२ केवली णं भंते ! ईसिंपब्भारं पुढविं ईसिंपब्भारपुढवीत्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा! एवं चेव ।
- १३ केवली णं भंते ! परमाणुपोग्गलं परमाणुपोग्गले त्ति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा! एवं चेव । एवं दुपएसियं खंधं । एवं जाव-
- जहा णं भंते ! केवली अणंतपएसियं खंधं अणंतपएसिए खंधे त्ति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धे वि अणंतपएसियं जाव पासइ ? हंता जाणइ पासइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥
- ॥ चोद्धसमं सतं समत्तं ॥

पण्णरसमं सतं

गोसालस चरित्तं

- १ [णमो सुयदेवयाए भगवईए] तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तीसे णं सावत्थीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तत्थ णं कोट्टए णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए हालाहला णामं कुंभकारी आजीविओ- वासिया परिवसइ- अड्ढा जाव अपरिभूया; आजीवियसमयंसि लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता, अयमाउसो ! आजीवियसमये अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे त्ति आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ।
- २ तेणं कालेणं तेणं समएणं गोसाले मंखलिपुत्ते चउव्वीसवासपरियाए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अण्णया कयाइ इमे छ दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था, तं जहा- साणे, कलंदे, कण्णियारे, अच्छिद्धे, अग्गिवेसायणे, अज्जुणे गोमायुपुत्ते । तए णं ते छ दिसाचरा अट्ठविहं (णिमित्तं) पुव्वगयं मग्गदसमं सएहिं-सएहिं मइदंसणेहिं णिज्जुहंति, णिज्जुहित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं उवट्ठाइंसु ।
- ३ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महाणिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं इमाइं छ अणइक्कम- णिज्जाइं वागरणाइं वागरेइ, तं जहा- लाभं, अलाभं, सुहं, दुक्खं, जीवियं, मरणं तहा । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महाणिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सावत्थीए णयरीए अजिणे जिणप्पलावी, अणरहा अरहप्पलावी, अकेवली केवलिप्पलावी, असव्वण्णू सव्वण्णुप्पलावी, अजिणे जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ ।

४ तएणं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ- एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मण्णे एवं ?

तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया ।

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेढे अंतेवासी इंदभूर्इ णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव छट्ठं-छट्ठेणं एवं जहा बित्तियसए णियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्धं णिसामेइ, बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मण्णे एवं ? तएणं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म जायसइडे जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ, जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- एवं खलु अहं भंते! छट्ठंछट्ठेणं तं चेव जाव जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ; से कहमेयं भंते ! एवं ? तं इच्छामि णं भंते! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणियं परिकहियं ।

५ गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- जण्णं गोयमा! से बहुजणे अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ' तं णं मिच्छा । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु एयस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखलिणामं मंखे पिया होत्था। तस्स णं मंखलिस्स मंखस्स भद्धानामं भारिया होत्था, सकुमाल पाणिपाया जाव पडिरूवा। तएणं सा भद्दा भारिया अण्णया कयाइ गुव्विणी यावि होत्था ।

६ तेणं कालेणं तेणं समएणं सरवणे णामं सण्णिवेसे होत्था । रिद्ध-त्थिमिय-समिद्धा जाव सण्णिभप्पगासे, पासाईए जाव पडिरूवे । तत्थ णं सरवणे सण्णिवेसे गोबहुले णामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेद जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था । तस्स णं गोबहुलस्स, माहणस्स गोसाला यावि होत्था । तएणं से मंखली मंखे अण्णया कयाइ भद्दाए भारियाए गुव्विणीए सद्धिं चित्तफलगत्यगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सरवणे सण्णिवेसे जेणेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि भंडणिकखेवं करेइ, करेत्ता सरवणे सण्णिवेसे उच्च-णीय-मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वसहीए सव्वओ समंता मग्गण-गवेसणं करेइ । वसहीए सव्वओ समंता मग्गण-गवेसणं करेमाणे अण्णत्थ वसहिं अलभमाणे तस्सेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए । तएणं सा भद्दाभारिया णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धद्वमाणं- राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमाल जाव पडिरूवगं दारगं पयाया ।

७ तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो जाव एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोणं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करैति- जम्हा णं अम्हं इमे दारए गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए जाए तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स णामधेज्जं गोसाले गोसाले त्ति। तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करैति 'गोसाले' त्ति । तएणं से गोसाले दारए

उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सयमेव पाडिएक्कं चित्तफलं करेइ, करेत्ता चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ।

८

तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं एवं जहा भावणाए जाव एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । तएणं अहं गोयमा ! पढमं वासावासं अद्धमासं अद्धमासेणं खममाणे अद्वियगामं णिस्साए पढमं अंतरावासं वासावासं उवागए । दोच्चं वासं मासंमासेणं खममाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे णयरे, जेणेव णालंदा बाहिरिया, जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि, उवागच्छित्ता अहा पडिरूवं उग्गहं उगिण्हामि, उगिण्हित्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए । तएणं अहं गोयमा ! पढमं मासखमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि ।

९

तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे णयरे, जेणेव णालंदा बाहिरिया, जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि भंडणिकखेवं करेइ, करित्ता रायगिहे णयरे उच्चणीय जाव अण्णत्थ कत्थइ वसहिं अलभमाणे तीसे य तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, जत्थेव णं अहं गोयमा । तएणं अहं गोयमा! पढममासखमण-पारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिकखमामि, पडिणिकखमित्ता णालंदाबाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छामि, रायगिहे णयरे जाव अडमाणे विजयस्स गाहावइस्स गिहं अणुपविट्ठे ।

१०

तएणं से विजए गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठुट्ठे खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठित्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता पाउयाओ ओमुयइ, ओमुइत्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ, करित्ता अंजलिमउलियहत्थे ममं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ, अणुगच्छित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता ममं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता ममं विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं पडिलाभेस्सामि त्ति कट्ठु तुट्ठे, पडिलाभेमाणे वि तुट्ठे, पडिलाभिए वि तुट्ठे । तएणं तस्स विजयस्स गाहावइस्स तेणं दव्वसुद्धेणं, दायगसुद्धेणं, पडिगाहगसुद्धेणं तिविहेणं तिकरणसुद्धेणं दाणेणं मए पडिलाभिए समणे देवाउए णिबद्धे, संसारे परित्तीकए, गिहंसि य से इमाइं पंच दिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तं जहा- वसुधारा वुट्ठा, दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए, चेलुक्खेवे कए, आहयाओ देवदुंदभीओ, अंतरा वि य णं आगासे- 'अहो दाणे, अहो दाणे' त्ति घुट्ठे ।

११

तएणं रायगिहे णयरे सिंघाडग जाव महापह-पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एव- माइक्खइ जाव एवं परूवेइ- धण्णे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयत्थे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयपुण्णे णं देवाणुप्पिया ! विजए गाहावई, कयलक्खणे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कया णं लोया देवाणुप्पिया ! विजयस्स गाहावइस्स, सुलद्धे णं देवाणुप्पिया! माणुस्सए जम्मजीयफले विजयस्स गाहावइस्स, जस्स णं गिहंसि तहारूवे साहु साहुरूवे पडिलाभिए समणे इमाइं पंचदिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तं जहा- वसुधारा वुट्ठा जाव अहो दाणे अहो दाणे त्ति

घुट्टे । तं धण्णे, कयत्थे, कयपुण्णे, कयलक्खणे, कया णं लोया, सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स, विजयस्स गाहावइस्स ।

१२ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतिए एयमद्वं सोच्चा णिसम्म समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोउहल्ले जेणेव विजयस्स गाहावइस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पासइ- विजयस्स गाहावइस्स गिहंसि वसुहारं वुड्ढं, दसद्धवण्णं कुसुमं णिवडियं, ममं च णं विजयस्स गाहावइस्स गिहाओ पडिणिक्खममाणं पासइ, पासित्ता हड्ड-तुट्ठे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता ममं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता ममं एवं वयासी- तुब्भे णं भंते! ममं धम्मायरिया, अहं णं तुब्भं धम्मंतेवासी । तएणं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमद्वं णो आढामि, णो परिजाणामि, तुसिणीए संचिद्धामि । तएणं अहं गोयमा ! रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमामि, पडिणिक्खमित्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव तंतुवायसाला, तेणेव उवागच्छामि, उवागच्छित्ता दोच्चं मासखमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि ।

१३ तएणं अहं गोयमा ! दोच्चं मासखमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि, पडिणिक्खमित्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे णयरे जाव अडमाणे आणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे । तएणं से आणंदे गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ, एवं जहेव विजयस्स, णवरं ममं विउलाए खज्जगविहीए पडिलाभेस्सामि त्ति तुट्ठे, सेसं तं चेव जाव तच्चं मासखमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि ।

१४ तएणं अहं गोयमा ! तच्चं मासखमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि, पडिणिक्खमित्ता तहेव जाव अडमाणे सुणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे । तएणं से सुणंदे गाहावई एवं जहेव विजय गाहावई, णवरं ममं सव्वकामगुणिणं भोयणेणं पडिलाभेइ, सेसं तं चेव जाव चउत्थं मासखमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि ।

१५ तीसे णं णालंदाए बाहिरियाए अदूरसामंते एत्थ णं कोल्लाए णामं सण्णिवेसे होत्था, सण्णिवेस वण्णओ । तत्थ णं कोल्लाए सण्णिवेसे बहुले णामं माहणे परिवसइ । अड्ठे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था । तएणं से बहुले माहणे कत्तियचाउम्मासियपाडिवगंसि विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमण्णेणं माहणे आयामेत्था । तएणं अहं गोयमा ! चउत्थमासखमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि, पडिणिक्खमित्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छामि, णिग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लाए सण्णिवेसे तेणेव उवागच्छामि, उवागच्छित्ता कोल्लाए सण्णिवेसे उच्चणीय जाव अडमाणस्स बहुलस्स माहणस्स गिहं अणुप्पविट्ठे । तएणं से बहुले माहणे ममं एज्जमाणं तहेव जाव ममं विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमण्णेणं पडिलाभिस्सामि त्ति तुट्ठे । सेसं जहा विजयस्स, जाव बहुले माहणे, बहुले माहणे ।

१६ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं तंतुवायसालाए अपासमाणे रायगिहे णयरे सव्विंतरबाहिरियाए ममं सव्वओ समंता मग्गण गवेसणं करेइ, ममं कत्थवि सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा अलभमाणे जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता साडियाओ य

पाडियाओ य कुंडियाओ य वाहणाओ य चित्तफलंगं च माहणे आयामेइ, आयामेत्ता सउत्तरोइं मुंडं कारेइ, सउत्तरोइं मुंडं कारित्ता तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्ख- मित्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्जेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लागसण्णिवेसे तेणेव उवागच्छइ। तएणं तस्स कोल्लागस्स सण्णिवेसस्स बहिया बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ- धण्णे णं देवाणुप्पिया! बहुले माहणे, तं चेव जाव जीवियफले बहुलस्स माहणस्स बहुलस्स माहणस्स ।

१७

तएणं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स बहुजणस्स अंतियं एयमइं सोच्चा णिसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- जारिसिया णं ममं धम्मायरियस्स धम्मोव- एसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स इइढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, णो खलु अत्थि तारिसिया णं अण्णस्स कस्सइ तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इइढी जुई जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए; तं णिस्संदिद्धे च णं एत्थ ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे भविस्सइ त्ति कट्ठु कोल्लागसण्णिवेसे सब्भिंतरबाहिरिए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं सव्वओ जाव करेमाणे कोल्लागसण्णिवेसस्स बहिया पणीयभूमीए मए सद्धिं अभिसमण्णागए । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते हट्ठुट्ठे ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी- तुब्भे णं भंते ! मम धम्मायरिया, अहं णं तुब्भं अंतेवासी । तएणं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमइं पडिसुणेमि । तएणं अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं पणीयभूमीए छव्वासाइं लाभं अलाभं सुखं दुक्खं सक्कारमसक्कारं पच्चणुब्भवमाणे अणिच्चजागरियं विहरित्था ।

१८

तएणं अहं गोयमा ! अण्णया कयाइ पढमसरदकालसमयंसि अप्पवुट्ठिकायंसि गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं सिद्धत्थ गामाओ णयरओ कुम्मगामं णयरं संपट्ठीए विहाराए। तस्स णं सिद्धत्थगामस्स णयरस्स कुम्मगामस्स णयरस्स य अंतरा एत्थ णं महं एगे तिलथंभए पत्तिए पुप्फिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव-अईव उवसोभेमाणे- उवसोभेमाणे चिट्ठइ । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते तं तिलथंभगं पासइ, पासित्ता ममं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता, एवं वयासी- एस णं भंते ! तिलथंभए किं णिप्फज्जिस्सइ णो णिप्फज्जिस्सइ ? एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता उद्दाइत्ता कहिं गच्छिहिंति, कहिं उववज्जिहिंति ? तएणं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-गोसाला ! एस णं तिलथंभए णिप्फज्जिस्सइ णो ण णिप्फज्जिस्सइ; एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता उद्दाइत्ता एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाइस्संति ।

१९

तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं आइक्खमाणस्स एयमइं णो सद्वहइ, णो पत्तियइ, णो रोएइ; एयमइं असद्वहमाणे अपत्तियमाणे, अरोएमाणे मम पणिहाए 'अयण्णं मिच्छावाइ भवउ' त्ति कट्ठु ममं अंतियाओ सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तं तिलथंभगं सलेइयायं चेव उप्पाडेइ, उप्पाडित्ता एगंते एडेइ। तक्खणमेत्तं च णं गोयमा! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए । तएणं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव पतणतणाएइ, खिप्पामेव पविज्जुयाइ, खिप्पामेव णच्चोदगं णाइमट्ठियं

पविरलपप्फुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सलिलोदगं वासं वासइ, जेणं से तिलथंभए आसत्थे पच्चायाए, तत्थेव बद्धमूले, तत्थेव पइड्डिए । ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता उद्दाइत्ता तस्सेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया ।

२० तएणं अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं जेणेव कुम्मग्गामे णयरे तेणेव उवागच्छामि । तएणं तस्स कुम्मग्गामस्स णयरस्स बहिया वेसियायणे णामं बालतवस्सी छड्ढंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहे आयावणभूमिआयावेमाणे विहरइ, आइच्च-तेय-तवियाओ य से छप्पईओ सव्वओ समंता अभिणिस्सवंति पाण-भूय-जीव-सत्त दयद्वयाए च णं पडियाओ पडियाओ तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चोरुहेइ ।

२१ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं पासइ, पासित्ता ममं अंतियाओ सणियं-सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए, उदाहु जूयासेज्जायरए? तएणं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमड्ढं णो आढाइ, णो परियाणइ, तुसिणीए संचिद्धइ । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए, उदाहु जूया सेज्जायरए ? तएणं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता तेयासमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ, सत्तट्ठपयाइं, पच्चोसक्कित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरइ ।

२२ तएणं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अणुकंपणद्वयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स तेयपडिसाहरणद्वयाए एत्थ णं अंतरा सीयलियं तेयलेस्सं णिसिरामि, जाए सा ममं सीयलियाए तेयलेस्साए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स सा उसिणा तेयलेस्सा पडिहया । तएणं से वेसियायणे बालतवस्सी ममं सीयलियाए तेयलेस्साए तं उसिणं तेयलेस्सं पडिहयं जाणित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेयं वा अकीरमाणं पासित्ता तं उसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ, तं उसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरित्ता ममं एवं वयासी-से गयमेयं भगवं ! से गयमेयं भगवं ! ।

२३ तएणं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी- किं णं भंते ! एस जूयासेज्जायरए तुब्भे एवं वयासी- से गयमेयं भगवं ! से गयमेयं भगवं ? तएणं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी- तुमं णं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं पाससि, पासित्ता ममं अंतियाओ सणियं-सणियं पच्चोसक्कसि, जेणेव वेसियायणं बालतवस्सी तेणेव उवागच्छसि, तेणेव उवागच्छित्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए, उदाहु जुयासेज्जायरए? तएणं से वेसियायणे बालतवस्सी तव एयमड्ढं णो आढाइ, णो परिजाणइ, तुसिणीए संचिद्धइ । तएणं तुमं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी- किं भवं मुणी मुणिए जाव सेज्जायरए ? तएणं से वेसियायणे बालतवस्सी तुमं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते

समाणे आसुरुत्ते जाव पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता तव वहाए सरीरगंसि तेयलेस्सं णिस्सरइ। तएणं अहं गोसाला! तव अणुकंपणद्वयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स उसिणतेयलेस्सा पडिसाहरणद्वयाए एत्थ णं अंतरा सीयलियं तेयलेस्सं णिस्सिरामि जाव पडिहयं जाणित्ता तव य सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेयं वा अकीरमाणं पासित्ता तं उसिणं तेयलेस्सं पडिसारित्ता ममं एवं वयासी- से गयमेयं भगवं, से गयमेयं भगवं ।

२४ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं अंतियाओ एयमद्वं सोच्चा णिसम्म भीए जाव संजायभए ममं वंदइ णमंसइ, ममं वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-कहं णं भंते ! संखित्तविउल-तेयलेस्से भवइ ? तएणं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी- जे णं गोसाला! एगाए सणहाए कुम्मासपिंडियाए एगेण य वियडासएणं छद्वंछद्वेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय जाव विहरइ, से णं अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एयमद्वं सम्मं विणएणं पडिसुणेइ ।

२५ तएणं अहं गोयमा ! अण्णया कयाइ गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं कुम्मगामाओ णयराओ सिद्धत्थग्गामं णयरं संपट्टिए विहाराए, जाहे य मो तं देसं हव्वमागया जत्थ णं से तिलथंभए। तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी- तुब्भे णं भंते ! तया ममं एवं आइक्खह जाव परूवेह-गोसाला ! एस णं तिलथंभए णिप्फज्जिस्सइ, णो ण णिप्फज्जिस्सइ, तं चेव जाव पच्चायाइस्संति, तं णं मिच्छा, इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ- एस णं से तिलथंभए णो णिप्फण्णे अणिप्फण्णमेव । ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता उद्दाइत्ता णो एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया ।

२६ तएणं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी- तुमं णं गोसाला ! तया ममं एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमद्वं णो सद्धहसि, णो पत्तियसि, णो रोयसि, एयमद्वं असद्धहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहाए “अयं णं मिच्छावाई भवउ” त्ति कट्ठु ममं अंतियाओ सणियं-सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता जाव एगंतमंते एडेइ । तक्खणमेत्तं गोसाला ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए। तएणं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव तं चेव जाव तस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया; तं एस णं गोसाला ! से तिलथंभए णिप्फण्णे, णो अणिप्फण्णमेव । ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता उद्दाइत्ता एयस्स चेव तिलथंभयस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया। एवं खलु गोसाला! वणस्सइकाइया पउट्टपरिहारं परिहरंति ।

२७ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमद्वं णो सद्धहइ जाव अरोएमाणे जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ताओ तिलथंभयाओ तं तिलसंगलियं खुड्डइ, खुड्डित्ता करयलंसि सत्त तिले पप्फोडेइ । तएणं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ते सत्त तिले गणमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- ‘एवं

खलु सव्वजीवा वि पउट्टपरिहारं परिहरंति' । एस णं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स पउट्टे; एस णं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमणे पण्णत्ते ।

२८ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते एगाए सणहाए कुम्मासपिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय-पगिज्झिय जाव विहरइ । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते अंतो छण्हं मासाणं संखित्त-विउलतेयलेस्से जाए ।

२९ तएणं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अण्णया कयाइ इमे छ दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था, तं जहा- साणे तं चेव सव्वं जाव अजिणे जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ । तं णो खलु गोयमा ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे, जिणप्पलावी जाव जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे, जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ । तएणं सा महइमहालया महच्च परिसा जाव वंदित्ता णमंसित्ता जाव पडिगया ।

तएणं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव परूवेइ- जं णं देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ तं मिच्छा । समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखली णामं मंखे पिया होत्था । तएणं तस्स मंखलिस्स एवं चेव तं सव्वं भाणियव्वं जाव अजिणे जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ । तं णो खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे, जिणप्पलावी जाव विहरइ, गोसाले मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ । समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्धं पगासेमाणे विहरइ ।

३० तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता सावत्थिं णयरिं मज्झमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे एवं चावि विहरइ ।

३१ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंदे णामं थेरे पगइभद्दए जाव विणीए छट्ठं-छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं से आणंदे थेरे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए एवं जहा गोयमसामी तहेव आपुच्छइ, तहेव जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीडवयइ । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीडवयमाणं पासइ, पासित्ता एवं वयासी- एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं उवमियं णिसामेहि । तएणं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे, जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ ।

३२ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं एवं वयासी- एवं खलु आणंदा ! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया अत्थत्थी, अत्थलुद्धा, अत्थगवेसी, अत्थकंखिया, अत्थपिवासा अत्थगवेसणयाए णाणाविहविउलपणियभंडमायाए सगडीसागडेणं सुबहुं भत्तपाणं पत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं, अणोहियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविद्धा । तएणं तेसिं

वणियाणं तीसे अगामियाए, अणोहियाए, छिण्णावायाए, दीहमद्धाए अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे- परिभुंजेमाणे खीणे ।

तएणं ते वणिया खीणोदगा समाणा तण्हाए परिब्भवमाणा अण्णमण्णे सद्धान्ति, सद्धान्तिता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे-परिभुंजेमाणे खीणे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेत्तए त्ति कट्ठु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमद्धं पडिसुणेंति, पडिसुणेत्ता तीसे णं अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेंति, उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा एगं महं वणसंडं आसाएन्ति- किण्हं किण्होभासं जाव णित्ठंभभूयं पासाईयं जाव पडिरूवं । तस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं वम्मीयं आसाएन्ति। तस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ अभिणिसद्दाओ तिरियं सुसंपग्गहियाओ, अहे पण्णगद्धरूवाओ, पण्णगद्धसंठाणसंठियाओ, पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ।

तएणं ते वणिया हट्ठुत्ता अण्णमण्णं सद्धान्ति, सद्धान्तिता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमीसे अगामियाए जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणेहिं इमे वणसंडे आसाइए, किण्हे, किण्होभासे । इमस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए इमे वम्मीए आसाइए। इमस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ जाव पडिरूवाओ । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदित्तए, अवियाइं ओरालं उदगरयणं अस्साएस्साओ ।

तएणं ते वणिया अण्णमण्णस अंतियं एयमद्धं पडिसुणेंति, पडिसुणेत्ता तस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदन्ति । तेणं तत्थ अच्छं पत्थं जच्चं तणुयं फालियवण्णाभं ओरालं उदगरयणं आसाएन्ति । तएणं ते वणिया हट्ठुत्ता पाणियं पिबन्ति, पाणियं पिबित्ता वाहणाइं पज्जेन्ति, वाहणाइं पज्जेत्ता भायणाइं भरेंति ।

33

भायणाइं भरेत्ता दोच्चं पि अण्णमण्णं एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हेहिं इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स दोच्चं पि वप्पं भिंदित्तए; अवियाइं एत्थ ओरालं सुवण्णरयणं अस्साएस्सामो ।

तएणं ते वणिया अण्णमण्णस्स अंतियं एयमद्धं पडिसुणेंति, अण्णमण्णस्स अंतियं एयमद्धं पडिसुणेत्ता तस्स वम्मीयस्स दोच्चं पि वप्पं भिंदन्ति । ते णं तत्थ अच्छं जच्चं तवणिज्जं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं सुवण्णरयणं अस्साएन्ति । तएणं ते वणिया हट्ठुत्ता भायणाइं भरेंति, पवहणाइं भरेंति । भरित्ता तच्चं पि अण्णमण्णं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे आसाइए, दोच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले सुवण्णरयणे आसाइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स तच्चं पि वप्पं भिंदित्तए । अवियाइं एत्थं ओरालं मणिरयणं अस्साएस्सामो ।

तएणं ते वणिया अण्णमण्णस्स अंतियं एयमढं पडिसुणेंति, पडिसुणेत्ता तस्स वम्मीयस्स तच्चं पि वप्पं भिंदंति । ते णं तत्थ विमल णिम्मलं णित्तलं णिक्कलं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं मणिरयणं आसाएंति । तएणं ते वणिया हड्डतुट्ठा भायणाइं भरेंति, भरित्ता पवहण्णाइं भरेंति ।

भरित्ता चउत्थं पि अण्णमण्णं एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इम्मस्स वम्मीयस्स पढ्माए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे आसाइए, दोच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले सुवण्णरयणे आसाइए, तच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले मणिरयणे आसाइए । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स चउत्थं पि वप्पं भिंदित्तए, अवियाइं उत्तमं महग्घं महरिहं ओरालं वड्ढरयणं अस्साएस्सामो ।

38 तएणं तेसिं वणियाणं एगे वणिए हियकामए, सुहकामए, पत्थकामए आणुकंपिए णिस्सेसिए, हिय-सुह-णिस्सेसकामए ते वणिए एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढ्माए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे जाव तच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले मणिरयणे आसाइए । तं होउ अलाहि पज्जत्तं णे एसा चउत्थी वप्पा मा भिज्जउ; चउत्थी णं वप्पा सउवसग्गा यावि होत्था ।

39 तएणं ते वणिया तस्स वणियस्स हियकामगस्स सुहकामगस्स जाव हिय-सुह-णिस्सेस-कामगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमढं णो सद्वहंति जाव णो रोयंति, एयमढं असद्वहमाणा जाव अरोएमाणा तस्स वम्मीयस्स चउत्थं पि वप्पिं भिंदंति । ते णं तत्थ उग्गविसं चंडविसं घोरविसं महाविसं अइकायमहाकायं मसिमूसाकालगं णयण-विसरोसपुण्णं अंजणपुंजणिगरप्पगासं रत्तच्छं जमलजुयलचंचल-चलंतजीहं धरणितलवेणिभूयं उक्कडफुड-कुडिल-जडुल-कक्खड-विकड-फडाडोव-करणदच्छं लोहागरधम्ममाण धमधर्मेत-घोसं अणागलिय-चंडतिव्वरोसं समुइयं तुरियं चवलं धमतं दिट्ठिविसं सप्पं संघट्टेंति । तएणं से दिट्ठिविसे सप्पे तेहिं वणिएहिं संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सणियं सणियं उट्ठेइ, उट्ठित्ता सरसरसरस्स वम्मीयस्स सिहरतलं दुरुहेइ, सिहरतलं दुरुहेत्ता आइच्चं णिज्झाइ, आइच्चं णिज्झाइत्ता ते वणिए अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएइ । तएणं ते वणिया तेणं दिट्ठीविसेणं सप्पेणं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोइया समाणा खिप्पामेव सभंडमत्तोवगरणमायाए एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासी कया यावि होत्था । तत्थ णं जे से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव हिय-सुह-णिस्सेसकामए से णं आणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोवगरणमायाए णियगं णयरं साहिए ।

36 एवामेव आणंदा ! तव वि धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं णायपुत्तेणं ओराले परियाए आसाइए, ओराला कित्तिवण्ण-सद्व-सिलोगा सदेवमणुयासुरे लोए पुव्वंति, गुवंति थुवंति- इति खलु समणे भगवं महावीरे, इति खलु समणे भगवं महावीरे । तं जइ मे से अज्ज किंचि वि वदइ तो णं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि, जहा वा वालेणं ते वणिया । तुमं च णं आणंदा ! सारक्खामि, संगोवामि, जहा वा से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए

जाव णिस्सेसकामए आणुकंपियाए देवयाए सभंड जाव साहिए, तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स णायपुत्तस्स एयमढ्ठं परिकहेहि ।

३७

तएणं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे भीए जाव संजायभए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं सावत्थिं णयरिं मज्झिमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव कोट्टए चेइए, जेणेव समाणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समाणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु अहं भंते ! छट्ठक्खमणपारणगंसि तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे सावत्थीए णयरीए जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए जाव वीडवयामि, तएणं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं जाव पासित्ता एवं वयासी- एहि ताव आणंदा ! इओ एगं महं उवमियं णिसामेहि । तएणं अहं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे, जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते, तेणेव उवागच्छामि । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी- एवं खलु आणंदा ! इओ चिराईयाए अद्दाए केइ उच्चावया वणिया, एवं तं चेव सव्वं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णियगणयरं साहिए । तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स णायपुत्तस्स एयमढ्ठं परिकहेहि ।

३८

तं पभू णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेत्तए, विसए णं भंते ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए, समत्थे णं भंते ! गोसाले जाव करेत्तए ?

पभू णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए । विसए णं आणंदा ! गोसालस्स जाव करेत्तए । समत्थे णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए । णो चेव णं अरहंते भगवंते, पारियावणियं पुण करेज्जा । जावइए णं आणंदा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए, एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए अणगाराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अणगारा भगवंतो । जावइए णं आणंदा ! अणगाराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए थेराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण थेरा भगवंतो ! जावइए णं आणंदा ! थेराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए अरहंताणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अरहंता भगवंतो । तं पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं जाव करेत्तए विसए णं आणंदा जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! जाव करेत्तए, णो चेव णं अरहंते भगवंते, पारियावणियं पुण करेज्जा ।

३९

तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं एयमढ्ठं परिकहेहि-मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ, धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ, धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेउ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते समाणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विपडिवण्णे । तएणं से आणंदे थेरे समाणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे समाणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव गोयमाइ समाणा णिग्गंथा तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता गोयमाइ समाणे णिग्गंथे आमंतेइ, आमंतित्ता एवं वयासी- एवं खलु अहं

अज्जो ! छट्ठक्खमणपारणगंसि समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सावत्थीए णयरीए तं चेव सव्वं जाव गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेहि, तं मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव मिच्छं विपडिवण्णे ।

४०

जावं च णं आणंदे थेरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे सिग्घं तुरियं जाव सावत्थिं णयरिं मज्झमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव कोट्टए चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी- सुट्ठु णं आउसो कासवा ममं एवं वयासी, साहूणं आउसो कासवा ! ममं एवं वयासी- गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी, गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी।

जे णं से मंखलिपुत्ते तव धम्मंतेवासी से णं सुक्के सुक्काभिजाइए भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववण्णे, अहं णं उदाइणामं कुंडियायणीए, अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि, अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि; अणुप्पविसित्ता इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि । जे वि आइं आउसो कासवा ! अहं समयंसि केइ सिज्झिंसु वा सिज्झंति वा सिज्झिस्संति वा सव्वे ते चउरासीइं महाकप्पसयसहस्साइं, सत्त दिव्वे, सत्त संजूहे, सत्त सण्णिगब्भे, सत्त पउट्टपरिहारे, पंच कम्माणि सयसहस्साइं सट्ठिं च सहस्साइं छच्चसए तिण्णि य कम्मंसे अणुपुव्वेणं खवइत्ता तओ पच्छा सिज्झंति, बुज्झंति, मुच्चंति, परिणिव्वायंति, सव्वदुक्खाणमंतं करैसु वा करैति वा करिस्संति वा ।

४१

से जहा वा गंगा महाणयी जओ पवूढा, जहिं वा पज्जुवत्थिया, एस णं अद्धा पंचजोयणसयाइं आयामेणं, अद्धजोयणं विक्खंभेणं, पंच धणुसयाइं उव्वहेणं, एएणं गंगापमाणेणं सत्त गंगाओ सा एगा महागंगा, सत्त महागंगाओ सा एगा सादीणगंगा, सत्त सादीणगंगाओ सा एगा मच्चुगंगा, सत्त मच्चुगंगाओ सा एगा लोहियगंगा, सत्त लोहियगंगाओ, सा एगा आवतीगंगा, सत्त आवतीगंगाओ सा एगा परमावती, एवामेव सपुव्वावरेणं एगं गंगासयसहस्सं सत्तरि सहस्सा छच्च गुणपण्णं गंगासया भवंतीति मक्खाया।

४२

तासिं दुविहे उद्धारे पण्णत्ते, तं जहा- सुहुमबोदि-कलेवरे चेव बायरबोदि-कलेवरे चेव । तत्थ णं जे से सुहुमबोदिकलेवरे से ठप्पे । तत्थ णं जे से बायरबोदि-कलेवरे तओ णं वाससए गए वाससए गए एगमेगं गंगावालयं अवहाय जावइएणं कालेणं से कोट्टे खीणे, णीरए, णिल्लेवे, णिट्ठिए भवइ सेत्तं सरे सरप्पमाणे । एएणं सरप्पमाणेणं तिण्णि सर- सय- साहस्सीओ से एगे महाकप्पे, चउरासीइं महाकप्पसय-सहस्साइं से एगे महामाणसे ।

अणंताओ संजूहाओ जीवे चयं चइत्ता उवरिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ। से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं, भवक्खएणं, ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता पढमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥१॥

से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता मज्झिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं जाव विहरित्ता ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं जाव चइत्ता, दोच्चे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥२॥

से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता हेट्ठिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दिव्वाइं जाव चइत्ता तच्चे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥३॥

से णं तओहिंतो जाव उव्वट्ठित्ता उवरिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दिव्वाइं जाव चइत्ता चउत्थे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥४॥

से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता मज्झिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दिव्वाइं जाव चइत्ता पंचमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ॥५॥

से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता हिट्ठिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दिव्वाइं जाव चइत्ता छट्ठे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥६॥

४३

से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता बंभलोगे णामं से कप्पे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे, जहा ठाणपए जाव पंच वडैंसगा पण्णत्ता, तं जहा- असोगवडैंसए जाव पडिरूवा । से णं तत्थ देवे उववज्जइ । से णं तत्थ दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता सत्तमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ ॥७॥

से णं तत्थ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धइमाणं जाव वीइक्कंताणं सुकुमाल- भद्दलए मिउकुंडलकुंचियकेसए मट्ठगंडतलकण्णपीढए देवकुमारसप्पभए दारए पयाइ। से णं अहं कासवा! तएणं अहं आउसो कासवा ! कोमारियपव्वज्जाए कोमारएणं बंभचेरवासेणं इमे सत्त पउट्टपरिहारे परिहरामि, तं जहा- एणेज्जस्स, मल्लरामस्स, मंडियस्स, रोहस्स, भारद्वाइस्स, अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ।

४४

तत्थ णं जे से पढमे पउट्टपरिहारे से णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया मंडिकुच्छिसि चेइयंसि उदाइस्स कुंडियायणस्स सरीरं विप्पजहामि, विप्पजहित्ता एणेज्जगस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता बावीसं वासाइं पढमं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

तत्थ णं जे से दोच्चे पउट्टपरिहारे- से णं उदंडपुरस्स णयरस्स बहिया चंदोयरणंसि चेइयंसि एणेज्जगस्स सरीरगं विप्पजहामि, विप्पजहित्ता मल्लरामस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता एकवीसं वासाइं दोच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

तत्थ णं जे से तच्चे पउट्टपरिहारे से णं चंपाए णयरीए बहिया अंगमंदिरंसि चेइयंसि मल्लरामस्स सरीरगं विप्पजहामि, विप्पजहिक्खता मंडियस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता वीसं वासाइं तच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

तत्थ णं जे से चउत्थे पउट्टपरिहारे से णं वाणारसीए णयरीए बहिया काममहावणंसि चेइयंसि मंडियस्स सरीरगं विप्पजहामि, विप्पजहिक्खता रोहस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता एगूणवीसं वासाइं चउत्थं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

तत्थ णं जे से पंचमे पउट्टपरिहारे से णं आलभियाए णयरीए बहिया पत्तकालगयंसि चेइयंसि रोहस्स सरीरगं विप्पजहामि, विप्पजहिक्खता भारद्वाजस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता अट्ठारस वासाइं पंचमं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

तत्थ णं जे से छट्ठे पउट्टपरिहारे से णं वेसालीए णयरीए बहिया कौंडियायणंसि चेइयंसि भारद्वाजस्स सरीरं विप्पजहामि, विप्पजहिक्खता अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता सत्तरस्स वासाइं छट्ठं पउट्टपरिहारं परिहरामि ।

४५

तत्थ णं जे से सत्तमे पउट्टपरिहारे से णं इहेव सावत्थीए णयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि, विप्पजहिक्खता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं सीयसहं उण्हसहं खुहासहं विविह-दंसमसग-परिसहोवसग्गासहं थिरसंघयणं त्ति कट्ठु तं अणुप्पविसामि, अणुप्पविसित्ता सोलस वासाइं इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि । एवामेव आउसो कासवा ! एगेणं तेत्तीसेणं वाससएणं सत्त पउट्टपरिहारा परिहरिया भवंतीति मक्खाया । तं सुट्ठु णं आउसो कासवा ! ममं एवं वयासी, साहु णं आउसो कासवा ! ममं एवं वयासी-गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी, गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी ।

४६

तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-गोसाला ! से जहाणामए तेणए सिया, गामेल्लएहिं परब्भवमाणे परब्भवमाणे कत्थ य गइडं वा दरिं वा णिण्णं वा पच्चयं वा विसमं वा अणस्साएमाणे एगेणं महं उण्णालोमेण वा सणलोमेण वा कप्पासपम्हेण वा तणसूएण वा अत्ताणं आवरित्ता णं चिट्ठेज्जा; से णं अणावरिए आवरियमिति अप्पाणं मण्णइ, अप्पच्छण्णे य पच्छण्णमिति अप्पाणं मण्णइ अणिलुक्के णिलुक्कमिति अप्पाणं मण्णइ, अपलाए पलायमिति अप्पाणं मण्णइ, एवामेव तुमं पि गोसाला ! अणण्णे संते अण्णमिति अप्पाणं उपलभसि, तं मा एवं गोसाला ! णारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा ।

४७

तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समणे आसुरत्ते जाव समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ, आउसित्ता उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ, उद्धंसेत्ता उच्चावयाहिं णिब्भंछणाहिं णिब्भंछेइ, णिब्भंछेत्ता उच्चावयाहिं णिच्छोडणाहिं णिच्छोडेइ, णिच्छोडेत्ता एवं वयासी-णट्ठे सि कयाइ, विणट्ठे सि कयाइ, भट्ठे सि कयाइ, णट्ठ-विणट्ठ-भट्ठे सि कयाइ, अज्ज ण भवसि, णाहि ते ममाहिंतो सुहमत्थि।

४८

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई
णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, धम्मायरियाणुरागेणं एयमडुं असहमाणे उट्ठाए उट्ठेइ,
उट्ठित्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं एवं
वयासी- जे वि ताव गोसाला ! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियं एगमवि आरियं
धम्मियं सुवयणं णिसामेइ, से वि ताव वंदइ णमंसइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं पज्जुवासइ,
किमंग पुण तुमं गोसाला ! भगवया चेव पव्वाविए, भगवया चेव मुंडाविए, भगवया चेव
सेहाविए, भगवया चेव सिक्खाविए, भगवया चेव बहुस्सुईकए, भगवओ चेव मिच्छं
विप्पडिवण्णे तं मा एवं गोसाला ! णारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा ।
तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइणामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव
सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेइ। तएणं से गोसाले
मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करित्ता दोच्चं पि
समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ जाव सुहं णत्थि ।

४९

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी कोसलजाणवए सुणक्खत्ते
णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, धम्मायरियाणुरागेणं जहा सव्वाणुभूई तहेव जाव
सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुणक्खत्तेणं अणगारेणं एवं
वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव सुणक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेइ । तएणं से
सुणक्खत्ते अणगारे गोसालेणं मंखलिपुत्तेण तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव समणे
भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ
णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुभेइ, आरुभेत्ता समणा य समणीओ
य खामेइ, खामित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ।

५०

तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुणक्खत्तं अणगार तवेणं तेएणं परितावित्ता तच्चं पि समणं
भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ, सव्वं तं चेव जाव सुहं णत्थि । तएणं समणे
भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी- जे वि ताव गोसाला ! तहारूवस्स समणस्स
वा माहणस्स वा तं चेव जाव पज्जुवासइ, किमंग पुण गोसाला ! तुमं मए चेव पव्वाविए जाव
मए चेव बहुस्सुईकए, ममं चेव मिच्छं विप्पडिवण्णे ? तं मा एवं गोसाला ! जाव णो अण्णा।
तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव
तेयासमुग्घाएणं समोहण्णइ, समोहणित्ता सत्तट्ठ पयाइं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता
समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरइ।

से जहाणामए वाउक्कलिया इ वा वायमंडलिया इ वा; सेलंसि वा कुड्डंसि वा थंभंसि वा
थूभंसि वा आवरिज्जमाणी वा णिवारिज्जमाणी वा सा णं तत्थ णो कमइ, णो पक्कमइ,
एवामेव गोसालस्स वि मंखलिपुत्तस्स तवे तेए समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए
सरीरगंसि णिसिद्धे समाणे से णं तत्थ णो कमइ, णो पक्कमइ, अंचियंचिय करेइ, करित्ता
आयाहिणपयाहिणं करेइ, करित्ता उड्ढं वेहासं उप्पइए; से णं तओ पडिहए पडिणियत्ते समाणे
तमेव गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुडहमाणे-अणुडहमाणे अंतो- अंतो अणुप्पविट्ठे ।

- ५१ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते सएणं तेएणं अण्णाइढ्ढे समाणे समणं भगवं महावीरं एवं वयासी- तुमं णं आउसो कासवा ! ममं तवेणं तेएणं अण्णाइढ्ढे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करेस्ससि । तएणं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-णो खलु अहं गोसाला ! तव तवेणं तेएणं अण्णाइढ्ढे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करिस्सामि, अहं णं अण्णाइं सोलस वासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तुमं णं गोसाला ! अप्पणा चेव सएणं तेएणं अण्णाइढ्ढे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे जाव छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि।
- ५२ तएणं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ एवं खलु देवाणुप्पिया ! सावत्थीए णयरीए बहिया कोट्टए चेइए दुवे जिणा संलवंति, एगे वयइ-तुमं पुत्विं कालं करिस्ससि, एगे वयइ तुमं पुत्वि कालं करिस्ससि, तत्थ णं के पुण सम्मावाई के पुण मिच्छावाई ? तत्थ णं जे से अहप्पहाणे जणे से वयइ- समणे भगवं महावीरे सम्मावाई, गोसाले मंखलिपुत्ते मिच्छावाई ।
- ५३ अज्जो ! त्ति समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी- अज्जो से जहाणामए तणरासी इ वा कट्ठरासी इ वा पत्तरासी इ वा तयारासी इ वा तुसरासी इ वा भुसरासी इ वा गोमयरासी इ वा अवकरासी इ वा अगणिझामिए अगणिझूसिए अगणिपरिणामिए हयतेए गयतेए णट्ठतेए भट्ठतेए लुत्ततेए विणट्ठतेए । एवामेव गोसाले मंखलिपुत्ते मम वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरेत्ता हयतेए गयतेए जाव विणट्ठतेए जाए । तं छंदेणं अज्जो ! तुब्भे गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएह, पडिचोएत्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेह, पडिसारित्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेह, पडोयारेत्ता अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य वागरणेहि य कारणेहि य णिप्पट्ठ-पसिण-वागरणं करेह ।
- ५४ तएणं ते समणा णिग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छंति, तेणेव उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएंति, पडिचोएत्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेंति, पडिसारेत्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेंति, पडोयारित्ता अट्ठेहि य हेऊहि य कारणेहि य णिप्पट्ठ-पसिण-वागरणं करेंति ।
- ५५ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेहिं णिग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोइज्जमाणे जाव णिप्पट्ठपसिणवागरणे कीरमाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे णो संचाएइ समणाणं णिग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएत्तए, छविच्छेयं वा करेत्तए । तएणं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं समणेहिं णिग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएज्जमाणं, धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारिज्जमाणं, धम्मिएणं पडोयारेण य पडोयारेज्जमाणं, अट्ठेहि य हेऊहि य णिप्पट्ठ-पसिण-वागरणं करेमाणं, आसुरुत्तं जाव मिसिमिसेमाणं समणाणं णिग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेयं वा अकरेमाणं पासंति, पासित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमंति, अवक्कमित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति करेत्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता

समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति, अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसालं चव मंखलिपुत्तं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति ।

५६ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सद्वाए हव्वमागए तमद्वं असाहेमाणे, रुंदाइं पलोएमाणे, दीहुण्हाइं णीससमाणे, दाढियाए लोमाइं लुंचमाणे अवडुयं कंडूयमाणे, पुयलिं पप्फोडेमाणे, हत्थे विणिद्धुणमाणे, दोहि वि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे, 'हा हा अहो ! हओ अहमस्सि त्ति कट्ठु समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ; पडिणिक्खमित्ता जेणेव सावत्थी णयरी, जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए, मज्जपाणगं पियमाणे, अभिक्खणं गायमाणे, अभिक्खणं णच्चमाणे, अभिक्खणं हालाहलाए कुंभकारीए अंजलिकम्मं करेमाणे, सीयलएणं मट्ठियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ ।

५६ अज्जो त्ति समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी- जावइए णं अज्जो ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं ममं वहाए सरीरगंसि तेये णिसट्ठे, से णं अलाहि पज्जत्ते सोलसण्हं जणवयाणं, तं जहा- अंगाणं बंगाणं मगहाणं मलयाणं मालवगाणं अच्छाणं वच्छाणं कोच्छाणं पाढाणं लाढाणं वज्जाणं मोलीणं कासीणं कोसलाणं अबाहाणं संभुत्तराणं घायाए, वहाए, उच्छायणयाए, भासीकरणयाए ।

५८ जं पि य अज्जो ! गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए, मज्जपाणं पियमाणे, अभिक्खणं जाव अंजलिकम्मं करेमाणे विहरइ, तस्स वि य णं वज्जस्स पच्छादणद्वयाए इमाइं अट्ठ चरिमाइं पण्णवेइ, तं जहा- चरिमे पाणे, चरिमे गेये, चरिमे णट्ठे, चरिमे अंजलिकम्मे, चरिमे पोक्खलसंवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए गंधहत्थी, चरिमे महासिलाकंटए संगामे, अहं च णं इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थये सिज्झिस्सं जाव अंतं करेस्सं ति ।

जं पि य अज्जो ! गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्ठियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ । तस्स वि य णं वज्जस्स पच्छादणद्वयाए इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पण्णवेइ ।

५९ से किं तं पाणए ? पाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- गोपुट्टए, हत्थमद्वियए, आयवतत्तए सिलापब्भट्टए । से तं पाणए ।

६० से किं तं अपाणए ? अपाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- थालपाणए तयापाणए सिंबलिपाणए, सुद्धपाणए ।

६१ से किं तं थालपाणए ? थालपाणए- जं णं दाथालगं वा दावारगं वा दाकुंभगं वा दाकलसं वा सीयलगं उल्लगं हत्थेहिं परामुसइ, ण य पाणियं पियइ । से तं थालपाणए ।

६२ से किं तं तयापाणए ? तयापाणए जं णं अंबं वा अंबाडगं वा जहा पओगपए जाव बोरं वा तिंदुरुयं वा तरुणगं वा, आमगं वा आसगंसि आवीलेइ वा पविलेइ वा, ण य पाणियं पियइ, से तं तयापाणए ।

६३ से किं तं सिंबलिपाणए ? सिंबलिपाणए- जं णं कलसंगलियं वा, मुग्गसंगलियं वा माससंगलियं वा सिंबलिसंगलियं वा तरुणियं आमियं आसगंसि आवीलेइ वा पविलेइ वा, ण य पाणियं पियइ, से तं सिंबलिपाणए ।

६४ से किं तं सुद्धपाणए ? सुद्धपाणए जे णं छ मासे सुद्धखाइमं खाइ, दो मासे पुढविसंथारोवगए, दो मासे कट्ठसंथारोवगए, दो मासे दब्भसंथारोवगए, तस्स णं बहुपडिपुण्णाणं छण्हं मासाणं अंतिमराईए इमे दो देवा महिइडिया जाव महासोक्खा अंतियं पाउब्भवंति, तं जहा- पुण्णभदे य माणिभदे य । तएणं ते देवा सीयलएहिं उल्लएहिं हत्थेहिं गायाइं परामुसंति, जे णं ते देवे साइज्जइ, से णं आसीविसत्ताए कम्मं पकरेइ; जे णं ते देवे णो साइज्जइ, तस्स णं सयंसि सरीरगंसि अगणिकाए संभवइ, से णं सएणं तेएणं सरीरगं झामेइ, झामित्ता तओ पच्छा सिज्जइ जाव अंतं करेइ । से तं सुद्धपाणए ।

६५ तत्थ णं सावत्थीए णयरीए अयंपुले णामं आजीविओवासए परिवसइ- अइडे जाव अपरिभूए, जहा हालाहला जाव आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तएणं तस्स अयंपुलस्स आजीविओवासगस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- किं संठिया हल्ला पण्णत्ता ? तएणं तस्स अयंपुलस्स आजीविओवासगस्स दोच्चं पि अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु ममं धम्मायरिए, धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते उप्पण्णणाणंदसणधरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी इहेव सावत्थीए णयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते गोसालं मंखलिपुत्तं वंदित्ता जाव पज्जुवासेत्ता इमं एयारूवं वागरणं वागरित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, एवं संपेहित्ता कल्लं जाव जलंते ण्हाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे, साओ गिहाओ पडिणिकखमइ, पडिणिकखमित्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं णयरिं मज्झमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगयं जाव अंजलिकम्मं करेमाणं सीयलएणं मट्ठियापाणएणं आयंचणि-उदएणं गायाइं परिसिंचमाणं पासइ, पासित्ता लज्जिए, विलिए, विड्डे सणियं सणियं पच्चोसक्कइ ।

६६ तएणं ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं लज्जियं जाव पच्चोसक्कमाणं पासइ, पासित्ता एवं वयासी- एहि ताव अयंपुला ! एत्तओ । तएणं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीवियथेरेहिं एवं वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता आजीविए थेरे वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ ।

अयंपुला ! ति आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी- से णूणं ते अयंपुला! पुव्वरत्तारवरत्तकाल-समयंसि जाव किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता? तएणं तव अयंपुला! दोच्चं पि अयमेया रूवे अज्झत्थिए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावत्थिं णयरीं मज्झमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे, जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए। से णूणं ते अयंपुला ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि ।

जं पि य अयंपुला ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए जाव अंजलिं करेमाणे विहरइ, तत्थ वि णं भगवं इमाइं अट्ठ चरिमाइं पण्णवेइ, तं जहा- चरिमे पाणे जाव अंतं करिस्सइ । जे वि य अयंपुला ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्ठिया पाणएणं जाव विहरइ, तत्थ वि णं भगवं इमाइं चत्तारि पाणगाइं, चत्तारि अपाणगाइं पण्णवेइ । से किं तं पाणए ? पाणए चउव्विहे पण्णत्ते जाव तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ । तं गच्छ णं तुमं अयंपुला ! एस चेव तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते इमं एयारूवं वागरणं वागरित्तए त्ति ।

६७ तएणं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहिं थेरेहिं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ-तुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव प्हारेत्थ गमणाए । तएणं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंबकूणगएडावणइयाए एगंतमंते संगारं कुव्वंति । तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते आजीवियाणं थेराणं संगारं पडिच्छइ, संगारं पडिच्छित्ता अंबकूणगं एगंतमंते एडेइ । तएणं से अयंपुले आजिवियोवासए जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव पज्जुवासइ ।

६८ अयंपुला ! त्ति गोसाले मंखलिपुत्ते अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी- से णूणं अयंपुला ! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव जेणेव ममं अंतियं तेणेव हव्वमागए । से णूणं अयंपुला ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । तं णो खलु एस अंबकूणए, अंबचोयए णं एसे । किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता ? वंसीमूलसंठिया हल्ला पण्णत्ता । वीणं वाएहि रे वीरगा । वीणं वाएहि रे वीरगा । तएणं से अयंपुले ! आजीवियोवासए गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं इमं एयारूवं वागरणं वागरिए समाणे हट्ठ-तुट्ठे जाव हियए गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठाइं परियादियइ, परियादियत्ता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता जाव पडिगए ।

६९ तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते अप्पणो मरणं आभोएइ, आभोइत्ता आजीविए थेरे सट्ठावेइ, सट्ठावित्ता एवं वयासी- तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेह, सुरभिणा गंधोदएणं ण्हावित्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाईए गायाइं लूहेह, गायाइं लूहित्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपह, अणुलिंपित्ता महरिहं हंसलक्खणं पडसाडगं णियंसेह, णियंसित्ता सव्वालंकारविभूसियं करेह, करित्ता पुरिस- सहस्सवाहिणिं सीयं दुरुहेइ, दुरुहित्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया महया सट्ठेणं उग्घोसेमाणा उग्घोसेमाणा एवं वयह- एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे, जिणप्पलावी जाव जिणसट्ठं पगासेमाणे विहरित्ता इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थयरे सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, इड्ढिसक्कारसमुदएणं मम सरीरगस्स णीहरणं करेह । तएणं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति ।

७० तएणं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सत्तरत्तंसि परिणममाणंसि पडिलद्ध सम्मत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-णो खलु अहं जिणे, जिणप्पलावी जाव जिणसट्ठं पगासेमाणे विहरिए, अहं णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए, समणमारए समणपडिणीए,

आयरिय-उवज्झायाणं अयसकारए, अवण्णकारए अकित्तिकारए, बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा वुग्गाहेमाणे, वुप्पाएमाणे विहरित्ता सएणं तेएणं अण्णाइद्वे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करेस्सं । समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्वं पगासेमाणे विहरइ !

७१

एवं संपेहेइ, एवं संपेहित्ता, आजीविए थेरे सद्दावेइ, सद्दावित्ता उच्चावय-सवह-साविए पकरेइ, पकरित्ता एवं वयासी- णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरिए अहं णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे, जिणप्पलावी जाव जिणसद्वं पगासेमाणे विहरइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता वामे पाए सुंबेणं बंधह, बंधित्ता तिक्खुत्तो मुहे उडुभेह, उडुभेत्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणा उग्घोसेमाणा एवं वयह- णो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे, जिणप्पलावी जाव एस णं गोसाले चेव मंखलीपुत्ते, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए । समणे भगवं महावीरे जिणे, जिणप्पलावी जाव विहरइ; महया अणिड्ढी-असक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स णीहरणं करेज्जाह; एवं वदित्ता कालगए ।

७२

तएणं आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं कालगयं जाणित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवाराइं पिहेति, पिहित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स बहुमज्झदेसभाए सावत्थिं णयरिं आलिहंति, आलिहित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं वामे पाए सुंबेणं बंधइ, बंधित्ता तिक्खुत्तो मुहे उडुहंति, उडुहित्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा, णीयं णीयं सद्देणं उग्घोसेमाणा उग्घोसेमाणा एवं वयासी- णो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए । समणे भगवं महावीरे जिणे, जिणप्पलावी जाव विहरइ, सवहपडिमोक्खणगं करेंति, करित्ता दोच्चं पि पूयासक्कारथिरीकरणद्वयाए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वामाओ पायाओ सुंबं मुयंति, सुंबं मुइत्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवारवयणाइं अवगुणंति, अवगुणित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेंति, तं चेव जाव महया इड्ढि-सक्कार-समुदएणं गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स णीहरणं करेंति ।

७३

तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ सावत्थीओ णयरीओ कोद्वयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं मेंढियगामे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । तस्स णं मेंढियगामस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसिभाए एत्थ णं सालकोद्वए णामं चेइए होत्था, वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ । तस्स णं सालकोद्वगस्स णं चेइयस्स अदूरसामंते एत्थ णं महेगे मालुयाकच्छए यावि होत्था- किण्हे किण्होभासे जाव णिउरंबभूए, पत्तिए, पुप्फिए, फलिए हरियग-रेरिज्जमाणे, सिरीए अईव-अईव उवसोभेमाणे चिद्वइ । तत्थ णं मेंढियगामे णयरे रेवई णामं गाहावइणी परिवसइ, अड्ढा जाव अपरिभूया । तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया

कयाइ पुच्चाणुपुत्विं चरमाणे जाव जेणेव मेंढियगामे णयरे जेणेव सालकोट्टए चेइए जाव परिसा पडिगया ।

७४ तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विपुले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव दुरहियासे, पित्तज्जरपरिगयसरीरे, दाहवक्कंतीए यावि विहरइ, अवियाइं लोहियवच्चाइं पि पकरेइ । चाउवण्णं वागरेइ-एवं खलु समणे भगवं महावीरे गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जर-परिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ ।

७५ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सीहे णामं अणगारे पगइभदए जाव विणीए मालुयाकच्छगस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढंबाहाओ जाव विहरइ । तएणं तस्स सीहस्स अणगारस्स ज्ञाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु ममं धम्मायरियस्स धम्मोवएस- गस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए, उज्जले जाव छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ । वदिस्संति य णं अण्णतित्थिया-‘छउमत्थे चेव कालगए’ । इमेणं एयारूवेणं महया मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे आयावणभूमिए पच्चोरुहइ पच्चोरुहिक्का जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मालुयाकच्छगं अंतो-अंतो अणुपविसइ, अणुपविसित्ता महया-महया सट्ठेणं कुहुकुहुस्स परुण्णे ।

७६ ‘अज्जो’ त्ति समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतेइ, आमंतित्ता एवं वयासी- एवं खलु अज्जो ! ममं अंतेवासी सीहे णामं अणगारे पगइभदए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव परुण्णे । तं गच्छह णं अज्जो ! तुब्भे सीहं अणगारं सदह । तएणं ते समणा णिग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति, पडिणिक्खमित्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता सीहं अणगारं एवं वयासी- सीहा ! धम्मायरिया सट्ठावेति । तएणं से सीहे अणगारे समणेहिं णिग्गंथेहिं सद्धिं मालुयाकच्छगाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव सालकोट्टए चेइए, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव पज्जुवासइ ।

७७ सीहा ! त्ति समणे भगवं महावीरे सीहं अणगारं एवं वयासी- से णूणं ते सीहा ! ज्ञाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव परुण्णे; से णूणं ते सीहा ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । तं णो खलु सीहा । गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करिस्सं, अहं णं अण्णाइं अद्ध-सोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तं गच्छह णं तुमं सीहा ! मेंढियगामं णयरं, रेवईए गाहावइणीए गिहे, तत्थ णं रेवईए गाहावइणीए ममं अट्ठाए दुवे कोहंडफला [कवोस्र] उवक्खडिया, तेहिं णो अट्ठो, अत्थि से अण्णे पारियासिए फासुए बीयरुरए [मज्जास्र] तमाहराहि, एएणं अट्ठो ।

७८

तएणं से सीहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठुट्ठे जाव हियए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता अतुरियमचवलमसंभंतं मुहपोत्तियं पडिलेहइ, पडिलेहित्ता जहा गोयमसामी जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता अतुरियं जाव जेणेव मेंढियगामे णयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मेंढियगामं णयरं मज्झिमज्झेणं जेणेव रेवईए गाहावइणीए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता रेवईए गाहावइणीए गिहं अणुप्पविट्ठे । तएणं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठुट्ठु खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठित्ता सीहं अणगारं सत्तट्ठुपयाइं अणुगच्छइ अणुगच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं?

तएणं से सीहे अणगारे रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी- एवं खलु तुमे देवाणुप्पिए ! जाव एयमाहराहि, तेणं अट्ठो ।

७९

तएणं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एवं वयासी- केस णं सीहा ! से णाणी वा तवस्सी वा, जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए, जओ णं तुमं जाणासि ? एवं जहा खंदए जाव जओ णं अहं जाणामि ।

तएणं सा रेवई गाहावइणी सीहस्स अणगारस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठु जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पत्तगं मोएइ, पत्तगं मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सीहस्स अणगारस्स पडिग्गहगंसि तं सव्वं सम्मं णिस्सिरइ । तएणं तीए रेवईए गाहावइणीए तेणं दव्वसुद्धेणं जाव दाणेणं सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाउए णिबद्धे, जहा विजयस्स जाव सुलद्धे माणुस्सए जम्म- जीवियफले रेवईए गाहावइणीए ।

८०

तएणं से सीहे अणगारे रेवईए गाहावइणीए गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता मेंढियगामं णयरं मज्झिमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिंसि तं सव्वं संमं णिस्सिरइ । तएणं समणे भगवं महावीरे अमुच्छिणं जाव अणज्झोववण्णे बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं सरीरकोट्टगंसि पक्खिवइ । तएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स तमाहारं आहारियस्स समाणस्स से विपुले रोगायंके खिप्पामेव उवसमं पत्ते, हट्ठे जाए, आरोग्गे, बलियसरीरे । तुट्ठा समणा, तुट्ठाओ समणीओ, तुट्ठा सावया, तुट्ठाओ सावियाओ, तुट्ठा देवा, तुट्ठाओ देवीओ, सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे- 'हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे, हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे' ।

८१

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूईणामं अणगारे पगइभट्ठए जाव विणीए, से णं भंते! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेणं भासरासीकए समाणे कहिं गए, कहिं उववण्णे ?

एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूइणामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं भासरासीकए समाणे उड्ढं चंदिम-सूरिय जाव महासुक्के कप्पे वीइवइत्ता सहस्सारे कप्पे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं अट्टारस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सव्वाणुभूइस्स वि देवस्स अट्टारस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं सव्वाणुभूई देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं, भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ।

८२ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कोसलजाणवए सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते ! तया णं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए, कहिं उववण्णे ?

एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहइ, आरुहित्ता समणा य समणीओ य खामेइ, खामित्ता आलोइय-पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम-सूरिय जाव आणय पाणयारणकप्पे वीइवइत्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं सुणक्खत्तस्स वि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं, सेसं जहा सव्वाणुभूइस्स जाव अंतं काहिइ ।

८३ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले णामं मंखलिपुत्ते से णं भंते! गोसाले मंखलिपुत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गए, कहिं उववण्णे?

एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले णामं मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम-सूरिय जाव अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं गोसालस्स वि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

८४ से णं भंते ! गोसाले देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ?

गोयमा ! इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स रण्णो भद्दए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ । से णं तत्थ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव वीइक्कंताणं जाव सुरूवे दारए पयाहिइ ।

८५ जं रयणिं च णं से दारए जाइहिइ, तं रयणिं च णं सयदुवारे णयरे सब्भिंतरबाहिरिए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिति । तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव संपत्ते बारसाहदिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं काहिति- जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे णयरे सब्भिंतरबाहिरिए जाव रयणवासे वुट्ठे, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स

णामधेज्जं महापउमे, महापउमे। तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेहिति 'महापउमे' त्ति ।

८६ तएणं तं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगड्ढवासजायगं जाणित्ता सोभणंसि तिहि-करण-दिवस-णक्खत्त-मुहुत्तंसि महया-महया रायाभिसेएणं अभिसिंचेहिति । से णं तत्थ राया भविस्सइ, महयाहिमवंत वण्णओ जाव विहरिस्सइ । तएणं तस्स महापउमस्स रण्णो अण्णया कयाइ दो देवा महइडिया जाव महासोकखा सेणाकम्मं काहिति । तं जहा- पुण्णभद्रे य माणिभद्रे य । तएणं सयदुवारे णयरे बहवे राईसर-तलवर जाव सत्थवाहप्पभिईओ अण्णमण्णं सद्दावेहिति, अण्णमण्णं सद्दावेत्ता एवं वदेहिति-जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं महापउमस्स रण्णो दो देवा महइडिया जाव सेणाकम्मं करेति, तं जहा- पुण्णभद्रे य माणिभद्रे य, तं होउ णं देवाणुप्पिया ! अम्हं महापउमस्स रण्णो दोच्चं पि णामधेज्जे 'देवसेणे, देवसेणे' । तएणं तस्स महापउमस्स रण्णो दोच्चे वि णामधेज्जे भविस्सइ 'देवसेणे, देवसेणे' त्ति ।

८७ तएणं तस्स देवसेणस्स रण्णो अण्णया कयाइ सेए संखतलविमलसण्णिगासे चउद्धंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिस्सइ । तएणं से देवसेणे राया तं सेयं संखतल-विमल-सण्णिगासं चउद्धंते हत्थिरयणं दूरूढे समाणे सयदुवारं णयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं-अभिक्खणं अभिजाहिइ, णिज्जाहिइ य । तएणं सयदुवारे णयरे बहवे राईसर जाव पभिईओ अण्णमण्णं सद्दावेहिति, अण्णमण्णं सद्दावेत्ता वदेहिति-जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं देवसेणस्स रण्णो सेए संखतल-विमल-सण्णिगासे चउद्धंते हत्थिरयणे समुप्पण्णे, तं होउ णं देवाणुप्पिया ! अम्हं देवसेणस्स रण्णो तच्चे वि णामधेज्जे 'विमलवाहणे, विमलवाहणे' । तएणं तस्स देवसेणस्स रण्णो तच्चे वि णामधेज्जे 'विमलवाहणे' त्ति ।

८८ तएणं से विमलवाहणे राया अण्णया कयाइ समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडि- वज्जिहिइ, अप्पेगइए आउसेहिइ, अप्पेगइए अवहसिहिइ, अप्पेगइए णिच्छोडेहिइ अप्पेगइए णिब्भत्थेहिइ, अप्पेगइए बंधेहिइ, अप्पेगइए णिरुंभेहिइ, अप्पेगइयाणं छविच्छेयं करेहिइ, अप्पेगइए पमारेहिइ, अप्पेगइए उद्धवेहिइ, अप्पेगइयाणं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं आच्छिंदिहिइ, विच्छिंदिहिइ, भिंदिहिइ, अवहरिहिइ, अप्पेगइयाणं भत्तपाणं वोच्छिंदिहिइ, अप्पेगइए णिण्णयरे करेहिइ, अप्पेगइए णिव्विसए करेहिइ ।

८९ तएणं सयदुवारे णयरे बहवे राईसर जाव वदिहिति- एवं खलु देवाणुप्पिया ! विमलवाहणे राया समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णे अप्पेगइए आउस्सइ जाव णिव्विसए करेइ, तं णो खलु देवाणुप्पिया ! एयं अम्हं सेयं, णो खलु एयं विमलवाहणस्स रण्णो सेयं, णो खलु एयं रज्जस्स वा रड्ढस्स वा बलस्स वा वाहणस्स वा पुरस्स वा अंतेउरस्स वा जणवयस्स वा सेयं, जण्णं विमलवाहणे राया समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णे । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं विमलवाहणं रायं एयमड्ढं विण्णवित्तए, त्ति कड्ढु अण्णमण्णस्स अंतियं एयमड्ढं पडिसुणेंति, पडिसुणित्ता जेणेव विमलवाहणे राया तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता करयलपरिग्गहियं विमलवाहणं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति, वद्धावेत्ता एवं वदिहिति- एवं खलु देवाणुप्पिया ! (तुब्भे) समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णा अप्पेगइए आउस्संति जाव अप्पेगइए णिव्विसए करेति; तं णो खलु एयं देवाणुप्पियाणं सेयं, णो खलु एयं अम्हं

सेयं, णो खलु एयं रज्जस्स वा जाव जणवयस्स वा सेयं, जं णं देवाणुप्पिया ! समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णा, तं विरमंतु णं देवाणुप्पिया ! एयस्स अट्ठस्स अकरणयाए ।

९० तएणं से विमलवाहणे राया तेहिं बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं एयमट्ठं विण्णत्ते समाणे 'णो धम्मो' त्ति 'णो तवो' त्ति मिच्छाविणएणं एयमट्ठं पडिसुणेहिइ ।

तस्स णं सयदुवारस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसिभाए एत्थ णं सुभूमिभागे णामं उज्जाणे भविस्सइ । सव्वोउय, वण्णओ । तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पउप्पए सुमंगले णामं अणगारे जाइसंपण्णे एवं जहा धम्मघोसस्स वण्णओ जाव संखित्त-विउल-तेयलेस्से, तिण्णाणोवगए, सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठं छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ ।

९१ तएणं से विमलवाहणे राया अण्णया कयाइ रहचरियं काउं णिज्जाहिइ । तएणं से विमलवाहणे राया सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते रहचरियं करेमाणे सुमंगलं अणगारं छट्ठं छट्ठेणं जाव आयावेमाणं पासिहिइ, पासित्ता आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं रहसिरेणं णोल्लावेहिइ । तएणं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं सणियं उट्ठेहिइ, उट्ठित्ता दोच्चं पि उट्ठं बाहाओ पगिज्झिय-पगिज्झिय जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ । तएणं से विमलवाहणे राया सुमंगलं अणगारं दोच्चं पि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ ।

९२ तएणं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा दोच्चं पि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं- सणिय उट्ठेहिइ, उट्ठित्ता ओहिं पउंजेहिइ, ओहिं पउंजित्ता विमलवाहणस्स रण्णो तीतद्धं ओहिणा आभोएहिइ, आभोइत्ता विमलवाहणं रायं एवं वदिहिइ- णो खलु तुमं विमलवाहणे राया, णो खलु तुमं देवसेणे राया, णो खलु तुमं महापउमे राया, तुमं णं इओ तच्चे भवग्गहणे गोसाले णामं मंखलिपुत्ते होत्था, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तं जइ ते तया सव्वाणुभूइणा अणगारेणं, पभुणा वि होऊणं सम्मं सहियं खमियं तित्तिक्खियं अहियासियं; जइ ते तया सुणक्खित्तेणं अणगारेणं जाव अहियासियं, जइ ते तया समणेणं भगवया महावीरेणं पभुणा वि जाव अहियासियं, तं णो खलु ते अहं तहा सम्मं सहिस्सं जाव अहियासिस्सं; अहं ते सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेज्जामि ।

९३ तएणं से विमलवाहणे राया सुमंगलेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं तच्चं पि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ । तएणं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा तच्चं पि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमिओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता तेयासमुग्घाएणं समोहण्णिहिइ, तेयासमुग्घाएणं समोहणित्ता सत्तट्ठ पयाइं पच्चोसक्किहिइ, सत्तट्ठ पयाइं पच्चोसक्कित्ता विमलवाहणं रायं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं जाव भासरासिं करेहिइ ।

९४ सुमंगले णं भंते ! अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! सुमंगले णं अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करित्ता बहूहिं छट्ठमदसम-दुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणेहिइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते उड्ढं चंदिम जाव गेवेज्जविमाणावाससयं वीइवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ णं देवाणं अजहण्ण- मणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं सुमंगलस्स वि देवस्स अजहण्ण- मणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! सुमंगले देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ।

९५

विमलवाहणे णं भंते ! राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहए जाव भासरासीकए समाणे कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! विमलवाहणे णं राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहये जाव भासरासीकए समाणे अहेसत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओ अणंतरं उववट्ठित्ता मच्छेसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा दोच्चं पि अहेसत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरगंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओ अणंतरं उववट्ठित्ता दोच्चं पि मच्छेसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे दाह-वक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोस कालाट्ठिइयंसि णरगंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओहिंतो अणंतर उववट्ठित्ता इत्थियासु उववज्जिहिइ । तत्थ वियणं सत्थवज्जे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा दोच्चं पि छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकाल- ठिइयंसि जाव उववट्ठित्ता दोच्चं पि इत्थियासु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव पंचमाए धूमपभाए पुढवीए उक्कोसकाल-ठिइयंसि जाव उववट्ठित्ता उरएसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव दोच्चं पि पंचमाए जाव उववट्ठित्ता दोच्चं पि उरएसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उववट्ठित्ता सीहेसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे तहेव जाव किच्चा दोच्चं पि चउत्थीए पंकप्पभाए जाव उववट्ठित्ता दोच्चं पि सीहेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसकाल-ठिइयंसि जाव उववट्ठित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव दोच्चं पि तच्चाए वालुयप्पभाए जाव उववट्ठित्ता दोच्चं पि पक्खीसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव किच्चा दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उववट्ठित्ता सरीसवेसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थ वज्जे जाव दोच्चं पि दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उववट्ठित्ता दोच्चं पि सरीसवेसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि य णं सत्थवज्जे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालठिइयंसि णरगंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ जाव उववट्ठित्ता सण्णिसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव असण्णीसु उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्जे जाव दोच्चं पि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पलिओवमस्स असंखेज्जइ-भागट्ठिइयंसि णरगंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ ।

९६

से णं तओ अणंतरं उववट्ठित्ता जाइं इमाइं खहयरविहाणाइं भवंति, तं जहा- चम्मपक्खीणं, लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं, विययपक्खीणं तेसु अणेगसय-सहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता-उद्दाइत्ता

तत्थेव तत्थेव भुज्जो-भुज्जो पच्चायाहिइ । सव्वत्थ वि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा जाइं इमाइं भुयपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं जहा- गोहाणं, णउलाणं जहा पण्णवणाए जाव जाहगाणं, चउप्पाइयाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो सेसं जहा खहयराणं जाव कालमासे कालं किच्चा जाइं इमाइं उरपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं जहा- अहीणं, अयगराणं, आसालियाणं, महोरगाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो जाव जाइं इमाइं चउप्पयविहाणाइं भवंति, तं जहा- एगखुराणं दुखुराणं गंडीपयाणं सणहपयाणं तेसु अणेगसयसहस्स खुत्तो जाव जाइं इमाइं जलयरविहाणाइं भवंति, तं जहा- मच्छाणं, कच्छभाणं जाव सुंसुमाराणं तेसु अणेगसयसहस्स खुत्तो जाव जाइं इमाइं चउरिंदियविहाणाइं भवंति, तं जहा- अंधियाणं, पोत्तियाणं जहा पण्णवणाए जाव गोमयकीडाणं तेसु अणेगसय-सहस्सखुत्तो जाव जाइं इमाइं तेइंदियविहाणाइं भवंति, तं जहा- उवचियाणं जाव हत्थिसौडाणं, तेसु अणेग-सयसहस्स-खुत्तो जाव जाइं इमाइं बेइंदियविहाणाइं भवंति, तं जहा- पुलाकिमियाणं जाव समुदुल्लिक्खाणं तेसु अणेगसय-सहस्सखुत्तो जाव-

९७

जाइं इमाइं वणस्सइविहाणाइं भवंति, तं जहा- रुक्खाणं गुच्छाणं जाव कुहणाणं, तेसु अणेगसय-सहस्स-खुत्तो जाव पच्चायाइस्सइ । उस्सण्णं च णं कडुयरुक्खेसु कडुयवल्लीसु सव्वत्थ वि णं सत्थवज्झे जाव जाइं इमाइं वाउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं जहा- पाईणवायाणं जाव सुद्धवायाणं, तेसु अणेगसयसहस्स-खुत्तो जाव जाइं इमाइं तेउक्काइय- विहाणाइं भवंति, तं जहा- इंगालाणं जाव सूरकंतमणिणिस्सियाणं, तेसु अणेगसयसहस्स-खुत्तो जाव जाइं इमाइं आउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं जहा- उस्साणं जाव खातोदगाणं, तेसु अणेगसय-सहस्स-खुत्तो जाव पच्चायाइस्सइ । उस्सण्णं च णं खारोदएसु, खातोदएसु; सव्वत्थ वि णं सत्थवज्झे जाव कालं किच्चा जाइं इमाइं पुढविकाइयविहाणाइं भवंति, तं जहा- पुढवीणं, सक्कराणं जाव सूरकंताणं, तेसु अणेगसयसहस्स-खुत्तो जाव पच्चायाहिइ, उस्सण्णं च णं खरबायर पुढविककाइएसु, सव्वत्थ वि णं सत्थवज्झे जाव कालं किच्चा ।

९८

रायगिहे णयरे बाहिं खरियत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दुच्चं पि रायगिहे णयरे अंतो खरियत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ वि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले सण्णिवेसे माहणकुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिइ । तएणं तं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं जोव्वणगमणुप्पत्तं पडिरूवणं सुक्केणं, पडिरूवणं विणएणं, पडिरूवयस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दलइस्संति। सा णं तस्स भारिया भविस्सइ-इट्ठा कंता जाव अणुमया भंडकरंगडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया, चेलपेडा इव सुसंपरिग्गहिया, रयणकरंडओ विव सुसारक्खिया, सुसंगोविया, मा णं सीयं, मा णं उण्हं जाव परिस्सहोवसग्गा फुसंतु । तएणं सा दारिया अण्णया कयाइ गुव्विणी ससुरकुलाओ कुलघरं णिज्जमाणी अंतरा दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु अग्गिकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ ।

९९

से णं तओहिंतो अणंतं उव्वट्ठित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, माणुस्सं विग्गहं लभित्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ, बुज्झित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ। तत्थ वि य

णं विराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु असुरकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओहिंतो जाव उव्वट्ठित्ता माणुस्सं विग्गहं तं चेव जाव तत्थ वि णं विराहियसामण्णे कालमासे जाव किच्चा दाहिणिल्लेसु णागकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओहिंतो अणंतरं एवं एणं अभिलावेणं दाहिणिल्लेसु सुवण्णकुमारेसु एवं विज्जुकुमारेसु एवं अग्गिकुमार वज्जं जाव दाहिणिल्लेसु थणियकुमारेसु । से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव विराहियसामण्णे जोइसिएसु देवेसु उववज्जिहिइ ।

१००

से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ लभित्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ जाव अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, केवलं बोहिं बुज्झिहिति, तत्थ वि णं अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सणकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ । एवं जहा सणकुमारे तहा बंभलोए, महासुक्के, आणए, आरणे । से णं तओ जाव अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठिसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति-अइढाइं जाव अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ । एवं जहा उववाइए दढप्पइण्ण-वत्तव्वया सच्चेव वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ ।

१०१

तए णं से दढप्पइण्णे केवली अप्पणो तीयद्धं आभोएहिइ, आभोइत्ता समणे णिग्गंथे सद्दावेहिइ, सद्दावेत्ता एवं वदिहिइ-एवं खलु अहं अज्जो ! इओ चिराईयाए अद्धाए गोसाले णामं मंखलिपुत्ते होत्था, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तम्मूलगं च णं अहं अज्जो ! अणाईयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतरं अणुपरियट्ठिए, तं मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ भवउ आयरियपडिणीयए, उवज्झायपडिणीए अयसकारए अवण्णकारए अकित्तिकारए मा णं से वि एवं चेव अणाईयं, अणवदग्गं जाव संसारकंतरं अणुपरियट्ठिहिइ जहा णं अहं । तएणं ते समणा णिग्गंथा दढप्पइण्णस्स केवलिस्स अंतियं एयमद्धं सोच्चा णिसम्म भीया तत्था तसिया संसारभउव्विग्गा दढप्पइण्णं केवलं वंदिहंति, णमंसिहंति वंदित्ता णमंसित्ता तस्स ठाणस्स आलोइएहंति णिंदिहंति जाव पडिवज्जिहंति ।

तएणं से दढप्पइण्णे केवली बहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणिहिइ, पाउणित्ता अप्पणो आउसेसं जाणेत्ता भत्तं पच्चक्खाहिइ, एवं जहा उववाइए जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ ।। सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पण्णरसमं सतं समत्तो ॥

सोलसमं सत्तं

पढमो उद्देशो

- १ अहिगरणि जरा कम्मे, जावइयं गंगदत्त सुमिणे य ।
उवओगे लोग बलि, ओहि दीव उदही दिसा थणिया ॥
- २ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी- अत्थि णं भंते!
अहिगरणिंसि वाउयाए वक्कमइ ?
हंता अत्थि ।
- ३ से भंते ! किं पुढे उद्दाइ, अपुढे उद्दाइ ? गोयमा ! पुढे उद्दाइ, णो अपुढे उद्दाइ ।
- ४ से भंते ! किं ससरीरी णिक्खमइ, असरीरी णिक्खमइ ? एवं जहा खंदए जाव से तेणढेणं णो असरीरी णिक्खमइ ।
- ५ इंगालकारियाए णं भंते ! अगणिकाए केवइयं कालं संचिद्धइ ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि राइंदियाइं । अण्णे वि तत्थ वाउयाए वक्कमइ, ण विणा वाउयाएणं अगणिकाए उज्जलइ ।
- ६ पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहमाणे वा पव्विहमाणे वा कइकिरिए?
गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहिति वा पव्विहिति वा, तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुढे, जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए णिव्वत्तिए, अयकोट्ठे णिव्वत्तिए, संडासए णिव्वत्तिए, इंगाला णिव्वत्तिया, इंगालकड्ढणी णिव्वत्तिया, भत्था णिव्वत्तिया, ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।
- ७ पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठाओ अयोमएणं संडासएणं गहाय अहिकरणिंसि उक्खिव्वमाणे वा णिक्खिव्वमाणे वा कइकिरिए ?
गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठाओ जाव णिक्खिव्वइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुढे । जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो अयो णिव्वत्तिए, अयकोट्ठे णिव्वत्तिए, संडासए णिव्वत्तिए, चम्मेढे णिव्वत्तिएमुद्धिए णिव्वत्तिए, अहिगरणी णिव्वत्तिया, अहिगरणि-खोडी णिव्वत्तिया, उदगदोणी णिव्वत्तिया, अहिगरणसाला णिव्वत्तिया, ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।
- ८ जीवे णं भंते ! किं अहिगरणी, अहिगरणं ? गोयमा ! जीवे अहिगरणी वि अहिगरणं पि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जीवे अहिगरणी वि अहिगरणं पि ? गोयमा ! अविरतिं पडुच्च। तेणट्ठेणं जाव अहिगरणं पि ।

९ णेरइए णं भंते ! किं अहिगरणी अहिगरणं ?

गोयमा ! अहिगरणी वि अहिगरणं पि । एवं जहेव जीवे तहेव णेरइए वि । एवं णिरंतरं जाव वेमाणिए ।

१० जीवे णं भंते ! किं साहिगरणी, णिरहिगरणी ? गोयमा ! साहिगरणी, णो णिरहिगरणी।

से केणट्ठेणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अविरतिं पडुच्च से तेणट्ठेणं जाव णो णिरहिगरणी । एवं जाव वेमाणिए ।

११ जीवे णं भंते ! किं आयाहिगरणी, पराहिगरणी, तदुभयाहिगरणी ? गोयमा ! आयाहिगरणी वि, पराहिगरणी वि, तदुभयाहिगरणी वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव तदुभयाहिगरणी वि ? गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयाहिगरणी वि । एवं जाव वेमाणिए ।

१२ जीवा णं भंते ! अधिकरणे किं आयप्पयोगणिव्वत्तिए परप्पयोगणिव्वत्तिए, तदुभयप्पयोगणिव्वत्तिए ?

गोयमा ! आयप्पयोगणिव्वत्तिए वि, परप्पयोगणिव्वत्तिए वि तदुभयप्पयोगणिव्वत्तिए वि।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! अविरतिं पडुच्च । से तेणट्ठेणं जाव तदुभयप्पयोगणिव्वत्तिए वि । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१३ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तं जहा- ओरालिए जाव कम्मए ।

१४ कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदिए जाव फासिंदिए ।

१५ कइविहे णं भंते ! जोए पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोए पण्णत्ते, तं जहा- मणजोए वइजोए कायजोए ।

१६ जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अधिकरणी, अधिकरणं ? गोयमा! अधिकरणी वि अधिकरणं पि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अधिकरणी वि अधिकरणं पि ? गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अधिकरणं पि ।

१७ पुढविकाइए णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अधिकरणी, अधिकरणं?

गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव मणुस्से । एवं जहा ओरालिए तहा वेउव्वियसरीरं पि, णवरं जस्स अत्थि ।

१८ जीवे णं भंते ! आहारगसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अधिकरणी पुच्छा ? गोयमा ! अधिकरणी वि अधिकरणं पि ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अधिकरणं पि ?

गोयमा ! पमायं पडुच्च । से तेणट्ठेणं जाव अधिकरणं पि । एवं मणुस्से वि । तेयासरीरं जहा ओरालियं, णवरं सव्वजीवाणं भाणियव्वं । एवं कम्मगसरीरं ।

१९

जीवे णं भंते ! सोइंदियं णिव्वत्तेमाणे किं अधिकरणी, अधिकरणं ?

गोयमा ! जहेव ओरालियसरीरं तहेव सोइंदियं पि भाणियव्वं, णवरं जस्स अत्थि सोइंदियं । एवं चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाण वि, णवरं जाणियव्वं जस्स जं अत्थि ।

२०

जीवे णं भंते ! मणजोगं णिव्वत्तेमाणे किं अधिकरणी, अधिकरणं ?

गोयमा ! जहेव सोइंदियं तहेव णिरवसेसं । वइजोगो एवं चेव, णवरं एगिंदियवज्जाणं । एवं कायजोगो वि, णवरं सव्वजीवाणं जाव वेमाणिए । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

बीओ उद्देशो

१

रायगिहे जाव एवं वयासी- जीवाणं भंते ! किं जरा, सोगे ? गोयमा ! जीवाणं जरा वि सोगे वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव सोगे वि ?

गोयमा ! जे णं जीवा सारीरं वेयणं वेदेंति, तेसि णं जीवाणं जरा, जे णं जीवा माणसं वेयणं वेदेंति, तेसि णं जीवाणं सोगे । से तेणट्ठेणं जाव सोगे वि । एवं णेरइयाण वि । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

२

पुढविकाइयाणं भंते ! किं जरा, सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं जरा, णो सोगे ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो सोगे ?

गोयमा ! पुढविकाइयाणं सारीरं वेयणं वेदेंति, णो माणसं वेयणं वेदेंति । से तेणट्ठेणं जाव णो सोगे । एवं जाव चउरिंदियाणं । सेसाणं जहा जीवाणं जाव वेमाणियाणं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

३

तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे जाव भुंजमाणे विहरइ । इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्धीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे आभोएमाणे पासइ समणं भगवं महावीरं जंबुद्धीवे दीवे । एवं जहा ईसाणे तइयसए तहेव सक्के वि । णवरं आभिओगे ण सद्दावेइ, हरी पायत्ताणियाहिवई सुघोसा घंटा, पालओ विमाणकारी, पालगं विमाणं, उत्तरिल्ले णिज्जाणमग्गे, दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरपव्वए । सेसं तं चेव जाव णामगं सावेत्ता

पज्जुवासइ। धम्मकहा जाव परिसा पडिगया । तएणं से सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुडे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-

४ कइविहे णं भंते ! उग्गहे पण्णत्ते ?

सक्का ! पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तं जहा- देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे । जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा णिग्गंथा विहरंति, एएसि णं अहं उग्गहं अणुजाणामीति कट्ठु समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरुहइ, दुरुहित्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ।

५ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- जं णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया तुब्भे णं एवं वदइ, सच्चे णं एसमट्ठे? हंता गोयमा ! सच्चे।

६ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सम्मावाई, मिच्छावाई ? गोयमा ! सम्मावाई, णो मिच्छावाई।

७ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सच्चं भासं भासइ, मोसं भासं भासइ, सच्चामोसं भासं भासइ, असच्चामोसं भासं भासइ ?

गोयमा ! सच्चं पि भासं जाव असच्चामोसं पि भासं भासइ ।

८ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सावज्जं भासं भासइ, अणवज्जं भासं भासइ? गोयमा ! सावज्जं पि भासं भासइ, अणवज्जं पि भासं भासइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सावज्जं पि जाव अणवज्जं पि भासं भासइ ?

गोयमा ! जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं अणिजूहित्ता णं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया सावज्जं भासं भासइ, जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं णिजूहित्ता णं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया अणवज्जं भासं भासइ। से तेणट्ठेणं जाव भासइ ।

९ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धीए, अभवसिद्धीए, सम्मदिट्ठीए, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहा मोउट्ठेसए सणंकुमारो जाव णो अचरिमे ।

१० जीवाणं भंते! किं चेयकडा कम्मा कज्जंति, अचेयकडा कम्मा कज्जंति ? गोयमा! जीवाणं चेयकडा कम्मा कज्जंति, णो अचेयकडा कम्मा कज्जंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जंति ?

गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला, बौदिचिया पोग्गला, कलेवरचिया पोग्गला तहा तहा णं ते पोग्गला परिणमंति, णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो! दुट्ठाणेसु, दुसेज्जासु दुण्णिसीहियासु तहा तहा णं ते पोग्गला परिणमंति, णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो ! आयंके से वहाए होइ, संकप्पे से वहाए होइ, मरणंते से वहाए होइ तहा तहा णं ते पोग्गला

परिणमंति णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो ! से तेणद्वेणं गोयमा ! जाव कम्मा कज्जंति।
एवं णेरइयाण वि । एवं जाव वेमाणियाणं ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

तइओ उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ?
गोयमा ! अद्व कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। एवं जाव वेमाणियाणं ।
- २ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कइ कम्मपयडीओ वेदेइ ?
गोयमा ! अद्व कम्मपयडीओ । एवं जहा पण्णवणाए वेयावेय-उद्देसओ सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो । वेदाबंधो वि तहेव, बंधावेदो वि तहेव, बंधाबंधो वि तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ३ तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयरओ गुणसीलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयतीरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । तस्स णं उल्लुयतीरस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसिभाए एत्थ णं एगजंबूए णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तएणं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव एगजंबूए चेइए समोसडे जाव परिसा पडिगया। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-
- ४ अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणस्स तस्स णं पुरच्छिमेणं अवड्ढं दिवसं णो कप्पइ हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, पच्चच्छिमेणं से अवड्ढं दिवसं कप्पइ हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा । तस्स णं असियाओ लंबंति, तं चेव वेज्जे अदक्खु, ईसिं पाडेइ, पाडेत्ता असियाओ छिंदेज्जा, से णूणं भंते ! जे छिंदइ तस्स किरिया कज्जइ, जस्स छिज्जइ णो तस्स किरिया कज्जइ णण्णत्थेगेणं धम्मंतराइएणं ?
हंता गोयमा ! जे छिंदइ जाव धम्मंतराइएणं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

चउत्थो उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- जावइयं णं भंते ! अण्णगिलाए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा खवयंति ? गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे ।
- २ जावइयं णं भंते! चउत्थभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससएण वा वाससएहिं वा वाससहस्सेण वा खवयंति ? गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे ।
- ३ जावइयं णं भंते ! छट्ठभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससहस्सेण वा वाससहस्सेहिं वा वाससयसहस्सेण वा खवयंति ? गोयमा! णो इण्ठे समठ्ठे ।
- ४ जावइयं णं भंते! अट्ठमभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससयसहस्सेण वा वाससयसहस्सेहिं वा वासकोडीए वा खवयंति ? णो इण्ठे समठ्ठे ।
- ५ जावइयं णं भंते ! दसमभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वासकोडीए वा वासकोडीहिं वा वासकोडाकोडीए वा खवयंति ? णो इण्ठे समठ्ठे ।
- ६ से केण्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जावइयं अण्णगिलायए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा णो खवयंति, जावइयं चउत्थभत्तिए, एवं तं चेव पुव्वभणियं उच्चारयव्वं जाव वासकोडाकोडीए वा णो खवयंति ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिल-तयावलि-तरंग- संपिणद्ध- गत्ते पविरल-परिसडिय-दंतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे झुंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते एगं महं कासंब-गंडियं सुक्कं जडिलं गंठिल्लं चिक्कणं वाइद्धं अपत्तियं मुंडेण परसुणा अवक्कमेज्जा, तएणं से पुरिसे महंताइं महंताइं सद्धाइं करेइ, णो महंताइं महंताइं दलाइं अवद्धालेइ, एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं; एवं जहा छट्ठसए जाव णो महापज्जवसाणा भवंति । से जहाणामए केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया जाव णो महापज्जवसाणा भवंति ।
- ७ से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव मेहावी णिउणसिप्पोवगए एगं महं सामलि-गंडियं उल्लं अजडिलं अगंठिल्लं अचिक्कणं अवाइद्धं सपत्तियं तिकखेण परसुणा अक्कमेज्जा, तएणं से पुरिसे णो महंताइं-महंताइं सद्धाइं करेइ, महंताइं महंताइं दलाइं अवद्धालेइ । एवामेव गोयमा! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबादराइं कम्माइं सिढिली कयाइं णिड्वियाइं कयाइं जाव खिप्पामेव परिविद्धत्थाइं भवंति; जावइयं-तावइयं पि णं ते वेयणं वेदेमाणा महाणिज्जरा महापज्जवसाणा भवंति । से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थगं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा एवं जहा छट्ठसए तहा अयोक्वल्ले वि जाव महापज्जवसाणा भवंति । से तेण्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जावइयं अण्णगिलायए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ, तं चेव जाव वासकोडाकोडीए वा णो खवयंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

पंचमो उद्देशो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयतीरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । एगजंबुए चेइए, वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एवं जहेव बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी-

देवे णं भंते! महिइढिए जाव महासोक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए? सक्का! णो इणढे समढे ।

२ देवे णं भंते ! महिइढिए जाव महासोक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू आगमित्तए ? सक्का! हंता पभू ।

३ देवे णं भंते ! महिइढिए, एवं एएणं अभिलावेणं गमित्तए वा, भासित्तए वा वागरित्तए वा, उम्मिसावेत्तए वा णिमिसावेत्तए वा, आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेइत्तए वा, विउव्वित्तए वा, परियारावेत्तए वा ? सक्का ! हंता पभू ।

इमाइं अढ्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ, वंदित्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरुहइ, दुरुहित्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ।

४ भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-अण्णया णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं वंदइ णमंसइ सक्कारेइ जाव पज्जुवासइ, किण्णं भंते ! अज्ज सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं अढ्ठ उक्खित्त-पसिणवागरणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ णमंसइ जाव पडिगए ?

गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे दो देवा महइढिया जाव महासोक्खा एगविमाणंसि देवत्ताए उववण्णा, तंजहा- मायिमिच्छदिट्ठिउववण्णए य अमायिसम्मदिट्ठि-उववण्णए य । तएणं से मायिमिच्छदिट्ठिउववण्णए देवे तं अमायिसम्मदिट्ठि-उववण्णगं देवं एवं वयासी- 'परिणममाणा पोग्गला णो परिणया, अपरिणया; परिणमंतीति पोग्गला णो परिणया, अपरिणया'। तएणं से अमायिसम्मदिट्ठि उववण्णए देवे तं मायिमिच्छदिट्ठि-उववण्णगं देवं एवं वयासी- परिणममाणा पोग्गला परिणया णो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया, णो अपरिणया । तं मायिमिच्छदिट्ठिउववण्णगं एवं पडिहणइ।

५ एवं पडिहणित्ता ओहिं पउंजइ, ओहिं पउंजित्ता ममं ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्वीवे दीवे जेणेव भारहे वासे, जेणेव उल्लुयतीरे णयरे, जेणेव एगजंबुए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ । तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूवं वागरणं

पुच्छित्तए त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ एवं संपेहिक्ता चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं, एवं परिवारो जहा सूरियाभस्स जाव णिग्घोसणाइयरवेणं जेणेव जंबुदीवे दीवे जेणेव भारहे वासे, जेणेव उल्लुयतीरे णयरे, जेणेव एगजंबुए चेइए, जेणेव मम अंतियं तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तएणं से सक्के देविंदे देवराया तस्स देवस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइ दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणे ममं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता संभंतिय जाव पडिगए ।

६

जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से देवे तं देसं हव्वमागए । तएणं से देवे समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-

एवं खलु भंते ! महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे एगे मायिमिच्छादिट्ठि उववण्णए देवे ममं एवं वयासी- परिणममाणा पोग्गला णो परिणया, अपरिणया; परिणमंतीति पोग्गला णो परिणया अपरिणया । तएणं अहं तं मायिमिच्छादिट्ठिउववण्णगं देवं एवं वयासी- परिणममाणा पोग्गला परिणया, णो अपरिणया; परिणमंतीति पोग्गला परिणया, णो अपरिणया; से कहमेयं भंते ! एवं?

गंगदत्ता ! ति समणे भगवं महावीरे गंगदत्तं देवं एवं वयासी- अहं पि णं गंगदत्ता! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- परिणममाणा पोग्गला जाव परिणया, णो अपरिणया; सच्चमेसे अट्ठे । तएणं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठ समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ ।

७

तएणं समणे भगवं महावीरे गंगदत्तस्स देवस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ जाव आराहए भवइ । तएणं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-

अहं णं भंते ! गंगदत्ते देवे किं भवसिद्धिए, अभवसिद्धिए ?

गंगदत्ता ! तुमण्णं भवसिद्धिए णो अभवसिद्धिए । एवं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइविहं णट्ठविहिं उवदंसेइ, उवदंसेत्ता जाव तामेव दिसं पडिगए ।

८

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी- गंगदत्तस्स णं भंते! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुइ दिव्वे देवाणुभावे कहिं गए, कहिं अणुप्पविट्ठे?

गोयमा ! सरीरं गया, सरीरं अणुप्पविट्ठा । कूडागारसालादिट्ठंतो जाव सरीरं अणुप्पविट्ठे ।

९

अहो णं भंते ! गंगदत्ते देवे महिड्ढिए जाव महासोक्खे । गंगदत्ते णं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी, दिव्वा देवज्जुइ, दिव्वे देवाणुभावे किण्णा लद्धे जाव किण्णा अभिसमण्णागए ? पुव्वभवे के आसी किं णामए वा, किं वा गोत्तेणं ?

गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्वीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । सहसंबवणे उज्जाणे, वण्णओ । तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे गंगदत्ते णामं गाहावई परिवसइ, अइढे जाव अपरिभूए ।

तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव पकइढिज्जमाणेणं-पकइढिज्जमाणेणं सीसगणसंपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरइ । परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ। तएणं से गंगदत्ते गाहावइ इमीसे कहाए लद्धुडे समाणे हट्ठुडे ण्हाए जाव विभूसिय सरीरे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पायविहारचारेणं हत्थिणापुरं णयरं मज्झं- मज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मुणिसुव्वयं अरहं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ ।

१० तएणं मुणिसुव्वए अरहा गंगदत्तस्स गाहावइस्स तीसे य महइ महालियाए परिसाए धम्मो कहिओ जाव परिसा पडिगया । तएणं से गंगदत्ते गाहावइ मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठुडे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठित्ता मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- सद्धहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, जं णवरं देवाणुप्पिया ! जेड्ढपुत्तं कुडुंबे ठावेमि, तएणं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंथं ।

११ तएणं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वएणं अरहया एवं वुत्ते समाणे हट्ठुडे मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियाओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता विउलं असणं पाणं खाइमं खाइमं उवक्खडावेइ, उवक्खडावेत्ता मित्त-णाइ-णियग सयण-संबंधि-परियणं आमंतेइ, आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जहा पूरणे जाव जेड्ढपुत्तं कुडुंबे ठावेइ ।

१२ तं मित्त-णाइ जाव जेड्ढपुत्तं च आपुच्छइ, आपुच्छित्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरुहइ, दुरुहित्ता मित्त-णाइ-णियग जाव परिजणेणं जेड्ढपुत्तेणं य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं हत्थिणापुरं मज्झमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ । एवं जहा उदायणो जाव सयमेव आभरणे ओमुयइ ओमुयइत्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, करेत्ता जेणेव मुणिसुव्वए अरहा एवं जहेव उदायणे तहेव पव्वइए; तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदेत्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव गंगदत्तदेवत्ताए उववण्णे । तएणं से गंगदत्ते देवे अहुणोववण्णमेत्तए समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तभावं गच्छइ तं जहा-

आहारपज्जत्तीए जाव भासामणपज्जत्तीए । एवं खलु गोयमा ! गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविइढी जाव अभिसमण्णागया ।

१३ गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्तरस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ।

१४ गंगदत्ते णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

छट्ठो उद्देशो

१ कइविहे णं भंते ! सुविणदंसणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे सुविणदंसणे पण्णत्ते, तं जहा-अहातच्चे, पयाणे, चिंतासुविणे, तच्चिवरीए, अवत्तदंसणे ।

२ सुत्ते णं भंते ! सुविणं पासइ, जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ? गोयमा ! णो सुत्ते सुविणं पासइ, णो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ।

३ जीवा णं भंते ! किं सुत्ता, जागरा, सुत्तजागरा ? गोयमा ! जीवा सुत्ता वि, जागरा वि, सुत्तजागरा वि ।

४ णेरइया णं भंते ! किं सुत्ता, जागरा, सुत्तजागरा ? गोयमा ! णेरइया सुत्ता, णो जागरा, णो सुत्तजागरा । एवं जाव चउरिंदिया ।

५ पंचिंदिय तिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सुत्ता, जागरा, सुत्तजागरा ?

गोयमा ! सुत्ता, णो जागरा, सुत्तजागरा वि । मणुस्सा जहा जीवा । वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ।

६ संवुडे णं भंते ! सुविणं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ? गोयमा ! संवुडे वि सुविणं पासइ, असंवुडे वि सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे वि सुविणं पासइ । संवुडे सुविणं पासइ अहातच्चं पासइ । असंवुडे सुविणं पासइ तहा वा तं होज्जा, अण्णहा वा तं होज्जा । संवुडासंवुडे सुविणं पासइ एवं चेव ।

७ जीवा णं भंते ! किं संवुडा, असंवुडा, संवुडासंवुडा ? गोयमा ! जीवा संवुडा वि, असंवुडा वि, संवुडासंवुडा वि । एवं जहेव सुत्ताणं दंडओ तहेव भाणियव्वो ।

८ कइ णं भंते ! सुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बायालीसं सुविणा पण्णत्ता ।

- ९ कइ णं भंते ! महासुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं महासुविणा पण्णत्ता ।
- १० कइ णं भंते ! सव्वसुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावत्तरिं सव्वसुविणा पण्णत्ता ।
- ११ तित्थयरमायरो णं भंते ! तित्थयरंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति ?
- गोयमा ! तित्थयरमायरो णं तित्थयरंसि गब्भं वक्कममाणंसि एसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोदस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, तं जहा- गय उसभ सीह जाव सिहिं च ।
- १२ चक्कवट्ठिमायरो णं भंते ! चक्कवट्ठिंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति ?
- गोयमा ! चक्कवट्ठिमायरो चक्कवट्ठिंसि गब्भं वक्कममाणंसि एसिं तीसाए महासुविणाणं, एवं जहा तित्थयरमायरो जाव सिहिं च ।
- १३ वासुदेवमायरो णं पुच्छा ? गोयमा ! वासुदेवमायरो वासुदेवस्स गब्भं वक्कममाणंसि एसिं चोदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति ।
- १४ बलदेवमायरो णं पुच्छा ? गोयमा ! बलदेवमायरो जाव एसिं चोदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति ।
- १५ मंडलियमायरो णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! मंडलियमायरो जाव एसिं चोदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरं एगं महासुविणं जाव पडिबुज्झंति ।
- १६ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे, तं जहा- एगं च णं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं सागरं उम्मी-वीथी-सहस्स-कलियं भुयाहिं तिण्णं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं हरि-वेरुलिय-वण्णाभेणं णियगेणं अंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे । एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं सीहासण-वरगयं अप्पाणं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ।
- १७ जण्णं समणं भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किल्ल जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगाए विहरइ । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्त जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे विचित्तं ससमय-परसमइयं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ, पण्णवेइ, परूवेइ, दंसेइ, णिदंसेइ, उवदंसेइ; तं जहा- आयारं, सूयगडं जाव दिट्ठिवायं । जण्णं समणे भगवं महावीरे

एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे दुविहे धम्मं पण्णवेइ, तं जहा- अगारधम्मं वा अणगारधम्मं वा । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे समणसंघे; तं जहा- समणा, समणीओ, सावया, सावियाओ ।

जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ; तं जहा- भवणवासी, वाणमंतरे, जोइसिए वेमाणिए । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सागरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणादीए अणवदग्गे जाव संसारकंतारे तिण्णे । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे । जण्णं समणे जाव वीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स ओराला कित्ति-वण्ण-सद्ध-सिलोया सदेवमणुयासुरे लोए परिभमंति- 'इति खलु समणे भगवं महावीरे, 'इति खलु समणे भगवं महावीरे । जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलीपण्णत्तं धम्मं आघवेइ जाव उवदंसेइ ।

१८ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हयपंतिं वा गयपंतिं वा जाव वसभपंतिं वा पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरुढमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।

१९ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं दामिणिं पाईणपडिणायए दुहओ समुद्धे पुढं पासमाणे पासइ, संवेल्लेमाणे संवेल्लेइ, संवेल्लियमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।

२० इत्थी वा पुरिसे वा एगं महं रज्जुं पाईणपडिणायतं दुहओ लोगंते पुढे पासमाणे पासइ, छिंदमाणे छिंदइ, छिण्णमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ ।

२१ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं किण्हसुत्तगं वा जाव सुक्किलसुत्तगं वा पासमाणे पासइ, उग्गोवेमाणे उग्गोवेइ, उग्गोवियमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ ।

२२ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं अयरासिं वा तंबरासिं वा तउयरासिं वा सीसगरासिं वा पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरुढमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चे भवग्गहणे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।

२३ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हिरण्णरासिं वा सुवण्णरासिं वा रयणरासिं वा वइररासिं वा पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरुढमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।

२४ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं तणरासिं वा जहा तेयणिसग्गे जाव अवकररासिं वा पासमाणे पासइ, विक्खिरमाणे विक्खिरइ, विक्खिणमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।

- २५] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सरथंभं वा वीरणथंभं वा वंसीमूलथंभं वा वल्लीमूलथंभं वा पासमाणे पासइ, उम्मूलेमाणे उम्मूलेइ, उम्मूलियमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- २६] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं खीरकुंभं वा दधिकुंभं वा घयकुंभं वा महकुंभं वा पासमाणे पासइ, उप्पाडेमाणे उप्पाडेइ, उप्पाडियमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- २७] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सुरावियडकुंभं वा सोवीरवियडकुंभं वा तेल्लकुंभं वा वसाकुंभं वा पासमाणे पासइ, भिंदमाणे भिंदइ, भिण्णमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- २८] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं पउमसर-कुसुमियं पासमाणे पासइ, ओगाहमाणे ओगाहइ, ओगाढमिति अप्पाणं मण्णइ; तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- २९] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सागरं उम्मीवीयी-सहस्स-कलियं पासमाणे पासइ, तरमाणे तरइ, तिण्णमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- ३०] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं भवणं सच्चरयणामयं पासमाणे पासइ, अणुप्पविसमाणे अणुप्पविसइ, अणुप्पविट्ठमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- ३१] इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं विमाणं सच्चरयणामयं पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ ।
- ३२] अह भंते ! कोट्ठपुडाण वा जाव केयइपुडाण वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा जाव ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणाणं किं कोट्ठे वाइ जाव केयई वाइ ?

गोयमा ! णो कोट्ठे वाइ जाव णो केयई वाइ, घाणसहगया पोग्गला वाइ । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सत्तं

सत्तमो उद्देशो

- १] कइविहे णं भंते ! उवओगे पण्णत्ते ?

गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते । एवं जहा उवओगपदं पण्णवणाए तहेव णिरवसेसं
भाणियव्वं। एवं पासणयापदं च णिरवसेसं णेयव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

अट्ठमो उद्देशो

१ के महालए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ?

गोयमा ! महइमहालए । एवं जहा बारसमसए तहेव जाव असंखेज्जाओ जोयण- कोडाकोडीओ
परिक्खेवेणं ।

२ लोयस्स णं भंते ! पुरत्थिमिल्ले चरिमंते किं जीवा, जीवदेसा, जीवपएसा; अजीवा, अजीवदेसा,
अजीवपएसा ?

गोयमा ! णो जीवा, जीवदेसा वि, जीवपएसा वि; अजीवा वि, अजीवदेसा वि, अजीवपएसा वि।
जे जीवदेसा ते णियमं एगिंदियदेसा य, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे एवं जहा
दसमसए अग्गेयी दिसा तहेव, णवरं देसेसु अणिंदियाणं आइल्लविरहिओ । जे अरूवी अजीवा
ते छव्विहा, अद्वासमयो णत्थि । सेसं तं चेव णिरवसेसं ।

३ लोगस्स णं भंते ! दाहिणिल्ले चरिमंते किं जीवा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव एवं
पच्चत्थिमिल्ले वि उत्तरिल्ले वि ।

४ लोगस्स णं भंते ! उवरिल्ले चरिमंते किं जीवा, पुच्छा ?

गोयमा ! णो जीवा, जीवदेसा वि जीवपएसा वि जाव अजीवपएसा वि । जे जीवदेसा ते
णियमं एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियस्स
य देसे, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा एवं मज्झिल्लविरहिओ
जाव पंचिंदियाणं । जे जीवप्पएसा ते णियमं एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य, अहवा
एगिंदियप्पएसा य अणिंदिय-पएसा य बेइंदियस्स पएसा य, अहवा एगिंदिय-पएसा य
अणिंदिय-पएसा य बेइंदियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं । अजीवा जहा
दसमसए तमाए तहेव णिरवसेसं ।

५ लोगस्स णं भंते ! हेट्ठिल्ले चरिमंते किं जीवा, पुच्छा ?

गोयमा ! णो जीवा, जीवदेसा वि, जीवपएसा वि जाव अजीवप्पएसा वि । जे जीवदेसा ते
णियमं एगिंदियदेसा, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे, अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण
य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं । पएसा आइल्लविरहिया सव्वेसिं जहा
पुरत्थिमिल्ले चरिमंते तहेव । अजीवा जहेव उवरिल्ले चरिमंते तहेव ।

६ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते किं जीवा, जीव देसा, पुच्छा ?

गोयमा ! णो जीवा, एवं जहेव लोगस्स तहेव चत्तारि वि चरिमंता जाव उत्तरिल्ले चरिमंते । उवरिल्ले चरिमंते जहा दसमसए विमला दिसा तहेव णिरवसेसं । हेड्डिल्ले चरिमंते जहेव लोगस्स हेड्डिल्ले चरिमंते तहेव, णवरं देसे पंचिंदिएसु तियभंगो त्ति सेसं तं चेव । एवं जहा रयणप्पभाए चत्तारि चरिमंता भणिया तहा सक्करप्पभाए वि, उवरिम- हेड्डिल्ला जहा रयणप्पभाए हेड्डिल्ले । एवं जाव अहेसत्तमाए । एवं सोहम्मस्स वि जाव अच्चुयस्स । गेविज्जविमाणाणं एवं चेव, णवरं उवरिम-हेड्डिल्लेसु चरिमंतेसु देसेसु पंचिंदियाण वि मज्झिज्जल्लविरहिओ चेव, सेसं तहेव । एवं जहा गेवेज्ज विमाणा तहा अणुत्तरविमाणा वि, ईसिपब्भारा वि ।

७ परमाणुपोग्गले णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ पच्चत्थिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, पच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ पुरत्थिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणिल्लाओ चरिमंताओ उत्तरिल्लं जाव गच्छइ, उत्तरिल्लाओ चरिमंताओ दाहिणिल्लं जाव गच्छइ, उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेड्डिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, हेड्डिल्लाओ चरिमंताओ उवरिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ ?

हंता गोयमा ! परमाणुपोग्गले णं लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ तं चेव जाव उवरिल्लं चरिमंतं गच्छइ ।

८ पुरिसे णं भंते ! वासं वासइ, वासं णो वासइ त्ति हत्थं वा पायं वा बाहुं वा उरुं वा आउंटावेमाणे वा पसारेमाणे वा कइकिरिए ?

गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे वासं वासइ वासं णो वासइ त्ति हत्थं वा जाव उरुं वा आउंटावेइ वा पसारेइ वा, तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढे ।

९ देवे णं भंते ! महिइडिआ जाव महासोक्खे लोगंते ठिच्चा पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव उरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ?

गोयमा ! णो इणढे समढे ।

१० से केणढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- देवे णं महिइडिआ जाव लोगंते ठिच्चा णो पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव पसारेत्तए वा ?

गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला, बोंदिचिया पोग्गला, कलेवरचिया पोग्गला, पोग्गलामेव पप्प जीवाण य अजीवाण य गइपरियाए आहिज्जइ, अलोए णं णेवत्थि जीवा, णेवत्थि पोग्गला; से तेणढेणं गोयमा ! जाव पसारेत्तए वा ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

णवमो उद्देशो

१

कहि णं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ?

गोयमा ! जंबुद्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं तिरियमसंखेज्जे जहेव चमरस्स जाव बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिन्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो रुयगिंदे णामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते । सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए एवं पमाणं जहेव तिगिच्छिक्कूडस्स । पासायवडैसगस्स वि तं चेव पमाणं, सीहासणं सपरिवारं बलिस्स परियारेणं, अट्ठो तहेव, णवरं रुयगिंदप्पभाइं, सेसं तं चेव जाव बलिचंचाए रायहाणीए अण्णेसिं च जाव रुयगिंदस्सणं उप्पायपव्वयस्स उत्तरेणं छक्कोडिसए तहेव जाव चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिन्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो बलिचंचा णामं रायहाणी पण्णत्ता । एगं जोयणसयसहस्सं पमाणं, तहेव जाव बलिपेढस्स उववाओ जाव आयरक्खा सव्वं तहेव णिरवसेसं; णवरं साइरेगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता, सेसं तं चेव जाव बली वइरोयणिंदे, बली वइरोयणिंदे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

दसमो उद्देशो

१

कइविहा णं भंते ! ओही पण्णत्ता ?

गोयमा! दुविहा ओही पण्णत्ता। एवं ओहीपदं णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

सोलसमं सतं

११-१४ उद्देशा

१

दीवकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, सव्वे समुस्सासणिस्सासा ?

णो इण्ठे सम्भे । एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए दीवकुमाराणं वत्तव्वया तहेव जाव समाउया, समुस्सासणिस्सासा ।

२

दीवकुमारा णं भंते ! कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ? गोयमा! चत्तारि लेस्साओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा ।

३

एएसिं णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवा दीवकुमारा तेउलेस्सा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया ।

४ एएसिं णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पिड्डिया वा महिड्डिया वा ?

गोयमा ! कण्हलेस्साहिंतो णीललेस्सा महिड्डिया जाव सव्वमहिड्डिया तेउलेस्सा ॥सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

५ उदहिकुमाराणं णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं चेव । एवं दिसाकुमाराण वि, थणियकुमाराण वि । उद्देसगो भाणियव्वो एवं एए तिण्णि उद्देसगा ।

॥ ११-१४ उद्देसो समत्ता ॥

॥ सोलसमं सतं समत्त ॥

सत्तरसमं सतं

पढमो उद्देसो

१ कुंजर संजय सेलेसिं, किरिय ईसाण पुढवि दग वाऊ ।
एगिंदिय णाग सुवण्ण, विज्जु वायु अग्गि सत्तरसे ॥

२ रायगिहे जाव एवं वयासी-उदायी णं भंते ! हत्थि राया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता उदायिहत्थिरायत्ताए उववण्णे ?

गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो देवेहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता उदायि-हत्थि-रायत्ताए उववण्णे ।

३ उदायी णं भंते ! हत्थिराया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ?

गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसं सागरोवमट्ठिइयंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ ।

४ से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ।

५ भूयाणंदे णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता भूयाणंदे हत्थिरायत्ताए उववण्णे ?

गोयमा ! जहेव उदायी जाव अंतं काहिइ ।

६ पुरिसे णं भंते ! तालमारुहइ, तालमारुहत्ता तालाओ तालफलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ?

गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालमारुहइ, तालमारुहित्ता तालाओ तालफलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढे; जेसिं पि णं सरीरेहिंतो ताले णिव्वत्तिए तालफले णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।

७ अहे णं भंते ! से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तएणं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?

गोयमा ! जावं च णं से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुढे; जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो ताले णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुढा; जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो तालफले णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा, जे वि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्ठंति ते वि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।

८ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए?

गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे रुक्खस्स मूलं पचालेइ, वा, पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढे, जेसिं पि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए, ते वि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा।

९ अहे णं भंते ! से मूले अप्पणो गरुययाए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?

गोयमा ! जावं च णं से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुढे; जेसिं पि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं पुढा; जेसिं पि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा; जे वि य णं से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्ठंति ते वि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुढा ।

१० पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स कंदं पचालेइ, पुच्छा ?

गोयमा ! तावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुढे, जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए ते वि णं जीवा पंचहिं किरियाहिं पुढा ।

११ अहे णं भंते ! से कंदे अप्पणो गरुयत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा ! जाव चउहिं पुढे; जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए, खंधे णिव्वत्तिए जाव चउहिं पुढा; जेसिं पि णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे णिव्वत्तिए ते वि य णं जीवा जाव पंचहिं पुढा; जे वि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स जाव पंचहिं पुढा । जहा कंदे, एवं जाव बीयं ।

१२ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तं जहा- ओरालिए जाव कम्मए ।

- १३ कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदिए जाव फासिंदिए ।
- १४ कइविहे णं भंते ! जोए पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोए पण्णत्ते, तं जहा- मणजोए, वयजोए, कायजोए ।
- १५ जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए; एवं पुढविकाइए वि, एवं जाव मणुस्से ।
- १६ जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणा कइकिरिया ?
गोयमा ! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि; एवं जाव मणुस्सा ।
एवं वेउव्वियसरीरेण वि दो दंडगा, णवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एवं जाव कम्मगसरीरं। एवं सोइंदियं जाव फासिंदियं । एवं मणजोगं, वयजोगं, कायजोगं, जस्स जं अत्थि, तं भाणियव्वं। एए एगत्त-पुहुत्तेणं छव्वीसं दंडगा ।
- १७ कइविहे णं भंते! भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे पण्णत्ते, तं जहा- उदइए, उवसमिए जाव सण्णिवाइए ।
- १८ से किं तं उदइए ?
उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- उदइए, उदयणिप्फण्णे य; एवं एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छण्णामं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव से त्तं सण्णिवाइए भावे ।॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

बीओ उद्देसो

- १ से णूणं भंते ! संजय-विरय-पडिहय-पच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजय-अविरय-अपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अधम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए?
हंता गोयमा ! संजय-विरय जाव धम्माधम्मे ठिए ।
- २ एयंसि णं भंते ! धम्मंसि वा अधम्मंसि वा, धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्ठित्तए वा ? गोयमा ! णो इणढे समढे ।
- ३ से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जाव धम्माधम्मे ठिए ।
गोयमा ! संजय-विरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए, धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ; असंजय जाव पावकम्मे अधम्मे ठिए, अधम्मं चेव उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए, धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव धम्माधम्मे ठिए ।

- ४ जीवा णं भंते ! किं धम्मं ठिया, अधम्मं ठिया, धम्माधम्मं ठिया ? गोयमा ! जीवा धम्मं वि ठिया, अधम्मं वि ठिया, धम्माधम्मं वि ठिया ।
- ५ णेरइयाणं भंते ! किं धम्मं ठिया, पुच्छा । गोयमा ! णेरइया णो धम्मं ठिया, अधम्मं ठिया, णो धम्माधम्मं ठिया । एवं जाव चउरिंदियाणं ।
- ६ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! किं धम्मं ठिया, पुच्छा ?
गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो धम्मं ठिया, अधम्मं ठिया, धम्माधम्मं वि ठिया । मणुस्सा जहा जीवा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ।
- ७ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेति- एवं खलु समणा पंडिया, समणोवासया बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाए वि दंडे अणिक्खित्ते से णं एगंतबाले त्ति वत्तव्वं सिया, से कहमेय भंते ! एवं ?
गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव वत्तव्वं सिया; जे ते एवं आहंसु मिच्छं ते एवं आहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु समणा पंडिया, समणोवासगा बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाए वि दंडे णिक्खित्ते से णं णो एगंतबाले त्ति वत्तव्वं सिया ।
- ८ जीवा णं भंते ! किं बाला, पंडिया, बालपंडिया ? गोयमा ! बाला वि, पंडिया वि, बालपंडिया वि ।
- ९ णेरइयाणं भंते ! किं बाला, पुच्छा ? गोयमा ! णेरइया बाला, णो पंडिया, णो बालपंडिया । एवं जाव चउरिंदियाणं ।
- १० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं बाला, पुच्छा ?
गोयमा ! पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिया बाला, णो पंडिया, बालपंडिया वि । मणुस्सा जहा जीवा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ।
- ११ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवं आइक्खंति जाव परूवेति- एवं खलु पाणाइवाए, मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; उप्पत्तियाए जाव परिणामियाए वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; उग्गहे, ईहा, अवाए, धारणाए वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; उठाणे जाव परक्कमे वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; णेरइयत्ते, तिरिक्ख-मणुस्स-देवत्ते वट्ठ- माणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; एवं कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए; एवं सम्मदिट्ठिए, मिच्छादिट्ठिए सम्मामिच्छादिट्ठिए; एवं चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे, आभिणिबोहियणाणे जाव केवलणाणे एवं तिण्णि अण्णाणा; चत्तारि सण्णाओ; पंच सरीरा; तिण्णि जोगा; दो उवओगे जाव अणागारोवओगे वट्ठमाणस्स अण्णे जीवे, अण्णे जीवाया; से कहमेयं भंते! एवं ?

गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवं आइक्खंति जाव अण्णे जीवाया; जे ते एवं आहंसु मिच्छं ते एवं आहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे, सच्चेव जीवाया; जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे, सच्चेव जीवाया ।

१२ देवे णं भंते ! महिइडिए जाव महासोक्खे पुव्वामेव रूवी भवित्ता पभू अरूविं विउव्वित्ता णं चिद्धित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

१३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- देवे णं जाव णो पभू अरूविं विउव्वित्ता णं चिद्धित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि, अहमेयं पासामि, अहमेयं बुज्झामि, अहमेयं अभिसमण्णा- गच्छामि, मए एयं णायं, मए एयं दिट्ठं, मए एयं बुद्धं, मए एयं अभिसमण्णागयं-जं णं तहागयस्स जीवस्स सरूविस्स, सकम्मस्स, सरागस्स, सवेयगस्स, समोहस्स, सलेसस्स, ससरीरस्स, ताओ सरीराओ अविप्पमुक्कस्स एवं पण्णायइ, तं जहा- कालत्ते वा जाव सुक्किलत्ते वा सुब्भिगंधत्ते वा दुब्भिगंधत्ते वा तित्तत्ते वा जाव महरत्ते वा, कक्खडत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव चिद्धित्तए ।

१४ सच्चेव णं भंते ! से जीवे पुव्वामेव अरूवी भवित्ता पभू रूविं विउव्वित्ता णं चिद्धित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे जाव चिद्धित्तए । गोयमा ! अहं एयं जाणामि जाव जं णं तहागयस्स जीवस्स अरूविस्स, अकम्मस्स, अरागस्स, अवेदस्स, अमोहस्स, अलेसस्स, असरीरस्स, ताओ सरीराओ विप्पमुक्कस्स णो एवं पण्णायइ, तं जहा- कालत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव चिद्धित्तए वा । सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ बीओ उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

तइओ उद्देसो

१ सेलेसिं पडिवण्णए णं भंते ! अणगारे सया समियं एयइ, वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे; णण्णत्थ एगेणं परप्पओगेणं ।

२ कइविहा णं भंते ! एयणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता; तं जहा- दव्वेयणा, खेत्तेयणा, कालेयणा, भवेयणा, भावेयणा ।

३ दव्वेयणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- णेरइयदव्वेयणा, तिरिक्ख-जोणिय दव्वेयणा मणुस्सदव्वेयणा देवदव्वेयणा ।

४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयदव्वेयणा णेरइयदव्वेयणा ?

गोयमा ! जं णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्ठिंसु वा, वट्ठंति वा, वट्ठिस्संति वा ते णं तत्थ णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा णेरइयदव्वेयणं एयंसु वा एयंति वा, एइस्संति वा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णेरइय दव्वेयणा ।

- ५] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- तिरिक्खजोणियदव्वेयणा तिरिक्खजोणिय- दव्वेयणा? गोयमा ! एवं चेव, णवरं तिरिक्खजोणियदव्वे भाणियव्वं । सेसं तं चेव, एवं जाव देवदव्वेयणा ।
- ६] खेत्तेयणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- णेरइयखेत्तेयणा जाव देवखेत्तेयणा ।
- ७] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- णेरइयखेत्तेयणा, णेरइयखेत्तेयणा ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं णेरइयखेत्तेयणा भाणियव्वा, एवं जाव देवखेत्तेयणा । एवं कालेयणा वि, एवं भवेयणा वि, एवं भावेयणा वि, एवं जाव देव भावेयणा ।
- ८] कइविहा णं भंते ! चलणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा चलणा पण्णत्ता, तं जहा- सरीर चलणा, इंदियचलणा, जोगचलणा ।
- ९] सरीरचलणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- ओरालिय सरीरचलणा जाव कम्मगसरीरचलणा ।
- १०] इंदियचलणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदियचलणा जाव फासिंदियचलणा ।
- ११] जोगचलणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- मणजोगचलणा, वइजोगचलणा, कायजोगचलणा ।
- १२] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- ओरालियसरीरचलणा, ओरालियसरीरचलणा ? गोयमा ! जं णं जीवा ओरालियसरीरे वट्टमाणा ओरालियसरीरपाओग्गाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए परिणामेमाणा ओरालियसरीरचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा; से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ओरालियसरीरचलणा, ओरालियसरीरचलणा ।
- १३] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- वेउव्वियसरीरचलणा, वेउव्वियसरीरचलणा ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा । एवं जाव कम्मगसरीरचलणा ।
- १४] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सोइंदियचलणा, सोइंदियचलणा ? गोयमा ! जं णं जीवा सोइंदिये वट्टमाणा सोइंदियपाओग्गाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए परिणामेमाणा सोइंदियचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा । से तेणट्ठेणं जाव सोइंदियचलणा । एवं जाव फासिंदियचलणा ।
- १५] से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- मणजोगचलणा, मणजोगचलणा ? गोयमा ! जं णं जीवा मणजोए वट्टमाणा मणजोगपाओग्गाइं दव्वाइं मणजोगत्ताए परिणामेमाणा मणजोगचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव मणजोगचलणा । एवं वइजोगचलणा वि, एवं कायजोगचलणा वि ।
- १६] अह भंते ! संवेगे, णिव्वेए, गुरु-साहम्मिय-सुस्सूसणया, आलोयणया, णिंदणया, गरहणया, खमावणया, सुयसहायता, विउसमणया, भावे अपडिबद्धया, विणिवट्ठणया,

विवित्तसयणासणसेवणया, सोइंदियसंवरे जाव फासिंदयसंवरे, जोगपच्चक्खाणे, सरीर-पच्चक्खाणे, कसायपच्चक्खाणे, संभोगपच्चक्खाणे, उवहिपच्चक्खाणे, भत्तपच्चक्खाणे, खमा, विरागया, भावसच्चे, जोगसच्चे, करणसच्चे, मणसमण्णाहरणया, वइसमण्णाहरणया, कायसमण्णाहरणया, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, णाणसंपण्णया, दंसण-संपण्णया, चरित्तसंपण्णया, वेयणाअहियासणया, मारणंतियअहियासणया; एए णं भंते ! पया किं पज्जवसाणफला पण्णत्ता समणाउसो ?

गोयमा ! संवेगे, णिव्वेए जाव मारणंतिय अहियासणया; एए णं सिद्धिपज्जवसाण- फला पण्णत्ता समणाउसो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

चउत्थो उद्देसो

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी- अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! हंता, अत्थि ।
- २ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ, अपुट्ठा कज्जइ ?
गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ, णो अपुट्ठा कज्जइ । एवं जहा पढमसए छुट्ठेसए जाव णो अणाणुपुव्विकडा त्ति वत्तव्वं सिया । एवं जाव वेमाणियाणं; णवरं जीवाणं एगिंदियाण य णिव्वाघाएणं छुट्ठिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउदिसिं, सिय पंचदिसिं । सेसाणं णियमं छुट्ठिसिं ।
- ३ अत्थि णं भंते ! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! हंता, अत्थि ।
- ४ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ, अपुट्ठा कज्जइ ?
गोयमा ! जहा पाणाइवाएणं दंडओ एवं मुसावाएण वि । एवं अदिण्णादाणेण वि, मेहुणेण वि, परिग्गहेण वि । एवं एए पंच दंडगा ।
- ५ जं समयं णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ, अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! तहेव जाव वत्तव्वं सिया । एवं जाव वेमाणियाणं । एवं मुसावाएणं जाव परिग्गहेणं । एवं एए वि पंच दंडगा ।
- ६ जं देसेणं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जाव परिग्गहेणं, एए वि पंच दंडगा ।
- ७ जं पएसं णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते किं पुट्ठा कज्जइ? एवं तहेव दंडओ । एवं जाव परिग्गहेणं । एवं एए वीसं दंडगा ।

- ८ जीवाणं भंते ! किं अत्तकडे दुक्खे, परकडे दुक्खे, तदुभयकडे दुक्खे ? गोयमा! अत्तकडे दुक्खे, णो परकडे दुक्खे, णो तदुभयकडे दुक्खे । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ९ जीवा णं भंते ! किं अत्तकडं दुक्खं वेएंति, परकडं दुक्खं वेएंति, तदुभयकडं दुक्खं वेएंति ? गोयमा ! अत्तकडं दुक्खं वेएंति, णो परकडं दुक्खं वेएंति, णो तदुभयकडं दुक्खं वेएंति । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- १० जीवाणं भंते ! किं अत्तकडा वेयणा, परकडा वेयणा, पुच्छा ? गोयमा ! अत्तकडा वेयणा, णो परकडा वेयणा, णो तदुभयकडा वेयणा । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ११ जीवाणं भंते ! किं अत्तकडं वेयणं वेएंति, परकडं वेयणं वेएंति, तदुभयकडं वेयणं वेएंति ? गोयमा ! जीवा अत्तकडं वेयणं वेएंति, णो परकडं, णो तदुभयकडं । एवं जाव वेमाणियाणं ।
॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

पंचमो उद्देसो

- १ कहिं णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ?
- गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिम-सूरिय एवं जहा ठाणपए जाव मज्झे ईसाण-वडेंसए । से णं ईसाणवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं एवं जहा दसमसए सक्कविमाणवत्तव्वया सा इह वि ईसाणस्स णिरवसेसा भाणियव्वा जाव आयरक्ख त्ति । ठिई सातिरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव जाव ईसाणे देविंदे देवराया, ईसाणे देविंदे देवराया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

छट्ठो उद्देसो

- १ पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए, समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ?
- गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ।

२ से केणट्ठेणं जाव पच्छा उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! पुढविकाइयाणं तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए । मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेण वा समोहणइ, सव्वेण वा समोहणइ, देसेण वा समोहणमाणे पुव्विं संपाउणित्ता पच्छा उववज्जिज्जा, सव्वेणं समोहणमाणे पुव्विं उववज्जेत्ता पच्छा संपाउणेज्जा; से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा ।

३ पुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव समोहए, समोहणित्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविकाइयत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा! एवं चेव ईसाणे वि । एवं जाव अच्चुय-गेविज्ज विमाणे, अणुत्तर विमाणे; ईसिपब्भाराए य एवं चेव ।

४ पुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा! एवं जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ उववाइओ एवं सक्करप्पभाए वि पुढविकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिपब्भाराए, एवं जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया, एवं जाव अहेसत्तमाए समोहए ईसिपब्भाराए उववाएयव्वो, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

सत्तमो उद्देशो

५ पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मे कप्पे समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्विं, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा रयणप्पभाए पुढविकाइए सव्वकप्पेसु जाव ईसिपब्भाराए ताव उववाइओ, एवं सोहम्मपुढविकाइओ वि सत्तसु वि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमा; एवं जहा सोहम्म-पुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ, एवं जाव ईसिपब्भारा पुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमाए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

अट्ठमो उद्देशो

१ आउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए, समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए पुच्छा ?

गोयमा ! जहा पुढविकाइओ तहा आउकाइओ वि सव्व कप्पेसु जाव ईसिपब्भाराए तहेव उववाएयव्वो । एवं जहा रयणप्पभाआउकाइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तम-पुढवि-आउकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिपब्भाराए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

णवमो उद्देशो

१

आउक्काइए णं भंते ! सोहम्मं कप्पे समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! तं चेव जाव अहेसत्तमाए । जहा सोहम्मं कप्प आउक्काइओ एवं जाव ईसिपब्भाराआउक्काइओ जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

दसमो उद्देशो

१

वाउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए जाव जे भविए सोहम्मं कप्पे वाउ-क्काइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं पुच्छा ? गोयमा ! जहा पुढविकाइओ तहा वाउकाइओ वि, णवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा-वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए । मारणंतियसमुग्घाए णं समोहणमाणे देसेण वा समोहणइ, सेसं तं चेव जाव अहेसत्तमाए समोहओ ईसिपब्भाराए उववाएयव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

इक्कारसमो उद्देशो

१

वाउक्काइए णं भंते ! सोहम्मं कप्पे समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए, तणुवाए, घणवायवलएसु, तणुवायवलएसु, वाउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! पुच्छा ?

गोयमा ! तं चेव सव्वं भाणियव्वं । जहा सोहम्मं वाउक्काइओ सत्तसु वि पुढविसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराए वाउक्काइओ जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ इक्कारसमो उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

बारसमो उद्देसो

- १ एगिंदिया णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! जहा पढमसए बिइयउद्देसए पुढविककाइयाणं वत्तव्वया भणिया सा चेव एगिंदियाणं इह भाणियव्वा जाव णो समाउया समोववण्णगा ।
- २ एगिंदियाणं भंते ! कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा ।
- ३ एसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदियाणं तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया ।
- ४ एसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं इड्ढी पुच्छा ? गोयमा ! जहेव दीवकुमा- राणं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बारसमो उद्देसो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

१३-१७ उद्देसो

- १ णागकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव इड्ढी ।
- २ सुवण्णकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जहा नागकुमारा ।
- ३ विज्जुकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ४ वायुकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ५ अग्गिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव ।

॥ १३-१७ उद्देसो समत्ता ॥

॥ सत्तरसमं सतं समत्त ॥

अद्वारसमं सतं

पढमो उद्देसो

- १ पढमे विसाह मायंदिए य, पाणाइवाय असुरे य । गुल केवलि अणगारे, भविए तह सोमिलद्वारसे ॥
- ३ सिद्धे णं भंते ! सिद्धभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! पढमे, णो अपढमे ।

- ४ जीवा णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमा अपढमा ? गोयमा ! णो पढमा, अपढमा । एवं जाव वेमाणिया ।
- ५ सिद्धा णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पढमा, णो अपढमा ।
- ६ आहारए णं भंते ! जीवे आहारभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! णो पढमे, अपढमे । एवं जाव वेमाणिए । पोहत्तिए एवं चेव ।
- ७ अणाहारए णं भंते ! जीवे अणाहारभावेणं पुच्छा । गोयमा ! सिय पढमे, सिय अपढमे ।
- ८ णेरइए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो पढमे, अपढमे । एवं जाव वेमाणिए । सिद्धे पढमे णो अपढमे ।
- ९ अणाहारगा णं भंते ! जीवा अणाहारभावेणं पुच्छा ।
गोयमा ! पढमा वि अपढमा वि । णेरइया जाव वेमाणिया णो पढमा, अपढमा । सिद्धा पढमा, णो अपढमा ।
- १० भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, एवं अभवसिद्धिए वि । णोभवसिद्धीय- णोअभवसिद्धीए णं भंते ! जीवे पुच्छा ? गोयमा ! पढमे, णो अपढमे ।
णोभवसिद्धीय-णोअभवसिद्धीएणं भंते ! सिद्धे पुच्छा ? गोयमा ! जहा जीवे तहा सिद्धे वि । एवं पुहुत्तेणं वि जीवे, सिद्धे दोण्ह वि भाणियच्चा ।
- ११ सण्णी णं भंते ! जीवे सण्णीभावेणं किं पढमे, पुच्छा ?
गोयमा ! णो पढमे, अपढमे । एवं विगल्लिंदियवज्जं जाव वेमाणिए । एवं पुहुत्तेणं वि । असण्णी एवं चेव एगत्तपुहुत्तेणं, णवरं जाव वाणमंतरा । णोसण्णी णोअसण्णी जीवे, मणुस्से, सिद्धे पढमे, णो अपढमे । एवं पुहुत्तेण वि ।
- १२ सलेसे णं भंते ! पुच्छा ?
गोयमा ! जहा आहारए, एवं पुहुत्तेणं वि । कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एवं चेव, णवरं जस्स जा लेसा अत्थि । अलेसे णं जीव, मणुस्स, सिद्धे जहा णोसण्णी- णोअसण्णी ।
- १३ सम्मदिट्ठीए णं भंते ! जीवे सम्मदिट्ठीभावेणं किं पढमे, पुच्छा ?
गोयमा ! सिय पढमे, सिय अपढमे । एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए । सिद्धे पढमे, णो अपढमे । पुहुत्तिया जीवा पढमा वि अपढमा वि, एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा पढमा, णो अपढमा ।
मिच्छादिट्ठीए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारगा । सम्मामिच्छादिट्ठी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, णवरं जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्तं ।
- १४ संजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, असंजए जहा आहारए, संजयासंजए जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी णोसंजए णोअसंजए णोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमे, णो अपढमे ।

- १५ सकसायी कोहकसायी जाव लोभकसायी एण एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए । अकसायी जीवे सिय पढमे सिय अपढमे, एवं मणुस्से वि । सिद्धे पढमे, णो अपढमे; पुहुत्तेणं जीवा, मणुस्सा पढमा वि अपढमा वि । सिद्धा पढमा, णो अपढमा ।
- १६ णाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी । आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी एगत्तपुहुत्तेणं एवं चेव, णवरं जस्स जं अत्थि । केवलणाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमा, णो अपढमा । अण्णाणी, मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी, विभंगणाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए ।
- १७ सजोगी, मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, णवरं जस्स जो जोगो अत्थि। अजोगी जीव-मणुस्स-सिद्धा एगत्तपुहुत्तेणं पढमा, णो अपढमा ।
- १८ सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेणं जहा अणाहारए ।
- १९ सवेदगो जाव णपुंसगवेदगो एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, णवरं जस्स जो वेदो अत्थि । अवेदओ एगत्तपुहुत्तेणं तिसु वि पदेसु जहा अकसायी ॥
- २० ससरीरी जहा आहारए, एवं जाव कम्मगसरीरी, जस्स जं अत्थि सरीरं, णवरं आहारगसरीरी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी । असरीरी जीवो सिद्धो एगत्तपुहुत्तेणं पढमो णो अपढमो ।
- २१ पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं अपज्जत्तीहिं एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, णवरं जस्स जा अत्थि जाव वेमाणिया णो पढमा, अपढमा । इमा लक्खण-गाहा-
जो जेणं पत्तपुव्वो भावो, सो तेण अपढमओ होइ ।
सेसेसु होई पढमो, अपत्तपुव्वेसु भावेसु ॥
- २२ जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! णो चरिमे, अचरिमे।
- २३ णेरइए णं भंते ! णेरइयभावेणं, पुच्छा ? गोयमा ! सिय चरिमे, सिय अचरिमे । एवं जाव वेमाणिए । सिद्धे जहा जीवे ।
- २४ जीवा णं पुच्छा ? गोयमा ! णो चरिमा, अचरिमा । णेरइया चरिमा वि अचरिमा वि, एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा जहा जीवा ।
- २५ आहारए सव्वत्थ एगत्तेणं सिय चरिमे, सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमा वि अचरिमा वि । अणाहारओ जीवो सिद्धो य एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि णो चरिमे, अचरिमे । सेसट्ठाणेसु एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारओ ।
- २६ भवसिद्धीओ जीवपए एगत्तपुहुत्तेणं चरिमे णो अचरिमे, सेसट्ठाणेसु जहा आहारओ अभवसिद्धीओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं णो चरिमे, अचरिमे । णोभवसिद्धीय-णोअभवसिद्धीय जीवा सिद्धा य एगत्तपुहुत्तेणं जहा अभवसिद्धीओ ।
- २७ सण्णी जहा आहारओ, एवं असण्णी वि । णोसण्णी-णोअसण्णी जीवपए सिद्धपए य अचरिमे, मणुस्सपए चरिमे एगत्तपुहुत्तेणं ।

- २८ सलेस्सी जाव सुक्कलेस्सी जहा आहारओ, णवरं जस्स जा अत्थि । अलेस्सी जहा णोसण्णी णोअसण्णी ।
- २९ सम्मदिट्ठी जहा अणाहारओ, मिच्छादिट्ठी जहा आहारओ, सम्मामिच्छादिट्ठी एगिंदिय विगलिंदियवज्जं सिय चरिमे, सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमा वि अचरिमा वि ।
- ३० संजओ जीवो मणुस्सो य जहा आहारओ, असंजओ वि तहेव, संजयासंजए वि तहेव, णवरं जस्स जं अत्थि । णोसंजय णोअसंजय णोसंजयासंजओ जहा णोभवसिद्धीय-णोअभवसिद्धीओ ।
- ३१ सकसायी जाव लोभकसायी सव्वद्वाणेसु जहा आहारओ, अकसायी जीवपए सिद्धे य णो चरिमो, अचरिमो; मणुस्सपए सिय चरिमो, सिय अचरिमो ।
- ३२ णाणी जहा समदिट्ठी सव्वत्थ, आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी जहा आहारओ, णवरं जस्स जं अत्थि । केवलणाणी जहा णोसण्णी-णोअसण्णी, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा आहारओ ।
- ३३ सयोगी जाव कायजोगी जहा आहारओ, जस्स जो जोगो अत्थि । अजोगी जहा णोसण्णी-णोअसण्णी ।
- ३४ सागारोवउत्तो अणागारोवउत्तो य जहा अणाहारओ ।
- ३५ सवेदओ जाव णपुंसगवेदओ जहा आहारओ, अवेदओ जहा अकसायी ।
- ३६ सरीरी जाव कम्मगसरीरी जहा आहारओ, णवरं जस्स जं अत्थि । असरीरी जहा णोभवसिद्धीय-णोअभवसिद्धीओ ।
- ३७ पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं अपज्जत्तीहिं जहा आहारओ, सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं दंडगा भाणियव्वा । इमा लक्खणगाहा-
जो जं पाविहिइ पुणो, भावं सो तेण अचरिमो होइ ।
अच्चंतविओगो जस्स, जेण भावेण सो चरिमो । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्ता ॥

अद्वारसमं सतं

बीओ उद्देशो

- १ तेणं कालेणं तेणं समएणं विसाहा णामं णयरी होत्था, वण्णओ। बहुपुत्तिए चेइए, वण्णओ । सामी समोसढे जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे, एवं जहा सोलसमसए बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ । णवरं एत्थ आभियोगा वि अत्थि जाव बत्तीसइविहं णट्ठविहिं उवदंसेइ, उवदंसेत्ता जाव पडिगए ।
- २ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी- एवं जहा तईयसए ईसाणस्स वत्तव्वया तहेव कूडागारदिट्ठंतो, तहेव पुव्वभवपुच्छा जाव अभिसमण्णागया ?

गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । सहस्संबंवणे उज्जाणे, वण्णओ । तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे कत्तिए णामं सेट्ठी परिवसइ, अइडे जाव अपरिभूए; णेगमपढमासणिए, णेगमइसहस्सस्स बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य कोडुंबेसु य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्ते जाव चक्खुभूए, णेगमइसहस्सस्स सयस्स य कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे, समणोवासए, अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ ।

३ तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जहा सोलसमसए तहेव जाव समोसडे जाव परिसा पज्जुवासइ । तएणं से कत्तिए सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धे समाणे हट्ठुट्ठे, एवं जहा एक्कारसमसए सुदंसणे तहेव णिग्गओ जाव पज्जुवासइ । तएणं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियस्स सेट्ठिस्स धम्मकहा जाव परिसा पडिगया ।

४ तएणं से कत्तिए सेट्ठी मुणिसुव्वए जाव णिसम्म हट्ठुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठाए उट्ठेत्ता मुणिसुव्वयं जाव एवं वयासी-एवमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वदह, जं णवरं देवाणुप्पिया ! णेगमइसहस्सं आपुच्छामि, जेड्ढपुत्तं च कुडुंबे ठावेमि, तएणं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं पव्वयामि। अहासुहं जाव मा पडिबंधं ।

५ तए णं से कत्तिए सेट्ठी जाव पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव सए गेहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता णेगमइसहस्सं सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मं णिसंते, से वि य मे धम्मं इच्छिए, पडिच्छिए, अभिरुइए । तएणं अहं देवाणुप्पिया ! संसारभयुव्विग्गे जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! किं करेइ, किं ववसइ, किं भे हियइच्छिए, किं भे सामत्थे ? तएणं तं णेगमइसहस्सं पि कत्तियं सेट्ठिं एवं वयासी- जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संसारभयुव्विग्गा जाव पव्वइस्संति, अम्हं देवाणुप्पिया ! किं अण्णे आलंबणे वा, आहारे वा, पडिबंधे वा? अम्हे वि णं देवाणुप्पिया! संसारभयुव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिएहिं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं मुंडा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वयामो ।

६ तएणं से कत्तिए सेट्ठी तं णेगमइसहस्सं एवं वयासी- जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभयुव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं मए सद्धिं मुणिसुव्वयस्स जाव पव्वयह, तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सएसु गिहेसु, विपुलं असणं जाव उवक्खडावेह, मित्तणाई जाव जेड्ढपुत्तं कुडुंबे ठावेह, ठावेत्ता तं मित्तणाइ जाव जेड्ढपुत्ते आपुच्छह, आपुच्छेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरुहह, दुरुहित्ता मित्तणाई जाव परिजणेणं जेड्ढपुत्तेहिं य समणुगम्ममाणमग्गा सव्वइडीए जाव रवेणं अकालपरिहीणं चेव मम अंतियं पाउब्भवह ।

७ तएणं ते णेगमइसहस्सं पि कत्तियस्स सेट्ठिस्स एयमइं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता जेणेव साइं साइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता विउलं असणं जाव उवक्खडावेत्ति, उवक्खडावेत्ता जाव जेड्ढपुत्ते कुडुंबे ठावेत्ति, ठावेत्ता तं मित्तणाई जाव जेड्ढपुत्ते य आपुच्छंति, आपुच्छेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरुहित्ता मित्तणाई जाव परिजणेणं जेड्ढपुत्तेहिं य समणु- गम्ममाण-मग्गा सव्वइडीए जाव रवेणं अकालपरिहीणं चेव कत्तियस्स सेट्ठिस्स अंतियं पाउब्भवंति ।

८ तएणं से कत्तिए सेट्ठी विपुलं असणं जाव साइमं एवं जहा गंगदत्तो तहा मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेड्डपुत्तेणं णेगमद्वसहस्सेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्वइढीए जाव रवेणं हत्थिणापुरं णयरं मज्झिमज्झेणं जहा गंगदत्तो जाव आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं भंते! णेगमद्वसहस्सेण सद्धिं सयमेव पव्वावियं जाव धम्ममाइक्खियं । तएणं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियं सेट्ठिं णेगमद्वसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ- एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं, एवं चिद्धियव्वं जाव संजमियव्वं ।

९ तए णं से कत्तिए सेट्ठी णेगमद्वसहस्सेण सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ इमं एयारूवं धम्मियं उवदेसं सम्मं पडिवज्जइ, तमाणाए तहा गच्छइ जाव संजमेइ । तएणं से कत्तिए सेट्ठी णेगमद्वसहस्सेणं सद्धिं अणगारे जाए- ईरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी । तएणं से कत्तिए अणगारे मुणिसुव्वयस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतियं सामाइयमाइयाइं चोदस पुव्वाइं अहिज्जइ, अहिज्जित्ता बहूहिं चउत्थ छट्ठ-ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं दुवालस वासाइं सामाण्ण-परियागं पाउणइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेइ, झोसित्ता सद्धिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ, छेदेत्ता आलोइय पडिकंते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मं कप्पे सोहम्मवडैसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववण्णे । तए णं से सक्के देविंदे देवराया अहुणोववण्णमित्तए सेसं जहा गंगदत्तस्स जाव सव्व दुक्खाणं अंतं काहिइ, णवरं ठिई दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्ता ॥

अट्ठारसमं सतं

तइओ उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे होत्था, वण्णओ । गुणसीलए चेइए, वण्णओ । सामी समोसरिए जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी मागंदियपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दे, जहा मंडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-

से णूणं भंते ! काउलेस्से पुढविकाइए काउलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता माणुसं विग्गहं लभइ, लभित्ता केवलं बोहिं बुज्झइ, बुज्झित्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ?

हंता मागंदियपुत्ता ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ।

२ से णूणं भंते ! काउलेसे आउकाइए काउलेसेहिंतो आउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता माणुसं विग्गहं लभइ, लभित्ता केवलं बोहिं बुज्झइ जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता! जाव सव्व दुक्खाणं अंतं करेइ ।

से णूणं भंते! काउलेस्से वणस्सइकाइए, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव जाव अंतं करेइ ।

- ३] सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति मागंदियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं जाव णमंसित्ता जेणेव समणे णिग्गंथे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणे णिग्गंथे एवं वयासी- एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए तहेव जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंतं करेइ ।
- ४] तएणं ते समणा णिग्गंथा मागंदियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमद्वं णो सद्वहंति जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवं खलु भंते ! मागंदियपुत्ते अणगारे अम्हं एवमाइक्खमइ जाव परूवेइ एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं वणस्सइकाइए वि जाव अंतं करेइ, से कहमेयं भंते ! एवं ?
- अज्जो ! त्ति समणे भगवं महावीरे ते समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी- जण्णं अज्जो ! मागंदियपुत्ते अणगारे तुब्भे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ- एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए वि जाव अंतं करेइ, सच्चे णं एसमद्वे अहं पि णं अज्जो एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु अज्जो ! कण्हलेस्से पुढविकाइए कण्हलेसेहिंतो पुढविकाइएहिंतो जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! णीललेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं काउलेस्से वि, जहा पुढविकाइए एवं आउकाइए वि, एवं वणस्सइकाइए वि, सच्चे णं एसमद्वे ।
- ५] सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव मागंदियपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता मागंदियपुत्तं अणगारं वंदंति णमंसंति, वंदित्ता णमंसित्ता एयमद्वं सम्मं विणएणं भुज्जो भुज्जो खामेति ।
- ६] तएणं से मागंदियपुत्ते अणगारे उट्ठाए उट्ठेइ, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-
- अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो सव्वं कम्मं वेएमाणस्स, सव्वं कम्मं णिज्जरे- माणस्स, सव्वं मारं मरमाणस्स, सव्वं सरीरं विप्पजहमाणस्स, चरिमं कम्मं वेएमाणस्स, चरिमं कम्मं णिज्जरेमाणस्स, चरिमं मारं मरमाणस्स, चरिमं सरीरं विप्पजहमाणस्स, मारणंतियं कम्मं वेएमाणस्स, मारणंतियं कम्मं णिज्जरेमाणस्स, मारणंतियं मारं मरमाणस्स, मारणंतियं सरीरं विप्पजहमाणस्स जे चरिमा णिज्जरा-पोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो ! सव्वं लोगं पि णं ते ओगाहित्ताणं चिद्वंति?
- हंता मागंदियपुत्ता ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव ओगाहित्ताणं चिद्वंति ।
- ७] छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा जाव जाणइ पासइ?

मागंदियपुत्ता ! णो इण्ठे सम्भे । एवं जहा इंदिय उद्देसए पढमे जाव वेमाणिया जाव तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति, पासंति, आहारंति । से तेण्ठेणं मागंदियपुत्ता ! अत्थेगइया जाव ण जाणंति, ण पासंति, आहारंति ।

८ णेरइया णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गला किं जाणंति, पासंति, आहारंति पुच्छा ? मागंदिय-पुत्ता ! एवं चेव जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ।

९ मणुस्सा णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारंति, उदाहु ण जाणंति ण पासंति ण आहारंति ? मागंदिय पुत्ता ! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति, आहारंति ।

से केण्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जाव अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति आहारंति ?

मागंदिय पुत्ता ! मणुस्सा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सण्णीभूया य असण्णीभूया य । तत्थ णं जे ते असण्णीभूया ते ण जाणंति ण पासंति, आहारंति । तत्थ णं जे ते सण्णीभूया ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा- उवउत्ता अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते ण जाणंति ण पासंति, आहारंति । तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति पासंति आहारंति । से तेण्ठेणं मागंदिय पुत्ता ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइया ण जाणंति, ण पासंति, आहारंति; अत्थेगइया जाणंति, पासंति, आहारंति । वाणमंतर-जोइसिया जहा णेरइया ।

१० वेमाणिया णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति, पुच्छा ?

मागंदिय पुत्ता ! जहा मणुस्सा, णवरं वेमाणिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- मायिमिच्छादिट्ठी-उववण्णगा य अमायिसम्मदिट्ठीउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते मायिमिच्छादिट्ठी-उववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते अमायिसम्मदिट्ठी-उववण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं ण जाणंति, ण पासंति, आहारंति । तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति, पासंति, आहारंति ।

११ कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वबंधे य भावबंधे य ।

१२ दव्वबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पओगबंधे य वीससाबंधे य ।

१३ वीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- साईयवीससाबंधे य अणाईयवीससाबंधे य ।

१४ पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- सिढिल-बंधणबंधे य धणियबंधणबंधे य ।

- १५ भावबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य ।
- १६ णेरइयाणं भंते ! कइविहे भावबंधे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे भावबंधे पण्णत्ते, तं जहा- मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- १७ णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे भावबंधे पण्णत्ते ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे भाव बंधे पण्णत्ते, तं जहा- मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य ।
- १८ णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे भावबंधे पण्णत्ते ?
मागंदियपुत्ता ! दुविहे भावबंधे पण्णत्ते, तं जहा- मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडि बंधे य । एवं जाव वेमाणियाणं । जहा णाणावरणिज्जेणं दंडओ भणिओ एवं जाव अंतराइएणं भाणियव्वो ।
- १९ जीवाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे, जाव जे य कज्जिस्सइ, अत्थि याइ तस्स केइ णाणत्ते ? हंता अत्थि ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जीवाणं पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ, अत्थि याइ तस्स णाणत्ते ?
मागंदियपुत्ता ! से जहाणामए केइ पुरिसे धणुं परामुसइ, धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ, उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाइ, ठाणं ठाएत्ता आययकण्णाययं उसुं करेइ, आयय- कण्णाययं उसुं करेत्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ, से णूणं मागंदियपुत्ता ! तस्स उसुस्स उड्ढं वेहासं उव्वीढस्स समाणस्स एयइ वि णाणत्तं जाव तं तं भावं परिणमइ वि णाणत्तं ?
हंता भगवं ! एयइ वि णाणत्तं जाव परिणमइ वि णाणत्तं, से तेणट्ठेणं मागंदियपुत्ता! एवं वुच्चइ- जाव तं तं भावं परिणमइ वि णाणत्तं ।
- २० णेरइया णं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं।
- २१ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हति, तेसि णं भंते ! पोग्गलाणं सेयकालंसि कइभागं आहारेंति, कइभागं णिज्जरेंति ?
मागंदियपुत्ता ! संखेज्जइभागं आहारेंति, अणंतभागं णिज्जरेंति ।
- २२ चक्किया णं भंते ! केइ तेसु णिज्जरापोग्गलेसु आसइत्तए वा जाव तुयट्ठित्तए वा ?
णो इणट्ठे समट्ठे, अणाहारणमेयं बुइयं समणाउसो ! एवं जाव वेमाणियाणं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते! ॥

॥ तइओ उद्देशो समत्ता ॥

सत्तरसमं सतं

चउत्थो उद्देसो

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव भगवं गोयमे एवं वयासी- अह भंते ! पाणाइवाए, मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणे, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवे असरीरपडिबद्धे, परमाणु-पोग्गले, सेलेसिं पडिवण्णए अणगारे, सव्वे य बायरबौदिधरा कलेवरा, एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति?

गोयमा ! पाणाइवाए जाव एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य अत्थेगइया जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति अत्थेगइया जीवाणं जाव णो हव्वमागच्छंति ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- पाणाइवाए जाव णो हव्वमागच्छंति ?

गोयमा! पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, सव्वे य बायरबौदिधरा कलेवरा; एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य, जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति। पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसण-सल्लविवेगे, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव परमाणुपोग्गले, सेलेसिं पडिवण्णए अणगारे, एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए णो हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो हव्वमागच्छंति ।

२ कइ णं भंते ! कसाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता, तं जहा- एवं कसायपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णिज्जरिस्संति लोभेणं ।

३ कइ णं भंते ! जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पण्णत्ता, तं जहा- कडजुम्मे, तेओगे, दावरजुम्मे, कलिओगे ।

से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ-जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए से त्तं कडजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए से त्तं तेओगे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे, दुपज्जवसिए से त्तं दावरजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए से त्तं कलिओगे। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जाव कलिओगे ।

४ णेरइया णं भंते ! किं कडजुम्मा, तेओगा, दावरजुम्मा, कलियोगा ?

गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्मा, उक्कोसपए तेओगा, अजहण्णुक्कोस-पए सिय कडजुमा जाव सिय कलियोगा । एवं जाव थणियकुमारा ।

५ वणस्सइकाइयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! जहण्णपए अपया, उक्कोसपए य अपया, अजहण्णुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलियोगा ।

६

बेइंदियाणं पुच्छा ?

गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्मा, उक्कोसपए दावरजुम्मा, अजहण्ण-मणुक्कोसपए सिय कडजुमा जाव सिय कलियोगा । एवं जाव चउरिंदिया । सेसा एगिंदिया जहा बेइंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया । सिद्धा जहा वणस्सइकाइया ।

७

इत्थीओ णं भंते ! किं कडजुम्मा पुच्छा ?

गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्माओ, उक्कोसपए कडजुम्माओ, अजहण्ण-मणुक्कोस- पए सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलियोगाओ, एवं असुर-कुमारिन्थीओ वि जाव थणियकुमारइत्थीओ । एवं तिरिक्खजोणियइत्थीओ । एवं मणुसिन्थीओ । एवं वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणियदेविन्थीओ ।

८

जावइया णं भंते ! वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा ?

हंता गोयमा ! जावइया वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा । सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ चउत्थो उद्देसो समत्ता ॥

अद्वारसमं सतं

पंचमो उद्देसो

१

दो भंते ! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णा, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे पासाईए, दरिसणिज्जे, अभिरूवे, पडिरूवे; एगे असुरकुमारे देवे से णं णो पासाईए, णो दरिसणिज्जे, णो अभिरूवे, णो पडिरूवे, से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं पासाईए जाव पडिरूवे; तत्थ णं जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं णो पासाईए जाव णो पडिरूवे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो पडिरूवे ?

गोयमा ! से जहाणामए- इह मणुयलोगंसि दुवे पुरिसा भवंति- एगे पुरिसे अलंकिय- विभूसिए, एगे पुरिसे अणलंकियविभूसिए, एएसि णं गोयमा ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे पासाईए जाव पडिरूवे, कयरे पुरिसे णो पासाईए जाव णो पडिरूवे, जे वा से पुरिसे अणलंकियविभूसिए, जे वा से पुरिसे अलंकिय-विभूसिए ? भगवं ! तत्थ णं जे से पुरिसे अलंकियविभूसिए से णं पुरिसे पासाईए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से पुरिसे अणलंकियविभूसिए से णं पुरिसे णो पासाईए जाव णो पडिरूवे । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो पडिरूवे ।

२

दो भंते ! णागकुमारा देवा एगंसि णागकुमारावासंसि, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जाव थणियकुमारा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया वि एवं चेव ।

३ दो भंते ! णेरइया एगंसि णेरइयावासंसि णेरइयत्ताए उववण्णा, तत्थ णं एगे णेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव; एगे णेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव; से कहमेयं भंते! एवं ?

गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- मायिमिच्छदिट्ठिउववण्णगा य अमायिसम्मदिट्ठिउववण्णगा य । तत्थ णं जे से मायिमिच्छदिट्ठिउववण्णए णेरइए से णं महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव; तत्थ णं जे से अमायिसम्म-दिट्ठि-उववण्णए णेरइए से णं अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव ।

४ दो भंते ! असुरकुमारा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं एगिंदिय-विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिया ।

५ णेरइए णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कयरं आउयं पडिसंवेदेइ ?

गोयमा ! णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाउए से पुरओ कडे चिड्डइ, एवं मणुस्सेसु वि, णवरं मणुस्साउए से पुरओ कडे चिड्डइ ।

६ असुरकुमारा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! असुरकुमाराउयं पडिसंवेदेइ, पुढविकाइयाउए से पुरओ कडे चिड्डइ । एवं जो जहिं भविओ उववज्जित्तए, तस्स तं पुरओ कडं चिड्डइ, जत्थ ठिओ तं पडिसंवेदेइ जाव वेमाणिए, णवरं पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जइ, पुढविकाइयाउयं पडिसंवेदेइ, अण्णे य से पुढविकाइयाउए पुरओ कडे चिड्डइ, एवं जाव मणुस्सो सट्ठाणे उववाएयव्वो, परट्ठाणे तहेव ।

७ दो भंते ! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णा, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामीति उज्जुयं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामीति वंकं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ तं तहा विउव्वइ । एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामीति वंकं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामीति उज्जुयं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ णो तं तहा विउव्वइ; से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- मायिमिच्छदिट्ठि-उववण्णगा य अमायिसम्मदिट्ठिउववण्णगा य । तत्थ णं जे से मायिमिच्छदिट्ठि-उववण्णए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउविस्सामि त्ति वंकं विउव्वइ जाव णो तं तहा विउव्वइ । तत्थ णं जे से अमायिसम्मदिट्ठिउववण्णए असुरकुमारे देवे से उज्जुयं विउविस्सामि त्ति जाव तं तहा विउव्वइ ।

८ दो भंते ! णागकुमारा, पुच्छा ? गोयमा ! जहा असुरकुमारा तहा नागकुमारा वि । एवं जाव थणियकुमारा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया एवं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पचंमो उद्देसो समत्ता ॥

अद्वारसमं सतं

छट्ठो उद्देशो

- १ फाणियगुले णं भंते ! कइवण्णे, कइगंधे, कइरसे, कइफासे पण्णत्ते ?
गोयमा ! एत्थ णं दो णया भवंति, तं जहा- णिच्छइयणए य वावहारियणए य । वावहारियणयस्स गोइडे फाणियगुले, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णे दुगंधे पंचरसे अट्ठफासे पण्णत्ते।
- २ भमरे णं भंते ! कइवण्णे, पुच्छा ?
गोयमा ! एत्थ णं दो णया भवंति, तं जहा- णिच्छइयणए य वावहारियणए य । वावहारिय-णयस्स कालए भमरे, णेच्छइय-णयस्स पंचवण्णे जाव अट्ठफासे पण्णत्ते ।
- ३ सुयपिच्छे णं भंते ! कइवण्णे, पुच्छा ?
गोयमा ! एवं चेव, णवरं वावहारियणयस्स णीलए सुयपिच्छे, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णे, सेसं तं चेव । एवं एएणं अभिलावेणं लोहिया मंजिठ्ठिया, पीतिया हालिद्धा, सुक्किल्लए संखे, सुब्भिगंधे कोट्ठे, दुब्भिगंधे मयगसरीरे, कडुए णिंबे, तित्ता सुंठी, कसाए कविट्ठे, अंबा अंबिलिया, महुरे खण्डे, ककखडे वइरे, मउए णवणीए, गरूए य, लहुए उलुयपत्ते, सीए हिमे, उसिणे अगणिकाए, णिद्धे तेल्ले ।
- ४ छारिया णं भंते ! कइवण्णे, पुच्छा ?
गोयमा ! एत्थ दो णया भवंति, तं जहा- णिच्छइय-णए य वावहारियणए य, वावहारिय-णयस्स लुक्खा छारिया, णेच्छइय-णयस्स पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता ।
- ५ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगवण्णे, एगगंधे, एगरसे, दुफासे पण्णत्ते ।
- ६ दुपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे, पुच्छा ?
गोयमा ! सिय एगवण्णे, सिय दुवण्णे; सिय एगगंधे, सिय दुगंधे; सिय एगरसे, सिय दुरसे; सिय दुफासे, सिय तिफासे, सिय चउफासे पण्णत्ते । एवं तिपएसिए वि, णवरं सिय एगवण्णे, सिय दुवण्णे, सिय तिवण्णे । एवं रसेसु वि, सेसं जहा दुपएसियस्स एवं चउपएसिए वि, णवरं सिय एगवण्णे जाव सिय चउवण्णे । एवं रसेसु वि, सेसं तं चेव । एवं पंच पएसिए वि, णवरं सिय एगवण्णे जाव सिय पंचवण्णे, एव रसेसु वि गंधफासा तहेव । जहा पंचपएसिओ एवं जाव असंखेज्जपएसिओ ।
- ७ सुहुमपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे पुच्छा ? गोयमा ! जहा पंचपएसिए तहेव णिरवसेसं ।
- ८ बायरपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे, पुच्छा ?

गोयमा ! सिय एगवण्णे जाव सिय पंचवण्णे, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे जाव सिय पंचरसे, सिय चउफासे जाव सिय अडुफासे पण्णत्ते ।॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्ता ॥

अट्टारसमं सतं

सत्तमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेति- एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं जहा- मोसं वा सच्चामोसं वा; से कहमेयं भंते ! एवं ?
गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु; अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि, भासामि, पण्णवेमि, परूवेमि- णो खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठइ, णो खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं जहा- मोसं वा सच्चामोसं वा । केवली णं असावज्जाओ अपरोवघाइयाओ आहच्च दो भासाओ भासइ, तं जहा- सच्चं वा असच्चामोसं वा ।
- २ कइविहे णं भंते ! उवही पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे उवही पण्णत्ते, तं जहा- कम्मोवही, सरीरोवही, बाहिरभण्डमत्तोवगरणोवही ।
- ३ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा ?
गोयमा ! दुविहे उवही पण्णत्ते, तं जहा- कम्मोवही य सरीरोवही य । सेसाणं तिविहे उवही एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं । एगिंदियाणं दुविहे उवही पण्णत्ते, तं जहा- कम्मोवही य सरीरोवही य ।
- ४ कइविहे णं भंते ! उवही पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे उवही पण्णत्ते, तं जहा- सच्चित्ते, अचित्ते, मीसए । एवं णेरइयाण वि, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं ।
- ५ कइविहे णं भंते ! परिग्गहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे परिग्गहे पण्णत्ते, तं जहा- कम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, बाहिरगभंडमत्तोवगरणपरिग्गहे ।
- ६ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहा उवहिणा दो दंडगा भणिया तहा परिग्गहेणं वि दो दंडगा भाणियव्वा ।
- ७ कइविहे णं भंते ! पणिहाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पणिहाणे पण्णत्ते, तं जहा- मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे ।
- ८ णेरइयाणं भंते ! कइविहे पणिहाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव थणियकुमाराणं ।
- ९ पुढविकाइयाणं, पुच्छा ? गोयमा ! एगे कायपणिहाणे पण्णत्ते । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं ।
- १० बेइंदियाणं, पुच्छा ? गोयमा ! दुविहे पणिहाणे पण्णत्ते, तं जहा- वइपणिहाणे य कायपणिहाणे य । एवं जाव चउरिंदियाणं । सेसाणं तिविहे वि जाव वेमाणियाणं ।

- ११ कइविहे णं भंते ! दुप्पणिहाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे दुप्पणिहाणे पण्णत्ते, तं जहा-मणदुप्पणिहाणे, एवं जहेव पणिहाणेणं दंडओ भणिओ तहेव दुप्पणिहाणेण वि भाणियव्वो ।
- १२ कइविहे णं भंते ! सुप्पणिहाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे सुप्पणिहाणे पण्णत्ते, तं जहा-मणसुप्पणिहाणे, वइसुप्पणिहाणे, कायसुप्पणिहाणे ।
- १३ मणुस्साणं भंते ! कइविहे सुप्पणिहाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! एवं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ।
- १४ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे, गुणसीलए चेइए, वण्णओ । जाव पुढवि-सिला- पट्टओ । तस्स णं गुणसीलस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति, तं जहा- कालोदायी, सेलोदायी, एवं जहा सत्तमसए अण्णउत्थिउद्देसए जाव से कहमेयं मण्णे एवं? तत्थ णं रायगिहे णयरे मद्दुए णामं समणोवासए परिवसइ । अइडे जाव अपरिभूए; अभिगय-जीवाजीवे जाव विहरइ।

तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे जाव समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ । तएणं मद्दुए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धढे समाणे हइतुढे जाव विसप्पमाण-हियए, णहाए जाव अलंकिय सरीरे, सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पायविहारचारेणं रायगिहं णयरं जाव णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता तेसिं अण्णउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीइवयइ ।

तए णं ते अण्णउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीइवयमाणं पासंति, पासित्ता अण्णमण्णं सद्दावेंति, सद्दावेत्ता एवं वयासी- एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमा कहा अविप्पकडा, इमं च णं मद्दुए समणोवासए अम्हं अदूरसामंतेणं वीइवयइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं मद्दुयं समणोवासयं एयमढं पुच्छित्तए' त्ति कट्ठु अण्णमण्णस्स अंतियं एयमढं पडिसुणेंति, पडिसुणेत्ता जेणेव मद्दुए समणोवासए तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी-

- १५ एवं खलु मद्दुया ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाये पण्णवेइ, एवं जहा सत्तमे सए अण्णउत्थियउद्देसए जाव से कहमेयं मद्दुया ! एवं ? तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- जइ कज्जं कज्जइ जाणामो पासमो, अहे कज्जं ण कज्जइ ण जाणामो ण पासामो । तए णं ते अण्णउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी- केस णं तुमं मद्दुया ! समणोवासगाणं भवसि, जे णं तुमं एयमढं ण जाणसि ण पाससि ?

- १६ तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- अत्थि णं आउसो ! वाउकाए वाइ ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! वाउकायस्स वायमाणस्स रूवं पासह ? णो इणढे समढे ।

अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोग्गला ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो! घाणसहगयाणं पोग्गलाणं रूवं पासह ? णो इणढे समढे ।

अत्थि णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाये ? हंता अत्थि । तुब्भे णं आउसो ! अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रूवं पासह ? णो इण्ढे समढ्ढे ।

अत्थि णं आउसो ! समुद्धस्स पारगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि । तुब्भे णं आउसो ! समुद्धस्स पारगयाइं रूवाइं पासइ ? णो इण्ढे समढ्ढे ।

अत्थि णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि । तुब्भे णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं पासह ? णो समढ्ढे इण्ढे ।

एवामेव आउसो ! अहं वा तुब्भे वा अण्णो वा छउमत्थो जइ जो जं ण जाणइ ण पासइ तं सव्वं ण भवइ, एवं भे सुबहुए लोए ण भविस्सई ति कट्ठु ते अण्णउत्थिए एवं पडिहणइ, एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसीलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं जाव पज्जुवासइ ।

१७

मद्दुया ! त्ति समणे भगवं महावीरे मद्दुयं समणोवासगं एवं वयासी- सुद्धु णं मद्दुया ! तुमं ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- साहू णं मद्दुया ! तुमं ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- जे णं मद्दुया ! अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा अण्णायं अदिट्ठं अस्सुयं अमुयं अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ, से णं अरिहंताणं आसायणाए वट्ठइ, अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, केवलीणं आसायणाए वट्ठइ, केवलिपण्णत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, तं सुद्धु णं तुमं मद्दुया ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहू णं तुमं मद्दुया ! जाव एवं वयासी । तए णं मद्दुए समणोवासए समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ-तुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे मद्दुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया । मद्दुए समणोवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव णिसम्म हट्ठतुट्ठे पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठाइं परियाइइ, परियाइत्ता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जाव पडिगए ।

१८

भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- पभू णं भंते ! मद्दुए समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं जाव पव्वइत्तए ?

गोयमा ! णो इण्ढे समढ्ढे । एवं जहेव संखे तहेव अरुणाभे जाव सव्व दुक्खाणं अंतं काहिइ ।

१९

देवे णं भंते ! महिइडिए जाव महासोकखे रूवसहस्सं विउव्वित्ता पभू अण्णमण्णेणं सद्धिं संगामित्तए ? गोयमा ! हंता पभू ।

२०

ताओ णं भंते ! बौदीओ किं एगजीवफुडाओ अणेगजीवफुडाओ ? गोयमा ! एगजीवफुडाओ, णो अणेगजीवफुडाओ ।

२१

तेसि णं भंते ! बौदीणं अंतरा किं एगजीवफुडा अणेग-जीवफुडा ? गोयमा ! एगजीवफुडा, णो अणेगजीवफुडा ।

- २२ पुरिसे णं भंते ! अंतरे णं हत्थेण वा, एवं जहा अट्टमसए तइए उद्देसए जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ ।
- २३ अत्थि णं भंते ! देवासुराणं संगामे, देवासुराणं संगामे ? हंता गोयमा ! अत्थि ।
- २४ देवासुरेसु णं भंते ! संगामेसु वट्टमाणेसु किण्णं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ? गोयमा ! जण्णं ते देवा तणं जा कट्ठं वा पत्तं वा सक्करं वा परामुसंति तं णं तेसिं देवाणं पहरण रयणत्ताए परिणमइ।
- २५ भंते ! जहेव देवाणं तहेव असुरकुमाराणं ? गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे, असुरकुमाराणं देवाणं णिच्चं विउच्चिया पहरणरयणा पण्णत्ता ।
- २६ देवे णं भंते! महिइढीए जाव महासोक्खे पभू लवणसमुद्धं अणुपरियट्ठित्ता णं हव्वमागच्छित्तए? गोयमा ! हंता पभू ।
- २७ देवे णं भंते ! महिइढीए एवं धायइसंडं दीवं, पुच्छा ? गोयमा ! हंता पभू, एवं जाव रुयगवरं दीवं। तेण परं वीइवएज्जा, णो चेव णं अणुपरियट्ठेज्जा ।
- २८ अत्थि णं भंते ! देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति ? गोयमा ! हंता अत्थि ।
- २९ अत्थि णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति ? गोयमा ! हंता अत्थि ।
- ३० अत्थि णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? गोयमा! हंता अत्थि ।
- ३१ कयरे णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा जाव पंचहिं वाससएहिं खवयंति? कयरे णं भंते ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति? कयरे णं भंते! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ?

गोयमा ! वाणमंतरा देवा अणंते कम्मंसे जाव एगेणं वाससएणं खवयंति, असुरिंदवज्जिया भवणवासी देवा अणंते कम्मंसे जाव दोहिं वाससएहिं खवयंति, असुरकुमाराणं देवा अणंते कम्मंसे जाव तीहिं वाससएहिं खवयंति, गह-णक्खत्त-तारारूवा जोइसिया देवा अणंते कम्मंसे जाव चउहिं वास सएहिं खवयंति, चंदिम-सूरिया जोइसिंदा जोइसरायाणो अणंते कम्मंसे जाव पंचहिं वाससएहिं खवयंति।

सोहम्मीसाणगा देवा अणंते कम्मंसे जाव एगेणं वाससहस्सेणं खवयंति, सणंकुमार- माहिंदगा देवा अणंते कम्मंसे जाव दोहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, बंभलोग-लंतगा देवा अणंते कम्मंसे जाव तीहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, महासुक्क-सहस्सारगा देवा अणंते कम्मंसे जाव चउहिं वाससहस्सेहिं खवयंति आणय-पाणय-आरण-अच्चयुगा देवा अणंते कम्मंसे जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति,

हिद्धिमगेविज्जगा देवा अणंते कम्मंसे जाव एगेणं वाससयसहस्सेणं खवयंति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे जाव दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, उवरिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे जाव तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, विजय- वेजयंत-जयंत-अपराजियगा देवा अणंते कम्मंसे जाव चउहिं वास सयसहस्सेहिं खवयंति, सव्वट्ठसिद्धगा देवा अणंते कम्मंसे जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति । एएणं गोयमा! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति, एएणं गोयमा ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एएणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ।॥ सेवं भंते ! सेवं भंते!॥

॥ सत्तमो उद्देसो समत्ता ॥

अट्टारसमं सतं

अट्ठमो उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी- अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो पुरओ दुहओ जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुक्कुडपोए वा वट्ठापोए वा कुलिंगच्छाए वा परियावज्जेज्जा, तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जहा सत्तमसए संवुड्ढेसए जाव अट्ठो णिक्खित्तो ॥सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवय विहारं विहरइ ।

२ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पुढविसिलापट्टए । तस्स णं गुणसीलस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेहे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव विहरइ । तए णं ते अण्णउत्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजया जाव एगंतबाला यावि भवह ।

३ तए णं भगवं गोयमे अण्णउत्थिए एवं वयासी- से केणं कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजया जाव एगंतबाला यावि भवामो । तए णं ते अण्णउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह, अभिहणह जाव उवद्धवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उवद्धवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह ।

४ तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- णो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेमो जाव उवद्धवेमो, अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं च जोगं च रीयं च पडुच्च दिस्सा-दिस्सा, पदिस्सा-पदिस्सा वयामो, तए णं अम्हे दिस्सा-दिस्सा वयमाणा पदिस्सा-पदिस्सा वयमाणा णो पाणे पेच्चेमो जाव णो उवद्धवेमो, तए णं अम्हे पाणे

अपेच्चेमाणा जाव अणोद्वेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह।

५ तए णं ते अण्णउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी- केणं कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव भवामो । तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी- तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह जाव उद्वेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्वेमाणा तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं पडिहणइ, पडिहणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ ।

६ गोयमा ! त्ति समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी- सुद्धु णं तुमं गोयमा! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, अत्थि णं गोयमा! ममं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था, जे णं णो पभू एयं वागरणं वागरेत्तए, जहा णं तुमं, तं सुद्धु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी । तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठुत्ते समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-

७ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे परमाणुपोग्गलं किं जाणइ पासइ, उदाहु ण जाणइ ण पासइ ? गोयमा! अत्थेगइए जाणइ, ण पासइ; अत्थेगइए ण जाणइ, ण पासइ ।

८ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे दुपएसियं खंधं किं जाणइ पासइ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव असंखेज्जपएसियं ।

९ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे अणंतपएसियं खंधं पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइए जाणइ पासइ, अत्थेगइए जाणइ ण पासइ, अत्थेगइए ण जाणइ पासइ, अत्थेगइए ण जाणइ ण पासइ ।

१० आहोहिए णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं, पुच्छा ? गोयमा ! जहा छउमत्थे । एवं आहोहिए वि जाव अणंतपएसियं ।

११ परमाहोहिए णं भंते ! मणूसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- परमाहोहिए णं मणुसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ णो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ णो तं समयं जाणइ ?

गोयमा ! सागारे से णाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव णो तं समयं जाणइ, एवं जाव अणंतपएसियं ।

१२ केवली णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं, पुच्छा ? गोयमा ! जहा परमाहोहिए तहा केवली वि जाव अणंतपएसियं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्ता ॥

अट्टारसमं सत्तं

णवमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- अत्थि णं भंते ! भवियदव्वणेरइया ? गोयमा! हंता अत्थि ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- भवियदव्वणेरइया, भवियदव्वणेरइया ?
गोयमा! जे भविए पंचिंदिए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा णेरइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं
गोयमा ! एवं वुच्चइ- भविय दव्वणेरइया भविय दव्वणेरइया । एवं जाव थणियकुमाराणं ।
- २ अत्थि णं भंते ! भवियदव्वपुढविकाइया ? हंता अत्थि । से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ ?
गोयमा! जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से
तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ ।
आउक्काइय-वणस्सइकाइयाणं एवं चेव । तेउ-वाऊ-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाण य जे भविए
तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा ।
पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जे भविए णेरइए वा तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा । एवं
मणुस्सा वि । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइया ।
- ३ भवियदव्वणेरइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं,
उक्कोसेणं पुव्वकोडी ।
- ४ भवियदव्वअसुरकुमारस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं
अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पत्तिओवमाइं । एवं जाव थणियकुमारस्स ।
- ५ भवियदव्वपुढविकाइयस्स णं, पुच्छा ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं । एवं आउक्काइयस्स
वि। तेउ-वाऊ जहा णेरइयस्स । वणस्सइकाइयस्स जहा पुढविकाइयस्स। बेइंदियस्स
तेइंदियस्स चउरिंदियस्स जहा णेरइयस्स । पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं,
उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । एवं मणुस्सस्स वि । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियस्स जहा
असुरकुमारस्स ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्ता ॥

अट्टारसमं सत्तं

दसमो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- अणगारे णं भंते ! भावियप्पा असिधारं खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?
गोयमा ! हंता ओगाहेज्जा ।
से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?

गोयमा ! णो इण्ठे समठ्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ । एवं जहा पंचमसए परमाणुपोग्गल वत्तव्वया जाव अणगारे णं भंते ! भावियप्पा उदावत्तं जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ ।

२ परमाणुपोग्गले णं भंते ! वाउकाएणं फुडे, वाउकाए वा परमाणु-पोग्गलेणं फुडे ?

गोयमा ! परमाणुपोग्गले वाउकाएणं फुडे, णो वाउयाए परमाणुपोग्गलेणं फुडे ।

३ दुप्पएसिए णं भंते! खंधे, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव असंखेज्ज-परएसिए ।

४ अणंतपरएसिए णं भंते ! खंधे, पुच्छा । गोयमा ! अणंतपरएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे, वाउयाए अणंत-परएसिएणं खंधेणं सिय फुडे, सिय णो फुडे ।

५ वत्थी भंते ! वाउकाएणं फुडे, वाउकाए वत्थिणा फुडे ? गोयमा ! वत्थी वाउयाएणं फुडे, णो वाउयाए वत्थिणा फुडे ।

६ अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाइं वण्णओ काल-णील-लोहिय-हालिद्ध-सुक्किल्लाइं गंधओ सुब्भिगंधाइं, दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्त-कडुय-कसाय-अंबिल-महुराइं, फासओ कक्कड-मउय-गरुय-लहुय-सीय-उसिण-णिद्ध लुक्खाइं, अण्णमण्णबद्धाइं, अण्णमण्णपुट्ठाइं जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति? गोयमा! हंता अत्थि। एवं जाव अहेसत्तमाए।

अत्थि णं भंते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव ईसिपब्भाराए पुढवीए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरइ । तएणं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ।

७ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे णामं णयरे होत्था, वण्णओ । दूइपलासए चेइए, वण्णओ। तत्थ णं वाणियगामे णयरे सोमिले णामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । रिउव्वेद जाव सुपरिणिट्ठिए, पंचण्हं खंडियसयाणं, सयस्स कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसठे जाव परिसा पज्जुवासइ । तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था- एवं खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुत्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं जाव इहमागए जाव दूइपलासए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ । तं गच्छामि णं समणस्स णायपुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं वागरेहिइ तओ णं वंदीहामि णमंसीहामि जाव पज्जुवासीहामि। अह मे से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं णो वागरेहिइ तो णं एएहिं चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य णिप्पट्ठपसिणवागरणं करेस्सामि त्ति कट्ठु एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता ण्हाए जाव विभूसिय सरीरे, साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता पायविहारचारेणं एगेणं खंडियसएणं सद्धिं संपरिवुडे वाणियगामं णयरं मज्झमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव दुइपलासए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-

- ८ जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं ते भंते ! अक्वाबाहं ते भंते ! फासुयविहारं ते भंते ! ? सोमिला ! जत्ता वि मे, जवणिज्जं पि मे, अक्वाबाहं पि मे, फासुयविहारं पि मे ।
- ९ किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तव-णियम-संजम-सज्झाय-झाणावस्सयमाइएसु जोगेसु जयणा, से तं जत्ता ।
- १० किं ते भंते ! जवणिज्जं ? सोमिला ! जवणिज्जे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- इंदिय-जवणिज्जे य णोइंदिय-जवणिज्जे य ।
- ११ से किं तं इंदियजवणिज्जे ? इंदिय-जवणिज्जे- जं मे सोइंदिय-चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं णिरुवहयाइं वसे वट्ठंति । से तं इंदिय-जवणिज्जे ।
- १२ से किं तं णोइंदियजवणिज्जे ? णोइंदियजवणिज्जे- जं मे कोह-माण-माया-लोभा वोच्छिण्णा, णो उदीरेंति, से तं णोइंदिय-जवणिज्जे । से तं जवणिज्जे ।
- १३ किं ते भंते ! अक्वाबाहं ? सोमिला ! जं मे वाइय-पित्ति-सिंभिय-सण्णिवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता, णो उदीरेंति । से तं अक्वाबाहं ।
- १४ किं ते भंते ! फासुयविहारं ?
सोमिला ! जण्णं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु इत्थी-पसु-पंडग- विवज्जियासु वसहीसु फासु-एसणिज्जं पीढ-फलग-सेज्जा-संथारगं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि, से तं फासुयविहारं ।
- १५ सरसिवा ते भंते ! किं भक्खेया, अभक्खेया ? सोमिला ! सरसिवा मे भक्खेया वि अभक्खेया वि।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- सरसिवा ते भक्खेया वि अभक्खेया वि ?
से णूणं ते सोमिला ! बंभण्णएसु णएसु दुविहा सरसिवा पण्णत्ता, तं जहा- मित्तसरसिवा य धण्णसरसिवा य । तत्थ णं जे ते मित्तसरसिवा ते ति विहा पण्णत्ता, तं जहा- सहजायया, सहवड्ढियया, सहपंसुकीलियया; ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते धण्णसरसिवा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य; तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य । तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- जाइया य अजाइया य । तत्थ णं ते अजाइया ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- लद्धा य अलद्धा य । तत्थ णं जे ते अलद्धा ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते लद्धा ते णं समणाणं णिग्गंथाणं भक्खेया, से तेणट्ठेणं सोमिला ! एवं वुच्चइ जाव अभक्खेया वि ।
- १६ मासा ते भंते ! किं भक्खेया, अभक्खेया ? सोमिला ! मासा मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अभक्खेया वि ?

से णूणं ते सोमिला ! बंभण्णएसु णएसु दुविहा मासा पण्णत्ता, तं जहा- दव्वमासा य कालमासा य। तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं सावणाईया आसाढपज्जवसाणा दुवालस पण्णत्ता, तं जहा- सावणे, भद्वए, आसोए, कत्तिए, मग्गसिरे, पोसे, माहे, फग्गुणे, चित्ते, वइसाहे, जेढ्ढामूले, आसाढे; ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते दव्वमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अत्थमासा य धण्णमासा य । तत्थ णं जे ते अत्थमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुवण्णमासा य रूपमासा य, ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया। तत्थ णं जे ते धण्णमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, एवं जहा धण्णसरिसवा जाव से तेण्ढेणं सोमिला ! जाव अभक्खेया वि ।

१७ कुलत्था ते भंते ! किं भक्खेया, अभक्खेया ? सोमिला ! कुलत्था मे भक्खेया वि अभक्खेया वि।

से केण्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अभक्खेया वि ?

से णूणं सोमिला ! ते बंभण्णएसु णएसु दुविहा कुलत्था पण्णत्ता, तं जहा- इत्थिकुलत्था य धण्णकुलत्था य । तत्थ णं जे ते इत्थिकुलत्था ते तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- कुलकण्णया इ वा, कुलबहुया इ वा, कुलमाउया इ वा, ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते धण्णकुलत्था, एवं जहा धण्णसरिसवा । से तेण्ढेणं सोमिला! जाव अभक्खेया वि ।

१८ से णूणं भंते ! एगे भवं, दुवे भवं, अक्खए भवं, अक्खए भवं, अवट्ठिए भवं, अणेगभूयभावभविए भवं ? सोमिला ! एगे वि अहं जाव अणेगभूयभाव-भविए वि अहं।

से केण्ढेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जाव अणेगभूयभाव-भविए वि अहं ?

सोमिला ! दव्वइयाए एगे वि अहं, णाणदंसणइयाए दुवे वि अहं, पएसइयाए अक्खए वि अहं, अक्खए वि अहं, अवट्ठिए वि अहं, उवयोगइयाए अणेगभूयभावभविए वि अहं । से तेण्ढेणं सोमिला ! जाव अणेगभूयभाव-भविए वि अहं ।

१९ एत्थं णं से सोमिले माहणे संबुद्धे, समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह । जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे राईसर एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्तो जाव दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ जाव पडिगए ।

तए णं से सोमिले माहणे समणोवासए जाए, अभिगयजीवाजीवे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ।

२० पभू णं भंते ! सोमिले माहणे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगरियं पव्वइत्तए?

गोयमा ! णो इण्ढे समइ । एवं जहेव संखे तहेव णिरवसेसं जाव सव्व दुक्खाणं अंतं काहिइ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्ता ॥

॥ अट्टारसमं सतं समत्तं ॥

एगूणवीसइमं सतं

पढमो उद्देशो

१

लेस्सा य गब्भ पुढवी, महासवा चरम दीव भवणा य ।

णिव्वत्ति करण वणचर, सुरा य एगूणवीसइमो ॥

२

रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- किण्हा जाव सुक्किला । एवं जहा पण्णवणाए चउत्थो लेसुद्देसओ, तहा भाणियव्वो णिरवसेसो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

बीओ उद्देशो

१

कइ णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्तओ ?

गोयमा ! छल्लेस्साओ पण्णात्ताओ- किण्हा जाव सुक्किला । एवं जहा पण्णवणाए गब्भुद्देशो सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

तइओ उद्देशो

१

रायगिहे जाव एवं वयासी- सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच पुढविकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ?

गोयमा ! णो इण्ढे समद्दे । पुढविकाइयाणं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयं सरीरं बंधंति, बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ।

२

तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा, तेउलेस्सा ।

३

ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी ।

- ४ ते णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी; णियमा दुअण्णाणी। तं जहा- मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य ।
- ५ ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी, णो वयजोगी, कायजोगी ।
- ६ ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता, अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि ।
- ७ ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारैति ? गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा पण्णवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारैति ।
- ८ ते णं भंते ! जीवा जमाहारैति तं चिज्जंति, जं णो आहारैति तं णो चिज्जंति, चिण्णे वा से उद्दाइ पलिसप्पइ वा ?
- हंता गोयमा ! ते णं जीवा जमाहारैति तं चिज्जंति, जं णो आहारैति तं णो चिज्जंति, जाव पलिसप्पइ वा ।
- ९ तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणो इ वा वई इ वा 'अम्हे णं आहारमाहारेमो' ? गोयमा ! णो इण्ठे सम्भे, आहारैति पुण ते ।
- १० तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सण्णाइ वा जाव वईइ वा 'अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे फासे य पडिसंवेदेमो'? गोयमा ! णो इण्ठे सम्भे, पडिसंवेदेति पुण ते ।
- ११ ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति, एवं मुसावाए, अदिण्णादाणे जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति ?
- गोयमा ! पाणाइवाए वि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छा दंसणसल्ले वि उवक्खाइज्जंति । जेसिं पि णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिं पि णं जीवाणं णो विण्णाए णाणत्ते ।
- १२ ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ तहा भाणियव्वो ।
- १३ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ।
- १४ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए ।
- १५ ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति, असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहया वि मरंति, असमोहया वि मरंति ।
- १६ ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! तेसिं उव्वट्ठणा जहा वक्कंतीए ।

१७ सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच आउक्काइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति, बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति ?

गोयमा ! जो चेव पुढविकाइयाणं गमो सो चेव भाणियव्वो जाव उव्वट्ठंति, णवरं ठिई सत्त वाससहस्साइं उक्कोसेणं, सेसं तं चेव ।

१८ सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच तेउक्काइया, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं चेव, णवरं उववाओ ठिई उव्वट्ठणा य जहा पण्णवणाए, सेसं तं चेव । वाउकाइयाणं एवं चेव, णाणत्तं णवरं चत्तारि समुग्घाया ।

१९ सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच वणस्सइकाइया, पुच्छा ?

गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अणंता वणस्सइकाइया एगयओ साहारण-सरीरं बंधंति, बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति । सेसं जहा तेउकाइयाणं जाव उव्वट्ठंति, णवरं आहारो णियमं छदिसिं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ।

२० एसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइकाइयाणं सुहुमाणं बायरानं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा?

गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमणिगोयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा ।१।
सुहुमवाउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।२।
सुहुमतेउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।३।
सुहुमआउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।४। सुहुमपुढवि-
क्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।५।

बायरवाउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।६।
बायरतेउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।७। बायर-
आउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।८। बायरपुढवि- काइयस्स
अपज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।९। पत्तेयसरीरबायर- वणस्सइकाइयस्स
बायरणिगोयस्स एसि णं अपज्जत्तगाणं जहणिया ओगाहणा दोण्ह वि तुल्ला
असंखेज्जगुणा ।१०-११।

सुहुमणिगोयस्स पज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।१२। तस्सेव
अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ।१३। तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया
ओगाहणा विसेसाहिया ।१४।

सुहुमवाउकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।१५। तस्स चेव
अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ।१६। तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया
ओगाहणा विसेसाहिया ।१७।

एवं सुहुमतेउकाइयस्स वि ।१८-१९-२०। एवं सुहुमआउक्काइयस्स वि ।२१-२२-२३। एवं सुहुमपुढविकाइयस्स वि ।२४-२५-२६। एवं बायरवाउकाइयस्स वि ।२७-२८-२९। एवं बायरतेउकाइयस्स वि ।३०-३१-३२। एवं बायरआउकाइयस्स वि ।३३-३४-३५। एवं बायरपुढविकाइयस्स वि ।३६-३७-३८। एएसिं सव्वेसिं तिविहेणं गमेणं भाणियव्वं ।

बायरणिगोयस्स पज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।३९। तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ।४०। तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ।४१।

पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।४२। तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।४३। तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ।४४।

२१ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ?

गोयमा ! वणस्सइकाए सव्वसुहुमे, वणस्सइकाए सव्वसुहुमतराए ।

२२ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे, कयरे काए सव्व सुहुमतराए ? गोयमा ! वाउक्काए सव्वसुहुमे, वाउक्काए सव्वसुहुमतराए ।

२३ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे, कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! तेउकाए सव्वसुहुमे, तेउक्काए सव्वसुहुमतराए ।

२४ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे, कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वसुहुमे, आउक्काए सव्व सुहुमतराए ।

२५ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वबादरे, कयरे काए सव्वबादर-तराए ?

गोयमा ! वणस्सइकाए सव्वबादरे, वणस्सइकाए सव्वबादरतराए ।

२६ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे, कयरे काए सव्वबादरतराए ?

गोयमा ! पुढविकाए सव्वबादरे, पुढविकाए सव्वबादरतराए ।

२७ एयस्स णं भंते ! आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउकाइयस्स कयरे काए सव्वबायरे, कयरे काए सव्वबायरतराए ?

गोयमा ! आउक्काए सव्वबादरे, आउक्काए सव्वबायरतराए ।

२८ एयस्स णं भंते ! तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबायरे, कयरे काए सव्वबायरतराए ?

गोयमा ! तेउकाय सव्वबायरे, तेउक्काए सव्वबायरतराए ।

२९

के महालए णं भंते ! पुढविसरीरे पण्णत्ते ?

गोयमा ! अणंताणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमवाउसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमतेउकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमे आउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुम-आउक्काइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमे पुढविसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमपुढवि काइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे बायरवाउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरवाउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरतेउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरतेउकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरआउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरआउकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरपुढवि सरीरे । एमहालए णं गोयमा ! पुढविसरीरे पण्णत्ते ।

३०

पुढविकाइयस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! से जहाणामए रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वण्णगपेसिया तरुणी बलवं जुगवं जुवाणी अप्पायंका जाव णिउणसिप्पोवगया, णवरं चम्मेदु-दुहण-मुट्ठिय समाहय- णिचिय-गत्तकाया ण भण्णइ, सेसं तं चेव । सा णं तिक्खाए वइरामईए सण्हकरणीए तिक्खेणं वइरामएणं वट्ठावरएणं एगं महं पुढविकाइयं जउगोलासमाणं गहाय पडिसाहरिय-पडिसाहरिय पडिसंखिविय-पडिसंखिविय जाव इणामेव त्ति कट्ठु तिसत्त-खुत्तो उप्पीसेज्जा, तत्थ णं गोयमा ! अत्थेगइया पुढविकाइया आलिद्धा अत्थेगइया पुढविकाइया णो आलिद्धा, अत्थेगइया संघट्टिया अत्थेगइया णो संघट्टिया, अत्थेगइया परियाविया अत्थेगइया णो परियाविया, अत्थेगइया उद्वविया अत्थेगइया णो उद्वविया, अत्थेगइया पिट्ठा अत्थेगइया णो पिट्ठा, पुढविकाइयस्स णं गोयमा ! एमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ।

३१

पुढविकाइए णं भंते ! अक्कंते समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ?

गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव णिउणसिप्पोवगए एगं पुरिसं जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव दुब्बलं किलंतं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहणिज्जा, से णं गोयमा ! पुरिसे तेणं पुरिसेणं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? अणिट्ठं समणाउसो ! तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स वेयणाहिंतो पुढविकाइए अक्कंते समाणे एत्तो अणिट्ठतरियं चेव अकंततरियं जाव अमणामतरियं चेव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ।

३२

आउयाए णं भंते ! संघट्टिए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ।

गोयमा ! जहा पुढविकाइए । एवं तेउकाए वि, एवं वाउकाए वि, वणस्सइकाए वि ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

चउत्थो उद्देसो

- १ सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- २ सिय भंते! णेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा अप्प णिज्जरा ? गोयमा ! हंता सिया ।
- ३ सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महा-णिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- ४ सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- ५ सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- ६ सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे ।
- ७ सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे ।
- ८ सिय भंते! णेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- ९ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- १० सिय भंते! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- ११ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- १२ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- १३ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।
- १४ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा? गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे।

१५ सिय भंते! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे।

१६ सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे। एए सोलस भंगा ।

१७ सिय भंते ! असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ?
गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । एवं चउत्थो भंगो भाणियव्वो, सेसा पण्णरस भंगा खोडेयव्वा। एवं जाव थणियकुमारा ।

१८ सिय भंते ! पुढविकाइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ?
गोयमा ! हंता सिया । एवं जाव-

सिय भंते ! पुढविकाइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा! हंता सिया। एवं जाव मणुस्सा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

पंचमो उद्देसो

१ अत्थि णं भंते ! चरिमा वि णेरइया परमा वि णेरइया ? गोयमा ! हंता अत्थि।

२ से णूणं भंते ! चरमेहिंतो णेरइएहिंतो परमा णेरइया महाकम्मतरा चेव, महाकिरियतरा चेव, महासवतरा चेव, महावेयणतरा चेव, परमेहिंतो वा णेरइएहिंतो चरमा णेरइया अप्पकम्मतरा चेव, अप्पकिरियतरा चेव, अप्पासवतरा चेव, अप्पवेयणतरा चेव ?

हंता गोयमा ! चरमेहिंतो णेरइएहिंतो परमा जाव महावेयणतरा चेव, परमेहिंतो वा णेरइएहिंतो चरमा णेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- जाव अप्पवेयणतरा चेव ।

३ अत्थि णं भंते ! चरमा वि असुरकुमारा परमा वि असुरकुमारा ?

गोयमा ! हंता अत्थि । एवं चेव णिरवसेसं, णवरं विवरीयं भाणियव्वं- परमा अप्पकम्मा, चरमा महाकम्मा । सेसं तं चेव । एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया जाव मणुस्सा एए जहा णेरइया । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ।

४ कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा वेयणा पण्णत्ता । तं जहा- णिदा य अणिदा य ।

५ णेरइया णं भंते ! किं णिदायं वेयणं वेयंति, अणिदायं ? गोयमा ! जहा पण्णवणाए जाव वेमाणिय त्ति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पचंमो उद्देसो समत्ता

एगूणवीसइमं सतं

छट्ठो उद्देसो

१ कहि णं भंते ! दीवसमुद्धा ? केवइया णं भंते ! दीवसमुद्धा ? किं संठिया णं भंते ! दीवसमुद्धा ? गोयमा ! जहा जीवाभिगमे दीवसमुद्धेसो सो चेव इह वि जोइसियमंडल उद्देसगवज्जो भाणियव्वो जाव परिणामो, जीवउववाओ जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देसो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

सत्तमो उद्देसो

१ केवइया णं भंते! असुरकुमार-भवणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा ! चउसट्ठिं असुरकुमार-भवणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।

२ ते णं भंते ! किंमया पण्णत्ता ?

गोयमा ! सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा जाव पडिरूवा । तत्थ णं बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति, विउक्कमंति, चयंति, उववज्जंति । सासया णं ते भवणा दव्वट्ठयाए; वण्णपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासया । एवं जाव थणियकुमारावासा ।

३ केवइया णं भंते ! वाणमंतर-भोमेज्ज-णयरावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा! असंखेज्ज वाणमंतर-भोमेज्ज-णयरावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ।

४ ते णं भंते ! किंमया पण्णत्ता ? गोयमा ! तं चेव ।

५ केवइया णं भंते ! जोइसिय-विमाणावास-सयसहस्सा पुच्छा ? गोयमा ! असंखेज्जा।

६ ते णं भंते ! किंमया पण्णत्ता ? गोयमा ! सव्वफालिहामया, अच्छा, सेसं तं चेव।

७ सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावास-सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ।

८ ते णं भंते ! किंमया पण्णत्ता ?

गोयमा ! सव्वरयणामया, अच्छा, सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणा, णवरं जाणेयव्वा जत्थ जत्तिया विमाणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्ता ॥

एगूणवीसइमं सतं

अट्ठमो उद्देशो

- १ कइविहा णं भंते ! जीवणिव्वत्ती पण्णत्ता ?
गोयमा ! पंचविहा जीवणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- एगिंदियजीवणिव्वत्ती जाव पंचिंदियजीवणिव्वत्ती ।
- २ एगिंदियजीवणिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा! पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा-पुढविकाइय-एगिंदिय-जीवणिव्वत्ती जाव वणस्सइकाइय-एगिंदिय-जीवणिव्वत्ती ।
- ३ पुढविकाइय-एगिंदिय-जीवणिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइय-एगिंदियजीव-णिव्वत्ती य बायरपुढविकाइय- एगिंदिय-जीवणिव्वत्ती । एवं एएणं अभिलावेणं भेदो जहा वड्डगबंधे तेयगसरीरस्स, जाव-
सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पाईय-वेमाणिय-देवपंचिंदिय-जीवणिव्वत्ती णं भंते! कइविहा पण्णत्ता ?
गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तग-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय कप्पाईय-वेमाणिय देवपंचिंदियजीवणिव्वत्ती य अपज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धाणुत्तरोववाइय कप्पाईय-वेमाणियदेव-पंचिंदिय- जीवणिव्वत्ती य ।
- ४ कइविहा णं भंते ! कम्मणिव्वत्ती पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठविहा कम्मणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- णाणावरणिज्ज-कम्मणिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मणिव्वत्ती ।
- ५ णेरइयाणं भंते ! कइविहा कम्मणिव्वत्ती पण्णत्ता ?
गोयमा ! णेरइयाणं अट्ठविहा कम्मणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- णाणावरणिज्ज-कम्मणिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मणिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ६ कइविहा णं भंते ! सरीरणिव्वत्ती पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा सरीरणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- ओरालिय-सरीरणिव्वत्ती जाव कम्मगसरीरणिव्वत्ती ।
- ७ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा ?
गोयमा ! णेरइयाणं तिविहा सरीर णिव्वत्ती पण्णत्ता तं जहा- वेउव्वियसरीर-णिव्वत्ती, तेयासरीर-णिव्वत्ती, कम्मग-सरीरणिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं णायव्वं जस्स जइ सरीराणि।
- ८ कइविहा णं भंते ! सव्विंदियणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा सव्विंदियणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदियणिव्वत्ती जाव फासिंदियणिव्वत्ती। एवं णेरइयाणं जाव थणियकुमाराणं ।

१ पुढविकाइयाणं भंते ! पुच्छा ?

गोयमा ! एगा फासिंदियणिव्वत्ती पण्णत्ता । एवं जस्स जइ इंदियाणि जाव वेमाणियाणं।

१० कइविहा णं भंते ! भासाणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा भासाणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- सच्चाभासा-णिव्वत्ती, मोसभासा-णिव्वत्ती, सच्चामोसभासा-णिव्वत्ती, असच्चामोसभासा-णिव्वत्ती । एवं एगिंदियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाणं ।

११ कइविहा णं भंते ! मणणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा मणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- सच्चमणणिव्वत्ती जाव असच्चामोस-मणणिव्वत्ती । एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ।

१२ कइविहा णं भंते ! कसायणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा कसायणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- कोहकसाय-णिव्वत्ती जाव लोहकसाय-णिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१३ कइविहा णं भंते ! वण्णणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! पंचविहा वण्णणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- कालावण्णणिव्वत्ती जाव सुक्किल्लवण्णणिव्वत्ती, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं । एवं गंधणिव्वत्ती दुविहा जाव वेमाणियाणं । रसणिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाणं । फासणिव्वत्ती अट्ठविहा जाव वेमाणियाणं ।

१४ कइविहा णं भंते ! संठाणणिव्वत्ती पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहा संठाणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- समचउरंस-संठाणणिव्वत्ती जाव हुंड-संठाण-णिव्वत्ती ।

१५ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगा हुंडसंठाणणिव्वत्ती पण्णत्ता ।

१६ असुरकुमाराणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगा समचउरंस-संठाणणिव्वत्ती पण्णत्ता । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

१७ पुढविकाइयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगा मसूरचंदसंठाणणिव्वत्ती पण्णत्ता । एवं जस्स जं संठाणं जाव वेमाणियाणं ।

१८ कइविहा णं भंते ! सण्णा-णिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउव्विहा सण्णा-णिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- आहारसण्णा-णिव्वत्ती जाव परिग्गहसण्णा-णिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं ।

१९ कइविहा णं भंते ! लेस्साणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा! छव्विहा लेस्साणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- कण्हलेस्साणिव्वत्ती जाव सुक्कलेस्साणिव्वत्ती। एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेस्साओ ।

२० कइविहा णं भंते ! दिट्ठीणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! तिविहा दिट्ठीणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- सम्मदिट्ठीणिव्वत्ती, मिच्छादिट्ठीणिव्वत्ती, सम्मामिच्छादिट्ठीणिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइविहा दिट्ठी ।

२१ कइविहा णं भंते ! णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा! पंचविहा णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- आभिणिबोहियणाण-णिव्वत्ती जाव केवलणाण- णिव्वत्ती । एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ णाणा ।

२२ कइविहा णं भंते ! अण्णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! तिविहा अण्णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- मइअण्णाण-णिव्वत्ती, सुयअण्णाणणिव्वत्ती, विभंगणाणणिव्वत्ती । एवं जस्स जइ अण्णाणा जाव वेमाणियाणं

२३ कइविहा णं भंते ! जोगणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! तिविहा जोगणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- मणजोग-णिव्वत्ती, वयजोग- णिव्वत्ती, कायजोगणिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइविहो जोगो ।

२४ कइविहा णं भंते ! उवओगणिव्वत्ती पण्णत्ता ?

गोयमा ! दुविहा उवओगणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं जहा- सागारोवओग-णिव्वत्ती, अणागारोवओगणिव्वत्ती । एवं जाव वेमाणियाणं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्ता ॥ अट्ठारसमं सतं समत्तं ॥

एगूणवीसइमं सतं

णवमो उद्देशो

१ कइविहे णं भंते ! करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे करणे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वकरणे, खेत्तकरणे, कालकरणे, भवकरणे, भावकरणे ।

२ णेरइयाणं भंते ! कइविहे करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे करणे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वकरणे जाव भावकरणे । एवं जाव वेमाणियाणं ।

३ कइविहे णं भंते ! सरीरकरणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे सरीरकरणे पण्णत्ते, तं जहा- ओरालियसरीरकरणे जाव कम्मगसरीरकरणे । एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ सरीराणि ।

४ कइविहे णं भंते ! इंदियकरणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे इंदियकरणे पण्णत्ते, तं जहा- सोइंदियकरणे जाव फासिंदियकरणे। एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ इंदियाइं । एवं एएणं कमेणं भासाकरणे चउव्विहे, मणकरणे चउव्विहे, कसायकरणे चउव्विहे, समुग्घायकरणे सत्तविहे, सण्णाकरणे चउव्विहे, लेसाकरणे छव्विहे, दिट्ठीकरणे तिविहे, वेदकरणे तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- इत्थिवेदकरणे, पुरिसवेदकरणे,

णपुंसगवेद-करणे । एए सव्वे णेरइयाई दंडगा जाव वेमाणियाणं जस्स णं अत्थि जं तस्स सव्वं भाणियव्वं ।

५ कइविहे णं भंते ! पाणाइवायकरणे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे पाणाइवायकरणे पण्णत्ते, तं जहा- एगिंदिय-पाणाइवायकरणे जाव पंचिंदिय-पाणाइवायकरणे । एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं ।

६ कइविहे णं भंते ! पोग्गलकरणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलकरणे पण्णत्ते, तं जहा-वण्णकरणे, गंधकरणे, रसकरणे, फासकरणे, संठाणकरणे ।

७ वण्णकरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- कालवण्णकरणे जाव सुक्किल्ल-वण्णकरणे । एवं भेदो-गंधकरणे दुविहे, रसकरणे पंचविहे, फासकरणे अट्ठविहे ।

८ संठाणकरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा-परिमंडलसंठाणकरणे जाव आयत संठाण करणे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देसो समत्ता ॥ अट्ठारसमं सतं समत्तं ॥

एगूणवीसइमं सतं

दसमो उद्देसो

१ वाणमंतरा णं भंते ! सव्वे समाहारा ? एवं जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसओ जाव अप्पिइडिय त्ति॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देसो समत्ता ॥

॥ एगूणवीसइमं सतं समत्तं ॥

वीसइमं सतं

पढमो उद्देसो

१ बेइंदिय मागासे, पाणवहे उवचए य परमाणू ।

अंतर बंधे भूमी, चारण सोवक्कमा जीवा ॥

२ रायगिहे जाव एवं वयासी- सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच बेइंदिया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति, बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति?

गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे । बेइंदिया णं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयसरीरं बंधंति, बंधित्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ।

३ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ?

गोयमा ! तओ लेस्साओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा। एवं जहा एगूणवीसइमे सए तेउकाइयाणं जाव उव्वट्ठंति । णवरं सम्मदिट्ठी वि मिच्छादिट्ठी वि, णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा, दो अण्णाणा णियमं, णो मणजोगी, वयजोगी वि, कायजोगी वि, आहारो णियमं छद्दिसिं ।

४ तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वई इ वा-- अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे रसे इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेएमो ?

गोयमा ! णो इणठ्ठे समठ्ठे, पडिसंवेदंति पुण ते । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं । सेसं तं चेव, एवं तेइंदिया वि । एवं चउरिंदिया वि, णाणत्तं इंदिएसु, ठिईए य । सेसं तं चेव। ठिई जहा पण्णवणाए ।

५ सिय भंते! जाव चत्तारि पंच पंचिंदिया एगयओ साहारणं सरीरं बंधंति, पुच्छा?

गोयमा ! जहा बेइंदियाणं, णवरं- छल्लेसाओ, दिट्ठी तिविहा वि, चत्तारि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए, तिविहो जोगो ।

६ तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वई इ वा- अम्हे णं आहारमाहारेमो ?

गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वई इ वा- अम्हे णं आहारमाहारेमो । अत्थेगइयाणं णो एवं सण्णा इ वा जाव वई इ वा- अम्हे णं आहारमाहारेमो, आहारेंति पुण ते ।

७ तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णा इ वा जाव वई इ वा- अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्धे, इट्ठाणिट्ठे रूवे, इट्ठाणिट्ठे गंधे, इट्ठाणिट्ठे रसे, इट्ठाणिट्ठे फासे पडि-संवेदेमो ?

गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सण्णा इ वा जाव वई इ वा- अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्धे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, अत्थेगइयाणं णो एवं सण्णा इ वा जाव वई इ वा- अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्धे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, पडिसंवेदेंति पुण ते ।

८ ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा ! अत्थेगइया पाणाइवाए वि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसण-सल्ले वि उवक्खाइज्जंति, अत्थेगइया णो पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति जाव णो मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति । जेसिं पि णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिं पि णं जीवाणं अत्थेगइयाणं विण्णाए णाणत्ते, अत्थेगइयाणं णो विण्णाए णाणत्ते । उववाओ सव्वओ जाव सव्वट्ठसिद्धाओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । छस्समुग्घाया केवलिवज्जा, उव्वट्ठणा सव्वत्थ गच्छंति जाव सव्वट्ठसिद्धे इ, सेसं जहा बेइंदियाणं ।

१ एएसि णं भंते! बेइंदियाणं जाव पंचिंदियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा?

गोयमा! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, बेइंदिया विसेसाहिया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्ता ॥

वीसइमं सतं

बीओ उद्देसो

१ कइविहे णं भंते ! आगासे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे आगासे पण्णत्ते, तं जहा- लोगागासे य अलोगागासे य ।

२ लोगागासे णं भंते ! किं जीवा, जीवदेसा, पुच्छा ? गोयमा ! जहा बिइयसए अत्थिउद्देसे तह चेव इह वि आलावगो भाणियव्वं । जाव-

धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए पण्णत्ते ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव ओगाहित्ता णं चिइइ । एवं जाव पोग्गलत्थिकाए ।

३ अहेलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं ओगाढे ? गोयमा ! साइरेगं अद्धं ओगाढे । एवं एएणं अभिलावेणं जहा बिइयसए जाव-

ईसिपब्भारा णं भंते ! पुढवी लोगागासस्स किं संखेज्जइभागं ओगाढा, पुच्छा ? गोयमा! णो संखेज्जइभागं ओगाढा, असंखेज्जइभागं ओगाढा, णो संखेज्जेभागे ओगाढा, णो असंखेज्जे भागे ओगाढा, णो सव्वलोयं ओगाढा । सेसं तं चेव ।

४ धम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा पण्णत्ता, तं जहा- धम्मं इ वा धम्मत्थिकाये इ वा पाणाइवायवेरमणे इ वा मुसावायरवेरमणे इ वा एवं जाव परिग्गहवेरमणे इ वा, कोहविवेगे इ वा जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे इ वा, इरियासमिई इ वा, भासासमिई इ वा, एसणासमिई इ वा, आयाणभंडमत्तणिकखेवणासमिई इ वा, उच्चार-पासवण-खेल-जल्ल-सिंघाण-पारिद्वावणिया-समिई इ वा, मणगुत्ती इ वा, वइगुत्ती इ वा, कायगुत्ती इ वा, जेया-वण्णे तहप्पगारा सव्वे ते धम्मत्थिकायस्स अभिवयणा ।

५ अधम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा पण्णत्ता, तं जहा- अधम्मं इ वा, अधम्मत्थिकाए इ वा, पाणाइवाए इ वा जाव मिच्छादंसणसल्ले इ वा, इरियाअसमिई इ वा जाव उच्चारपासवण-खेल- जल्ल- सिंघाण- पारिद्वावणिया-असमिई इ वा, मणअगुत्ती इ वा, वइअगुत्ती इ वा, कायअगुत्ती इ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते अधम्मत्थिकायस्स अभिवयणा ।

६ आगासत्थिकायस्स णं, पुच्छा ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा पण्णत्ता, तं जहा- आगासे इ वा, आगासत्थिकाये इ वा, गगणे इ वा, णभे इ वा, समे इ वा, विसमे इ वा, खहे इ वा, विहे इ वा, वीयी इ वा, विवरे इ वा, अंबरे इ वा, अंबरसे इ वा, छिड्डे इ वा, झुसिरे इ वा, मग्गे इ वा, विमुहे इ वा, अद्दे इ वा, (अद्दे इ वा) वियद्दे इ वा, आधारे इ वा, वोमे इ वा, भायणे इ वा, अंतरिक्खे इ वा, सामे इ वा, उवासंतरे इ वा, अगमे इ वा, फलिहे इ वा, अणंते इ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते आगासत्थिकायस्स अभिवयणा ।

७

जीवत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा पण्णत्ता ?

उत्तर- गोयमा ! अणेगा अभिवयणा पण्णत्ता, तं जहा- जीवे इ वा, जीवत्थिकाये इ वा, पाणे इ वा, भूए इ वा, सत्ते इ वा, विण्णू इ वा, वेया इ वा, चेया इ वा, जेया इ वा, आया इ वा, रंगणा इ वा, हिंदुए इ वा, पोग्गले इ वा, माणवे इ वा, कत्ता इ वा, विकत्ता इ वा, जए इ वा, जंतु इ वा, जोणी इ वा, सयंभू इ वा, ससरीरी इ वा, णायए इ वा, अंतरप्पा इ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते जीवत्थिकायस्स अभिवयणा ।

८

पोग्गलत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा पण्णत्ता, तं जहा- पोग्गले इ वा, पोग्गलत्थिकाये इ वा, परमाणुपोग्गले इ वा, दुपएसिए इ वा, तिपएसिए इ वा जाव असंखेज्जपएसिए इ वा, अणंतपएसिए इ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते पोग्गलत्थिकायस्स अभिवयणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्ता ॥

वीसइमं सतं

तइओ उद्देसो

१

अह भंते! पाणाइवाए, मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवाय-वेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, उप्पत्तिया जाव पारिणामिया, उग्गहे जाव धारणा, उट्ठाणे, कम्ममे, बले, वीरिए, पुरिसक्कारपरकम्ममे, णेरइयत्ते, असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते, पाणावरणिज्जे जाव अंतराइए, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी समामिच्छादिट्ठी, चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे, आभिणिबोहियणाणे जाव विभंगणाणे, आहारसण्णा जाव परिग्गह सण्णा, ओरालियसरीरे जाव कम्मग सरीरे, मणजोगे, वईजोगे, कायजोगे, सागारो-वओगे, अणागारोवओगे, जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति?

हंता गोयमा ! पाणाइवाए जाव सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ।

२

जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवण्णे, कइगंधे, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा बारसमसए पंचमुद्देसे जाव कम्मओ णं जए, णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

वीसइमं सतं

चउत्थो उद्देसो

१

कइविहे णं भंते ! इंदियउवचए पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे इंदियोवचए पण्णत्ते, तं जहा- सोइंदियउवचए जाव फासिंदिय उवचए । एवं बिइओ इंदियउद्देसओ णिरवसेसो भाणियव्वो जहा पण्णवणाए ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

वीसइमं सतं

पंचमो उद्देसो

१

परमाणुपोग्गले णं भंते ! कइवण्णे, कइगंधे, कइरसे, कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा! एगवण्णे, एगगंधे, एगरसे, दुफासे पण्णत्ते । जइ एगवण्णे- सिय कालएसिय णीलए, सिय लोहिए, सिय हालिदए, सिय सुक्किलए; जइ एगगंधे- सिय सुब्भिगंधे, सिय दुब्भिगंधे; जइ एगरसे- सिय तित्ते, सिय कडुए, सिय कसाए, सिय अंबिले, सिय महुरे ।

जइ दुफासे- सिय सीए य णिद्धे य, सिय सीए य लुक्खे य, सिय उसिणे य णिद्धे य, सिय उसिणे य लुक्खे य ।

२

दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अट्टारसमसए छडुद्देसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्णे- सिय कालए जाव सिय सुक्किल्लए,

जइ दुवण्णे- सिय कालए य णीलए य, सिय कालए य लोहियए य, सिय कालए य हालिदए य, सिय कालए य सुक्किलए य, सिय णीलए य लोहियए य, सिय णीलए य हालिदए य, सिय णीलए य सुक्किलए य, सिय लोहियए य हालिदए य, सिय लोहियए य सुक्किलए य, सिय हालिदए य सुक्किलए य । एवं एए दुयासंजोगे दस भंगा ।

जइ एगगंधे- सिय सुब्भिगंधे, सिय दुब्भिगंधे य, जइ दुगंधे- सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य । रसेसु जहा वण्णेसु ।

जइ दुफासे- सिय सीए य णिद्धे य, एवं जहेव परमाणु पोग्गले तहेव चत्तारि भंगा।

जइ तिफासे- सव्वे सीए, देसे णिद्धे, देसे लुक्खे; सव्वे उसिणे, देसे णिद्धे, देसे लुक्खे; सव्वे णिद्धे, देसे सीए, देसे उसिणे; सव्वे लुक्खे, देसे सीए, देसे उसिणे ।

जइ चउफासे- देसे सीए, देसे उसिणे, देसे णिद्धे, देसे लुक्खे, एवं एए णव भंगा फासेसु ।

३

तिपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? जहा अट्टारसमसए छडुद्देसे जाव चउफासे पण्णत्ते । जइ एगवण्णे- सिय कालए जाव सुक्किलए ।

जइ दुवण्णे- सिय कालए य सिय णीलए य, सिय कालए य सिय णीलगा य, सिय कालगा य णीलए य एए तिण्णि भंगा । सिय कालए य लोहियए य, सिय कालए य लोहियगा य, सिय कालगा य लोहियए य, एए तिण्णि भंगा एवं हालिद्वएण वि समं तिण्णि भंगा, एवं सुक्किलएण वि समं तिण्णि भंगा, सिय णीलए य लोहियए य एत्थ वि तिण्णि भंगा, एवं हालिद्वएण वि समं तिण्णि भंगा, एवं सुक्किलएण वि समं तिण्णि भंगा, सिय लोहियए य हालिद्वए य समं तिण्णि भंगा, एवं सुक्किलएण वि समं तिण्णि भंगा, सिय हालिद्वए य सुक्किलए य तिण्णि भंगा, एवं सव्वे ते दस दुयासंजोगा, भंगा तीसं भवंति ।

४

जइ तिवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य, सिय कालए य णीलए य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य सुक्किलए य, सिय कालए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए य लोहियए य सुक्किलए य, सिय कालए य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय णीलए य लोहियए य सुक्किलए य, सिय णीलए य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य एवं एए दस तियासंजोगा ।

जइ एगगंधे- सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे । जइ दुगंधे सिय सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य, एवं तिण्णि भंगा । रसा जहा वण्णा ।

जइ दुफासे- सिय सीए य णिद्वे य, एवं जहेव दुपएसियस्स तहेव चत्तारि भंगा ।

जइ तिफासे- सव्वे सीए देसे णिद्वे देसे लुक्खे, सव्वे सीए देसे णिद्वे देसा लुक्खा, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे एए तिण्णि; सव्वे उसिणे देसे णिद्वे देसे लुक्खे, एत्थ वि भंगा तिण्णि; सव्वे णिद्वे देसे सीए देसे उसिणे एत्थ वि भंगा तिण्णि; सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे एत्थ भंगा तिण्णि; एवं एए दुवालस भंगा ।

५

जइ चउफासे- देसे सीए, देसे उसिणे, देसे णिद्वे देसे लुक्खे; देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्वे देसा लुक्खा, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्वे देसे लुक्खे, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्वे देसा लुक्खा, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसे लुक्खे, देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्वे देसे लुक्खे, देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्वे देसा लुक्खा, देसा सीया देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे, एवं चउसंयोगी नव भंगा । सव्वे एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भंगा ।

६

चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! जहा अट्टारसमसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते ।

जइ एगवण्णे- सिय कालए य जाव सुक्किलए पंच भंगा । जइ दुवण्णे- सिय कालए य णीलए य, सिय कालए य णीलगा य, सिय कालगा य णीलए य, सिय कालगा य णीलगा य; चत्तारि भंगा । सिय कालए य लोहियए य; एत्थ वि चत्तारि भंगा । सिय कालए य हालिद्वए य; चत्तारि भंगा । सिय कालए य सुक्किलए य, चत्तारि भंगा । सिय णीलए य लोहियए य; चत्तारि भंगा । सिय णीलए य हालिद्वए य; चत्तारि भंगा । सिय णीलए य सुक्किलए य; चत्तारि भंगा । सिय लोहियए य हालिद्वए य; चत्तारि भंगा । सिय लोहियए

य सुक्किलए य; चत्तारि भंगा । सिय हालिदए य सुक्किलए य; चत्तारि भंगा। एवं एए दस दुयासंजोगा, भंगा पुण चत्तालीसं ।

७ जइ तिवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य, सिय कालए णीलए लोहियगा य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य एए चत्तारि भंगा । एवं कालणीलहालिदएहिं चत्तारि भंगा, कालणील-सुक्किलेहिं चत्तारि, काललोहियहालिदेहिं चत्तारि, काललोहियसुक्किलेहिं चत्तारि, कालहालिदसुक्किलेहिं चत्तारि । णीललोहिय-हालिदगाणं चत्तारि भंगा । णीललोहिय-सुक्किलगाणं चत्तारि, णीलहालिदसुक्किलगाणं चत्तारि, लोहियहालिदसुक्किलगाणं चत्तारि भंगा । एवं एए दसतियासंजोगा, एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा, सव्वे ते चत्तालीसं भंगा।

जइ चउवण्णे- सिय कालए णीलए लोहियए हालिदए य, सिय कालए णीलए लोहियए सुक्किलए, सिय कालए णीलए हालिदए सुक्किलए, सिय कालए लोहियए हालिदए सुक्किलए, सिय णीलए लोहियए हालिदए सुक्किलए य । एवमेते चउक्कगसंजोए पंच भंगा । एए सव्वे णउइ भंगा ।

८ जइ एगगंधे- सिय सुब्भिगंधे, सिय दुब्भिगंधे य, जइ दुगंधे- सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य चत्तारि भंगा । रसा जहा वण्णा ।

९ जइ दुफासे- जहेव परमाणुपोग्गले चत्तारि भंगा । जइ तिफासे सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे, सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसा लुक्खा, एए चत्तारि भंगा सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एत्थ वि चत्तारि भंगा । सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे, एत्थ वि चत्तारि भंगा । सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे, एत्थ वि चत्तारि भंगा । सव्वे एए तिफासे सोलस भंगा ।

१० जइ चउफासे- देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसा लुक्खा; चउभंगो । देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसा लुक्खा, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसे लुक्खे, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा; चउभंगो । एवं एए अट्ठ भंगा। देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, जाव देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा । एवं एए वि अट्ठ भंगा । सव्वे एए चउफासे सोलस भंगा भाणियव्वा। सव्वे एए फासेसु छत्तीसं भंगा ।

११ पंचपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइ फासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । जइ एगवण्णे, एवं एगवण्णदुवण्णा जहेव चउप्पएसिए ।

जइ तिवण्णे- सिय कालए णीलए लोहियए य, सिय कालए णीलए लोहियगा य, सिय कालए णीलगा य लोहियए य, सिय कालए णीलगा य लोहियगा य, चउभंगा; सिय कालगा य णीलए य लोहियए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य, एए सत्त भंगा । सिय कालए णीलए हालिदए य, एत्थ वि सत्त भंगा ।

एवं कालगणीलग-सुक्किलएसु सत्त भंगा । कालगलोहिय-हालिद्वेसु सत्त भंगा । कालगलोहियसुक्किलेसु सत्त भंगा । कालगहालिद्वसुक्किलेसु सत्तभंगा । णीलग लोहिय-हालिद्वेसु सत्त भंगा । णीललोहियसुक्किलेसु सत्त भंगा । णीलग हालिद्वसुक्किलेसु सत्तभंगा। लोहियहालिद्वसुक्किलेसु वि सत्त भंगा । एवमेए तियासंजोए सत्तरि भंगा ।

१२ जइ चउवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य; एए पंच भंगा । सिय कालए य णीलए य लोहियए य सुक्किलए य; एत्थ वि पंच भंगा । एवं कालग-णीलग हालिद्व-सुक्किलेसु वि पंच भंगा ! कालगलोहिय-हालिद्व-सुक्किलएसु वि पंच भंगा। णीलगलोहियहालिद्वसुक्किलेसु वि पंच भंगा। एवमेते चउक्कग संजोगएणं पणुवीसं भंगा।

१३ जइ पंचवण्णे- कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य । सव्वमेए एक्कग-दुयग-तियग-चउक्क-पंचगसंजोएणं ईयालं भंगसयं भवइ । गंधा जहा चउप्पएसियस्स । रसा जहा वण्णा । फासा जहा चउप्पएसियस्स ।

१४ छप्पएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अढारसम सए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्ण, दुवण्णा जहा पंचपएसियस्स। जइ तिवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य, एवं जहेव पंचपएसियस्स सत्त भंगा तहेव जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य; सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा, एए अट्ठ भंगा। एवमेव दस तियासंजोगेसु एक्केक्कए संजोगे अट्ठ भंगा, एवं सव्वे वि तियगसंजोगे असीइ भंगा।

१५ जइ चउवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वगा य;

सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वगा य, सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्वए य

सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य, एए एक्कास्स भंगा । एवमेए पंचचउक्कसंजोगा कायव्वा, एक्केक्कसंजोए एक्कारस भंगा। सव्वे एए पणपण्णं भंगा चउक्क-संजोएणं ।

१६ जइ पंचवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किल्लए, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किल्लगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य सुक्किल्लए य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य सुक्किल्लए य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किल्लए य, सिय कालगा य णीलए

य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किल्लए य; एवं एए छब्भंगा भाणियच्चा। एवमेए सव्वे वि एक्कग-दुयग-तियग-चउक्कग-पंचगसंजोगेसु छासीयं भंगसयं भवइ । गंधा जहा पंचपएसियस्स। रसा जहा एयस्सेव वण्णा। फासा जहा चउप्पएसियस्स ।

१७

सत्तपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइ फासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अट्टारसम सए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्णदुवण्णतिवण्णा जहा छप्पएसियस्स । जइ चउवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वगा य; चउभंगो । एवं एएणं कमेणं एगं चउक्कयसंजोगेणं पण्णरस भंगा भाणियच्चा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा हालिद्वए य । एवमेए पंचचउक्कसंजोगा णेयच्चा । एक्केक्के संजोए पण्णरस-पण्णरस भंगा। सव्वमेए पंचसत्तरि भंगा भवइ ।

१८

जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य सुक्किलए य, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य सुक्किलगा य, चउभंगो ।

सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य सुक्किलगा य, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्वगा य सुक्किलए य, सत्तभंगा एए ।

सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलगा य, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्वगा य सुक्किलए य, सियकालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्वए य सुक्किलए य, एवं एए एक्करस भंगा ।

सिय कालगा य णीलगे य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियगे य हालिद्वए य सुक्किलगा य, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य हालिद्वए य सुक्किलए, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य हालिद्वए य सुक्किलए य । सव्वे एए सोलस भंगा पंच संजोगे ।

एवं सव्वमेए एक्कग-दुयग-तियग-चउक्कग-पंचगसंजोगेणं दो सोला भंगसया भवइ वण्णस्स। गंधा जहा चउप्पएसियस्स । रसा जहा एयस्स चेव वण्णा । फासा जहा चउप्पएसियस्स ।

१९

अट्टपएसिए णं भंते ! खंधे कइ वण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अठारसमसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्ण-दुवण्ण-तिवण्णा जहेव सत्तपएसिए ।

जइ चउवण्णे- सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्वए य, सिय कालए णीलए य लोहियए य हालिद्वगा य, एवं जहेव सत्तपएसिए तहेव पण्णरस भंगा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्वगे य; सोलसमं इमं- सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य

हालिद्धगा य। एए सोलस भंगा, एवमेए पंच चउक्कसंजोगा, णेयच्वा एक्केक्के संजोए सोलस-सोलस भंगा, सच्चमेए असीइ भंगा ।

२०

जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्धए य सुक्किल्लए य, सिय कालए य णीलए य लोहियगे य हालिद्धगे य सुक्किल्लगा य, एवं एएणं कमेणं भंगा चारेयच्वा जाव सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्धगा य सुक्किलगे य एसो पण्णरसमो भंगो;

सिय कालगा य णीलगे य लोहियगे य हालिद्धए य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगे य हालिद्धगे य सुक्किलगा य, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगे य हालिद्धगा य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगे य हालिद्धगा य सुक्किलगा य चउभंगो ।

सिय कालगा य णीलगे य लोहियगा य हालिद्धए य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगा य हालिद्धए य सुक्किलगा य, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य हालिद्धगा य सुक्किलए य सत्त भंगा एए ।

सिय कालगा य णीलगा य लोहियगे य हालिद्धए य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगे य हालिद्धए य सुक्किलगा य, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगे य हालिद्धगा य सुक्किलए य, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्धए य सुक्किलए य; एए एक्कारसभंगो पंचसंजोएणं सच्चे एते छव्वीसं भंगा भवइ । एवमेए सपुच्चावरेणं एक्कग-दुयग-तियग-चउक्कग-पंचगसंजोएहिं दो एक्कतीसं भंगसया भवइ । गंधा जहा सत्तपएसियस्स। रसा जहा एयस्स चेव वण्णा । फासा जहा चउप्पएसियस्स ।

२१

णवपएसिए णं भंते । खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा ! जहा अट्टारसम सए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्ण-दुवण्ण-तिवण्ण-चउवण्णा जहेव अट्टपएसियस्स । जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्धए य सुक्किलए, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्धए य सुक्किलगा य, एवं परिवाडीए एक्कतीसं भंगा भाणियच्वा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्धगा य सुक्किलए य । एए एकत्तीसं भंगा । एवं एक्कग-दुयग-तियग-चउक्कग- पंचगसंजोएहिं दो छत्तीसा भंगसया भवंति । गंधा जहा अट्टपएसियस्स। रसा जहा एयस्स चेव वण्णा । फासा जहा चउप्पएसियस्स ।

२२

दसपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा! जहा अट्टारसम सए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते । एगवण्ण-दुवण्ण-तिवण्ण-चउवण्णा जहेव णवपएसियस्स । पंचवण्णे वि तहेव, णवरं बत्तीसइमो भंगो भण्णइ । एवमेए एक्कग-दुयग- तियग-चउक्कग-पंचगसंजोएसु दोण्णि सत्ततीसा भंगसया भवंति । गंधा जहा णवपएसियस्स । रसा जहा एयस्स चेव वण्णा । फासा जहा चउप्पएसियस्स। जहा दसपएसिओ एवं संखेज्जपएसिओ वि, एवं असंखेज्जपएसिओ वि, सुहुमपरिणओ अणंतपएसिओ वि एवं चेव ।

२३

बायरपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ?

गोयमा! जहा अट्टारसम सए जाव सिय चउफासे, पंचफासे, छफासे, सत्तफासे अट्टफासे पण्णत्ते। वण्ण-गंध-रसा जहा दसपएसियस्स । जइ चउफासे- सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे, चउभंगो ।

सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे, चउभंगो ।

सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे, चउभंगो।

सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे । एए सोलस भंगा चउफासे ।

२४

जइ पंचफासे- सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसा णिद्धा देसा लुक्खा, चउभंगो ।

सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, चउभंगो ।

सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे, चउभंगो । सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, चउभंगो । एवं एए कक्खडेणं सोलस भंगा । सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं मउएण वि सोलस भंगा, एवं बत्तीसं भंगा ।

सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे, सोलस भंगा । सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे सोलस भंगा, एवं दोवि एए बत्तीसं भंगा । सव्वे कक्खडे सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे गरुए देसे लहुए, एत्थ वि बत्तीसं भंगा। सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए, एत्थ वि बत्तीसं भंगा। एवं सव्वे ते पंचफासे अट्टावीसं भंगसयं भवइ ।

२५

जइ छफासे-सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा एवं जाव सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा एए सोलस भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एत्थ वि सोलस भंगा । सव्वे मउए सव्वे गरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एत्थ वि सोलस भंगा । सव्वे मउए सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, वि एत्थ वि सोलस भंगा, एवं चत्तारि एए चउसट्ठिं भंगा ।

२७ जइ अड्डफासे- देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं चउभंगो । देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं चउभंगो । देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं चउभंगो । देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं चउभंगो। एए चत्तारि चउक्का सोलस भंगा ।

देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं एए गरुएणं एगत्तएणं लहुएणं पुहत्तएणं सोलस भंगा कायव्वा । देसे कक्खडे देसे मउए देसा गरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एए वि सोलस भंगा कायव्वा । देसे कक्खडे देसे मउए देसा गरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एए वि सोलस भंगा कायव्वा। सव्वे वि ते चउसट्ठिं भंगा कक्खड-मउएहिं एगत्तएहिं । ताहे कक्खडेणं एगत्तएणं मउएणं पुहत्तेणं एते चउसट्ठिं भंगा कायव्वा । ताहे कक्खडेणं पुहत्तएणं मउएणं एगत्तएणं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा । ताहे एएहिं चेव दोहि वि पुहत्तेहिं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव देसा कक्खडा देसा मउया देसा गरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा एसो अपच्छिमो भंगो। सव्वे ते अड्डफासे दो छप्पण्णा भंगसया भवंति। एवं एए बायरपरिणए अणंतपएसिए खंधे सव्वेसु संजोएसु बारस छण्णउया भंगसया भवंति ।

२८ कइविहे णं भंते ! परमाणू पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे परमाणू पण्णत्ते, तं जहा- दव्वपरमाणू खेत्तपरमाणू कालपरमाणू भावपरमाणू ।

२९ दव्वपरमाणू णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अच्छेज्जे, अभेज्जे, अडज्जे, अगेज्जे ।

३० खेत्तपरमाणू णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अणद्धे, अमज्जे, अपएसे, अविभाइमे ।

३१ कालपरमाणू णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अवण्णे, अगंधे, अरसे, अफासे ।

३२ भावपरमाणू णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- वण्णमंते, गंधमंते, रसमंते, फासमंते ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देशो समत्तो ॥

वीसइमं सतं

छट्ठो उद्देशो

१ पुढविककाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए सक्करप्पभाए य पुढविए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा, पुव्विं आहारित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता, एवं जहा सत्तरसमसए छद्दुद्देसे जाव से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-पुव्विं वा जाव उववज्जेज्जा । णवरं तेहिं संपाउणणा, इमेहिं आहारो भण्णइ, सेसं तं चेव ।

२ पुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव ईसीपब्भाराए उववाएयव्वो ।

३ पुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसीपब्भाराए पुच्छा ?

गोयमा ! एवं चेव । एवं एएणं कमेणं जाव तमाए, अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए समाणे जे भविए सोहम्मे जाव ईसिपब्भाराए उववाएयव्वो ।

४ पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा ?

गोयमा ! तं चेव जाव से तेणद्वेणं जाव णिक्खेवओ ।

५ पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा! एवं चेव । एवं जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो । एवं सणंकुमार-माहिंदाणं बंभलोगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो। एवं बंभलोगस्स लंतगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए, पुणरवि जाव अहेसत्तमाए। एवं लंतगस्स महासुक्कस्स कप्पस्स य अंतरा समोहए, पुणरवि जाव अहे सत्तमाए । एवं महासुक्कस्स सहस्सारस्स य कप्पस्स अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए । एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए । एवं आणय-पाणयाणं आरण-अच्युयाण य कप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए । एवं आरण-च्युयाणं गेवेज्जविमाणाण अणुत्तर विमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए । एवं अणुत्तरविमाणाणं ईसीपब्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ।

६ आउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! जहा पुढविकाइयस्स जाव से तेणद्वेणं । एवं पढम-दोच्चाणं अंतरा समोहए जाव ईसीपब्भाराए उववाएयव्वो । एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए, समोहणित्ता जाव ईसीपब्भाराए उववाएयव्वो आउक्काइयत्ताए ।

७ आउयाए णं भंते ! सोहम्मी-साणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिसु, घणोदहिवलएसु आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! तं चेव । एवं एएहिं चेव अंतरा समोहओ जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिसु, घणोदहिवलएसु आउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो । एवं जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसीपब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए घणोदहिसु, घणोदहिवलएसु उववाएयव्वो ।

८

वाउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं जहा सत्तरसमसए वाउक्काइयउद्देसए तहा इह वि, णवरं अंतरेसु समोहणा पोयव्वा, सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसीपब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए, समोहणित्ता जे भविए घणवाय-तणुवाए, घणवाय-तणुवाय-वलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए, सेसं तं चेव जाव से तेणद्धेणं जाव उववज्जेज्जा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

वीसइमं सतं

सत्तमो उद्देसो

१

कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा- जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे ।

२

णेरइयाणं भंते ! कइविहे बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं ।

३

णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा- जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे ।

४

णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते ? एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं । एवं जाव अंतराइयस्स ।

५

णाणावरणिज्जोदयस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते ?

गोयमा ! तिविहे बंधे पण्णत्ते एवं चेव, एवं णेरइयाणं वि जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अंतराइयउदयस्स ।

६

इत्थीवेयस्स णं भंते ! कइविहे बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे बंधे पण्णत्ते । एवं चेव ।

७

असुरकुमाराणं भंते ! इत्थीवेयस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते ?

गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स इत्थिवेओ अत्थि । एवं पुरिसवेयस्स वि, एवं णपुंसगवेयस्स वि जाव वेमाणियाणं णवरं जस्स जो अत्थि वेओ ।

८

दंसणमोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते ?

एवं चेव, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं । एवं चरित्तमोहणिज्जस्स वि जाव वेमाणियाणं ।

९

एवं एएणं कमेणं ओरालियसरीरस्स जाव कम्मगसरीरस्स, आहारसण्णाए जाव परिग्गहसण्णाए, कण्हलेसाए जाव सुक्कलेसाए, सम्मदिट्ठीए मिच्छादिट्ठीए सम्मामिच्छादिट्ठीए,

आभिणिबोहियणाणस्स जाव केवलणाणस्स, मइअण्णाणस्स, सुयअण्णाणस्स, विभंगणाणस्स, एवं आभिणिबोहियणाणविसयस्स भंते ! कइविहे बंधे पण्णत्ते ?

गोयमा! एसिं सव्वेसिं पयाणं तिविहे बंधे पण्णत्ते । जाव केवलणाणविसयस्स मइअण्णाणविसयस्स सुयअण्णाणविसयस्स विभंगणाणविसयस्स सव्वे एए चउव्वीसं दंडगा भाणियव्वा, णवरं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वा । जाव वेमाणियाणं भंते ! विभंगणाणविसयस्स कइविहे बंधे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे बंधे पण्णत्ते, तं जहा-जीवप्पओगबंधे अणंतरबंधे परंपरबंधे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तमो उद्देशो समत्तो ॥

वीसइमं सत्तं

अट्ठमो उद्देशो

१ कइ णं भंते ! कम्मभूमीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पण्णरस कम्मभूमीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पंच भरहाइं, पंच एरवयाइं, पंच महाविदेहाइं ।

२ कइ णं भंते ! अकम्मभूमीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! तीसं अकम्मभूमीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- पंच हेमवयाइं, पंच हेरण्णवयाइं, पंच हरिवासाइं, पंच रम्मगवासाइं, पंच देवकुराइं, पंच उत्तर कुराइं ।

३ एयासु णं भंते ! तीसासु अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे ।

४ एसु णं भंते ! पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? गोयमा ! हंता अत्थि ।

एसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु, पुच्छा ? गोयमा ! णेवत्थि उस्सप्पिणी, णेवत्थि ओसप्पिणी, अवट्ठिए णं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो ।

५ एसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पण्णवयंति?

गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । एसु णं पंचसु भरहेसु, पंचसु एरवएसु, पुरिम-पच्छिमगा दुवे अरहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पण्णवयंति, अवसेसा णं अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति । एसु णं पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति ।

६ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थगरा पण्णत्ता ?

गोयमा ! चउवीसं तित्थगरा पण्णत्ता, तं जहा- उसभ-अजिय-संभव-अभिणंदण-सुमइ-सुप्पभ-सुपास-ससि-पुप्फदंत-सीयल-सेज्जंस-वासुपुज्ज-विमल-अणंत-धम्म-संति-कुंथु-अर-मल्लि-मुणिसुव्वय-णमि-णेमि-पास-वद्धमाणा ।

- ७ एएसि णं भंते ! चउवीसाए तित्थगराणं कइ जिणंतरा पण्णत्ता? गोयमा! तेवीसं जिणंतरा पण्णत्ता।
- ८ एएसि णं भंते ! तेवीसाए जिणंतरेसु कस्स कहिं कालियसुयस्स वोच्छेए पण्णत्ते ?
- गोयमा ! एएसु णं तेवीसाए जिणंतरेसु पुरिमपच्छिमएसु अड्सु अड्सु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स अवोच्छेए पण्णत्ते, मज्झिमएसु सत्तसु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स वोच्छेए पण्णत्ते, सव्वत्थ वि णं वोच्छिण्णे दिट्ठिवाए ।
- ९ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ ?
- गोयमा ! जंबुद्धीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ ।
- १० जहा णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ, तहा णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसेसाणं तित्थगराणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जित्था ?
- गोयमा ! अत्थेगइयाणं संखेज्जं कालं, अत्थेगइयाणं असंखेज्जं कालं ।
- ११ जंबुद्धीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ?
- गोयमा ! जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ।
- १२ जहा णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एक्कवीसं वाससहस्साइं तित्थं अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्धीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साणं चरिमत्तित्थगरस्स केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ?
- गोयमा ! जावइए णं उसभस्स अरहओ कोसलियस्स जिणपरियाए एवइयाइं संखेज्जाइं वासाइं आगमेस्साणं चरिमत्तित्थगरस्स तित्थे अणुसज्जिस्सइ ।
- १३ तित्थं भंते ! तित्थं, तित्थगरे तित्थं ? गोयमा ! अरहा ताव णियमं तित्थगरे, तित्थं पुण चाउवण्णाइण्णे समणसंघे, तं जहा- समणा, समणीओ, सावया, सावियाओ।
- १४ पवयणं भंते ! पवयणं, पावयणी पवयणं ? गोयमा ! अरहा ताव णियमं पावयणी, पवयणं पुण दुवालसंगे गणिपिडगे, तं जहा- आयारो जाव दिट्ठिवाओ ।
- १५ जे इमे भंते ! उग्गा, भोगा, राइण्णा, इक्खागा, णाया, कोरव्वा एए णं अस्सिं धम्ममे ओगाहंति, ओगाहित्ता अट्ठविहं कम्मरयमलं पवाहंति, पवाहित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करंति?
- हंता गोयमा ! जे इमे उग्गा भोगा तं चेव जाव अंतं करंति, अत्थेगइया अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति ।

१६ कइविहा णं भंते ! देवलोया पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोया पण्णत्ता, तं जहा-
भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

वीसइमं सतं

णवमो उद्देशो

१ कइविहा णं भंते ! चारणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा चारणा पण्णत्ता, तं जहा-
विज्जाचारणाय, जंघाचारणा य ।

२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- विज्जाचारणा विज्जाचारणा ?
गोयमा ! तस्स णं छट्ठंछट्ठेणं अणिकिखत्तेणं तवोकम्मणं विज्जाए उत्तरगुणलद्धिं खममाणस्स
विज्जाचारणलद्धी णामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव विज्जाचारणा।

३ विज्जाचारणस्स णं भंते ! कहां सीहा गई, कहां सीहे गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! अयण्णं जंबुद्धीवे दीवे जाव किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं, देवे णं महिड्डीए जाव
महासोकखे जाव इणामेव इणामेव त्ति कट्ठु केवलकप्पं जंबुद्धीवं दीवं तिहिं अछ्छराणिवाएहिं
तिक्खुत्तो अणुपरियट्ठित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, विज्जाचारणस्स णं गोयमा! तहा सीहा गई,
तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते ।

४ विज्जाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइयं गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं माणुसुत्तरे पव्वए समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ,
वंदित्ता बिइएणं उप्पाएणं णंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ,
वंदित्ता तओ पडिणियत्तइ, तओ पडिणियत्तित्ता इहमागच्छइ, इहमागच्छित्ता इह चेइयाइं वंदइ ।
विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते ।

५ विज्जाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं णंदणवणे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ,
वंदित्ता बिइएणं उप्पाएणं णंदगवणे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ, वंदित्ता तओ
पडिणियत्तइ, तओ पडिणियत्तित्ता इहमागच्छइ, इहमागच्छित्ता इहं चेइयाइं वंदइ ।
विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते । से णं तस्स ठाणस्स
अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स
आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ।

६ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जंघाचारणे-जंघाचारणे ?
गोयमा ! तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अणिकिखत्तेणं तवोकम्मणं अप्पाणं भावेमाणस्स
जंघाचारणलद्धी णाम लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव जंघाचारणे, जंघाचारणे ।

- ७ जंघाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई, कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! अयण्णं जंबुद्धीवे दीवे, एवं जहेव विज्जा चारणस्स, णवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई, तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते ।
- ८ जंघाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं रुयगवरे दीवे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ, वंदित्ता तओ पडिणियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं णंदीसरवरदीवे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ, वंदित्ता इहमागच्छइ, आगच्छित्ता इह चेइयाइं वंदइ । जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते।
- ९ जंघाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ?
गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ, वंदित्ता तओ पडिणियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं णंदणवणे समोसरणं करेइ, करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ, वंदित्ता इहमागच्छइ, इह चेइयाइं वंदइ । जंघाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते । से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंते कालं करेइ, णत्थि तस्स आराहणा । से णं तस्स ठाणस्स आलोइय पडिक्कंते कालं करेइ, अत्थि तस्स आराहणा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देसो समत्तो ॥

वीसइमं सत्तं

दसमो उद्देसो

- १ जीवा णं भंते ! किं सोवक्कमाउया, णिरुवक्कमाउया ? गोयमा ! जीवा सोवक्कमाउया वि णिरुवक्कमाउया वि ।
- २ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णेरइया णो सोवक्कमाउया, णिरुवक्कमाउया। एवं जाव थणियकुमारा । पुढविक्काइया जहा जीवा । एवं जाव मणुस्सा । वाणमंतर- जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ।
- ३ णेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उवव्वज्जंति, परोवक्कमेणं उवव्वज्जंति, णिरुवक्कमेणं उवव्वज्जंति ?
गोयमा ! आओवक्कमेण वि उवव्वज्जंति, परोवक्कमेण वि उवव्वज्जंति, णिरुवक्कमेण वि उवव्वज्जंति, एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ४ णेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उव्वट्ठंति, परोवक्कमेणं उव्वट्ठंति, णिरुवक्कमेणं उव्वट्ठंरति?

गोयमा ! णो आओवक्कमेणं उव्वट्ठंति, णो परोवक्कमेणं उव्वट्ठंति, णिरुवक्कमेणं उव्वट्ठंति, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया जाव मणुस्सा तिसु उव्वट्ठंति । सेसा जहा णेरइया, णवरं जोइसिय-वेमाणिया चयंति ।

५ णेरइया णं भंते ! किं आइइढीए उववज्जंति परिइढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आइइढीए उववज्जंति, णो परिइढीए उववज्जंति एवं जाव वेमाणिया ।

६ णेरइया णं भंते ! किं आइइढीए उव्वट्ठंति, परिइढीए उव्वट्ठंति ? गोयमा ! आइइढीए उव्वट्ठंति, णो परिइढीए उव्वट्ठंति, एवं जाव वेमाणिया, णवरं जोइसिया वेमाणिया य चयंतीति अभिलावो।

७ णेरइया णं भंते ! किं आयकम्मुणा उववज्जंति, परकम्मुणा उववज्जंति? गोयमा ! आयकम्मुणा उववज्जंति, णो परकम्मुणा उवज्जंति । एवं जाव वेमाणिया । एवं उव्वट्ठणादंडओ वि ।

८ णेरइया णं भंते ! किं आयप्पओगेणं उववज्जंति, परप्पओगेणं उववज्जंति ? गोयमा! आयप्पओगेणं उववज्जंति, णो परप्पओगेणं उववज्जंति । एवं जाव वेमाणिया । एवं उव्वट्ठणादंडओ वि ।

९ णेरइया णं भंते ! किं कइसंचिया, अकइसंचिया, अवत्तव्वग-संचिया ? गोयमा ! णेरइया कइसंचिया वि, अकइसंचिया वि, अवत्तव्वगसंचिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अवत्तव्वगसंचिया वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति तेणं णेरइया कइसंचिया, जे णं णेरइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया अकइसंचिया, जे णं णेरइया एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया अवत्तव्वगसंचिया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अवत्तव्वगसंचिया वि । एवं जाव थणियकुमारा ।

१० पुढविककाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुढविकाइया णो कइसंचिया, अकइसंचिया, णो अवत्तव्वग- संचिया।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- जाव णो अवत्तव्वगसंचिया ?

गोयमा! पुढविकाइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति से तेणट्ठेणं जाव णो अवत्तव्वगसंचिया, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया ।

११ सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा! सिद्धा कइसंचिया, णो अकइसंचिया, अवत्तव्वगसंचिया वि।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव अवत्तव्वगसंचिया वि ?

गोयमा ! जे णं सिद्धा संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा कइसंचिया, जे णं सिद्धा एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा अवत्तव्वग-संचिया, से तेणट्ठेणं जाव अवत्तव्वगसंचिया वि ।

१२ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं कइसंचियाणं अकइसंचियाणं अवत्तव्वग-संचियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवा णेरइया अवत्तव्वगसंचिया, कइसंचिया संखेज्जगुणा, अकइसंचिया असंखेज्जगुणा । एवं एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं अप्पाबहुगं । एगिंदियाणं णत्थि अप्पाबहुगं ।

१३ एएसि णं भंते ! सिद्धाणं कइसंचियाणं अवत्तव्वगसंचियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवा सिद्धा कइसंचिया, अवत्तव्वगसंचिया संखेज्जगुणा ।

१४ णेरइया णं भंते ! किं छक्कसमज्जिया, णोछक्कसमज्जिया, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया, छक्केहि य समज्जिया, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया ?

गोयमा ! णेरइया छक्कसमज्जिया वि, णोछक्कसमज्जिया वि छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया वि, छक्केहि य समज्जिया वि, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-णेरइया छक्कसमज्जिया वि जाव छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया छक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्कसमज्जिया। जे णं णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोछक्कसमज्जिया । जे णं णेरइया एगेणं छक्कएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं छक्केहिं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केहि य समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं छक्केहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया । से तेणट्ठेणं तं चेव जाव समज्जिया वि । एवं जाव थणियकुमारा।

१५ पुढविव्काइयाणं पुच्छा ?

गोयमा ! पुढविव्काइया णो छक्कसमज्जिया, णो णोछक्कसमज्जिया, णो छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया; छक्केहिं समज्जिया, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जिया वि ?

गोयमा ! जे णं पुढविव्काइया णेगेहिं छक्कएहिं पवेसणं पविसंति ते णं पुढवि-क्काइया छक्केहिं समज्जिया । जे णं पुढविव्काइया णेगेहिं छक्कएहि य अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविव्काइया छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समज्जिया वि । एवं जाव वणस्सइकाइया। बेइंदिया जाव वेमाणिया, सिद्धा य जहा णेरइया ।

१६ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं छक्कसमज्जियाणं, णोछक्कसमज्जियाणं, छक्केण य णोछक्केण य समज्जियाणं छक्केहि य समज्जियाणं, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा?

गोयमा ! सव्वत्थोवा णेरइया छक्कसमज्जिया, णोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केहि य समज्जिया असंखेज्जगुणा, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा । एवं जाव थणियकुमारा ।

१७ एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं छक्केहिं समज्जियाणं, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाणं कयरे-कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइया छक्केहिं समज्जिया, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा । एवं जाव वण्णस्सइकाइयाणं । बेइंदियाणं जाव वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ।

१८ एएसि णं भंते ! सिद्धाणं छक्कसमज्जियाणं णोछक्कसमज्जियाणं जाव छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवा सिद्ध छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया, छक्केहिं समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, णोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा ।

१९ णेरइया णं भंते! किं बारससमज्जिया, णोबारससमज्जिया, बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया, बारसएहिं समज्जिया, बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया? गोयमा! णेरइया बारससमज्जिया वि जाव बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जिया वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया बारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारससमज्जिया । जे णं णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं, एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोबारससमज्जिया । जे णं णेरइया बारसएणं, अण्णेण य जहण्णेणं एक्केणं वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं बारसएहिं पवेसणं पविसंति ते णं णेरइया बारसएहिं समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं बारसएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समज्जिया वि । एवं जाव थणियकुमारा ।

२० पुढविकाइयाणं पुच्छा ?

गोयमा! पुढविकाइया णो बारससमज्जिया, णो णोबारससमज्जिया, णो बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया, बारसएहिं समज्जिया, बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया वि।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जिया वि ?

गोयमा ! जे णं पुढविव्काइया णेगेहिं बारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढवि-क्काइया बारसएहिं समज्जिया । जे णं पुढविव्काइया णेगेहिं बारसएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविव्काइया बारसएहिं य णोबारसएण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समज्जिया वि । एवं जाव वणस्सइक्काइया । बेइंदिया जाव सिद्धा जहा णेरइया ।

२१ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं बारससमज्जियाणं, एवं सव्वेहिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं, णवरं बारसाभिलावो, सेसं तं चेव ।

२२ सीईए य समज्जिया, चुलसीईहिं समज्जिया, चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया। गोयमा! णेरइया चुलसीइसमज्जिया वि जाव चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया वि ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव समज्जिया वि ?

गोयमा ! जे णं णेरइया चुलसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीइ समज्जिया । जे णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइ पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोचुलसीइसमज्जिया । जे णं णेरइया चुलसीईए णं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा जाव उक्कोसेणं तेसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं चुलसीईएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईएहिं समज्जिया । जे णं णेरइया णेगेहिं चुलसीईएहि य अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा जाव उक्कोसेणं तेसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया । से तेणट्ठेणं जाव समज्जिया वि । एवं जाव थणियकुमारा। पुढविव्काइया तहेव पच्छिल्लएहिं, णवरं अभिलावो चुलसीईओ । एवं जाव वणस्सइक्काइया । बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया।

२३ सिद्धाणं, पुच्छा ? गोयमा ! सिद्धा चुलसीइसमज्जिया वि, णोचुलसीइसमज्जिया वि, चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया वि, णो चुलसीईहिं समज्जिया, णो चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया ।

से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जिया ?

गोयमा ! जे णं सिद्धा चुलसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीइ समज्जिया । जे णं सिद्धा जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा णोचुलसीइसमज्जिया । जे णं चुलसीइएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया। से तेणट्ठेणं जाव समज्जिया ।

२४ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं चुलसीइसमज्जियाणं णोचुलसीइसमज्जियाण, पुच्छा ?

सव्वेसिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं अभिलावो चुलसीईओ ।

- २५ एएसि णं भंते ! सिद्धाणं चुलसीइसमज्जियाणं णोचुलसीइसमज्जियाणं, चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जियाणं कयरे कयरे हितो अप्पावा जाव विसेसाहिया वा ?
- गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया, चुलसीईसमज्जिया अणंतगुणा, णोचुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ॥ दसमो उद्देसो समत्तो ॥ वीसइमं सतं समत्तं ॥

एगवीसइमं सतं

पढमो वग्गो

- १ सालि कल अयसि वंसे, इक्खू दब्भे य अब्भ तुलसी य ।
अद्देए दस वग्गा, असीइं पुण होंति उद्देसा ॥
- २ रायगिहे जाव एवं वयासी- अह भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवाणं, एएसि णं भंते ! जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ? ते णं भंते ! जीवा कओहितो उववज्जंति- किं णेरइएहितो उववज्जंति जाव देवेहितो उववज्जंति ?
- गोयमा ! जहा वक्कंतीए तहेव उववाओ, णवरं देवज्जं ।
- ३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । अवहारो जहा उप्पलुद्देसे ।
- ४ तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं ।
- ५ ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा, अबंधगा ? गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसे। एवं वेए वि, उदीरणाए वि ।
- ६ ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेस्सा, पुच्छा ? गोयमा ! छव्वीसं भंगा, दिट्ठी जाव इंदिया जहा उप्पलुद्देसे ।
- ७ ते णं भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे त्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।
- ८ से णं भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे पुढवीजीवे, पुणरवि साली वीहीजाव जवजवगमूलगजीवे केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइयं कालं गइरागइं करिज्जा ?
- गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसे । एएणं अभिलावेणं जाव मणुस्सजीवे । आहारो जहा उप्पलुद्देसे । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वासपुहुत्तं । समुग्घाय-समोहया, उव्वट्ठणा य जहा उप्पलुद्देसे ।
- ९ अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता साली-वीही जाव जवजव-गमूलगजीवत्ताए उववण्णपुच्चा? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

एगवीसइमं सतं

पढमो वग्गो : २-१० उद्देसा

१

अह भंते ! साली-वीही जाव जवजवाणं एएसि णं जे जीवा कंदत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ?

गोयमा ! कंदाहिगारेण सच्चेव मूलुद्देसो अपरिसेसो भाणियव्वो जाव असइं अदुवा अणंतखुत्तो॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ एवं खंधे वि उद्देसओ णेयव्वो । एवं तयाए वि उद्देसो भाणियव्वो । साले वि उद्देसो भाणियव्वो । पवाले वि उद्देसो भाणियव्वो । पत्ते वि उद्देसो भाणियव्वो । एए सत्त वि उद्देसगा अपरिसेसं जहा मूले तहा णेयव्वा ।

एवं पुप्फे वि उद्देसओ, णवरं देवा उववज्जंति जहा उप्पलुद्देसे । चत्तारि लेस्साओ, असीइ भंगा। ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभाणं उक्कोसेणं अंगुलपुहुत्तं, सेसं तं चेव । जहा पुप्फे एवं फले वि उद्देसओ अपरिसेसो भाणियव्वो । एवं बीए वि उद्देसओ । एए दस उद्देसगा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

एगवीसइमं सतं

बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अहभंते ! कलाय-मसूर-तिल-मुग्ग-मास-णिप्फाव-कुलत्थ-अलिसंदग-सतिण- पलिमंथगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ?

गोयमा ! मूलादीया दस उद्देसगा भाणियव्वा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव ।

एगवीसइमं सतं

तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! अयसि-कुसुंभ-कोद्धव-कंगु-रालग-तुवरी-कोदूसा-सण-सरिसव-मूलगबीयाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव भाणियव्वं।

एगवीसइमं सतं

चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते! वंस-वेणु-कणक-कक्कावंस-चारुवंस-दंडा-कुडा-विमा-चंडा-वेणुया-कल्लाणीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं, णवरं देवो सव्वत्थ वि ण उववज्जइ, तिण्णि लेसाओ, सव्वत्थ वि छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव ।

एगवीसइमं सतं

पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! इक्खु-इक्खुवाडिया-वीरणा-इक्कड-भमास-सुंठि-सर-वेत्त-तिमिर-सयपोरग- णलाणं
एएसि णं जे जीवा मूलात्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! जहेव वंसवग्गो तहेव एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा, णवरं खंधुद्देसे देवो
उववज्जइ, चत्तारि लेस्साओ, सेसं तं चेव ।

एगवीसइमं सतं

छट्ठो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते! सेडिय-भंडिय-दब्भ-कोंतिय-दब्भकुस-पव्वग-पोदइल-अज्जुण-आसाढग-रोहियंस-मुत्तव-
क्खीर-भुस-एरंड-कुरुकुंद-करकर-सुंठ-विभंगु-महुरयण-थुरग-सिप्पिय- सुंकलितणाणं एएसि णं जे
जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि दस उद्देसगा णिरवसेसं जहेव वंसवग्गो ।

एगवीसइमं सतं

सत्तमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! अब्भरुह-वायाण-हरितग-तंदुलेज्जग-तणवत्थुल-चोरग मज्जारयाई-विल्लि- पालक्क-
दगपिप्पलिय-दव्वि-सोत्थिय-सायमंडुक्कि-मूलग-सरिसवअंबिलसाग-जियंतगाणं, एएसि णं जे
जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि दस उद्देसगा जहेव वंसवग्गो ।

एगवीसइमं सतं

अट्ठमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! तुलसी-कण्ह-दल-फणेज्जा-अज्जा-चूयणा-चोरा-जीरा-दमणा-मरुया-इंदीवर-
सयपुप्फाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि दस उद्देसगा णिरवसेसं जहा वंसाणं । एवं एएसु अट्ठसु वग्गेसु असीइं
उद्देसगा भवंति ।

॥ एगवीसइमं सतं समत्तं ॥

बावीसइमं सतं

बावीसइमं वग्गो : १-१० उद्देसा

१ ताले-गट्ठिय-बहुबीयगा य, गुच्छा य गुम्म वल्ली य ।

छद्दस वग्गा एए, सट्ठिं पुण होंति उद्देसा ॥

२ रायगिहे जाव एवं वयासी- अह भंते ! ताल-तमाल-तक्कलि-तेतलि-साल-सरला- सारगल्लाणं जाव केयइ-कदलि-कंदलि-चम्मरुक्ख-गुंदरुक्ख-हिंगुरुक्ख-लवंगरुक्ख-पूयफल-खज्जूरि-णालिएरीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहेव सालीणं, णवरं इमं णाणत्तं- मूले कंदे खंदे तयाए साले य एएसु पंचसु उद्देसगेसु देवो ण उववज्जइ । तिण्णि लेसाओ । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दसवास-सहस्साइं । उवरिल्लेसु पंचसु उद्देसएसु देवो उववज्जइ । चत्तारि लेसाओ । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वासपुहुत्तं । ओगाहणा मूले कंदे धणुपुहुत्तं, खंधे तयाए साले य गाउयपुहुत्तं, पवाले पत्ते धणुपुहुत्तं, पुप्फे हत्थपुहुत्तं, फले बीए य अंगुलपुहुत्तं । सव्वेहिं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । सेसं जहा सालीणं । एवं एए दस उद्देसगा ।

बावीसइमं सतं

बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१ अह भंते ! णिंबंब-जंबु-कोसंब-ताल-अंकोल्ल-पीलु-सेलु-सल्लइ-मोयइ- मालुय-बउल- पलास- करंज-पुत्तंजीवग-रिद्ध-बिहेडग-हरियग-भल्लाया-उंबरिया-खीरणि-धायई-पियाल- पूइयणिंबायग(करंज) सेण्हय-पासिय-सीसव-असण-पुण्णाग-णागरुक्ख-सीवण्ण-असोगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा णिरवसेसं जहा तालवग्गो ।

बावीसइमं सतं

तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१ अह भंते ! अत्थिय-तिंदुय-बोर-कविट्ठ-अंबाडग-माउलिंग-बिल्ल-आमलग-फणस-दाडिम- आसत्थ- उंबर - वड - णग्गोह- णंदिरुक्ख- पिप्पलि - सतर - पिलक्खुरुक्ख - काउंबरिय - कुच्छुंभरिय-देवदालि-तिलगलउय-छत्तोह-सिरीस-सत्तवण्ण-दहिवण्ण-लोद्ध-धव-चंदण-अज्जुण- णीव-कुडुग-कलंबाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा ।

बावीसइमं सतं

चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा

१ अह भंते! वाइंगणि-अल्लइ-पोंडइ एवं जहा पण्णवणाए गाहाणुसारेणं णेयव्वं जाव गंज- पाडला- वासि-अंकोल्लाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा जाव बीयं ति णिरवसेसं जहा वंसवग्गो।

बावीसइमं सतं

पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१ अह भंते ! सिरियका-णवमालिय-कोरंटग-बंधुजीवग-मणोज्जा, एवं जहा पण्णवणाए पढमपए गाहाणुसारेणं जाव णलणीयकुंद-महाजाईणं, एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा णिरवसेसा जहा सालीणं ।

बावीसइमं सतं

छट्ठो वग्गो : १-१० उद्देसा

१ अह भंते ! पूसफलि-कालिंगी-तुंबी-तउसी-एलावालुंकी एवं पयाणि जाणियव्वाणि पण्णवणागाहाणुसारेणं जहा तालवग्गे जाव दधिफोल्लइ-काकलि- मोक्कलि-अक्कबोदीणं, एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहा तालवग्गो । णवरं फलउद्देसे ओगाहणाए जहण्णं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । ठिई सव्वत्थ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव । छट्ठो वग्गो समत्तो । एवं छसु वि वग्गेसु सद्धिं उद्देसगा भवंति ।

॥ बावीसइमं सतं समत्तं ॥

तेवीसइमं सतं

पढमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१ आलुय-लोही अवया पाढा तह मासवण्णि-वल्ली य ।
पंचेए दसवग्गा पण्णासं होंति उद्देसा ॥

२ रायगिहे जाव एवं वयासी- अह भंते ! आलुय-मूलग-सिंगबेर-हलिद्ध-रुरु-कंडरिय-जारु- छीरबिरालि-किट्टिकुंदुक-कण्हकडभु महु-पुयलइ-महुसिंगि-णेरुहा-सप्पसुगंधा-छिण्णरुहा-बीय- रुहाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति, पुच्छा ?

गोयमा ! मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा वंसवग्गसरिसा, णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । अवहारो-
गोयमा ! ते णं अणंता, समये-समये अवहीरमाणा- अवहीरमाणा अणंताहिं ओसप्पिणीहिं
उस्सप्पिणीहिं, एवइकालेणं अवहीरंति, णो चेव णं अवहरिया सिया । ठिई जहण्णेण वि
उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । सेसं तं चेव ।

तेवीसइमं सतं

बीओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! लोही-णीहू-थीहू-थिवगा-अस्सकण्णी-सीहकण्णी-सीउंढी-मुसंढीणं, एसि णं जीवा
मूलत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि दस उद्देसगा जहेव आलुवग्गे । णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं
चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

तेवीसइमं सतं

तइओ वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! अवक-कवक-कुहुण-कुंदुरुक्क-उव्वेहलिया-सफा-सज्जा-छत्ता-वंसाणिय- कुराणं, एसि
णं जे जीवा मूलत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा णिरवसेसा जहा आलुवग्गो, णवरं ओगाहणा
तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

तेवीसइमं सतं

चउत्थो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! पाढा-मियवालुंकि-महुररसा-रायवल्लि-पउमा-मोंढरि-दंति-चंडीणं, एसि णं जे जीवा
मूलत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि मूलादीया दस उद्देसगा आलुवग्गसरिसा, णवरं ओगाहणा जहा वल्लीणं,
सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

तेवीसइमं सतं

पंचमो वग्गो : १-१० उद्देसा

१

अह भंते ! मासपण्णी-मुग्गपण्णी-जीवग-सरिसव-करेणुय-काओलि-खीरकाओली-भंगि-णहि-
किमिरासि-भद्दमुत्थ-णंगलइ-पयुय-किण्हा पउल-पाढे-हरेणुया-लोहीणं, एसि णं जे जीवा
मूलत्ताए, पुच्छा ?

गोयमा ! एत्थ वि दस उद्देसगा णिरवसेसं आलुयवग्गसरिसा । एवं एत्थ पंचसु वि वग्गेसु पण्णासं उद्देसगा भाणियच्चा । सव्वत्थदेवा ण उववज्जंति, तिण्णि लेसाओ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तेवीसइमं पदं समत्तं ॥

चउवीसइमं सतं

पढमो उद्देसो

१

उववाय परिमाणं संघयणुच्चत्तमेव संठाणं ।
लेस्सा दिट्ठी णाणे, अण्णाणे जोग उवओगे ॥१॥

सण्णा-कसाय-इंदिय-समुग्घाया, वेयणा य वेए य ।
आउं अज्झवसाणा, अणुबंधो कायसंवेहो ॥२॥

जीवपए जीवपए जीवाणं, दंडगम्मि उद्देसो ।
चउवीसइमम्मि सए, चउव्वीसं होंति उद्देसा ॥३॥

२

रायगिहे जाव एवं वयासी- णेरइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति- किं णेरइ-एहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उवज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति ।

३

जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति- किं एगिंदिय-तिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो बेइंदिय, णो तेइंदिय, णो चउरिंदिय तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ।

४

जइ णं भंते ! पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असण्णि पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिएहिंतो वि उववज्जंति ।

५

जइ णं भंते ! असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति- किं जलयरेहिंतो उववज्जंति, थलयरेहिंतो उववज्जंति, खहयरेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जलयरेहिंतो वि उववज्जंति, थलयरेहिंतो वि उववज्जंति, खहयरेहिंतो वि उववज्जंति ।

- ६ जइ णं भंते ! जलयर-थलयर-खहयरेहिंतो उववज्जंति - किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ।
- ७ पज्जत्त-असण्णिपंचिदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसु पुढवीसु उववज्जेजा ? गोयमा! एगाए रयणप्पभाए पुढवीए उववज्जेजा।
- ८ पज्जत्त-असण्णिपंचिदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा।
- ९ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति ।
- १० तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संघयणी पणत्ता ? गोयमा ! छेवट्टसंघयणी पणत्ता ।
- ११ तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं ।
- १२ तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किं संठिया पणत्ता ? गोयमा! हुंडसंठिया पणत्ता।
- १३ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तिण्णि लेस्साओ पणत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा ।
- १४ ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी ।
- १५ ते णं भंते ! जीवा किं णाणी, अण्णाणी? गोयमा ! णो णाणी, अण्णाणी, णियमा दुअण्णाणी, तं जहा- मइअण्णाणी य, सुयअण्णाणी य ।
- १६ ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी? गोयमा! णो मणजोगी, वयजोगी वि, कायजोगी वि ।
- १७ ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! सागरोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि ।
- १८ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सण्णाओ पणत्ताओ? गोयमा ! चत्तारि सण्णाओ पणत्ताओ, तं जहा- आहारसण्णा, भयसण्णा, मेहुणसण्णा, परिग्गहसण्णा ।
- १९ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ कसाया पणत्ता? गोयमा! चत्तारि कसाया पणत्ता, तं जहा- कोहकसाए, माणकसाए, माया-कसाए, लोहकसाए ।
- २० तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ इंदिया पणत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पणत्ता, तं जहा- सोइंदिए जाव फासिंदिए ।

- २१ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणांतियसमुग्घाए ।
- २२ ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा? गोयमा! सायावेयगा वि, असायावेयगा वि।
- २३ ते णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेयगा, पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थीवेयगा, णो पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा ।
- २४ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी ।
- २५ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा पण्णत्ता ।
- २६ ते णं भंते ! किं पसत्था, अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था वि, अप्पसत्था वि ।
- २७ से णं भंते ! पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी ।
- २८ से णं भंते ! पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभाए पुढवीए णेरइएपुणरवि पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइय कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडि- मब्भहियं, एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।
- २९ पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहण्ण-कालद्विईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइयकालद्विईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सद्विईएसु, उक्कोसेण वि दसवाससहस्सद्विईएसु उववज्जेज्जा ।
- ३० ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! एवं सच्चेव पढम गमग वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव अणुबंधो त्ति ।
- ३१ से णं भंते ! पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए जहण्णकालद्विईय रयणप्पभा-पुढविणेरइए, पुणरवि पज्जत्त-असण्णि-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ३२ पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं जे भविए उक्कोसकालद्विईएसु रयणप्पभा-पुढविणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालद्विईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागद्विईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागद्विईएसु उववज्जेज्जा ।

- ३३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधो।
- ३४ से णं भंते ! पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालद्धिइयरयणप्पभा-पुढविणेइए, पुणरवि पज्जत्त-असण्णि-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएत्ति जाव केवइयं कालं गइरागइ करेज्जा ? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्व-कोडिमब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, ।
- ३५ जहण्णकालद्धिइय पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविणेइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालद्धिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सद्धिइएसु, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागद्धिइएसु उववज्जेज्जा ।
- ३६ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सेसं तं चेव, णवरं इमाइं तिण्णि णाणत्ताइं- आउं, अज्झवसाणा, अणुबंधो य । जहण्णेणं ठिई अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता ? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं पसत्था, अप्पसत्था ? गोयमा ! णो पसत्था, अप्पसत्था। अणुबंधो अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ।
- ३७ से णं भंते ! जहण्णकालद्धिइए पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए रयणप्पभाए जाव केवइय कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ३८ जहण्णकालद्धिइय-पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहण्णकालद्धिइएसु रयणप्पभापुढविणेइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल- द्धिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सद्धिइएसु, उक्कोसेण वि दसवास-सहस्सद्धिइएसु उववज्जेज्जा ।
- ३९ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! तं चेव जाव अणुबंधो; ताइं चेव तिण्णि णाणत्ताइं ।
- से णं भंते ! जहण्णकालद्धिइय-पज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए, जहण्णकाल-द्धिइयरयणप्पभा पुढवी णेरइए, पुणरवि जाव केवइय कालं गइरागइं करेज्जा? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेण वि दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।
- ४० जहण्णकालद्धिइयपज्जत्त-असण्णि पंचिंदिय तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालद्धिइएसु रयणप्पभापुढविणेइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल-ठिईएसु

उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

४१ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधा, ताइं चेव तिण्णि णाणत्ताइं ।

से णं भंते! जहण्णकालट्ठिईय-पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए, उक्कोस-कालट्ठिईय-रयणप्पभाए पुणरवि जाव केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४२ उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभा-पुढविणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागठिईएसु उववज्जेज्जा ।

४३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसं जहेव ओहियगमएणं तहेव अणुगंतव्वं, णवरं इमाइं दोण्णि णाणत्ताइं- ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि । सेसं तं चेव ।

४४ से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईय-पज्जत्त-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए, रयणप्पभाए, पुणरवि जाव केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

४५ उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भवि जहण्ण-कालट्ठिईएसु रयणपभाएपुढवीणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि दसवाससहस्स ट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

४६ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सेसं तं चेव, जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णकालट्ठिईयरयणप्पभाए, पुणरवि जाव केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी दसवाससहस्सेहिं अब्भहिया जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

४७ उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणपभापुढवीणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल-ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

- ४८ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सेसं जहा सत्तम- गमए जाव अणुबंधो त्ति ।
- ४९ से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त-असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोस-कालट्ठिईयरयणप्पभाए, पुणरवि जाव केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं एए ओहिया तिण्णि गमगा, जहण्णकालट्ठिईएसु तिण्णि गमगा, उक्कोसकालट्ठिईएसु तिण्णि गमगा, सव्वे ते णव गमा भवंति ।
- ५० जइ णं भंते ! सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसण्णि पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति ।
- ५१ जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं जलयरेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जलयरेहिंतो उववज्जंति, एवं जहा असण्णी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ।
- ५२ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! कइसु पुढविसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढविसु उववज्जेज्जा, तं जहा- रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए ।
- ५३ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभा-पुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयाकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ५४ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव असण्णी ।
- ५५ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संघयणी पण्णत्ता ? गोयमा! छव्विहसंघयणी पण्णत्ता, तं जहा-वइरोसभणारायसंघयणी, उसभणारायसंघयणी जाव छेवट्ठसंघयणी । सरीरोगाहणा जहेव असण्णीणं।
- ५६ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहसंठिया पण्णत्ता, तं जहा- समचउरंसा जाव हुंडा ।
- ५७ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेसा । दिट्ठी तिविहा वि । तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए । जोगो तिविहो वि । सेसं जहा असण्णीणं जाव अणुबंधो, णवरं- पंच समुग्घाया आदिल्लगा । वेदो तिविहो वि, अवसेसं तं चेव जाव-
- ५८ से णं भंते ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय सण्णि पंचिंदिय तिरिक्खजोणिए, रयणप्पभाएपुढवीए णेरइए जाव केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं,

उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

५९ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते जे भविए जहण्ण- कालठिईएसु रयणपभापुढवीणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सठिईएसु, उक्कोसेण वि दसवाससहस्स-ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

६० ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! एवं सो चेव पढमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

६१ सो चेव उक्कोसकालठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं सागरोवमठिईएसु, उक्कोसेण वि सागरोवमठिईएसु उववज्जेज्जा। अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणाओ सो चेव पढमगमो णेयव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

६२ जहण्णकालठिईय-पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सठिईएसु, उक्कोसेणं सागरोवमठिईएसु उववज्जेज्जा ।

६३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसो सो चेव गमओ, णवरं इमाइं अट्ठ णाणत्ताइं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुहुपुहुत्तं, लेस्साओ तिण्णि आदिल्लाओ, णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी, दो अण्णाणा णियमं, समुग्घाया आदिल्ला तिण्णि, आउं, अज्झवसाणा, अणुबंधो य जहेव असण्णीणं । अवसेसं जहा पढमगमए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

६४ सो चेव जहण्णकालठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं दसवाससहस्सठिईएसु, उक्कोसेण वि दसवाससहस्सठिईएसु उववज्जेज्जा; ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतो-मुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

६५ सो चेव उक्कोसकालठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं सागरोवमठिईएसु उक्कोसेण वि सागरोवमठिईएसु उववज्जेज्जा; ते णं भंते जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

- ६६ उक्कोसकालट्ठिईय-पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविणेइएसु उववज्जित्तए; से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा।
- ६७ ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो एएसिं चेव पढमगमओ णेयव्वो, णवरं-ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि, सेसं तं चेव । कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ६८ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ६९ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सो चेव सत्तमो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ७० उक्कोसकालट्ठिईय-पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभा पुढविणेइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइय- कालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि सागरो- वमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ७१ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सो चेव सत्तमगमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं एए णव गमगा । उक्खेव-णिक्खेवओ णवसु वि जहेव असणीणं ।
- ७२ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ७३ ते णं भंते ! जीवा एग समएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव रयणप्पभाए उववज्जंतगस्स लद्धी सच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं रयणप्पभापुढविगमगसरिसा णव वि गमगा भाणियव्वा, णवरं- सव्वगमएसु वि णेरइयट्ठिई-संवेहेसु सागरोवमा भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवि त्ति, णवरं- णेरइयठिई जा जत्थ पुढवीए जहण्णुक्कोसिया सा तेणं चेव कमेणं चउगुणा कायव्वा ।

वालयुप्पभाए पुढवीए अट्ठावीसं सागरोवमाइं चउगुणिया भवंति, पंकप्पभाए चत्तालीसं, धूमप्पभाए अट्ठसट्ठिं, तमाए अट्ठासीइं । संघयणाइं-वालयुप्पभाए पंचविह- संघयणी, तं जहा- वयरोसहणारायसंघयणी जाव खीलिया-संघयणी, पंकप्पभाए चउव्विह- संघयणी, धूमप्पभाए तिविहसंघयणी, तमाए दुविहसंघयणी, तं जहा- वयरोसभणाराय-संघयणी य, उसभणारायसंघयणी य सेसं तं चेव ।

७४ पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवम- ट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

७५ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव रयणप्पभाए णव गमगा। लद्धी वि सच्चेव, णवरं- वयरोसभणारायसंघयणी । इत्थिवेयगा ण उववज्जंति, सेसं तं चेव जाव अणुबंधो त्ति । संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७६ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, सच्चेव वत्तव्वया जाव भवादेसो त्ति । कालादेसो वि तहेव जाव उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरावमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७७ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७८ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, सच्चेव रयणप्पभापुढविजहण्ण- कालट्ठिईयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव अणुबंधो त्ति, णवरं- पढमसंघयणं, णो इत्थिवेयगा। भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७९ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसो त्ति ।

८० सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

८१ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जहण्णेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

- ८२ ते णं भंते ! जीवा एग समएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! सच्चेव सत्तम-पुढवि-पढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसो त्ति, णवरं- ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेणं वि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ८३ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, सच्चेव लद्धी संवेहो वि तहेव सत्तम- गमगसरिसो ।
- ८४ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव लद्धी जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ८५ जइ मणुस्सेहितो उववज्जंति-किं सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, असण्णिमणुस्से-हितो उववज्जंति? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, णो असण्णीमणुस्सेहितो उववज्जंति।
- ८६ जइ णं भंते ! सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति- किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति ।
- ८७ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति किं पज्जत्तसंखेज्ज- वासाउय सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, णो अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति ।
- ८८ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं जहा- रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमा ।
- ८९ पज्जत्तसंखेज्जावासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवास-सहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ९० ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?
- गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति। संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । एवं सेसं जहा सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जाव भवादेसो त्ति, णवरं- चत्तारि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए । छ समुग्घाया केवलिवज्जा । ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं मासपुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी, सेसं तं चेवं । कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्त-मब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

- ९१ सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया; णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९२ सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९३ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्धिईओ जाओ, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- इमाइं पंच णाणत्ताइं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंगुलपुहुत्तं, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, पंच समुग्घाया आदिल्ला, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं मासपुहुत्तं, उक्कोसेण वि मासपुहुत्तं। सेसं तं चेव जाव भवादेसो त्ति। कालादेसेणं जहण्णेणं दसवास- सहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९४ सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९५ सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो, एस चेव गमगो, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९६ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्धिईओ जाओ, सो चेव पढमगमओ णेयव्वो, णवरं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेण वि पंचधणुसयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९७ सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो, सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया, णवरं- काला- देसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।
- ९८ सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो, सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया, णवरं- काला- देसेणं जहण्णेणं एगं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ९९ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइय कालं ठिईएसु उववज्जेजा ? गोयमा! जहण्णेणं सागरोवमद्धिईएसु, उक्कोसेणं तिसागरोवमद्धिईएसु उववज्जेज्जा ।

- १०० ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सो चेव रयणप्पभा-
पुढविगमओ णेयव्वो, णवरं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं।
ठिई जहण्णेणं वासपुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि । सेसं तं चेव जाव
भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं वासपुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं बारस
सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, एवइयं कालं जाव गइरागइं करेज्जा । एवं एसा
ओहिएसु तिसु गमएसु मणुसस्स लद्धी, णाणत्तं-णेरइयट्ठिई, कालादेसेणं संवेहं च जाणेज्जा ।
- १०१ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, तस्स वि तिसु वि गमएसु एस चेव लद्धी, णवरं-
सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं, उक्कोसेणं वि रयणिपुहुत्तं । ठिई जहण्णेणं वासपुहुत्तं,
उक्कोसेणं वि वासपुहुत्तं । एवं अणुबंधो वि । सेसं जहा ओहियाणं। संवेहो सव्वो उवजुंजिऊण
भाणियव्वो ।
- १०२ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ । तस्स वि तिसु वि गमएसु इमं णाणत्तं-
सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेण वि पंचधणुसयाइं । ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी,
उक्कोसेण वि पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि । सेसं जहा पढमगमए, णवरं- णेरइयट्ठिई य
कायसंवेहं च जाणेज्जा । एवं जाव छट्ठपुढवी, णवरं- तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्कं संघयणं
परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाणं । कालादेसो वि तहेव, णवरं- मणुस्सट्ठिई भाणियव्वा ।
- १०३ पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवि
णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं
बावीससागरोवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- १०४ ते णं भंते ! जीवा एग समएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसो सो चेव
सक्करप्पभापुढविगमओ णेयव्वो, णवरं- पढमं संघयणं, इत्थिवेयगा ण उववज्जंति, सेसं तं
चेव जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं
सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं
जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- १०५ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- णेरइयट्ठिइं संवेहं च
जाणेज्जा ।
- १०६ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- संवेहं च जाणेज्जा।
- १०७ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ । तस्स वि तिसु वि गमएसु एस चेव वत्तव्वया,
णवरं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं, उक्कोसेणं वि रयणिपुहुत्तं । ठिई जहण्णेणं
वासपुहुत्तं, उक्कोसेण वि वासपुहुत्तं । एवं अणुबंधो वि । संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ।
- १०८ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ, तस्स वि तिसु वि गमएसु एस चेव वत्तव्वया,
णवरं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेण वि पंचधणुसयाइं । ठिई जहण्णेणं
पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधो वि । णवसु वि एएसु गमएसु णेरइयट्ठिई
संवेहं च जाणेज्जा । सव्वत्थ भवग्गहणाइं दोण्णि जाव णवमगमए। कालादेसेणं जहण्णेणं

तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, उक्कोसेण वि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

बीओ उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- असुरकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति-किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति। एवं जहेव णेरइयउद्देशए ।
- २ पज्जत्ता-असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवास-सहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभा- गमगसरिसा णव वि गमा भाणियव्वा, णवरं- जाहे अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे अज्झवसाणा पसत्था, णो अप्पसत्था तिसु वि गमएसु । अवसेसं तं चेव ।
- ४ जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति- किं संखेज्जवासाउय-सण्णि पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय सण्णिपंचिंदियतिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति ।
- ५ असंखेज्जवासाउय-सण्णि-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवास-सहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ६ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं, पुच्छा ?
गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति। वयरोसभणारायसंघयणी । ओगाहणा जहण्णेणं धणुपुहुत्तं, उक्कोसेणं छ गाउयाइं । समचउरंसंठाणसंठिया पण्णत्ता । चत्तारि लेस्साओ आदिल्लाओ । णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी । णो णाणी, अण्णाणी, णियमं दुअण्णाणी- मइअण्णाणी सुयअण्णाणी य। जोगो तिविहो वि । उवओगो दुविहो वि । चत्तारि सण्णाओ । चत्तारि कसाया । पंच इंदिया । तिण्णि समुग्घाया आदिल्लगा । समोहया वि मरंति, असमोहया वि मरंति । वेयणा दुविहा वि- सायावेयगा वि असायावेयगा वि । वेदो दुविहो वि- इत्थिवेयगा वि पुरिसवेयगा वि, णो णपुंसगवेयगा । ठिई जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी, उक्कोसेणं तिण्णि

पलिओवमाइं । अज्झवसाणा पसत्था वि अप्पसत्था वि । अणुबंधो जहेव ठिई । कायसंवेहो-
भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं
अब्भहिया, उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो-एस चेव वत्तव्वया, णवरं-असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च
जाणेज्जा ।

८ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि
तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा-एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ठिई से जहण्णेणं तिण्णि
पलिओवमाइं, उक्कोसेणं वि तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं
छप्पलिओवमाइं, उक्कोसेण वि छप्पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । सेसं
तं चेव ।

९ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्को-सेणं
साइरेगपुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा ।

१० ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? अवसेसं तं चेव जाव भवादेसो त्ति,
णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं धणुपुहुत्तं, उक्कोसेणं साइरेगं धणुसहस्सं । ठिई जहण्णेणं साइरेगा
पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि साइरेगा पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा
पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ, जाव एवइयं
कालं गइरागइं करेज्जा ।

११ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- असुरकुमारट्ठिई संवेहं च
जाणेज्जा ।

१२ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं साइरेगपुव्वकोडीआउएसु उक्कोसेण वि
साइरेगपुव्वकोडी-आउएसु उववज्जेज्जा, सेसं तं चेव, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगाओ दो
पुव्वकोडीओ, उक्कोसेण वि साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

१३ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ, सो चेव पढमगमगो भाणियव्वो, णवरं-ठिई
जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं, उक्कोसेणं वि तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि ।
कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं
छप्पलिओवमाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

१४ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च
जाणेज्जा ।

१५ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं तिपलिओवमाइं, उक्कोसेण वि
तिपलिओवमाइं, एस चेव वत्तव्वया । णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं,
उक्कोसेणं वि छप्पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

- १६ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलयरेहिंतो उववज्जंति ? एवं जाव पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिए णं भंते! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए, से णं भंते । केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं साइरेगसागरोवम- ट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- १७ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! एसिं रयणप्पभा-पुढवि-गमगसरिसा णव गमगा णेयव्वा, णवरं-जाहे अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ, ताहे तिसु वि गमएसु इमं णाणत्तं-चत्तारि लेस्साओ, अज्झवसाणा पसत्था, णो अप्पसत्था, सेसं तं चेव । संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो ॥९॥
- १८ जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति- किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ।
- १९ जइ णं भंते ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति ।
- २० असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ?
- गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। एवं असंखेज्जवासाउयतिरिक्खजोणियसरिसा आदिल्ला तिण्णि गमगा णेयव्वा, णवरं- सरीरोगाहणा पढमबिइएसु गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, सेसं तं चेव। तईयगमे ओगाहणा जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणं वि तिण्णि गाउयाइं, सेसं जहेव तिरिक्खजोणियाणं ।
- २१ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, तस्स वि जहण्णकालट्ठिईयतिरिक्ख- जोणियसरिसा तिण्णि गमगा भाणियव्वा, णवरं- सरीरोगाहणा तिसु वि गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेणं वि साइरेगाइं पंचधणुसयाइं । सेसं तं चेव ।
- २२ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ, तस्स वि ते चेव पच्छिल्लगा तिण्णि गमगा भाणियव्वा, णवरं- सरीरोगाहणा तिसु वि गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि गाउयाइं । सेसं तं चेव ।
- २३ जह संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति-किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णि मणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो अपज्जत्त-संखेज्ज-वासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ।

२४ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तएसे णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

२५ ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! जहेव एसिं रयणप्पभाए उववज्जमाण्णं णव गमगा तहेव इह वि णव गमगा भाणियव्वा, णवरं- संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

तइओ उद्देसो

१ रायगिहे जाव एवं वयासी-णागकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइयतिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति ।

२ जइ णं भंते! तिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति-किं एगिंदिय-तिरिक्खजोणिए-हिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा ! जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया तहा एसिं पि जाव असण्णि त्ति ।

३ जइ सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति; किं संखेज्जवासाउय सण्णि पंचिंदिय तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति ।

४ असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवास-सहस्सट्ठिईएसु, उक्कोसेणं देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।

५ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा ! सो चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिंअब्भहिया, उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

६ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।

७ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, तस्स वि एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ठिई जहण्णेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, सेसं तं चेव जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं देसूणाइं चत्तारि पलिओवमाइं उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

- ८ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्धिईओ जाओ, तस्स वि तिसु वि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जहण्णकालद्धिईयस्स तहेव णिरवसेसं ।
- ९ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्धिईओ जाओ, तस्स वि तहेव तिण्णि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स। णवरं- णागकुमारद्धिई संवेहं च जाणेज्जा। सेसं तं चेव।
- १० जइ णं भंते ! संखेज्ज-वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो अपज्जत्त-संखेज्ज-वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ।
- ११ पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णाग- कुमारेसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालद्धिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं । एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्ज-माणस्स वत्तव्वया तहेव इह वि णवसु वि गमएसु, णवरं- णागकुमारद्धिई संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ।
- १२ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति- किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, एवं जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव जाव-
- १३ असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालद्धिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, एवं जहेव असंखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं णागकुमारेसु आदिल्ला तिण्णि गमगा तहेव इमस्स वि, णवरं-पढमबिइएसु गमएसु सरीरोगाहणा जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, तइयगमे ओगाहणा जहण्णेणं देसूणाइं दो गाउयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । सेसं तं चेव ।
- १४ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्धिईओ जाओ, तस्स तिसु वि गमएसु जहा तस्स चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव णिरवसेसं ।
- १५ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्धिईओ जाओ, तस्स तिसु वि गमएसु जहा तस्स चेव उक्कोसकालद्धिईयस्स असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स, णवरं- णागकुमारद्धिई संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ।
- १६ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति- किं पज्जत्तसंखेज्ज-वासाउयेहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तसंखेज्जवासाउयेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्त-संखेज्जवासाउयेहिंतो उववज्जंति, णो अपज्जसंखेज्जवासउयेहिंतो उववज्जंति ।
- १७ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालद्धिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्स-द्धिईएसु, उक्कोसेणं देसूण-दोपलिओवम-द्धिईएसु उववज्जेज्जा, एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स सच्चेव

लद्धी णिरवसेसा णवसु गमएसु, णवरं- णागकुमारद्विइं संवेहं च जाणेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

४-११ उद्देसो

१ अवसेसा सुवण्णकुमाराणं जाव थणियकुमारा एए अट्ठ वि उद्देसगा जहेव णागकुमारा तहेव णिरवसेसा भाणियच्चा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ ४-११ उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

दुवालसमो उद्देसो

१ पुढविककाइया णं भंते ! कओहिंतो उवज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्ख-जोणिय-मणुस्स-देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिय- मणुस्स-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

२ जइ णं भंते ! तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा! जहा वक्कंतीए उववाओ जाव जइ बायर-पुढविककाइय-एगिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, किं पज्जत्तबायर पुढवि जाव उववज्जंति, अपज्जत्त-बादरपुढवि जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तबादरपुढवी वि, अपज्जत्तबादरपुढवी वि उववज्जंति ।

३ पुढविककाइए णं भंते ! जे भविए पुढविककाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय-कालद्विइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तद्विइएसु, उक्कोसेणं बावीसवास-सहस्सद्विइएसु उववज्जेज्जा ।

४ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति । छेवट्टसंघयणी । सरीरो- गाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । मसूराचं-दासंठिया । चत्तारि लेस्साओ । णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी। णो णाणी, अण्णाणी, दो अण्णाणा णियमं । णो मणजोगी, णो वइजोगी, कायजोगी। उवओगो दुविहो वि। चत्तारि सण्णाओ। चत्तारि कसाया । एगे फासिंदिए पण्णत्ते । तिण्णि समुग्घाया। वेयणा दुविहा। णो इत्थीवेयगा, णो पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा । ठिइए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं। अज्झवसाणा पसत्था वि, अप्पसत्था वि। अणुबंधो जहा ठिई ।

- ५] से णं भंते ! पुढविकाइए पुणरवि पुढविकाइए त्ति केवइयं कालं सेवेज्जा, केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ६] सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तद्धिईएसु, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तद्धिईएसु, एवं चेव वत्तव्वया णिरवसेसा ।
- ७] सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं बावीसवाससहस्सद्धिईएसु, उक्कोसेण वि बावीसवाससहस्सद्धिईएसु, सेसं तं चेव जाव अणुबंधो त्ति, णवरं-जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जेज्जा । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावत्तरिवाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं; जाव-एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ८] सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्धिईओ जाओ, सो चेव पढमिल्लओ गमओ भाणियव्वो, णवरं-लेस्साओ तिण्णि । ठिई जहण्णेणं वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । अप्पसत्था अज्झवसाणा । अणुबंधो जहा द्धिई । सेसं तं चेव ।
- ९] सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो सच्चेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वा ।
- १०] सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा, असंखेज्जा वा जाव भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ११] सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्धिईओ जाओ, एवं तइयगमगसरिसो णिरवसेसो भाणियव्वो, णवरं- अप्पणा से द्धिई जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं, उक्कोसेणं वि बावीसं वाससहस्साइं ।
- १२] सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । एवं जहा सत्तमगमगो जाव भवादेसो । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्त-मब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- १३] सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो जहण्णेणं बावीसं वाससहस्सद्धिईएसु, उक्कोसेण वि बावीसवाससहस्सद्धिईएसु, एस चेव सत्तमगमगवत्तव्वया जाणियव्वा जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं चोयालीसं वाससहस्साइं, उक्कोसेणं छावत्तरिवास-सहस्सुत्तरं सयसहस्सं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

१४ जइ णं भंते ! आउक्काइय-एगिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सुहुम आउएहिंतो उववज्जंति, बादरआउएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! चउक्कओ भेदो भाणियव्वो, जहा पुढविक्काइयाणं ।

१५ आउक्काइए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय कालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। एवं पुढविक्काइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा, णवरं-थिबुगबिंदुसंठिए । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं । एवं अणुबंधो वि । एवं तिसु वि गमएसु ठिई । संवेहो तइयछट्ठसत्तमट्ठमणवमेसु गमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसेसु चउसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं ।

तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससय सहस्सं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । छट्ठे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

सत्तमे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । अट्ठमे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठावीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । णवमे गमए भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एगूणतीसं वाससहस्साइं, उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं णवसु वि गमएसु आउक्काइयट्ठिई जाणियव्वा ।

१६ जइ भंते ! तेउक्काइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! तेउक्काइयाण वि एस चेव वत्तव्वया, णवरं-णवसु वि गमएसु तिण्णि लेस्साओ । तेउक्काइया णं सुईकलाव-संठिया । ठिई जाणियव्वा । तइय गमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं बारसहिं राइंदिएहिं अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं संवेहो उवजुंजिरुण भाणियव्वो ।

१७ जइ भंते! वाउक्काइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा! वाउक्काइयाण वि एवं चेव णव गमगा जहेव तेउक्काइयाणं, णवरं-पडागासंठिया पण्णत्ता । संवेहो तीहि वाससहस्सेहिं कायव्वो । तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्त-मब्भहियाइं, उक्कोसेणं एगं वाससयसहस्सं । एवं संवेहो उवजुंजिरुण भाणियव्वो ।

१८ जइ णं भंते ! वणस्सइकाइएहिंतो उववज्जंति पुच्छा ? गोयमा ! वणस्सइकाइयाणं आउकाइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा, णवरं-णाणासंठिया । सरीरोगाहणा पढमएसु

पच्छिल्लएसु य तिसु गमएसु जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, मज्झिल्लएसु तिसु तहेव जहा पुढविकाइयाणं । संवेहो ठिई य जाणियव्वा । तइयगमे कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठावीसुत्तरं वाससयसहस्सं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ।

१९ जइ णं भंते! बेइंदिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्त-बेइंदिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्त-बेइंदिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्त-बेइंदिएहिंतो वि उववज्जंति, अपज्जत्त-बेइंदिएहिंतो वि उववज्जंति ।

२० बेइंदिए णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तद्विईएसु, उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सद्विईएसु ।

२१ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । छेवट्टसंघयणी । ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारस जोयणाइं । हुंडसंठिया । तिण्णि लेसाओ । सम्मदिट्ठि वि, मिच्छादिट्ठि वि, णो सम्मामिच्छादिट्ठि । दो णाणा, दो अण्णाणा णियमं । णो मणजोगी, वयजोगी वि, कायजोगी वि । उवओगो दुविहो वि । चत्तारि सण्णाओ । चत्तारि कसाया । दो इंदिया पण्णत्ता, तं जहा-जिब्भंदिए य फासिंदिए य । तिण्णि समुग्घाया । सेसं जहा पुढविकाइयाणं, णवरं-ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं । एवं अणुबंधो वि, सेसं तं चेव । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ताइं । उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२२ सो चेव जहण्णकालद्विईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया सव्वा ।

२३ सो चेव उक्कोसकालद्विईएसु उववण्णो एस चेव बेइंदियस्स लद्धी, णवरं- भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२४ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्विईओ जाओ, तस्स वि एस चेव वत्तव्वया तिसु वि गमएसु । णवरं इमाइं सत्त णाणत्ताइं-सरीरोगाहणा जहा पुढविकाइयाणं । णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी । दो अण्णाणा णियमं । णो मणजोगी, णो वयजोगी, कायजोगी । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । अज्झवसाणा अप्पसत्था । अणुबंधो जहा ठिई । संवेहो तहेव आदिल्लेसु दोसु गमएसु, तइयगमे भवादेसो तहेव अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं । जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२५ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्विईओ जाओ, एयस्स वि ओहिय-गमग-सरिसा तिण्णि गमगा भाणियव्वा । णवरं- तिसु वि गमएसु ठिई जहण्णेणं बारस संवच्छराइं, उक्कोसेणं वि बारस

संवच्छराइं । एवं अणुबंधो वि । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं जाव णवमे गमए जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं बारसहिं संवच्छरेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२६ जइ णं भंते ! तेइंदिएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा! एवं चेव णवगमग पुच्छा भाणियव्वा, णवरं-आदिल्लेसु तिसु वि गमएसु सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । तिण्णि इंदियाइं । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं । तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं छण्णउइं राइंदियसयमब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । मज्झिमा तिण्णि गमगा तहेव । पच्छिमा वि तिण्णि गमगा तहेव, णवरं-ठिई जहण्णेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं, उक्कोसेणं वि एगूणपण्णं राइंदियाइं । संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो।

२७ जइ णं भंते ! चउरिंदिएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव चउरिंदियाण वि णव गमगा भाणियव्वा, णवरं- एएसु चेव ठाणेसु णाणत्ता जाणियव्वा । सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं य छम्मासा। एवं अणुबंधो वि। चत्तारि इंदियाइं, सेसं तं चेव जाव णवमगमएकालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं छहिं मासेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउवीसाए मासेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

२८ जइ णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सण्णिपंचिंदिएहिंतो वि उववज्जंति, असण्णिपंचिंदिएहिंतो वि उववज्जंति।

२९ जइ णं भंते ! असण्णिपंचिंदिय तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति- किं जलचरेहिंतो उववज्जंति जाव किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जाव पज्जत्तएहिंतो वि उववज्जंति, अपज्जत्तएहिंतो वि उववज्जंति ।

३० असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सठिईएसु।

३१ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! एवं जहेव बेइंदियस्स ओहियगमए लद्धी तहेव, णवरं- सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं । पंच इंदिया । ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । सेसं तं चेव । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । णवसु वि गमएसु कायसंवेहो- भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ

भवग्गहणाइं । कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं । णवरं- मज्झिमएसु तिसु गमएसु जहेव बेइंदियस्स, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमएसु, णवरं- ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी । सेसं तं चेव जाव णवमगमएसु कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

32 जइ णं भंते! सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं संखेज्ज-वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय-सण्णि-पंचिंदिय- तिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय- तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय- सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ।

33 जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं जलचरेहिंतो, पुच्छा ? गोयमा ! जहा असण्णीणं उववाओ ।

34 ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स सण्णिस्स तहेव इह वि, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, सेसं तहेव जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। एवं संवेहो णवसु वि गमएसु जहा असण्णीणं तहेव णिरवसेसं। लद्धि से आदिल्लएसु तिसु वि गमएसु एस चेव । मज्झिल्लएसु तिसु वि गमएसु एस चेव, णवरं इमाइं णव णाणत्ताइं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । तिण्णि लेस्साओ । मिच्छादिट्ठी । दो अण्णाणा । कायजोगी । तिण्णि समुग्घाया । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । अप्पसत्था अज्झवसाणा । अणुबंधो जहा ठिई, सेसं तं चेव । पच्छिल्लएसु तिसु वि गमएसु जहेव पढमगमए, णवरं- ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेणं वि पुव्वकोडी । सेसं तं चेव।

35 जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति- किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असण्णि-मणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति, असण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति ।

36 असण्णिमणुस्से णं भंते! जे भविए पुढविक्काएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइय-कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहा असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहण्ण-कालट्ठिईयस्स तिण्णि गमगा तहा एयस्स वि ओहिया तिण्णि गमगा भाणियव्वा तहेव णिरवसेसा, सेसा छ ण भण्णंति ।

37 जइ भंते! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति-किं संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ।

- ३८ जइ संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति-किं पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति, अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ३९ सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय-कालठिईएसु उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्स-ठिईएसु उववज्जंति ।
- ४० ते णं भंते ! जीवाएगसमएण केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसु वि गमएसु लद्धी, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो । संवेहो णवसु गमएसु जहेव सण्णिपंचिंदियस्स । मज्झिम्बलएसु तिसु गमएसु लद्धी जहेव सण्णिपंचिंदियस्स । सेसं तं चेव णिरवसेसं । पच्छिल्ला तिण्णि गमगा जहा एयस्स चेव ओहिया गमगा, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं पंचधणुसयाइं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी, सेसं तहेव ।
- ४१ जइ णं भंते ! देवेहिंतो उववज्जंति- किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, वाणमंतर- देवेहिंतो उववज्जंति, जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति, वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! भवणवासिदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ४२ जइ णं भंते ! भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति-किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! असुरकुमार-भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमार-भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति ।
- ४३ असुरकुमारेणं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल- ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तठिईएसु, उक्कोसेणं बावीसवाससहस्स ठिईएसु उववज्जंति ।
- ४४ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति ।
- ४५ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संघयणी पण्णत्ता ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी जाव परिणमंति ।
- ४६ तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा ? गोयमा ! दुविहा सरीरोगाहणा पण्णत्ता, तं जहा- भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं ।
- ४७ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संठिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते समचउरंसंठाणसंठिया पण्णत्ता । तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाणसंठिया पण्णत्ता । लेस्साओ चत्तारि । दिट्ठी तिविहा वि । तिण्णि णाणा णियमं, तिण्णि अण्णाणा भयणाए । जोगो तिविहो वि । उवओगो दुविहो वि । चत्तारि सण्णाओ । चत्तारि कसाया । पंचइंदिया । पंच समुग्घाया । वेयणा दुविहा वि । इत्थिवेयगा वि, पुरिसवेयगा वि, णो णपुंसगवेयगा । ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं । अज्झवसाणा असंखेज्जा पसत्था वि अप्पसत्था वि ।

अणुबंधो जहा ठिई । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवास-सहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं णव वि गमा णेयव्वा, णवरं- मज्झिल्लएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु असुरकुमाराणं ठिइविसेसो जाणियव्वो, सेसा ओहिया चेव लद्धी कायसंवेहं च जाणेज्जा । सव्वत्थ दो भवग्गहणाइं जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं, उक्कोसेणं वि साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४८

णागकुमारे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु, पुच्छा ?

गोयमा ! एस चेव वत्तव्वया जाव भवादेसो त्ति, णवरं- ठिई जहण्णेणं दसवास- सहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं। एवं णव वि गमगा असुरकुमारगमगसरिसा, णवरं- ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

४९

जइ णं भंते ! वाणमंतरेहिंतो उववज्जंति-किं पिसायवाणमंतरदेवेहिंतो उववज्जंति जाव गंधव्ववाणमंतरदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! पिसायवाणमंतरदेवेहिंतो जाव गंधव्व- वाणमंतर देवेहिंतो वि उववज्जंति।

५०

वाणमंतरदेवे णं भंते! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एसिं पि असुरकुमारगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा, णवरं- ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा । ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं पलिओवमं, सेसं तहेव ।

५१

जइ णं भंते ! जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति- किं चंदविमाण-जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति जाव ताराविमाण-जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! चंदविमाण-जोइसियदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव ताराविमाण-जोइसिय-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

५२

जोइसियदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! लद्धी जहा असुरकुमाराणं, णवरं- एगा तेउलेस्सा पण्णत्ता । तिण्णि णाणा, तिण्णि अण्णाणा णियमं । ठिई जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं

वाससयसहस्समब्भहियं । एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्सेणं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं सेसा वि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं- ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ।

५३ जइ भंते ! वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति-किं कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, कप्पाईयवेमाणिय-देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! कप्पोवग- वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, णो कप्पाईयवेमाणिय-देवेहिंतो उववज्जंति ।

५४ जइ भंते ! कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति- किं सोहम्मकप्पोवग-वेमाणिय-देवेहिंतो उववज्जंति जाव अच्चुय-कप्पोवग-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सोहम्म-कप्पोवग-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, ईसाण-कप्पोवग-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, णो सणकुमारदेवेहिंतो उववज्जंति जाव णो अच्चुय-कप्पोवग-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ।

५५ सोहम्मेदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एवं जहा जोइसियस्स गमगो, णवरं-ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं सेसा वि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं-ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ।

५६ ईसाणदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय कालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एवं ईसाणदेवेण वि णव गमगा भाणियव्वा, णवरं-ठिई अणुबंधो जहण्णेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दुवालसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

तेरसमो उद्देसो

१ आउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव पुढविक्काइय- उद्देसए जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए आउक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तठिईएसु, उक्कोसेणं सत्तवाससहस्सठिईएसु उववज्जेज्जा । एवं पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो भाणियव्वा, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तेरसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

चोदसमो उद्देसो

१ तेउक्काइया णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो उद्देसो भाणियव्वो, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, देवेहंतो ण उववज्जंति, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चोदसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

पण्णरसमो उद्देसो

१ वाउक्काइया णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव तेउक्काइयउद्देसओ तहेव, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पण्णरसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

सोलसमो उद्देसो

१ वणस्सइकाइया णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पुढविक्काइयसरिसो उद्देसो, णवरं- जाहे वणस्सइकाइओ वणस्सइ- काइएसु उववज्जइ ताहे पढम-बिइय-चउत्थ-पंचमेसु गमएसु परिमाणं- अणुसमयं अविरहियं अणंता उववज्जंति । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । सेसा पंच गमा अट्ठभवग्गहणिया तहेव, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सोलसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

सत्तरसमो उद्देसो

१ बेइंदिया णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति ? जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए बेइंदिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! सच्चेव पुढविकाइयस्स लद्धी जाव भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं संखेज्ज कालं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं तेसु चेव चउसु गमएसु संवेहो, सेसेसु पंचसु तहेव अट्ठ भवा । एवं जाव चउरिंदिएणं समं चउसु संखेज्जा भवा, पंचसु अट्ठ भवा ।

पंचिंदियतिरिक्खजोणिय-मणुस्सेसु समं तहेव अट्ठ भवा । देवेसु(देवेहिंतो) ण चेव उववज्जंति,
ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ सत्तरसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

अट्ठारसमो उद्देसो

२ तेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव बेइंदियाणं उद्देसो, तहेव
णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । तेउक्काइएसु समं तइयगमे उक्कोसेणं अट्ठत्तराइं
बेराइंदियसयाइं, बेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं अडयालीसं संवच्छराइं
छण्णउयराइंदियसयमब्भहियाइं, तेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं बाणउयाइं तिण्णि
राइंदियसयाइं । एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव सण्णिमणुस्स त्ति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठारसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

एगूणवीसमो उद्देसो

३ चउरिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जहा तेइंदियाणं उद्देसओ तहेव
चउरिंदियाण वि, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ एगूणवीसमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

बीसइमो उद्देसो

१ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति,
तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा!
णेरइएहिंतो वि उववज्जंति जाव देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

२ जइ णं भंते ! णेरइएहिंतो उववज्जंति- किं रयणप्पभापुढवि-णेरइएहिंतो उववज्जंति जाव
अहेसत्तमपुढविणेरएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो वि उववज्जंति
जाव अहेसत्तम-पुढवि-णेरइएहिंतो वि उववज्जंति ।

३ रयणप्पभापुढविणेरइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं
भंते! केवइयकालट्ठिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिइएसु, उक्कोसेणं
पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा।

४ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा! जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया, णवरं- संघयणे पोग्गला अणिद्धा अकंता जाव परिणमंति। ओगाहणा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य। तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि रयणिओ छच्चंगुलाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अड्ढाज्जजाओ रयणीओ ।

५

तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किं संठिया पण्णत्ता ?

गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता। तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते वि हुंडसंठिया पण्णत्ता । एगा काउलेस्सा पण्णत्ता । समुग्घाया चत्तारि । णो इत्थिवेयगा, णो पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा। ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं सागरोवमं। एवं अणुबंधो वि । सेसं तहेव । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

६

सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, अवसेसं तहेव, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं तहेव, उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। एवं सेसा वि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव णेरइयउद्देसए सण्णिपंचिंदिएहिं समं । णेरइयाणं मज्झिमएसु य तिसु वि गमएसु पच्छिमएसु तिसु वि गमएसु ठिइ णाणत्तं भवइ, सेसं तं चेव । सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।

७

सक्करप्पभापुढविणेइए णं भंते! जे भविए पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहा रयणप्पभाए णव गमगा तहेव सक्करप्पभाए वि। णवरं- सरीरोगाहणा जहा ओगाहणसंठाणे। तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमं । ठिई अणुबंधा पुव्वभणिया। एवं णव वि गमगा उवजुंजिऊण भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवी, णवरं- ओगाहणा- लेस्सा-ठिई-अणुबंधो संवेहो य जाणियव्वा ।

८

अहेसत्तमपुढविणेइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए पुच्छा ?

गोयमा ! एवं चेव णव गमगा । णवरं- ओगाहणा-लेस्सा-ठिई-अणुबंधा जाणियव्वा। संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं छब्भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ॥१॥

आदिल्लएसु छसु वि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं । लद्धी णवसु वि गमएसु जहा पढमगमए, णवरं- ठिईविसेसो कालादेसो य-

बिइयगमएसु जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ॥२॥

तइयगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं ॥३॥

चउत्थगमे जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं ॥४॥ पंचमगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं ॥५॥ छट्ठगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं ॥६॥

सत्तमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं ॥७॥ अट्ठमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं ॥८॥ णवमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ॥९॥

९ जइ णं भंते! तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं एगिंदियतिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! उववाओ जहा पुढविकाइयउद्देसए जाव-

१० पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा ।

११ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! परिमाणाइया अणुबंधपज्जवसाणा जच्चेव अप्पणो सट्ठाणे वत्तव्वया सच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु वि उववज्जमाणस्स भाणियव्वा, णवरं- णवसु वि गमएसु परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । भवादेसेण वि णवसु वि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । सेसं तं चेव । कालादेसं उभओ ठिईए करेज्जा ।

१२ जइ णं भंते ! आउक्काइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं आउक्काइयाण वि । एवं जाव चउरिंदिया उववाएयव्वा, णवरं- सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियव्वा । णवसु वि गमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं उभओ ठिइं करेज्जा । सव्वेसिं सव्वगमएसु जहेव पुढविककाइएसु उववज्जमाणं लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।

१३ जइ णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सण्णिपंचिंदिय, असण्णिपंचिंदिय, भेओ जहेव पुढविककाइएसु उववज्जमाणस्स जाव-

- १४ असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्त- ठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभाग-द्विईएसु उववज्जेज्जा ।
- १५ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसं जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स असण्णिस्स तहेव णिरवसेसं जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडी-पुहुत्तमब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । बिइयगमए एस चेव लद्धी, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडिओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहिया, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- १६ सो चेव उक्कोसकालद्विईएसु उववण्णो, जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइ-भागद्विईएसु, उक्कोसेण वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागद्विईएसु उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असण्णिस्स वत्तवया तहेव णिरवसेसं जाव कालादेसो त्ति, णवरं-परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ।
- १७ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्विईओ जाओ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तद्विईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! अवसेसं जहा एयस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इह वि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ।
- १८ सो चेव जहण्णकालद्विईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं अट्ठ अंतोमुहुत्ता; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- १९ सो चेव उक्कोसकालद्विईएसु उववण्णो जहण्णेणं पुव्वकोडिआउएसु, उक्कोसेणं वि पुव्वकोडिआउएसु उववज्जइ-एस चेव वत्तव्वया, णवरं-कालादेसेणं जाणेज्जा ।
- २० सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्विईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया, णवरं-ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी । सेसं तं चेव । कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडी-पुहुत्तमब्भहियं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- २१ सो चेव जहण्णकालद्विईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया जहा सत्तमगमे, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- २२ सो चेव उक्कोसकालद्विईएसु उववण्णो, जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं वि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं । एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असण्णिस्स

णवमगमए तहेव णिरवसेसं जाव कालादेसो त्ति, णवरं-परिमाणं जहा एयस्सेव तइयगमे, सेसं तं चेव ।

२३ जइ णं भंते ! सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ।

२४ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति-किं पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! दोसु वि उववज्जंति ।

२५ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय-काल-ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तठिईएसु, उक्कोसेणं तिपलिओवमद्विईएसु उववज्जेज्जा।

२६ ते णं भंते ! जीवा एग समएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहा एयस्स चेव सण्णिस्स रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स पढमगमए, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं । सेसं तं चेव जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।

२७ सो चेव जहण्णकालद्विईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२८ सो चेव उक्कोसकालद्विईएसु उववण्णो, जहण्णेणं तिपलिओवमद्विईएसु, उक्कोसेणं वि तिपलिओवमद्विईएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया, णवरं-परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति । ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, सेसं तं चेव जाव अणुबंधो त्ति । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्त-मब्भहियाइं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२९ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्विईओ जाओ, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा । लद्धी से जहा एयस्स चेव सण्णिपंचिंदियस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु सच्चेव इह वि मज्झिमेसु तिसु गमएसु कायव्वा। संवेहो जहेव एत्थ चेव असण्णिस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु ।

३० सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्विईओ जाओ जहा पढमगमओ । णवरं- ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेणं वि पुव्वकोडी । कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्त- मब्भहियाइं; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

- ३१ सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया । णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ३२ सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमद्धिईएसु, उक्कोसेणं वि तिपलिओवमद्धिईएसु, अवसेसं तं चेव । णवरं- परिमाणं,ओगाहणा य जहा एयस्सेव तइयगमए। भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा।
- ३३ जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति- किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असण्णि- मणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति असण्णि- मणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति।
- ३४ असण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा । लद्धी से तिसु वि गमएसु जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स । संवेहो जहा एत्थ चेव असण्णिपंचिंदियस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो ।
- ३५ जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति-किं संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो असंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति।
- ३६ जइ संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति-किं पज्जत्त-अपज्जत्तेहिंतो, पुच्छा? गोयमा ! पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति अपज्जत्त-संखेज्जवासाउय- सण्णिमणुस्सेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ३७ सण्णिमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइय काल ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिपलिओवमद्धिईएसु उववज्जेज्जा।
- ३८ ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा ! लद्धी से जहा एयस्सेव सण्णिमणुस्सस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स पढमगमए जाव भवादेसो त्ति। कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडि-पुहुत्तमब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ३९ सो चेव जहण्णकालद्धिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया । णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ; जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ४० सो चेव उक्कोसकालद्धिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमद्धिईएसु, उक्कोसेणं वि तिपलिओवमद्धिईएसु, सच्चेव वत्तव्वया, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं, उक्कोसेणं

पंच धणुसयाइं। ठिई जहण्णेणं मासपुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । एवं अणुबंधो वि । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४१ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, जहा सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भाणिया एस चेव एयस्स वि मज्झिमेसु तिसु गमएसु णिरवसेसा भाणियव्वा, णवरं- परिमाणं उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ।

४२ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ, सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुसयाइं, उक्कोसेण वि पंच धणुसयाइं । ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेण वि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसो त्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडी- पुहुत्तमब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४३ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४४ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं, उक्कोसेणं वि तिण्णि पलिओवमाइं, एस चेव लद्धी जहेव सत्तमगमे । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, उक्कोसेणं वि तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४५ जइ णं भंते ! देवेहिंतो उववज्जंति-किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जंति ।

४६ जइ णं भंते ! भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! असुरकुमार जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति ।

४७ असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा । असुरकुमाराणं लद्धी णवसु वि गमएसु जहा पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स । भवादेसेणं सव्वत्थ अट्ठ भवग्गहणाइं उक्कोसेणं, जहण्णेणं दोण्णि भव-ग्गहणाइं । ठिइं संवेहं च सव्वत्थ जाणेज्जा ।

४८ णागकुमारे णं भंते ! जे भविए, पुच्छा ? गोयमा ! एस चेव वत्तव्वया, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । एवं जाव थणियकुमारे ।

- ४९ जइ णं भंते ! वाणमंतरेहिंतो उववज्जेज्जा- किं पिसायेहिंतो, पुच्छा ? गोयमा! उववाओ तहेव।
जाव-
- ५० वाणमंतरे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, पुच्छा? गोयमा ! एवं चेव, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।
- ५१ जइ णं भंते ! जोइसिएहिंतो उववज्जेज्जा किं चंदविमाणेहिंतो, पुच्छा ? गोयमा! उववाओ तहेव जाव-
- ५२ जोइसिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, पुच्छा ? गोयमा ! एस चेव वत्तव्वया । जहा पुढविक्काइयउद्देसए, णवरं-भवग्गहणाइं णवसु वि गमएसु अट्ठ जाव कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं चउहिं य वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं णवसु वि गमएसु, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा।
- ५३ जइ णं भंते ! वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति- किं कप्पोवगवेमाणिय-देवेहिंतो उववज्जंति, कप्पाईयवेमाणिय-देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, णो कप्पाईयवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति । जइ णं भंते ! कप्पोवगदेवेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जंति, णो आणय जाव अच्चुयकप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ।
- ५४ सोहम्मदेवे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं ते! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ?
- गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणं पुव्वकोडी आउएसु, सेसं जहेव पुढविक्काइयउद्देसए णवसु वि गमएसु । णवरं-णवसु वि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं । ठिइं कालादेसं च जाणिज्जा। एवं ईसाणदेवे वि । एवं एएणं कमेणं अवसेसा वि जाव सहस्सारदेवेहिंतो उववाएयव्वा, णवरं- ओगाहणा जहा ओगाहणसंठाणे, लेस्सा-सणंकुमार-माहिंद-बंभलोएसु एगा पम्ह-लेस्सा, सेसाणं एगा सुक्कलेस्सा । वेए-णो इत्थिवेयगा, पुरिसवेयगा, णो णपुंसगवेयगा । आउ-अणुबंधा जहा ठिईपए, सेसं जहेव ईसाणगाणं; कायसंवेहं च जाणेज्जा ।॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ वीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

एगवीसइमो उद्देसो

- १ मणुस्सा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति जाव देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! णेरइएहिंतो वि उववज्जंति जाव देवेहिंतो वि उववज्जंति। एवं उववाओ जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए जाव तमापुढविणेरइएहिंतो वि उववज्जंति, णो अहेसत्तमपुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति ।

- २ रयणप्पभापुढविणेइए णं भंते! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए, से णं भंते! केवइय-कालठिईएसु उववज्जेज्जा ?
- गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु । अवसेसा वत्तव्वया जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जंतस्स तहेव, णवरं- परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति । जहा तहिं अंतोमुहुत्तेहिं तहा इहं मासपुहुत्तेहिं संवेहं करेज्जा । सेसं तं चेव ।
- जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया तहा सक्करप्पभाए वि, णवरं-जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु । ओगाहणा-लेस्सा-णाण-ट्ठिइ-अणुबंध-संवेह-णाणत्तं च जाणेज्जा जहेव तिरिक्खजोणियउद्देसए । एवं जाव तमापुढविणेइए ।
- ३ जइ णं भंते ! तिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति- किं एगिंदिय-तिरिक्ख-जोणिए- हिंतो उववज्जंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एगिंदिय-तिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति एवं जहा पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियउद्देसए, णवरं-तेउ-वाउ पडिसेहेयव्वा, सेसं तं चेव जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा ।
- ४ ते णं भंते ! जीवाएगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स पुढविक्काइयस्स वत्तव्वया सा चेव इह वि उववज्ज-माणस्स भाणियव्वा णवसु वि गमएसु, णवरं- तइय-छट्ठ-णवमेसु गमएसु परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति । जाहे अप्पणा जहण्ण-कालट्ठिईओ भवइ ताहे पढमगमए, अज्झवसाणा पसत्था वि अप्पसत्था वि, बिइयगमए अप्पसत्था, तइयगमए पसत्था भवंति, सेसं तं चेव णिरवसेसं ।
- ५ जइ णं भंते! आउक्काइए, पुच्छा ? गोयमा! एवं आउक्काइयाण वि । एवं वणस्सइ-काइयाण वि। एवं जाव चउरिंदियाण वि । असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-असण्णिमणुस्ससण्णिमणुस्सा य एए सव्वे वि जहा पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियउद्देसए तहेव भाणियव्वा, णवरं-एयाणि चेव परिमाण-अज्झवसाण-णाणत्ताणि जाणिज्जा पुढविकाइयस्स एत्थ चेव उद्देसए भणियाणि । सेसं तहेव णिरवसेसं ।
- ६ जइ णं भंते ! देवेहिंतो उववज्जंति- किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, जाव वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव वेमाणिय-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ७ जइ णं भंते ! भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति- किं असुरकुमारेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो वि उववज्जंति जाव थणियकुमारेहिंतो वि उववज्जंति ।
- ८ असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल- ठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तद्धिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा। एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव एत्थ वि भाणियव्वा । णवरं- जहा तहिं जहण्णगं अंतोमुहुत्तद्धिईएसु तहा इहं मासपुहुत्तद्धिईएसु । परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उवज्जंति । सेसं तं चेव । एवं जाव ईसाणदेवो त्ति । एयाणि चेव णाणत्ताणि ।

सणकुमारादीया जाव सहस्सारो त्ति जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए, णवरं- परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति । उववाओ जहण्णेणं वासपुहुत्तद्धिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु, उववज्जेज्जा । सेसं तं चेव । संवेहं वासपुहुत्तं पुव्वकोडीसु करेज्जा। सणकुमारे ठिई चउगुणिया अट्ठावीसं सागरोवमा भवंति, माहिंदे ताणि चेव साइरेगाणि, बंभलोए चत्तालीसं, लंतए छप्पण्णं, महासुक्के अट्ठसट्ठिं, सहस्सारे बावत्तरिं सागरोवमाइं। एसा उक्कोसा ठिई भणिया । जहण्णद्धिइं पि चउ गुणेज्जा ।

९ आणयदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं वासपुहुत्तद्धिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडी ठिईएसु उववज्जेज्जा।

१० ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?

गोयमा ! जहेव सहस्सारदेवाणं वत्तव्वया । णवरं-ओगाहणा-ठिई-अणुबंधो य जाणेज्जा, सेसं तं चेव । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं सत्तावण्णं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडिहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं णव वि गमा, णवरं-ठिइं, अणुबंधं, संवेहं च जाणेज्जा । पाणयदेवस्स ठिई तिगुणिया सट्ठिं सागरोवमाइं, आरणगस्स तेवट्ठिं सागरोवमाइं, अच्चुयदेवस्स छावट्ठिं सागरोवमाइं ।

११ जइ णं भंते ! कप्पाईयवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति- किं गेविजगकप्पाईयदेवेहिंतो उववज्जंति, अणुत्तरोववाइयकप्पाईयदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! गेविज्जगकप्पाईय- देवेहिंतो वि उववज्जंति, अणुत्तरोववाइयकप्पाईय-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

१२ जइ णं भंते ! गेविज्जगदेवेहिंतो उववज्जंति- किं हेट्ठिम-हेट्ठिम-गेविज्जगकप्पा-ईयदेवेहिंतो उववज्जंति जाव उवरिम-उवरिम-गेविज्जग-कप्पाईय-देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! हेट्ठिम-हेट्ठिम-गेविज्जग-कप्पाईय-देवेहिंतो वि उववज्जंति जाव उवरिम-उवरिम-गेविज्जग- कप्पाईय-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

१३ गेविज्जगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल ठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! जहण्णेणं वासपुहुत्तद्धिईएसु, उक्कोसेणं पुव्वकोडीठिईएसु । अवसेसं जहा आणयदेवस्स वत्तव्वया, णवरं-ओगाहणा एगे भवधारणिज्जे सरीरए, से जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं दो रयणीओ। संठाणं एगे भवधारणिज्जे सरीरे, से समचउरंससंठिए

पण्णत्ते । पंच समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए जाव तेयग-समुग्घाए, णो चेव णं वेउव्वियतेयगसमुग्घाएहिं समोहणिंसु वा, समोहणंति वा, समोहणिस्संति वा ।

ठिई अणुबंधो जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं एककतीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव । कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तेणउइं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं सेसेसु वि अड्ढगमएसु, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।

१४ जइ णं भंते ! अणुत्तरोववाइय-कप्पाइय-वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति-किं विजय-अणुत्तरोववाइय, जाव सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! विजय-अणुत्तरोववाइयदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-देवेहिंतो वि उववज्जंति ।

१५ विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकालठिईएसु उववज्जेज्जा ?

गोयमा ! जहेव गेविज्जगदेवाणं, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइ- भागं, उक्कोसेणं एगा रयणी । सम्मदिट्ठी, णो मिच्छदिट्ठी, णो सम्मामिच्छदिट्ठी । णाणी, णो अण्णाणी, णियमं तिण्णाणी, तं जहा-आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी । ठिई जहण्णेणं एककतीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव । भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं एककतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं सेसा वि अड्ढ गमगा भाणियव्वा । णवरं- ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं एवं चेव ।

१६ सव्वट्ठसिद्धगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए, पुच्छा ? गोयमा ! सा चेव विजयादिदेवत्तव्वया भाणियव्वा । णवरं- ठिई अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । एवं अणुबंधो वि । सेसं तं चेव । भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

१७ सो चेव जहण्णकालठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं वि तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्त-मब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ॥

१८ सो चेव उक्कोसकालठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, उक्कोसेणं वि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एए चेव तिण्णि गमगा, सेसा ण भण्णंति । सेवं भंते ! सेवं भंते !

॥ एगवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

बावीसइमो उद्देसो

- १ वाणमंतरा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा ! जहेव णागकुमारउद्देसए असण्णी तहेव णिरवसेसं ।
- २ जइ णं भंते ! सण्णिपंचिंदिय, पुच्छा ? गोयमा ! दोण्णि वि उववज्जंति ।
- ३ असंखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए वाणमंतरेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइय काल ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा! जहण्णेणं दसवास-सहस्सठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमठिईएसु । सेसं तं चेव जहा णागकुमारउद्देसए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ४ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहेव णागकुमाराणं बिइयगमे वत्तव्वया ।
- ५ सो चेव उक्कोसेणकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं वि पलिओवमट्ठिईएसु । एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ठिई से जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । संवेहो जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । मज्झिमगमगा तिण्णि वि जहेव णागकुमारेसु । पच्छिमेसु तिसु गमएसु तं चेव जहा णागकुमारुद्देसए, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । संखेज्जवासाउय सण्णिपंचिंदिय तिरिक्खजोणिए वि तहेव, णवरं-ठिई अणुबंधो संवेहं च उभओ ठिईए जाणेज्जा।
- ६ जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! असंखेज्जवासाउयाणं जहेव णागकुमाराणं उद्देसे तहेव वत्तव्वया। णवरं-तइयगमए ठिई जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, सेसं तहेव । संवेहो से जहा एत्थ चेव उद्देसए असंखेज्ज-वासाउय- सण्णिपंचिंदियाणं ।
- संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्से जहेव णागकुमारुद्देसए, णवरं-वाणमंतरे ठिइं संवेहं च जाणेज्जा।
॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बावीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

तेवीसइमो उद्देसो

- १ जोइसिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा ! भेदो जाव सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो असण्णि पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ।
- २ जइ णं भंते ! सण्णि किं संखेज्ज, असंखेज्जवासाउय, पुच्छा ? गोयमा! संखेज्ज-वासाउय, असंखेज्जवासाउय दोहि वि उववज्जेज्जा ।

- ३ असंखेज्ज-वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालठिईएसु उववज्जेज्जा ?
- गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु, उक्कोसेणं पलिओवमवाससहस्स-ट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसं जहा असुरकुमारुद्देसए, णवरं- ठिई जहण्णेणं अट्ठभाग-पलिओवमं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि । सेसं तहेव, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलिओवमाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससय-सहस्समब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।
- ४ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु । एस चेव वत्तव्वया, णवरं- कालादेसेणं जाणेज्जा।
- ५ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं-ठिई जहण्णेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि । कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं दोहिं वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससयसहस्समब्भहियाइं ।
- ६ सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ, जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवम-ट्ठिईएसु, उक्कोसेण वि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ।
- ७ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?
- गोयमा! एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं धणुपुहुत्तं, उक्कोसेणं साइरेगाइं अट्ठारसधणुसयाइं। ठिई जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेण वि अट्ठभाग-पलिओवमं । एवं अणुबंधोवि, सेसं तहेव। कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलि-ओवमाइं, उक्कोसेण वि दो अट्ठभागपलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । जहण्णकालट्ठिईयस्स एस चेव एक्को गमो।
- ८ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ, सा चेव ओहिया वत्तव्वया, णवरं- ठिई जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि, सेसं तं चेव । एवं पच्छिमा तिण्णि गमगा णेयव्वा, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। एए सत्त गमगा ।
- ९ जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा! संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव वि गमा भाणियव्वा, णवरं- जोइसिय ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ।
- १० जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! भेदो तहेव । जाव-
- ११ असंखेज्ज-वासाउय-सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइकालठिईएसु उववज्जेज्जा ?
- गोयमा ! जहा असंखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदियस्स जोइसिएसु चेव उववज्ज- माणस्स सत्त गमगा तहेव मणुस्साण वि, णवरं- ओगाहणाविसेसो। पढमेसु तिसु गमएसु ओगाहणा जहण्णेणं साइरेगाइं णव धणुसयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । मज्झिमगमए जहण्णेणं

साइरेगाइं णव धणुसयाइं, उक्कोसेणं वि साइरेगाइं णव धणुसयाइं। पच्छिमेसु तिसु गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि गाउयाइं । सेसं तहेव णिरवसेसं जाव संवेहो त्ति ।

१२ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव गमगा भाणियच्चा, णवरं-जोइसियठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव णिरवसेसं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तेवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

चउवीसइमं सतं

चउवीसइमो उद्देसो

१ सोहम्मगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति- किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा ! भेदो जहा जोइसियउद्देसए ।

२ असंखेज्ज-वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सोहम्मग- देवेसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! केवइयकाल ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमठिईएसु, उक्कोसेणं तिपलिओवमठिईएसु उववज्जेज्जा ।

३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अवसेसं जहा जोइसिएसु उववज्जमाणस्स, णवरं- सम्मदिट्ठी वि, मिच्छादिट्ठी वि, णो सम्मामिच्छादिट्ठी। णाणी वि, अण्णाणी वि, दो णाणा दो अण्णाणा णियमा । ठिई जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । एवं अणुबंधो वि । सेसं तहेव । कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

४ सो चेव जहण्णकालठिईएसु उववण्णो, एस चेव वत्तव्वया, णवरं-कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

५ सो चेव उक्कोसकालठिईएसु उववण्णो, जहण्णेणं तिपलिओवमठिईएसु, उक्कोसेण वि तिपलिओवमठिईएसु, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ठिई जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि पलिओवमाइं । सेसं तहेव । कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं, उक्कोसेण वि छप्पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

६ सो चेव अप्पणा जहण्णकालठिईओ जाओ, जहण्णेणं पलिओवमठिईएसु, उक्कोसेण वि पलिओवमठिईएसु, एस चेव वत्तव्वया, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं धणुपुहुत्तं, उक्कोसेणं दो गाउयाइं । ठिई जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेण वि पलिओवमं। सेसं तहेव । कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेण वि दो पलिओवमाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

७ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालठिईओ जाओ, आदिल्लगमगसरिसा तिण्णि गमगा णेयच्चा, णवरं- ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ।

- ८ जइ णं भंते ! संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय, पुच्छा ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयस्स जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव णव वि गमगा, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। जाहे य अप्पणा जहण्णकालद्धिइओ भवइ ताहे तिसु वि गमएसु सम्मदिद्धि वि, मिच्छादिद्धि वि णो सम्मामिच्छादिद्धि । दो णाणा दो अण्णाणा णियमं । सेसं तं चेव ।
- ९ जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा! भेदो जहेव जोइसिएसु उववज्जमाणस्स। जाव-
- १० असंखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जित्तए, पुच्छा? गोयमा ! एवं जहेव असंखेज्जवासाउयस्स सण्णिपंचिंदियतिरिक्ख- जोणियस्स सोहम्मे कप्पे उववज्जमाणस्स तहेव सत्त गमगा, णवरं-ओगाहणा आदिल्लएसु दोसु गमएसु जहण्णेणं गाउयं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । तइयगमे जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि गाउयाइं। चउत्थगमए जहण्णेणं गाउयं, उक्कोसेण वि गाउयं । पच्छिमएसु तिसु गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं, उक्कोसेण वि तिण्णि गाउयाइं। सेसं तहेव णिरवसेसं ।
- ११ जइ णं भंते! संखेज्ज वासाउय सण्णिमणुस्सेहिंतो, पुच्छा ? गोयमा ! एवं संखेज्ज- वासाउय सण्णि मणुस्साणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणानं तहेव नव गमगा भाणियव्वा, णवरं- सोहम्मदेवठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेसं तं चेव ।
- १२ ईसाणदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवसरिसा वत्तव्वया, णवरं-असंखेज्ज वासाउय-सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेसु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओवमठिइं तेसु ठाणेसु इह साइरेगं पलिओवमं कायव्वं। चउत्थगमे ओगाहणा जहण्णेणं धणुपुहुत्तं, उक्कोसेणं साइरेगाइं दो गाउयाइं, सेसं तहेव ।
- १३ असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्स वि तहेव ठिइं जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स असंखेज्जवासाउयस्स । ओगाहणा वि जेसु ठाणेसु गाउयं तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं गाउयं सेसं तहेव ।
- १४ संखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणानं तहेव णिरवसेसं णव वि गमगा । णवरं ईसाणठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।
- १५ सणंकुमारदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ जहा सक्कर- प्पभापुढवि- णेरइयाणं । जाव-
- १६ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सणंकुमार-देवेसु उववज्जित्तए, पुच्छा ? गोयमा ! अवसेसा परिमाणादीया भवादेसपज्जवसाणा सच्चेव वत्तव्वया भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स, णवरं- सणंकुमारद्धिइं संवेहं च जाणेज्जा। जाहे य अप्पणा जहण्णकालद्धिइओ भवइ ताहे तिसु वि गमएसु पंच लेस्साओ आदिल्लाओ कायव्वाओ, सेसं तं चेव ।
- १७ जइ णं भंते ! मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! मणुस्साणं जहेव सक्करप्पभाए उववज्जमाणानं तहेव णव वि गमा भाणियव्वा, णवरं- सणंकुमारद्धिइं संवेहं च जाणेज्जा।

१८ माहिंदगदेवा णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति ?

गोयमा ! जहा सणंकुमारगदेवाणं वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाण वि भाणियव्वा, णवरं-माहिंदगदेवाणं ठिई साइरेगा भाणियव्वा सच्चेव । एवं बंभलोगदेवाण वि वत्तव्वया, णवरं-बंभलोगद्विइं संवेहं च जाणेज्जा । एवं जाव सहस्सारो, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । लंतगादीणं जहण्णकालद्विईयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसु वि गमएसु छप्पि लेस्साओ कायव्वाओ । संघयणाइं बंभलोग-लंतएसु पंच आदिल्लगाणि, महासुक्क- सहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्खजोणियाण वि मणुस्साण वि । सेसं तं चेव ।

१९ आणयदेवा णं भंते! कओहंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा! उववाओ जहा सहस्सारदेवाणं, णवरं- तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव-

२० पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए आणयदेवेसु उववज्जित्तए पुच्छा? गोयमा ! मणुस्साण य वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणानं, णवरं-तिण्णि संघयणाणि, सेसं तहेव जाव अणुबंधो। भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं। कालादेसेणं जहण्णेणं अद्वारस सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं सत्तावण्णं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एवं सेसा वि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव। एवं जाव अच्चुयदेवा, णवरं- ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। चउसु वि संघयणा तिण्णि आणयादीसु।

२१ गेविज्जगदेवा णं भंते! कओहंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा! एस चेव वत्तव्वया, णवरं- दो संघयणा । ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ।

२२ विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवा णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति, पुच्छा ?

गोयमा ! एस चेव वत्तव्वया णिरवसेसा जाव अणुबंधो त्ति, णवरं- पढमं संघयणं। सेसं तहेव। भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं । कालादेसेणं जहण्णेणं एकक्कीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। एवं सेसा वि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। मणुसे लद्धी णवसु वि गमएसु जहा गेवेज्जेसु उववज्जमाणस्स, णवरं- पढमं संघयणं।

२३ सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते ! कओहंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! उववाओ जहेव विजयादीणं। जाव-

२४ से णं भंते ! केवइयकालद्विईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमद्विईएसु, उक्कोसेण वि तेत्तीसं सागरोवमद्विईएसु उववज्जंति, अवसेसा जहा विजयाईसु उववज्जंताणं, णवरं-भवादेसेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेणं वि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ।

२५ सो चेव अप्पणा जहण्णकालद्धिईओ जाओ, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ओगाहणा- ठिईओ रयणिपुहत्त-वासपुहत्ताणि । सेसं तहेव । संवेहं च जाणेज्जा ।

२६ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालद्धिईओ जाओ, एस चेव वत्तव्वया, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुसयाइं, उक्कोसेणं वि पंचधणुसयाइं । ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी, उक्कोसेण वि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसो त्ति । कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, उक्कोसेण वि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, एवइयं कालं सेवेज्जा, एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा । एए तिण्णि गमगा सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सत्तं

पढमो उद्देसो

१ लेस्सा य दव्व संठाण, जुम्म पज्जव नियंठ समणा य ।

ओहे भवियाभविए, सम्मा मिच्छे य उद्देसा ॥१॥

२ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- कण्हलेस्सा जहा पढमसए बिइए उद्देसए तहेव लेस्साविभागो। अप्पाबहुगं च जाव चउव्विहाणं देवाणं चउव्विहाणं देवीणं मीसगं अप्पाबहुगं ति।

३ कइविहा णं भंते ! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोदसविहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता, तं जहा-सुहुमअपज्जत्तगा, सुहुमपज्जत्तगा, बायर-अपज्जत्तगा, बायरपज्जत्तगा, बेइंदिया अपज्जत्तगा, बेइंदिया पज्जत्तगा, एवं तेइंदिया, एवं चउरिंदिया, असण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा, असण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा, सण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा, सण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा ।

४ एएसि णं भंते ! चोदसविहाणं संसारसमावण्णगाणं जीवाणं जहण्णुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवे सुहुमस्स एगिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए ।१। बायरस्स एगिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।२। बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।३। एवं तेइंदियस्स ।४। एवं चउरिंदियस्स ।५। असण्णिस्स पंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।६। सण्णिस्स पंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।७। सुहुमस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।८। बायरस्स एगिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।९। सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।१०। बायरस्स एगिंदियस्स

अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।११। सुहुमस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।१२। बायरस्स एगिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।१३। बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।१४। एवं तेइंदियस्स वि ।१५। एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ।१६,१७,१८॥ बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।१९। एवं तेइंदियस्स वि ।२०। एवं चउरिंदियस्स वि ।२१। एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२२,२३॥ बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२४। तेइंदियस्स वि पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२५। चउरिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२६। असण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२७। सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ।२८।

५ दो भंते ! णेरइया पढमसमयोववण्णगा किं समजोगी, विसमजोगी ? गोयमा ! सिय समजोगी, सिय विसमजोगी ।

से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-सिय समजोगी, सिय विसमजोगी? गोयमा! आहारयाओ वा से अणाहारए, अणाहारयाओ वा से आहारए सिय हीणे, सिय तुल्ले, सिय अब्भहिए । जइ हीणे-असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा । असंखेज्जगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा से तेणट्ठेणं जाव सिय विसमजोगी। एवं जाव वेमाणियाणं ।

६ कइविहे णं भंते! जोए पण्णत्ते? गोयमा! पण्णरसविहे जोए पण्णत्ते, तं जहा- सच्च-मणजोए, मोसमणजोए, सच्चामोस-मणजोए, असच्चामोस-मणजोए, सच्चवइजोए, मोस-वइजोए, सच्चामोसवइजोए, असच्चामोसवइजोए, ओरालियसरीरकायजोए, ओरालिय-मीसासरीर-कायजोए, वेउव्वियसरीरकायजोए, वेउव्वियमीसा-सरीरकायजोए, आहारगसरीरकायजोए, आहारगमीसासरीरकायजोए, कम्मासरीरकायजोए।

७ एयस्स णं भंते ! पण्णरसविहस्स जहण्णुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?

गोयमा! सव्वत्थोवे कम्मगसरीरगस्स जहण्णए जोए ॥१॥ ओरालियमीसगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥२॥ वेउव्वियमीसगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥३॥ ओरालियसरीरगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥४॥ वेउव्वियसरीरगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥५॥ कम्मगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥६॥ आहारगमीसस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥७॥ तस्स चेव उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥८॥ ओरालियमीसगस्स, वेउव्वियमीसगस्स य- एएसि णं उक्कोसए जोए दोण्ह वि तुल्ले असंखेज्जगुणे ॥९,१०॥ असच्चामोसमणजोगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥११॥ आहारगसरीरस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥१२॥ तिविहस्स मणजोगस्स, चउव्विहस्स वयजोगस्स- एएसि णं सत्तण्ह वि तुल्ले जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ॥१३-१९॥ आहारगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥२०॥ ओरालियसरीरस्स, वेउव्वियसरीरस्स चउव्विहस्स य मणजोगस्स, चउव्विहस्स य

वइजोगस्स-एएसि णं दसण्ह वि तुल्ले उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥२१-३०॥ ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

बीओ उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते! दव्वा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा दव्वा पण्णत्ता, तं जहा- जीवदव्वा य अजीवदव्वा य ।
- २ अजीवदव्वा णं भंते! कइविहा पण्णत्ता? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- रूविअजीवदव्वा य अरूविअजीवदव्वा य । एवं एएणं अभिलावेणं जहा अजीवपज्जवा जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ- ते णं णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ।
- ३ जीवदव्वा णं भंते ! किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ- जीवदव्वा णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा! असंखेज्जा णेरइया जाव असंखेज्जा वाउक्काइया, अणंता वणस्सइकाइया, असंखेज्जा बेइंदिया, एवं जाव वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अणंता ।
- ४ जीवदव्वा णं भंते ! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीवदव्वाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, णो अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जाव हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीवदव्वा णं अजीवदव्वे परियादियंति, परियादिइत्ता ओरालियं, वेउव्वियं, आहारगं, तेयगं, कम्मगं, सोइंदियं जाव फासिंदियं, मणजोगं वइजोगं, कायजोगं, आणापाणुत्तं च णिव्वत्तयंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छंति ।
- ५ णेरइयाणं भंते ! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अजीव दव्वाणं णेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति? गोयमा ! णेरइयाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, णो अजीवदव्वाणं णेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?
गोयमा ! णेरइया अजीवदव्वे परियादियंति, परियादिइत्ता वेउव्विय-तेयग-कम्मगं, सोइंदियं जाव फासिंदियं मणजोगं, वइजोगं, कायजोगं, आणापाणुत्तं च णिव्वत्तयंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-णेरइयाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, णो अजीव-दव्वाणं णेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति । एवं जाव वेमाणिया, णवरं-सरीरइंदियजोगा भाणियव्वा जस्स जे अत्थि ।
- ६ से णूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंताइं दव्वाइं आगासे भइयव्वाइं? हंता गोयमा! असंखेज्जे लोए अणंताइं दव्वाइं आगासे भइयव्वाइं ।

- ७ लोगस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे कइ दिसिं पोग्गला चिज्जंति? गोयमा! णिव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउदिसिं, सिय पंचदिसिं ।
- ८ लोगस्स णं भंते ! एगम्मि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला छिज्जंति? गोयमा! एवं चेव, एवं उवचिज्जंति, एवं अवचिज्जंति ?
- ९ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ, अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! ठियाइं पि गेण्हइ, अठियाइं पि गेण्हइ ।
- १० ताइं भंते ! किं दव्वओ गेण्हइ, खेत्तओ गेण्हइ, कालओ गेण्हइ, भावओ गेण्हइ ? गोयमा ! दव्वओ वि गेण्हइ, खेत्तओ वि गेण्हइ, कालओ वि गेण्हइ, भावओ वि गेण्हइ। ताइ दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं, खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं-एवं जहा पण्णवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउदिसिं, सिय पंचदिसिं ।
- ११ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं वेउव्वियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ, अठियाइं गेण्हइ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं- णियमं छद्दिसिं, एवं आहारग सरीरत्ताए वि।
- १२ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं तेयगसरीरत्ताए गेण्हइ, पुच्छा ? गोयमा ! ठियाइं गेण्हइ, णो अठियाइं गेण्हइ, सेसं जहा ओरालियसरीरस्स। कम्मगसरीरे एवं चेव । एवं जाव भावओ वि गिण्हइ ।
- १३ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं दव्वओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गेण्हइ, दुपएसियाइं गेण्हइ? गोयमा ! जहा भासापए जाव आणुपुत्विं गेण्हइ, णो अणाणुपुत्विं गेण्हइ ।
- १४ ताइं भंते ! कइदिसिं गेण्हइ ? गोयमा ! एवं जाव णिव्वाघाएणं जहा ओरालियस्स।
- १५ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए गेण्हइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहा वेउव्वियसरीरं। एवं जाव जिब्भिंदियत्ताए । फासिंदियत्ताए जहा ओरालियसरीरं । मणजोगत्ताए जहा कम्मगसरीरं, णवरं- णियमं छद्दिसिं, एवं वइजोगत्ताए वि । कायजोगत्ताए जहा ओरालिय-सरीरस्स ।
- १६ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं आणापाणुत्ताए गेण्हइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव ओरालियसरीरत्ताए जाव सिय पंचदिसिं । केइ चउवीसदंडएणं एयाणि पयाणि भण्णंति-जस्स जं अत्थि । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

तइओ उद्देसो

- १ कइ णं भंते ! संठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! छ संठाणा पण्णत्ता, तं जहा- परिमंडले, वट्टे, तंसे, चउरंसे, आयते, अणित्थंथे ।

- २ परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ।
- ३ वट्ठा णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव अणित्थंथा । एवं पएसड्ठयाए वि । एवं दव्वट्ठपएसड्ठयाए वि ।
- ४ एएसि णं भंते ! परिमंडल-वट्ठ-तंस-चउरंस-आयत-अणित्थंथाणं संठाणाणं दव्वट्ठयाए पएसड्ठयाए दव्वट्ठपएसड्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
- गोयमा ! सव्वत्थोवा परिमंडलसंठाणा दव्वट्ठयाए, वट्ठा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, चउरंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, तंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, आयतासंठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ।
- पएसड्ठयाए-सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा पएसड्ठयाए, वट्ठा संठाणा पएसड्ठयाए संखेज्जगुणा, एवं जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसड्ठयाए वि जाव अणित्थंथा संठाणा पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणा ।
- दव्वट्ठ पएसड्ठयाए-सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए, एवं सो चेव दव्वट्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणित्थंथेहिंतो संठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए परिमंडला संठाणा पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणा, वट्ठासंठाणा पएसड्ठयाए संखेज्जगुणा, एवं सो चेव पएसड्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणा ।
- ५ कइ णं भंते ! संठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा पण्णत्ता, तं जहा- परिमंडले जाव आयये ।
- ६ परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ।
- ७ वट्ठा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव आयया ।
- ८ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ।
- ९ वट्ठा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव आयया ।
- १० सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए परिमंडला संठाणा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव आयया । एवं जाव अहेसत्तमाए ।
- ११ सोहम्मं णं भंते ! कप्पे परिमंडला संठाणा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव अच्चुए ।
- १२ गेवेज्जविमाणाणं णं भंते ! परिमंडलसंठाणा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं अणुत्तरविमाणेसु वि । एवं ईसिपब्भाराए वि ।

- १३ जत्थ णं भंते ! एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता ।
- १४ वट्ठा णं भंते! संठाणा किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जाव आयया ।
- १५ जत्थ णं भंते! एगे वट्ठे संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव। वट्ठा संठाणा एवं चेव । एवं जाव आयया । एवं एक्केक्केणं संठाणेणं पंच वि चारेयव्वा जाव आयतेणं।
- १६ जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडला संठाणा, किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता। वट्ठा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जाव आयया।
- १७ जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे वट्ठे संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता। वट्ठा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया । एवं पुणरवि एक्केक्केणं संठाणेणं पंच वि चारेयव्वा जहेव हेट्ठिल्ला जाव आयएणं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं कप्पेसु वि जाव ईसीपब्भाराए पुढवीए ।
- १८ वट्ठे णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे पण्णत्ते ?
- गोयमा ! वट्ठे संठाणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- घणवट्ठे य, पयरवट्ठे य । तत्थ णं जे से पयरवट्ठे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य, जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पंचपएसिए पंचपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए, असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।
- तत्थ णं जे से घणवट्ठे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य, जुम्मपएसिए य। तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तपएसिए सत्तपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत-पएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बत्तीसपएसिए बत्तीस-पएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।
- १९ तंसे णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे पण्णत्ते ?
- गोयमा ! तंसे णं संठाणे दुविहे पण्णत्ते । तं जहा- घणतंसे य पयरतंसे य । तत्थ णं जे से पयरतंसे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य, जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।
- तत्थ णं जे से घणतंसे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य, जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पणतीसपएसिए पणतीसपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं चउप्पएसिएचउप्पएसोगाढे पण्णत्ते, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

२०

चउरंसे णं भंते ! संठाणे कइपएसिए, कइपएसोगाढे पण्णत्ते ?

गोयमा ! चउरंसे संठाणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- घणचउरंसे य, पयरचउरंसे य। तत्थं जे से पयरचउरंसे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं णवपएसिए णवपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंत-पएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं चउपएसिए चउ-पएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

तत्थ णं जे से घणचउरंसे से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तावीसइ पएसिए सत्तावीसइ पएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए अखंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं अट्ठपएसिए अट्ठपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

२१

आयए णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे पण्णत्ते ?

गोयमा! आयए णं संठाणे तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- सेढीआयए, पयरायए, घणायए। तत्थ णं जे से सेढीआयए से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य। तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं दुपएसिए दुपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंत- पएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

तत्थ णं जे से पयरायए से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पण्णरसपएसिए पण्णरसपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

तत्थ णं जे से घणायए से दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य । तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पणयालीसपएसिए पणयालीसपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे । तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

२२

परिमंडले णं भंते ! संठाणे कइपएसिए, कइपएसोगाढे पण्णत्ते ? गोयमा ! परिमंडले णं संठाणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- घणपरिमंडले य पयरपरिमंडले य । तत्थ णं जे से पयर-परिमंडले से जहण्णेणं वीसइपएसिए वीसइपएसोगाढे, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्ज-पएसोगाढे । तत्थ णं जे से घणपरिमंडले से जहण्णेणं चत्तालीसइपएसिए चत्तालीसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे ।

२३

परिमंडले णं भंते! संठाणे दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे, तेयोए, दावरजुम्मे, कलियोए ? गोयमा ! णो कडजुम्मे, णो तेयोए, णो दावरजुम्मे, कलियोए । वट्ठे णं भंते! संठाणे दव्वट्ठयाए, पुच्छा? गोयमा ! एवं चेव जाव आयए ।

- २४ परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा, सिय तेयोगा, सिय दावरजुम्मा, सिय कलियोगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेयोगा, णो दावरजुम्मा, कलियोगा । एवं जाव आयया ।
- २५ परिमंडले णं भंते ! संठाणे पएसद्वयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे, सिय तेयोगे, सिय दावरजुम्मे, सिय कलियोए । एवं जाव आयए ।
- २६ परिमंडला णं भंते ! संठाणा पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलियोगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मा वि, तेयोगा वि, दावरजुम्मा वि, कलियोगा वि । एवं जाव आयया ।
- २७ परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मपएसोगाढे जाव कलियोगपएसोगाढे ? गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे, णो तेयोगपएसोगाढे, णो दावरजुम्मपएसोगाढे, णो कलियोग-पएसोगाढे ।
- २८ वट्टे णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मेपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्म-पएसोगाढे, सिय तेयोगपएसोगाढे, णो दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलियोगपएसोगाढे ।
- २९ तंसे णं भंते ! संठाणे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे, सिय तेयोग- पएसोगाढे, सिय दावरजुम्मपएसोगाढे, णो कलियोगपएसोगाढे ।
- ३० चउरंसे णं भंते ! संठाणे, पुच्छा ? गोयमा ! जहा वट्टे तहा चउरंसे वि ।
- ३१ आयए णं भंते ! संठाणे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलियोगपएसोगाढे ।
- ३२ परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं वि विहाणादेसेणं वि कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेयोगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसो-गाढा, णो कलियोगपएसोगाढा ।
- ३३ वट्टा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेयोगपएसोगाढा, णो दावरजुम्म-पएसोगाढा, णो कलियोगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि, तेयोगपएसोगाढा वि, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, कलियोगपएसोगाढा वि ।
- ३४ तंसा णं भंते ! संठाणा कि कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेयोगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, णो कलियोगपएसो-गाढा । विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि, तेयोगपएसोगाढा वि, दावरजुम्मपएसो-गाढा वि, णो कलियोगपएसोगाढा । चउरंसा जहा वट्टा ।
- ३५ आयया णं भंते ! संठाणा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेयोगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, णो कलियोगपएसोगाढा; विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि जाव कलियोगपएसोगाढा वि ।
- ३६ परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मसमयठिईए, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयठिईए जाव सिय कलियोगसमयठिईए । एवं जाव आयए ।

- ३७ परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मसमयठिईया, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयठिईया जाव सिय कलियोगसमयठिईया । विहाणादेसेणं कडजुम्मसमय- ठिईया वि जाव कलियोगसमयठिईया वि । एवं जाव आयया।
- ३८ परिमंडले णं भंते ! संठाणे कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलियोगे ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे, एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ठिईए। एवं णीलवण्णपज्जवेहिं। एवं पंचहिं वण्णेहिं, दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं।
- ३९ सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ ? गोयमा! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, अणंताओ ।
- ४० पाईणपडीणाययाओ णं भंते! सेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव । एवं दाहिणुत्तराययाओ वि, एवं उड्ढमहाययाओ वि ।
- ४१ लोगागाससेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, णो अणंताओ ।
- ४२ पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! लोगागाससेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं दाहिणुत्तराययाओ वि, एवं उड्ढमहाययाओ वि ।
- ४३ अलोगागाससेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, अणंताओ । एवं पाईणपडीणाययाओ वि । एवं दाहिणुत्तराययाओ वि । एवं उड्ढमहाययाओ वि ।
- ४४ सेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ, पुच्छा ? गोयमा ! जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाए वि जाव उड्ढमहाययाओ वि; सव्वाओ अणंताओ।
- ४५ लोगागासेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ, पुच्छा । गोयमा ! सिय संखेज्जाओ, सिय असंखेज्जाओ, णो अणंताओ । एवं पाईणपडीणाययाओ वि । दाहिणुत्तराययाओ वि एवं चेव । उड्ढमहाययाओ णो संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, णो अणंताओ ।
- ४६ अलोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए, पुच्छा ? गोयमा ! सिय संखेज्जाओ, सिय असंखेज्जाओ, सिय अणंताओ ।
- ४७ पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! अलोगागाससेढीओ पएसट्ठयाए, पुच्छा ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, अणंताओ । एवं दाहिणुत्तराययाओ वि ।
- ४८ उड्ढमहाययाओ णं भंते ! अलोगागाससेढीओ, पुच्छा ? गोयमा ! सिय संखेज्जाओ, सिय असंखेज्जाओ, सिय अणंताओ ।
- ४९ सेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ, साइयाओ अपज्जवसियाओ, अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ?
- गोयमा ! णो साइयाओ सपज्जवसियाओ, णो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ । एवं जाव उड्ढमहाययाओ।

- ५० लोगागाससेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ, पुच्छा ? गोयमा ! साइयाओ सपज्जवसियाओ, णो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ अपज्जवसियाओ । एवं जाव उड्ढमहाययाओ ।
- ५१ अलोगागाससेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ, पुच्छा ? गोयमा! सिय साइयाओ सपज्जवसियाओ, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ, सिय अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, सिय अणाइयाओ अपज्जवसियाओ। पाईणपडीणाययाओ दाहिणुत्तराययाओ य एवं चेव, णवरं-णो साइयाओ सपज्जवसियाओ, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ, सेसं तं चेव । उड्ढमहाययाओ जहा ओहियाओ तहेव चउभंगो ।
- ५२ सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्माओ, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्माओ, णो तेओगाओ, णो दावरजुम्माओ, णो कलिओगाओ । एवं जाव उड्ढमहाययाओ । लोगागास-सेढीओ एवं चेव। एवं अलोगागाससेढीओ वि ।
- ५३ सेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्माओ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव उड्ढमहाययाओ ।
- ५४ लोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्माओ, णो तेओयाओ, सिय दावरजुम्माओ, णो कलिओगाओ । एवं पाईणपडीणाययाओ वि, दाहिणुत्तराययाओ वि ।
- ५५ उड्ढमहाययाओ णं भंते ! सेढीओ पएसट्ठयाए, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्माओ, णो तेओयाओ, णो दावरजुम्माओ, णो कलिओगाओ ।
- ५६ अलोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ । एवं पाईणपडीणाययाओ वि । एवं दाहिणुत्तराययाओ वि । उड्ढमहाययाओ वि एवं चेव। णवरं णो कलिओगाओ। सेसं तं चेव ।
- ५७ कइ णं भंते! सेढीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा! सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- उज्जआयया, एगओवंका, दुहओवंका, एगओखहा, दुहओखहा, चक्कवाला, अद्धचक्कवाला ।
- ५८ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ, विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा ! अणुसेढिं गई पवत्तइ, णो विसेढिं गई पवत्तइ ।
- ५९ दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं अणुसेढिं गई पवत्तइ, विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं ।
- ६० णेरइयाणं भंते! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ, विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा! एवं चेव। एवं जाव वेमाणियाणं ।
- ६१ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता । एवं जहा पढमसए पंचमुद्देसए जाव अणुत्तर-विमाण त्ति ।
- ६२ कइविहे णं भंते ! गणिपिडए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुवालसंगे गणिपिडए पण्णत्ते, तं जहा-आयारो जाव दिट्ठिवाओ ।

- ६३ से किं तं आयारो ? आयारे णं समणाणं णिग्गंथाणं आयार-गोयर-वेणइय-सिक्खा-भासा-अभासा-चरण-करण-जाया-माया-वित्तीओ आघविज्जंति; एवं अंगपरूवणा णिरवसेसं भाणियच्चा जहा णंदीए ।
- ६४ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं जाव देवाणं, सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! अप्पाबहुयं जहा बहुवत्तव्वयाए, अट्ठगइसमास- अप्पाबहुगं च ।
- ६५ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं, एगिंदियाणं जाव अणिंदियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहियं पयं भाणियच्चं, सकाइयअप्पाबहुगं तहेव ओहियं भाणियच्चं ।
- ६६ एएसि णं भंते ! जीवाणं, पोग्गलाणं जाव सव्वपज्जवाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! जहा बहुवत्तव्वयाए ।
- ६७ एएसि णं भंते! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अबंधगाणं, पुच्छा ? गोयमा! जहा बहुवत्तव्वयाए जाव आउयस्स कम्मस्स अबंधगा विसेसाहिया ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

चउत्थो उद्देसो

- १ कइ णं भंते ! जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पण्णत्ता, तं जहा- कडजुम्मे जाव कलिओगे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! एवं जहा अट्ठारसमसए चउत्थे उद्देसए तहेव जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।
- २ णेरइयाणं भंते ! कइ जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पण्णत्ता, तं जहा- कडजुम्मे जाव कलिओगे । से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! अट्ठो तहेव । एवं जाव वाउकाइयाणं ।
- ३ वणस्सइकाइयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! वणस्सइकाइया सिय कडजुम्मा, सिय तेओगा, सिय दावरजुम्मा, सिय कलिओगा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-वणस्सइकाइया जाव कलिओगा? गोयमा! उववायं पडुच्च। से तेणट्ठेणं तं चेव । बेइंदियाणं जहा णेरइयाणं। एवं जाव वेमाणियाणं, सिद्धाणं जहा वणस्सइकाइयाणं ।
- ४ कइविहा णं भंते ! सव्वदव्वा पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहा सव्वदव्वा पण्णत्ता, तं जहा- धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव अट्ठासमए ।
- ५ धम्मत्थिकाए णं भंते ! दव्वइयाए किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! णो कडजुम्मे, णो तेयोए, णो दावरजुम्मे, कलिओगे । एवं अहम्मत्थिकाए वि, एवं आगासत्थिकाए वि ।

- ६ जीवत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्मे, णो तेओए, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे।
- ७ पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे। अद्दासमए जहा जीवत्थिकाए ।
- ८ धम्मत्थिकाए णं भंते ! पएसड्डयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्मे, णो तेओए, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे । एवं जाव अद्दासमए ।
- ९ एएसि णं भंते! धम्मत्थिकाय अधम्मत्थिकाय जाव अद्दासमयाणं दव्वड्डयाए, पुच्छा? गोयमा ! एएसि णं अप्पाबहुगं जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव णिरवसेसं ।
- १० धम्मत्थिकाए णं भंते ! किं ओगाढे, अणोगाढे ? गोयमा ! ओगाढे, णो अणोगाढ ।
- ११ जइ भंते ! ओगाढे- किं संखेज्जपएसोगाढे, असंखेज्जपएसोगाढे, अणंतपए-सोगाढे ? गोयमा ! णो संखेज्जपएसोगाढे, असंखेज्जपएसोगाढे, णो अणंतपएसोगाढे ।
- १२ जइ भंते! असंखेज्जपएसोगाढे-किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा? गोयमा ! कडजुम्म-पएसोगाढे, णो तेओगपएसोगाढे, णो दावरजुम्मपएसोगाढे, णो कलिओगपएसोगाढे । एवं अधम्मत्थिकाए वि । एवं आगासत्थिकाए वि । जीवत्थिकाए, पुग्गलत्थिकाए, अद्दा-समए एवं चेव ।
- १३ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं ओगाढा, अणोगाढा ? गोयमा ! जहेव धम्मत्थिकाए । एवं जाव अहेसत्तमा । सोहम्मे एवं चेव । एवं जाव ईसिपब्भारा पुढवी ।
- १४ जीवे णं भंते ! दव्वड्डयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! णो कडजुम्मे, णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, कलिओगे । एवं णेरइए वि, एवं जाव सिद्धे ।
- १५ जीवा णं भंते ! दव्वड्डयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, णो कलिओगा । विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, कलिओगा।
- १६ णेरइया णं भंते ! दव्वड्डयाए, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा। विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, कलिओगा। एवं जाव सिद्धा ।
- १७ जीवे णं भंते ! पएसड्डयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च कडजुम्मे, णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे । सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे। एवं जाव वेमाणिए ।
- १८ सिद्धे णं भंते! पएसड्डयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्मे; णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे ।
- १९ जीवा णं भंते ! पएसड्डयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा । गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेण वि विहाणादेसेण वि कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, णो कलिओगा। सरीरपएसे पडुच्च

ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मा वि जाव कलिओगा वि । एवं णेरइया वि । एवं जाव वेमाणिया ।

- २० सिद्धा णं भंते! पएसइयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा! ओघादेसेणं वि विहाणादेसेण वि कडजुमा; णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, णो कलिओगा ।
- २१ जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मपए- सोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । एवं जाव सिद्धे ।
- २२ जीवा णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा, णो दावरपएसोगाढा, णो कलिओगपएसोगाढा । विहाणा-देसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि जाव कलिओग पएसोगाढा वि ।
- २३ णेरइयाणं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि जाव कलिओगपएसोगाढा वि । एवं एगिंदियसिद्धवज्जा सव्वे वि । सिद्ध-एगिंदिया य जहा जीवा ।
- २४ जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए, पुच्छा? गोयमा ! कडजुम्मसमयट्ठिईए, णो तेओगसमयट्ठिईया, णो दावरसमयट्ठिईया, णो कलिओगसमयट्ठिईए ।
- २५ णेरइए णं भंते ! पुच्छा? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओग-समयट्ठिईए। एवं जाव वेमाणिए । सिद्धे जहा जीवे ।
- २६ जीवा णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! ओघादेसेण वि विहाणादेसेण वि कडजुम्मसमयट्ठिईया, णो तेओगसमयट्ठिईया, णो दावरसमयट्ठिईया, णो कलिओगसमयट्ठिईया।
- २७ णेरइयाणं भंते ! पुच्छा? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया वि । विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईया वि जाव कलिओग-समयट्ठिईया वि । एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा जहा जीवा ।
- २८ जीवे णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च णो कडजुम्मे जाव णो कलिओगे । सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे । एवं जाव वेमाणिए । सिद्धो चेव ण पुच्छिज्जइ ।
- २९ जीवा णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेण वि विहाणादेसेण वि णो कडजुम्मा जाव णो कलिओगा । सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मा वि जाव कलिओगा वि । एवं जाव वेमाणिया । एवं णीलवण्णपज्जवेहिं दंडओ भाणियव्वो एगत्तपुहत्तेणं । एवं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ।
- ३० जीवे णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे । एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए ।

- ३१ जीवा णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । विहाणादेसेण कडजुम्मा वि जाव कलिओगा वि । एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया । एवं सुयणाणपज्जवेहिं वि । ओहिणाणपज्जवेहिं वि एवं चेव । णवरं विगलिंदियाणं णत्थि ओहिणाणं । मणपज्जवणाणं एवं चेव, णवरं जीवाणं मणुस्साण य, सेसाणं णत्थि ।
- ३२ जीवे णं भंते ! केवलणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्मे, णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे । एवं मणुस्से वि । एवं सिद्धे वि ।
- ३३ जीवा णं भंते ! केवलणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेण वि विहाणादेसेण वि कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, णो कलिओगा । एवं मणुस्सा वि । एवं सिद्धा वि ।
- ३४ जीवे णं भंते ! मइअण्णाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! जहा आभिणि-बोहियणाणपज्जवेहिं तहेव दो दंडगा । एवं सुयअण्णाणपज्जवेहिं वि, एवं विभंगणाण-पज्जवेहिं वि । चक्खुदंसण-अचक्खुदंसण-ओहिदंसण-पज्जवेहिं वि एवं चेव, णवरं-जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं । केवलदंसणपज्जवेहिं जहा केवलणाणपज्जवेहिं ।
- ३५ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तं जहा-ओरालिए जाव कम्मए । एत्थ सरीरपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जहा पण्णवणाए ।
- ३६ जीवा णं भंते ! किं सेया, णिरेया ? गोयमा ! जीवा सेया वि, णिरेया वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जीवा सेया वि णिरेया वि ? गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य । तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा । सिद्धा णं दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-अणंतरसिद्धा य परंपरसिद्धा य । तत्थ णं जे ते परंपरसिद्धा ते णं णिरेया, तत्थ णं जे ते अणंतरसिद्धा ते णं सेया ।
- ते णं भंते ! किं देसेया, सव्वेया ? गोयमा ! णो देसेया, सव्वेया ।
- ३७ तत्थ णं जे ते संसार-समावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-सेलेसिपडिवण्णगा य, असेलेसिपडिवण्णगा य । तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं णिरेया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते णं सेया ।
- ते णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसेया वि, सव्वेया वि । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जीवा सेया वि णिरेया वि ।
- ३८ णेरइया णं भंते ! किं देसेया, सव्वेया ? गोयमा ! देसेया वि सव्वेया वि । से केणट्ठेणं भंते ! देसेया वि, सव्वेया वि ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा-विग्गहगइ-समावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य । तत्थ णं जे ते विग्गहगइसमावण्णगा ते णं सव्वेया, तत्थ णं जे ते अविग्गहगइसमावण्णगा ते णं देसेया । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव सव्वेया वि । एवं जाव वेमाणिया ।

- ३९ परमाणुपोग्गला णं भंते! किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता । एवं जाव अणंतपएसिया खंधा।
- ४० एगपएसोगाढा णं भंते ! पोग्गला किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढा ।
- ४१ एगसमयठिईया णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा, पुच्छा? गोयमा! एवं चेव । एवं जाव असंखेज्जसमयठिईया ।
- ४२ एगगुणकालगा णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव । एवं जाव अणंतगुणकालगा । एवं अवसेसा वि वण्ण-गंध-रस-फासा णेयव्वा जाव अणंत-गुणलुक्ख त्ति।
- ४३ एसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं, दुपएसियाण य खंधाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो बहुया? गोयमा ! दुपएसिएहिंतो खंधेहिंतो परमाणुपोग्गला दव्वड्डयाए बहुगा।
- ४४ एसि णं भंते ! दुपएसियाणं तिप्पएसियाण य खंधाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो बहुया ? गोयमा! तिपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दुपएसिया खंधा दव्वड्डयाए बहुया । एवं एएणं गमएणं जाव दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो णवपएसिया खंधा दव्वड्डयाए बहुया ।
- ४५ एसि णं भंते ! दसपएसियाणं, पुच्छा ? गोयमा ! दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए बहुया।
- ४६ एसि णं भंते! संखेज्जपएसियाणं, पुच्छा ? गोयमा ! संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए बहुया ।
- ४७ एसि णं भंते! असंखेज्जपएसियाणं, पुच्छा? गोयमा ! अणंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए बहुया ।
- ४८ एसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं पएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो बहुया ? गोयमा ! परमाणुपोग्गलेहिंतो दुपएसिया खंधा पएसड्डयाए बहुया। एवं एएणं गमएणं जाव णवपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दसपएसिया खंधा पएसड्डयाए बहुया, एवं सव्वत्थ पुच्छियव्वं । दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा पएसड्डयाए बहुया । संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसड्डयाए बहुया ।
- ४९ एसि णं भंते! असंखेज्जपएसियाणं, पुच्छा ? गोयमा ! अणंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसड्डयाए बहुया।
- ५० एसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
- गोयमा ! दुपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वड्डयाए विसेसाहिया। एवं एएणं गमएणं तिपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला दव्वड्डयाए विसेसाहिया जाव दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो णवपएसोगाढा पोग्गला दव्वड्डयाए विसेसाहिया । दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वड्डयाए बहुया,

संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वड्डयाए बहुया। पुच्छा सव्वत्थ भाणियच्चा ।

५१ एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं पएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला पएसड्डयाए विसेसाहिया, एवं जाव णवपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसपएसोगाढा पोग्गला पएसड्डयाए विसेसाहिया, दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्ज-पएसोगाढा पोग्गला पएसड्डयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्ज-पएसोगाढा पोग्गला पएसड्डयाए बहुया ।

५२ एएसि णं भंते ! एगसमयद्विईयाणं, दुसमयद्विईयाण य पोग्गलाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया ? गोयमा ! जहा ओगाहणाए वत्तव्वया एवं ठिईए वि ।

५३ एएसि णं भंते ! एगगुणकालयाणं दुगुणकालयाण य पोग्गलाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया? गोयमा! एएसि जहा परमाणुपोग्गलाईणं तहेव वत्तव्वया णिरवसेसा। एवं सव्वेसिं वण्ण- गंध-रसाणं ।

५४ एएसि णं भंते ! एगगुणककखडाणं दुगुणककखडाण य पोग्गलाणं दव्वड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! एगगुणककखडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुगुणककखडा पोग्गला दव्वड्डयाए विसेसाहिया । एवं जाव णवगुणककखडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसगुणककखडा पोग्गला दव्वड्डयाए विसेसाहिया । दसगुणककखडेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जगुणककखडा पोग्गला दव्वड्डयाए बहुया । संखेज्जगुणककखडेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जगुणककखडा पोग्गला दव्वड्डयाए बहुया । असंखेज्जगुणककखडेहिंतो पोग्गलेहिंतो अणंतगुणककखडा पोग्गला दव्वड्डयाए बहुया । एवं पएसड्डयाए । सव्वत्थ पुच्छा भाणियच्चा । जहा ककखडा एवं मउय-गरुय-लहुया वि । सीय-उसिण-णिद्ध-लुक्खा जहा वण्णा ।

५५ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं, संखेज्जपएसियाणं, असंखेज्जपएसियाणं, अणंतपएसियाण य खंधाणं दव्वड्डयाए, पएसड्डयाए, दव्वड्डपएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वड्डयाए, परमाणुपोग्गला दव्वड्डयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा । पएसड्डयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसड्डयाएपरमाणु- पोग्गला अपएसड्डयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा पएसड्डयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्ज-पएसिया खंधा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, दव्वड्डपएसड्डयाए- सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वड्डयाएते चेव पएसड्डयाए अणंतगुणा, परमाणुपोग्गला दव्वड्डपएसड्डयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए संखेज्जगुणा, ते चेव पएसड्डयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा ।

५६ एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं, संखेज्जपएसोगाढाणं, असंखेज्जपएसोगाढाणं य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए, पएसट्ठयाए, दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा। पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला अपएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्ज-पएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्ज- पएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ।

५७ एएसि णं भंते ! एगसमयट्ठिईयाणं, संखेज्जसमयट्ठिईयाणं, असंखेज्जसमयट्ठिईयाणं य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए जाव कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! जहा ओगाहणाए तहा ठिईए वि भाणियव्वं अप्पाबहुगं ।

५८ एएसि णं भंते ! एगगुणकालगाणं, संखेज्जगुणकालगाणं, असंखेज्जगुणकालगाणं, अणंतगुणकालगाणं य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए, पएसट्ठयाए, दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एएसिं जहा परमाणुपोग्गलाणं अप्पाबहुगं तहा एएसिं पि अप्पाबहुगं, एवं सेसाण वि वण्ण-गंध-रसाणं ।

५९ एएसिं णं भंते ! एगगुणकक्खडाणं, संखेज्जगुणकक्खडाणं, असंखेज्जगुणकक्खडाणं, अणंतगुणकक्खडाणं य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए, पएसट्ठयाए, दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । पएसट्ठयाए एवं चेव, णवरं-संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। सेसं तं चेव । दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठ-अपएसट्ठयाए । संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा । असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा । एवं मउय-गरुय-लहुयाण वि अप्पाबहुयं। सीय-उसिण-णिद्ध-लुक्खाणं जहा वण्णाणं तहेव ।

६० परमाणुपोग्गले णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे, तेओए, दावरजुम्मे, कलिओगे? गोयमा ! णो कडजुम्मे, णो तेओए, णो दावरजुम्मे, कलिओगे । एवं जाव अणंतपएसिए खंधे ।

६१ परमाणुपोग्गला णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, कलिओगा । एवं जाव अणंतपएसिया खंधा ।

- ६२ परमाणुपोग्गले णं भंते ! पएसद्वयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा! णो कडजुम्मे, णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, कलिओगे ।
- ६३ दुपएसिए णं भंते! खंधे पएसद्वयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा! णो कडजुम्मे, णो तेओगे, दावरजुम्मे, णो कलिओगे ।
- ४ तिपएसिए णं भंते! खंधे पएसद्वयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा! णो कडजुम्मे, तेओए, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे ।
- ६५ चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे पएसद्वयाए किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा ! कडजुम्मे, णो तेओगे, णो दावरजुम्मे, णो कलिओगे । पंचपएसिए जहा परमाणुपोग्गले। छप्पएसिए जहा दुप्पएसिए । सत्तपएसिए जहा तिपएसिए । अद्वपएसिए जहा चउप्पएसिए । णव-पएसिए जहा परमाणुपोग्गले। दसपएसिए जहा दुप्पएसिए ।
- ६६ संखेज्जपएसिए णं भंते ! पोग्गले पएसद्वयाए किं कडजुम्मे पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे । एवं असंखेज्जपएसिए वि, अणंतपएसिए वि ।
- ६७ परमाणुपोग्गला णं भंते ! पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा; विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, कलिओगा ।
- ६८ दुप्पएसिया णं भंते ! खंधा पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा, णो तेओगा, सिय दावरजुम्मा, णो कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, णो तेओगा, दावरजुम्मा, णो कलिओगा ।
- ६९ तिपएसिया णं भंते ! खंधा पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा, तेओगा, णो दावर-जुम्मा, णो कलिओगा ।
- ७० चउप्पएसिया णं भंते ! खंधा पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं वि विहाणादेसेण वि कडजुम्मा, णो तेओगा, णो दावरजुम्मा, णो कलिओगा। पंचपएसिया जहा परमाणुपोग्गला । छप्पएसिया जहा दुप्पएसिया । सत्तपएसिया जहा तिपएसिया । अद्वपएसिया जहा चउपएसिया । णवपएसिया जहा परमाणुपोग्गला । दसपएसिया जहा दुपएसिया ।
- ७१ संखेज्जपएसिया णं भंते! खंधा पएसद्वयाए किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । विहाणादेसेणं कडजुम्मा वि जाव कलिओगा वि। एवं असंखेज्जपएसिया वि, अणंतपएसिया वि ।
- ७२ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! णो कडजुम्म- पएसोगाढे, णो तेओगपएसोगाढे, णो दावरजुम्मपएसोगाढे, कलिओगपएसोगाढे ।
- ७३ दुपएसिए णं भंते ! खंधे किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! णो कडजुम्म- पएसोगाढे, णो तेओगपएसोगाढे, सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ।

- ७४ तिपएसिए णं भंते ! खंधे किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! णो कडजुम्म-पएसोगाढे, सिय तेओगपएसोगाढे, सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ।
- ७५ चउप्पएसिए णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्म-पएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । एवं जाव अणंतपएसिए ।
- ७६ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्म-पएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, णो कलिओगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं णो कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेयोगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, कलिओग-पएसोगाढा ।
- ७७ दुप्पएसिया णं भंते ! खंधा किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा णो दावरजुम्मपएसोगाढा, णो कलिओगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं णो कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा, दावरजुम्मपएसोगाढा वि कलिओगपएसोगाढा वि ।
- ७८ तिप्पएसिया णं भंते ! खंधा किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा, णो दावरजुम्मपएसोगाढा, णो कलिओगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं णो कडजुम्मपएसोगाढा, तेओगपएसोगाढा वि, दावरजुम्मपएसोगाढा वि, कलिओगपएसोगाढा वि ।
- ७९ चउप्पएसिया णं भंते ! खंधा किं कडजुम्मपएसोगाढा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा, णो तेओगपएसोगाढा, णो दावरपएसोगाढा, णो कलिओगपएसोगाढा । विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा वि जाव कलिओगपएसोगाढा वि । एवं जाव अणंतपएसिया ।
- ८० परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिए, पुच्छा ? गोयमा ! सिय कडजुम्म-समयट्ठिए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिए । एवं जाव अणंतपएसिए ।
- ८१ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मसमयठ्ठिए, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिएया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिएया । विहाणादेसेणं कडजुम्म-समयट्ठिएया वि जाव कलिओगसमयट्ठिएया वि । एवं जाव अणंतपएसिया ।
- ८२ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा! जहा ठिईए वत्तव्वया एवं वण्णेसु वि सव्वेसु । गंधेसु वि एवं चेव । रसेसु वि जाव महुर रसेत्ति ।
- ८३ अणंतपएसिए णं भंते! खंधे ककखडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मे, पुच्छा ? गोयमा! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे ।
- ८४ अणंतपएसिया णं भंते ! खंधा ककखडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मा, पुच्छा ? गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । विहाणादेसेणं कडजुम्मा वि जाव कलिओगा वि । एवं मउय-गरुय-लहुया वि भाणियव्वा । सीय-उसिण-णिद्ध-लुक्खा जहा वण्णा ।

- ८५ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सइडे अणइडे ? गोयमा ! णो सइडे, अणइडे ।
- ८६ दुपएसिए णं भंते ! खंधे किं सइडे, अणइडे? गोयमा! सइडे, णो अणइडे । तिपएसिए जहा परमाणुपोग्गले। चउपएसिए जहा दुपएसिए । पंचपएसिए जहा तिपएसिए । छप्पएसिए जहा दुपएसिए। सत्तपएसिए जहा तिपएसिए । अट्ठपएसिए जहा दुपएसिए। णव-पएसिए जहा तिपएसिए । दसपएसिए जहा दुपएसिए ।
- ८७ संखेज्जपएसिए णं भंते ! खंधे किं सइडे अणइडे ? गोयमा ! सिय सइडे, सिय अणइडे। एवं असंखेज्जपएसिए वि । एवं अणंतपएसिए वि ।
- ८८ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सइढा अणइढा ? गोयमा ! सइढा वा, अणइढा वा । एवं जाव अणंतपएसिया ।
- ८९ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सेए, णिरेए ? गोयमा ! सिय सेए, सिय णिरेए । एवं जाव अणंतपएसिए ।
- ९० परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सेया, णिरेया ? गोयमा ! सेया वि णिरेया वि । एवं जाव अणंतपएसिया ।
- ९१ परमाणुपोग्गले णं भंते ! सेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ।
- ९२ परमाणुपोग्गले णं भंते ! णिरेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । एवं जाव अणंतपएसिए ।
- ९३ परमाणुपोग्गला णं भंते ! सेया कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं ।
- ९४ परमाणुपोग्गला णं भंते ! णिरेया कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं । एवं जाव अणंतपएसिया ।
- ९५ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।
- ९६ णिरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।
- ९७ दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं ।
- णिरेयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं । एवं जाव अणंतपएसियस्स ।

- १८ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा! णत्थि अंतरं। णिरेया णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । एवं जाव अणंत-पएसियाणं खंधाणं।
- १९ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सेयाणं, णिरेयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सेया, णिरेया असंखेज्जगुणा। एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं ।
- १०० एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं सेयाणं, णिरेयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा णिरेया, सेया अणंतगुणा ।
- १०१ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं, संखेज्जपएसियाणं, असंखेज्जपएसियाणं, अणंतपएसियाण य खंधाणं सेयाणं णिरेयाण य दव्वट्ठयाए, पएसट्ठयाए, दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
- गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए । अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । पएसट्ठयाए एवं चेव, णवरं-परमाणुपोग्गला अपएसट्ठ-याए भाणियव्वा। संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । सेसं तं चेव।
- दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए । ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा । अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा । परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठपएसट्ठयाए अणंतगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्ज-गुणा । परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा। ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ।
- १०२ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं देसेए सव्वेए णिरेए? गोयमा! णो देसेए, सिय सव्वेए, सिय णेरेए।
- १०३ दुपएसिए णं भंते! खंधे किं देसेए सव्वेए णिरेए ? गोयमा! सिय देसेए सिय सव्वेए, सिय णिरेए। एवं जाव अणंतपएसिए ।
- १०४ परमाणुपोग्गला णं भंते! किं देसेया, सव्वेया, णिरेया ? गोयमा! णो देसेया, सव्वेया वि, णिरेया वि ।
- १०५ दुपएसिया णं भंते ! खंधा किं देसेया, सव्वेया, णिरेया ? गोयमा ! देसेया वि, सव्वेया वि, णिरेया वि । एवं जाव अणंतपएसिया ।

- १०६ परमाणुपोग्गले णं भंते ! सव्वेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । णिरेए कालओ केवचिरं होइ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।
- १०७ दुपएसिए णं भंते! खंधे देसेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । सव्वेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । णिरेए कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। एवं *जाव* अणंत- पएसिए ।
- १०८ परमाणुपोग्गला णं भंते ! सव्वेया कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा! सव्वद्धं । णिरेया णं भंते! कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं ।
- १०९ दुप्पएसिया णं भंते ! खंधा देसेया कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं। सव्वेया णं भंते! कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं । णिरेया णं भंते ! कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं । एवं *जाव* अणंतपएसिया ।
- ११० परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! सव्वेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं एवं चेव ।
णिरेयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।
- १११ दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स देसेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं ।
सव्वेयस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! एवं चेव जहा देसेयस्स।
णिरेयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं । परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं । एवं *जाव* अणंतपएसियस्स ।
- ११२ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सव्वेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । णिरेयाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं ।
- ११३ दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं देसेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । सव्वेयाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । णिरेयाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । एवं *जाव* अणंतपएसियाणं ।
- ११४ एसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं सव्वेयाणं णिरेयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा *जाव* विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सव्वेया, णिरेया असंखेज्जगुणा ।

११५ एएसि णं भंते! दुपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं, सव्वेयाणं, णिरेयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दुपएसिया खंधा सव्वेया, देसेया असंखेज्जगुणा, णिरेया असंखेज्जगुणा । एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं ।

११६ एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं, सव्वेयाणं, णिरेयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया, णिरेया अणंतगुणा, देसेया अणंतगुणा ।

११७ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं, संखेज्जपएसियाणं, असंखेज्जपएसियाणं, अणंत-पएसियाण य खंधाणं देसेयाणं, सव्वेयाणं, णिरेयाणं दव्वट्ठयाए, पएसट्ठयाए, दव्वट्ठपए-सट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए, अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा। असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा। संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा। परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्ज-पएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्ज-पएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ।

पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा । एवं जहा दव्वट्ठयाए तहा पए-सट्ठयाए वि, णवरं-परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा । संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, सेसं तं चेव ।

दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा । अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा। असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा । परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठपएसट्ठयाए असंखेज्ज-गुणा । संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा । असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पए-सट्ठयाए असंखेज्जगुणा, परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा । संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा।

११८ कइ णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएस पणत्ता ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएस पणत्ता ।

११९ कइ णं भंते ! अधम्मत्थिकायस्स मज्झपएस पणत्ता ? गोयमा ! एवं चेव ।

१२० कइ णं भंते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएस पणत्ता ? गोयमा ! एवं चेव ।

१२१ कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा पण्णत्ता ।

१२२ एए णं भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगाहंति? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कंसि वा दोहिं वा तीहिं वा चउहिं वा पंचहिं वा छहिं वा उक्कोसेणं अट्ठसु, णो चेव णं सत्तसु । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

पंचमो उद्देसो

१ कइविहा णं भंते ! पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा पण्णत्ता, तं जहा-जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य । एवं पज्जवपयं णिरवसेसं भाणियव्वं, जहा पण्णवणाए ।

२ आवलिया णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा ! णो संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, णो अणंता समया ।

३ आणापाणू णं भंते! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा ! एवं चेव।

४ थोवे णं भंते ! किं संखेज्जासमया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ?

गोयमा ! एवं चेव । एवं लवे वि, मुहुत्ते वि, एवं अहोरत्ते, एवं पक्खे, मासे, उऊ, अयणे, संवच्छरे, जुगे, वाससये, वाससहस्से, वाससयसहस्से, पुव्वंगे, पुव्वे, तुडियंगे, तुडिए, अडडंगे, अडडे, अववंगे, अववे, हूहुयंगे, हूहुए, उप्पलंगे, उप्पले, पउमंगे, पउमे, णल्लिणंगे, णल्लिणे, अत्थणिउरंगे, अत्थणिउरे, अउयंगे, अउये, णउयंगे, णउए, पउयंगे, पउएचूलियंगे, चूलिए, सीसपहेलियंगे, सीसपहेलिया, पलिओवमे, सागरोवमे, ओसप्पिणी, एवं उस्सप्पिणी वि ।

५ पोग्गलपरियट्ठे णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा ! णो संखेज्जा समया, णो असंखेज्जा समया, अणंता समया । एवं तीयद्धा, अणागयद्धा, सव्वद्धा ।

६ आवलियाओ णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा ! णो संखेज्जा समया, सिय असंखेज्जा समया, सिय अणंता समया ।

७ आणापाणू णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा ! एवं चेव।

८ थोवा णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया ? गोयमा! एवं चेव । एवं जाव ओसप्पिणीओ त्ति ।

- ९ पोग्गलपरियट्टा णं भंते ! किं संखेज्जा समया, असंखेज्जा समया, अणंता समया? गोयमा ! णो संखेज्जा समया, णो असंखेज्जा समया, अणंता समया ।
- १० आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ ? गोयमा ! संखेज्जाओ आवलियाओ, णो असंखेज्जाओ आवलियाओ, णो अणंताओ आवलियाओ । एवं थोवे वि एवं जाव 'सीसपहेलिय' त्ति ।
- ११ पलिओवमे णं भंते ! किं संखेज्जा आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, णो अणंताओ आवलियाओ । एवं सागरोवमे वि एवं ओसप्पिणी वि उस्सप्पिणी वि ।
- १२ पोग्गलपरियट्टेणं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ, णो असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ । एवं जाव सव्वद्धा ।
- १३ आणापाणू णं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, अनंताओ आवलियाओ ? गोयमा ! सिय संखेज्जाओ आवलियाओ, सिय असंखेज्जाओ, सिय अणंताओ । एवं जाव सीसपहेलियाओ ।
- १४ पलिओवमा णं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ, सिय असंखेज्जाओ आवलियाओ, सिय अणंताओ आवलियाओ । एवं जाव उस्सप्पिणीओ ।
- १५ पोग्गलपरियट्टा णं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ, असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ, णो असंखेज्जाओ आवलियाओ, अणंताओ आवलियाओ ।
- १६ थोवे णं भंते ! किं संखेज्जाओ आणापाणूओ, असंखेज्जाओ आणापाणूओ, अणंताओ आणापाणूओ ? गोयमा ! जहा आवलियाए वत्तव्वया एवं आणापाणूओ वि णिरवसेसा । एवं एएणं गमएणं जाव सीसपहेलिया भाणियच्चा ।
- १७ सागरोवमे णं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा, असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा ? गोयमा ! संखेज्जा पलिओवमा, णो असंखेज्जा पलिओवमा, णो अणंता पलिओवमा, एवं ओसप्पिणीए वि उस्सप्पिणीए वि ।
- १८ पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा, असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा? गोयमा ! णो संखेज्जा पलिओवमा, णो असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा । एवं जाव सव्वद्धा ।
- १९ सागरोवमा णं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा, असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा ? गोयमा ! सिय संखेज्जा पलिओवमा, सिय असंखेज्जा पलिओवमा, सिय अणंता पलिओवमा । एवं जाव ओसप्पिणी वि, उस्सप्पिणी वि ।

- २० पोग्गलपरियट्ठा णं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा, असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा? गोयमा ! णो संखेज्जा पलिओवमा, णो असंखेज्जा पलिओवमा, अणंता पलिओवमा ।
- २१ ओसप्पिणीए णं भंते ! किं संखेज्जा सागरोवमा, असंखेज्जा सागरोवमा, अणंता सागरोवमा ? गोयमा ! जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्स वि ।
- २२ पोग्गलपरियट्ठे णं भंते ! किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ ओसप्पिणी उस्सप्पिणीओ? गोयमा! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, अणंताओ ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीओ । एवं जाव सव्वद्धा।
- २३ पोग्गलपरियट्ठा णं भंते ! किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीओ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, अणंताओ ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीओ ।
- २४ तीयद्धा णं भंते ! किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता पोग्गलपरियट्ठा ? गोयमा ! णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता पोग्गलपरियट्ठा । एवं अणागयद्धा वि एवं सव्वद्धा वि ।
- २५ अणागयद्धा णं भंते ! किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ तीयद्धाओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, णो अणंताओ तीयद्धाओ । अणागयद्धा णं तीयद्धाओ समयाहिया, तीयद्धा णं अणागयद्धाओ समयूणा ।
- २६ सव्वद्धा णं भंते ! किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ तीयद्धाओ ? गोयमा! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, णो अणंताओ तीयद्धाओ । सव्वद्धा णं तीयद्धाओ साइरेगदुगुणा, तीयद्धा णं सव्वद्धाओ थोवूणए अद्धे ।
- २७ सव्वद्धा णं भंते ! किं संखेज्जाओ, असंखेज्जाओ, अणंताओ अणागयद्धाओ ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ, णो असंखेज्जाओ, णो अणंताओ अणागयद्धाओ । सव्वद्धा णं अणागयद्धाओ थोवूणगदुगुणा, अणागयद्धा णं सव्वद्धाओ साइरेगे अद्धे।
- २८ कइविहा णं भंते ! णिगोया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा णिगोया पण्णत्ता । तं जहा- णिगोयगा य, णिगोयगजीवा य ।
- २९ णिगोया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमणिगोया य, बायरणिगोया य । एवं णिगोया भाणियव्वा जहा जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं ।
- ३० कइविहे णं भंते ! णामे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे णामे पण्णत्ते, तं जहा- ओदइए जाव सण्णिवाइए ।
- से किं तं ओदइए णामे ? ओदइए णामे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- उदए य, उदयणिप्फण्णे य- एवं जहा सत्तरसमे सए पढमे उद्देसए भावो तहेव इह वि । णवरं-इह णामत्ति आलावगो । सेसं तहेव जाव सण्णिवाइए । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सत्तं

छट्ठो उद्देशो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- कइ णं भंते ! णियंठा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा पण्णत्ता, तं जहा- पुलाए, बउसे, कुसीले, णियंठे, सिणाए।
- २ पुलाए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- णाण- पुलाए, दंसणपुलाए, चरित्तपुलाए, लिंगपुलाए, अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे ।
- ३ बउसे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- आभोगबउसे, अणाभोगबउसे, संवुडबउसे, असंवुडबउसे, अहासुहुमबउसे णामं पंचमे ।
- ४ कुसीले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पडिसेवणाकुसीले य, कसायकुसीले य ।
- ५ पडिसेवणाकुसीले णं भंते! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- णाणपडिसेवणाकुसीले, दंसणपडिसेवणाकुसीले, चरित्तपडिसेवणाकुसीले, लिंगपडिसेवणाकुसीले, अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमे ।
- ६ कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- णाणकसायकुसीले, दंसणकसायकुसीले, चरित्तकसायकुसीले, लिंगकसायकुसीले, अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे ।
- ७ णियंठे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- पढमसमय-णियंठे, अपढमसमयणियंठे, चरमसमयणियंठे, अचरमसमयणियंठे, अहासुहुमणियंठे णामं पंचमे ।
- ८ सिणाए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- अच्छवी, असबले, अकम्मंसे, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली, अपरिस्सवी ।
- ९ पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा, अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा, णो अवेयए होज्जा ।
- १० जइ णं भंते! सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा, पुरिसवेयए होज्जा, पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयए होज्जा, पुरिसवेयए होज्जा, पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा ।
- ११ बउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा, अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा, णो अवेयए होज्जा ।
- १२ जइ णं भंते ! सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा, पुरिसवेयए होज्जा, पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा, पुरिसवेयए वा होज्जा, पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा। एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- १३ कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए, पुच्छा । गोयमा ! सवेयए वा होज्जा, अवेयए वा होज्जा।

- १४ जइ भंते ! अवेयए किं उवसंतवेयए, खीणवेयए होज्जा ? गोयमा ! उवसंतवेयए वा, खीणवेयए वा होज्जा ।
- १५ जइ भंते ! सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए, पुच्छा । गोयमा ! तिसु वि जहा बउसो।
- १६ णियंठे णं भंते ! किं सवेयए, पुच्छा । गोयमा ! णो सवेयए होज्जा, अवेयए होज्जा ।
- १७ जइ भंते ! अवेयए होज्जा किं उवसंतवेयए, पुच्छा । गोयमा ! उवसंतवेयए वा होज्जा, खीणवेयए वा होज्जा ।
- १८ सिणाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! जहा णियंठे तहा सिणाए वि, णवरं- णो उवसंतवेयए होज्जा, खीणवेयए होज्जा ।
- १९ पुलाए णं भंते ! किं सरागे होज्जा, वीयरगे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा, णो वीयरगे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले ।
- २० णियंठे णं भंते ! किं सरागे होज्जा, पुच्छा । गोयमा ! णो सरागे होज्जा, वीयरगे होज्जा ।
- २१ जइ भंते ! वीयरगे होज्जा किं उवसंतकसायवीयरगे होज्जा, खीणकसायवीयरगे होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायवीयरगे वा होज्जा, खीणकसायवीयरगे वा होज्जा। सिणाए एवं चेव, णवरं- णो उवसंतकसायवीयरगे होज्जा, खीणकसायवीयरगे होज्जा ।
- २२ पुलाए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा, अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा, अट्ठियकप्पे वा होज्जा । एवं जाव सिणाए ।
- २३ पुलाए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा, थेरकप्पे होज्जा, कप्पाईए होज्जा ? गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा, थेरकप्पे होज्जा, णो कप्पाईए होज्जा ।
- २३ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा, थेरकप्पे वा होज्जा, णो कप्पाईए होज्जा। एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- २५ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा, थेरकप्पे वा होज्जा, कप्पाईए वा होज्जा ।
- २६ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा, णो थेरकप्पे होज्जा, कप्पाईए होज्जा। एवं सिणाए वि ।
- २७ पुलाए णं भंते ! किं सामाइयसंजमे होज्जा, छेओवट्ठावणियसंजमे होज्जा, परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा, सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा, अहक्खायसंजमे होज्जा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा, छेओवट्ठावणियसंजमे वा होज्जा, णो परिहारविसुद्धिय-संजमे होज्जा, णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा, णो अहक्खायसंजमे होज्जा। एवं बउसे वि, एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- २८ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा जाव सुहुमसंपरायसंजमे वा होज्जा, णो अहक्खायसंजमे होज्जा ।

- ३९ न्णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो सामाइय संजमे होज्जा जाव णो सुहुम संपरायसंजमे होज्जा, अहक्खाय संजमे होज्जा । एवं सिणाए वि ।
- ३९ जइ णं भंते ! पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेवए वा होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवए वा होज्जा । मूलगुण- पडिसेवमाणे पंचण्हं आसवाणं अण्णयरं पडिसेवेज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अण्णयरं पडिसेवेज्जा ।
- ३२ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिसेवए होज्जा, णो अपडिसेवए होज्जा ।
- ३३ जइ णं भंते ! पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! णो मूलगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा । उत्तरगुण-पडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अण्णयरं पडिसेवेज्जा । पडिसेवणाकुसीले जहा पुलाए ।
- ३४ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो पडिसेवए होज्जा, अपडिसेवए होज्जा । एवं णिग्गंथे वि, एवं सिणाए वि ।
- ३५ पुलाए णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा होज्जा । दोसु होमाणे दोसु आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे होज्जा; तिसु होमाणे तिसु आभिणि-बोहियणाणे, सुयणाणे, ओहिणाणे होज्जा। एवं बउसे वि, एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- ३६ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! दोसु वा, तिसु वा, चउसु वा होज्जा। दोसु होमाणे दोसु आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे होज्जा; तिसु होमाणे तिसु आभिणि-बोहियणाण-सुयणाण-ओहिणाणेसु होज्जा अहवा तिसु होमाणे तिसु आभिणिबोहियणाण सुयणाण-मणपज्जवणाणेसु होज्जा, चउसु होमाणे चउसु आभिणिबोहियणाण-सुयणाण ओहिणाण-मणपज्जवणाणेसु होज्जा।
- ३७ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगंमि केवलणाणे होज्जा ।
- ३८ पुलाए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं णवमस्स पुव्वस्स तइयं आयावरत्थुं, उक्कोसेणं णव पुव्वाइं अहिज्जेज्जा ।
- ३९ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ, उक्कोसेणं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा। एवं पडिसेवणाकुसिले वि ।
- ४० कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ, उक्कोसेणं चोदसं पुव्वाइं अहिज्जेज्जा । एवं णियंठे वि ।
- ४२ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सुयवइरित्ते होज्जा ।
- ४३ पुलाए णं भंते ! किं तित्थे होज्जा, अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे होज्जा, णो अतित्थे होज्जा । एवं बउसे वि, एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- ४४ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! तित्थे वा होज्जा, अतित्थे वा होज्जा।

- ४५ जइ णं भंते ! अतित्थे होज्जा किं तित्थयरे होज्जा, पत्तेयबुद्धे होज्जा ? गोयमा! तित्थयरे वा होज्जा, पत्तेयबुद्धे वा होज्जा । एवं णियंठे वि, एवं सिणाए वि ।
- ४५ पुलाए णं भंते ! किं सलिंगे होज्जा, अण्णलिंगे होज्जा, गिहिलिंगे होज्जा ? गोयमा ! दव्वलिंगं पडुच्च सलिंगे वा होज्जा, अण्णलिंगे वा होज्जा, गिहिलिंगे वा होज्जा, भावलिंगं पडुच्च णियमा सलिंगे होज्जा । एवं जाव सिणाए ।
- ४६ पुलाए णं भंते ! कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु, ओरालिय-तेया-कम्मएसु होज्जा ।
- ४७ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होमाणे तिसु ओरालिय-तेया-कम्मएसु होज्जा, चउसु होमाणे चउसु ओरालिय-वेउव्विय-तेया-कम्मएसु होज्जा । एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- ४८ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा। तिसु होमाणे तिसु ओरालिय-तेया-कम्मएसु होज्जा, चउसु होमाणे चउसु ओरालिय-वेउव्विय-तेया-कम्मएसु होज्जा, पंचसु होमाणे पंचसु ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेया-कम्मएसु होज्जा । णियंठे सिणाओ य जहा पुलाओ ।
- ४९ पुलाए णं भंते ! किं कम्मभूमीए होज्जा, अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मण-संतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा, णो अकम्मभूमीए होज्जा।
- ५० बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जम्मण-संतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा, णो अकम्मभूमीए होज्जा। साहरणं पडुच्च कम्मभूमीए वा होज्जा, अकम्मभूमीए वा होज्जा । एवं जाव सिणाए ।
- ५१ पुलाए णं भंते ! किं ओसप्पिणिकाले होज्जा, उस्सप्पिणिकाले होज्जा, णोओसप्पिणी-णोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा, उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, णोओसप्पिणी-णोउस्सप्पिणीकाले वा होज्जा ।
- ५२ जइ णं भंते ! ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले होज्जा, सुसमाकाले होज्जा, सुसमदुस्समाकाले होज्जा, दुस्समसुसमाकाले होज्जा, दुस्समाकाले होज्जा, दुस्समदुस्समाकाले होज्जा ?
- गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, णो सुसमाकाले होज्जा, सुसमदुस्समाकाले वा होज्जा, दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा, णो दुस्समाकाले होज्जा, णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा । संतिभावं पडुच्चं णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, णो सुसमाकाले होज्जा, सुसमदुस्समाकाले वा होज्जा, दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा, दुस्समाकाले वा होज्जा, णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा ।
- ५३ जइ णं भंते ! उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दुस्समदुस्समाकाले होज्जा, दुस्समाकाले होज्जा, दुस्समसुसमाकाले होज्जा, सुसमदुस्समाकाले होज्जा, सुसमाकाले होज्जा, सुसमसुसमाकाले होज्जा ?

गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा, दुस्समाकाले वा होज्जा, दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा, सुसमदुस्समाकाले वा होज्जा, णो सुसमाकाले होज्जा, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा । संतिभावं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा, णो दुस्समाकाले होज्जा, दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा, सुसमदुस्समाकाले वा होज्जा, णो सुसमाकाले होज्जा, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ।

५४ जइ णं भंते ! णोओसप्पिणि-णोउस्सप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमा-पलिभागे होज्जा, सुसमापलिभागे होज्जा, सुसमदूस्समापलिभागे होज्जा, दूस्समसुसमापलिभागे होज्जा? गोयमा! जम्मणं-संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा, णो सुसमापलिभागेहोज्जा, णो सुसमदूस्समापलिभागे होज्जा, दूस्समसुसमापलिभागे होज्जा ।

५५ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा, उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, णोओसप्पिणि णोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा ।

५६ जइ णं भंते ! ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! जम्मणं-संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, णो सुसमाकाले होज्जा, सुसमदुस्समाकाले वा होज्जा, दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा, दुस्समाकाले वा होज्जा, णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा । साहरणं पडुच्च अण्णयरे समाकाले होज्जा ।

५७ जइ णं भंते ! उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दुस्समदुस्समाकाले होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा जहेव पुलाए । संतिभावं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा, णो दुस्समाकाले होज्जा, एवं संतिभावेण वि जहा पुलाए जाव णो सुसमसुसमाकाले होज्जा । साहरणं पडुच्च अण्णयरे समाकाले होज्जा ।

५८ जइ णं भंते ! णोओस्सप्पिणि-णोउस्सप्पिणिकाले होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! जम्मणं-संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा, एवं जहेव पुलाए जाव दुस्समसुसमापलिभागे होज्जा। साहरणं पडुच्च अण्णयरे पलिभागे होज्जा, जहा बउसे । एवं पडिसेवणाकुसीले वि । एवं कसायकुसीले वि । णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ, णवरं-एएसिं अब्भहियं-साहरणं भाणियच्चं, सेसं तं चेव ।

५९ पुलाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ । देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा, वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा, जोइसिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु, णो वाणमंतरेसु, णो जोइसिएसु, वेमाणिएसु उववज्जेज्जा। वेमाणिएसु उववज्जमाणे जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे, उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे उववज्जेज्जा । बउसे णं एवं चेव, णवरं- उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे। पडिसेवणाकुसीले जहा बउसे । कसायकुसीले जहा पुलाए, णवरं- उक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा । णियंठे णं एवं चेव जाव वेमाणिएसु उववज्जमाणे अजहण्णमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा ।

६० सिणाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! सिद्धिगइं गच्छइ ।

- ६१ पुलाए णं भंते ! देवेसु उवज्जमाणे किं इंदत्ताए उवज्जेज्जा, सामाणियत्ताए उवज्जेज्जा, तायत्तीसगत्ताए उवज्जेज्जा, लोगपालत्ताए उवज्जेज्जा, अहमिंदत्ताए वा उवज्जेज्जा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए उवज्जेज्जा, सामाणियत्ताए उवज्जेज्जा, तायत्तीसगत्ताए उवज्जेज्जा, लोगपालत्ताए उवज्जेज्जा, णो अहमिंदत्ताए उवज्जेज्जा। विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उवज्जेज्जा । एवं बउसे वि, एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- ६२ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए वा उवज्जेज्जा जाव अहमिंदत्ताए वा उवज्जेज्जा । विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उवज्जेज्जा ।
- ६३ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च णो इंदत्ताए उवज्जेज्जा जाव णो लोगपालत्ताए उवज्जेज्जा, अहमिंदत्ताए उवज्जेज्जा । विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उवज्जेज्जा ।
- ६४ पुलायस्स णं भंते ! देवलोगेसु उवज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं, उक्कोसेणं अद्वारस सागरोवमाइं ।
- ६५ बउसस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं। एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- ६६ कसायकुसीलस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ।
- ६७ णियंठस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं।
- ६८ पुलागस्स णं भंते ! केवइया संजमद्वाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमद्वाणा पण्णत्ता। एवं जाव कसायकुसीलस्स ।
- ६९ णियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमद्वाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! एगे अजहण्णमणुक्को- सए संजमद्वाणे । एवं सिणायस्स वि ।
- ७० एएसि णं भंते ! पुलाग-बउस-पडिसेवणा-कसायकुसील-णियंठ-सिणायाणं संजमद्वाणाणं कयरे कयरेहितो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा णियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमद्वाणे, पुलागस्स णं संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा, बउसस्स संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा ।
- ७१ पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंतं चरित्तपज्जवा पण्णत्ता । एवं जाव सिणायस्स ।
- ७२ पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे, तुल्ले, अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा । अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा

संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुण-
मब्भहिए वा ।

७३ पुलाए णं भंते ! बउसस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे, तुल्ले, अब्भहिए?
गोयमा! हीणे, णो तुल्ले, णो अब्भहिए; अणंतगुणहीणे । एवं पडिसेवणा-कुसीलस्स वि ।
कसायकुसीलेण समं छद्वाणवडिए जहेव सद्वाणे। णियंठस्स जहा बउसस्स। एवं सिणायस्स वि।

७४ बउसे णं भंते ! पुलागस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे, तुल्ले, अब्भहिए ?
गोयमा ! णो हीणे, णो तुल्ले, अब्भहिए, अणंतगुणम्भहिए ।

७५ बउसे णं भंते ! बउसस्स सद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा ! सिय हीणे,
सिय तुल्ले, सिय अब्भहिए । जइ हीणे छद्वाणवडिए । जइ अब्भहिए छद्वाण-वडिए ।

७६ बउसे णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले,
अब्भहिए ? गोयमा ! छद्वाणवडिए, एवं कसायकुसीलस्स वि ।

७७ बउसे णं भंते ! णियंठस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा ! हीणे, णो
तुल्ले, णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं सिणायस्स वि । पडिसेवणाकुसीलस्स एवं चेव
बउसवत्तव्वया भाणियव्वा । कसायकुसीलस्स एस चेव बउसवत्तव्वया, णवरं-पुलाएण वि समं
छद्वाणवडिए ।

७८ णियंठे णं भंते ! पुलागस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा! णो हीणे,
णो तुल्ले, अब्भहिए; अणंतगुणमब्भहिए । एवं जाव कसायकुसीलस्स।

७९ णियंठे णं भंते! णियंठस्स सद्वाणसण्णिगासेणं, पुच्छा ? गोयमा ! णो हीणे, तुल्ले, णो
अब्भहिए। एवं सिणायस्स वि ।

८० सिणाए णं भंते ! पुलागस्स परद्वाणसण्णिगासेणं, पुच्छा ? गोयमा ! जहा णियंठस्स
वत्तव्वया तहा सिणायस्स वि भाणियव्वा जाव सिणाए णं भंते! सिणायस्स सद्वाण-
सण्णिगासेणं, पुच्छा? गोयमा ! णो हीणे, तुल्ले, णो अब्भहिए ।

८१ एएसि णं भंते! पुलाग-बउस-पडिसेवणाकुसील-कसायकुसील-णियंठ-सिणायाणं जहण्णुक्कोसगाणं
चरित्तपज्जवाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्ह वि तुल्ला
सव्वत्थोवा । पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । बउसस्स पडिसेवणा-
कुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्ह वि तुल्ला अणंतगुणा । बउसस्स
उक्कोसगा चरित्तपज्जगा अणंतगुणा । पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा
अणंतगुणा। कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । णियंठस्स सिणायस्स य
एएसि णं अजहण्णमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्ह वि तुल्ला अणंतगुणा ।

८२ पुलाए णं भंते ! किं सयोगी होज्जा, अयोगी होज्जा ? गोयमा ! सयोगी होज्जा, णो अयोगी
होज्जा ? जइ सयोगी होज्जा से णं भंते ! किं मणजोगी होज्जा, वयजोगी होज्जा, कायजोगी

होज्जा ? गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा, वयजोगी वा होज्जा, कायजोगी वा होज्जा । एवं जाव णियंठे ।

८३ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सयोगी वा होज्जा, अयोगी वा होज्जा । जइ णं भंते ! सयोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा, पुच्छा ? गोयमा ! सेसं जहा पुलागस्स ।

८४ पुलाए णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा, अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा, अणागारोवउत्ते वा होज्जा । एवं जाव सिणाए ।

८५ पुलाए णं भंते ! सकसायी होज्जा, अकसायी होज्जा ? गोयमा ! सकसायी होज्जा, णो अकसायी होज्जा । जइ सकसायी होज्जा, से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु कोह-माण-माया-लोभेसु होज्जा । एवडं बउसे वि । एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।

८६ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सकसायी होज्जा, णो अकसायी होज्जा । जइ सकसायी होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा । चउसु होमाणे चउसु संजलणकोह-माण-माया-लोभेसु होज्जा, तिसु होमाणे तिसु संजलणमाण-माया-लोभेसु होज्जा, दोसु होमाणे संजलणमाया-लोभेसु होज्जा, एगम्मि होमाणे संजलणलोभे होज्जा ।

८७ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो सकसायी होज्जा, अकसायी होज्जा । जइ णं भंते ! अकसायी होज्जा, से णं भंते ! किं उवसंतकसायी होज्जा, खीणकसायी होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायी वा होज्जा, खीणकसायी वा होज्जा । सिणाए एवं चेव, णवरं-णो उवसंतकसायी होज्जा, खीणकसायी होज्जा ।

८८ पुलाए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा, अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा, णो अलेस्से होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा, से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तं जहा- तेउलेस्साए, पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए । एवं बउसस्स वि, एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।

८९ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा, णो अलेस्से होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा, से णं भंते ! कइसु लेसासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेसासु होज्जा, तं जहा- कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए ।

९० णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! एक्काए सुक्कलेस्साए होज्जा ।

९१ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सलेस्से वा होज्जा, अलेस्से वा होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा, से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! एगाए परमसुक्कलेस्साए होज्जा ।

९२ पुलाए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठिय-परिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा, हीयमाणपरिणामे वा होज्जा, अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा । एवं जाव कसायकुसीले ।

- ९३ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, णो हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा । एवं सिणाए वि ।
- ९४ पुलाए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- ९५ केवइयं कालं भंते ! हीयमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- ९६ केवइयं कालं भंते ! अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं सत्त समया । एवं जाव कसायकुसीले ।
- ९७ णियंठे णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं ।
- ९८ केवइयं कालं भंते ! अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- ९९ सिणाए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं ।
- १०० केवइयं कालं भंते ! अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
- १०१ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! आउयवज्जाओ सत्त कम्म-प्पगडीओ बंधइ ।
- १०२ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा, अट्ठविहबंधए वा । सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ । एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- १०३ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा, अट्ठविहबंधए वा, छव्विहबंधए वा । सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ । अट्ठ बंधमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ । छ बंधमाणे आउय-मोहणिज्जवज्जाओ छक्कम्म-प्पगडीओ बंधइ ।
- १०४ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ ।
- १०५ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एगविहबंधए वा अबंधए वा । एगं बंधमाणे एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ ।
- १०६ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! णियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ । एवं जाव कसायकुसीले ।
- १०७ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ ।
- १०८ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! वेयणिज्ज-आउय-णाम-गोयाओ चत्तारि कम्म-प्पगडीओ वेदेइ ।

- १०९ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! आउय-वेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ।
- ११० बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सत्तविहउदीरेण वा, अट्ठविहउदीरेण वा, छव्विहउदीरेण वा । सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ उदीरेइ । अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । पडिसेवणा कुसीले एवं चेव ।
- १११ कसायकुसीले णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सत्तविहउदीरेण वा, अट्ठविहउदीरेण वा, छव्विहउदीरेण वा, पंचविहउदीरेण वा । सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । छ उदीरेमाणे आउय-वेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । पंच उदीरेमाणे आउय-वेयणिज्ज-मोहणिज्ज-वज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ।
- ११२ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पंचविहउदीरेण वा, दुविहउदीरेण वा । पंच उदीरेमाणे आउय- वेयणिज्ज- मोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ ।
- ११३ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! दुविहउदीरेण वा अणुदीरेण वा । दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ ।
- ११४ पुलाए णं भंते ! पुलायत्तं जहमाणे किं जहइ, किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! पुलायत्तं जहइ, कसायकुसीलं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ११५ बउसे णं भंते ! बउसत्तं जहमाणे किं जहइ, किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! बउसत्तं जहइ, पडिसेवणाकुसीलं वा कसायकुसीलं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ११६ पडिसेवणाकुसीले णं भंते! पुच्छा । गोयमा ! पडिसेवणाकुसीलत्तं जहइ, बउसं वा कसायकुसीलं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ११७ कसायकुसीले णं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! कसायकुसीलत्तं जहइ, पुलायं वा बउसं वा पडिसेवणाकुसीलं वा णियंठं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ११८ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णियंठत्तं जहइ, कसायकुसीलं वा सिणायं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ११९ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सिणायत्तं जहइ, सिद्धिगइं उवसंपज्जइ ।
- १२० पुलाए णं भंते ! किं सण्णोवउत्ते होज्जा, णोसण्णोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! णोसण्णोवउत्ते होज्जा ।
- १२१ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सण्णोवउत्ते वा होज्जा, णोसण्णोवउत्ते वा होज्जा । एवं पडिसेवणाकुसीले वि, एवं कसायकुसीले वि । णियंठे सिणाए य जहा पुलाए ।
- १२२ पुलाए णं भंते ! किं आहारए होज्जा, अणाहारए होज्जा ? गोयमा ! आहारए होज्जा, णो अणाहारए होज्जा । एवं जाव णियंठे ।

- १२३ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! आहारए वा होज्जा, अणाहारए वा होज्जा ।
- १२४ पुलाए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं, उक्कोसेणं तिण्णि ।
- १२५ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं, उक्कोसेणं अट्ठ । एवं पडिसेवणाकुसीले वि, एवं कसायकुसीले वि । णियंठे जहा पुलाए ।
- १२६ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एक्कं ।
- १२७ पुलागस्स णं भंते ! एगभवग्गहणीया केवइया आगरिसा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं तिण्णि ।
- १२८ बउसस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं सयग्गसो । एवं पडिसेवणाकुसीले वि, एवं कसायकुसीले वि ।
- १२९ णियंठस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं दोण्णि ।
- १३० सिण्णायस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! एक्को ।
- १३१ पुलागस्स णं भंते ! णाणाभवग्गहणीया केवइया आगरिसा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं सत्त ।
- १३२ बउसस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं सहस्सग्गसो । एवं जाव कसायकुसीलस्स ।
- १३३ णियंठस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं पंच ।
- १३४ सिणायस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णत्थि एक्को वि ।
- १३५ पुलाए णं भंते ! कालओ केवचिरं होइं ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं ।
- १३६ बउसे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । एवं पडिसेवणाकुसीले वि, कसायकुसीले वि ।
- १३७ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- १३८ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
- १३९ पुलाया णं भंते ! कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ।
- १४० बउसा णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सव्वद्धं । एवं जाव कसायकुसीला । णियंठा जहा पुलाया, सिणाया जहा बउसा ।
- १४१ पुलागस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण अणंतं कालं-अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढ-पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । एवं जाव णियंठस्स ।

- १४२ सिणायस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णत्थि अंतरं ।
- १४३ पुलाया णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वासाइं ।
- १४४ बउसा णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । एवं जाव कसायकुसीलाणं ।
- १४५ णियंठा णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा। सिणायाणं जहा बउसाणं ।
- १४६ पुलागस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तिण्णि समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाएमारणंतियसमुग्घाए ।
- १४७ बउसस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पंच समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा-वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए । एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- १४८ कसायकुसीलस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! छ समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए जाव आहारगसमुग्घाए ।
- १४९ णियंठस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णत्थि एक्को वि ।
- १५० सिणायस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयम ! एगे केवलिसमुग्घाए पण्णत्ते ।
- १५१ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, सव्वलोए होज्जा ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो सव्वलोए होज्जा । एवं जाव णियंठे ।
- १५२ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, सव्वलोए वा होज्जा।
- १५३ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ, असंखेज्जइभागं फुसइ, पुच्छा? गोयमा ! जहा ओगाहणा भणिया तहा फुसणा वि भाणियच्चा जाव सिणाए ।
- १५४ पुलाए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा । एवं जाव कसायकुसीले ।
- १५५ णियंठे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! उवसमिए भावे वा होज्जा, खइए भावे वा होज्जा ।
- १५६ सिणाए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! खइए भावे होज्जा ।
- १५७ पुलाया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं । पुव्वपडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं।

- १५८ बउसा णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं । पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिसयपुहुत्तं, उक्कोसेणं वि कोडिसयपुहुत्तं। एवं पडिसेवणाकुसीले वि ।
- १५९ कसायकुसीला णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं। पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिसहस्सपुहुत्तं, उक्कोसेणं वि कोडिसहस्सपुहुत्तं ।
- १६० णियंठा णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं बावट्ठं सतं- अट्ठसयं खवगाणं, चउप्पण्णं उवसामगाणं। पुव्वपडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं ।
- १६१ सिणाया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि; जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं अट्ठसयं । पुव्व- पडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिपुहुत्तं, उक्कोसेणं वि कोडिपुहुत्तं ।
- १६२ एएसि णं भंते ! पुलाग-बउस-पडिसेवणाकुसील-कसायकुसील-णियंठ-सिणायाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा णियंठा, पुलाया संखेज्जगुणा, सिणाया संखेज्जगुणा, बउसा संखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीला संखेज्जगुणा, कसायकुसीला संखेज्जगुणा। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

सत्तमो उद्देशो

- १ कइ णं भंते! संजया पण्णत्ता ? गोयमा! पंच संजया पण्णत्ता, तं जहा- सामाइय- संजए, छेओवट्ठावणियसंजए, परिहारविसुद्धियसंजए, सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसंजए ।
- २ सामाइयसंजए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- इत्तरिए य आवकहिए य ।
- ३ छेओवट्ठावणियसंजए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- साइयारे य णिरइयारे य ।
- ४ परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णिव्विसमाणए य णिव्विट्ठकाइए य ।
- ५ सुहुमसंपराय संजएणं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- संकिलिस्समाणए य विसुद्धमाणए य ।

- ६ अहक्खायसंजए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- छउमत्थे य केवली य ।
- ७ सामाइयम्मि उ कए, चाउज्जामं अणुत्तरं धम्मं ।
 तिविहेणं फासयंतो, सामाइयसंजओ स खलु ॥१॥
 छेत्तूण उ परियागं, पोराणं जो ठवेइ अप्पाणं ।
 धम्मम्मि पंचजामे, छेओवद्वावओ स खलु ॥२॥
 परिहरइ जो विसुद्धं तु, पंचजामं अणुत्तरं धम्मं ।
 तिविहेणं फासयंतो, परिहारिसंजओ स खलु ॥३॥
 लोभाणू वेययंतो, जो खलु उवसामओ व खवओ वा ।
 सो सुहुमसंपराओ, अहक्खाया उणओ किंचि ॥४॥
 उवसंते खीणम्मि व, जो खलु कम्मम्मि मोहणिज्जम्मि ।
 छउमत्थो व जिणो वा, अहक्खाओ संजओ स खलु ॥ ५॥
- ८ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए वा होज्जा, अवेयए वा होज्जा । जइ सवेयए-एवं जहा कसायकुसीले तहेव णिरवसेसं । एवं छेओवद्वावणियसंजए वि । परिहारविसुद्धियसंजओ जहा पुलाओ । सुहुमसंपरायसंजओ अहक्खायसंजओ य जहा णियंठो ।
- ९ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सरागे होज्जा, वीयरगे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा, णो वीयरगे होज्जा । एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए । अहक्खायसंजए जहा णियंठे ।
- १० सामाइयसंजए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा, अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा, अट्ठियकप्पे वा होज्जा ।
- ११ छेओवद्वावणियसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! ठियकप्पे होज्जा, णो अट्ठियकप्पे होज्जा । एवं परिहार-विसुद्धियसंजए वि । सेसा जहा सामाइयसंजए ।
- १२ सामाइयसंजए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा, थेरकप्पे होज्जा, कप्पाईए होज्जा? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा, जहा कसायकुसीले तहेव णिरवसेसं । छेओवद्वावणिओ परिहारविसुद्धिओ य जहा बउसो, सेसा जहा णियंठे ।
- १३ सामाइयसंजए णं भंते ! किं पुलाए होज्जा, बउसे जाव सिणाए होज्जा ? गोयमा! पुलाए वा होज्जा, बउसे जाव कसायकुसीले वा होज्जा, णो णियंठे होज्जा, णो सिणाए होज्जा । एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- १४ परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! णो पुलाए, णो बउसे, णो पडि- सेवणाकुसीले होज्जा, कसायकुसीले होज्जा, णो णियंठे होज्जा, णो सिणाए होज्जा । एवं सुहुमसंपराए वि ।
- १५ अहक्खायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो पुलाए होज्जा जाव णो कसायकुसीले होज्जा, णियंठे वा होज्जा, सिणाए वा होज्जा ।

- १६ सामाइयसंजए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा, अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए वा होज्जा, अपडिसेवए वा होज्जा । जइ पडिसेवए होज्जा- किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! सेसं जहा पुलागस्स । जहा सामाइयसंजए एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- १७ परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो पडिसेवए होज्जा, अपडिसेवए होज्जा । एवं जाव अहक्खायसंजए ।
- १८ सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु णाणेषु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा णाणेषु होज्जा । एवं जहा कसायकुसीलस्स तहेव चत्तारि णाणाइं भयणाए, एवं जाव सुहुमसंपराए । अहक्खायसंजयस्स पंच णाणाइं भयणाए जहा णाणुद्देसए ।
- १८ सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ, एवं जहा कसायकुसीले । एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- १९ परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं णवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं, उक्कोसेणं असंपुण्णाइं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा । सुहुमसंपरायसंजए जहा सामाइयसंजए ।
- २० अहक्खायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ, उक्कोसेणं चोदस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, सुयवइरित्ते वा होज्जा ।
- २२ सामाइयसंजए णं भंते ! किं तित्थे होज्जा, अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे वा होज्जा, अतित्थे वा होज्जा, एवं जहा कसाय कुसीले । छेओवद्वावणिए परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ।
- २३ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलिंगे होज्जा, अण्णलिंगे होज्जा, गिहिलिंगे होज्जा? गोयमा ! जहा पुलाए । एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- २५ सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा जहा कसायकुसीले । एवं छेओवद्वावणिए वि । सेसा जहा पुलाए ।
- २६ सामाइयसंजए णं भंते ! किं कम्मभूमीए होज्जा, अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं संतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा, णो अकम्मभूमीए होज्जा । एवं जहा बउसे। एवं छेओवद्वावणिए वि। परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ।
- २७ सामाइयसंजए णं भंते ! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा, उस्सप्पिणीकाले होज्जा, णोओसप्पिणी-णोउस्सप्पिणीकाले होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणीकाले होज्जा, एवं जहा बउसे । एवं छेओवद्वावणिए वि । णवरं जम्मणं संतिभावं पडुच्च चउसु वि पलिभागेसु णत्थि, साहरणं पडुच्च अण्णयरे पलिभागे होज्जा । सेसं तं चेव ।
- २८ परिहारविसुद्धिए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! ओसप्पिणीकाले वा होज्जा, उस्सप्पिणी-काले वा होज्जा, णोओसप्पिणी-णोउस्सप्पिणीकाले णो होज्जा। जइ ओसप्पिणीकाले होज्जा-जहा पुलाओ। उस्सप्पिणीकाले वि जहा पुलाओ। सुहुमसंपराइओ जहा णियंठो। एवं अहक्खाओ वि।

- २९ सामाइयसंजए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ। से णं भंते ! देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा, वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा, जोइसिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा, एवं जहा कसायकुसीले। एवं छेओवद्वावणिए वि। परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए। सुहुमसंपराए जहा णियंठे।
- ३० अहक्खाए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! एवं अहक्खायसंजए वि जाव अजहण्ण-मणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा । अत्थेगइए सिज्झइ जाव अंतं करेइ ।
- ३१ सामाइयसंजए णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जइ, पुच्छा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्चं इंदत्ताए, एवं जहा कसायकुसीले । एवं छेओवद्वावणिए । परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए । सेसा जहा णियंठे ।
- ३२ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स, केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- ३३ परिहारविसुद्धियस्स णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! जहण्णेणं दो पलिओवमाइं, उक्कोसेणं अद्वारस सागरोवमाइं । सेसाणं जहा णियंठस्स ।
- ३४ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया संजमद्वाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमद्वाणा पण्णत्ता । एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स ।
- ३५ सुहुमसंपरायसंजयस्स णं भंते! पुच्छा? गोयमा ! असंखेज्जा अंतोमुहुत्तिया संजमद्वाणा पण्णत्ता।
- ३६ अहक्खायसंजयस्स णं भंते ! पुच्छा? गोयमा ! एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमद्वाणे पण्णत्ते।
- ३७ एएसि णं भंते ! सामाइय-छेओवद्वावणिय-परिहारविसुद्धिय-सुहुमसंपराय-अहक्खाय- संजयाणं संजमद्वाणाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?
- गोयमा! सव्वत्थोवे अहक्खायसंजमस्स एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमद्वाणे, सुहुम-संपरायसंजयस्स अंतोमुहुत्तिया संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स संजमद्वाणा असंखेज्जगुणा, सामाइयसंजयस्स छेओवद्वावणियसंजयस्स य एएसि णं संजमद्वाणा दोण्ह वि तुल्ला असंखेज्जगुणा ।
- ३८ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा पण्णत्ता । एवं जाव अहक्खायसंजयस्स ।
- ३९ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स सद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे, तुल्ले, अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे, एवं जाव छद्वाणवडिए ।
- ४० सामाइयसंजए णं भंते! छेओवद्वावणियसंजयस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा ! सिय हीणे एवं जाव छद्वाणवडिए । एवं परिहारविसुद्धियस्स वि ।
- ४१ सामाइयसंजए णं भंते ! सुहुमसंपरायसंजयस्स परद्वाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं, पुच्छा ? गोयमा! हीणे, णो तुल्ले, णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे । एवं अहक्खाय-संजयस्स वि। एवं

छेओवद्वावणिए वि हेडिल्लेसु तिसु वि समं छद्वाणवडिए, उवरिल्लेसु दोसु तहेव हीणे । जहा छेओवद्वावणिए तहा परिहारविसुद्धिए वि।

४२ सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स परद्वाण सण्णिगासेणं, पुच्छा ? गोयमा! णो हीणे, णो तुल्ले, अब्भहिए, अणंतगुणमब्भहिए । एवं छेओवद्वावणियपरिहार- विसुद्धिएसु वि समं । सद्वाणे सिय हिणे, सिय तुल्ले, सिय अब्भहिए । जइ हीणे अणंत गुणहीणे, अह(जइ) अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए ।

४३ सुहुमसंपरायसंजयस्स अहक्खायसंजयस्स परद्वाण सण्णिगासेणं, पुच्छा ? गोयमा! हीणे, णो तुल्ले, णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे । अहक्खाए हेडिल्लाणं चउण्ह वि णो हीणे, णो तुल्ले, अब्भहिए, अणंतगुणमब्भहिए । सद्वाणे णो हीणे, तुल्ले, णो अब्भहिए ।

४४ एएसि णं भंते ! सामाइय-छेओवद्वावणिय-परिहारविसुद्धिय-सुहुमसंपराय अहक्खाय- संजयाणं जहण्णुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ?

गोयमा ! सामाइयसंजयस्स छेओवद्वावणियसंजयस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्ह वि तुल्ला सव्वत्थोवा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स जहण्णगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । सामाइयसंजयस्स छेओवद्वा- वणियसंजयस्स य एएसि णं उक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्ह वि तुल्ला अणंतगुणा। सुहुमसंपरायसंजयस्स जहण्णगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा । अहक्खायसंजयस्स अजहण्णमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा।

४५ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सजोगी होज्जा, अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी होज्जा, एवं जहा पुलाए । एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए । अहक्खाए जहा सिणाए ।

४६ सामाइयसंजए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा, अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा, एवं जहा पुलाए । एवं जाव अहक्खाए । णवरं-सुहुमसंपराए सागारोवउत्ते होज्जा, णो अणागारोवउत्ते होज्जा ।

४७ सामाइयसंजए णं भंते! किं सकसायी होज्जा, अकसायी होज्जा ? गोयमा! सकसायी होज्जा, णो अकसायी होज्जा । एवं जहा कसायकुसीले । एवं छेओवद्वावणिए वि । परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए ।

४८ सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सकसायी होज्जा, णो अकसायी होज्जा ।

४९ जइ सकसायी होज्जा, से णं भंते ! कइसु कसायेसु होज्जा ? गोयमा ! एगम्मि संजलणलोभे होज्जा । अहक्खायसंजए जहा णियंठे ।

५० सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा, अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा, एवं जहा कसायकुसीले । एवं छेओवद्वावणिए वि । परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए । सुहुमसंपराए

जहा णियंठे । अहक्खाए जहा सिणाए, णवरं-जइ सलेस्से होज्जा, एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा।

- ५१ सामाइयसंजए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा, एवं जहा पुलाए । एवं जाव परिहारविसुद्धिए।
- ५२ सुहुमसंपराए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा, हीयमाण-परिणामे वा होज्जा, णो अवट्ठियपरिणामे होज्जा । अहक्खाए जहा णियंठे ।
- ५३ सामाइयसंजए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, एवं जहा पुलाए । एवं जाव परिहारविसुद्धिए ।
- ५४ सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । से णं भंते ! केवइयं कालं हीयमाण परिणामे होज्जा? गोयमा ! एवं चेव।
- ५५ अहक्खायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । से णं भंते ! केवइयं कालं अवट्ठिय परिणामे होज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं एकक समयं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
- ५६ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा, अट्ठविहबंधए वा एवं जहा बउसे । एवं जाव परिहारविसुद्धिए ।
- ५७ सुहुमसंपरायसंजमे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! आउय-मोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ बंधइ। अहक्खायसंजए जहा सिणाए ।
- ५८ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! णियमं अट्ठ कम्म- प्पगडीओ वेदेइ। एवं जाव सुहुमसंपराए ।
- ५९ अहक्खाए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! सत्तविहवेयए वा, चउव्विहवेयए वा । सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ । चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जाउय- णाम- गोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ ।
- ६० सामाइयसंजए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा! सत्तविह उदीरेए वा, अट्ठविहउदीरेए वा, छव्विहउदीरेए वा एवं जहा बउसो । एवं जाव परिहारविसुद्धिए ।
- ६१ सुहुमसंपराए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! छव्विहउदीरेए वा, पंचविहउदीरेए वा । छ उदीरेमाणे आउय-वेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउय-वेयणिज्ज- मोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ।
- ६२ अहक्खायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पंचविहउदीरेए वा, दुविहउदीरेए वा, अणुदीरेए वा। पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्ज-मोहणिज्ज-वज्जाओ, सेसं जहा णियंठस्स।

- ६३ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयत्तं जहमाणे किं जहइ, किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! सामाइयसंजयत्तं जहइ, छेओवद्वावणियसंजयं वा सुहुमसंपरायसंजयं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ६४ छेओवद्वावणिए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! छेओवद्वावणियसंजयत्तं जहइ, सामाइय- संजयं वा परिहारविसुद्धियसंजयं वा सुहुमसंपरायसंजयं वा असंजयं वा संजमासंजयं वा उवसंपज्जइ ।
- ६५ परिहारविसुद्धिए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! परिहारविसुद्धियसंजयत्तं जहइ, छेओ- वद्वावणियसंजयं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ६६ सुहुमसंपराए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! सुहुमसंपरायसंजयत्तं जहइ, सामाइयसंजयं वा छेओवद्वावणियसंजयं वा अहक्खायसंजयं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ ।
- ६७ अक्खायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अहक्खायसंजयत्तं जहइ, सुहुमसंपराय- संजमं वा असंजमं वा सिद्धिगइं वा उवसंपज्जइ ।
- ६८ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सण्णोवउत्ते होज्जा, णोसण्णोवउत्ते होज्जा ? गोयमा! सण्णोवउत्ते होज्जा, एवं जहा बउसो। एवं जाव परिहारविसुद्धिए। सुहुमसंपराए अहक्खाए य जहा पुलाए।
- ६९ सामाइयसंजए णं भंते ! किं आहारए होज्जा, अणाहारए होज्जा ? गोयमा ! जहा पुलाए । एवं जाव सुहुमसंपराए । अहक्खायसंजए जहा सिणाए ।
- ७० सामाइयसंजए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं, उक्कोसेणं अट्ठ। एवं छेओवद्वावणिए वि ।
- ७१ परिहाराविसुद्धिए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं, उक्कोसेणं तिण्णि। एवं जाव अहक्खाए ।
- ७२ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा पण्णत्ता ? गोयमा! जहा बउसस्स।
- ७३ छेओवद्वावणियस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं वीसपुहुत्तं ।
- ७४ परिहारविसुद्धियस्स णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं तिण्णि।
- ७५ सुहुमसंपरायस्स णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं चत्तारि।
- ७६ अहक्खायस्स णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को, उक्कोसेणं दोण्णि।
- ७७ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! णाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा पण्णत्ता? गोयमा! जहा बउसे।
- ७८ छेओवद्वावणियस्स णं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं उवरिं णवण्हं सयाणं अंतो सहस्सस्स । परिहारविसुद्धियस्स जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं सत्त । सुहुमसंपरायस्स जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं णव । अहक्खायस्स जहण्णेणं दोण्णि, उक्कोसेणं पंच ।

- ७९ सामाइयसंजए णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं देसूणएहिं णवहिं वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी । एवं छेओवद्वावणिए वि । परिहारविसुद्धिए जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं देसूणएहिं एगुणतीसाए वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी । सुहुमसंपराए जहा णियंठे । अहक्खाए जहा सामाइयसंजए ।
- ८० सामाइयसंजया णं भंते ! कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं ।
- ८१ छेओवद्वावणियसंजया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं, उक्कोसेणं पण्णासं सागरोवमकोडि- सयसहस्साइं ।
- ८२ परिहाराविसुद्धियसंजया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं देसूणाइं दो वाससयाइं उक्कोसेणं देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ ।
- ८३ सुहुमसंपरायसंजया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । अहक्खायसंजया जहा सामाइयसंजया ।
- ८४ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहा पुलागस्स। एवं जाव अहक्खायसंजयस्स ।
- ८५ सामाइयसंजयाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णत्थि अंतरं ।
- ८६ छेओवद्वावणियाणं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं तेवद्धिं वाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्वारस सागरोवमकोडाकोडीओ ।
- ८७ परिहारविसुद्धियाणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! जहण्णेणं चउरासीइं वाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्वारस सागरोवमकोडाकोडीओ । सुहुमसंपरायाणं जहा णियंठाणं । अहक्खाय- संजयाणं जहा सामाइयसंजयाणं ।
- ८८ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! छ समुग्घाया पण्णत्ता- जहा कसायकुसीलस्स । एवं छेओवद्वावणियस्स वि । परिहारविसुद्धियस्स जहा पुलागस्स । सुहुमसंपरायस्स जहा णियंठस्स । अहक्खायस्स जहा सिणायस्स ।
- ८९ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, पुच्छा ? गोयमा! णो संखेज्जइ भागे होज्जा, एवं जहा पुलाए । एवं जाव सुहुमसंपराए । अहक्खायसंजए जहा सिणाए ।
- ९० सामाइयसंजए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव होज्जा तहेव फुसइ ।
- ९१ सामाइयसंजए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा । एवं जाव सुहुमसंपराए ।
- ९२ अहक्खायसंजए णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा।
- ९३ सामाइयसंजया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहा कसायकुसीला तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ।

- ९४ छेओवद्वावणिया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि। जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं । पुव्वपडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं कोडिसयपुहुत्तं । परिहारविसुद्धिया जहा पुलाया । सुहुमसंपराया जहा णियंठा ।
- ९५ अहक्खायसंजया णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि, सिय णत्थि। जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं बावट्ठसयं- अट्ठत्तरसयं खवगाणं, चउप्पण्णं उवसामगाणं । पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडि-पुहुत्तं, उक्कोसेणं वि कोडिपुहुत्तं ।
- ९६ एएसि णं भंते ! सामाइय-छेओवद्वावणिय-परिहार-विसुद्धिय-सुहुमसंपराय-अहक्खाय-संजयाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुम- संपरायसंजया, परिहारविसुद्धियसंजया संखेज्जगुणा, अहक्खायसंजया संखेज्जगुणा, छेओवद्वावणियसंजया संखेज्जगुणा, सामाइयसंजया संखेज्जगुणा ।
- ९७ पडिसेवण दोसालोयणा य, आलोयणारिहे चेव ।
तत्तो सामायारी, पायच्छित्ते तवे चेव ॥
- ९८ कइविहा णं भंते ! पडिसेवणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पडिसेवणा पण्णत्ता, तं जहा-
दप्पपमादणाभोगे, आउरे आवतीति य ।
संकिण्णे सहसक्कारे, भयप्पओसा य वीमंसा ॥१॥
- ९९ दस आलोयणादोसा, पण्णत्ता, तं जहा-
आकंपइत्ता अणुमाणइत्ता, जं दिट्ठं बायरं च सुहुमं वा ।
छण्णं सद्दाउलयं, बहुजण अव्वत्त तस्सेवी ।
- १०० दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसं आलोइत्तए, तं जहा- जाइसंपण्णे, कुलसंपण्णे, विणयसंपण्णे, णाणसंपण्णे, दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे, खंते, दंते, अमायी, अपच्छाणुतावी ।
- १०१ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए, तं जहा- आयारवं, आहारवं, ववहारवं, उव्वीलए, पकुव्वए, अपरिस्सावी, णिज्जाज्जावए, अवायदंसी ।
- १०२ दसविहा समायारी पण्णत्ता, तं जहा-
इच्छा मिच्छा तहक्कारो, आवस्सिया य णिसीहिया ।
आपुच्छणा य पडिपुच्छा, छंदणा य णिमंतणा ।
उवसंपया य काले, समायारी भवे दसहा ॥

- १०३ दसविहे पायच्छित्ते पण्णत्ते, तं जहा- आलोयणारिहे, पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउसग्गारिहे, तवारिहे, छेदारिहे, मूलारिहे, अणवट्ठप्पारिहे, पारंचियारिहे।
- १०४ दुविहे तवे पण्णत्ते, तं जहा- बाहिरए य अब्भिंतरए य ।
- १०५ से किं तं भंते ! बाहिरए तवे ? गोयमा ! बाहिरए तवे छव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अणसणं, ओमोयरिया, भिक्खायरिया, रसपरिच्चाओ, कायकिलेसो, पडिसंलीणया ।
- १०६ से किं तं भंते ! अणसणे ? गोयमा ! अणसणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- इत्तरिए य आवकहिए य।
- १०७ से किं तं भंते ! इत्तरिए ? गोयमा ! इत्तरिए अणेगविहे पण्णत्ते, तं जहा- चउत्थे भत्ते, छट्ठे भत्ते, अट्ठमे भत्ते, दसमे भत्ते, दुवालसमे भत्ते, चोद्धसमे भत्ते, अद्धमासिए भत्ते, मासिए भत्ते, दोमासिए भत्ते, तेमासिए भत्ते जाव छम्मासिए भत्ते । से तं इत्तरिए ।
- १०८ से किं तं भंते ! आवकहिए ? गोयमा ! आवकहिए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पाओवगमणे य, भत्तपच्चक्खाणे य ।
- १०९ से किं तं भंते ! पाओवगमणे ? गोयमा ! पाओवगमणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णीहारिमे य अणीहारिमे य, णियमं अपडिकम्मे । से तं पाओवगमणे ।
- ११० से किं तं भंते ! भत्तपच्चक्खाणे ? गोयमा ! भत्तपच्चक्खाणे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- णीहारिमे य अणीहारिमे य, णियमं सपडिकम्मे । से तं भत्तपच्चक्खाणे । से तं आवकहिए । से तं अणसणे ।
- १११ से किं तं भंते ! ओमोयरिया ? गोयमा ! ओमोयरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य ।
- ११२ से किं तं भंते! दव्वोमोयरिया ? गोयमा ! दव्वोमोयरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्तपाणदव्वोमोयरिया य ।
- ११३ से किं तं भंते ! उवगरणदव्वोमोयरिया ? गोयमा ! उवगरणदव्वोमोयरिया तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- एगे वत्थे, एगे पाए, चियत्तोवगरणसाइज्जणया । से त्तं उवगरणदव्वोमोयरिया।
- ११४ से किं तं भंते! भत्तपाणदव्वोमोयरिया? गोयमा! भत्तपाण दव्वोमोयरिया अट्ठ [कुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते] कवले आहारं आहारेमाणे अप्पहारे, एवं जहा सत्तमसए पढमोद्धेसए जाव णो 'पकामरसभोजी' त्ति वत्तव्वं सिया । से तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया । से तं दव्वोमोयरिया।
- ११५ से किं तं भंते ! भावोमोयरिया ? गोयमा ! भावोमोयरिया अणेगविहा पण्णत्ता, तं जहा- अप्पकोहे जाव अप्पलोभे, अप्पसद्धे, अप्पझंझे, अप्पतुमंतुमे । से तं भावोमोयरिया। से तं ओमोयरिया ।

- ११६ से किं तं भंते! भिक्खायरिया ? गोयमा ! भिक्खायरिया अणेगविहा पण्णत्ता, तं जहा-दव्वाभिग्गहचरण, एवं जहा उववाइए जाव सुद्धेसणिए, संखादत्तिए । से तं भिक्खायरिया।
- ११७ से किं तं भंते! रसपरिच्चाए ? गोयमा ! रसपरिच्चाए अणेगविहे पण्णत्ते, तं जहा-णिव्विगिइए, पणीयरसविवज्जए, एवं जहा उववाइए जाव लूहाहारे । से तं रसपरिच्चाए ।
- ११८ से किं तं भंते ! कायकिलेसे ? गोयमा ! कायकिलेसे अणेगविहे पण्णत्ते, तं जहा- ठाणाईए, उक्कुडुयासणिए, एवं जहा उववाइए जाव सव्वगायपरिकम्म-विभूसविप्पमुक्के। से तं कायकिलेसे ।
- ११९ से किं तं भंते ! पडिसंलीणया ? गोयमा ! पडिसंलीणया चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- इंदिय पडिसंलीणया, कसायपडिसंलीणया, जोगपडिसंलीणया, विवित्तसयणासणसेवणया।
- १२० से किं तं भंते! इंदियपडिसंलीणया ? गोयमा! इंदियपडिसंलीणया पंचविहा पण्णत्ता, तं जहा- सोइंदियविसयप्पयारणिरोहो वा, सोइंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोस- विणिग्गहो, चक्खिंदियविसयप्पयारणिरोहो एवं जाव फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा फासिंदिय- विसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो । से तं इंदियपडिसंलीणया ।
- १२१ से किं तं भंते ! कसायपडिसंलीणया ? गोयमा ! कसायपडिसंलीणया चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- कोहोदयणिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं । एवं जाव लोभोदयणिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोभस्स विफलीकरणं । से तं कसायपडिसंलीणया।
- १२२ से किं तं भंते ! जोगपडिसंलीणया ? गोयमा ! जोगपडिसंलीणया तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- मणजोगपडिसंलीणया, वइजोगपडिसंलीणया, कायजोगपडिसंलीणया ।
- १२३ से किं तं भंते! मणजोगपडिसंलीणया ? गोयमा! मणजोगपडिसंलीणया तिविहा पण्णत्ता पण्णत्ता, तं जहा- अकुसलमणणिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा मणस्स वा एगत्तीभावकरणं।
- १२४ से किं तं भंते! वइजोगपडिसंलीणया ? गोयमा! वइजोगपडिसंलीणया तिविहा पण्णत्ता, तं जहा- अकुसलवइणिरोहो वा कुसलवइउदीरणं वा वइए वा एगत्तीभावकरणं।
- १२५ से किं तं कायजोगपडिसंलीणया ? कायजोगपडिसंलीणया जण्णं सुसमाहियपसंत- साहरियपाणियाए कुम्मो इव गुत्तिंदिए अल्लीणे पल्लीणे चिद्धइ, से तं कायपडिसंलीणया । से तं जोगपडिसंलीणया ।
- १२६ से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया ? विवित्तसयणासणसेवणया जण्णं आरामेसु वा उज्जाणेसु वा जहा सोमिलुद्धेसए जाव सेज्जासंधारणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । से त्तं विवित्तसयणासणसेवणया । से तं पडिसंलीणया । से तं बाहिरए तवे ।
- १२७ से किं तं भंते ! अब्भित्तरए तवे ? गोयमा ! अब्भित्तरए तवे छव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- पायच्छित्तं, विणओ, वेयावच्चं, सज्झाओ, झाणं, विउसग्गो ।
- १२८ से किं तं भंते! पायच्छित्ते ? गोयमा! पायच्छित्ते दसविहे पण्णत्ते, तं जहा- आलोयणारिहे जाव पारंचियारिहे। से तं पायच्छित्ते ।

- १२९ से किं तं भंते ! विणए ? गोयमा ! विणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा-
णाणविणएदंसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोवयारविणए ।
- १३० से किं तं भंते ! णाणविणए ? गोयमा! णाणविणए पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- आभिणि-
बोहियणाणविणए जाव केवलणाणविणए । से तं णाणविणए ।
- १३१ से किं तं भंते! दंसणविणए । गोयमा! दंसणविणए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा-
सुस्सूसणाविणए य अणच्चासायणाविणए य ।
- १३२ से किं तं भंते ! सुस्सूसणाविणए ? गोयमा ! सुस्सूसणाविणए अणेगविहे पण्णत्ते, तं जहा-
सक्कारे इ वा सम्माणे इ वा एवं जहा चोदसमसए तइए उद्वेसए जाव पडिसंसाहणया। से तं
सुस्सूसणाविणए ।
- १३३ से किं तं भंते ! अणच्चासायणाविणए ?
गोयमा ! अणच्चासायणाविणए पणयालीसइविहे पण्णत्ते, तं जहा- अरहंताणं अणच्चा-
सायणया, अरहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया, आयरियाणं अणच्चासायणया,
उवज्झायाणं अणच्चासायणया, थेराणं अणच्चासायणया, कुलस्स अणच्चासायणया, गणस्स
अणच्चासायणया, संघस्स अणच्चासायणया, किरियाए अणच्चासायणया, संभोगस्स अणच्चा-
सायणया, आभिणिबोहियणाणस्स अणच्चासायणया जाव केवलणाणस्स अणच्चासायणया,
एएसिं चेव भत्ति-बहुमाणेणं, एएसिं चेव वण्णसंजलणया । से तं अणच्चासायणाविणए । से
तं दंसणविणए ।
- १३४ से किं तं भंते ! चरित्तविणए ? गोयमा ! चरित्तविणए पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा-
सामाइयचरित्तविणए जाव अहक्खायचरित्तविणए । से तं चरित्तविणए ।
- १३५ से किं तं भंते! मणविणए ? गोयमा! मणविणए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पसत्थमणविणए,
अप्पसत्थमणविणए य ।
- १३६ से किं तं भंते ! पसत्थमणविणए ? गोयमा ! पसत्थमणविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा-
अपावए, असावज्जे, अकिरिए णिरुक्केसे, अण्हवकरे, अच्छविकरे, अभूया- भिसंकणे । से
तं पसत्थमणविणए।
- १३७ से किं तं अप्पसत्थमणविणए ? अप्पसत्थमणविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- पावए,
सावज्जे, सकिरिए, सउक्केसे, अण्हयकरे, छविकरे, भूयाभिसंकणे । से तं अप्पसत्थ-
मणविणए । से तं मणविणए ।
- १३८ से किं तं भंते ! वइविणए ? गोयमा ! वइविणए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पसत्थ- वइविणए
य, अप्पसत्थवइविणए य ।
- १३९ से किं तं भंते ! पसत्थवइविणए ? गोयमा ! पसत्थवइविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा-
अपावए, असावज्जे जाव अभूयाभिसंकणे । से तं पसत्थवइविणए ।

- १४० से किं तं भंते! अप्पसत्थवइविणए ? गोयमा ! अप्पसत्थवइविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- पावए, सावज्जे जाव भूयाभिसंकणे । से तं अप्पसत्थवइविणए । से तं वइविणए ।
- १४१ से किं तं भंते! कायविणए ? गोयमा ! कायविणए दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- पसत्थ- कायविणए य, अप्पसत्थकायविणए य ।
- १४२ से किं तं भंते ! पसत्थकायविणए ? गोयमा ! पसत्थकायविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- आउत्तं गमणं, आउत्तं ठाणं, आउत्तं णिसीयणं, आउत्तं तुयट्ठणं, आउत्तं उल्लंघणं, आउत्तं पल्लंघणं, आउत्तं सत्विंदियजोगजुंजणया । से तं पसत्थकायविणए ।
- १४३ से किं तं भंते! अप्पसत्थकायविणए ? गोयमा ! अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सत्विंदियजोगजुंजणया । से तं अप्पसत्थ- कायविणए। से तं कायविणए।
- १४४ से किं तं भंते ! लोगोवयारविणए ? गोयमा ! लोगोवयारविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा- अब्भासवत्तियं, परच्छंदाणुवत्तियं, कज्जहेउं, कयपडिकइया, अत्तगवेसणया, देसकालणया, सव्वत्थेसु अप्पडिलोमया । से तं लोगोवयारविणए । से तं विणए ।
- १४५ से किं तं भंते ! वेयावच्चे ? गोयमा ! वेयावच्चे दसविहे पण्णत्ते, तं जहा- आयरियवेयावच्चे, उवज्झायवेयावच्चे, थेरवेयावच्चे, तवस्सिवेयावच्चे, गिलाणवेयावच्चे, सेहवेयावच्चे, कुलवेयावच्चे, गणवेयावच्चे, संघवेयावेच्चे, साहम्मियवेयावच्चे । से तं वेयावच्चे ।
- १४६ से किं तं भंते ! सज्झाए ? गोयमा ! सज्झाए पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा- वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्ठणा, अणुप्पेहा, धम्मकहा । से तं सज्झाए ।
- १४७ से किं तं भंते ! ज्ञाणे ? गोयमा ! ज्ञाणे चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अट्ठे ज्ञाणे, रोद्धे ज्ञाणे, धम्मे ज्ञाणे, सुक्के ज्ञाणे ।
- १४८ अट्ठे ज्ञाणे चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- अमणुणसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओग- सइसमण्णागए यावि भवइ, मणुणसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, परिजुसियकाम- भोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ । अट्ठस्स य ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तं जहा- कंदणया, सोयणया, तिप्पणया, परिदेवणया ॥
- १४९ रोद्धे ज्ञाणे चउत्विहे पण्णत्ते, तं जहा- हिंसाणुबंधी, मोसाणुबंधी, तेयाणुबंधी, सारक्खणाणु- बंधी। रोद्धस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तं जहा- ओस्सण्णदोसे, बहुलदोसे, अण्णाणदोसे, आमरणांतदोसे।
- १५० धम्मे ज्ञाणे चउत्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तं जहा- आणाविजए, अवायविजए विवागविजए, संठाणविजए । धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तं जहा- आणारुई, णिस्सगरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई । धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता, तं जहा- वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्ठणा, धम्मकहा। धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- एगत्ताणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असरणाणुप्पेहा, संसाराणुप्पेहा ।

- १५१ सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तं जहा- पुहुत्तवियक्केसवियारी, एगत्तवियक्के अवियारी, सुहुमकिरिए अणियट्ठी, समुच्छिण्णकिरिए अप्पडिवायी । सुक्कस णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तं जहा- खंती, मुत्ती, अज्जवे, मद्दवे । सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता, तं जहा- अव्वहे, असंमोहे, विवेगे, विउसग्गे । सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पण्णत्ताओ, तं जहा- अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विप्परिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा । से तं सुक्कझाणे । से तं झाणे ।
- १५२ से किं तं भंते ! विउसग्गे ? गोयमा ! विउसग्गे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा- दव्वविउसग्गे य भावविउसग्गे य ।
- १५३ से किं तं भंते ! दव्वविउसग्गे? गोयमा ! दव्वविउसग्गे चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- गणविउसग्गे, सरीरविउसग्गे, उव्हिविउसग्गे, भत्तपाणविउसग्गे । से तं दव्वविउसग्गे ।
- १५४ से किं तं भंते ! भावविउसग्गे? गोयमा ! भावविउसग्गे तिविहे पण्णत्ते, तं जहा- कसायविउसग्गे, संसारविउसग्गे, कम्मविउसग्गे ।
- १५५ से किं तं भंते ! कसायविउसग्गे ? गोयमा ! कसायविउसग्गे चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- कोहविउसग्गे, माणविउसग्गे, मायाविउसग्गे, लोभविउसग्गे । से तं कसायविउसग्गे ।
- १५६ से किं तं भंते ! संसारविउसग्गे ? गोयमा ! संसारविउसग्गे चउव्विहे पण्णत्ते, तं जहा- णेरइयसंसारविउसग्गे जाव देवसंसारविउसग्गे । से तं संसारविउसग्गे ।
- १५७ से किं तं भंते ! कम्मविउसग्गे ? गोयमा ! कम्मविउसग्गे अट्ठविहे पण्णत्ते, तं जहा- णाणावरणिज्जकम्मविउसग्गे जाव अंतराइयकम्मविउसग्गे । से तं कम्मविउसग्गे । से तं भावविउसग्गे । से तं विउसग्गे । से तं अब्भिंतरए तवे ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ॥

॥ सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

अट्ठमो उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी- णेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे अज्झवसाण-णिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं ठाणं विप्पजहित्ता पुरिम ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, एवामेव एए वि जीवा पवओ विव पवमाणा अज्झवसाण-णिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं भवं विप्पजहित्ता पुरिमं भवं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति ।
- २ तेसि णं भंते ! जीवाणं कहं सीहा गई, कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे बलवं, एवं जहा चोद्धसमसए पढमुद्देसए जाव तिसमएण वा विग्गहेण उववज्जंति । तेसि णं जीवाणं तहा सीहा गई, तहा सीहा गइविसए पण्णत्ते ।

- ३ ते णं भंते! जीवा कहं परभवियाउयं पकरेंति ? गोयमा ! अज्झवसाणजोगणिव्वत्ति-एणं करणोवाएणं; एवं खलु ते जीवा परभवियाउयं पकरेंति ।
- ४ तेसि णं भंते ! जीवाणं कहं गई पवत्तइ ? गोयमा ! आउक्खएणं, भवक्खएणं, ठिइक्खएणं, एवं खलु तेसिं जीवाणं गई पवत्तइ ।
- ५ ते णं भंते ! जीवा किं आयइढीए उववज्जंति, परिइढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आयइढीए उववज्जंति, णो परिइढीए उववज्जंति ।
- ६ ते णं भंते ! जीवा किं आयकम्मणा उववज्जंति, परकम्मणा उववज्जंति ? गोयमा! आयकम्मणा उववज्जंति, णो परकम्मणा उववज्जंति ?
- ७ ते णं भंते ! जीवा किं आयप्पओगेणं उववज्जंति, परप्पओगेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आयप्पओगेणं उववज्जंति, णो परप्पओगेणं उववज्जंति ।
- ८ असुरकुमारा णं भंते ! कहं उववज्जंति ? जहा णेरइया तहेव णिरवसेसं जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति । एवं एगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया । एगिंदिया एवं चेव । णवरं चउसमइओ विग्गहो, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठमो उद्देशो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

णवमो उद्देशो

- १ भवसिद्धियणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे, अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिए । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ णवमो उद्देशो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

दसमो उद्देशो

- २ अभवसिद्धियणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे, अवसेसं तं चेव । एवं जाव वेमाणिए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ दसमो उद्देशो समत्तो ॥

पंचवीसइमं सतं

११-१२ उद्देशो

- १ सम्मदिट्ठिणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे, अवसेसं तं चेव । एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- २ मिच्छादिट्ठिणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे, एवं अवसेसं तं चेव, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ॥ पंचवीसइमं सतं समत्तं ॥

छवीसइमं सतं

पढमो उद्देशो

- १ जीवा य लेस्स पक्खिय, दिट्ठि णाण अण्णाण सण्णाओ ।
वेय कसाए जोग उवओग, एक्कारस वि ठाणा ॥
- २ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ? गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ।
- ३ सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, एवं चउभंगो ।
- ४ कण्हलेस्से णं भंते! जीवे पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ । एवं जाव पम्हलेसे, सव्वत्थ पढम-बिइयभंगा । सुक्कलेस्से जहा सलेस्से तहेव चउभंगो ।
- ५ अलेस्से णं भंते! जीवे पावं कम्मं, किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ।
- ६ कण्हपक्खिए णं भंते ! जीवे पावं कम्मं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, एवं पढम-बिइया भंगा ।
- ७ सुक्कपक्खिए णं भंते! जीवे पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ; पुच्छा ? गोयमा ! चउभंगो भाणियव्वो ।
- ८ सम्मदिट्ठीणं चत्तारि भंगा, मिच्छादिट्ठीणं पढम-बिइया, सम्मामिच्छादिट्ठीणं एवं चेव ।

- ९ णाणीणं चत्तारि भंगा, आभिणिबोहियणाणीणं जाव मणपज्जवणाणीणं चत्तारि भंगा, केवलणाणीणं चरमो भंगो जहा अलेस्साणं । अण्णाणीणं पढम-बिइया, एवं मइअण्णाणीणं, सुयअण्णाणीणं विभंगणाणीणं वि ।
- १० आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताणं पढमबिइया, णोसण्णोवउत्ताणं चत्तारि ।
- ११ सवेयगाणं पढम-बिइया । एवं इत्थीवेयगा, पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा वि । अवेयगाणं चत्तारि ।
- १२ सकसायीणं चत्तारि । कोहकसायीणं पढम-बिइया भंगा । एवं माणकसाइयस्स वि, मायाकसाइयस्स वि । लोभकसाइयस्स चत्तारि भंगा ।
- १३ अकसायी णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ।
- १४ सजोगिस्स चउभंगो, एवं मणजोगिस्स वि, वयजोगिस्स वि, कायजोगिस्स वि । अजोगिस्स चरिमो ।
- १५ सागारोवउत्ते चत्तारि, अणागारोवउत्ते वि चत्तारि भंगा ।
- १६ णेरइए णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ एवं पढम-बिइया भंगा ।
- १७ सलेस्से णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं कण्हलेसे वि, णीललेस्से वि, काउलेस्से वि । एवं कण्हपक्खिए, सुक्क-पक्खिए, सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी; णाणी, आभिणिबोहियणाणी, सुयणाणी, ओहिणाणी, अण्णाणी, मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी, विभंगणाणी, आहारसण्णोवउत्ते जाव परिग्गहसण्णोवउत्ते, सवेयए, णपुंसगवेयए, सकसायी जाव लोभकसायी, सजोगी, मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी, सागारोवउत्ते, अणागारोवउत्ते; एएसु सव्वेसु पएसु पढम-बिइया भंगा भाणियव्वा ।
- १८ एवं असुरकुमारस्स वि वत्तव्वया भाणियव्वा, णवरं-तेउलेस्सा, इत्थिवेयगा पुरिस- वेयगा य अब्भहिया, णपुंसगवेयगा ण भण्णंति, सेसं तं चेव, सव्वत्थ पढमबिइया भंगा । एवं जाव थणियकुमारस्स ।
- एवं पुढविकाइयस्स वि, आउकाइयस्स वि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स वि सव्वत्थ वि पढम-बिइया भंगा, णवरं- जस्स जा लेस्सा, दिट्ठी, णाणं, अण्णाणं, वेदो, जोगो य अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, सेसं तहेव । मणुसस्स जच्चेव जीवपए वत्तव्वया तच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा । वाणमंतरस्स जहा असुरकुमारस्स । जोइसियस्स वेमाणियस्स एवं चेव, णवरं- लेस्साओ जाणियव्वाओ, सेसं तहेव भाणियव्वं ।
- १९ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव पावकम्मस्स वत्तव्वया तहेव णाणावरणिज्जस्स वि भाणियव्वा, णवरं- जीवपए मणुस्सपए य

सकसाइम्मि जाव लोभकसाइम्मि य पढम-बिइया भंगा, अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिया । एवं दरिसणावरणिज्जेण वि दंडओ भाणियव्वो णिरवसेसो ।

२० जीवे णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ पुच्छा ?

गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ । सलेस्से वि एवं चेव तइयविहूणा भंगा । कण्हलेस्से जाव पम्हलेस्से पढम- बिइया भंगा, सुक्कलेसे तइयविहूणा भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो। कण्हपक्खिए पढम- बिइया । सुक्कपक्खिया तइयविहूणा । एवं सम्मदिट्ठिस्स वि । मिच्छादिट्ठिस्स सम्मामिच्छा- दिट्ठिस्स य पढम-बिइया। णाणिस्स तइयविहूणा, आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी पढम-बिइया। केवलणाणी तइयविहूणा । एवं णोसण्णोवउत्ते, अवेयए, अकसायी, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते एएसु तइयविहूणा। अजोगिम्मि य चरिमो, सेसेसु य पढम-बिइया ।

२१ णेरइए णं भंते! वेयणिज्जं कम्मं बंधी, बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! एवं णेरइया जाव वेमाणिय त्ति । जस्स जं अत्थि सव्वत्थ वि पढम बिइया, णवरं- मणुस्से जहा जीवे।

२२ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव पावं कम्मं तहेव मोहणिज्जं णिरवसेसं जाव वेमाणिए ।

२३ जीवे णं भंते ! आउयं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी, बंधइ- चउभंगो । सलेस्से जाव सुक्कलेस्से चत्तारि भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो ।

२४ कण्हपक्खिए णं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ । सुक्कपक्खिए, सम्मदिट्ठि, मिच्छादिट्ठि चत्तारि भंगा ।

२५ सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ, णाणी जाव ओहिणाणी चत्तारि भंगा ।

२६ मणपज्जवणाणी णं भंते! पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ । केवलणाणे चरिमो भंगो। एवं एएणं कमेणं णोसण्णोवउत्ते बिइयविहूणा जहेव मणपज्जवणाणे । अवेयए अकसायी य तइय- चउत्था जहेव सम्मामिच्छत्ते । अजोगिम्मि चरिमो, सेसेसु पएसु चत्तारि भंगा जाव अणागारोवउत्ते ।

२७ णेरइए णं भंते ! आउयं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! चत्तारि भंगा । एवं सव्वत्थ वि णेरइयाणं चत्तारि भंगा, णवरं- कण्हलेस्से कण्हपक्खिए य पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छत्ते तइय-चउत्था । असुरकुमारे एवं चेव, णवरं- कण्हलेस्से वि चत्तारि भंगा भाणियव्वा, सेसं जहा णेरइयाणं । एवं जाव थणियकुमाराणं ।

२८ पुढविककाइयाणं सव्वत्थ वि चत्तारि भंगा, णवरं कण्हपक्खिए पढम तइया भंगा । तेउलेस्से णं भंते ! पुच्छा? गोयमा ! बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, सेसेसु सव्वत्थ चत्तारि भंगा । एवं आउक्काइय-वणस्सइकाइयाण वि णिरवसेसं । तेउकाइय-वाउक्काइयाणं सव्वत्थ वि पढम-

तइया भंगा । बेइंदिय- तेइंदिय-चउरिंदियाणं पि सव्वत्थ पढम-तइया भंगा । णवरं- सम्मत्ते, णाणे, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे तइओ भंगो ।

पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हपक्खिए पढम-तइया भंगा । सम्मामिच्छत्ते तइय-चउत्थो भंगो । सम्मत्ते, णाणे, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे, ओहिणाणे एएसु पंचसु वि एसु बिइयविहूणा भंगा, सेसेसु चत्तारि भंगा । मणुस्साणं जहा जीवाणं, णवरं-सम्मत्ते, ओहिएणाणे, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे, ओहिणाणे- एएसु बिइयविहूणा भंगा, सेसं तं चेव । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा । णामं गोयं अंतरायं च एयाणि जहा णाणावरणिज्जं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

छवीसइमं सतं

बीओ उद्देशो

१ अणंतरोववण्णए णं भंते! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ; एवं पढम-बिइया भंगा ।

२ सलेस्से णं भंते! अणंतरोववण्णए णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा! पढम-बिइया भंगा । एवं खलु सव्वत्थ पढम-बिइया भंगा, णवरं- सम्मामिच्छत्तं, मणजोगो, वइजोगो य ण पुच्छिज्जइ । एवं जाव थणियकुमाराणं । एगिंदियाणं सव्वत्थ पढम-बिइया भंगा । बेइंदिय-तेइंदिय- चउरिंदियाणं वयजोगो ण भण्णइ।

पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियाणं पि सम्मामिच्छत्तं, ओहिणाणं, विभंगणाणं, मणजोगो, वयजोगो; एयाणि पंच पयाणि ण भण्णंति । मणुस्साणं अलेस्स-सम्मामिच्छत्त-मणपज्जव-णाण-केवलणाण- विभंगणाण - णोसण्णोवउत्त - अवेयग - अकसायी - मणजोग - वयजोग-अजोगी एयाणि एक्कारस पयाणि ण भण्णंति ।

वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं तहेव ते तिण्णि ण भण्णंति । सव्वेसिं जाणि सेसाणि ठाणाणि सव्वत्थ पढम-बिइया भंगा । जहा पावे कम्मे एवं णाणा-वरणिज्जेण वि दंडओ । एवं आउयवज्जेसु जाव अंतराइए दंडओ ।

३ अणंतरोववण्णए णं भंते ! णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा ! बंधी, ण बंधइ, बंधिस्सइ ।

४ सलेस्से णं भंते ! अणंतरोववण्णए णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! एवं चेव तइओ भंगो । एवं जाव अणागारोवउत्ते सव्वत्थ वि तइओ भंगो । एवं मणुस्सवज्जं जाव वेमाणियाणं । मणुस्साणं सव्वत्थ तइय-चउत्था भंगा, णवरं कण्हपक्खिएसु तइओ भंगो, सव्वेसिं णाणत्ताइं ताइं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देशो समत्तो ॥

छवीसइमं सतं

तइओ उद्देसो

- १ परंपरोववण्णए णं भंते! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा! अत्थेगइए पढम-बिइया । एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव परंपरोववण्णएहिं वि उद्देसओ भाणियव्वो णेरइयाओ तहेव णवदंडगसहिओ । अट्ठण्ह वि कम्मप्पगडीणं जा जस्स कम्मस्स वत्तव्वया सा तस्स अहीणमइरित्ता णेयव्वा जाव वेमाणिया अणागारोवउत्ता। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

छवीसइमं सतं

४-१० उद्देसो

- १ अणंतरोगाढए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव अणंतरोववण्णएहिं णवदंडगसंगहिओ उद्देसो भणिओ तहेव अणंतरोगाढएहिं वि अहीणमइरित्तो भाणियव्वो णेरइयाईए जाव वेमाणिए॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- २ परंपरोगाढए णं भंते! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ३ अणंतराहारए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव अणंतरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ४ परंपराहारए णं भंते! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो। ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ५ अणंतरपज्जत्तए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! जहेव अणंतरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ६ परंपरपज्जत्तए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी, बंधइ, बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते ! सेवं भंते !
- ७ चरिमे णं भंते! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव चरिमेहिं णिरवसेसो । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ ४-१० उद्देसो समत्तो ॥

छवीसइमं सतं

एक्कारसमो उद्देसो

- १ अचरिमे णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! एवं जहेव पढमोद्देसए तहेव पढम-बिइया भंगा भाणियव्वा सव्वत्थ जाव पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियाणं ।

- २ अचरिमे णं भंते ! मणुस्से पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ; अत्थेगइए बंधी, ण बंधइ, बंधिस्सइ ।
- ३ सलेस्से णं भंते ! अचरिमे मणुस्से पावंकम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा ! एवं चेव तिण्णि भंगा चरमविहूणा भाणियच्चा एवं जहेव पढमुद्देसे, णवरं- जेसु तत्थ वीससु चत्तारि भंगा तेसु इह आदिल्ला तिण्णि भंगा भाणियच्चा चरिमभंगवज्जा । अलेस्से केवलणाणी य अजोगी य, एए तिण्णि ण पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिए जहा णेरइए ।
- ४ अचरिमे णं भंते ! णेरइए णाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा? गोयमा! एवं जहेव पावंकम्मं, णवरं-मणुस्सेसु सकसायीसु लोभकसायीसु य पढमबिइया भंगा, सेसा अट्टारस चरमविहूणा, सेसं तहेव जाव वेमाणियाणं । दरिसणावरणिज्जं पि एवं चेव णिरवसेसं। वेयणिज्जे सव्वत्थ वि पढम-बिइया भंगा जाव वेमाणियाणं, णवरं-मणुस्सेसु अलेस्से, केवली अजोगी य णत्थि ।
- ५ अचरिमे णं भंते! णेरइए मोहणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव पावं तहेव णिरवसेसं जाव वेमाणिए ।
- ६ अचरिमे णं भंते ! णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, पुच्छा ? गोयमा! पढम-तिइया भंगा । एवं सव्वपएसु वि णेरइयाणं पढम-तइया भंगा, णवरं-सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो । एवं जाव थणियकुमाराणं ।
- पुढविक्काइय-आउक्काइय-वणस्सइकाइयाणं तेउलेस्साए तइओ भंगो, सेसेसु पएसु सव्वत्थ पढम-तइया भंगा । तेउकाइय-वाउक्काइयाणं सव्वत्थ पढम-तइया भंगा । बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं एवं चेव, णवरं-सम्मत्ते, ओहिणाणे, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे; एएसु चउसु वि ठाणेसु तइओ भंगो ।
- पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, सेसेसु पएसु सव्वत्थ पढम-तइया भंगा । मणुस्साणं सम्मामिच्छत्ते अवेयए अकसाइम्मि य तइओ भंगो, अलेस्स-केवलणाण-अजोगी य ण पुच्छिज्जंति । सेस पएसु सव्वत्थ पढम-तइया भंगा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया । णामं गोयं अंतराइयं च जहेव णाणावरणिज्जं तहेव णिरवसेसं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ एक्कारसमो उद्देसो समत्तो ॥ छवीसइमो सतं समत्तं ॥

सत्तवीसइमं सतं

१-११ उद्देसो

- १ जीवे णं भंते ! पावं कम्मं किं करिंसु करेति करिस्संति; करिंसु करेति ण करिस्संति; करिंसु ण करेति करिस्संति; करिंसु ण करेति ण करिस्संति ?
- गोयमा ! अत्थेगइए करिंसु करेति करिस्संति; अत्थेगइए करिंसु करेति ण करिस्संति; अत्थेगइए करिंसु ण करेति करिस्संति; अत्थेगइए करिंसु ण करेति ण करिस्संति ।
- २ सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं करिंसु करेति करेस्संति, पुच्छा ?
- गोयमा ! जच्चेव बंधिसए वत्तव्वया, सच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा, तहेव णवदंडग- संगहिया एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ।

॥ सत्तावीसं सतं समत्तं ॥

अट्ठावीसइमं सतं

१-११ उद्देसो

- १ जीवा णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु, कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वे वि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, णेरइएसु य होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, मणुस्सेसु य होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, देवेसु य होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, णेरइएसु य, मणुस्सेसु य होज्जा; अहवा तिरिक्ख- जोणिएसु य, णेरइएसु य, देवेसु य होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, मणुस्सेसु य, देवेसु य होज्जा; अहवा तिरिक्खजोणिएसु य, णेरइएसु य, मणुस्सेसु य, देवेसु य होज्जा।
- २ सलेस्सा णं भंते! जीवा पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु, कहिं समायरिंसु ? गोयमा! एवं चेव । एवं कण्हलेस्सा जाव अलेस्सा । एवं कण्हपक्खिया, सुक्कपक्खिया। एवं जाव अणागारोवउत्ता।
- ३ णेरइया णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु, कहिं समायरिंसु? गोयमा ! सव्वे वि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा, एवं चेव अट्ठ भंगा भाणियव्वा । एवं सव्वत्थ अट्ठ भंगा । एवं जाव अणागारोवउत्ता वि । एवं जाव वेमाणियाणं । एवं णाणावरणिज्जेण वि दंडओ । एवं जाव अंतराइएणं । एवं एए जीवादीया वेमाणियपज्जवसाणा णव दंडगा भवंति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ४ अणंतरोववण्णगा णं भंते! णेरइया पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु ? कहिं समायरिंसु? गोयमा! सव्वे वि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा, एवं एत्थ वि अट्ठ भंगा। एवं अणंतरोववण्णगाणं णेरइयाईणं जस्स जं अत्थि लेसाईयं अणागारोवओगपज्जवसाणं तं सव्वं एयाए भयणाए भाणियव्वं जाव वेमाणियाणं, णवरं- अणंतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा बंधिसए तहा इहं पि ।

एवं णाणावरणिज्जेण वि दंडओ, एवं जाव अंतराइएणं णिरवसेसं । एसो वि णवदंडगसंगहिओ उद्देसओ भाणियव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते !

१ एवं एएणं कमेणं जहेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी तहेव इहं पि अट्ठसु भंगेसु णेयव्वा, णवरं-जाणियव्वं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं जाव अचरिमुद्देसो । सव्वे वि एए एक्कारस उद्देसगा ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ अट्ठावीसइमो सतं समत्तं ॥

एगूणतीसइमं सतं

१-११ उद्देसो

१ जीवा णं भंते ! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु? समायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु? विसमायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु? विसमायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु ? गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु जाव अत्थेगइया विसमायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु ।

२ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु-तं चेव ? गोयमा ! जीवा चउत्विहा पण्णत्ता, तं जहा- अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा । तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु । तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु । तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु । तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु । से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव ।

३ सलेस्सा णं भंते ! जीवा पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु, समायं णिट्ठविंसु, पुच्छा? एवं चेव, एवं सव्वट्ठाणेसु वि जाव अणगारोवउत्ता । एए सव्वे वि पया एयाए वत्तव्वयाए भाणियव्वा ।

४ णेरइया णं भंते! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु, पुच्छा ? गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु-एवं जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्वं जाव अणागारोवउत्ता । एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं एएणं चेव कमेणं भाणियव्वं । जहा पावेण दंडओ, एएणं कमेणं अट्ठसु वि कम्मप्पगडीसु अट्ठ दंडगा भाणियव्वा, जीवाईया वेमाणिय-पज्जवसाणा । एसो णवदंडगसंगहिओ पढमो उद्देसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

५ अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु, समायं णिट्ठविंसु, पुच्छा ? गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु, समायं णिट्ठविंसु; अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु, विसमायं णिट्ठविंसु । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु-तं चेव? गोयमा ! अणंतरोववण्णगा णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा,

अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा । तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु । तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु । से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव ।

६ सलेस्सा णं भंते! अणंतरोववण्णा णेरइया पावं कम्मं, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव अणागारोवउत्ता । एवं असुरकुमाराणं । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं । एवं णाणावरणिज्जेणं वि दंडओ, एवं णिरवसेसं जाव अंतराइएणं।

७ एवं एएणं गमएणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगपरिवाडी सच्चेव इह वि भाणियव्वा जाव अचरिमो त्ति। अणंतरउद्देसगाणं चउण्ह वि एक्का वत्तव्वया, सेसाणं सत्तण्हं एक्का।

॥ एगूणतीसइमं सतं समत्तं ॥

तीसइमं सतं

पढमो उद्देसो

१ कइ णं भंते ! समोसरणा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि समोसरणा पण्णत्ता, तं जहा-किरियावाई, अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई ।

२ जीवा णं भंते ! किं किरियावाई, अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई ? गोयमा ! जीवा किरियावाई वि, अकिरियावाई वि, अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि।

३ सलेस्सा णं भंते! जीवा किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा! किरियावाई वि, अकिरियावाई वि, अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि । एवं जाव सुक्कलेस्सा ।

४ अलेस्सा णं भंते ! जीवा, पुच्छा? गोयमा ! किरियावाई, णो अकिरियावाई, णो अण्णाणियवाई, णो वेणइयवाई ।

५ कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा किं किरियावाई, पुच्छा? गोयमा! णो किरियावाई, अकिरियावाई, अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि । सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा । सम्मदिट्ठी जहा अलेस्सा। मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया ।

६ सम्मामिच्छादिट्ठीणं भंते ! किं किरियावाई, पुच्छा? गोयमा ! णो किरियावाई, णो अकिरियावाई, अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि । णाणी जाव केवलणाणी जहा अलेस्से। अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया। आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता जहा सलेस्सा। णोसण्णोवउत्ता जहा अलेस्सा। सवेयगा जाव णपुंसगवेयगा जहा सलेस्सा। अवेयगा जहा अलेस्सा । सकसायी जाव लोभकसायी जहा सलेस्सा । अकसायी जहा अलेस्सा। सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा । अजोगी जहा अलेस्सा। सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा ।

७ णेरइया णं भंते! किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा ! किरियावाई वि जाव वेणइयवाई वि ।

- ८ सलेस्सा णं भंते ! णेरइया किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव काउलेस्सा। कण्हपक्खिया किरियाविवज्जिया । एवं एएणं कमेणं जच्चेव जीवाणं वत्तव्वया सच्चेव णेरइयाणं वि जाव अणागारोवउत्ता, णवरं- जं अत्थि तं भाणियव्वं, सेसं ण भण्णइ । जहा णेरइया एवं जाव थणियकुमारा ।
- ९ पुढविकाइया णं भंते! किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा! णो किरियावाई, अकिरियावाई वि । अण्णाणियवाई वि, णो वेणइयवाई। एवं पुढविकाइयाणं जं अत्थि तत्थ सव्वत्थ वि एयाइं दो मज्झिल्लाइं समोसरणाइं जाव अणागारोवउत्ता वि । एवं जाव चउरिंदियाणं सव्वठाणेसु एयाइं चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं, णवरं-विगलिंदियाणं सम्मत्त-णाणेहिं वि एयाणि चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा जीवा, णवरं- जं अत्थि तं भाणियव्वं । मणुस्सा जहा जीवा तहेव णिरवसेसं । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ।
- १० किरियावाई णं भंते ! जीवा किं णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्ख-जोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति, देवाउयं पि पकरेंति ।
- ११ जइ देवाउयं पकरेंति किं भवणवासीदेवाउयं पकरेंति जाव वेमाणियदेवाउयं पकरेंति? गोयमा! णो भवणवासीदेवाउयं पकरेंति, णो वाणमंतरदेवाउयं पकरेंति णो जोइसियदेवाउयं पकरेंति, वेमाणियदेवाउयं पकरेंति ।
- १२ अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! णेरइयाउयं पि पकरेंति जाव देवाउयं पि पकरेंति । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि ।
- १३ सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं एवं जहेव जीवा तहेव सलेस्सा वि चउहिं वि समोसरणेहिं भाणियव्वा।
- १४ कण्हलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति। अकिरियाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई य चत्तारि वि आउयाइं पकरेंति । एवं णीललेस्सा वि । एवं काउलेस्सा वि ।
- १५ तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, देवाउयं पि पकरेंति । जइ देवाउयं पकरेंति-तहेव ।
- १६ तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पि पकरेंति, देवाउयं पि पकरेंति । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि । जहा तेउलेस्सा एवं पम्हलेस्सा वि सुक्कलेस्सा वि णायव्वा ।

- १७ अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, णो मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति ।
- १८ कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा ! णेरइयाउयं पि पकरेंति एवं चउविहं पि । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि। सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा ।
- १९ सम्मदिट्ठी णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, देवाउयं पि पकरेंति । मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया ।
- २० सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते ! जीवा अण्णाणियवाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? जहा अलेस्सा। एवं वेणइयवाई वि । णाणी आभिणिबोहियणाणी य, सुयणाणी य, ओहिणाणी य जहा सम्मदिट्ठी ।
- २१ मणपज्जवणाणी णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्ख-जोणियाउयं, णो मणुस्साउयं पकरेंति, देवाउयं पकरेंति ।
- २२ जइ देवाउयं पकरेंति किं भवणवासिदेवाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा ! णो भवणवासिदेवाउयं पकरेंति, णो वाणमंतरदेवाउयं पकरेंति, णो जोइसियदेवाउयं पकरेंति, वेमाणियदेवाउयं पकरेंति। केवलणाणी जहा अलेस्सा । अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया । सण्णासु चउसु वि जहा सलेस्सा । णोसण्णोवउत्ता जहा मणपज्जवणाणी। सवेयगा जाव णपुंसगवेयगा जहा सलेस्सा । अवेयगा जहा अलेस्सा । सकसायी जाव लोभकसायी जहा सलेस्सा । अकसायी जहा अलेस्सा। सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा । अजोगी जहा अलेस्सा । सागारोवउत्ता य अणागारोवउत्ता य जहा सलेस्सा ।
- २३ किरियावाई णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति ।
- २४ अकिरियावाई णं भंत! णेरइया, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्ख-जोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि।
- २५ सलेस्सा णं भंते ! णेरइया किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा ? गोयमा! एवं सव्वे वि णेरइया जे किरियावाई ते मणुस्साउयं एगं पकरेंति, जे अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई ते सव्वद्वाणेषु वि णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणि-याउयंपि पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति, णवरं- सम्मामिच्छत्ते उवरिल्लेहिं दोहि वि समोसरणेहिं ण किंचि वि पकरेंति जहेव जीवपए । एवं जाव थणियकुमारा जहेव णेरइया ।
- २६ अकिरियावाई णं भंते! पुढविकाइया, पुच्छा ? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्ख-जोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति । एवं अण्णाणियवाई वि।

- २७ सलेस्सा णं भंते! पुढविकाइया, पुच्छा ? गोयमा! एवं जं जं पयं अत्थि पुढवि- काइयाणं तहिं तहिं मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु एवं चेव दुविहं आउयं पकरेंति, णवरं- तेउलेस्साए ण किं पि पकरेंति । एवं आउक्काइयाण वि, एवं वणस्सइकाइयाण वि । तेउकाइया वाउकाइया सव्वद्वाणेसु मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, णो मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति । बेइंदिय तेइंदिय चउरिंदियाणं जहा पुढविकाइयाणं, णवरं-सम्मत्त-णाणेसु ण एकं पि आउयं पकरेंति ।
- २८ किरियावाई णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा? गोयमा! जहा मणपज्जवणाणी । अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई य चउव्विहं पि आउयं पकरेंति। जहा ओहिया तहा सलेस्सा वि ।
- २९ कण्हलेस्सा णं भंते ! किरियावाई पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णेरइयाउयं, पुच्छा? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, णो मणुस्साउयं पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति । अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई, चउव्विहं पि आउयं पकरेंति । जहा कण्हलेस्सा एवं णीललेस्सा वि, काउलेस्सा वि, तेउलेस्सा जहा सलेस्सा। णवरं- अकिरियावाई, अण्णाणियवाई, वेणइयवाई य णो णेरइयाउयं पकरेंति, देवाउयं पि पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पि पकरेंति, मणुस्साउयं पि पकरेंति । एवं पम्हलेस्सा वि, एवं सुक्कलेस्सा वि भाणियव्वा ।
- कण्हपक्खिया तिहिं समोसरणेहिं चउव्विहं पि आउयं पकरेंति । सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा । सम्मदिट्ठी जहा मणपज्जवणाणी तहेव वेमाणियाउयं पकरेंति । मिच्छदिट्ठी जहा कण्हपक्खिया। सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एकं पि पकरेंति जहेव णेरइया । णाणी जाव ओहिणाणी जहा सम्मदिट्ठी । अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया । सेसा जाव अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा ।
- जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वत्तव्वया भणिया एवं मणुस्साण वि भाणियव्वा, णवरं- मणपज्जवणाणी, णोसण्णोवउत्ता य जहा सम्मदिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा। अलेस्सा, केवलणाणी, अवेयगा, अकसायी, अजोगी, य एए एगं पि आउयं ण पकरेंति, जहा ओहिया जीवा । सेसं तहेव । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ।
- ३० किरियावाई णं भंते! जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया? गोयमा! भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया ।
- ३१ अकिरियावाई णं भंते ! जीव किं भवसिद्धिया, पुच्छा ? गोयमा! भवसिद्धिया वि, अभवसिद्धिया वि । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि ।
- ३२ सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया, पुच्छा? गोयमा! भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया ।

३३ सलेस्सा णं भंते! जीवा अकिरियावाई किं भवसिद्धिया, पुच्छा ? गोयमा ! भवसिद्धिया वि, अभवसिद्धिया वि । एवं अण्णाणियवाई वि, वेणइयवाई वि । जहा सलेस्सा, एवं जाव सुक्कलेसा ।

३४ अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया, पुच्छा ?

गोयमा ! भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया । एवं एणं अभिलावेणं कण्हपक्खिया तिसु वि समोसरणेसु भयणाए । सुक्कपक्खिया चउसु वि समोसरणेसु भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया । सम्मदिट्ठी जहा अलेस्सा । मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया । सम्मामिच्छदिट्ठी दोसु वि समोसरणेसु जहा अलेस्सा । णाणी जाव केवलणाणी भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया । अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया । सण्णासु चउसु वि जहा सलेस्सा । णो सण्णोवउत्ता जहा सम्मदिट्ठी । सवेयगा जाव णपुंसगवेयगा जहा सलेस्सा । अवेयगा जहा सम्मदिट्ठी । सकसायी जाव लोभकसायी जहा सलेस्सा । अकसायी जहा सम्मदिट्ठी । सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा । अजोगी जहा सम्मदिट्ठी । सागारोवउत्ता अण्णागारोवउत्ता जहा सलेस्सा ।

३५ एवं णेरइया वि भाणियव्वा, णवरं-णायव्वं जं अत्थि । एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा । पुढविक्काइया सव्वद्वाणेसु वि मज्झिम्मेसु दोसु वि समोसरणेसु भवसिद्धिया वि, अभवसिद्धिया वि । एवं जाव वणस्सइकाइया ।

बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदिया एवं चेव, णवरं- सम्मत्ते, ओहिणाणे, आभिणिबोहियणाणे, सुयणाणे एएसु चेव दोसु मज्झिमेसु समोसरणेसु भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया, सेसं तं चेव । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया, णवरं णायव्वं जं अत्थि । मणुस्सा जहा ओहियाजीवा । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥सेवं भंते! सेवं भंते ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

तीसइमं सतं

२-११ उद्देसो

१ अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा ! किरियावाई वि जाव वेणइयवाई वि ।

२ सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जहेव पढमुद्देसे णेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इह वि भाणियव्वा, णवरं- जं जस्स अत्थि अणंतरोववण्णगाणं णेरइयाणं तं तस्स भाणियव्वं । एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं- अणंतरोववण्णगाणं जं जहिं अत्थि तं तहिं भाणियव्वं ।

३ किरियावाई णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति, णो तिरिक्खजोणियाउयं, णो मणुस्साउयं, णो देवाउयं पकरेंति । एवं अकिरियावाई वि अण्णाणियवाई वि वेणइयवाई वि ।

- ४ सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववण्णगा णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, पुच्छा? गोयमा! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति । एवं जाव वेमाणिया। एवं सव्वट्ठाणेसु वि अणंतरोववण्णगा णेरइया ण किंचि वि आउयं पकरेंति जाव अणागारोवउत्ते त्ति। एवं जाव वेमाणिया, णवरं- जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं ।
- ५ किरियावाई णं भंते! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं भवसिद्धिया, अभवसिद्धिया? गोयमा! भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया ।
- ६ अकिरियावाई णं भंते! पुच्छा ? गोयमा! भवसिद्धिया वि, अभवसिद्धिया वि । एवं अण्णाणियवाई वि वेणइयवाई वि ।
- ७ सलेस्सा णं भंते! किरियावाई अणंतरोववण्णगा णेरइया किं भवसिद्धिया, अभवसिद्धिया? गोयमा! भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया । एवं एणं अभिलावेणं जहेव ओहिए उद्देसए णेरइयाणं वत्तव्वया भणिया तहेव इह वि भाणियव्वा जाव अणागारोवउत्त त्ति । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं- जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं । इमं से लक्खणं-जे किरियावाई, सुक्क-पक्खिया, सम्मामिच्छदिट्ठीया एए सव्वे भवसिद्धिया, णो अभवसिद्धिया, सेसा सव्वे भवसिद्धिया वि, अभवसिद्धिया वि ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते!॥
- ८ परंपरोववण्णगा णं भंते! णेरइया किरियावाई, पुच्छा ? गोयमा! जहेव ओहिओ उद्देसओ तहेव परंपरोववण्णएसु वि णेरइयाईओ तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, तहेव तियदंडगसंगहिओ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ९ एवं एणं कमेणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी सच्चेव इहं पि जाव अचरिमो उद्देसो, णवरं-अणंतरा चत्तारि वि एककगमगा, परंपरा चत्तारि वि एककगमएणं। एवं चरिमा वि। अचरिमा वि एवं चेव, णवरं-अलेस्सी, केवली, अजोगी ण भण्णइ, सेसं तहेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ तीसइमो सतं समत्तं ॥

इक्कतीसइमं सतं

पढमो उद्देसो

- १ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! खुड्डा जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि खुड्डाजुम्मा पण्णत्ता । तं जहा- कडजुम्मे, तेयोए, दावरजुम्मे, कलिओए । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- चत्तारि खुड्डाजुम्मा पण्णत्ता, तं जहा- कडजुम्मे जाव कलिओए ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए से तं खुड्डागकड-जुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए से तं खुड्डागतेओगे। जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए से तं खुड्डागदावरजुम्मे । जे णं रासी

चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए से तं खुड्ढागकलिओगे । से तेण्ढेणं गोयमा! जाव कलिओगे ।

- २ खुड्ढागकडजुम्मणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति-किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा? गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति। एवं णेरइयाणं उववाओ जहा वक्कंतीए तहा भाणियव्वो।
- ३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति ।
- ४ ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे अज्जवसाण निव्वत्तिएणं करणोवाएणं एवं जहा पंचविंसइमे सए अट्ठमुद्देसए णेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इह वि भाणियव्वा जाव आयप्पओगेणं उववज्जंति, णो परप्पओगेणं उववज्जंति ।
- ५ रयणप्पभापुरढविखुड्ढागकडजुम्मणेइया णं भंते! कओ उववज्जंति- किं णेरइएहिंतो उववज्जंति पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहा ओहियणेइयाणं वत्तव्वया सच्चेव रयणप्पभाए वि भाणियव्वा जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति । एवं सक्करप्पभाए वि जाव अहेसत्तमाए एवं उववाओ जहा वक्कंतीए । सेसं तहेव ।
- ६ खुड्ढागतेओगणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति- किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! उववाओ जहा वक्कंतीए ।
- ७ ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । सेसं जहा कडजुम्मस्स, एवं जाव अहेसत्तमाए ।
- ८ खुड्ढागदावरजुम्मणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव खुड्ढागकडजुम्मे, णवरं-परिमाणं दो वा छ वा दस वा चोदस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । सेसं तं चेव जाव अहेसत्तमाए ।
- ९ खुड्ढागकलियोगणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं जहेव खुड्ढागकडजुम्मे, णवरं-परिमाणं एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । सेसं तं चेव । एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सतं

बीओ उद्देसो

- १ कण्हलेस्स-खुड्ढाग-कडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव जहा ओहियगमो जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति, णवरं-उववाओ जहा वक्कंतीए धूमप्पभापुढविणेइयाणं, सेसं तं चेव ।

- २ धूमप्पभापुढवि कण्हलेस्स खुड्डाग कडजुम्म णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव णिरवसेसं । एवं तमाए वि, अहेसत्तमाए वि, णवरं- उववाओ सव्वत्थ जहा वक्कंतीए।
- ३ कण्हलेस्स-खुड्डाग-तेओग-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं- तिणिण वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । सेसं तं चेव । एवं जाव अहेसत्तमाए वि ।
- ४ कण्हलेस्स-खुड्डाग-दावरजुम्म-णेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! एवं चेव, णवरं-दो वा छ वा दस वा चोदस वा; सेसं तं चेव, धूमप्पभाए वि जाव अहेसत्तमाए ।
- ५ कण्हलेस्स-खुड्डाग-कलिओग-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं- एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा; सेसं तं चेव । एवं धूमप्पभाए वि, तमाए वि, अहेसत्तमाए वि ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सतं

तइओ उद्देसो

- १ णीललेस्स-खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहेव कण्हलेस्स- खुड्डाग-कडजुम्मा; णवरं-उववाओ जो वालुयप्पभाए । सेसं तं चेव । वालुयप्पभा पुढवि- णीललेस्स-खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया एवं चेव, एवं पंकप्पभाए वि, एवं धूमप्पभाए वि । एवं चउसु वि जुम्मेसु, णवरं-परिमाणं जाणियव्वं। परिमाणं जहा कण्हलेस्स उद्देसए । सेसं तहेव ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ तइओ उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सतं

चउत्थो उद्देसो

- १ काउलेस्स-खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहेव कण्हलेस्स- खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया, णवरं- उववाओ जो रयणप्पभाए, सेसं तं चेव ।
- २ रयणप्पभापुढवि-काउलेस्स-खुड्डागकडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव । एवं सक्करप्पभाए वि, एवं वालुयप्पभाए वि । एवं चउसु वि जुम्मेसु, णवरं- परिमाणं जाणियव्वं, जहा कण्हलेस्सउद्देसए, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सत्तं

पंचमो उद्देसो

- १ भवसिद्धिय-खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति- किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जहेव ओहिओ गमओ तहेव णिरवसेसं जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति ।
- २ रयणप्पभापुढवि-भवसिद्धिय-खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति-किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! एवं चेव णिरवसेसं । एवं जाव अहेसत्तमाए । एवं भवसिद्धिय-खुड्डाग-तेओग णेरइया वि । एवं जाव कलिओग त्ति, णवरं-परिमाणं जाणियव्वं, पुव्वभणियं जहा पढमुद्देसए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सत्तं

छट्ठो उद्देसो

- १ कणहलेस्स-भवसिद्धिय-खुड्डागकडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहेव ओहिओ कणहलेस्सउद्देसओ तहेव णिरवसेसं चउसु वि जुम्मेसु भाणियव्वो जाव अहेसत्तमपुढवि-कणहलेस्स-खुड्डाग- भवसिद्धिय कलिओग-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति? गोयमा ! तहेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

इक्कतीसइमं सत्तं

७-२८ उद्देसो

- १ णीललेस्स-भवसिद्धिया चउसु वि जुम्मेसु तहेव भाणियव्वा जहा ओहिए णीललेस्स- उद्देसए ।
- २ काउलेस्सा भवसिद्धिया चउसु वि जुम्मेसु तहेव उववाएयव्वा जहेव ओहिए काउलेस्सउद्देसए ।
- ३ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि उद्देसगा भणिया एवं अभवसिद्धिएहिं वि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव काउलेस्सउद्देसओ त्ति ।
- ४ एवं सम्मदिट्ठीहिं वि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, णवरं- सम्मदिट्ठी पढमबिइएसु दोसु वि उद्देसएसु अहेसत्तमापुढवीए ण उववाएयव्वो, सेसं तं चेव ।
- ५ मिच्छादिट्ठीहिं वि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहा भवसिद्धियाणं ।
- ६ एवं कण्हपक्खिएहिं वि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहेव भवसिद्धिएहिं ।

- ७ सुक्कपक्खिहिं एवं चेव चत्तारि उद्देसगा भाणियच्चा । जाव वालुयप्पभापुढवि- काउलेस्स- सुक्कपक्खिय-खुड्डागकलिओग-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! तहेव जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ सव्वे वि एए अट्ठावीसं उद्देसगा ।

॥ एकत्तीसइमं सतं समत्तं ॥

बत्तीसइमं सतं

१-२८ उद्देसो

- १ खुड्डाग-कडजुम्म-णेरइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति- किं णेरइएसु उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! उव्वट्ठणा जहा वक्कंतीए ।
- २ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उव्वट्ठंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्ठंति ।
- ३ ते णं भंते ! जीवा कहं उव्वट्ठंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए, एवं तहेव । एवं सो चेव गमओ जाव आयप्पओगेणं उव्वट्ठंति, णो परप्पओगेणं उव्वट्ठंति ।
- ४ रयणप्पभापुढवि-खुड्डागकडजुम्म, पुच्छा? गोयमा! एवं रयणप्पभाए वि, एवं जाव अहेसत्तमाए। एवं खुड्डागतेओग-खुड्डागदावरजुम्म-खुड्डागकलिओगा, णवरं-परिमाणं जाणियव्वं, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ५ कण्हलेस्स-कडजुम्मणेरइया-एवं एएणं कमेणं जहेव उववायसए अट्ठावीसं उद्देसगा भणिया तहेव उव्वट्ठणासए वि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियच्चा णिरवसेसा । णवरं-उव्वट्ठंति त्ति अभिलावो भाणियव्वो, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बत्तीसइमं सतं समत्तं ॥

तेत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

पढमो उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते ! एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया ।
- २ पुढविकाइया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया य ।

- ३ सुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइया य, अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइया य ।
- ४ बायरपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव । एवं आउकाइया वि चउक्कएणं भेएणं भाणियच्चा । एवं जाव वणस्सइकाइया ।
- ५ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं।
- ६ पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं।
- ७ अपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ८ पज्जत्ताबायरपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं एएणं कमेणं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ति ।
- ९ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वि, अट्ठविहबंधगा वि । सत्त बंधमाणा आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधंति, अट्ठ बंधमाणा पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधंति ।
- १० पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! एवं चेव । एवं सच्चे जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! एवं चेव ।
- ११ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चोद्धस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, सोइंदियवज्झं, चक्खिंदियवज्झं, घाणिंदियवज्झं, जिब्भिंदियवज्झं, इत्थिवेयवज्झं, पुरिसवेयवज्झं । एवं चउक्कएणं भेएणं जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति? गोयमा! एवं चेव चोद्धस कम्मप्पगडीओ वेदेंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देशो समत्तो ॥

तेत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

बीओ उद्देशो

- १ कइविहा णं भंते! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा! पंचविहा अणंतरो- ववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया ।
- २ अणंतरोववण्णगा णं भंते! पुढविकाइया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया य । एवं दुपएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइया।

- ३ अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं ।
- ४ अणंतरोववण्णगबायरपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। एवं जाव अणंतरो-ववण्णग-बायरवणस्सइकाइयाणं ति ।
- ५ अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधंति । एवं जाव अणंतरोववण्णग बायरवणस्सइ-काइय त्ति ।
- ६ अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदंति, तं जहा- णाणावरणिज्जं, तहेव जाव पुरिसवेयवज्झं । एवं जाव अणंतरोववण्णगबायरवणस्सइकाइय त्ति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तेत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

३-११ उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते! परंपरोववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा! पंचविहा परंपरो- ववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया । एवं चउक्कओ भेओ जहा ओहिय-उद्देसए ।
- २ परंपरोववण्णग-अपज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहिय-उद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव चउद्दस वेदंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ३ अणंतरोगाढा जहा अणंतरोववण्णगा । परंपरोगाढा जहा परंपरोववण्णगा । अणंतराहारगा जहा अणंतरोववण्णगा । परंपराहारगा जहा परंपरोववण्णगा । अणंतरपज्जत्तगा जहा अणंतरो-ववण्णगा । परंपरपज्जत्तगा जहा परंपरोववण्णगा । चरिमा वि जहा परंपरोववण्णगा तहेव । एवं अचरिमा वि । एवं एए एक्कारस उद्देसगा । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ ३-११ उद्देसो समत्तो ॥ तेत्तीसइमं सतं-१ समत्तं ॥

तेत्तीसइमं सतं

बीअं अवान्तर सत्तं

१-११ उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया ।
- २ कण्हलेस्सा णं भंते ! पुढविकाइया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया य ।
- ३ कण्हलेस्सा णं भंते! सुहुमपुढविकाइया कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं चउक्कओभेओ जहेव ओहिय-उद्देसए जाव वणस्सइकाइय त्ति ।
- ४ कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एवं चेव एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिय-उद्देसए तहेव पण्णत्ताओ, तहेव बंधंति, तहेव वेदंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !॥
- ५ कइविहा णं भंते! अणंतरोववण्णग-कण्हलेस्स-एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता । एवं एएणं अभिलावेणं तहेव दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइय त्ति ।
- ६ अणंतरोववण्णग-कण्हलेस्स-सुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहिओ अणंतरोववण्णगाणं उद्देसओ तहेव जाव वेदंति ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥
- ७ कइविहा णं भंते ! परंपरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया । एवं एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेओ जाव वणस्सइकाइय त्ति।
- ८ परंपरोववण्णग-कण्हलेस्स-अपज्जत्त-सुहुम पुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ। गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ परंपरोववण्णग उद्देसओ तहेव जाव वेदंति। एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहियएगिंदियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहेव कण्हलेस्स-सए वि भाणियच्चा जाव चरिमअचरिमकण्हलेस्सा एगिंदिया ।

॥ १-११ उद्देसो समत्तो ॥

तेत्तीसइमं सत्तं

३-१२ अवान्तर सताइं

- १ जहा कण्हलेस्सेहिं भणियं एवं णीललेस्सेहि वि सयं भाणियच्चं ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥ एवं काउलेस्साहि वि सयं भाणियच्चं, णवरं 'काउलेस्से' ति अभिलावो भाणियच्चो।

- २ कइविहा णं भंते! भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइय त्ति।
- ३ भवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमिल्लगं एगिंदियसयं तहेव भवसिद्धिय सयं पि भाणियव्वं । उद्देसगपरिवाडी तहेव जाव अचरिमो त्ति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !॥
- ४ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया ।
- ५ कण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया णं भंते! कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया य।
- ६ कण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । एवं बायरा वि। एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेओ भाणियव्वो ।
- ७ कण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहियउद्देसए तहेव जाव वेदेंति ।
- ८ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा अणंतरोववण्णगाकण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया, एवं जाव वणस्सइ-काइया ।
- ९ अणंतरोववण्णग-कण्हलेस्स-भवसिद्धिय-पुढविकाइया णं भंते! कइविहा पण्णत्ता? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सुहुमपुढविकाइया, एवं दुयओ भेओ ।
- १० अणंतरोववण्णग-कण्हलेस्स-भवसिद्धिय-सुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पग-डीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ अणंतरोववण्ण-उद्देसगो तहेव जाव वेदेंति। एवं एएणं अभिलावेणं एक्कारस वि उद्देसगा तहेव भाणियव्वा जहा ओहियसए जाव अचरिमो त्ति ।
- ११ जहा कण्हलेस्सभवसिद्धिएहिं सयं भणियं एवं णीललेस्सभवसिद्धिएहिं वि सयं भाणियव्वं । एवं काउलेस्स भवसिद्धिएहिं वि सयं ।
- १२ कइविहा णं भंते! अभवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा अभवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया । एवं जहेव भवसिद्धियसयं भणियं, तहेव अभवसिद्धियसयं णवरं णव उद्देसगा चरमअचरम-उद्देसगवज्जा, सेसं तहेव।
- १३ एवं कण्हलेस्सअभवसिद्धियएगिंदियसयं पि । णीललेस्सअभवसिद्धियएगिंदिय वि सयं । एवं काउलेस्सअभवसिद्धियसयं वि । एवं चत्तारि वि अभवसिद्धियसयाणि, णव-णव उद्देसगा भवंति। एवं एया वि बारस एगिंदियसयाणि भवंति ।

॥ तेत्तीसइमं सत्तं समत्तं ॥

चोत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

पढमो उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते ! एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। एवं एते चउक्कएणं भेएणं भाणियच्चा जाव वणस्सइकाइया।
- २ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।
- ३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- एगसमइएण वा दुसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- उज्जुआयता सेढी, एगओवंका, दुहओवंका, एगओखहा, दुहओखहा, चक्कवाला, अद्धचक्कवाला । उज्जुआयताए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा । एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा । दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उववज्जेज्जा ।
- ४ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा ! एगसमइएण वा, सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव विग्गहेणं उववज्जेज्जा। एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते बादरपुढविकाइएसु अपज्जत्तएसु उववाएयव्वो, ताहे तेसु चेव पज्जत्तएसु । एवं आउकाइ-एसु चत्तारि आलावगा-सुहुमेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं, बायरेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो । एवं चेव सुहुमतेउकाइएहिं वि अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो ।
- ५ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायर तेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? सेसं तं चेव । एवं पज्जत्तबायर-तेउकाइयत्ताए उववाएयव्वो । वाउकाइएसु सुहुमबायरेसु जहा आउकाइएसु उववाइओ तहा उववाएयव्वो । एवं वणस्सइकाइएसु वि ।
- ६ पज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए, पुच्छा ?

गोयमा ! एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ वि पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता एणं चेव कमेणं एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो जाव बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु वि । एवं अपज्जत्त-बायरपुढविकाइओ वि । एवं पज्जत्तबायरपुढविकाइओ वि । एवं आउकाइओ वि चउसु वि गमएसु पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, एयाए चेव वत्तव्वयाए एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो । सुहुमतेउकाइओ वि अपज्जत्तओ पज्जत्तओ य एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो ।

७ अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते! मणुस्सखेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सेसं तहेव जाव से तेणद्वेणं। एवं पुढविकाइएसु चउविहेसु वि उववाएयव्वो, एवं आउकाइएसु चउविहेसु वि, तेउकाइएसु सुहुमेसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य एवं चेव उववाएयव्वो ।

८ अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते ! मणुस्सखेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमएणं, विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! सेसं तं चेव । एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए वि उववाएयव्वो । वाउकाइयत्ताए य वणस्सइकाइयत्ताए य जहा पुढविकाइएसु तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वो । एवं पज्जत्तबायरतेउकाइओ वि समयखेत्ते समोहणावेत्ता एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो, जहेव अपज्जत्तओ उववाइओ । एवं सव्वत्थ वि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते उववाएयव्वा समोहणावेयव्वा वि । वाउकाइया वणस्सइकाइया य जहा पुढविकाइया तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वा जाव-

९ पज्जत्तबायरवणस्सइकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पज्जत्त-बायरवणस्सइकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा! सेसं तहेव जाव से तेणद्वेणं ।

१० अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा?

गोयमा ! सेसं तहेव णिरवसेसं । एवं जहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमंते सव्वपएसु वि समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया, जे य समयखेत्ते समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया, एवं एणं चेव कमेणं पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं । एवं एणं गमएणं दाहिणिल्ले चरिमंते समोहयाणं उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा। एवं चेव उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया दाहिणिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं।

११ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा! एवं जहेव रयणप्पभाए जाव से तेणद्वेणं । एवं एएणं कमेणं जाव पज्जत्तएसु सुहुमतेउकाइएसु ।

१२ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेण उववज्जेज्जा ।

१३ से केणद्वेणं भंते! एवं वुच्चइ? एवं खलु गोयमा! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-उज्जुआयता जाव अद्धचक्कवाला। एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइ-एणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणद्वेणं। एवं पज्जत्तएसु वि बायरतेउकाइएसु। सेसं जहा रयणप्पभाए। जे वि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते समोहणित्ता दोच्चाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पुढविकाइएसु चउव्विहेसु, आउकाइएसु चउव्विहेसु, तेउकाइएसु दुविहेसु, वाउकाइएसु चउव्विहेसु, वणस्सइकाइएसु चउव्विहेसु उववज्जंति, ते वि एवं चेव दुसमइएण वा, तिसमइएण वा, विग्गहेण उववाएयव्वा ।

बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य जाहे तेसु चेव उववज्जंति ताहे जहेव रयणप्पभाए तहेव एगसमइय-दुसमइय-तिसमइयविग्गहा भाणियव्वा । सेसं जहेव रयणप्पभाए तहेव णिरवसेसं । जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए वि भाणियव्वा ।

१४ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहणित्ता जे भविए उड्डलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।

से केणद्वेणं भंते! एवं वुच्चइ- तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए उड्डलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए एगपयरंमि अणुसेढीए उववज्जित्तए, से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा; जे भविए विसेढीए उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणद्वेणं जाव उव- वज्जेज्जा । एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए वि, एवं जाव पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए ।

१५ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहेलोग जाव समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा। गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-उज्जुआयता, जाव अद्धचक्कवाला । एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ । एवं पज्जत्तएसु वि बायरतेउकाइएसु वि उववाएयव्वो । वाउक्काइय वणस्सइकाइयत्ताए चउक्कएणं भेएणं जहा आउक्काइयत्ताए तहेव उववाएयव्वो । एवं जहा अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयस्स गमओ भणिओ एवं पज्जत्त- सुहुमपुढविकाइयस्स वि भाणियव्वो, तहेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो ।

१६ अपज्जत्त बादर पुढविकाइए णं भंते ! अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए, समोहणित्ता, पुच्छा ? गोयमा ! एवं बायरपुढविकाइयस्स वि अपज्जत्तगस्स पज्जत्तगस्स य भाणियव्वं । एवं आउक्काइयस्स चउव्विहस्स वि भाणियव्वं । सुहुमतेउक्काइयस्स दुविहस्स वि एवं चेव ।

१७ अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए उड्डलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा । गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ। एवं जाव अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए उड्डलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएण विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा ! सेसं तं चेव।

१८ अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते! समयखेत्ते समोहए, समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्त-बायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा।

से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ ? गोयमा! जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ । एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए वि । वाउकाइएसु वणस्सइकाइएसु य जहा पुढविकाइएसु उववाइओ तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वो । एवं पज्जत्त-बायरतेउकाइओ वि एएसु चेव ठाणेसु उववाएयव्वो। वाउक्काइयवणस्सइकाइयाणं जहेव पुढविकाइयत्ते उववाओ तहेव भाणियव्वो ।

१९ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! उड्डलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहएसमोहणित्ता जे भविए अहेलोगेखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा!

एवं उड्डलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहयाणं अहेलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते उववज्जंता सो चेव गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव बायरवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ बायर वणस्सइ-काइएसु पज्जत्तएसु उववाइओ।

२०

अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा, दुसमइएण वा, तिसमइएण वा, चउसमइएण वा, विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-एगसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला । उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा। एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा। दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढी उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, जे भविए विसेढिं उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा ।

एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमपुढविकाइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु सुहुमआउकाइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु सुहुमतेउक्काइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमवाउकाइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बायरवाउकाइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमवणस्सइकाइएसु, अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बारससु वि ठाणेसु एएणं चेव कमेणं भाणियव्वो । सुहुमपुढविकाइओ पज्जत्तओ-एवं चेव णिरवसेसो बारससु वि ठाणेसु उववाएयव्वो । एवं एएणं गमएणं जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुम-वणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव भाणियव्वो ।

२१

अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ।

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ता, तं जहा-उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला । एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढिं उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, जे भविए विसेढिं उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ।

एवं एएणं गमएणं पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए दाहिणिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव । सव्वेसिं दुसमइओ तिसमइओ चउसमइओ विग्गहो भाणियव्वो ।

- २२ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइ समइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा।
- से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ ? गोयमा! एवं जहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहया पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते उववाइया तहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वा सव्वे ।
- २३ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स उत्तरिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते कइ समइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एवं जहा पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहओ दाहिणिल्ले चरिमंते उववाइओ तहा पुरत्थिमिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो ।
- २४ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जिए से णं भंते ! कइ समइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ?
- गोयमा ! एवं जहा पुरत्थिमिल्ले समोहओ पुरत्थिमिल्ले चेव उववाइओ तहेव दाहिणिल्ले समोहए दाहिणिल्ले चेव उववाएयव्वो; तहेव णिरवसेसं जाव सुहुमवणस्सइ-काइओ पज्जत्तओ, सुहुमवणस्सइकाइएसु चेव पज्जत्तएसु दाहिणिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो; एवं दाहिणिल्ले समोहओ पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो, णवरं-दुसमइय-तिसमइय-चउसमइय विग्गहो, सेसं तहेव । एवं दाहिणिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जहेव सट्ठाणे तहेव; एगसमइय-दुसमइय-तिसमइय-चउसमइय-विग्गहो। पुरत्थिमिल्ले जहा पच्चत्थिमिल्ले, तहेव दुसमइय-तिसमइय-चउसमइय विग्गहो । पच्चत्थिमिल्ले य चरिमंते समोहयाणं पच्चत्थिमिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे।
- २५ उत्तरिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तहेव । पुरत्थिमिल्ले जहा सट्ठाणे, दाहिणिल्ले एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तं चेव । उत्तरिल्ले समोहयाणं उत्तरिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहेव सट्ठाणे । उत्तरिल्ले समोहयाणं पुरत्थिमिल्ले उववज्जमाणाणं एवं चेव; णवरं-एगसमइओ विग्गहो णत्थि । उत्तरिल्ले समोहयाणं दाहिणिल्ले उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाणं पच्चत्थिमिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तहेव जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव ।
- २६ कहिं णं भंते ! बायरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु जहा ठाणपए जाव सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोगपरियावण्णा पण्णत्ता समणाउसो ।

- २७ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, तं जहा- णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । एवं चउक्कएणं भेएणं जहेव एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं।
- २८ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा! सत्तविह- बंधगा वि, अट्ठविहबंधगा वि, जहा एगिंदियसएसु जाव पज्जत्ता बायरवणस्सइकाइया ।
- २९ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वेदंति ? गोयमा ! चोदस कम्मप्पगडीओ वेदंति, तं जहा- णाणावरणिज्जं, एवं जहा एगिंदिय-सएसु जाव पुरिस-वेयवज्झं, एवं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ।
- ३० एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जहा वक्कंतीए पुढविकाइयाणं उववाओ ।
- ३१ एगिंदियाणं भंते! कइ समुग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए ।
- ३२ एगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्ल-विसेसाहियं कम्मं पकरेंति, अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, अत्थेगइया वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ।
- से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ- अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति? गोयमा ! एगिंदिया चउव्विहा पण्णत्ता, तं जहा- अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा । तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति । तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति । तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववण्णगा ते णं वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति । तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोव- वण्णगा ते णं वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति । से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

चोत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

२-११ उद्देसो

- १ कइविहा णं भंते! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा! पंचविहा अणंतरो- ववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया-दुयाभेओ जहा एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइया य ।
- २ कहिं णं भंते ! अणंतरोववण्णगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु, तं जहा- रयणप्पभाए एवं जहा ठाणपए जाव दीवेसु समुद्देसु। एत्थ णं अणंतरोववण्णगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता, उववाएणं सव्वलोए, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोगस्स असंखेज्जइभागे । अणंतरोववण्णग-सुहुमपुढ-विकाइया एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोए परियावण्णा पण्णत्ता, समणाउसो ! एवं एएणं कमेणं सव्वे एगिंदिया भाणियच्चा, सट्ठाणाइं सव्वेसिं जहा ठाणपए । तेसिं पज्जत्तगाणं बायराणं उववाय-समुग्घाय-सट्ठाणाणि जहा तेसिं चेव अपज्जत्तगाणं बायराणं । सुहुमाणं सव्वेसिं जहा पुढविकाइयाणं भणिया तहेव भाणियच्चा जाव वणस्सइकाइय त्ति ।
- ३ अणंतरोववण्णगाणं सुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ । एवं जहा एगिंदियसएसु अणंतरोववण्णगउद्देसए तहेव पण्णत्ताओ, तहेव बंधंति, तहेव वेदंति जाव अणंतरोववण्णगा बायरवणस्सइकाइया।
- ४ अणंतरोववण्णग-एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा ! जहेव ओहिए उद्देसओ भणिओ तहेव ।
- ५ अणंतरोववण्णग-एगिंदियाणं भंते! कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा! दोण्णि समुग्घाया पण्णत्ता, तं जहा- वेयणासमुग्घाए य कसायसमुग्घाए य ।
- ६ अणंतरोववण्णग-एगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरंति, पुच्छा तहेव? गोयमा! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरंति, अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरंति ।
से केणट्ठेणं भंते ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरंति ? गोयमा ! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा । तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरंति। तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरंति। से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ७ कइविहा णं भंते! परंपरोववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा! पंचविहा परंपरोव- वण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता, तं जहा- पुढविकाइया एवं भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइय त्ति।
- ८ परंपरोववण्णग-अपज्जत्त-सुहुम-पुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए, समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थि-

मिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमो उद्देसओ जाव लोगचरिमंतो त्ति।जाव-

९ कहिं णं भंते! परंपरोववण्णग-पज्जत्तगबायर-पुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु। एवं एएणं अभिलावेणं जहा पढमे उद्देसए जाव तुल्लट्ठिइय त्ति॥ सेवं भंते! सेवं भंते!॥

१० एवं सेसा वि अट्ठ उद्देसगा जाव अचरिमो त्ति । णवरं-अणंतरा, अणंतरसरिसा; परंपरा, परंपरसरिसा; चरमा य अचरमा य एवं चेव । एवं एए एक्कारस उद्देसगा ।

॥ पढमं अवान्तर सतं समत्तं ॥

चोत्तीसइमं सतं

२-१२ अवान्तर सताइं

१ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता, भेओ चउक्कओ जहा कण्हलेस्सएगिंदियसए जाव वणस्सइकाइयत्ति।

२ कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थि-मिल्ले, पुच्छा? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहियउद्देसओ जाव लोग चरिमंते त्ति । सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु चेव उववाएयव्वो ।

३ कहिं णं भंते ! कण्हलेस्सअपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियउद्देसओ जाव तुल्लट्ठिइय त्ति । एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमं सेट्ठिसयं तहेव एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

४ एवं णीललेस्सेहि वि तइयं सयं । काउलेस्सेहि वि एवं चेव चउत्थं सयं । भविसिद्धिय-एगिंदिएहि वि सयं पंचमं ।

५ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! जहेव ओहियउद्देसओ।

६ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! जहेव अणंतरोववण्णगउद्देसओ ओहिओ तहेव ।

७ कइविहा णं भंते! परंपरोववण्ण-कण्हलेस्स-भवसिद्धियएगिंदिया पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा परंपरोववण्ण-कण्हलेस्स-भवसिद्धिय-एगिंदिया पण्णत्ता-एवं भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइय त्ति ।

८ परंपरोववण्ण-कण्हलेस्स-भवसिद्धिय-अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए, पुच्छा ? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव लोगचरिमंते त्ति। सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु भवसिद्धिएसु उववाएयव्वो ।

९ कहिं णं भंते! परंपरोववण्ण-कण्हलेस्स-भवसिद्धिय-पज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता? गोयमा! जहेव ओहिओ उद्देसओ तहेव भाणियव्वं जाव तुल्लद्विइय त्ति । एवं एएणं अभिलावेणं कण्हलेस्स-भवसिद्धिय- एगिंदिएहिं वि तहेव एक्कारस-उद्देसगसंजुत्तं छट्ठसयं ।

१० णीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएसु सयं सत्तमं । एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिं वि सयं अट्ठमं। जहा भविसिद्धिएहिं चत्तारि सयाणि एवं अभवसिद्धिएहिं वि चत्तारि सयाणि भाणियव्वाणि। णवरं चरमअचरवज्जा णव उद्देसगा भाणियव्वा, सेसं तं चेव । एवं एयाइं बारस एगिंदियसेढीसयाइं ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

॥ चोत्तीसइमं सत्तं समत्तं ॥

पण्णीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

पढमो उद्देसो

१ कइ णं भंते ! महाजुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! सोलस महाजुम्मा पण्णत्ता, तं जहा-कडजुम्म-कडजुम्मे, कडजुम्म-तेओगे, कडजुम्म-दावरजुम्मे, कडजुम्म-कलिओगे, तेओग-कडजुम्मे, तेओग-तेओगे, तेओगदावरजुम्मे, तेओगकलिओगे, दावरजुम्म-कडजुम्मे, दावरजुम्म-तेओगे, दावरजुम्म-दावरजुम्मे, दावरजुम्म-कलिओगे, कलिओगकडजुम्मे, कलिओगतेओगे, कलिओगदावरजुम्मे, कलिओग कलिओगे।

२ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सोलस महाजुम्मा पण्णत्ता, तं जहा-कडजुम्मकडजुम्मे जाव कलिओगकलिओगे ?

गोयमा! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते वि कडजुम्मा, से तं कडजुम्म-कडजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया, ते कडजुम्मा, से तं कडजुम्मतेओगे । जे णं रासि चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्ज-वसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कडजुम्मा, से तं कडजुम्मदावरजुम्मे। जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कडजुम्मा, से तं कडजुम्मकलिओगे ।

जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते तेओगा, से तं तेओगकडजुम्मे । जे णं रासि चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते तेओगा, से तं तेओग-तेओगे। जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दोपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते तेओगा, से तं तेओगदावरजुम्मे । जे णं रासि चउक्कएणं अवहारेणं

अवहीरमाणे एगपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते तेओगा, से तं तेओगकलिओगे ।

जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते दावरजुम्मा, से तं दावरजुम्मकडजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते दावरजुम्मा, से तं दावरजुम्मतेओए । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते दावरजुम्मा, से तं दावरजुम्मदावरजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते दावरजुम्मा, से तं दावरजुम्मकलिओगे ।

जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कलिओगा, से तं कलिओगकडजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कलिओगा, से तं कलिओगतेओगे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कलिओगा, से तं कलिओगदावरजुम्मे । जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए, जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया ते कलिओगा, से तं कलिओग-कलिओगे । से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव कलिओगकलिओगे ।

३ कडजुम्मकडजुम्मेणंदिआ णं भंते ! कओ उववज्जंति- किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, पुच्छा ? गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ ।

४ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सोलस वा, संखेज्जा वा, असंखेज्जा वा, अणंता वा उववज्जंति ।

५ ते णं भंते ! जीवा समए समए, पुच्छा ? गोयमा ! ते णं अणंता समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा अणंताहिं उस्सप्पिणी-अवसप्पिणीहिं अवहीरंति, णो चेव णं अवहरिया सिया । उच्चत्तं जहा उप्पलुद्देसए ।

६ ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा, अबंधगा ? गोयमा ! बंधगा, णो अबंधगा । एवं सव्वेसिं कम्माणं आउयवज्जाणं । आउयस्स बंधगा वा अबंधगा वा ।

७ ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेयगा, अवेयगा ? गोयमा ! वेयगा, णो अवेयगा । एवं सव्वेसिं कम्माणं ।

८ ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा, असायावेयगा ? गोयमा ! सातावेयगा वा, असातावेयगा वा । एवं उप्पलुद्देसग-परिवाडी । सव्वेसिं कम्माणं उदई, णो अणुदई । छण्हं कम्माणं उदीरगा, णो अणुदीरगा । वेयणिज्जाउयाणं उदीरगा वा, अणुदीरगा वा ।

९ ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेसा, पुच्छा ? गोयमा ! कण्हलेस्सा वा, णीललेस्सा वा, काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा । णो सम्मदिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी, मिच्छादिट्ठी । णो णाणी,

अण्णाणी, णियमं दुअण्णाणी, तं जहा- मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य । णो मणजोगी, णो वइजोगी, कायजोगी । सागारोवउत्ता वा अणागारोवउत्ता वा ।

१० तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरा कइवण्णा-जहा उप्पलुद्देसए सव्वत्थ, पुच्छा ? गोयमा! जहा उप्पलुद्देसए; ऊसासगा वा, णीसासगा वा, णो उस्सासणीसासगा वा । आहारगा वा अणाहारगा वा । णो विरया, अविरया, णो विरयाविरया । सकिरिया, णो अकिरिया । सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा । आहारसण्णोवउत्ता वा जाव परिग्गह-सण्णोवउत्ता वा । कोहकसायी वा माणकसायी वा माया कसायी वा लोभकसायी वा । णो इत्थिवेयगा, णो पुरिसवेयगा, णपुंसगवेयगा । इत्थिवेयबंधगा वा पुरिसवेयबंधगा वा णपुंसगवेयबंधगा वा । णो सण्णी, असण्णी । सइंदिया, णो अणिंदिया ।

११ ते णं भंते ! कडजुम्मकडजुम्मएणिंदिया कालओ केवचिरं होंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं-अणंता उस्सप्पिणीओस्सप्पिणीओ, वणस्सइ-काइयकालो । संवेहो ण भण्णइ, आहारो जहा उप्पलुद्देसए, णवरं-णिच्चाघाएणं छदिसिं, वाघायं पडुच्च सिय त्तिदिसिं, सिय चउदिसिं, सिय पंचदिसिं, सेसं तहेव । ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं। समुग्घाया आदिल्ला चत्तारि । मारणंतिय-समुग्घाएणं समोहया वि मरंति, असमोहया वि मरंति । उव्वट्ठणा जहा उप्पलुद्देसए ।

१२ अह भंते! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता कडजुम्मकडजुम्मएणिंदियत्ताए उववण्णपुच्चा? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ।

१३ कडजुम्म-तेओग-एणिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! उववाओ तहेव ।

१४ ते णं भंते! जीवा एगसमए णं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! एगूणवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्म-कडजुम्माणं जाव अणंतखुत्तो ।

१५ कडजुम्म-दावरजुम्म-एणिंदिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! उववाओ तहेव ।

१६ ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा! अट्ठारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो ।

१७ कडजुम्म-कलिओग-एणिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव । परिमाणं सत्तरस्स वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो ।

१८ तेओगकडजुम्मएणिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव । परिमाणं बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो ।

१९ तेओग-तेओग-एणिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव। परिमाणं पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । एवं एएसु सोलससु महाजुम्मेसु एक्को गमओ, णवरं परिमाणे णाणत्तं- तेओग-दावरजुम्मेसु परिमाणं चोदस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति। तेओग-कलिओगेसु तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । दावरजुम्म-कडजुम्मेसु अट्ठ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । दावरजुम्म-तेओगेसु एक्कारस वा संखेज्जा वा

असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । दावरजुम्म-दावरजुम्मेसु दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । दावरजुम्म-कलिओगेसु णव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । कलिओग-कडजुम्मे चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । कलिओग-तेओगेसु सत्त वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । कलिओग-दावरजुम्मेसु छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति ।

२० कलिओगकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव । परिमाणं पंच वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा, अणंता वा उववज्जंति । सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

पणतीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

बीओ उद्देसो

१ पढमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! तहेव, एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव सोलसखुत्तो बिइओ वि भाणियव्वो । तहेव सव्वं, णवरं-इमाणि य दस णाणत्ताणि- ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । आउयकम्मस्स णो बंधगा, अबंधगा । आउयस्स णो उदीरगा, अणुदीरगा । णो उस्सासगा, णो णिस्ससगा, णोउस्सासणिस्सासगा । सत्तविहबंधगा, णो अट्ठविहबंधगा ।

२ ते णं भंते ! पढमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिय त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा! एककं समयं। एवं ठिईए वि । समुग्घाया आदिल्ला दोण्णि । समोहया ण पुच्छिज्जंति । उव्वट्ठणा ण पुच्छिज्जइ। सेसं तहेव सव्वं णिरवसेसं। सोलससु वि गमएसु जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! ॥

॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥

पणतीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

३-११ उद्देसो

१ अपढमसमयकडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा पढमुद्देसो सोलसहि वि जुम्मेसु तहेव णेयव्वो जाव कलिओगकलिओगत्ताए जाव अणंतखुत्तो ।

- २ चरमसमयकडजुम्मकडजुम्म-एगिंदिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जहेव पढमउद्देसओ [पढम-समय-उद्देसओ] णवरं- देवा ण उववज्जंति, तेउलेस्सा ण पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव ।
- ३ अचरमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा अपढमसमयउद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो ।
- ४ पढमपढमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? गोयमा! जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव णिरवसेसं ।
- ५ पढमअपढमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा पढमउद्देसो [पढम-समय-उद्देसओ] तहेव भाणियव्वो ।
- ६ पढमचरमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा चरमुद्देसओ तहेव णिरवसेसं ।
- ७ पढमअचरमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा पढमो उद्देसओ [बीओ उद्देसओ] तहेव णिरवसेसं ।
- ८ चरमचरमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा चउत्थो उद्देसओ तहेव णिरवसेसं ।
- ९ चरमअचरमसमय-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा पढमउद्देसओ [पढम-समय-उद्देसओ] तहेव णिरवसेसं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- १० [एवं एए एक्कारस उद्देसगा । पढमो तइओ पंचमओ य सरिसगमा, सेसा अट्ठ सरिसगमगा, णवरं- चउत्थे अट्ठमे दसमे य देवा य ण उववज्जंति । तेउलेस्सा णत्थि ।]

॥ पढमं अवान्तर सतं समत्तं ॥

पणतीसइमं सतं

बीअं अवान्तर सतं

१-११ उद्देसो

- १ कण्हलेस्स-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव, एवं जहा ओहिय उद्देसए । णवरं-इमं णाणत्तं-ते णं भंते! जीवा कण्हलेस्सा? हंता कण्हलेस्सा ।
- २ ते णं भंते ! कण्हलेस्स-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदिय त्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । एवं ठिईए वि। सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलस वि जुम्मा भाणियव्वा ।

- ३ पढम-समय-कणहलेस्स-कडजुम्म-कडजुम्म-एगिंदियाणं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा ओहिओ पढमसमयउद्देसओ, णवरं-ते णं भंते ! जीवा कणहलेस्सा ? गोयमा ! हंता कणहलेस्सा, सेसं तं चेव ।
- ४ एवं जहा ओहियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहा कणहलेस्ससए वि एक्कारस उद्देसगा भाणियच्चा । [पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमा, सेसा अट्ठ वि सरिसगमा, णवरं-चउत्थ-अट्ठम-दसमेसु उववाओ णत्थि देवस्स ।]

पणतीसइमं सतं

३-१२ अवान्तर सताइं

- १ एवं णीललेस्सेहिं वि सयं कणहलेस्ससयसरिसं, एक्कारस उद्देसगा तहेव । एवं काउलेस्सेहिं वि सयं कणहलेस्ससयसरिसं ।
- २ भवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा ! जहा ओहियसयं तहेव, णवरं-एक्कारससु वि उद्देसएसु । अह भंते ! सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता भवसिद्धिय-कडजुम्म-कडजुम्म- एगिंदियत्ताए उववण्णपुच्चा । गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव ।
- ३ कणहलेस्स-भवसिद्धिय-कडजुम्मकडजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति? गोयमा! एवं कणहलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिं वि सयं, बिइय-सय-कणहलेस्ससरिसं भाणि- यच्चं ।
- ४ एवं णीललेस्सभवसिद्धियएगिंदियएहिं वि सयं। एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिं वि तहेव एकारसउद्देसगसंजुत्तं सयं । एवं एयाणि चत्तारि भवसिद्धिएसु सयाणि । चउसु वि सएसु सव्वे पाणा जाव उववण्णपुच्चा? णो इणट्ठे समट्ठे । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते !॥
- ५ जहा भवसिद्धिएहिं समं चत्तारि सयाइं भणियाइं एवं अभवसिद्धिएहिं वि चत्तारि सयाणि लेस्सासंजुत्ताणि भाणियच्चाणि । सव्वे पाणा, तहेव पुच्छा, जाव णो इणट्ठे समट्ठे। एवं एयाइं बारस एगिंदियमहाजुम्मसयाइं भवंति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !॥

॥ पणतीसइमं सतं समतं ॥

छत्तीसइमं सतं

पढमं अवान्तर सतं

१-११ उद्देसो

- १ कडजुम्म-कडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ जहा वक्कंतीए । परिमाणं सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । अवहारो जहा उप्पलुद्देसए । ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारस जोयणाइं। एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमुद्देसए तहेव, णवरं- तिण्णि लेस्साओ, देवा ण उववज्जंति ।

सम्मदिट्ठी वा मिच्छदिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी । णाणी वा अण्णाणी वा । णो मणजोगी, वयजोगी वा कायजोगी वा ।

२ ते णं भंते! कडजुम्म-कडजुम्म-बेइंदिया कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं । ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं । आहारो णियमं छद्दिसिं । तिण्णि समुग्घाया। सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससु वि जुम्मेसु । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

३ पढमसमयकडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमसमयउद्देसए । दस णाणत्ताइं ताइं चेव इह वि । एक्कारसमं इमं णाणत्तं- णो मणजोगी, णो वयजोगी, कायजोगी। सेसं जहा बेइंदियाणं चेव पढमुद्देसए॥ सेवं भंते! सेवं भंते!’ त्ति ॥

एवं एए वि जहा एगिंदियमहाजुम्मेसु एक्कारस उद्देसगा तहेव भाणियव्वा । णवरं-चउत्थ-अट्ठम- दसमेसु-सम्मत्त-णाणाणि ण भण्णंति । [जहेव एगिंदिएसु पढमो तइओ पंचमो य एक्कगमा सेसा पंच एक्कगमा]]

॥ पढमं अवान्तर सतं समत्तं ॥

छत्तीसइमं सतं

१ कणहलेस्स-कडजुम्म-कडजुम्म-बेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव । कणहलेस्सेसु वि एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, णवरं-लेस्सा, संचिट्ठणा, ठिई जहा एगिंदियकणहलेस्साणं । एवं णीललेस्सेहि वि सयं । एवं काउलेस्सेहि वि ।

२ भवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! भवसिद्धियसया वि चत्तारि तेणेव पुव्वगमएणं णेयव्वा, णवरं- सव्वे पाणा, पुच्छा ? णो इणट्ठे समट्ठे । सेसं तहेव ओहियसयाणि चत्तारि ।

३ जहा भवसिद्धियसयाणि चत्तारि एवं अभवसिद्धियसयाणि चत्तारि भाणियव्वाणि, णवरं-सम्मत्त, णाणाणि सव्वेहिं णत्थि, सेसं तं चेव । एवं एयाणि बारस बेइंदियमहाजुम्मसयाणि भवंति ।

॥ छत्तीसइमं सतं समत्तं ॥

सत्ततीसइम सतं

१ कडजुम्मकडजुम्मतेइंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! तेइंदिएसु वि बारस सया कायव्वा बेइंदियसयसरिसा, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभाणं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं, सेसं तहेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

अट्ठत्तीसइमं सत्तं

- १ चउरिंदिएहिं वि एवं चेव बारस सया कायव्वा, णवरं- ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं। ठिई जहण्णेणं एक्क समयं, उक्कोसेणं छम्मासा। सेसं जहा बेइंदियाणं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते !॥

एगूणगालीसइमं सत्तं

- १ कडजुम्मकडजुम्म-असण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा बेइंदियाणं तहेव असण्णिसु वि बारस सया कायव्वा, णवरं-ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं । संचिद्वणा जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं पुव्वकोडीपुहुत्तं । ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी, सेसं जहा बेइंदियाणं । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

चत्तालीसइमं सत्तं

पढमं अवान्तर सत्तं

- १ कडजुम्मकडजुम्मसण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ चउसु वि गईसु। संखेज्ज-वासाउय-असंखेज्ज-वासाउय-पज्जत्तअपज्जत्तएसु य ण कओ वि पडिसेहो जाव 'अणुत्तरविमाण' त्ति । परिमाणं अवहारो ओगाहणा य जहा असण्णि- पंचिंदियाणं ।
- २ वेयणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं पगडीणं बंधगा वा अबंधगा वा, वेयणिज्जस्स बंधगा, णो अबंधगा। मोहणिज्जस्स वेयगा वा अवेयगा वा, सेसाणं सत्तण्ह वि वेयगा, णो अवेयगा । सायावेयगा वा असायावेयगा वा । मोहणिज्जस्स उदयी वा अणुदयी वा, सेसाणं सत्तण्ह वि उदयी, णो अणुदयी । णामस्स गोयस्स य उदीरगा, णो अणुदीरगा, सेसाणं छण्ह वि उदीरगा वा अणुदीरगा वा । कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा । सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा सम्मामिच्छादिट्ठी वा । णाणी वा अण्णाणी वा, मणजोगी, वयजोगी, कायजोगी । उवओगो, वण्णमाई, उस्सासगा वा णीसासगा वा, आहारगा य जहा एगिंदियाणं, विरया य अविरया य विरयाविरया य । सकिरिया, णो अकिरिया।
- ३ ते णं भंते! जीवा किं सत्तविहबंधगा वा अट्ठविह बंधगा वा छव्विहबंधगा वा एगविहबंधगा वा? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा जाव एगविहबंधगा वा ।
- ४ ते णं भंते! जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वा, णोसण्णोवउत्ता वा ? एवं सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा ।

गोयमा! आहारसण्णोवउत्ता जाव णोसण्णोवउत्ता वा । कोहकसायी वा जाव लोभ- कसायी वा अकसायी वा । इत्थीवेयगा वा पुरिसवेयगा वा णपुंसगवेयगा वा अवेयगा वा। इत्थिवेयबंधगा

वा पुरिसवेयबंधगा वा णपुंसगवेयबंधगा वा अबंधगा वा । सण्णी, णो असण्णी । सइंदिया, णो अणिंदिया । संचिद्वणा जहण्णेणं एककं समयं उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं । आहारो तहेव जाव णियमं छदिसिं । ठिई जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । छ समुग्घाया आदिल्लगा । मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया वि मरंति, असमोहया वि मरंति । उव्वट्टणा जहेव उववाओ, ण कत्थइ पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाण त्ति ।

५ अह भंते ! सव्वपाणा जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससु वि जुम्मेसु भाणियव्वं जाव अणंतखुत्तो, णवरं-परिमाणं जहा बेइंदियाणं, सेसं तहेव ।

६ पढमसमयकडजुम्मकडजुम्मसण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा! उववाओ, परिमाणं, आहारो जहा एसिं चेव पढमोद्देसए । ओगाहणा बंधो वेयो वेयणा उदयी उदीरगा य जहा बेइंदियाणं पढमसमयाणं, तहेव कणहलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा । सेसं जहा बेइंदियाणं पढमसमइयाणं जाव अणंतखुत्तो । णवरं इत्थिवेयगा वा पुरिसवेयगा वा णपुंसगवेयगा वा, सण्णिणो णो असण्णिणो, सेसं तहेव । एवं सोलससु वि जुम्मेसु परिमाणं तहेव सव्वं । एवं एत्थ वि एक्कारस उद्देसगा तहेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ [पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमा, सेसा अट्ठ वि सरिसगमा । चउत्थ-अट्ठम-दसमेसु णत्थि विसेसो कायव्वो ।]

॥ पढमं अवान्तर सतं समत्तं ॥

चत्तालीसइमं सतं

२-७ अवान्तर सताइं

१ कणहलेस्स-कडजुम्मकडजुम्म-सण्णिपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहा पढमुद्देसओ सण्णीणं । णवरं बंधो वेओ उदयी उदीरणा लेस्सा बंधग-सण्णा कसाय- वेयबंधगा य एयाणि जहा बेइंदियाणं । कणहलेस्साणं वेओ तिविहो, अवेयगा णत्थि । संचिद्वणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । एवं ठिईए वि, णवरं- ठिईए अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं ण भण्णंति । सेसं जहा एसिं चेव पढमे उद्देसए जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससु वि जुम्मेसु । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

२ पढमसमय-कणहलेस्स-कडजुम्मकडजुम्म-सण्णिपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा सण्णिपंचिंदियपढमसमयउद्देसए तहेव णिरवसेसं । णवरं-ते णं भंते! जीवा कणहलेस्सा ? हंता कणहलेस्सा, सेसं तं चेव । एवं सोलससु वि जुम्मेसु । एवं एए वि एक्कारस वि उद्देसगा कणहलेस्सए ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

३ एवं णीललेस्सेसु वि सयं, णवरं-संचिद्वणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं । एवं ठिईए । एवं तिसु उद्देसएसु, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥

- ४ एवं काउलेस्ससयं पि, णवरं-संचिट्ठणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं। एवं ठिईए वि। एवं तिसु वि उद्देसएसु, सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ५ एवं तेउलेस्सेसु वि सयं, णवरं-संचिट्ठणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं । एवं ठिईए वि, णवरं-णोसण्णो-वउत्ता वा । एवं तिसु वि उद्देसएसु, सेसं तं चेव ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ६ जहा तेउलेस्ससयं तहा पम्हलेस्ससयं पि । णवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । एवं ठिईए वि, णवरं- अंतोमुहुत्तं ण भण्णइ, सेसं तं चेव । एवं एसु पंचसु एसु जहा कण्हलेस्ससए गमओ तहा णेयव्वो जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ७ सुक्कलेस्ससयं जहा ओहियसयं, णवरं- संचिट्ठणा ठिई य जहा कण्हलेस्ससए । सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ २-७ अवान्तर सताइं समत्ताइं ॥

चत्तालीसइमं सतं

८-१४ अवान्तर सताइं

- १ भवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मसण्णिपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा पढमं सण्णिसयं तहा णेयव्वं भवसिद्धियाभिलावेणं। णवरं-सव्वपाणा णो उववण्ण पुव्वा। सेसं तहेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- २ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मसण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियकण्हलेस्ससयं । एवं णीललेस्सभवसिद्धिए वि सयं । सेवं भंते ! सेवं भंते! एवं जहा ओहियाणि सण्णिपंचिंदियाणं सत्त सयाणि भणियाणि, एवं भवसिद्धिएहिं वि सत्त सयाणि कायव्वाणि । णवरं सत्तसु वि एसु सव्वपाणा जाव णो इण्ढे समट्ठे । सेसं तं चेव ।

॥ ८-१४ अवान्तर सताइं समत्ताइं ॥

चत्तालीसइमं सतं

१५-२१ अवान्तर सताइं

- १ अभवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मसण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ तहेव अणुत्तरविमाणवज्जो । परिमाणं, अवहारो, उच्चत्तं, बंधो, वेदो, वेदणं, उदओ, उदीरणा य जहा कण्हलेस्ससए। कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा । णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी । णो णाणी, अण्णाणी । एवं जहा

कणहलेस्ससए, णवरं-णो विरया, अविरया, णो विरयाविरया। संचिद्वणा ठिई य जहा ओहियउद्देसए । समुग्घाया आइल्लगा पंच । उव्वट्टणा तहेव अणुत्तरविमाणवज्जं। सव्वपाणा णो उववण्ण पुव्वा । सेसं जहा कणहलेस्ससए जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससु वि जुम्मेसु । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

२ पढमसमय - अभवसिद्धिय - कडजुम्मकडजुम्म - सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा सण्णीणं पढमसमयउद्देसए तहेव । णवरं सम्मत्तं, सम्मामिच्छत्तं, णाणं च सव्वत्थ णत्थि, सेसं तहेव । 'सेवं भंते ! सेवं भंते !' त्ति । एवं एत्थ वि एक्कारस उद्देसगा णायव्वा । [पढम-तइय-पंचमा एक्कगमा, सेसा अट्ठ वि एक्कगमा] ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते!॥

३ कणहलेस्स-अभवसिद्धिय-कडजुम्मकडजुम्म-सण्णिपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा एसिं चेव ओहियसयं तहा कणहलेस्ससयं पि । णवरं-ते णं भंते ! जीवा कणहलेस्सा? हंता कणहलेस्सा । ठिई, संचिद्वणा य जहा कणहलेस्सा सए सेसं तं चेव । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

४ एवं छहि वि लेस्साहिं छ सया कायव्वा जहा कणहलेस्ससयं । णवरं संचिद्वणा ठिई य जहेव ओहियसए तहेव भाणियव्वा । णवरं सुक्कलेस्साए उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । ठिई एवं चेव, णवरं-अंतोमुहुत्तं णत्थि । जहण्णगं तहेव । सव्वत्थ सम्मत्तणाणाणि णत्थि । विरई विरयाविरई अणुत्तरविमाणोववत्ति-एयाणि णत्थि। सव्वपाणा जाव णो इणट्ठे समट्ठे ।

एवं एयाणि सत्त अभवसिद्धियमहाजुम्मसया भवंति। एवं एयाणि एक्कवीसं सण्णि-महाजुम्मसयाणि । सव्वाणि वि एकासीइमहाजुम्मसयाइं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ चत्तालीसइमं सतं समत्तं ॥

एगचत्तालीसइमं सतं

पढमो उद्देसो

१ कइ णं भंते ! रासीजुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा! चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता, तं जहा-कडजुम्मे जाव कलिओगे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता, जाव कलिओगे? गोयमा! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए से तं रासीजुम्मकडजुम्मे। एवं जाव जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं एगपज्जवसिए से तं रासीजुम्मकलिओगे । से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे ।

२ रासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! उववाओ जहा वक्कंतीए ।

३ ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति ।

४ ते णं भंते ! जीवा किं संतरं उववज्जंति, णिरंतरं उववज्जंति ?

गोयमा! संतरं पि उववज्जंति, णिरंतरं पि उववज्जंति । संतरं उववज्जमाणा जहण्णेणं एककं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जे समए अंतरं कट्ठु उववज्जंति । णिरंतरं उववज्जमाणा जहण्णेणं दो समया, उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अणुसमयं अविरहियं णिरंतरं उववज्जंति।

- ५ ते णं भंते ! जीवा जं समयं कडजुम्मा तं समयं तेओगा, जं समयं तेओगा तं समयं कडजुम्मा ? गोयमा! णो इण्ठे समढ्ठे ।
- ६ ते णं भंते! जीवा जं समयं कडजुम्मा तं समयं दावरजुम्मा, जं समयं दावरजुम्मा तं समयं कडजुम्मा? गोयमा ! णो इण्ठे समढ्ठे ।
- ७ ते णं भंते ! जीवा जं समयं कडजुम्मा तं समयं कलिओगा, जं समयं कलिओगा तं समयं कडजुम्मा ? गोयमा ! णो इण्ठे समढ्ठे ।
- ८ ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे-एवं जहा उववायसए जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति ।
- ९ ते णं भंते ! जीवा किं आयजसेणं उववज्जंति, आयअजसेणं उववज्जंति ? गोयमा ! णो आयजसेणं उववज्जंति, आयअजसेणं उववज्जंति ।
- १० जइ णं भंते ! आयअजसेणं उववज्जंति- किं आयजसं उवजीवंति, आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा! णो आयजसं उवजीवंति, आयअजसं उवजीवंति ।
- ११ जइ णं भंते ! आयअजसं उवजीवंति-किं सलेस्सा, अलेस्सा? गोयमा! सलेस्सा, णो अलेस्सा ।
- १२ जइ णं भंते! सलेस्सा-किं सकिरिया, अकिरिया? गोयमा! सकिरिया, णो अकिरिया।
- १३ जइ णं भंते! सकिरिया-तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सच्च दुक्खाणं अंतं करेति? गोयमा! णो इण्ठे समढ्ठे ।
- १४ रासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! जहेव णेरइया तहेव णिरवसेसं। एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, णवरं-वणस्सइकाइया जाव असंखेज्जा वा अणंता वा उवज्जंति । सेसं एवं चेव । मणुस्सा वि एवं चेव जाव णो आयजसेणं उववज्जंति, आयअजसेणं उववज्जंति ।
- १५ जइ णं भंते ! आयअजसेणं उववज्जंति-किं आयजसं उवजीवंति, आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा! आयजसं पि उवजीवंति, आयअजसं पि उवजीवंति ।
- १६ जइ णं भंते ! आयजसं उवजीवंति- किं सलेस्सा, अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा वि अलेस्सा वि।
- १७ जइ णं भंते! अलेस्सा- किं सकिरिया, अकिरिया? गोयमा! णो सकिरिया, अकिरिया।

- १८ जइ णं भंते ! अकिरिया- तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंति ? हंता गोयमा ! सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंति ।
- १९ जइ णं भंते! सलेस्सा- किं सकिरिया, अकिरिया? गोयमा! सकिरिया, णो अकिरिया।
- २० जइ णं भंते ! सकिरिया-तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंति ? गोयमा! अत्थेगइया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया णो तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ।
- २१ जइ णं भंते! आयअजसं उवजीवंति- किं सलेस्सा, अलेस्सा ? गोयमा! सलेस्सा, णो अलेस्सा।
- २२ जइ णं भंते! सलेस्सा- किं सकिरिया, अकिरिया? गोयमा! सकिरिया, णो अकिरिया।
- २३ जइ णं भंते ! सकिरिया- तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे । वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ पढमो उद्देसो समत्तो ॥

एगचत्तालीसइम सतं

२-२८ उद्देसा

- १ रासीजुम्म-तेओगणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव उद्देसओ भाणियव्वो, णवरं- परिमाणं तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । संतरं तहेव ।
- २ ते णं भंते ! जीवा जं समयं तेओगा तं समयं कडजुम्मा, जं समयं कडजुम्मा तं समयं तेओगा ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे ।
- ३ ते णं भंते ! जीवा जं समयं तेओगा, तं समयं दावरजुम्मा, जं समयं दावरजुम्मा तं समयं तेओगा? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं कलिओगेण वि समं, सेसं तं चेव जाव वेमाणिया। णवरं-उववाओ सव्वेसिं जहा वक्कंतीए । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते!॥
- ४ रासीजुम्म-दावरजुम्मणेइया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! एवं चेव उद्देसओ, णवरं- परिमाणं दो वा छ वा दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, संतरं तहेव ।
- ५ ते णं भंते ! जीवा णं समयं दावरजुम्मा तं समयं कडजुम्मा, जं समयं कडजुम्मा तं समयं दावरजुम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं तेओगेण वि समं, एवं कलिओगेण वि समं । सेसं जहा पढमुद्देसए जाव वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ६ रासीजुम्म-कलिओगणेइया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! एवं चेव, णवरं-परिमाणं एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा उववज्जंति, संतरं तहेव ।

७ ते णं भंते ! जीवा जं समयं कलिओगा तं समयं कडजुम्मा, जं समयं कडजुम्मा तं समयं कलिओगा ? गोयमा ! णो इण्ढे सम्ढे । एवं तेओगेण वि समं, एवं दावरजुम्मेण वि समं । सेसं जहा पढमुद्देसए जाव वेमाणिया । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

८ कण्हलेस्स-रासीजुम्मकडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ?

गोयमा ! उववाओ जहा धूमप्पभाए, सेसं जहा पढमुद्देसए । असुरकुमाराणं तहेव, एवं जाव वाणमंतराणं। मणुस्साण वि जहेव णेरइयाणं आयअजसं उवजीवंति । अलेस्सा, अकिरिया, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति; एवं ण भाणियव्वं । सेसं जहा पढमुद्देसए । कण्हलेस्स-तेओगेहिं वि एवं चेव उद्देसओ । कण्हलेस्सदावरजुम्मेहिं एवं चेव उद्देसओ । कण्हलेस्स-कलिओगेहिं वि एवं चेव उद्देसओ । परिमाणं, संतरं य जहा ओहिएसु उद्देसएसु ॥॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

९ जहा कण्हलेस्सेहिं एवं णीललेस्सेहिं वि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा णिरवसेसा, णवरं-णेरइयाणं उववाओ जहा वालुयप्पभाए, सेसं तं चेव । काउलेस्सेहि वि एवं चेव चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, णवरं- णेरइयाणं उववाओ जहा रयणप्पभाए, सेसं तं चेव ।

१० तेउलेस्स-रासीजुम्मकडजुम्म-असुरकुमारा णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! एवं चेव, णवरं-जेसु तेउलेस्सा अत्थि तेसु भाणियव्वं । एवं एए वि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारि उद्देसगा कायव्वा। एवं पम्हलेस्साए वि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा । पंचिंदिय-तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वेमाणियाण य एएसिं पम्हलेस्सा, सेसाणं णत्थि ।

जहा पम्हलेस्साए एवं सुक्कलेस्साए वि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, णवरं-मणुस्साणं गमओ जहा ओहियउद्देसएसु, सेसं तं चेव। एवं एए छसु लेस्सासु चउवीसं उद्देसगा, ओहिया चत्तारि, सव्वे ते अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

॥ २-२८ उद्देसो समत्ता ॥

एगचत्तालीसइमं सतं

२९-५६ उद्देसा

१ भवसिद्धिरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा ओहिया पढमगा चत्तारि उद्देसगा तहेव णिरवसेसं एए चत्तारि उद्देसगा ।

२ कण्हलेस्सभवसिद्धिरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? गोयमा! जहा कण्हलेस्साए चत्तारि उद्देसगा भवंति तथा इमे वि भवसिद्धि-कण्हलेस्सेहिं वि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा।

३ एवं णीललेस्सभवसिद्धिएहिं वि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा । एवं काउलेस्सेहिं वि चत्तारि उद्देसगा। तेउलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा । पम्हलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा । सुक्कलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा एवं एए वि भवसिद्धिएहि वि अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति।

एगचत्तालीसइम सतं

५७-८४ उद्देसा

- १ अभवसिद्धिय-रासीजुम्म-कडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा पढमो उद्देसगो, णवरं-मणुस्सा णेरइया य सरिसा भाणियव्वा। सेसं तहेव। एवं चउसु वि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा ।
- २ कण्हलेस्स-अभवसिद्धिय-रासीजुम्मकडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति। गोयमा ! एवं चेव चत्तारि उद्देसगा । एवं णीललेस्स-अभवसिद्धिय-रासीजुम्म-कडजुम्म-णेइयाणं चत्तारि उद्देसगा । काउलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा । तेउलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा । पम्हलेस्सेहि वि चत्तारि उद्देसगा । सुक्कलेस्स-अभवसिद्धिए वि चत्तारि उद्देसगा। एवं एएसु अट्ठावीसाए वि अभवसिद्धिय-उद्देसएसु मणुस्सा णेरइयगमेणं णेयव्वा। एवं एए वि अट्ठावीसं उद्देसगा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

एगचत्तालीसइमं सतं

८५-१४० उद्देसा

- १ सम्मदिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मणेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! जहा पढमो उद्देसओ। एवं चउसु वि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा भवसिद्धियसरिसा कायव्वा।॥ सेवं भंते ! सेवं भंते! ॥
- २ कण्हलेस्स-सम्मदिट्ठी-रासीजुम्मकडजुम्म-णेइया णं भंते! कओ उववज्जंति ? गोयमा! एए वि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारि वि उद्देसगा कायव्वा । एवं सम्मदिट्ठीसु वि भवसिद्धिय-सरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥
- ३ मिच्छादिट्ठी-रासीजुम्मकडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एत्थ वि मिच्छादिट्ठीअभिलावेणं अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा । ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥

एगचत्तालीसइमं सतं

१४१-१९६ उद्देसा

- १ कण्हपक्खिय-रासीजुम्मकडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति? गोयमा ! एत्थ वि अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा । ॥ सेवं भंते! सेवं भंते ! ॥
- २ सुक्कपक्खिय-रासीजुम्मकडजुम्म-णेइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! एवं एत्थ वि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति । एवं एए सव्वे वि छण्णउयं उद्देसगसयं भवंति

रासीजुम्मसयं जाव सुक्कलेस्स सुक्कपक्खिय-रासीजुम्मकलिओग-वेमाणिया जाव जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेति ? णो इणद्धे समद्धे ।

भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी- एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छिय-पडिच्छियमेयं भंते ! सच्चे णं एसमद्धे, जे णं तुब्भे वयह त्ति कट्ठु अपूइवयणा खलु अरिहंता भगवंतो, समणं भगवं महावीरं वंदइ, णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। रासीजुम्मसयं समत्तं।

१

सच्चाए भगवईए अट्ठतीसं सयं सयाणं, उद्देसगाणं एगूणविंसतिसयाणि पंचविंसति आहियाणि ।

चुलसीइ सयसहस्सा, पयाण पवरवरणाणदंसीहिं ।

भावाभावमणंता, पण्णत्ता एत्थमंगम्मि ॥१॥

तवणियमविणयवेलो, जयइ सदा णाणविमलविउलजलो ।

हेउसयविउलवेगो संघसमुद्धो गुणविसालो ॥२॥

२

पण्णत्तीए आइमाणं अट्ठण्हं सयाणं दो दो उद्देसगा उद्दिसिज्जंति, णवरं-चउत्थे सए पढमदिवसे अट्ठ, बिइयदिवसे दो उद्देसगा उद्दिसिज्जंति । णवमाओ सयाओ आरद्धं जावइयं-जावइयं एइ तावइयं तावइयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ, उक्कोसेणं सयं पि एगदिवसेणं, मज्झिमेणं दोहिं दिवसेहिं सयं, जहण्णेणं तिहिं दिवसेहिं सयं; एवं जाव वीसइमं सयं, णवरं-गोसालो एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ, जइ ठिओ एगेण चेव आयंबिलेणं अणुण्णवइ; अहण्णं ठिओ आयंबिलेणं छट्ठेणं अणुण्णवइ । एककवीस-बावीस-तेवीसइमाइं सयाइं एककेक्कदिवसेणं उद्दिसिज्जंति । चउवीसइमं सयं चउहिं दिवसेहिं; छ छ उद्देसगा। पंचवीसइमं दोहिं दिवसेहिं; छ छ उद्देसगा । बंधिसयाइं अट्ठसयाइं एगेणं एगेणं दिवसेणं, सेढिसयाइं बारस एगेणं, एगिंदियमहाजुम्मसयाइं बारस एगेणं दिवसेणं, एवं बेइंदियाणं बारस, तेइंदियाणं बारस, चउरिंदियाणं बारस एगेणं दिवसेणं, असण्णिपंचिंदियाणं बारस, सण्णिपंचिंदिय-महाजुम्मसयाइं एककवीसं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जंति, रासीजुम्मसयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ ॥

॥ इति भगवई समत्ता ॥

Published By:

GLOBAL JAIN AAGAM MISSION

Pawandham, Mahavir Nagar,
Kandivali (W), Mumbai - 400 067